

६०41] नई विल्लो, शनिवार, अन्तूबर 13, 1984 (आश्विन 21,1906)

No. 411 NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 13, 1984 (ASVINA 21, 1906)

्स भाग में भिरत पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलत के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a apparate compilation)

भाष III--- वास 1 [PART III---SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन <mark>कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं</mark>

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 श्रगस्त 1984

सं० ए० 19014/5/84-प्रशा०—-राष्ट्रपति भारतीय निरीक्षण सेवा के अधिकारी श्री जी० के० सिह्ना को 25 अगस्त, 1984 पूर्वाह्न से श्रागामी आदेणों तक संघ लोक सेवा आयोग के कर्मुशालय में श्रवर सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 सितम्बर 1984

सं० ए० 32014/3/80-प्रणा०-II--सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग एतद्वारा निम्नलिखित श्रन्वेषकों (त० सं०) को संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में 1-9-84 मे श्रागामी श्रादेशों तक नियमित रूप से श्रवीक्षक (त० सं०) के पद पर नियुक्त करते हैं।

. श्री ग्रो० पी० सूद विश्वासक (तं०सं०)के पद पर 2 श्री जें० जें० वक्षवर्ती) तदर्थ ग्राधारपर स्थानापन्न स्प से कार्य कर रहे हैं।

3 श्री रतन सिंह (ग्र० जा०)

एम० पी० जैन श्रवर सचिव (प्रणा०) संघ लोक सेवा श्रायोग केन्द्रीय सतर्कता भ्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1984

सं० 2/14/83-प्रणासन--इस श्रायोग में उनकी प्रति-नियुक्ति पदावधि समाप्त होने पर श्री जोगिन्द्र कुमार बढ़ैरा, कार्यपालक ग्रभियन्ता (सिविल), केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, श्रायोग में तकनीकी परीक्षक के पद पर प्रतिनियुक्ति, को 17-9-84 से 12-10-84 तक 26 दिन की श्राजित छुट्टी मंजूर की गई है। उन्हें ग्रपनी छुट्टी के साथ 16-9-84 (रविवार) तथा 13, 14 श्रक्तूबर, 1984 (श्रमण्ञ: दूसरा शनिवार तथा रविवार) को जोड़ने की श्रनुमति दी जाती है।

 छुट्टी समाप्ति पर श्री बढ़ैरा की सेवाएं निर्माण महा-निवेशालय, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली को सौंपी जाती हैं।

दिनांक 20 सितम्बर 1984

सं० 2/9/83-प्रशासन—केन्द्रीय सतकंता श्रायुक्त एतद्-द्वारा केन्द्रीय सतकंता श्रायोग में, निर्माण महानिदेशालय कार्यालय, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के मुख्य श्रीसयन्ता (सिविल) स्तर— 2, श्री डब्ल्यू डी० दंगडे को स्थानापन्न रूप से मुख्य तकनीकी परी-क्षक के पद पर प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर वेतनमान २० 2250125/2-2500 में 3 सिंतम्बर, 1984 (पूर्वाह्र) से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होता श्रवर सचिव कृते केन्द्रीय सतर्कता श्रामुक्त

पुलिस श्रनुसंधान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली-110001,दिनांक 18 सितम्बर 84

सं० 3/36/84-प्रणा०-ा--राष्ट्रपति, श्री ए०के० बनर्जी श्राई० पी० एस० (यू० पी० 1955) को पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो में 2500-2750 के वेतनमान में, निदेशक (अनुसंधान एवं विकास) के पद पर 1 सितम्बर के अपराह्म से अगले आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

एस० **के०** मल्लिक महानिदेशक

क्रा० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय भ्रन्वेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1984

सं० वी०-15/65-प्रशासत-5--मुख्य विधि सलाहकार के रूप में नियुक्ति के लिए, श्री वी० ए० रामाणर्मा, उप विधि सलाहकार, केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरों की सेवाएं, दिनांक 31 श्रगस्त, 1984 (श्रपराह्र) से, तीन वर्ष की श्रविध के लिए प्रतिनियुक्ति पर, श्रष्टाचार निवारण ब्यूरों, हैदराबाद, श्रान्ध प्रदेश सरकार को सींपी जाती हैं।

दिनांक 22 सितम्बर 1984

सं० ए-64/68-प्रशासन-5-राष्ट्रपति ने श्री ए० बी० बेलगल, वरिष्ठ लोक ग्रिभियोजक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 17 सितम्बर, 1984 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो में उप विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है।

सं० ए०-19036/3/81-प्रशा०-5-मणिपुर पुलिस से केन्द्रीय श्रन्वेषण न्यूरो में प्रतिनियुक्त पुलिस उपाधीक्षक श्री एस० दोरेन्द्र सिंह की सेवाएं दिनांक 14 सितम्बर, 1984 के श्रपराह्म से वापस मणिपुर सरकार का सौंप दी गई।

सं० ए-19019/1/84-प्रणासन-5-निदेशक, केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एत्दद्वारा केन्द्रीय सचिवालय राजभाषा सेवा (समूह "ग" पद) के ग्रेड 4 की सदस्यता, श्रीमती ग्राणा भटनागर को विनांक 30 जुलाई, 1984 के पूर्वाह से, राजभाषा विभाग द्वारा पद के नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, ६०650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन मान में केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो में तदर्य ग्राधार पर स्वारान हिन्स प्रति हैं।

विनांक 24 सितम्बर 1984

सं० ए०-19017/4/84-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना ने श्री एस० वी० रमगा, श्राराध सहायक को, छुड्डी पर गए कार्यालय श्राधीक्षक श्री एस० रामामूर्ति के स्थान पर, दिनांक 18 सितम्बर, 1984 के पूर्वाह्न से ग्रगले श्रादेश होने तक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो मुख्यालय के जोन-3 में पूर्णतः तद्र्यं ग्राधार पर, कार्यात्रय ग्राधीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो के रूप में सहर्ष नियुक्त किया है।

ग्रार० एस० नागपाल प्रशासनिक श्रिधकारी (स्थापना) केन्द्रीय भन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय के० रि० पु० बल नैई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1984 शुद्धि-पद्म

श्री बी० के० करकरा, कमाडेण्ट का एन० एस० जी० में डेपुटेशन ।

सं० डी० एफ 29/84-स्था०-I--इस महानिदेशालय ग्रिक्षिसूचना संख्या डी० एफ-29/84-स्था०-1 दिनांक 23-8-84 के संदर्भ में ।

2. श्री बी० के० करकरा, कमाडेण्ट की नेशनल सिक्युरिटी गार्ड में सेवाएं सोंपने की तारीख बजाय 2-8-84 (पूर्वाह) के 2-8-84 (प्रपराह) पहें।

विनांक 21 सितम्बर 1984

सं० भ्रो० दो०-1210/75-स्थापना--नियम 43(सी), के० रि० पु० बल नियम, 1955 के भ्रन्तर्गत, श्री सूबे सिंह, पुलिस उप-मधीक्षक, के० रि० पु० बल, 62 बाहिनी ने सेवानिवृत्ति के फलस्वरूप भर्पने पद का कार्यभार दिनांक 12-4-1984 (भ्रपराह्र) को स्थाग दिया ।

> एम० पी० ज**खमीला** सहायक निदेशक (स्थापना)

सुरेक्षा महा निदेशालय राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड नई दिल्ली, दिनांक 21 सितम्बर 1984

सं० ई०-305/8/84-एन० एस० जी०- महा निदेशक, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड, श्री, श्रार० गोपालाकृष्णन्, स्टेनो ग्रेड-II, लेखा निदेशालय, मंत्री मंडल सिचवालय नई दिल्ली को दिशांक 12-9-84 (पूर्वाह्र)से राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड विग, लेखा निदेशलय, मंत्री मंडल सिचवालय में विरिष्ठ व्यक्तिगत सहायक के दि पर श्रागे श्रादेशों तक प्रति- नियुक्ति पर नियुक्त करते हैं

> के० खाभाई महा रिक्षक

महानिवेशालय

केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई विल्ली, विनांक 19 सितम्बर 1984

सं० ई०-16013(1)/1/80-कार्मिक--राज्य काडर को प्रत्यावर्तन होने के फलस्वरूप श्री एम० मुखर्जी, भा० पु० से० (उड़ीसा-62) ने 3 सितम्बर, 1984 के पूर्वाह्म से के० भौ० सु० ब० यूनिट, राउरकेला स्टील प्लांट, राउरकेला के उप-महा-निरीक्षक के पर्व का कार्यभार छोड़ विया।

संख्या ई-16013(1)/1/81--कार्मिक--राज्य काडर को प्रत्यावर्तन होने के फलस्वरूप श्री एम० गोपाल, भा० पु० से० (पश्चिम बंगाल : 64) ने 31 ग्रगस्त, 1984 के श्रपराह्म से के० श्री० सु० व० यूनिट बोकारो स्टील लिमिटेड, बोकारो के उप महानिरीक्षक के पद का कार्यभार ∰छोड़ दिया । महानिरीक्षक औ० सु० व०

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 सितम्बर 1984

मं ० 10/27/80-प्रशा०-1--राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल कलकत्ता में स्थित जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में उपनिदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर कार्यरत श्री ए० सेनगुप्ता को, भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय, नई दिल्ली में तारीख 12-9-84 के पूर्वाह्म से 1500-60-1800 रु० के वेसनमान में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री ए० सेनगुप्ता का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

बी० एस० वर्मा भारत के महारजिस्ट्रार

श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय श्रम ब्युरो

शिमला-171004, दिनांक 5 अक्तूबर 1984

्सं. 23/3/84-सी.पी.आई.—अगस्त, 1984 में औद्यो-गिक श्रीमकों का अधिन भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) जुलाई, 1984 के स्तर से एक अंक बढ़ कर 586 (पांच सा छ्यासी) रहा। अगस्त, 1984 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 712 (सात सौ बारह) आता है।

> आनन्य स्वरूप भारव्याज निवश्यक, भारत सरकार/श्रम एवं प्तवसि मंत्रालय

'सरकार∕श्रम एवं पृतवसि मॅत्रालय श्रम ब्यूरा़े, शिमला-171004

कार्यालय : निवेशक वेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई विल्ली-110002, दिनांक 21 सितम्बर 1984

सं० प्रशासन-1/का० ग्रा० सं० 234--इस कार्यालय के एक स्थायी लेखा परीक्षा ग्रीधकारी श्री कृष्ण लाल ढल, जो ग्राज- कल जन क त्याण भ्रधिकारी के पट पर कार्य वर रहे हैं, बार्धयय भ्रायु प्राप्त करने के परिजाम स्वरूप 30 सितम्बर 1984 भ्रपराह्म को भारत सरकार की मेवा से सेवा निवृत्त हो जाएगे। श्री कृष्ण लाल ढल की जन्म तिथि 15 सितम्बर 1926 है।

दिनांक 21 सितम्बर 1984

सं० प्रणासन-I/का० भ्रा० सं० 235—इम कार्यालय के एक स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी श्री भ्रचरन लाल बार्धक्य भ्रायु प्राप्त करने के परिणामस्त्ररूप 30 सितम्बर 1984 को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जाएंगे। उनकी जन्म तिथि 15 सितम्बर 1926 है।

सं० प्रणा०-1/का० भ्रा० सं० 236-भीमान निधेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व, इस कार्यालय के श्री सुन्दर लाल गुप्ता स्थायी भ्रनुभाग श्रिधकारी को स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के वेतन कम 840-1200 रुपए में 4 सितम्बर 84 पूर्वाह्न से श्रमले श्रादेग दिये जाने तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 सितम्बर 1984

सं प्रशासन-I/का श्या । सं ०-247—निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्य इस कार्यालय के स्थानपरन लेखापरीक्षा श्रधिकारी श्री दीप चन्द जैन को 840-1200 रुपए के समयमान में दिनांक 1-9-84 से स्थायी रूप से नियुक्ति करते हैं।

> मोहन खुराणा उप-निदेशक लेखा परीक्षा (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा-II) बिहार, रांची-834002, दिनांक 22 सितम्बर 1984

सं० एल० ए० प्रशा०—I—स्था० I ए० पी० पट्टो०—2636—
महालेखाकार (लेखा परीक्षा—II)—बिहार, रांची प्रपत्ने कार्यालय
के स्थानीय अंकेक्षण णाखा के निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा
अधिकारियों को 17—9—1984 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश तक
लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में सहर्ष पदोन्तत
करते हैं:—

- ा. श्री एस० मुखर्जी
- 2. श्री के० एन० पाण्टेय
- 3. श्री डी० बैरागी
- 4. श्री एन० एस० झा.

देवव्रत मुखर्जी स्थानीय लेखा परीक्षक, बिहार

कार्यालय, महालेखाकार (लेखा परीक्षा)उड़ीसा भुवनेश्वर, दिनांक 14 सितम्बर 1984

सं० ई० ग्रो०-45-भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग नियुक्ति नियमार्वली 1964 (प्रशासनिक ग्रधिकारी, लेखा परीक्षा ग्रधिकारी) की व्यवस्थात्रों के ग्रन्तर्गत महालेखाकार ने निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा

प्रिक्षिकारियों को उनके नाम के साथ दर्गाई गई तिथियों से कार्य-वाही लेखा परीक्षा प्रिक्षकारी के रूप में तथा 840-40-1000-द० प्र०-40-1200 के वेतनमान पर सहर्ष पदोन्नत किया है। उनकी पदोन्नति तदर्थ रूप में बिना उनसे विरुठ प्रिक्षकारियों की विरुठता के पक्षपात के तथा उच्च एवं उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन मामलों के फैसला तथा ग्रादेश होने तक की गयी।

- श्री के० सी० पाटजोशी 16-8-84 (पूर्वाह्न)
- मो० ग्रब्बुल ग्रहद 16~8-84 (पूर्वाह्न)
- 3. श्री एस० एस० प्रकाण राव 16-8-84 (पूर्वाह)
- 4. श्री तोताराम विश्वास 29-8-84 (पूर्वाह्म)

ह०/-उत्पल भट्टाकार्य, वरिष्ठ उपमहानेखाकार (प्रशासन)

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा/दक्षिण पूर्व रेलवे

कलकता-700043, दिनांक 17 सितम्बर 1984

सं० प्रणा०/33-2क/82/31414--- निदेणक लेखा परीक्षा, दक्षिण पूर्व रेलवे, कलकत्ता के कार्यालय में प्रधीनस्थ रेल लेखा परीक्षा सेवा (श्रगस्त, 1982 से श्रनुभाग ग्रधिकारी सेवा नामा-त्तरण किया) के निम्नलिखित सदस्यों की दिनांक 1-3-1984 के पूर्वाह्म से वेतनमान रु० 650-30-740-35-880- द० श्र०-40-1040/-में सहायक लेखा परीक्षा श्रधिकारी (राज-पत्तित-श्रेणी ख') के रूप में श्रगले श्रादेश तक नियुक्त किये गये :--

सर्वश्री---

- 1. काली पद दत्त,
- 2. प्रशान्त कुमार मुखर्जी,
- 3. भ्रमलेन्द्र गुहा ठाकुरटां,
- ग्रर्धेन्दु शेखर मजुमदर,
- 5. बिष्णु पदा भट्टाचार्य,
- आशुतोष पाल,
- 7. भगवत शरण उपाध्याय,
- 8. के० एन० मेहरोत्रा,
- सोमनाथ शर्मा,
- 10. मुकुल चन्द्र दे,
- 11. पुसरल हरनाथ,
- 12. इन्दु ज्योति पोद्दार,
- 13. प्रक्षोध चन्द्र दलुई,
- 14. राम गोपाल राय,
- 15. सलिल कुमार दत्त,
- 16. श्रीमती ज्योत्सना चक्रवर्ती,
- 17. बृजुकुष्ण यादव,
- 18. रामजीत राम,
- 19. तुलसीदास चटर्जी,
- 20. इमामुद्दीन मुहम्मद यूसूफ,
- 21 चिनास्वामी शास्त्री, चन्द्र शेखरन,

सर्व श्री

- 22. कोलपारा गोपालन थानकप्पन नायर.
- 23. भ्रनादि नाथ चटर्जी,
- 24. प्रशान्त कुमार बासू,
- 25 सुसीत कुमार चक्रवर्ती,
- 26. सुबोध नारायन चौधुरी,
- 27. बांकिम चन्द्र तोष.
- 28 सुनील एवारिस्ट विस्वास,
- 29 विरेन्द्र नाथ मुखर्जी,
- 30. रूपेन्द्र कुमार बासू,
- 31 राम लखन,
- 32 संजीत कुमार राय,
- 33. पन्ना लाल घोष,
- 34. विमल कृष्ण दास,
- 35. भ्रनिल कुमार साहा,
- 36. मुनाल कान्ति सेन,
- 37. कमल कुमार चट्टोपाध्याय

म० ल० राय निदेणक लेखा परीक्षा

रक्षा लेखा विभाग

कार्याक्षय, रक्षा लेखा महानियंत्रक, नई दिल्ली-110066, दिनांक 19 सितम्बर 1984 महिपन्न

सं० प्रणा०/1/1174/1/III—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के कनिष्ठ प्रणासनिक ग्रेड (वेतनमान 1500—30—1800—100—2000) के श्रिधकारियों की "श्रनुक्रम नियम" के श्रधोन श्रीमती उपा ग्रेस श्रंथोनी ग्रीर कु० गंगा पुरकुटों के सम्बन्ध में दिनांक 30—12—83 श्रीर 14—2—84 से क्रमणः छः महीने की श्रवधि के लिए पदोन्तित सम्बन्धी इस विभाग की दिनांक 19—1—84 ग्रीर 27—3—84 की श्रिधसूचना सं० प्रणा०/ I/1174/1/III के श्रांशिक परिणोधन में श्रनुक्रम नियम के श्रधीन, उस लाभ की तारीख से ग्रागे तथा श्रागामी श्रादेण पर्यन्त सहर्ष बढ़ाते हैं।

सं० प्रशा० /I/1944/5/I—भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए चुने जाने परिणामस्वरूप, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारो श्री निखलेश झा, 13—8—84 (अपराह्म) को अपने कार्यभार से मुक्त हो गए हैं। श्री निखलेश झा को भारतीय रक्षा लेखा सेवा में अपनी स्थायी नियुक्ति पर दो वर्ष को अवधि तक पुनर्ग्रहणाधिकार रखने की अनुमृति दी गयी है।

विनांक 20 सितम्बर 1984 शब्दि पत्न

सं० प्रशा०/l/1150/1/II/—संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा 1982 के परिणामस्वरूप भारतीय रक्षा लेखा सेवा में व्यक्तियों की परिवीक्षार्थी के रूप में नियुक्ति से सम्बन्धित इस विभाग की ग्रिधिसूचना सं० प्रशा०/I/1150/1/IV दिनांक 29-2-84 के दर्भ में 1

त्रम सं० 1-श्री सिवतुर प्रसाद के सामने स्तम्भ "नियुक्ति । विनांक" के प्रधीन दिनांक "29-08-83 (पूर्वाह्म)" के थान पर "29-08-83 (श्रपराह्म)" पढ़ें।

ए० के० घोष रक्षा लेखा श्रपर महानियंत्रक (प्रणा०)

रक्षा मंद्रालय

आय्ध निर्माणी बोई

डो० जी० श्रो० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1984

पदोन्नति

सं 17/84/ए०/ई-1(एम० जी०)--डी० जी० ग्रो० एफ० महोदय निम्नलिखित व्यक्तियों को वर्तमान रिक्तियों में विरुद्धता पर विना प्रभाव के प्रत्येक के नामों के सामने दर्शायी गई तारीख से, पदों पर पदोन्नत करते हैं।

फ॰ नाम	पद	दिनांक
सं०	والمراجعة المراجعة ال	سري والمساورة والمراجعة المساورة المساو
 श्रीमती श्रंजिल दासगुप्ता स्थानापन्न सहायक 	स्थानापन्न सहा० स्टाफ अधिकारी	17-8-84 (पूर्वाह्न) से श्रागामी श्रादेण
 श्री प्रिति रंजन दसा स्थानापन्न महायक ग्रा० उ० फै० ग्रुप 	सहायक स्टाफ ग्रधिकारो (तदर्थ ग्रा० नि० बोर्ड	होने तक) -त्रही
.मुख्यालय, कानपुर 3. श्री तपन कुमार दे स्थानापन्न सहायक आ० उ० फै० ग्रुप मुख्यालय, कानपुर ।	सहायक स्टाफ मधिकारी (तदर्थ) भ्रा० नि० बोर्ड	~बही~
स्यानापन्त सहायक स्रा० उ० फै० ग्रुप	भिकारी (तदर्थ)	-

02. उक्त पदोन्नतियों में माननीय कलकत्ता उच्च-न्यायालय में दाखिल की गई अपील के परिणामानुसार अनुपालन किया जाएगा।

03. कम संख्या 1 की श्रीमती श्रंजिल दास गुप्ता ने दितांक 18-8-84 (पूर्वाह्न) से कम संख्या 2 के श्री के० प्रिति रंजन दत्ता ने दिनांक 31-8-84 (पूर्वाह्न) से तथा कम संख्या 3 के श्री तपन कुमार दे ने दिनांक 29-8-84 (पूर्वाह्न) से कमणः सहायक स्टाफ अधिकारी के रूप में उच्च पद का कार्यभार संभाल लिया है।

04. श्रीमती ग्रंजिल दास गुप्ता दिनांक 17-8-84 (पूर्वाह्म) से दो वर्ष पर्यन्त परियोक्षाधीन रहेंगी।

> हीं० ग्रार० ग्रय्यर उप महानिदेशक ग्रा० नि०/कार्मिक कृत महानिदेशक ग्रायुध निर्माणी

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1984

सं० 45/जी०/84—नार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री पि० एन० राय चौधरी, सहायक निदेशक (मौलिक एव स्थायी फोरमैन) दिनांक 31 अगस्त, 1984 (अपराह्न) में सेवा निवस हए ।

वी० के० महता निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय (वस्त्र विभाग)

हथकरचा विकास भ्रायुक्त का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1984

सं ० ए-32013/80-प्रशासन-III--राष्ट्रपति, श्री राम जैड क्योटें को 10 सितम्बर 1984 से श्रामाभी श्रादेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, बम्बई में निदेशक (सामान्य) के पद पर नियुक्त करते हैं

विवेक कुमार अग्निहोत्री ग्रपरविकास ग्रायुक्त (हथकरघा)

उद्योग मंत्रालयः

श्रीबोगिक विकास विभाग

विकास भाष्युक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1984

मं० 12(573)/68-प्रणा० (राज०)-खण्ड-2--राष्ट्रपति, लवु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर के उपनिदेशक, श्री के० के० सरन अग्रवाल (कांच/भृत्तिका) को, उनकी सेवानिवृत्ति की श्रायु पूरी हो जाने पर, दिनांक 31-5-84 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की श्रनुमति देते हैं।

दिनांक 19 सिसम्बर 1984

मं० 12(588)/68-प्रणासन (राज०) खण्ड-11-राष्ट्रपति, कधु उद्योग सेवा सस्थान, कलकत्ता के प्रधीनस्थ विस्तार
केन्द्र टांगड़ा के सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (चर्म/पादुका) श्रो
हरी दास घोप को दिनांक 31 श्रगस्त, 1984 (पूर्वाह्म) से, श्रगले
श्रादेशों तक, विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय,
दिस्ली में उपनिदेशक (चर्म/पादुका) के रूप में, तदर्थ श्राधार पर
नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(145)/72-प्रणा० (राज०)--राष्ट्र-पति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, इन्दौर के सहायक निदेणक (ग्रेष्ठ 1), श्री बी० एम० एल० विपाठी (ग्राधिक श्रन्वेषण) को, मेवा-निवृत्ति की श्रायु पूरी हो जाने पर, विनांक 31-7-84 (ग्रपराह्न) में, सरकारी सेवा से निवृत्त होने की श्रनुमति देते हैं।

दिनांक 21 सितम्बर 1984

स० ए-12(439)/64-प्रणासन (राजपत्नित) श्वण्ड 2.... राष्ट्रपति, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, नई विल्ली के उप निर्वणक पन्न रूप में 27 अगस्त, 1984 में अगने आवेशों तक तदर्थ आधार पर प्रशासनिक अधिकारी, के रूप में आकाशनाणी में नियक करते हैं।

2 श्री जेना ने आकाणवाणी, भुज में उसी दिन से प्रणासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिथा है।

> मोहन फांसिस प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्लो, दिनांक 19 सितम्बर 1984

सं० ए० 12026/3/84-प्रणासन-I- पूर्ति एवं निपरान महानिदेशालय में सहाय क्र निदेश क (मांख्यिकी) के पद से तबादला हो जाने के फलस्वरूप, भारतीय सांख्यिकीय सेवा के ग्रेड 4 के अधिकारों श्री आदिस्क्रमण्यम ने 13 ज्न, 1984 पूर्वीह्र में राष्ट्रीय अयरोग मंस्थान, बंगलीर में सांख्यिकी (स्टेस्टिणियन) के पट का कार्यभार संभाल लिया है।

पी० एन० ठाकुर उप निदेशक प्रशासन (सी० एण्ड बी०)

कृषि मंद्यालय

(कृषि और सहफारिता विभाग)
वनस्पति रक्षा, संगरोध और संचयन निदेशालय
फरीदाबाद, दिनांस 18 सितम्बर 1984

सं० 7-11/84-प्र० अ० प्रयम—वनस्पति रक्षा सलाह्कार, भारत सरकार, श्री आर० पी० जाली, टिड्डी तक्कतीकी अधिकारी, को 16-8-84 (प्रविह्न) से 31-12-1984, (अपराह्न) तक वनस्पति संगरोध तथा प्रध्मन केन्द्र, गेडे, में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में सहायक कीटविज्ञानी के राजपन्ति पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

एस० पी० कुटार मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

खाद्य एवं नागरिक श्रापूर्ति मंत्रालय (खाद्य विभाग)

शर्करा निदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 22 सितम्बर 1984

सं० ए-32014/1/84-स्था०--श्री भ्रार० के० मितल तकनीकी सहायक (शर्करा तकनीकी) (सलैक्शन ग्रेड) को इस निवेशालय मे पूर्ण भ्रस्थायी तथा तदर्थ भ्राधार पर कनिष्ठ तकनीकी श्रिक्षकारी (शर्करा तकनीकी) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०- 40-

1200 के वेतनमान में 10 ग्रगस्त, 1984 से छः मास के रिस्थानापन्न के ग्राधार पर नियक्त किया जाता है।

बी० लक्ष्मी रतन मुख्य निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद, दिनांक 24 सितम्बर 1984

सं० प० ख० प्र०-16/4/84-मर्ती-निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी वरिष्ठ श्रामुलिपिक, श्री श्रो० भार्यन को उसी प्रभाग में 28 श्रगस्त, 1984 से वो माह की श्रवधि के लिए श्रथवा संवर्ग प्राधिकारी द्वारा एवजी नियुक्त करने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ रूप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० य० गोखले वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा श्रधिकारी

ग्रन्तरिक्ष विभाग इसरो उपग्रह केन्द्र

बेंगलूर-17, दिनांक 11 सितम्बर 1984

सं० 020/1(3)/84-स्थापना—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के सामने दिए गए पदों पर एवं दर्शायी तिथियों के पूर्वाह से अगले आदेश प्रप्त होते ... बिलकुल अनंतिम एवं श्रस्थायी श्राधार पर सहवं पदोन्नत करते हैं:--

ऋ० नाम सं०	पदनाम	दिनांक
सर्वश्री		
1. बीं । एसं । सिनेण	वैज्ञानिक/म्रंभियन्ता एस० बी०	27-06-84
2. उमेण चन्द्र	वैज्ञानिक/भ्रमियंता एस० बी०	28-06-84
3. श्रार० मुरिलधारन	वैज्ञानिक/भ्रभियंता एस० बी॰	29-06-84
4. एस० मंकर नाराय [्] ण	वैज्ञानिक/भ्रभियंता एस० बी०	02-07-84
5. सी० वी० रविशंकर	वैज्ञानिक/ग्रभियंता गम० बी०	01-08-84

(धातुकम) श्री टी॰ एन॰ बासु को उसी कार्यालय में, 2-6-84 (पूर्वाह्म) से श्रागले भादेशों तक, निदेशक (ग्रेड-2) (धातुकर्म) के रूप में तदर्थ भाधार पर नियुक्त करते हैं।

मं० ए०-19018(690)/83--प्रशासन (राजपितत)---राष्ट्रपति, श्री एम० वेंकटासुक्रमण्यम को लघु उद्योग सेवा संस्थान, अहमदाबाद में 19-7-84 (पूर्वाहः) से अगले आदेशों तक, सहायक निदेशक ग्रेड-1, (औद्योगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 मिनम्बर 1984

सं० 12(116)/61-प्रशा० (राज०)/खण्ड-- --यूनिडो के अधीन नेपाल में यांत्रिक इंजीनियर के रूप में प्रतिनियुक्ति हो जाने पर, श्री एम० वन्दोपाध्याय ने 2-6-84
(अपराह्म) से कोबीय परीक्षण केन्द्र, नई दिल्ली के निदेशक, ग्रेड-II(यांत्रिक) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 3-6-84 (पूर्वाह्म) से 12-8-84 (अपराह्म) तक, यूनिडो के अधीन नेपाल में यांत्रिक इंजीनियर के छ्व में उनकी प्रतिनियुक्ति अवधिक समाप्त होने पर, श्री एय० वन्दो-पाध्याय ने 13 अगस्त, 1984 (पूर्वाह्म) से क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, नई दिल्ली के निदेशक, ग्रेड-II (यांत्रिक) के पद का दार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 29 सितम्बर 1984

सं० ए०-19018(401)/79-प्रणासन (राजपितत)---राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, करनाल के सहायक निदेशक, ग्रेड-1, श्री डी० बन्दोपाध्याय (धातुकर्म) दिनांक 23-4-84 (पूर्वाह्म) से अगले आदेशों तक, उसी संस्थान में, तदर्थ आधार पर, उपनिदेशक (धातुकर्म) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> एस० के०.पुरकायस्थ उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय इस्पात विभाग लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलक्ता-70, दिनांक 11 सितम्बर 1984

सं० ६०-I-2(3)/75--अधोहस्ताक्षरङ्क्ति श्री रणधीर कुमारदे, अधीक्षकको दिनांक 110-9-1984 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर इस कार्यालय में सहायङ्क लोहा और इस्पात नियंत्रक के पद पर अवङ्गाण रिक्ति पर अगले आदेण तक के लिए नियुक्त करते हैं।

> दीपक कुमार घोष लोहा और इस्पात नियंत्रक

। (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकता-700 016, दिनांक 18 सितम्बर 1984

सं० 6629/ए-19012 (1-इब्ल्यू० एच०/83/19ए---महानिदेशक म्० बसीउल हक को सहायक भ्वैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 12-7-1984 के अपराह्म से नियक्त कर रहे हैं।

सं० 6642बी/ए-19022(1-एस० यू०)/83/19ए-महानिदेणस श्री सुरिन्दर उप्लल को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप
में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650रू० प्रतिमाह के प्रारम्भिक
वेनन पर, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-88040-1000-द० रो०-40-1200र० के भूतनमान में, स्थानापन्न
क्षमता में, आगामी आदेण होने तक 30-7-1984 के पूर्वाह्र
में नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 6655बी/ए-19012(1-बी० के०)/83/19ए-- महानिदेशक श्री बृजेण कुमार को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रति माह के प्रारंभिक वेतन पर, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थाना-पन क्षमता में आगामी आदेण होने तक 30-7-84 के पूर्वाह्म में नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुणारी निदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 17 सितम्बर 1984 णुडि पत्र

सं० ए-19012 (188) / 83-स्था० ए०-दिनांक 26-3-84 के अधीन जारी अधिसूचना में आंगिक आशोधन कर श्री के० के० साहू, सहायक प्रणासन अधिकारी की योजना विभाग, उत्तर प्रदेश, से प्रमृक्ति की तारीख, उक्त अधिसूचना की पांचवीं पंक्ति में दी गई तारीख 1 मार्च 1984 (अपराह्न) की बजाए 2 मार्च 1984 (अपराह्न) पढ़ी जाए।

दिनांक 18 सितम्बर 1984

सं० ए० 19012(190)/83 स्था० ए०--विभागीय पदोन्नित समिति की सिफारिश पर श्री एस० डी० राय, स्थायी विरिष्ठ तक्नीकी सहायक (भूविज्ञान), भारतीय खान न्यूरों को इस विभाग में सहायक खनन भूविज्ञानी, ग्रुप 'बी'', के पद पर, 1 सितम्बर, 1984 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश तक स्थानापन्न खप में पदोन्नित , प्रदान की गई है।

ंपी० पी० वादी प्रशासन अधिकारी भारतीय खान ब्यूरो

आवाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1984

मं ० 1/17/84--एस०--कोस--महानिदेशक, आकाशवाणी श्री एन० जे ० जेना, वरिष्ट स्टोरकीपर, आकाशवाणी, कटक को स्थाना- सं० 020/1(3)/84-स्थापना-इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक, श्रंतरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर के निम्त- लिखित व्यक्तियों से प्राप्त त्याग पन्न उनके नाम के सामने दर्शायी गई तिथियों से सहर्ष स्वीकार करते हैं:---

ऋ० नाम सं०	पदनाम	तिथि
सर्वश्री		
1. धबलेश्वर कुमार पं डा	वैज्ञानिक/ग्रभियंता एस० बी ०	21-8-84 भ्रपराह्य से
2. कें० वी० नागेश	एस० चार वैज्ञानिक/ग्रभियंता एस० वी०	•

एच० एस० रामदास प्रशासनिक श्रधिकारी– ${
m I}^{
m I}$

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय दिनांक नई दिल्ली सितम्बर 1984

सं० ए० 32013/4/84-ई० डब्ल्यू—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री के० कुप्पुस्वामी, सहायक विद्युत एवं यांत्रिक श्रधि-कारी को दिनांक 2 श्रगस्त, 1984 से उनकी सेवा निवृत्ति श्रर्थात दिनांक 30-11-84 तक विद्युत एवं यांत्रिक श्रधिकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

 श्री कुप्पुस्वामी को विद्युत एवं यात्रिक वर्कशाप मद्रास एयरपोर्ट, मद्राम में तैनात किया गया है।

> जी० बी० लाल सहायक निदेशक प्रशासन

नई विल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1984

सं० ए० 32014/5/82-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को जो इस समय तकनीकी प्रधिकारी के रूप में तवर्ष श्राधार पर कार्य कर रहे हैं प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से भौर श्रन्य श्रादेश होने तक सहायक तकनीकी श्रिधकारी के ग्रेड में नियमित श्राधार पर नियुक्त किया है।

क्र० नाम सं०	पदोन्नति की तारीख
सर्वश्री—	
1. जी० एम० मैथ्यू	28-12-1983
2. एस० वी० सुब्बाराव	28-10-1983

3. के० भ्रंजनेयुलू	28-10-1983
4 एन० पूरमचन्द्र राव	28-10-1983
5. एस० कृष्णन	28-10-1983
 मृणमय मिलक 	28-10-1983
7. बी॰ एस॰ जजुहा	28-10-1983
 ए० श्री निवासन 	28-10-1983
9. सी॰ के० डे	28-10-1983
10. वी० श्री निवासन	28-10-1983
11. डी० एल० एन० मूर्ति	28-10-1983
12 पी० वी० राव	28-10-1983

दिनांक 1 सितम्बर 1984

सं० ए०-32013/11/83-ई० I—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित ग्रधिकारियों को जो विमान मार्ग एवं विमान क्षेत्र निदेशा-शालय म निदेशक के पद पर तदर्थ ग्राधार पर कार्य कर रहे थे, दिनांक 16 जुलाई, 1984 से इसी ग्रेड में नियमित ग्राधार पर नियुक्त किया है।

- 1 श्री प्रेम नाय
- 2. श्री म्रार० म्राई० सिंह
- 3. श्री एसं० एच० सोनटेक (ग्रनु० जाति)
- 4. श्री जार्ज लकड़ा (श्रनु० ज० जाति)

दिनांक 20 सितम्बर 1984

सं० ए० 19011/29/80—ई०—I—महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय के श्री चमनलाल, निदेशक वैमार्श्रिक् रीक्षण निवर्तन श्रायुं प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप दिनांक 31— ξ 340 पूर्वाह को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

श्रो० पी० स्रग्नवाल सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली दिनांक 5 सितम्बर 1984

सं० ए० 38013/1/84-ई० ए०---क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली के कार्यालय के श्री श्रमीर चन्द, वरिष्ठ विमान क्षेत्र श्रधिकारी निवर्तन ग्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31-7-84 से सरकारी सेवा से निवृक्त हो गए हैं।

> बि० भौमिक सहायक निदेशक प्रशासन

वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, विनांक 17 सितम्बर 1984

सं० 16-431/84-ई०-1-संघ लोक सेवा भ्रायोग की सिफारिश पर भ्रष्ट्यक्ष, वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, श्री प्रभाकर नाथ मिश्रा को वन भ्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून के ग्रन्तगंत वन मृदा पर वनस्पति सर्वेक्षण, कोयम्बतूर में दिनांक 30 जुलाई 1984 के पूर्वाह्र में भ्रागामी भ्रादेशों तक श्रस्थायी हैनियत में श्रनुसंधान श्रधिकारी के पद पर कुठ 650-1200 के वेतनमान पर महुपं नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 सितम्बर 1984

मं० 16/404/82-स्थापना-1--श्री श्रार० श्रार० यादव सहायक श्रनुदेशक (मध्य प्रदेश वन विभाग में प्रतिनिय्क्ति पर) वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय वहरादून का 14-8-84 की पूर्वाह को देहावसान हो गया है।

> जी० एस० ग्रोबर कुल सचिव वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद व सीमाणुरुक भुवनेण्वर भुवनेण्वर, दिनांक 19 सितम्बर 1984

मं० 7/84--श्री गुरुपद घोष, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमाणुल्क, भुवनेण्वर सरकारी सेवा में कार्यनिवृति पर दिनांक 31-8-84 (अपराह्र) को अवकाण ग्रहण किये।

> चि० शतपश्री उप समाहर्ना (का० व स्था०)

विश्वि, त्याय और कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पतियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 ग्रीर कानोलिन प्रोडक्टस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में पढ़ना !

कोचीन, दिनांक 17 सितम्बर, 1984

मं० 1959/लिक्व/560(5)/9597/84—कम्पनी अधि-सप्रोडक्टस नियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतदबारा भूचना दी जाती है कि काबोलिन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर में काट दिया गया और उक्त कम्पनी त्रिघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 श्रीर केरला विवरेजंस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में पढ़ना

कोचीन, दिनांक 18 सितम्बर 1984

सं० 3126/लिक्क/560(5)84—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसार एतद्वारा सूचना 2—276GI/84

> कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रीर

युनाइटेड रवर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में !

कोचीन, दिनांक 17 सितम्बर, 1984

सं० 1695/लिक्वि/9599/84—560(5)—कम्पनी
प्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार
एतद्बारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के
प्रवसान पर यूनाइटेड रब्बर प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके
प्रतिकूल कारण दिशान न किया गया तो रिजस्टर से नाम काट
दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 श्रौर

सर्वोत्तम कुरीस एण्ड लोण्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में कोचीन, दिनांक 18 मितम्बर 1984

मं० पटना (लिक्थ/3399/9694 56(3) 84—कम्पनी प्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के प्रमुखार एनदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख मे तीन मास के प्रवसान पर सर्वोत्तम कुरीस एण्ड लोण्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उकत कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रीर

मन्जाली कुरीस एण्ड एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड कोचीन, दिनांक 18 सितम्बर 1984

सं० पटना (लिक्ब/2721/560(3)/9697/84—कम्पनी
ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार
एनदद्वारा यह सूचना दी जानी है कि इस तारीख से तीन मास के
ग्रवसान पर मन्जली कुरीस एण्ड एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम
इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से नाम काट
दिया जायगा ग्रीर उक्त कम्पनी विचटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में श्रीर श्रीर जियोबानोला बिन्नि लिमिटेड के मामले में ! कौकीन, दिनांक 24 सितम्बर 1984

मं । 1929/लिक्वि/9894—-सिविल सं सी० पी० 7/ 1979—-ये एरनाकुलम में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 15 - 12-1982 के श्रादेण द्वारा जियोबानोला बिन्नि लिमिटेड का परिसमापन करने के श्रादेण दिया गया है।

> के० पंचापकेशन कम्पनी रजिस्ट्राप

"कम्पनी ग्रधिनियम 1956 श्रीर | डीमैंट फाइनैस एण्ड चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

जालन्धर, दिनांक 17 सितम्बर, 1984

सं० डी० |सटैर| 560| 2578| 5296—कम्पनी अधिनियम 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतवद्वारा सूचना दी जाती है कि डीसैट फाइनैंस एण्ड चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

काम्पनः अधिनियम 1956 और धः गनेश चिट फण्ड फाइने-न्सियरसः ध्राडवेट लिमिटेड के विषय में ।

जालन्धर, दिनांक 17 सितम्बर 1984

सं ० जी ०/स्टैट/560/3141/एम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती हैं कि श्री गनेण चिट फण्ड फाडनेंन्सियरस प्राहेबेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से ाट दिया यया है और उक्त कम्पन, बिचटित हो गई है।

कम्पनः अधिनियम 1956 और मानसा एक्रीकल्चरल एण्ड मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

जालन्धर, दिनांक 17 सितम्बर 1984

सं जो |स्टैट|560|2717|कस्पती अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दो जाता है कि मानमा एग्रे कल्चरल एण्ड मार्केटिन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त एस्पती विधटिन हो गई है।

बंग्य एम्य जैन युम्पनी रजिस्ट्रार पंजाब हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीसद कस्पनो अधिनियम ैै 1956 श्रीर एम० के० एम० बस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के बिषय में ।

मद्रास, दिनांक 17 ।सतम्बर 1984

मं० 4064/560/84-- कम्पनः अधिनियम 1956 को बारा 560 का उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्बारा यह सूचना दो जाती है कि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर एम० के एम० बस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिणित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएमा और उक्त कम्पनी विषटित कर दो जाएमी।

वि ए० विजयन मेनन कम्पनियों का सहायक रजिस्टार तमिलनाडु

आयकर अपीलीय अधिकरण

केन्द्रोय कार्यालय भवन

बम्बई-400020, दिनांक 20 सितम्बर 1984

सं० एफ०-48|एडी।|एडी|1984--श्री एस० के० विश्वास, अधीक्षक, आयकर अपीलीय अधिकरण बम्बई पीठ जिन्हें तदर्ध आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण अमृतसर पीठ अमृतसर दिनोक 28 ज्न 1984 अपराह्म से तीन माह की अवधि के लिए कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान का गया थी। दिखए इस फार्यालय की अधिसूचना दिनांक 9-7-84 क्रमांक एफ० 48-ए० डी०|ए० टी |1984 को अब उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण अमृतसर पीठ, अमृतसर में की नीन माह की अवधि के लिए दिनांक 29-9-84 से या जब तक पद पर नियमित नियुक्त नहीं हो जातो। जो भी पहले हो कीय करते रहने की अनुमति प्रदान की जाता है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है श्रीर यह श्री एस० के० विश्वास को उस श्रेणो में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगो और उनके काल सर्व आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणा में गिनो जावेगो और न दूसरो उच्चतर श्रेणा में प्रोन्नत िएए जाने की पान्नता है प्रदान करेगो ।

> टं:० डी० सुग्ला अध्यक्ष

प्रस्प आर्घ .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ,दिनांक 11 सितम्बर, 1984

निदेश सं० जें:० आई० आर० एम०—197/ए० क्यू०—— अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

त्रीर जिसका मं० अंगला नं० 4 है तथा जो बन्द रोड़ इलाहाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच: में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्राक्षर्ता अधिकार। के कार्यालय, इलाहाबाद में रिजस्ट्राक्षरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान नारंख 24-1-1984 को पूर्वोक्ष्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं कया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) 1. भागता मुंगोला देवी रोहिला 2 था विजय कुमार रोहिला।

(अल;रकः)

(1) 1. श्रोमतो मधु मेंदीरत्ना 2. श्रा गीरव मेंदीरत्ता।

(अग्तरितः)

(3) विकेशा ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उंबत, सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उटा अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषि है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभृत्यी

बंगला नं० 4 बन्द रोड़, इलाहाबाद, में भूमि पैमाईसो 7182 वर्गफुट जुडो हुयो वस्तुएं श्रीर साज सामान जिसका पंजोकरण रजिस्ट्रक्ती अधिकारी इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 24~1-1984 को किया जा चुला है।

> ए० प्रभाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

विनांक : 11-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम; 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (i) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दितांक 11 सितम्बर, 1984

निदेश सं० जो० आई० आर० सं० के० 136/एक्यू० अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदमान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० सम्पत्ति है तथा जो ग्राम रानं पुर, परगना देहात अमानतः, वाराणसी मे स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ अनुसुन: में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसा में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धन, तार ख जनवरा, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हुं भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्राः कटारं। ।

(अन्तरक)

(2)श्रा कृष्णा सहकार। आवास समिति लि० वाराणसाः द्वारा सचिव श्रो सूरज प्रसाद ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति स्थित ग्राम-रानिःपुर, परगना-देहात अमानत, ..बाराणसः (जैसा फार्म 37 जेः० में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रोकर्सा अधिकारो वाराणसो के कार्यालय में दिनांक जनवरो 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारः सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनाकः 😥 । १--१-- १ १ ८ ४ -

माहर :

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्तः (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 सितम्बर, 1984

निवेश सं जो आई० आर० सं एस०-325/ एक्यू०--अत: मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को एह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसका म० आराजा मं० 313 है तथा जो मौजा-तुल्सीपुर, परगना देहात अमान , वाराणसः में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अन्सूच, में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्राक्षती अधिकार। के कार्यालय, वाराणसं मे रिजस्ट्र करण अधिनियम 1908 (1908 की 16) के अधान ताराख 9-1-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इस्प्रकार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वयंदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं कया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्से बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रः सुधार कुमार ।

(अन्तरक)

(2) साकेत यह निर्माण समिति लि०, वाराणसं द्वारा समिव श्रा अम्बिका प्रसाद सिंह

(अन्तरित्र)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, आ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस मे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जा उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुस्की

आराजो नं० 313, भूमि पैमाईसी 58.5 डिसमिल स्थित मौजा-तुल्सोपुर परगना देहात अमानत, वाराणसी. जिसका पंजाकरण रजिस्ट्राकर्ता अधिकार। वाराणमा के कार्यालय में दिनांक 9--1--1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो महायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 11-9-1984

भाहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) इमार इन्टरनेशनल

(अन्तरक)

(2) बुधरमल साराफ।

(अन्सरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 सितम्बर, 1984

निदेश सं० सः० ए० 92/84-85 एस० आई० 923/ आई० ए० सः०/एक्यू० आर०-आई०/कलकत्ता-यतः मुझे. एस० के० बौधरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौरं जिसकी सं० 33-4 है तथा जो चौरंधा रोह, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रौर पूर्ण रूप विजिन है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकार, के कार्यालय, कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 7-2-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एंसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (इन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं कया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त, अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यावितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

33ए० चौरंधी रोड़, कलकत्ता में स्थित मकान चैटर्जी इन्टरनेशनल का 24वां तल्ला में प्लाट नं० 20 जो सक्षम प्राधिकार्रः (सहायक आयक्षर आययुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 के पास सिरियल नं० 92 के अनुसार 7-2-1984 तारीख में लिखित हुआ ।

> एस० के० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-2,54 रफी अहमद किदबई रोड़, कलकता-16

दिनांक : 22~9-1984

अरूप आई.टी एन.एस.-----

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कलकता

कलकता, दिनांक 22 सिलम्बर, 1984,

निदेश सं० सी० ए० 95 /84-85/एस० एन० 924/ आई० ए० मी०/एक्य्० आर० आई०/कलकला---अतः एस० के० चौधरी

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

ग्रौर जिसके में० 7/200 है तथा जो · डा० व्रह्मायांगी स्ट्रीट प्लाट नं ० 24-दूसरा मंजिल कलकता-27 में स्थित है (ब्रीर इससे लपाबद्ध अनुसूचः में ब्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रंक्तर्ता अधिकार्रः के कार्यालय, सी० ए० आई० ए० सी० एक्यू० आए० आई० कलकला में रजिस्दीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्धान तारीख 25-2-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्टिंक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके इक्यमान प्रतिफल से एसे इक्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने गा उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अबः, जुक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—

(1) मेसर्स पारी इन्टरप्राइमेस

(अन्धर्वः)

(2) रणजातिसिंह शय एव श्री विश्वजीतसिंह राय ।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्याविसयों पर स्चना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास व्यित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैंट 7/2ए० डा०यू०एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट कलकत्ता-27 में स्थित दूसरा मंजिल का प्लाटनं 2ए० जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयक्त निरक्षण) अर्जन रेज-2 का दफ्तर में सिरियाल 95 के अनुसार 25-2-1984 तारीख को निवंधित हुआ ।

> एस० कै० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयदन (निरंक्षण) अर्जन रेंज-2. 54. रफॅ अहमद किदबई रोड़. कलकत्ता--16

दिनांक : 22~9-1984

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेजा कलकत्ता

कुलकुत्ता दिनांक 22 सितम्बर 1984

I.A.C./Acq. R-I/Cal. --अत: मझे, एस०

के० चौधर्राः,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक है

धौर जिसकी सं० 7/24 है तथा जो इन्ह इ 'ख' ब्रह्मचारी स्ट्रीट, प्लाट र्न० 2 बो दूसरा मंजिल कलकत्ता-27 में स्थित है (धौर इससे उराव अनुसूचा में और पूर्ण व्य में बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय सी ए आई ए सी एक्बी रेंज-1 कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ताराख 25 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अत्यरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथान नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचाने मों सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उगधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अक्षति :--

(1) मै० पार् इन्टरप्राइसेस

(अन्तरकः)

2) श्रारंजात सिंह राय एवं श्राविष्वजीत सिंहराय

(अन्सरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याप अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हमण्डीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7/24 इ. इ. इ. पन ब्रह्मचार स्ट्राट कलकत्ता-27 में स्थित है दूसरा मंजिल में प्लाट नं 2 वो जो सक्षम प्राधिकार। (सहायक आयकर आयक्त (निराक्षण)) अर्जन रेंज-2 के पास सिरोयल 96 के अनुसार 25 फरवर। 1984 तार य में निवंधिक हुआ।

एस० के० चौधरं सत्रम प्राधिक्षरः सहायक् आयक्षरं आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 कलकत्ता

नारीख: 22-9-**198**4

प्ररूप आहाँ . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 सितम्बर 1984

निवेश सं० टी आर 70/84-85/एस एल 928/आईं०ए० सी०/एक्यू० आर० आई० कलकला—अतः मुझे, एस०के० चौधरी आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्रधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 75 सी है तथा जो पार्क स्ट्रीट कलकता-26 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7 फरवरी 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाियत्व में कमी करने या उससे बचाने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिएं था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अन्सरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
3—276GI|84

(1) मैं रूबो (पार्क) प्रापर्टीज प्राइवेट लिभिटेड

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिनी रावला

(अन्तरिती)

(3) यूनाइटेड नेशन डेंचलपमेंट प्रोग्राम

(बह व्यक्ति अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

75 सी पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता 26 में स्थित है मकान का दूसरा तल्ला में 2634 वर्ग फोट का भाफिस सीस स्पेस यूनिट नं० 5 जो रिजस्ट्रार अब एसुरेंस के दफ्तर में छीड नं० 1-262 के अनुसार 7 फरवरी 1984 तारीख में निबन्धित हुआ है।

ए० के॰ चौधरो सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुख्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज→2, कलकत्ता

तारीख: 20-9-1984

मोहर ः

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 1, बःलकला

कलकला, दिमांक 10 मितम्बर, 1984

निदेण सं० जी० आर० 73/84-85/एस० एल० 929/ आई० ए० सी०/एक्यू० आर० आई० कलकत्ता——अतः मुझे, एस० के० चौधरी

शायकर अधानग्रस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 75सी० है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता 16 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकाररी के कार्यालय, आर०ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्बेश्य से उक्त अन्तरण लिहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उमसे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अवः, अवतः अधिनियम की धारा 269-ग्व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :-- (1) वंबी (पार्क) प्रापर्टीज प्रा० लि०

(अन्तर्भ)

(2) राजेन्द्र **मन्द** मेहरोता एवं श्री पंक्षत्र कुमार मेहरोता

(अन्तरिती)

ŝ

(3(हिन्दुस्तान पेपर कारपीरेशन क्षि०

(बहुरुग जिसके अधिभो सप

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपंति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विभा गया है।

अनुसूची

75सी पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता 16 में स्थित मकान का ताला में 1227 वर्गफुट का आफिस युनिट नं० 3 जो रिजिस्ट्रार अ.फ इन्स्रेंस के दफ्तर में डीड नं० 1-29 पी० के अनुसार 2-1-1984 तारीख को रिजिस्टर्ड हुआ।

एस० के० **नौध**री स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—, 54, रफीअहमद किसवई रोड़, कलकत्ता—16

दिनांक : 10-9-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़-I, क्लक्सा

कलकत्ता, विनांक 11 सितम्बर, 1984

निदेश सं० टी० आर० 74/ 4~ 5/एस० एल० 930/ आई० ए० सी० एक्यू०/आर० आई० कलकत्ता—अनः म्/ एस० के० चीधरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्ष्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 75 सी है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कैलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) रिज़स्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 क्या 16) के अधीन तारीख 3-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुँई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में स्विधा के सिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्बंके अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्ब की उपधारा (1) के अधीन, जिम्नलिखित व्यक्तिसर्थों, अर्थात् :---

- (1) रूबीपार्कप्रापटींज प्रा० लि०
- (2) श्रीमती रोमिल्ला चौपडा।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

(3) हिन्दुस्ताम पेपर कारपीरेशन लि॰ (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

का यह सूचना जासी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हैं--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमपूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

जन्सूची

75सी पार्क स्ट्रीट कलकता—16 में स्थित मकान का 8वां तला में आफिस रूपेस यूनिट नं ा जी जो रिजस्ट्रार आफ एन्सोरेंस के दफ्तर में डीड नं 1-25 के अनुसार 3-1-1984 तारीख निबंधित हुआ।

एस० के० चौधरी सक्षम प्रीधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंख-I 54,रफी अहमद किरवर्ष रोड; कलकता-16

दिनांक : 11-9-1984

प्ररूप आर्ष .टी .एन .एस .-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकसा

कलकता, दिनांक 12 सितम्बर, 1984

निवेश नं० टी० आर० 75/84-85/एस० एल० 931/ आई०ए०सी० एक्यू० आर आई० कलकत्ता—अतः मुझे, एस० के० चौधरी

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

और जिसकी सं० 75 सी है तथा जो पार्क स्ट्रीट, क्लकता 16 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे बत्णत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के तिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ड्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना ब्राहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ्र को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) रूबी (पार्क) प्रापर्टीज प्रा० लि०। (अन्तरक)
- (2) इंडिया इंजीयिरिंग सर्विसेज । (अन्तरिती)
- (3) चौगुले इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०। (बहु ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

75सी पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता-16 में स्थित मकान की दूसरी मंजिल में यूनिट नं० 2/3 ए जिसका आयतन 427 वर्गफुट है, जो रजिस्ट्रार आफ एन्सोरेंस के दफ्तर में डीड नं० 1-78 के अनुसार 3-1-1984 तारीख में निबंधित हुआ।

एस० के० घोष्टरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, 54, रफी अहमद किदवई रोड़, कलकता--I

दिनांक : 12-9-1984

भोहर:

प्ररूप आह्र टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता,दिनांक 22सितम्बर, 1984

निदेश सं० टी० आर० नं० 84/84—85/एस० एन० 932/ आई० ए० सी०/एक्यू० आर० आई०/कलकत्ता— अतः मुझे, एस० के० चौधरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं "

और जिसकी सं० 75 मी है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकला 16 में स्थित हैं (और इससे उपांबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) रूबी (पार्क) प्रापर्टीज प्रा० लि०

(अन्तरक)

(2) श्री पद्मनाभ मिश्र ।

(अन्तरिती)

(3) बंगईगांव रिफाइनरी एन्ड पेट्रो-केमिकलग लिमिटेड । (बहु ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषिते है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

75 सी पार्क स्ट्रीट, कलकसा में स्थित मकान का चौथा तला में 1406 वर्गफुट आयतन का प्लाट नं० 4 जी रिजस्ट्रार आफ एशोरेंस के दफ्तर में डीड नं० 1-756 के अनुसार 20-1-1984 तारीख में निबंधित हुआ।

> एस० कें० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, 54, रफी अहमद किदयर्थ रोड़, कलकत्ता-16

विनोक : 22-9-19**84**

मोहर 🕄

प्रकृप आहु .टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-[, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 2 सितम्बर 1984

निदेश सं० 85/84-85/एस० एल० 933/अर्थाई० ए० सी० एक्यू० आर आई०/कलकत्ता—अतः मुझे, एस० के० चौधरी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 क्षा 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य . 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 75सी है तथा जो पार्क स्ट्रीट. कलकत्ता 16 में स्थित है और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अगर० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-1-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गहुँ हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिस बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रक्रट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, औं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) रूबी (पार्क) प्रापर्टीज प्रा० लि॰। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जयश्री देवी ।

(अन्तरिती)

(3) कनवेयर एन्ड रोपवे सर्विसेज । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के रूजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त इतिही हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दुवारा;
- (खं) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसभे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन सत्त्री

745 सी पार्क स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित मकान का 6वां तला में 1634 वर्गफुट आयतन का प्लाट मं० 5 जो रिजस्ट्रार आफ एमुरेंस के दफ्तर में डीड नं० 1-759 के अनुसार 20-1-1984 तारीख़ में निकंशित हुआ।

> एस० के० वौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, 54, रफी अहमद किदबई रोड, कलकत्ता-16

विमाण : 12-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 सितम्बर 1984

दिश सं० टी० आर० 86/84-85/एस० एल० 934/ आई० ए० सी०/एक्यू० आर० आग्राई/कलकत्ता---अतः मुझे, एस० के० चौधरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

शौर जिसकी सं० 75 मी है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता 16 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्ण में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीखरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-1-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्ने यह विश्वास कछने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गढ़ा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निमित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 2/6/9-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) रूकी (पार्क) प्रापर्टीज प्रा० लि०। (अन्तरिक)
- (2) श्रीमती स्वदेशी ग्रोबराय (अन्तरिती)
- (3) हिन्दुस्तान पेपर कार्पोरेशन । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (न) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध निस्ति में किए जा सर्वोगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्यी

75सी पार्क स्ट्रीट, मलकत्ता-16 में स्थितण मकान का 8वां तला में 1406 वर्गफुट आयत का वृतिष्ट मं० 4 जो रिजस्ट्रार आंफ एशोरेंस के दफ्तर में डीड न० I-943णी के अनुसार 20-1-1984 तारीख में निबंधित हुआ।

एस० के० चौधरी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1,
54,रफी अहमद किदबई रोड़,
केलकत्ता-16

दिनांक : 12-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० पानीपत/132/83~84---अतः मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 37एल०, 28.11 वर्गगज है सथा जो बनरा बाजार जी० टी० रोड़ पानीपत में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसुबी में और पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का 18 के अधीन तारीख 3-1-1984,

क्हों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∴-- (2) 1. नेशनल टेक्सटाईल मिल एन्ड जनरल शम्पनी (ईस्टेट डीलर) द्वारा श्री प्रदीप बतरा निवासी—671 माडल टाउन, पानीपत । (अन्तरक) 2. श्री बूटाराम पुत्र श्री दीवान चन्द पुत्र श्री मुन्गीराम द्वारा भारत वूल ट्रेडिंग कम्पनी, निश्नासी 489, गिनाह रोड, खदुपेट बिन्यावादी, तिमलनाडु ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां परं सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग्रां
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

सम्पति जो कि 37एल, प्वतरा बाजार जी टी रोड, पानीपत पर स्थित है, जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय,पानीपत रिजस्ट्री सं० 4785 दिनांक 31-1-84 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक अग्रयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज रोहतक

दिनांक : 15-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 11 सिसम्बर, 1984

निदेश र्स० गुडगोवा/142/83-84-- अतः मुझे, आर० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 66, आर सं० क्षेत्र 500 वर्ग गज है तथा जो न्यू कालोनी गुड़्यांवा में स्थित हैं (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांवा में रिजस्ट्री—करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और स्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहरमान प्रतिफल से, एसे दहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बील एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से स्कृत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
4—276G184

(1) श्रीमती भगवान देवी विधवा श्री भगवान दास मक्यन नं० 66 आर न्यृ कालोनी गुड्डगांवा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नरेश कुमारी परनी श्री सुभाष चन्द निवासी मकान नं० 6 आर न्यू कालोनी गुड़गांवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्सूची

सम्पति मकान नं० 66आर क्षेत्र 500 वर्ग गज, म्यू कालोनी, गुड़गांवा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांवा में, रिजस्ट्रीकरण सं० 4049 दिनांक 4-1-1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहसक

दिनांक : 11-9-1984

प्ररूप आई.ट.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, धिनांक 10 सितम्बर, 1984

निदेश सं० गूड़गांवा/227,83-84--अत मुझे, आर० के० भथाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० मं० नं० 176/15 है तथा जो पुराना रेलवे रोड़, गृहगांवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1984 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाको लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भगतराम मधोक पुत्र श्री रिलिया राम निवासी मकान न० 176,15, पुराना रेलवे रोड़ गुड़गांवा

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार
पुत्र श्री तोला राम
प्रो० कृष्ण प्लाई स्टोर,
पुराना रेलवे रोड़,
गुड़गांवा।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार न की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

सम्पति मकान नं 176/15, पुराना रेलवे रोड़, गुड़गांवा में स्थित है जिसका अधिक विधरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यातय, गुडगांवा में, रिजस्ट्रीकर्ता सं 4323 दिनांक 25-1-1984 पर दिया है।

आर० के० समाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ध्रयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 10-9-1984 मोहर: प्ररूप आहरे.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निवेश सं० गूडगांवा 228/83-84--अत मूझे, आर० के० भयाना.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 176/15 है पुराना रेलवे रोड़, है तथा जो गुष्ठगांवा में स्थित है (और इसमें उपाबक अनूमूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्हरित की गई और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्स अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (19-22 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, वर्धात् :— (1) श्रीमती स्वर्ण कुमारी
पुत्री श्री भगतराम मधींक
माफेत श्री भगतराम मधीक
निवासी-176/15, पुराना रेलवे रोड़,
गुड़गांवा

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार
पुत्र श्री तोला राम,
प्रो० कृष्ण पलाई स्टोर,
पुराना रेलवे रोइ,
गुड़गांवां

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त स्मात्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (कं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

सम्पति मकान नं० 176/15 पुराना रेलवे रोड़, गुड़गांवा में स्मित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांवा में रिजस्ट्री सं० 4324 धिनांक 25-1-1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अरयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक · 10→9-1984 मोहर प्ररूप आहें टी. एन एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न्न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोह्मक, दिनांक 10 सितावर 1984

निदेश सं० गुड़गावां, 453/83-84--अतः मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं मकान नं 176/15 है तथा जो पुराना रेलवे रोड, गुड़गावां में स्थित है (आर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के वार्यालय, गुड़गावां में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्सरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नगत राम मधोक निवासी 176/15 पुराना रेलवे रोड, गुड़गार्था।

(अन्तरक)

(2) श्री तोला राम
पुत्र श्री छिकू राम
श्रीमती कौशल्या देवी
पत्नी श्री तोला राम
मार्फत कृष्ण पलाई स्टोर,
पुराना रेलवे रोड,
गडुगावां

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां घुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि -नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 176/15, पुराना रेलवे रोड, गुड़गावां में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गूड़गावां में, रिजस्ट्री सं० 210, दिनांक 11-4-1984 पर दिया है।

अंर० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, रोहतक

विनांक : 10-9-1984

मोहर ः

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 10 सितम्बर, 1984

निदेश सं० रेवाड़ी 33/83-84-अतः मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक ह⁴़

और जिसकी सं० भुमि 9 कनाल है तथा जो रेवाड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय, रेवाड़ी में रिजस्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और सझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हो भारतीय आय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती बवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण गे, में, उकत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मै० ऐपल पेपर मिल्स য়া০ লি০ रेवाड़ी।

(अन्तरक)

(2) मै० पुनिया उद्योग, देहली रोड़, रेवाडी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त अयिक्तयों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया 용 :

अन्स्ची

सम्पति भूमि 9 कनाल, रवाडी में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, रेवाड़ी में, रजिस्ट्री सं० 2641 दिनांक 19-1-1984 पर दिया है ।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

विनांक : 10-9-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आइ. टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 सितम्बर, 1984

निवेश सं० बल्लभगढ़/216/83-84-अतः मुझे, आर० कै०भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसके सं० प्लाट नं०. जे० 126 सेक्टर—10 हैं तथा जो फरोदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) रिजिस्ट्रोकिती अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजिस्ट्रोकिरण अधिनियम 1908 (1908 16) के अधान तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरण के धायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्बलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) श्री आर० एल० सोंघी
पुत श्री यू० सी० सोंघी
श्रीमती आ० आर० एल० सोंघी
पत्ति डा० आर० एल० सोंघी
निवासी सी०-26 ग्रीन पार्क एक्सटैनगल
न्यू-बेहली-26।

(अन्तरक)

(2) श्री सुधीर कुमार चीपड़ा पुत्र श्री खुमी राम चीपड़ा मकान नं० 255, सेक्टर नं० 10 हाउसिंग बोर्ड कालोनी फरोदाबाद।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

सम्पति प्लाट नं० 126 ब्र्लाक-जे, सेक्टर 10 में स्थित है जिसका निवरण रिजस्ट्रोक्ती अधिकारों के कार्यालय बस्लभगढ में, रिजस्ट्रों सं० 2074 दिनांक 27-1-1984 पर दिया है।

आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अरयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंजः रोहतक

दिनांक : 10-9-1984

===:=

प्ररूप आह. दी. एन. एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -रोहतक

रोहतक दिनांक 10 सितम्बर 1984

निवेश सं० बल्लभगत/266/83-84--अतः मुझे आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

मौर जिसकी की सं० माप प्लाट नं० 181वी-टाईप, नेहरु पार्क है तथा जो फरोदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण क्य से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारों के कार्यालय बल्लबगढ़ में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन त तारीख जनवरा 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के .दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विष्य से उद्धत अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् ः— (1) श्रीमती तारावन्ती
पित स्व० श्री बिहारी लाल
निवासी बी-4 मकान नं० 6
ग्राम सारत ।
तहसिल बल्सबगढ ।

(अन्तरक)

(2) श्री सचिन कुमार पुत्र श्री सन्तोष कुमार नि० मौहल्ला वसा पाड़ा, फरीधाबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशेक्ति सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, श्री भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम के अधाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

सम्पति शाप प्लाट नं० 181, बी० टाईप नेहरु पार्क फरोदाबाद में स्थित है जिसका श्रीधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ में, रिजस्ट्रो सं० 11763 दिनांक 20-1-184 पर दिया है।

आर० के० भचाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक-1

दिनांक : 10-9-1984

मोहर

परूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनिशम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 10 सितम्बर, 1984

निदेश सं० बल्लबगढ़/267/83--84---अतः मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्प्रीर जिसकी से शाप प्लाट ने 182 की टाईप है तथा जो नेहरूपार्क, एन आई० टं० फर दायाद में स्थित है (स्प्रीर इस से उपाबत अनुसूर्च में स्प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधि गरी के फार्यालय, बल्लबगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का (1908 का 16) के अधान तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण जिल्सित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुभाष चन्द पुत्र श्री फकीर चन्द नि० ई-36, नेहरु ग्राउन्ड, न्यु टाउनिशिष, फरीदाबाद ।

(अन्तर्क)

(2) श्री नवीन कुमार पुत्र श्री सन्तोष कुमार नि० मौहल्ला बसावड़ा, फरीदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45, दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य यक्ति द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचो

सम्पति शाप नं० प्लाट 182 बो० टाईप नेहरु पार्क, फरीवाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय, बल्लबगढ़ में, रजिस्ट्री सं० 11762 दिनांक 20-1-1984 पर दिया है।

आर० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 10-9-1984

प्ररूप आइ⁴.टी.एन.एस. ------

आयकर अभिनिगम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 10 सितम्बर 1984

निवेश सं० हिसार/131/83-84 अतः मुझे आर० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/~ रा. से अधिक है

धीर जिसकी सं० मकान नं० 146 डब्ल्पू० है तथा जो हिसार माडल टाउन में स्थित हैं (प्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में शौर पूर्ण रूप से वणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निलित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
5--276GI|84

(1) श्रीमतो नारायणी देवी परिनःश्री रतन चन्द पुत्र श्री कर्म चन्द नि० माङ्ग टाउन हिसार ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री राजेश कुमार गीयल 2. श्रीमती मुशोला देवी पत्नि स्व०ओम प्रकाश नि० 146 डब्ल्यू माइल टाउन, हिसार।

(अन्तरिस्रो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सूचो

सम्पति मकान नं 146 डब्ल्यू माडल टाउन हिसार में स्थित है जिसका अधिक विधरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय. हिसार में, रजिस्ट्रा सं 3999 दिनांक 5-1-1984 पर दिया है ।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक अधिकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 10-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 सितम्बर, 1984

निदेश सं० हिसार/136/83→84—-अतः मुझे, आर० के० भयाना,

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो सिरमा रोड, हिसार में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जनवरी, 1984

16) के अधीन तारीख जनवरी, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया ग्या है ——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अच्छ आस्तियों को, फ़िन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री भगवान सिंह पुत्र श्री गरवक्या सिंह 269, नि० माडल टाउन, हिसार।

(अन्तरक)

(2) सर्व श्री बलबीर सिंह पुत्र चन्द्रभान, पवन कुमार पुत्र चन्द्र भान, श्रीमती कान्ता अग्रवाल पत्नी श्री सतनारायण, रेखा पुत्री श्री रघुबीर सिंह, नीलम, पुत्री श्री रघुबीर सिंह, हिसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के रांबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की उनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य विकत व्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उकत अधिनिधाम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^{र्}, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति मकान सिरसा रोड़, हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय, हिसार में, रिकस्ट्री सं० 4124 दिनांक 13-1-1984 पर दिया है।

आर० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

विनांक : 10-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निदेश सं हिसार/139/83-84--अतः मुर्झे, आर० के० भयाना;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० पश्चिमी हिस्सा दुकान नं० 223 है तथा जो न्यू अनाज मन्डी, सिरसा रोड, हिसार में स्थित है (ग्रीर इससे उपायब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलिखत में वास्तियक रूप से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह-- (1) मैं० भोला सिंह, गोपाल सिंह, हिसार बजरिये श्री प्रीतपाल सिंह पुत्र श्रो गोपाल सिंह, नि० हिसार।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्रावती पत्नी श्री राम बिलास, नि० बडोपल त० फतेहाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं, 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थक्तीकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति दुकान नं० 223 का पश्चिमी भाग न्यू अनाज मन्डी सिरसा रोड, हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में, रिजस्ट्री सं० 4333 दिनांक 27-1-1984 पर दिया है।

> आर० के० भयानाः, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 10-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर अरयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निवेण सं० हिसार/140/83-85--अतः मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० पूर्वी हिस्सा दुकान नं० 223 न्यू अनाज मन्छी, है तथा जो सिरसा रोड, हिसार में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्षत सम्मत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्दृश्य से उक्षत अन्तरण विखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गदा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मैं० भोलासिंह गोपाल सिंह, हिसार द्वारा श्री प्रोतपाल सिंह पुत्र श्री गोपाल सिंह, नि० हिसार ।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती इन्द्रावती पत्नी श्री शम विलास नि०वडोपल त० फतेहाबाद जिला हिसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्राक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह², वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह²।

अनुसूची

सम्पति पूर्वी भाग दुकान नं० 223 न्यू अनाज मन्डी सिरसा रोड़, हिसार में स्थित है जिसेका अधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्री सं० 4381, दिनांक 1-2-1984 पर दिया है।

आर० के० भयानार सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 10-9-1984

मोहर ः

प्रस्पः आर्दः, टी त एनः, एसः -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मुं(1) के सभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आम्कत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 सितम्बर, 1984

निदेश मं० भिजानो/18/83-84--अतः, मुझे, आर० के० भयाना है आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

आयकर आधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसको मं० भूमि 3 क० 9म० है तथा जो निकट गुजर की दानों, एम० सो० कालोनों के पीछे, भिवानी में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूबों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, भिवानी में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारोख जनवरीं, 1984

को पूकोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त एंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्शेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया वया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन मा अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्युक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रो गनपत पुत्र श्रो थाना राम पुत्र श्रो सोला राम नि०गुजर को दानो वावर्डागेट, भिषानो ।

(अन्तरक)

- (2) सर्वश्री श्रीमती शोभा गोयल पत्निश्री प्यारा गोयल नि० 600/3 डो० एल० एफ० कालोनी, रोहतक ।
 - श्रोमतो अन्जना जैन पत्निश्रा रामेश्वर दास जैन नि० ब्राह्मण मन्डो, रोहतक ।
 - सुरेण कुमार पुत्र देवकी नन्दन मल नि० सल्वान त य जिला करनाल ।
 - 4. कांशोराम खुराना पुत्र रंगाराम खुराना नि० ई०टो० ग्रो० आफिस, भिवानो ।
 - श्रोमतो गणि बाला पत्नि कांगोराम नि० गला गोकल चन्द आर्य, भिवानी ।
 - सज्जन कुमार अग्रवाल पुत्र कुन्दन लाल नि० गांव तोशाम, जिला भिवानी ।
 - जयनारायण णर्मा पुत्र आशाराम
 न० बलकारा त० दादरी जिला भिवानी
 - श्रीमती ज्ञान देवी पत्नि राम चन्दर,
 नि० पटेल नगर, भिवानी ।
 - नरेश कुमार जैन पुत्र ज्योती प्रसाद जैन निज्यली गीकुलचन्द आर्य, भिवानी ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करकं पृष्ठित सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति भूमि उक 9म० गूजर को दानो के निकट व एम० सी० कालोनो के पीछे, भिवानी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय, भिवानी में, रजिस्ट्री मं० 3081 विनांक 30-1-1984 पर दिया है। अपर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (fनरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 11-9-1984

प्रक्य बाइं 🔄 टी ेएन एस 🚉------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुभूना

भारत सहकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 सितम्बर, 1984

निदेश सं० सोनीयत/74-83-84--अत मु के० भयाना

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम्) इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी जायदाद जिसमें चार दूकाने व हाल कमरा है का 1/4 भाग है तथा जो सिकका कालोनी के निकट, सोनीपत में स्थित है (और इससे उपावयद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम् पाया गया प्रतिफल, निम्न्लिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण मिलित में वास्तिविक रूप से किंगुल नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाज्य, उच्छ अभिनियम के जुधीन कुए दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सृष्धिम के जिए; और/या
- (या) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः शवं, उक्त अभिनियम तं की भारा 269-ए को अनुसरण को, मी, उक्त अभिनियस की भारा 269-ए की उपभारा (1) को अभीन त निम्निसिंदा स्थितियों, अर्थाद ⊈— (1) श्री रमेश कुमार पुत्र श्री खान चन्द पुत्र तुलाराम हरियाणा अग्री सर्विसस, गन्नोर, जिला सोनीपत ।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री
कैलांश कुमार, अशोक कुमार,
जितेन्द्र कुमार
पुत्रगण श्री खान चन्द्र पुन्न श्री तुला राम
नि०अजन्ता ट्रेड्स बतामार्कीट,
देहली रोड, सोनीपत।

(अन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी लाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना को राजपुत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकर्ण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को छक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ट है, वहीं अर्थ होगा का उस अध्याय में दिया भ्या है।

अन्स्ची

सम्पति जायदाद जिसमें चार दुकानें व हाल कमरा है का 1/4 भाग सिक्का कालोनी के निकट, सोनीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, मोनीपत में रजिस्ट्रों सं० 4937 दिनांक 16-1-1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

विनोक : 12-9-1984

प्रकल नाहाँ हो हो एन . एस्. :--=----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के नुधीन सुचना

भारत सहकार

कायितय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक ,दिनांक 11 सितम्बर, 1984

निदेश सं० बहादुरगढ/12/83-84--अत, मुझे, आर० के० भयाना

कायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम्' कहा ग्या है, की धार 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2214 वर्ग गज (लं० 7238) है तथा जो एम० आई० ई० बहादुरगढ में स्थित है (और इससे जपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बहादुरगढ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख 12 जनवरी, 1984

को पूर्वों कत सम्मत्ति के उचित् बाजार मृस्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिश्वित व्यक्तियाँ:---

(1) श्री शिव सेठ पुत श्री राम नारायण सेठ, निवासी प्रोप्राईटर मैसर्स अंलकार प्रिटर्स रोहतक रोड़, बहादुरगढ ।

(अन्तरक)

(2) श्री राजीव भाटिया पुत्र श्री तिलक राज भाटिया 39/35 ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-60।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूज्ना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबब्ध किसी अन्य अयक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, यो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

सम्पति प्लाट 2214 वर्ग गज स्थित एम० आई० ई० बहादुरगढ जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, रजिस्ट्री सं० 3398 दिनांक 12-1-1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्रोधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 11-9-1984 मोहर प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. : -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 सिलम्बर, 1984

निदेश सं० जगाघरी/98/83--84---अत:, मुझे, आर० के० भयाना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 3कनाल 18 मरेल है तथा जो मौजा जगाधरी, तह० जगाधरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनभरी, 1984

को पूर्णिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बीधनियम के जधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स राज मैटल सम्पनी, सदर बाजार, दिल्ली, वजरिया श्री राज कृमार पुत्र श्री चन्यगीराम, चन्दगीराम पुत्रश्री देशराय विजय कुमार पुत्रश्री चन्दगीराम हिस्सेदारान व मालकान फर्म।

(अन्तरक)

(2) श्री जसबीर सिंह
सुपुत्र श्री सोहनलाल आनन्द,
निवासी मार्फत मैंसर्स आनन्द
मैंटल वर्क्स जगाधरी,
तह० जगाधरी,
जिला अम्बाला (हरियाणा)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबते स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

सम्पति भूमि 3 छनाल 18 मरले मौजा जगाधरी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीशर्ती के कार्यालय, जगाधरी में रिजस्ट्री सं० 5318 दिनांक 9-1-1984 पर दिया है।

आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, रोहतक

विनांक 11-9-1984 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (१) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहसक

रोहतंक, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निदेश सं० जगाधरी/162/83-84—यसः मुझे आर० के० भयाना

बायकर बिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1 बीधा 3-1/2 बिसवे हैं तथा जो मौजा ममीदा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1984

की पूर्वीक्षत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण निम्नलिखित में शास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:----

- (क्क) अन्तरक सं इत्यं किसी बाब की वाबत उक्त अधि-निषक के अधीन कर बोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अघने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी जाव या किसी अन् या बन्य जास्तियों को, चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियंस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियंस मा भन्न कर अधिनियंस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स 6---276GI|84

- मैसर्स फर्म खजान सिह, शोभा राम,
 िटम्बर मर्चेट,
 यमुना नगर
 डारा गोपाल सिह पुत्र श्री खजान सिह
 व पिरयी सिह पुत्र अगर सिह
 भूपिदर सिह मुपुत्र श्री राम चरण प्रताप।
 (अंतरक)
- (2) श्री विजय कुमार
 पुत्र श्री बलदेव राज,
 निवासी 1250, यमुना गली,
 यमुना नगर, तहसील जगाधरी
 जिला अम्बाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वम्सूची

सम्पत्ति भूमि 1 बीघा 3-1/2 बिसवे मौजा ममीदा में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगाधरो में रजिस्ट्री सं० 5827 दिनांक 12-1-1984 में दिया गया है।

आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख: 11-9-1984

मोहुर :

प्रकप बार्च .टी. एच .एस . -----

नायक र जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहसक, दिनांक 11 सितम्बर, 1984

निवेश सं० जगाधरी/103/83-84—-अतः मुझे, आर० के० मुगानाः

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1 बीधा 3-1/2 विसने है तथा जो मौजा ममौदी अन्दर सीमा नगर पालिका यमुना नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1984

को प्रवेक्त समिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्योध्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्तिक है अप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसीं बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों क्या, जिन्हों भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्ते अधिनियम, या ने कर अधिनियम, या ने कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के सिए;

भतः अब उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) भी अधीन, निम्नुलिखित स्पिक्तयों, अर्थात् हिन्स (1) मैसर्ज फर्म खजान सिंह शोभा राम,

िटम्यर भर्नेन्ट,

यमुना नगर

हारा श्री गोपाल सिंह

सुपुत्र श्री खजान सिंह

पिरशी सिंह

पुत्र श्री अमर सिंह,

भूपेन्द्र सिंहज

पुत्र श्री राम चरण प्रताप,

निवासी यमुना नगर,

तहसील जगधरी।

(अन्तरम)

(2) श्रीमती सरोज देवी धर्मपत्नी श्री विजय कुमार निवासी 1250, यमुना गली, यमुना नगर, तहसील जगाधरी।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जा<u>री</u> करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप् :--

- (क) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबकि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और ,पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यो

सम्पत्ति भूमि 1 बीघा 3-1/2 बिसवे जो कि ममौदी में जो सीमा नगर पालिका यमुना नगर के अन्दर है, जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ला के कार्यालय जगाधरी में रिजस्ट्री सं० 5828 दिनांक 12-1-84 पर दिया है।

आर० के० भयानाः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 11-9-1984

प्ररूप **मार्ड** ुटी ः एन ः एस्_र------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 11 सितम्बर, 1984

निदेश सं० जगाधरी/104/83-84---अतः मुझे, आर० के०भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० भूमि 2 बीघे 7 बिस्वे है तथा जो ममीदा (जगाधरी) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रांतफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूमें यह तिश्वाप करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गल्य, उराके दृश्यभान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का गल्दह प्रतिभात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, जकत अभिनियम के अभीन कर देने के अंतरक के दासित्य में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिल्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिक्षियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) बै अधीन, निम्नुसित्चत व्यक्तियों, अधीत् ६—— (1) मै० फर्म खजान सिंह गोभा राम,

टिम्बर मर्जेन्ट, यमुना नगर द्वारा
श्री गोपाल सिंह पुत्र खजान सिंह,

पिरणी सिंह पुत्र अमर सिंह,

भूपिन्दर सिंह पुत्र राम श्ररण प्रताप

निवासी यमुना नगर,

तहसील जगाधरी।

(अन्सरक)

- (2) श्री णिवदत्त तलवाड़ पुत्त श्री भगयान दास तलवाड़ निवासी यमुना गली, यमुना नगर ।
- (3) श्री रिवन्द्र कुमार तलवाड़, हरवंश कुमार, हरीश चन्द्र, बलजीत कुमार पुत्रगण शिवदत्त चन्द तलवाड़ निवासी यमुना गली, यमुना नगर ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करक पृषीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पास लिखित में विये जा सकरो।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया न्या है।

जन संची

सम्पत्ति भूमि 2 बीघे 7 बिस्वे समीदा (जगाधरी) में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ती के कार्यालय, जगाधरी में, रिजस्ट्री संख्या 5834 दिनांक 13-1-84 पर दिया है।

आर० के० भयानाः; सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 11-9-1984

महिद्ध 🛭

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 सितम्बर, 1984

निवेश सं० जगाधरी/109/83-84—ं-अतः मुझे आर० के० भयाना

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट पैमाइणी—उत्तर 95 फुट, दिक्षण 95 फुट, पूर्व 103 फुट 9" पिचम 103 फुट 9" हैं तथा जो मौजा ससौनी तहसील जगाधरी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूणं रूप से विणत हैं), दरिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 18) के अधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा केलिए; अरि/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या नन-कर किथि वस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया **भा या किया जाना भाहिए था,** छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उंक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्धाक क्र--- (1) श्री तेजेन्द्र सिंह पुत्र श्री देवेन्द्र सिंह, मौजा ससौली, तहसील जगाधरी जिला श्रम्बाला।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती कुमकुम गोयल धर्मपत्नी श्री सुभाष गोयल, म० नं० 1248, यमुना गली, यमुना नगर, तहसील जगाधरी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियो जा सकारी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

ਕਰ ਦਾ ਚੀ

सम्पत्ति प्लाट जो कि मौजा ससौली पर स्थित है, जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्मालय जागाधरी पर रजिस्ट्री सं० 5991 दिनांक 24-1-1984 पर दिया गया है

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 11-9-1984

त्ररूप भाइं.टी.एम.एस,-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कही भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

फार्याजय, सञ्चासक मायकार मायुक्त (निरीक्षण)

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 सितम्बर, 1984

निदेण सं० करनाल/93/83-84—श्रतः, मुझे, ग्रार० के० भयाना,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उचित बाजार मूल्य 75,000/- का से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान स्थित करनाल नई मंडी करनाल, है तथा जो करनाल नई मंडी में स्थित है (भौर इससे उपा-बद्ध श्रनुपूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 18) के श्रधीन तारीख 20 जननरी। 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुए किसी आप की वावत, उक्त निधिन्यम के अधीन कर होने के जन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उत्तस बच्चे में सुविधा के निष्: नीर/मा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृष्यिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह--- (1) श्री श्रजय कुमार पुत्र श्री महिन्द्र लाल नियासी कालका, जिला श्रम्बाला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री महेन्द्रपाल, जयनारामण व सतनारायण पुत्रान श्री धनपत ऱाय श्रीमती मूर्ति देवी धमंपत्नी श्री राजेन्द्र कुमार निवासी करनाल, 15/583, जाटान मोहल्ला, कुम्हारन कुग्नां। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्योक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

भन्त्ची

सम्पत्ति दुकान जो कि नई मंडी करनाल में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल रजिस्ट्री संख्या 5678 दिनांक 20-1-84 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख: 11-9-1984

प्रकृष वाद् . टी . धून् . एस् . *****

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कार्यालय, पूना पूना, दिनांक 3 सितम्बर, 1984

निदेश सं० सी० ए०-5/37-इ० इ०: सी० ए० एस०/ 835/83-84—यतः, मुझे, संतोष दत्त,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को वह विश्वास करने का कारण हु" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हु"

श्रार जिसकी सं० प्लाट नं० 2, 1120 माडेला कालोनी शिवाजी नगर है तथा जो पुणे 16 में स्थित है (श्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्न रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण). श्रर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख दिसम्बर, 1983 को

को पूर्विस्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाबार गृहण, उसके दश्यमान प्रतिफल ते, एसे दश्यमान प्रतिफल का जंदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गथा प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है !——

- (क) जन्तरण ये हुए किसी नाय की नायत, उपल जिमित्यम के स्थीन कर दोने के सम्तरक के बादित्व में कनी करने का उससे ब्याने में स्विभा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर् अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिन्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं० सी० एल० शिरोले,1216--6 डेक्कन जिमखाना,पुण-411004।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रीकांत महादेव पारखी, 320, णनिवार पेठ, पुणे—411030

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उन्तर संपर्तित को वर्जन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

अगुस्ची

प्लाट नं क 2, 1120, मॉडल कॉलोनी, शिवाजीनगर, पुणे-411016 (क्षेत्र: 66 भौ० मीटर्स)।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 3273/83-84 जो तारीख फरवरी, 1984 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोप दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 3-9-1984

मोहार 🖫

प्ररूप आहें, टी, एन, एस, ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर् आयुक्त (निर्दाक्षण)

श्रर्जन रेंज कार्यालय, पूना

पूना, दिनांक 3 सितम्बर, 1984

निर्वेश सं० सी० ए०-5/37-इ०६०/836/84-85---यतः, मुझे, संतोष दत्ता,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इस्तों इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी गं० पलैट नं० 4, सेकंड फ्लोर, बरमाना श्रपार्टमेंट्स, सि० टी० एस० नं० 134/4, प्ताट नं० 2, भांबुर्डा, णियाजी नगर है तथा जो पुणे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाग एमा प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्निसति व

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की वावता, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने में अंतरक कें दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए: और/गा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त गिधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लियाने में निविध के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभाग (1) अं अधीन, निम्निचित्रित व्यक्तियों, मर्गात् :-- (1) श्री मेट्रो इस्टेट कार्पोरेशन,15, ईस्ट स्ट्रीट,पुण-411001

(भ्रन्तरक)

(2) निरोम बंदना अधिकारी 48, श्रानंद पार्क, श्रोंध, पुणे-7।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येगीह्यां करता है।

उनत संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति
 व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिस-ब्द्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अजोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

يالوال أ

फ्लैंट नं 4, सेकंड फ्लोर, बरसाना श्रपार्टमेंट्स, सी 6 टी 6 एस 6 नं 6 134/4, प्लाट नं 6 2, मांडुर्बा, शिवाजी नगर, पुणे।

(क्षेत्र: 1037 चौ० पुं०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 3072/83-84 जो तारीख दिसम्बर 1983 को सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

नारीख: 3-9-1984

मोहुड १

प्ररूप बाद्दे, टी., एम्., एस्.,--

भागकर भृषिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सुचना

मारक करकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज कार्यालय, पूना

पूना, दिनांक 3 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० सी० ए०-5/37-ई० ई०/837/84-85---यत:, मुझे, संतोष दत्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 310, थडं फ्लोर, हि० नं० 416, ईस्ट स्ट्रीट, है तथा जी पुणे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी कें कार्यासम सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के रण्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिद्यात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है हन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की नानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अचने से सुविधा के स्मिए; अरि/ना
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धन मा जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभीनयम, वा धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती व्यारा प्रकट मही किया नया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सृष्धा के सिए;

(1) मैं० संक्वाना ब्रद्ध और कं०, 441, सोमवार पेठ, पुणे-411011।

(अतरक)

(2) श्री कांतिसाल अचलदास ओस्वाल और भिनेष रंजना कंट ओस्वान, 419, आर० एस० केदारी रोड, पुणे-411001।

(अं तरिनी)

को यह स्थना जारी करके पृद्योंक्त संपरित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपृत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप 🏗--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन की अविधि या सत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांसी हो, को भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्यारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितब द्वा किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, ओ उथ्ह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्सूची

फ्लैंट नं॰ 310, **यर्ड** फ्लोर, हि॰ नं॰ 416, ईस्ट ट्रीट, पुणे-411001।

(क्षेत्र: 1026 चौ० फु०)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 2598/83-84 जो तारीख नवम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> सन्तोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

अतः कव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निंकिसत व्यक्तियों, अधीन !---

तारीख: 3-9-1984

प्रस्य बाहर . टी . एन . एस . - - - ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कार्यालय, पुना पुना, दिनांक 3 सितम्बर, 1984

निदेश सं० सी० ए०-5/37 है० ई०/838/84-85---यतः मुझे संतोष दत्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० इंडस्ट्रीअल यूनिट नं० 21, 26, 127, ग्राउंड फ्लोर, पारस इंड० ईस्टेट, प्लॉट नं० 176, 177 स॰ न॰ 31, 34, 35, 36, 37, 56-सी॰ नवघर, सा॰ बसई है तथा जो जिला ठाणे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय महायक आयकर आयक्त (निरी-क्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983 को को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उच्चित बाजार मृत्य से कम को इदयभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके पर्यमान प्रतिफास से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए सर्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी जाय की बाबत, उक्त जिस्तियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्स में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या विका जाना साहिए था, हिपानं में अविभा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थातः :--7--276GI[84]

(1) मैं० महाबीर एंटरप्राइजेस, लाल गोडायून, बसई रोड, नहमील बसई, जिला ठाणे।

(अन्तरमा)

(2) प्लास्टिक और पेपर काफ्टम, 12ए, सागर बिहार, सेकंड फ्लोर, 23ए, जी० खान रोड, बरुनी, बम्बई-18।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों नर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शस्त्रों आहैर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जुप सुरु

इंडस्ट्रियल यूनिट नं० 21, 26, 27, ग्राउंड फ्लोर पारस इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्लॉट नं० 176, 177, स० नं० 31, 34, 35, 36, 37 और 56-मी, नवघर, तहसील वसई, जिला ठाणे।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत ने० 3739/83-84 जो तारीख दिसम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है।

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 3-9-1984

प्ररूप बाहें टी. एत. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६६-थ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज कार्यालय, पूना

पूना, दिनांक 3 सितम्बर, 1984

निर्वेश सं० सी० ए०-5/37-इ० इ० 839/84-85/---यत:, मुझे, संतोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण के कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- कि. सं अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, बरसाना, सि० स० नं० 134/4, प्लाट नं० 2, भांबुर्डा, शिवाजीनगर है तथा जो पुणे 5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983 को

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निशिसित उद्योग से उक्त बन्तरण सिचित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उक्त जीव-नियम के, अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे राचने में स्विधा के लिए: और/मा
- (क) एंनी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को. जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयः था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन जिस्तिनिस्त व्यक्तियों, अर्थान --- (1) मैंद्रो इस्टेट कार्पोरेशन,15, ईस्ट स्ट्रीट,पुण-411001।

(अन्तरक)

(2) मिसेस उषा वी० लोकर, मि० संजय वी० लोकर, 701, डेबोनीर, 153/बी, कंडेल रोड, माहिम, बम्बई-400016।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के शावपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अमिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वृक्ष किसी अन्य स्थावत वृक्षा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया नेपा हैं।

मनुस्वी

फ्लैंट नं० 3, अरसाना, सि० सं० नं० 134/4, प्लाट नं० 2, भांबुडी, शिवाजीनगर, पुणे-5।

(क्षेत्र: 1037 चौ॰ फु॰)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत सं० 2961/83-84 जो तारीख दिसम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, प्रुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> संतोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयु^षत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना ।

तारीख: 3-9-1984

मोहर 🤋

प्ररूप गाइ, टी. एन. एस.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 5 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37-ई ई/84-85/840---यत: मुझे, सन्तोष दत्ता

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ऑफिस नं० 13, अरोरा टॉवर्स, 9-मोलेदिना रोड, है तथा जो पुण-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरी-क्षण), अर्जन रेंज, पूर्ण में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के नारीख जनवरी, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कार, कि कार के आपकार का किया । १९०० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का १७) अप्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण सों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् हिं

मै० शरद प्रमोटर्स,
 ईस्ट स्ट्रीट, पुणे-1

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र अग्रवाल, 567, साचापीर स्ट्रीट, पुणे-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मेति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर्ी के पास लिखित में किसे जा सकी।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्सूची

भ्रॉफिस नं० 13, अरोरा टॉबर्स, 9, मीलादेना रोड, पुणे-1।

(क्षोज़: 1,223 ची० फुट)।

(जसे कि रिजिस्ट्री एत नं० 37 इइ/2759/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> सन्सोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर कायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना ।

तारीख: 5-9-1984

प्रकष् आहु", दी ु एन् ु एस् ु------

शायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) को सुभीन सुखुना

भारत शरकात

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 5 सितम्बर, 1984

निर्वेश सं० सी० ए०-5/37-**ई** ई/841/84-85----यत: मुझे, संतोष दत्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उर्क्त अधिनियम' कहा गया है') की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं पर्लंट नं 11, थर्ड पलोर, नीलकंठ अपार्टमेंट, 60 रास्ता पेठ हैं तथा जो पुण-11 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1984 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के दरममान मितफल को लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके क्ष्यमान प्रतिफल् से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के सिए त्य पाया गवा प्रति-फल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि चित्र में वास्त्विक रूप वे कथित नहीं किया नवा है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जबः जबत जीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० मनवाना कन्स्द्रक्शन कं०, डिम्हाइन टरेस, 911-914 ए मिनेगॉम स्ट्रीट, पुणे।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० वी० राठौड और
 श्री पी० एन० राठौड,
 441, सोमवार पेठ,
 पुणे-11।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप्:--

- (क) इस सृष्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ दोगा जो उस अध्याय में दिया प्याही।

वन्त्र्य

फ्लैंट नं० 11, थर्ड फ्लोर, नीलकंठ अपार्टमेंट, 60, रास्ता पेठ, पूर्ण 411011

(क्षेत्र: 903 चौ० फु० और 310 चौ० फु० टेरेस) (जैसे की रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/3639/83-84 जो तारीख जनवरी, 1884 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज रेंज, पुणे के दपतर में लिखा है।)

> सन्तोष दक्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख: 5-9-1984

प्रकृष वार्द् .टी . युन् . एक . , ---------

भायकर श्रिविनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व(1) के श्रमीन सूचना

भारत सरकार

फ्रार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

पून! दिनांक 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5 / 3 7ईई / 84 – 85 - 842 – अतः मुझे, संतोष दत्ता

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 10, सेंकड फ्लोर, तृष्ति अपार्टमेंट 247/1, रास्ता पेट है तथा पुणे 11 में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्य से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान, जनवरी 1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उष्यत वाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरका से हुइ किसी काद की वाबत, उनतः विभिनियम के अभीन काद दोने के अन्तरक के साबित्य में कमी कारने या उसके अचने में सुविधा के लिए; आहे./या
- (स) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में रिविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- (1) मे० मक्बाना कन्स्ट्रम्भान कं०, 'डिक्हाइन टेरेस, 911/914, सिनेगांग स्ट्रीट, पुणे 1.

(अन्तरक)

(2) श्री जी० आर० मक्वाना और श्री आर० जी० मक्वाना, राजलक्ष्मी अपार्टमेंट, फ्लैंट नं० 5, नवी पेठ, पुणे 30

(अन्तरिती)

को यह सूचना बादी करके पूर्वा कत सम्पृत्ति के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्य स्थानस्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी, अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्**स्**ची

फ्लैट नं० 10, सेंकड़ फ्लोर, तिष्त अपार्टमेंट, 246/1, रास्ता पेठ, पुणे 411011

(क्षेत्र: 1480 ची० फू)

(जैमे की रिजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/3640/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है,')

> सन्तोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 5-9-1984

मोहर.

प्रस्प आह⁴. टी. **एन् . एक**्-------

नायकर मृत्भिनियमः,, 1961 (1961 का 43) काँ भारत 269-व (1) के नुभीन सुचना

HISTO DECRIS

कार्यालय सहायक आयकर मायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं० मी० ए० 5/37ईई/84-85/843—अतः मुझे, सन्तोष दत्ता

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 14, थर्ड फ्लोर, तिष्त अपार्ट-मेंट, 246/1, रास्ता पेट है तथा जो पुणे 11 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित गाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित गाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन निम्नसिचित उद्वेष्य से स्वत अन्तरण सिचित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कः) जन्तरण संहुई किसी नाव कौ बाबत, उक्ट सिंपिनम्भ के जभीन कर दोने के जन्तरक खैं दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा खे लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्रवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए।

जतः। जन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुक्ररण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, जिल्लाकित व्यक्तियों. अर्थात् ध— (1) मैं ० मक्वाना कन्स्ट्रक्शन कं०, डिन्हाइन टेरेस, 911/914, सिनेगांग स्ट्रीट, पुणे 1

(अन्तरक)

(2) श्री नारायण भीमजी राठोड और
 श्री एस० एन० राठोड,
 441 ए, सोमनार पेठ,
 पूर्ण 11

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनीप नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक भे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्थव्यक्तिहरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों नार पदां का, वा उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूची

फ्लीट नं० 14, थर्ड फ्लोर, सिप्तृ अपार्टमेंट, 247/1, रास्ता पेठ, पुणे 11

(क्षेत्र: 981 ची० फु)

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/3637/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> सन्तोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 5-9-1984

मोहर 🖁

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायक र आयुक्त (निरीक्रण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांग 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं० मी० ए० 5/37 ई० ई०/84/84-85---यत: मुझे, सन्तोध दत्ता,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संयक्ति विसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 16' बिल्डिंग नं० सी, मी० टी० एस० नं० 3 और 3/1, नेलोर रोड़ है तथा जो पुणे 1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुण में, रजिट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के सधीन कर दोने की अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; सीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

मतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग सै अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— मै० शरद् प्रमोटर्स,
 ईस्ट स्ट्रीट, पुणे-1

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एम० शहाणे,
611, निननी को आपरेटिय हाऊसिंग सोसायटी,
सोलापुर रोड़, पुणे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवस्थि

पर्लंट नं० 16, बिल्डिंग 'सी', सी० टी० एस० नं० 3 और 3/1, नेलोर रोड़, पुणे 1 (क्षेत्र : 1,000 चौ० फु०)। (जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ई०ई०,2760,83-84 जो तारीख,जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है)।

> मग्तोष दत्ता, सक्षम प्राधिकारी, गहायक अ।गकर अ।युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 5-9-1984

मोहर

प्ररूप. अरहा. टी. एन ् एस्. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीय सुचना

भारत सरकार

कार्याख्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं० मी० ए० 5/37 ई० ई०/84-85/845---यतः मुझे, सन्तोप दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं फ्लैंट नं 305, यर्ड फ्लोर, हि॰नं० 2416, जनरल थिमध्या रोड़ है तथा जो पृणे 1 में स्थित (और इससे उपावद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1984

को पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहसमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहसमान प्रतिफल से, एसे रहसमान प्रतिफल का मैक्स प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किल निम्निलिश उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाब की बाबत, उक्क विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कभी करने या एससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आम या किसी धन या जन्म अस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें अधिका के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं० मक्वाना ब्रदर्स एण्ड कं०, 441, सोमवार पेठ, पूर्णे--11।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री बीठ केठ ओस्वाल, सीठ केठ ओस्वाल, आरठ केठ ओस्वाल, 244, एमठ जीठ रोड़, पुणे-1।

(अन्तरिती)

को वह सुचना वारी करके पूर्वांक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीं कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एया है।

जन्स्**ची**

पलैट न० 305, थर्ड फ्लोर, हि० नं० 2416, जनरल थिमय्या रोड़, पुणे-1 (क्षेत्र : 11,511 ची० फूट) (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ई० ई०/26 97/83-84 जो तारीख जनवरी, 1984 को महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> मन्तोष दत्ता, मक्षम् प्राधिकारी, महाययः आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना ।

धिनांक: 5-9-198**4**

मोहर

प्रकथ आहर् .' द्यी . एन . एस . ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

धूनः, दिनाकः । शितम्बरः 1984

निर्देश गं० गं० ए० 5/37 शं०/84-85/1180--गत: मुझे, मन्त्रोप दलाः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मंं ० लैंड और विलिंडन-सि०स० नं० 5816, एम० नं० 4576, गणेण बार्डाः पंचवटा है तथा जो तासिक में स्थित हैं हैं (और इसले उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के न्यायिय यव रिजिस्ट्राय, नासिक में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक जनवरी 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में अम क दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिक्त में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से बिधन नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में मुदिया के लिए. और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए;

(1) श्री आर॰ डी॰ पटेस, 1176, भद्रकाणी, नामिक।

(अन्तरक)

- (2) श्री डी० एम० अग्रवाल और श्री एम० एम० अग्रवाल, 4576, गणेश वाडी, पंचवटी, नासिकः।
- (3) (वह आक्ति जिसके अधिभोग में भम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियाँ में से किसी पांचर रूपना,
- (स) उस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की लागील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्साक्षणी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थक्टीकरण :—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्यी

लैंण्ड और बिल्डींग—सी० स० नं० 5816, एम० नं० 4576, गणेश बाडी, पंचवटी, नामिक (क्षेत्र: 130 चौ० मीटर्स)

(जसे कि रिजस्ट्रीकृत नं 0 211 जो तारीख जनवरी, 1984 को सब रिजस्ट्रार, नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

> मतोष दसा, मक्सम प्राधिकारी, महासक आसकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना

विज्ञांक: 1-9-1984

प्ररूप बार्द टी. एन एस .----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 17 अगस्त 1984

निर्देश सं० मी० ए० 5/37 ई० ई०/84--85/846----- प्रतः मुझी, सन्तोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, सैंकंड फ्लोर, चन्दन अपार्टमेंटस सी० टी॰ एम० नं० 110-बी, नाना पेठ, पुणे-2 हैं तथा जो पुणे 2 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय सहायक्ष आयक्षर आव्युत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बाहरों से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिबक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (कः) अन्तरण से **हुई किसी आय की बाबत**, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के जिला और/या
- (स) एमं किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण यों, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निभ्नौसंखित व्यक्तिसर्थों, अर्थात :--- (1) मैठ चन्नत्वमं और चन्दन, 10-बा. नाना पेठ, पुणी-2

(अन्तरक)

(2) श्री ए० ए० सागर,
 सी→2, सुंदर नगर,
 308, गामवार पेट, पुणे-11 +

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थक्तीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

पलैट नं० 202, सैकण्डम्लंदि, चन्दन अपार्टमेंट,
सी० टी० एस० नं० 110-बी, नाना पैठ, पुणे 2
(क्षेत्र : 562 चौ० फुट, बारकनी, : 16 फूट)
(जैसे कि रिजस्ट्रीहित नं० 37 ई०ई०/2643/पुणे/83-84
जो तारीख जनवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है)

सन्तोष देशा, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, पूना

विभोक . 17-8-19**84**

महिर :

प्रस्य आई.टी.एन्.एस.-----

भाशकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 10 सितम्बर 1984

निर्देश सं० सी० १ए० 5/37 जी०/84-85/1182---यतः मृक्षे, सन्तोष दत्ता,

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मून्य 25,000/- रूठ से अधिक हैं

और जिसकी मं० लैण्ड विं नं० 732-वी-2, हिस्सा नं० ए०, हाउस और प्लाट नं० 1911 में 1923 तक है तथा जो जिला पुणे में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार्यालय सब रिजस्ट्रार, हथेली-1 में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंटरकॉ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाधित्य में कमी करने माँ उससे वचने में सुविधा वी निए; बाद/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकार अधिनियम, या भनकार अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए।

बत्रक अथ, उक्त विभिनियम की भारा 269-ंग के अनुसरण मं, मं, उक्त अभिनियम की धारा 269-ंघ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रमोद माणेकचन्द दुगड फेमिली ट्रस्ट, वालवलकर इस्टेट, पुणे ।

(अन्तरक)

(2) मिमस हिराबाई वमन्तराव पायगुढे और इतर, विवेवाडी, पुणे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ , जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी अट सर्वे० नं० 732 बी-2, हिस्सा नं० हाउसऔर प्लाट नं० 1911 से 1923 तक (कुल 13 प्लाटस्) हवेली तालूका, जिला पुणे)।

्क्षेत्र : 1534.50 चौ० मीटर्स) ।

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत नं० 635 जो तारीख जनवरी, 1984 को सब रिजस्ट्रार, हवेली-1 के दफ्तर में लिखा है)।

> सन्तोष दत्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 10-9-1984

माहर:

प्ररूप माइ. टी. एन. एस. ----

नायकर निषित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के निषीत सुंचता

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेंज, पूता

पूना, धिनांक 10 सितम्बर 1984

निर्वेण सं० सी० ए० 5/37र्जी०/84-85/1181---अतः मुझ, सन्तोष दत्ताः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु., से अधिक है

और जिसकी संव मर्वेव नंव 260, और 260वी. 254, 260 के. विह्लोज निलेमोर है तथा जा जिला ठाणे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय सब रिजस्ट्रार, बसई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, िनांव 17 जनवरी 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृके यह विस्तास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त मंपिता का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पात्रा गया प्रतिफल . निम्मलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाष की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कसी कारने या तससे बचने में सुविधा के लिए; जार/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों करो जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 19.22 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में मृतिभा के लिए;

सतः नवः उत्तरः अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मो, मो, उत्तरा अधिनियम की धारा 269-भ की उपनाना (1) के अधीन, निकासिलिस व्यक्तिसों, अर्थास् :--- (1) श्रो गजनद एम० कोबकर, और इतर, चंद्रसर रोड़, विराह (पूर्व), कोडकर वाडी, जिला ठाणें।

(अन्तरक)

(2) श्री हर्मन जी० व्हिन्सेट

(अन्तरितं:)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए वार्यधाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख स 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास विखित मों किए ा सकरें।

स्पद्धीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जा उस अध्याय मो दिया, गया है।

अनुसूची

सर्वे० नं० 260,260वी, 254, 260के, व्हिलेज निलेमोर, जिला ठाणे।

254ए, हिस्सा नं ् 2, 3, 18, 6/3 (पार्ट),

(क्षेत्र : 33,487 चौ० मीटर्स अंदाज से)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीइत नं० 37 जी/606/84-85 जी नारीख जनवरी, 1984 को सब रिजस्ट्रार, असई के दफ्तर में लिखा है)

> संसीप दसा पक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनास . 10-9-1984

माहर.

प्ररूप बाह् .टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

त्रजंन रेज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 12 मितम्बर **1984**

सं० चण्डी० /142/83-84--ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25.000/- रु. से अधिक है

25,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1595 है तथा जो सैक्टर
33, चण्डोगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपावढ़ श्रनुसूची में
श्रीर पूर्ण रूप स विणत है), रिजस्ट्रोक्स श्रीधिकारों के
कार्यालय, चण्डोगढ़ में, रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरों, 1984
को पूर्वोक्त संपरित के उच्ति बाजार मूल्य से कम के स्रथमान
श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार
मूल्य, उसके सर्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान श्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए स्थ
पामा गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्विश्य से उक्त अन्तरण
लिखत में गस्तिक रूप से किथत नहीं किया गमा हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (स) एसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

अतः अस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग कं अनुसरण मं, मं. उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अभीत :--- अभे मार० सी० मेहरा पुत्र श्री लाल चन्द मेहरा निवासी मकान नं० 71 सैंक्टर 9, चण्डींगढ़।

(भ्रन्तरक)

 सरदार गुरिन्दर पाल सिंह पुत्र सरदार गोबिन्द सिंह निवासी मकान नं० 569 सैक्टर 36, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति की अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थिपत्यों में से किसी स्थित बुवारा:
- (वा) इन्छ सूचना के राजपत्र मं त्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकती।

स्पक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

प्लाट नं० 1595 सैक्टर 33 चण्डीगढ़ (ग्रर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख नं० 1075 जनवरी 1984 में दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख: 12-9-1984

प्ररूप बार्ड टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

व्यर्ज रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिगांक 12 सितम्बर 1984

सं० वण्डी 144/83-84--ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 608 है तथा जो सैक्टर 36 बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जनवरी, 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मृमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तिरितियों) के नीच एमें अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नृविधा के किए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के प्रधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री एच० एस० बाला वासी मकान नं० 608 सैक्टर 36 बी०, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती रिवन्द्र कीर पत्नी श्री श्रार० एस० सरकारिया, वासी मकान नं० 608 सैक्टर 36 बी, विष्कीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

3. मैसर्स बी० के० कन्स्ट्रवणन कम्पर्ना, े608/36 बी०, अण्डीगद्व।

> (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के कायेवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपन्न में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वतस्वी

मकान नं ० 608 सैक्टर 36 बीं , चण्डीगढ़ (प्रथित् वह जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 1085 जनवरी, 1984 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 12-9-1984

मोहरः

प्ररूप **भार्द**, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 12 सितम्बर 1984

सं० चण्डी०/150/83-84--ध्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, _ 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें^{*} इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ∕ - रुः मे अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 2115 है तथा जो सैक्टर 35 मी०, चण्डोगढ़ में स्थित है (ग्रांर इससे 'उपाबद्ध ग्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा स्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य स कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित नाआर मूल्थ, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के **पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और** अन्त-रिती (अंतरितियों) के बीच एेसे अन्तरण कें लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर्/या
- (क) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने नें स्विभाके लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग 🖒 अनुसरका में, मैं, उक्त अधिनिय की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

 श्रो सुरिन्द्र कुमार छाबड़ा, श्री बलबीर कुमार छाबड़ा पुत्रानस्व० मेजर राम लाल छात्रड़ा वजरिया मुख्तार भ्राम डा० देविन्द्र कुमार छावड़ा वासी 204 रजिन्द्र दनगर, लखनऊ (३० प्र०)।

(ग्रन्तर क)

2. श्री विरिन्द्र सिंह चड़ढ़ा पुत्र श्री खोम सिंह चड़का वासी 78 सैवरन किसेन्ट लैण्जाली सलो, यू० के० वजरिया भ्रद्धतार बलबीर सिंह चड्डा, वासी 1135 मैक्टर 21-को चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में को**ई भी आक्षेप**ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाय्र सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें पयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

प्लाट नं० 2115 सैक्टर 35न्सी चण्डीगढ़ (श्रर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख मंख्या 1127 जनवरी, 1984 के तहल दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह, मक्षम प्राधिकारी महायक आयुकर ग्रायक्त (निरोक्षण) म्रर्जन रेज, ल्धिगाना

नारोख: 12-9-1984

माङ्ग

प्रकृष बाह्र', टी. एन. एस. ------

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन स्कार

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुखियाना

लुधियाना, विनांक 12 सितम्बर 1984

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट ं० 666, है तथा जो सैक्टर 33, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपायद ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

(1908 का 16) के अधीम, तारीख जनवरी, 1984 को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिक्षल के लिए बन्तरित की गई है जीर मुन्ने मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार गृल्थ, उसके दरयमान प्रतिकास से एसे दरयमान प्रतिकास का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्निशिवार उद्वोध्य से उक्त बन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से कांचत महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वं हुई किसी बाद की रावस, उसके अधिनियम के सभीन कर दोने के सन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के बिए; बॉर/का
- (क) ऐसी किसी जार या किसी धन वा अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जासकार जिधिनिस्स, 1922 (1922 का 11) था उत्तर अधिनिस्स, या धनकर अधिनिस्स, 1957 (१957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, जिथाने में कृषिका के लिए;

नतः अव, उक्त निधानयम की धारा 269-ग के निमृत्यरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित न्यक्तियों, जभात :— अी एम० के० जैस,
पुत श्री पीलम सिंह जैस,
निवासी मकास गं० 27,
सैक्टर 9, चण्डीगढ़,
द्वारा उनकी जनरल श्रटारनी
श्री पीतम सिंह जैन
पुत्र स्व० शेर सिंह
निवासी मकास नं० 27
सैक्टर 9, चण्डीगढ़।

(अन्तर्क)

 कुमार रूपेन्द्र पाल कौर सन्धु पुत्नी श्री गोबिन्द्र सिंह निवासी मकान नं० 569 सैक्टर 36 चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पाकारण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर किंभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में पिया गया हैं।

अन्स्ची

प्लाट नं० 666, सैक्टर, 33, चण्डीगढ़ (श्रर्थात् यह जायदाय जो कि रजिस्ट्रीकर्ला ग्रधिकारो ्चण्डीगढ़ के बिलेख संख्या 1116 माह जनवरो 1984 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्राजैन रैंज, लुधियागा

र्गारीख . 12-9-1984 मोहरः प्रह्म. शाइं. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पान 269-व (1) के वर्धान अपना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयतत (निरोक्तण) अर्जन रेंज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनांक 10 सितम्बर 1984

रां वण्डी ०/158/83-84:-- प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, शायबार ऑबनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'रक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-त के वर्धान सक्षम प्रापिकारी की, यह जिस्साम करने जा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उदित वाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसको सं प्लाट ं 136 है तथा जो सैक्टर 35-ए चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इसमे उदाबद्ध श्रनुमूचा में श्रीर पूर्ण एक के वर्णित है), र्राजस्ट्रोक्ता श्रधिकारों के कार्यालय दण्डोगढ में, रजिस्ट्रे।करण अधिनियम, 1908 (1908 ए: 16) के वर्धान तारीख जनवरी, 1984

को वर्षोध्य राज्याल के उचित प्रकार राज्य रो कर के स्थान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते बढ़ विश्वास कारने दल सहरकों में किंद्र एक परिवर्तन भेपितन बर्ग तामित । याजान मुल्य, तसह त्रथमान परिचार ए, प्रेरी क्रथमान प्रतिकार का पन्द्रह प्रतिशत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-का है (सर्वेश्वास के पीचे प्रत्या के लिए पंच करा, पक् प्रतिफल, निम्नीर्यासत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे पान्तिव हम ने गांधत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण म हुए (का) नाम का बाबन, अवत तिबिनियम के तथीर कर राने हैं अन्यक्त के को दून्य मं क्रमी करण सा उपभे प्रचन मा परिश्त के तजी ख्या र. / जा
- गत। मुनी देखी दाय न किसी अन वा एन्य दाई हातो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11), एक उन्हां कि विविध , के तरका अधिक्षिण, 1957 (1957 का 27) की वर्षप्राप्त बहारियों। उत्तर प्राप्त स्था नेपान A DESCRIPTION OF THE STATE OF THE STATE OF नीन्त्र है लिए: '
- उट त्या नाम प्रीप्रतियम, क्षति धारा 269-ग को अनसद्धा ्र है। जान बीभी का याँ गर्न १६५-स की समार्ग (।) ট স্থানি, নিশ্চলিছিল সাল্<mark>য়েটা স্থান 🐤</mark> 9-276GI|84

- 1. लॅ० क० कुलदीय भगीट पुत्र श्री वी० एन० भनौट निवासी 8/1, श्ररूणोदया सोनाइटो बाड़ौरा द्वारा उनकी जनरल ग्रटारनी के बो० डो० भनौट पुत्र श्री स्व० बा. आरः मनौट मकान न० 2179, मैक्टर 35-सो, चण्डोगढ़। (भ्रन्तरक)
- 2. श्रो स्वर्ग सिंह शैरगिल पुत्र श्री प्रीतम सिंह शेरगिल, श्रोमती जसबीर शेरगिल यत्नो श्री स्वर्ण सिंह शैरगिल, निवासी मदान नं० 3442, मैक्टर 35 डो, चण्डोगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सुत्रना वारी करके पुढ़िक्त सम्पति के अनेन के जिल ा विशेषमां करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या ततसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विट व्यक्तिया यो श्री हेशाली स्परितंत द्वाराष्ट्र
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बदध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में दिए जो सकती।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उपन क्षिनितम, के अध्याय 20-क में परिशापिक हैं, वहीं अर्थ हांता, जो उस अध्याद मां दिया गया है।

135 सैक्टर प्लाट न० 35 ए० चण्डीगढ (ग्रथीत् जायदाद जो कि रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या नं० 1155 जनवरो, 1984 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारो, सहायक आपकर आयुक्त (निरोक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारोख: 10-9-1984

रण्य आहाँ. टी. एन्. एस. ----

आयळ र व्योधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भान सरकार

कार्णलयः, सह्यक अध्वर अ<mark>ध्वत (निरक्षिण)</mark>

सर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 सितम्बर 1984

सं० चण्डीः०/154/83-84---ग्रतः मुझे; जोगिन्द्र सिंह, बायकर किपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एमफे प्राप्त के पान हों), की धारा 269-ख के एपीन एक्प प्राप्तिकारों को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थानर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 '-फ से लिथक ही

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1566 है तथा जो सैक्टर 34 डी० चण्डोगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारो के कार्यालय, चण्डोगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरो, 1984

को पूर्वोक्त समात्ति के उचित बाजार मूल्य से कस के दश्यमान श्रितफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके कामरात्र प्रोतका ने, एकि तश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातिफल निप्तिविक्त उद्वेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में भारतियः नप से किथन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई फिसी आय की बाबंत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पा का निया जाना काकित था, जिलाने में मविधा के लिए।

नतः अव, उदत अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मा, भी, उदत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निर्माणिक व्यक्तियों, अर्थातः— विग कमाण्डर के० के० मिश्रा (कृष्ण कुमार मिश्रा) पुत्र डा० वी० पो० मिश्रा ई० एन० टी० स्पैसलिस्ट कमांड हस्पताल, एयर फोर्स, बगलौर।

perfective larger and inspection in the control of the control of

(अन्तरक)

2. सरदार दलमेर सिंह

पुत्र सरदार पंजाब सिंह,
श्रीमती नरेन्द्र कौर

पित्न सरदार दलमेर सिंह
श्री प्रजय पाल सिंह सन्धू

पुत्र सरदार दलमेर सिंह
श्री विजयपाल सिंह सन्धू

पुत्र सरदार दलमेर सिंह

पुत्र सरदार दलमेर सिंह

निवासी सन्धू हाउस डिफेन्स कालोनी के सामने

मेरठ (यू० पी०)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्र सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नन्सूची

(प्लाट नं० 1566 सैक्टर 34, डी चण्डोगढ़ (श्रयात् वह जायदाद जो कि रजिल्ट्रोकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या नं० 1140 जनवरी माह 1984 में दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकार, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लिधियाना

तारीख: 12-9-1984

प्रक्ष मार्थः द्वीः एकः एकः ----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के व्यभिन स्वना

भारत सहकार

कार्यालय, स**हायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)** धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 सितम्बर 1984

सं० चण्डी ०/163/83-84--प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, आयकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिस्से इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/-राप्ये से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3503 है तथा जो सैक्टर 32 डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी, 1984 की पृत्रोंक्त संपरित के उधिन माजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उधित बाजार मृन्य, उसके ध्वयमान प्रतिकाल के, ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का पत्यह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंग्स नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तर्श से हुद्दे किसी बाय की बायदा, उपन्त विधिनियम के अभीन कर कोने के बन्तरक को खरित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय जायकर जिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीम, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः— श्री रमेश चन्द्र महता
पुत्र श्री राम सरूप महता
बासी 193, ब्रह्मिन मण्डी,
रोहतक, हरियाणा।

(भ्रन्तरक)

श्री देव राज थापर
पुत्र स्वर्गवासी श्री ध्रमृत शाह थापर
एवं श्री मती प्रेम लता थापर
पत्नी श्री देव राज थापर
वासी, 335 इण्डस्ट्रीयल एरिया, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोएं भी आरंग :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (■) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की कारीस में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति यूवारा अधोहरताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्योकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर एकों का, जो उक्त अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 3503, सैंक्टर 32 डी०, चण्डीगढ़ (अर्थात् वह जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारो चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 1188 माह फरवरी 1984 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकार, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-9-1984

प्ररूप आई'. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की श्राप 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत मस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज लिधियाना

लुधियाना दिनांक 13 सितम्बर 84

निदेश सं० चन्डी० 152/83-84---प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें ध्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख की गरीन सक्षय उत्तेया की की, या विवास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका कन्ति वाजार मृत्य 25,000/- का सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1162 है तथा जो सैक्टर 34 सी चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ग एम से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वावत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यभान शितकल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वाम बहने का कारण .हां कि एपाएनोंक्त गोणील का एकत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकार में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्रा) के बीच एसे अन्तरण ये निए ता दाया यथा प्रांतफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिसिन में बास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधिन्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या जिसी कर्न पाल कर कर्म कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपार के स्विधा के लिए:

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :—

- (1) श्रीमती रीता श्रनेजा पित्न स्वर्गवासी लैं॰ कर्नल मुरेश कुमार श्रनेजा स्वयं के लिए तथा माता ग्रीर सरपस्त के तौर पर श्रपने नाबालिंग पुत्नों, मास्टर विवेक श्रनेजा, तथा मास्टर तरुण ग्रनेजा।
 श्रीमती विद्यावती श्रनेजा पित्न श्री दौलत राम ग्रनेजा पुत्र स्वर्गवासी श्री भगवान दास ग्रनेजा द्वारा ग्राम मुख्तार श्री दौलत राम श्रनेजा वासी वी—2/3, राजौरी गार्डन, न्यू देहती (श्रन्तरः)
- (2) 1 श्रीमती गुरदेव कौर मान पत्नि डा॰ एस॰ बी॰ एस॰ मान
 - 2. डॉ॰ एस॰ बी॰ एस॰ मान पुत्र श्री बसन्त सिंह यासी 1150 सैक्टर 24-बी, चन्डीगड़ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहिया जनता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी काक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजेपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धे व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति एकारा.
- (स) इस स्थना के राजपत्र में पकाना की तारीक एं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर तम्पीत्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 1162 सैक्टर 34-सी, चन्डीगढ़ (श्रर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के विलेख संख्या 1133 जवनरी 1984 के तहत दर्ज है।

> जोगिण्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज लुधियाना

दिनांक :- 13-9-84 मोहर : प्रकार बाइ. टी. एन. एस.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीर मुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० लुधियाना |218/83-84--म्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० बी 19 1190/8 है तथा जो प्लाट का श्राधा भाग नं० 35 बी शहीद उधम सिंह नगर लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरीं 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने कः कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित जाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिश्वात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए तथ से स्वार्थ में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :-

- (क) अंतरण सं हर्ष किसी आप की नावस्, उधा किसीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 177) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एग था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के सिए;

अतः मय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती सुभाष रानी पत्ति श्री राम प्रसाद बजरिया श्रीमती सरला देवी पत्ति श्री जगन नाथ मेहाली गेट छोटी गली, फगवाड़ां (पंजाब) (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रमेण कुमार पुत्र श्री भगवान दास वासी 35 बी उधम सिंह नगर, लुधियाना (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेत्र .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की शृक्षि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के गुजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियो जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकरेंगे।

न्यव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वयस्य

मकान नं० बीं 19 1190/8 जो प्लाट नं० 35 बी ऊंघम सिंह नगर, लुधियाना में स्थित है।

(ग्रथित वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 11804 माह जनवरी 1984 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी यहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियांना

दिनांक 13-9-84 मोहर ६ प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकर आय्क्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, लुधियान।

ल्धियाना, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० लुधि०/265/83-84:--अत: मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी वह गह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूलग 25,000/- रत. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं० जमीन 17 करनाल० गरला है तथा जो गाँव भौरा सहः लुधियाना में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में, प्रजिस्ट्रीकरण अधिलियम 1908 (1908 का 16) के अधात, ताराय जनवरी, 1984 को पूर्वोवत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते बहु सिकास करने का कारण ही कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल् से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अनिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पादा गया प्रति-फल निम्नलिक्टिल उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-रक्ष भय से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण में हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अदरण के दायित्व मों कभी कारने या उपरां बचने या स्वेत्वा क किए; और/का
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आख्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, 103 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उयत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों। अर्थात् :---

श्री इन्द्र मोहन
पुत्र श्री चुन्ना लाल
निवासा 593 माडल टाउन,
लुधियाना।

(अन्तरक)

 मैंसर्स डयूक फैबरिकस प्राइवेट लिमिटेड पुराना बाजार, लुधियाना।

(अन्तरितं।)

का **गह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्स के अर्चन के लिए** धार्यवाहियों करका हुं।

उत्तर सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी अधिकत द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जभीहस्ताक्षरी के शस लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टिकिरण : → इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

श्रमुसूची

जमीन 17 करनाल० मरला गांव भौरा तहसील लुधियाना (अर्थात्वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारो लुधियाना के विलेख संख्या नं० 12782 माह जनवरी 1984 में दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

नारांखा: 14-9-1984

माहर :

अक्ष्य आहे". या. एमं ज्हा---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के बचीन मुचमा

भारत सरकार

ार्यालय, सहत्यक **भागकर भागुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 सितम्बर, 1984

सं० लुधि/263/83-84:--अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए को अभीद स्थाम आधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाहर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-ए. से अधिक ही

श्रीर जिसका मंग जूमि 8 क्नाल 9 मरले है तथा जो गांव भौरा तहमाल लुजियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रांश्चर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, लुधियाना में, रिजस्ट्रांबरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान, तारी जानवरों, 1984 को पूर्वोक्ष्य सम्पिता के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरित के विश्व एसे अंतरक (अंतरकों) और अंतरित कि विश्व एसे अंतरक विश्व में वास्तिक क्ष्य मान विश्व महीं किया गमा है :—

- नाः अस्तर्य सह्द्रिक्ति जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) शंसी किसी काय या किसी भन या अल्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक्त अधिनियम, या धनक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः असः, उत्यत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में उत्यत अधिनियम की धारा 269-**ण की उपधारा** (1) के अशीतः, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभौतः :--- श्रीमता कमला पुरो पत्ना श्री आई० के० पुरो निवासा 109 डा०, डिफेंस कालोनी नई दिल्ला।

(अन्सरकः)

सर्वश्रां सुनाल कुमार,
मनमोहन कुमार,
बेटे श्रों बेद प्रकाण
निवासः 8 मा उद्यम सिंह नगर
लुधियाना।

(अन्तरित:)

का यह स्वता जारी कारके पूर्वाक्त मणित्स की अर्थन के लिए भागवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मृचना के राजपत्र मो प्रकाणन की लागीस में 45 दिन बाँ अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर संगना की तामील में 30 दि। की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हो, की की गर परिष्य व्यक्तियों मो से किसी त्यक्ति द्वारा;
- (श्व) इस सूचना के राजपण में प्रचायन को हारिथ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति एशारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 8 कनाल 9 भरले को कि गाँव भौरा, तहमील लुधियाना में स्थित है।

(अयित् जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 12781 साह जनवरी 1984 में दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह, भक्षप प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारोख: 14-9-1984

मोहर 🌮

प्ररूप बार्ष: टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , गहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 अगस्त, 1984

सं० ए० एस० आर/84-85/93:---यतः मुझें की० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस०

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- छ. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० एक जायदाव है तथा जो रेस कोरस रोड अमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के अधीन, तारीख जनवरी, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रसिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिति।यों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिवत व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती स्तेहसता परनी
 श्री बूज लाल
 पवन कुमार, कांगड़ा, कालोनी, अमृतसर।

(अन्तरक)

श्री प्रितपाल सिंह मोखे
पुत्र अजीत सिंह सोखे
गांव जोरा तंहसील तप्त ताप्त
जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. ग्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे म अधोहस्नाक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबढ़ हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों -प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि काद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में अन्य किए जा मकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग जायदाद का जो रेम कोरस रोड अमृतमर में है जैसा सेल डोड नं० 11814/9-1-84 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> बो० एस० हिल्लो आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

नारीख: 29-8-1984

मोहरः

?त9च्य (I) **के म**हीन दूषना

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक बायकर बायक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 सितम्बर 1984

सं० ए० एस० आर०/84-85/94-यतः मुझे, बी० एस० बिल्लों, आई० आर० एस० बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उन्न अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम श्रीप्यारी को गई रिज्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० एक जायदाद है तथा जो रेस कोरम रोड अमृतसर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुसूर्च में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीखं जनवरी, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का बेद्द प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिंगियों) के बीच एमें अन्तरण के दिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त उन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के धारित्व में कभी करन या उससे बचने में सुधिया के सिए; बीए/या
- (क) गुंमी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 जा 11) या उज्जा अधिनियम, 1922 भन-कर अधिनियम, पा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जनगरिती व्वारा प्रजट नहीं किया गमा आ या नियम जाना आहिए आ, खियाने की संजिभा के सिए;

अट अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री ए० के० भाटिया
पुत्र ईश्वर दास भाटिया
17 ए० रेस कोरस रोड,
अमुलसर।

(अन्तरक)

 श्री प्रितपाल सिंह सोखे पुत्र अजीत सिंह सोखे गांव जोरा तहसील तरनतारन जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा उपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. श्रीर कोई

(बह् व्यक्ति, जिनके बारे सें अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस् स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन को भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी सन्य व्यक्ति स्वारा स्थाहरुताक्षरी के पास निस्तित में किए या सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हु³, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

जग्तु जी

1/2 भाग जायदाद का जो रेस कोरस रोड अमृतसर में है जैसा कि सेल डोड नं० 11815/9-1-84 रजिस्ट्रो-कर्त्ता अधिकारो अमृतसर में दर्ज है।

> बो० एस० ढिल्लों, आई आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांकः: 3-9-1984

ब्रह्म बार्ड हों। एन एस 🚗

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 3 सितम्बर 1984

सं० ए० एस० भ्रार०/84/85/95—यतः मुझे, बंरू एस० बिल्लों, म्राई० ग्रार० एस०

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25:000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० एक जायदाद है तथा जो गुरू बाजार श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), राजस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख जनवरी, 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाजित्य में क्यी करने वा उत्तसे वचने में सुविधा के सिए; बार्ड/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः मृत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1). के अधीन निस्नलिखित व्यक्तियों, जर्थातः ह— श्री सतपाल जैन
पुत्र तिलक राज जैन
श्रीमती प्रेम लता
पत्नी श्री लाल जैन,
श्री सतपाल जैन,
राजेश चन्द जैन,
पुतान तिलक राज जैन
वासी जम्मू।

(ग्रन्तरक)

 श्री बृज लाल कपूर एण्ड सन्स दयानन्द नगर, लारैंस रोड धर्मार्थ ट्रस्ट श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा उपर सं० 2 में कोई किरायेदार है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 श्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु"।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराल से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गंका है।

बन्स्ची

एक जायदाव जो गुरू बाजार ग्रमृतसर में है जैसा सेल छीड नं $11660 / 5 \cdot 1 - 84$ रिजस्ट्रीयः प्रिधकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

बी० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, अमतसर।

तारीख: 3-9-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के स्थीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासन्, बहायक नायकर नायुक्त (रिनरीक्रक)

भ्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 6 सितम्बर, 1984

ढिस्सों, श्राई० श्रार० एस० बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की भा**ए** 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एः से **मधिक हैं** भीर जिसकी सं० एक भूमिका प्लाट है तथा जो रानी का बाग अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय प्रमुतसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1984। को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के कथमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार बस्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्यह प्रक्रियात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती

(अंतरितियों) के नीच एसे वंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-

कल निम्नलिखित उद्दोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

क्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) नन्तरण संहुर किनी बाब की बावत , उत्तर विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने ना बत्तते अपने में सुनिया से विष्; बरि/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने यें सुविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269- के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिकिन व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री प्ररुण मुमार सिंह, पुत्र सौधागर सिंह वासी नरेना गढ़, छहरटा, ग्रमुतसर।

(मन्तरक)

 श्री बृज मोहन पुत्र किशन चन्द, गली झण्डी वाला मकान नं० 3176, निमक मण्डी, ग्रमुतसर।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग
 में सम्पत्ति है)।
- 4 मौर कोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्षन् के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दभ किसी बन्य व्यक्ति द्वार अभोहस्ताक्षरी के पास् सिवित में किए वा सकेये।

स्वक्रीकरणः इसमें प्रमुक्त सन्दों और प्रदों का, वो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया नया है।

नन्स्ची

एक भूमि का प्लाट जो रानी का बाग श्रमृतसर में है जैसा सेल डींड नं० 12235/20-1-84 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> बी॰ एस॰ ढिल्लों, ग्राई ग्रार एस सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ग्रमुतसर।

तारीख: 6-9-1984

प्रकपं बार्च दी एन , एस 🗧 ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 6 सितम्बर 1984

सं० ए० एस० म्रार/84-85/97:--यतः मुझे, बी० एस० ढिल्लो, माई० म्रार० -एस०,

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो रानी का बाग श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

को प्वें बित सम्परित के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेदिय से उक्त अन्तरण बिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जनुसरक को, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्धात् :---- श्री ग्ररूण कुमार सिंह पुत्र सीदागर सिंह वासी नरेणगढ़ छहरटा, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

 श्री' रमेश कुमार पुत्र किशन चन्द कृषा झण्डी वाला, मकान नं० 3176 निमक मण्डी, ग्रम्तसर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)।
- 4 श्रौर कोई

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरणः--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्यी

एक भूमि का प्लाट जो रानी का बाग श्रमृतसर में है जैसा कि सेल बीड नं० 12403/25-1-84 रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> बी॰ एस॰ ढिल्लों, आई ०आर० एस० सक्षमैँ प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमुतसर

नारी**ज**: 6—9—1984

मोहर 🗈

प्रक्रम कार्ष . दो . एन . एव . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

प्रारंद चर्चाप

कार्यालय, सहायक **शायकर बाय्क्त (निरक्षिण)** अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 अगस्त, 1984 सं० ए० एस० आर०/84-85/98:-अतः मुझे बी० एस० ढिल्लो, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000. - रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो बाजार बर्ता हटा अमृतसर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीक्त्रा अधिकारी के कार्यालय अमृतसर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूम्मे वह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त आध-नियम के अधीन कर वीने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयौ था या कियो जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिद्वित व्यक्तियों, अर्थात् ३जीतन्द्र कुमार जैन
पुत्र लख्मी चन्द
वासी दिल्ली c/o
सिकन्दर लाल बाजार वत्ती हटां
अमृतसर।

(अन्तरका)

 वियन कुमार पुत्र राजा राम टुण्डा तालाब, अमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में कोई क्लिरायेदार हो
- 1. नरेन्द्र सिंह 6/- रु० महीना
- 2. श्री राजा राम 15/- रु० महीना
- 3. श्री पूर्ण चन्द 4/- ह० महीना

(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु-।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी अयिक्तयां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों आ<u>र</u> पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

-प्सुची

1/4 भाग जायदाद का जो बाजार वर्ता हटां अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 11725/6-1-84 रिजस्ट्रोक्तर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

बां० एस० ढिल्लो,आई०आर०एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) -अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 30--8-1984

मोहर 🖟

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. - - ≥ ⇒-•०

भायकर अधिनियम्, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेंज अमृतसर अमृतसर, दिनांक 30 अगस्त, 1984

सं० ए० एस० आर०/84-85/99: -यतः मुझे बी० एस० ढिल्लो, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्ववात 'उक्त अभिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विववास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्कित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हो

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो बाजार बक्ती हटां, अमृतसर में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख के जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल में, एसे रूपमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिशत उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विवया जाना शिहए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

्रतः अव उक्त र्राशिनयम की धारा 269-ग वी अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री जीतन्द्र कुमार जैन
पुत्र लख्मी चन्द जैन
वासी दिल्ली c/o
सिकन्दर लाल
वाजार वक्ती हटां, अमृतसर।

(अन्तरक)

 श्री रवी कुमार पुत्र राजा राम टुण्डा तालाव, अमृतसर।

(अन्तरितो)

- 3. जैसा ऊपर सं० 2. में कोई किरायेवार हो।
- 1. नरिन्द्र सिंह 6/- ६० महीना
- 2 श्री राजा राम 15/- रु० महीना
- 3. श्री पूर्ण चन्द 4/- रु० महीना (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांचे भी आक्षेप :---

- (क)। इस स्वना के राजपत्र में प्रकशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यवितयों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पर्धांकृष्ण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

1/4 भाग जायदाद का जो बाजार बत्ती हटां अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 11726/6-1-84 रजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

बी॰ एस॰ ढिल्लो, आई॰ आर॰ एस० सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमुससर

तारोख: 30-8-1984

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

ङ:पकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा · 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 सितम्बर, 1984 सं० अमृतसर/84-58/100:- यतः मुझे बी० एस० ढिल्लो, आई० आर० एस०,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ह°), की धारा 269 ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह° कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ तः से अधिक ह°

और जिसकी सं० एक प्रापर्टी दुर्ग्याना है तथा को आबादी में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीक्ररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1984। को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और एके यह विश्याम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और इस्प्रमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भग या कन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जै, कौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्रीमती परमेश्वरी देवी पत्नी श्री मुकुन्य लाल दुर्ग्याना आवादी अमृतसर।

(अन्तरक)

श्री आशा रानी
पत्नी श्री वेद प्रकाश
वेद प्रकाश
पुत्र श्री असर नाथ
गली वेली राम कपड़ा प्रजा
अमृतसर।

(अन्तरक)

- 3. उपरोक्त नं० 2 जैसा कोई किरोयेदार है (यह ध्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।
- 4. और कोई (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्मत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचनां जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्त्वा

आधी प्रापर्टी दुग्यांना आबादी 12433 /25-1-84 रिजस्ट्रीकर्त्वी, अमृतसर।

बी० एस० दिल्लो, आई० आर० एस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

सारीख: 13-9-1984

प्रकष नाष्ट्री द्वा एन ू एवं ू-----

नायकर् मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्चना

भारत सडकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर -

अमृतसर, विनोक 13 सितम्बर, 1984

सं० अमृतसर/84-85/101:--अतः मुझे, बी० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या एक प्रापर्टी दुर्ग्याना आबादी है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पेन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्क अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बीड़/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः क्षत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1). के अधीन, निम्नितिचित व्यक्तियों, न्धित्:—

श्रीमती परमेक्वरी देवी
 पत्नी मुकुन्द लाल ग्रोवर
 दुगर्याना आवादी, अमृतसर।

(अन्तरक्)

 श्री राजेश वर्मा पुत्र श्री वेद प्रकाश गली बेली राम, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- उपरोक्त नं० 2 में कोई किशयेदार है।
 (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक है)

को यह सुचना पारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान कि तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतार उकत स्थावर सम्पत्ति में हिस-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्रापर्टी दुर्ग्याना आबादी 12431/25-1-84 रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, अमृतसर।

> बी० एस० ढिल्लों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतससर

तारीर : 13-9-1984

मोहर:

11-276GI|84

प्रकथ शाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 14 सितम्बर, 1984

र्सं० ऐ० पी० नं० 5639—अतः मुझे, जे० एल० निरुधर,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया हैं)।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा अनुचनी में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1984।

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से ऐसे दर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिचत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, जन्म निधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण भौ, भौ, जन्म अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, जधारत :---

- श्री जसपाल सिंह
 पुत्र हरी सिंह स्वयं
 और मुख्तोयर खास करतार कौर
 विधवा और सतपाल सिंह,
 गोबिन्द सिंह, मोहिन्द्र सिंह
 और सतप्रताप सिंह,
 पुत्र हरी सिंह वासी मुक्तसर भटिण्डा रोड।
 (अन्तरक)
- श्री चानन सिंह पुत्र सन्त सिंह भार्फत पंजाब इंजीनियरिंग वर्कस, भटिण्डा रोड, मुक्तसर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकने।

स्पत्किरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्पी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 3148 दिनांक जनवरी, 1984 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर नें लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 14-9-1984

मुक्य भार'े. टी. एन्. एक्. :::---:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

ध्वर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांकः 10 सितम्बर 1984

निदेश सं०/ऐ०पी० 5607 श्रीर 5608—श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर निश्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रह. से स्थिक है

गौर जिसकी सं० जैसा भ्रनुसूची में लिखा है)....... है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधि-कारी के कार्यालय जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वायत, उक्त बीधिन्यम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उसते बचने में सुविधा क सिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी गाय गा किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सर्विधा के लिए;

जतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के रिवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---- (1) श्रो ग्रशोक कुमार नाहर पुत्र श्री प्रीक्तम चन्द, ग्रली मोहल्ला, जालधन्र ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्रमोहन कौर, (रेनू) पत्नी कमलजीत सिंह, 26; णहीद उधम सिंह नगर, जालन्धर।

(म्रन्तरिती)

को यह सुभना बारी करके पूर्वीयत सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेष् :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी कर् 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्थी

सम्पति तथा व्यक्ति जैपाकि विनेखनं ० 6048 तथा 6062, दिनों र जन्मरः 1981 की र जिल्हानकी अधिकारः जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधार सञ्जय प्राधिक रो सहत्यक अत्यक्षर आयुक्त (िर क्षण) प्रजीन रेंज, जतन्त्रस्

नारो**ख** : 10-9-1984

भोहर:

प्रस्य बाह्य, टी, एन, एस, - - - --

नायकर् मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के स्पीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निदेश सं०/ए०पी० नं० 5609--- प्रतः मुझे जे० एल० गिरधर,

नायकर किश्वितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है कि भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 2.5,000 ∕- एउ. से अपुधिक **ह**ै श्रीर जिसकी स॰ जैसा श्रन्भुची में लिखा है)...... तथा जो जाल धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्द्वीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जार अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ए'से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बंतुरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्रित व्यक्तियों, अर्थात् .—— (1) श्री मनमोहन कालड़ा पुत्र परत्रूल चन्द कालड़ा, वासी डब्ल्यू० जी०-319, इसलाम गेज, आलम्धर।

(भन्तरक)

(2) शक्तिवाला पत्नी किशन किशोर सहगल, वासी-53-उधम सिंह नगर, जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टिकरणः —- इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदौं का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया हैं।

यम्सूची

सम्पति सथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6050 विनौक जनवरी 1984 को रजिस्ट्रोकर्ती अधिकारी जासन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 10-9-1984

मोहर 1

प्रकार बाहे .टी .एन .एस . -------

बाब्कर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-च (1) के अधीन स्थना

त्राच्यं ब्हुब्स्ड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाँक 9 जनवरी 1984

निदेश सं०/ए०पी० नं० 5610--- प्रतः मुझे, जे० एल०

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रत. से अविश्वत हैं

भौर जिसकी सं० जैसा भनुसूची में लिखा है है सथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-कारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्त्वीकरण प्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख, जनवरी 1984 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित् बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्द, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्नेवह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नसिखित उद्देशिय से उक्त अंतरण निखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त ऑध-नियम के नधीन कर दोने के वन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए। नौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

कत: बग, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, ।इक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री सतनाम सिंह पुत्र, रधुबीर सिंह, गांब--पांशटा, तहसील फगवाड़ा।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती श्राशा दुग्गल पत्नी नरेश कुमार पुत राममूर्ती दुग्गल, ह्दीयाबाद/फगवाड़ा; चन्द्रवाला पत्नी जगदीश कुमार पुत्र, राममूर्ति दुग्गल, हदीयाबाद, फगवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सुम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अव्धि, जो भी वयीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों गे।

स्पच्चीकरण: - इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यो का, जो उक्त विधितियम के अध्याय 29-क में परिशायिक 🚜, नहीं वर्ष होना वो उस वध्याय में दिया मया 🗗।

अन्त्रची

सम्रति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं 06361 दिनौक जनवरी 1984 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे०एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनाँक: 10--9-1984

प्ररूप आहें, टी, एन ु एस ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, तारीख 10 सितम्बर 1984

निदेश सं०/ए०पी०नं० 5611 — धतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृस्व 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसको सं० जैसा अनुसूचो में लिखा है)
तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध
अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम;
1908(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी
1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापुर्वों कत संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्दृष्टेंच्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया ग्या है मिन

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कुड़ने या उससे बच्ने में सुविधा के सिए; बाड़/बा
- (च) एसी किसी आयु या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम ता धनकर अधिनियम ता धनकर अधिनियम ता धनकर अधिनियम ता धनकर प्रति किया गया था या किया जाना आहिए था, स्थिपान में स्विधा के लिए;

बतः वय, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधिन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभौत क्— (1) श्री जसवीर सिंह पुत्र रघुबीर सिंह, गांव व डाक खाना—पंशटा!

(भन्तरक)

(2) श्रीमती राधारानी पत्नी राम मूर्ती दुग्गल, भार्फत----राम लाल दुग्गल, हदीमावाव/सूरज कान्ता पत्नी मदनगोपाल दुग्गल मार्फत: राम मूर्ती दुग्गल, हदीयानाबाद, फगवाड़ा।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के अर्चन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्पवितयों में से किसी स्पवित दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसाकि तिलेख नं० 6362 विनांक जनवरी 84 को रजिस्ट्रीकर्ती अगिकारी में लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 10-9-1984

👣 ोहर :

प्रकल् नार्षाः टीः पनः एवः , - = - - ह-अस्यकारं अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भं (1) के ज्योन सुचुना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निदेश नं०/ऐ०पी०नं० 5612:---श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उन्त अधिनियम' नहा गया हैं), की भाउ 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्व 25.000/-ए. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है)
तथा जो फगवाड़ा शेरकी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम,
1908(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मृस्य से कम् के स्वयमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृस्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलितित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तरिक क्य से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण संहुई किसी काप की वाबत, उक्त वृधिनियन के क्षीन कर योगे के जन्तरक के दाबित्व यों कभी करने वा उससे वजने में उपविधा के सिए; बहि/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के विधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, वर्धोत्:-- (1) श्रीमती सुरिन्द्र कौर परनी लैम्बर सिंह, वासी—-जगपालपुर मार्फत सुच्चा सिंह पुत्र सरबन सिंह, कुलथम (मुख्तयारेश्राम)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री केवल सिंह पुत बक्शोश सिंह, वासी—जगपालपुर, तहसील फगवाड़ा।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के िलए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्यक्रियण :----इसमें प्रयुक्त सम्बां और यदां का, जो उन्तर सिभृतियम के नभ्याय 20-क में प्रिशायित है, नहीं अर्थहोगा जो उस सभ्याय में दिया पया है।

नमृत्यी

सम्पत्ति तथा भ्यक्ति जैसाकि विसेख तं० 2398, जनवरी 84 राजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-9-1984

मोहर ध

प्ररूप आईं टी एन एस ------जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 सितम्बर 1984 निदेश सं०/ऐ०पी०नं० 5613 — प्रत मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जैसा ग्रनुसूची में लिखा है) है तथा जो फगवाड़ा शेरकी में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपा-बद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में :णित र), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1984

1908(1908 का 16) के अधान, ताराख फरवरा, 1984 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से दृष्टे दृश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त , निम्नितिद्यत उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित्त में बास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है दि—

- (क) बस्तरण संहूर कियों बाव की समय, उनक श्रीपतिवल के वजीन कर दोने के अन्तरक के शाहित्य में कती करने वा सबसे बच्चे में सुविधा के के लिए; शहर/या
- (का) एंसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

बत: जब, उक्त वीधीनवम की धारा 269-म के बन्तरण मं, में उक्त विधीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) केंबधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात र— (1) श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी लैम्बर सिंह, वासी---जगपालपुर, मार्फत---सुच्चा सिंह पुत्र सरवन सिंह, कुलयम/फगवाड़ा शेरकी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री केंबल सिंह पुत बनगीम सिंह, वासी—जगपालपुर, तहसील फगवाड़ा।

(मन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🚛

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उत्थत स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए जा सकान।

स्थल्यीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उन् अध्याय में दिवा गया हैं।

जन्**त्**ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2440 दिनाँक फरवरी 84 कोर रजिस्ट्रीकर्दी अधिकारी ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 11-9-1984

मोहरः

प्ररूप आहं.टी.एन.एस्.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालयः महायक आयकर आयक्त (रिरक्षिण) श्राजन रेज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 11 सितम्बर 1984

निदेश मं०/ए.०पी०नं० 5614 — श्रत. मुझे, जे० एल० गिरधर,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० जैसा ध्रनुमूची में लिखा है)
है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उरावद्ध
श्रनुसूची में ग्रीर पूण कप में विणत है) रजिस्ट्रोकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रोकरण शिर्धानयम,
1908(1908 का 16) के ग्रिधीन, तररोख जनवरों
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित का उचित बाजार सूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वय्य में उन्ते अन्वरण निधित में सम्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के बाधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने वा उससे बचने में तृतिथा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया आना साहिए था छिपाने में मृविधा दी लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्मिनियिम व्यक्तियों, अर्थात् :——
12—276G184

(1) थो महाराजा मुखजोत सिह, साहिब बहादुर पुत. महाराज, परमजात सिह, साहिब बहादुर, बासो कपूरथला, मार्फत मुख्तायर स्नाम---प्रातपाल सिह ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बेलन्तकीर पत्नी श्रीर गुरिन्द्र कौर पुत्रा श्रौर परिमन्द्र सिंह पुत्र तारा सिंह; करनार सिंह पुत्र इन्द्रसिंह, गरव—श्रौड़, जिला—जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर संपत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तर्य।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा अ उस अध्याय में विका म्या है।

अनुग्धा

सम्पति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं ० 6172 दिनाँक जनवरी 84 को रजिस्ट्रीफर्ता शिधकारी ने लिखा।

> जे ० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) प्रजेन रेज, जालस्थर

नार,ख : 11-9-1984

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की क्षारा 289-थ (1) के अधीन मुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 12 मितम्बर 1984

निदेश मं०/ऐ०पी०नं० 5615 — अतः मुझे, जे० एल० गिर्धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा श्रनुसूत्री में लिखा है है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपायक श्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम,

1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारोख जनवरी 1984

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित जाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित जाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिय हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा की लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) डा॰ मोहन सिंह लाली पुत पाखर सिंह, वासी--नंगल गर्मी अब प्रकाश नगर, जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बलदेव सिंह मिनहास पुत्र, दुमन सिंह मिनहास, वासी गांव—पहिमाना, जिला—जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करको पृथोंक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां भूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उपत्र स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैस कि लिलेख नं०6168 दिनौक जनवरी 84 को रिजस्ट्रीकर्ता ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज, जालन्धर

तारोख: 12-9-1984

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

बायकर्ष अधिनियन्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सुरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निवेण सं०/ए०पी०नं० 5616 — श्रतः मुझे, जे०एल० गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाष्ट्रार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी सुं० जैसा श्रनुसूची में लिखा तया जो जालन्धर में स्थित है। (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधोन, तारोख जनवरों 198. को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य संकम के उदयमान प्रिंतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य., उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्धेस्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की वानत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करणेया उससे बचने में सुविधा के लिए; और/दा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर निभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त निभिनियम, या धन-कर निभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा की लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित स्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) डा॰ मोहन सिंह, लाली पुत्र पारवर सिंह, बासी—नंगल शामाँ, तहसील जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

(2) जोगिन्द्र कौर पन्नी बलदेव सिंह मिनहास, वासी —-गांव, पादियाना जिला—-जालन्धर ।

(भ्रग्तरक)

- (3) श्री/श्रीमती कुमारी जैसा कि ऊपर नं० 2 है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री/श्रीमती/कुमारी जो व्यक्ति सम्पति रूचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता **ह**ू।

जन्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कांइ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी क्य क्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में गे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन है भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य न्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसर्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6183, दिनौंक जनवरी 84 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्घर ने लिखा ।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 12-9-1984

प्ररूप गाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत बरकार

क्षार्यालय, सहायक बायकर बाय्यत (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 सितम्बर 1984 निदेश सं०/ऐ०पो० न० 5617 ----श्रतः मुझे, जे० एल० गिरंधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० जैसा श्रनुसूची में लिखा है है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रोकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी 1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरका (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत सन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण मं हुन्न किसी आप की बाबत उक्त आभ-भियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कसी करने या उनमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य , आस्तियों को जिन्हुं भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृथिधा के लिए;

अतः सक् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ष्य मे. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) डा० मोहन सिंह लाला पुत्र पारवर सिंह लालो, गांव----नंगल शमां, अब प्रकाश नगर, जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जगजात सिंह पुत्र बलदेव सिंह मिनाहास, गांव व डाक खाना—-पदियना, तहसील जालन्धर।

(श्रन्तरिती)

का यह सृचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्तिः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

डक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, को भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पथ्डोकरण :--इसमें प्रगुक्त कव्यों और पर्दो का, को उन्नर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा वसा हैं ॥

नगतची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 6233, दिनांक जनवरी 84 को रजिस्ट्राकर्ती ग्रधिकारी आलन्धर में लिखा।

> जे बग्ल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, जालण्धर

ना**री**ख : 12-9-1984

मोहर 🕆

प्रकृत नाइ ति एति एति । -----

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 12 सितम्बर 1984

नि**देश** नं०/ऐ०पी०नं० 5618:---असः मुझे, जे०एल० गिरधर,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

अौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण एप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जनवरी 1984 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपाबद बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तिकक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की थावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृथिधा के लिए; आर/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकार किया जाता चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अथित् :-- (1) श्री नरंजन सिंह पुत्र चन्द सिंह, मोहल्ला——बाग वाहरियां, कपूरथाला रोड़, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री टहल सिंह पुत्र भोला सिंह, मोहल्ला---बाग वाहरियां, जालन्धर।

(अम्तरितो)

को यह त्यना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बार्क्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृर्णिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा विलेख नं० 6049, दिनांक जनवरी 84 को रिगस्ट्रोकर्ती श्रधिकारी आलन्धर में लिखा है।

> जे०एल० गिरधर सक्षम आधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 12-9-1984

भाहर :

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निवेश सं०/ए०पी०नं० 5619—अतः, मुझे जे०एस० गिरधर, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं॰ जैसा अनुसूची में लिखा है है तथा जो जःलन्धर में स्थित है (और इससे ॄंउपाबद्ध

अनुसूर्चः में और पूर्ण रूप में वर्णित है), राजिस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में राजिस्ट्रांबरण अधिनियम. 1908(1908 का 16) के आधीन, तारीख जनवरी

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तर्रित को गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का वन्तर प्रतिफाल का वन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पामा गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण जिल्हा में बास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुद्ध किसी जाय की बाजत, उत्कर्त अधिनियम के अधीन कार वीने के जन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उत्तस्ते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहित्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा को सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री नरंजन सिंह पुन्न चन्दा सिंह, मोहल्ला---बाग वाहरियां, तहसील--जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सवरनकौर पत्नी टहल सिंह, मोहल्ला---बाग वाहरियां, जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के कर्जन के लिए कार्यधाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगं।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त सब्दो और पदों का, जां उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मग्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 6100 विनांक जनवरी 84 को रिजस्ट्रेक्ति श्रिधकारी जालन्धर में लिखा।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जानन्धर

तारीख: 12-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मृजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांस 13 मिलम्बर 1984

निवेश मं०/ऐ०पी०नं० 5620:--अतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क से सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

25,000/- क. मे अधिक हैं
और जिसकी सं० जैसा अनुभूची में लिखा है
तथा जो बाठिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाठिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1984। को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया जया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, जक्त लिधनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए।

जत: कब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) **डे बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात**:--- श्री हरनेक सिंह पुत्र हुजारा सिंह, गांव--विरक्ष कलां, भाठिण्डा।

(अन्तरक)

(2) हाकम सिंह और पिरथी सिंह पुत हरनेक सिंह, गांव—बन्दा, नहसील—योगा, जिला—फरीदकोट।

(अन्सरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्मित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जयत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :----

- (क) इस स्वया के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्ष के 45 दिन की अविधि था तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के ग्रंथपन में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकींगे।

स्यष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4241, विनांक जनवरी 84 को रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारो जालन्धर ने लिखा।

> जे०एत० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 13-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-ष(1) के प्रतीन संबंधित

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं०/ऐं०पी०न० 5621:---अतः मुझे, जे०एल० गिरधर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पानात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी म० जैसा अनुसूची में लिखा है)

है तथा जो बाठिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है), रंजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाठिण्डा में रंजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य सं कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में चह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का जीवत बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जबदोश्य से जबत अंतरण लिकित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आय की बावत, उन्त अपि-निवम के अभीन कर वामें के अंतरक के वामित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के विस्; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय नायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया आना नाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

क्षतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में., उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) म्दे भधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, क्याँत :---- (1) श्री हजारा सिंह पूर्व राम सिंह, गांच--विरक कुनां वाठिण्डा।

(अन्तर्ग)

(2) श्री हाकम सिंह पिरथी सिंह पुत्र, हरनेक सिंह, गांव बन्दन, तहसील मोगा, जिला--फरोद कोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राहा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमे प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा, वां उस् स्थाय में दिया गया है।

बम्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्तिः जैसाकि विलेख नं. 4242 दिनांक जनवरी 84 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विठन्डा ने लिखा :

जे०एल० गिरधर गझम प्राधिहारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 13-9-1984

प्ररूप. आर्च. टी. एन. एस. -----

भायकर व्योधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं०/ऐ०पी०नं० 5622।—अतः मुझे, जे०एन० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा अनुसूची में लिखा है)
नथा है जो बाठिण्डा में स्थित है (और उससे उपावद्ध अनुसूचें। में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाठिण्डा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1984। को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृन्ने यह विश्वास करने का जारण है कि यथापृत्रोंक्त संप्रति का उचित बाजार मृत्य सकते स्वयमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह मतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नितियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्यविक क्य से क्यित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी काय की बाबस, उक्त जिथितियम के जभीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयवार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिली ब्जारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृजिधा के लिए;

्ब्रह्म: अब. उयत अधिनियम की भारः २६०-ए के अनगरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा १६९-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिनित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्री मंगल सिंह पुत गुरचरन सिंह, गांव—सिवान नजदीक एन०एफ०एल०, बाठिण्डा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लखा सिंह,
प्यारा सिंह पुत्र
जलौर सिंह कोठे कामके,
सीयान रोड,
सामने—एन०एफ०एल०,
बाठिण्डा।

(अन्तरितो)

्को यह सूचना आरी कारके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबिध, और भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन- बद्धभ किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्दीक द्रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वृधिनियम, के मध्याय 20-के में परिभागित हैं , वहीं सर्थ होणा जो उस अध्याय में दिया पूजा हैं।

मन्यूची

सपित्त तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं. 4330 दिनांक जनवरी 84 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विठिन्डा ने लिखा

> जे०एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्षर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 13-9-1984

प्रारूप भार्चंदी . एनः एम् . ----

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 सितम्बर 1984

ं निदेश सं०/ऐ०पो०नं० 5623 —-अतः मुझे, जे० एल०। राधार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

25.000/- रु. स आधिक हैं
स्रीर जिसकी सं जैसा अनुसूकी में लिखा हैं
तथा जो बाठिण्डा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूक: में स्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं). रजिस्ट्राइर्ता अधिकारों
के कार्यालय बाठिण्डा में रजिस्ट्राइरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधान, नारीख जनवरी 1984
को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचिन बाजार मृत्य में कम के उरयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचिन बाजार
मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल गें, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का
पन्तह प्रतिकात में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम
पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्योग से उक्त अस्तरण
जिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई फिली जाय की बाधए, इसस जिथिनियम के संधीत कर दोने के जन्तरक के राष्ट्रिक में कभी करने रा उभने सकने में सुकिशा के लिए: भौर/बा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा सब कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिसी इवास प्रकट नहीं किया गण था ग किया जाना वाहिए था कियाने में सरक्षा के लिए;

अतः अवः उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों. में उक्त अधिनियमं की धारा 269-**व की उपधारा (1)** के अधीनः, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्राः करतार सिंह, चन्दा सिंह, पुत्र देवःदित्ता, गांव-महत्ता ।

(अन्तरक)

(2) ध्र. प्रतःस सिंह पुत्र चन्दा सिंह, गांव-महत्ता ।

(ग्रन्तरिनी)

कां वह सूचना वारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्यो

सम्परित तथा जैसािक विलेख नं. 4357 विनांक जनवरी 84 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विक्ति ने लिखा :

> जे०एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

मारी**ख** : 13—9—1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्मना

HILLY METATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निवेश सं०/ऐ०पं१०सं० 5624 /--अतः मुझे, जै०एल० गिरधर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काएण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसका सं० जैसा अनुसूचा में लिखा है)

तथा जो बाठिण्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच। में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजम्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय बाठिण्डा में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधान, ताराख जालन्धर 1984।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति कल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरफ (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिसत में वास्तियक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाथ की वायत, उक्त विधिनियन के अधीन कर देने के बुन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और /बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृतिभा के सिए;

अतः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:—

शा जग सिंह पुत्रः
 उदे सिंह,
 गांव—कोटशमीर।

(अन्तःक)

(2) जुगराज सिह,
मुख गदर रेसिह,
पुत गुरदेख सिंह;
गुरजनसिंह पुत्र
गुरवचन सिंह,
गाव--धोटशमीर ।

(ग्रन्तरिती)

का ग्रह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के कि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के उपजपत्र में प्रकाशन की तार्राख स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद् किसी जन्म स्थावित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

ल्बाकारणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विमा गवा है।

चनुसूचा

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जीकि विलेख नं 3987 दिनाक जनवरी 84 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विठिन्डा ने लिखा :

जे०एल० गिरधर स**क्षम** प्राधिकारी सहायक आयकर <mark>आयुक्त (निरोक्षण)</mark> अर्जन रेंज, जालन्धर

तार्ीख: 13−9−1984

प्रकल् नार्च .डी .एन् . एसं . ----=------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूखना

भारत सर्कार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं०/ऐ०पी०नं० 5625 ।--अतः मुझे, जे०एल० गिरधर

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० जैसा अनुसूची में लिखा है)..... है तथा जो वाठिण्डा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है). रिजस्ट्रीकरण अधि-यारी के कार्यालय बाठिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन. तारीख जनवरी 1984।

को पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दहयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त विधिनमध्य के अभीन कर कोने के अन्तरक खे वायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के सिए; और/बा
- 'न) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

लाः अवः, उवरा अधिनियम की धारा 269-च की अनुमरणं में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

(1) श्रा भजनसिंह;
अजैव सिंह पुत
मोहना सिंह,
गांव——िकशनपुरा कुटा,
तहसाल व जिला——बाठिण्डा।

(अन्तरक)

(2) श्रो उत्तम ।सह,
जलौर सिंह,
भूरा सिंह ,
पुज निक्का सिंह.
गांव किशनपुरा कुटो-तहसोल व जिला--मठिण्डा।

(अन्तरिती)

का बहु सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

बक्त सम्पंतित के अर्जन के संस्थान में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीं स से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास् जिल्लिन में किए जा संकींगे।

स्पक्किरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बहु निर्ध होंगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

जगसची

सम्परित तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं. 4011 दिनांक जनवरी 84 को रिजस्ट्रीकर्ता अध्कारी विठन्डा ने लिखा :

> जे०एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्छर

तारीख: 13-9-1984

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

भायकर मीर्पनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश मं०/ऐ०पी०नं० 5626।---अतः मुझे जे०एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्व 25,000/- उ. से अधिक है

शौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा
है तथा जो बाठिण्डा में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाठिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अश्रान, तार्यख जनवरी 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ता कि कि निम्नलिक्ति उद्देश्य से उच्न अंतरण लिखित में बास्तिवक हो, से अधिक है हो। अस्तर स्वार से तरण लिखित में बास्तिवक हो, से अधिक है हो।

- (क) बन्धरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त कश्वितियज्ञ के अधीन कर दोने के जन्सरक के दायित्व में कनी करने या उससे कवने में सुविधा क जिए।, और वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य आस्तिकों का. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अंतः अंब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्धात — (1) श्रो हरमेलं सिंह पुत्र, रुड़ सिंह, गांव व डाकखाना— सिवान नजदीक एन०एफ०एल०, बाठिण्डा।

(अन्नतरक)

(2) श्री रूपिसह पुत्र केहर सिंह, गांव कोर्ठ कामके, सामने----एन०एफ०एल०, बाठिण्डा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ट्रित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

जन्सूची

सम्पिति तथा व्यक्ति क्लिख नं 4077 विनांक जनवरी 84 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी बाठिण्डा ने लिखा।

> जे०एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

नारीख: 13-9-1984

प्ररूप मार्ड. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(प्र) (1) के अधीन सृपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सठ०/ऐ०पो॰०न० 5627 ।—अतः मुझे, जे०एल० गिरधर

बायकर बिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 25.000/- एउ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो बाठिण्डा में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्राक्तर्सा अधिकारी के कार्यालय बाठिण्डा में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, ताराख जनवरो 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं,, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए उच पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की वाबत, उक्त जिपितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शाबित्य में कमी करने वा उससे अपने में भृतिधा के सिए; और/या
- (क) एसे किसी अब या किसी भन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अंत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनगरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रा भमशेर सिंह पुत **ईन्द्र** सिंह, गांव—जस्सीपूरे वाली, जिला व तहमील—बाठिण्डा।

(अन्तरक)

(2) गुरवेव सिंह,
मानव सिंह,
साधु सिंह,
हजूर सिंह,
यूरदूर सिंह;
गृमदूर सिंह पुत्र
गुरबचन सिंह;
किरपाल सिंह पुत्र
धुमन सिंह;
हरवंस कौर पुत्रीः
किरपाल सिंह,
गांव जस्सीपूरे वालो,
तहसील व जिला बाठिण्डा।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वा जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनित्रम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

नम्पति तथा अयक्ति जैसाकि विलेख नं ० 4099 दिनॉक जनवरो 84 को रिजस्ट्रोकर्ता अधिक री बः ठिग्डा ने लिखा

> जेब्ग्लब् गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अजन देंज, जालन्धर

तारोख: 13-9-1984

मोहर ः

प्ररूप बाहु .टी . एन . एस . -----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, जालन्धर

जालन्धर, विनांकः 13 मितम्बर, 1984

निदेश सं० ए०पी०एन० 5628---अतः मूझे, जे० एन० गिरधर

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अथीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा अनूसूची में लिखा है तथा जो बाठिण्डा में स्थित है (और इसल उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिशारी के बायिता, बठिण्डा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप में किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाग की बाबत, उन्ह अधिनियम के अधीन कार दोने के अम्तरक के दायिएन में कामी करने या शाससे नचने में सुविधा के लिए;
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मूरिशा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।;—

- (1) श्री गूरचरन िह पूज काहन सिंह, बठिण्डा (अन्तर र)
- (2) श्रीमती मूब्लियार कीर पत्नि अजैव सिंह, बठिण्डा

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अयंवाहिया करता हु।

उन्त संपंक्षि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

and the

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा ि विलेखनं० 4123 दिनौंक जनवरी, 1984 को रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी बठिण्डा में लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी महायक आयक्ट आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रोन, जालन्धर

दिनांक: 13-9-1984

मुक्त अर्थ , दी. २न् , एस. -----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीत सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकः (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालस्थर

जालन्धर, दिनावा 13 सितम्बर, 1984

निदोश सं० /ए० पीठ नं० 5629——अतः मूझो, जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्भात् 'उसते अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह गिरवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो बाठिण्ड में स्थित है (और इस्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विष्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वित संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि सभापूर्वित संपत्ति का उचित वाजार मृत्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिस्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (का) जन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, शामल अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के शामित्व में कमी करने या उत्तसमें क्यने में जिया। के लिए; खोड़/या
- (w) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार बिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाचे में सुविधा के लिए

शतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरभ में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-त उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, जर्थात् :--- (1) श्री गूरवीप सिंह पूर्व केहर सिंह, गांव भाई-वाला, सहसील, अनुपगढ़, जिला श्रीगंगानगर, बाया राय सिंह नगर, राजस्थान।

(अन्तरक)

(2) श्री करनैल सिंह पक्का वाला, भुतपुर्व विधायक पुत्र हरजन्द सिंह, सामने डबवाली ट्रांमपोर्ट को०, आफिस, डबशाली रोड, बठिण्डा।

(ग्रन्तरिती)

कार्यम् सूचना बारी करके पृत्राँकत सम्पत्ति के व्यान के निष्

उन्स सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की जबिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों अर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ , को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में मकाश्वन की तारीश औ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रीत में हिन्न बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बधाहुस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

क्यक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कम्बां और पदां का, को अवस अभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस कथ्याय में दिया एया हैं।

क्रुपुर्व

सरपति तथा बाक्ति जैसा कि विलेख नं० 4173 दिनोंक अनवरी, 1984 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी बठिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिर्धर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

दिनोक: 13:9-1984

मोष्ट्र :

प्रकृत बाहे . दी . एम . एम --------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ थारा 269-व (1) के बधीन सचना

भारत सरकार

क यौलय मुहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांकः 13 सितम्बर, 1984

निदेश नं । ए० पी० न० 5630---अनः मझे, जे० एन० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी मठ० जैसा अनसूची में लिखा है तथा जो बाठिण्डा में स्थित है (और इसमे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से र्याणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बठिण्डा में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अधीन, दिनांक जनवरी, 1984

को प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि संथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित जाजार मुल्य उसके रश्यमान प्रतिफल से एसि रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-काम . निम्मसिवित उद्देश्य से उनत नन्तरण सिवित में बास्तमिक क्य से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरच से हुइ किसी भाय की बाबत, उक्त निभिनियम के नभीन कर दोने के अन्तरक के दामिल्य में कसी करने वा उससे नचने भें सविधा के सिए; और/वा
- (च) एेसी किसी जाय **वा कि**सी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) गा उक्त अगिरिश्या, न भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 🖷 त्रयोचनार्थं अस्तरिती दृषारा प्रकट नहीं किया नवाभावाकियाचानाचाहिए था क्रियाने में सविभाके लिए:

नतः जन, उनत जीवनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) 🗷 अधीन . निम्मिलिकित ज्याजितयों . अधीर 🖖 14 --- 276GI 84

 भी भागतुर शिह, निस्तर सिक्ष, अभीज सिंह सिंह अपदय मिह, मुक्त जलोर सिंह, मार्फत गरुनानक कोल्ड स्टोरीज, बीबी बाला चौक. भ ठिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री वासदेव पुत्र बालमूकुन्द, मोहिन्दर सिंह. पुत्र ईप्यर सिंह, मार्फत एस० आर० बठिणा (अन्सरिती)

को यह भूजना जारी करके प्वॉन्स इस्परित के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास्त्र स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मास में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षर है पास जिसिन में किए आ सकीय ।

रणभटीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्सची

भग्यचि अथा व्यक्ति जैमा जि विलेख मं० 4192 दिनांन जनवरी, 1984 की एजिस्टीकर्ता अधिकारी, बठिण्डा ने लिखा है।

> जे०एल० गिरधर मक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 13-9-1984

मोहर 💠

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

कास्फर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाउँ ्राप्टिश (1) के बधीर सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर **आयक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज' जालन्धर जालन्धर, दिनांव 13 सितम्बर, 1984

निदेश सं०/ए०पी० नं० 5631-अतः मूझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/रूट, में अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनूमूची में लिखा है तथा जो धोगड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्नलिक्षित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिक्षत में वास्तविक कल ते कांग्रा महा के ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अपी अपने या अनसं अवने मी स्विधा के लिए: क्षेत्र था
- (स) एसी फिमी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय अगकत अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की न्याकेस्टार्थ वर्तास्त्री द्वारा प्रकट नहीं किया गय: कर स्टार्थ कर्तास्त्री द्वारा प्रकट नहीं किया गय: कर से स्टार्थ कर्तास्त्रीहरू था, कियाने में सुविधा के लिए:

अत: अद, उदह र्राधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जी, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिस्ति स्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 श्री जगन सिंह पुत्र श्री हरी सिंह वासी पिड किंगरा तहसील जालन्धर् द्वारा मुख्तियारे श्राम राम श्रवतार।

(ग्रन्तरक)

2 श्रो श्रजायत सिंह पुत श्रो गुरदियाल सिंह पुत्र कश्मोर सिंह वासो 15 डिफेंस कालोनी. जालन्बर ।

बाँ यह स्थना जारी करके पूर्वांबत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सृष्टना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस सिस्ति में किए जा रकारे!

स्पन्धांकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 6340 दिनां र जनवरी, 1984 को रिजम्हीकर्ता अधिकारी पालन्बर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर मक्षम शाधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निराक्षण) भर्तन रेज, जानन्धर

धिनां ३ : 13-9-1984 मोहर

प्रकृष बाई . टी. ऐन . एसं . -----

कायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महादक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्बर

जालन्धर, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5632--- यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का बारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो धोगई। में ।स्थत हैं (ऑर इसमें उपाब ब अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1984 का पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाबार मूल्य से कम क दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाम की बाधता, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृथिधा के लिए; और्ट्र/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसन्रण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्ः (1) श्रीमती पुलिन्द्र कीर, येदिन्द्र कीर पृत्री हरवलाकीर वासी गांव धोगई। तहसील-जाबन्धर मुख्यार आम सोहत सिंह ।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती गुरव्यान कार पत्नी साह्न सिंह वानी---नाव षागड़ी जिल जानुन्<u>धर</u>्।

(श्रन्तरितंत्)

के पह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्मन्ति के अर्जन के ित्रह ा व्याहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के भर्जन के सम्बन्ध में भाइ भी बादांप:--

- (क) इस सूचना ६ शाताक ए प्रमाणन की सारीख द 45 दिन की धवांछ ए ता म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से ३० । इन की भविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होता हो, कभीतर पूर्वीकत त्यांक्तयों से में किसा व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अथांहस्ताक्षरी के पास विकित्त में किए का स्थेतन

स्पष्टोकरण:—इसम प्रयुक्त बद्धों और पदा का, जो उन्हें, ऑधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा वो सम अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसर्तक विसेख नं० 6238 दिनांक जनवरी 84 का राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा ।

> न० एस० ।गरवर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर अयुक्ति (निरीक्षण) अर्जन रेज, जानस्थर

दिनाक : 13 सितम्बर 1984

प्ररूप आई. टी, एन. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के धारीन मूचना

भारत राज्यान

कार्यालय, सहायक अंग्रिकर-आयून्रत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदंश नं ०/ए० पा० नं ० 5633 ---पनः मुझे, जे० एल ० गिर्धर, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'टक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का करण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000- रहें, ये अधिक हैं

प्रीर जिसका स० जैसा अनुसूची में जिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित हैं, (ग्रीर इससे उपावस अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकार। के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रे करण अधिनियम, 1908 (1908 द्या 16) के अधान तारीख जनवरो

का प्वांक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य स कम के दश्यमान श्रीतफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एने दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय णया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से कथित स्था गया है:—

- (क) अन्तरण मं हुई किसी नाम की बाबत उक्त निध-नियम के अभीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्तस अपने में स्विधा के लिए, और/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया भा या किया जाना पाहिए भा, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्राः हरमन्यर सिंह पुत्र ज्ञान सिंह वास.-224 आर० माडल टाउन--जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्रोमतः सराता कुमारा पत्ना मुरिन्द्र कुमार वासः 216, माङ्ग टाउन, जालन्धर ।

(अन्तरितः)

का यह सूचना जारी कारकें पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस र्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सें 45 रिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तागील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिल के भीतल एक्त म्यानर संपाल में दिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

म्पाइनंबरणः -- - इसना अप्तन मध्या और पद्या का, को उक्त अधि-गियम के अत्याय 26-क मी परिभाषित हैं. यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनत की

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैगाकि विबेख नं ० 5960 दिनाक जनवर। 84 को रजिस्ट्रें। कर्ती अधिकारी जालन्धर ने लिखा ।

> जे० एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, आसन्धर

शतः त्राव उद्यतः अधिनियम क्षी प्रतः 269 ग के अनस्त्रणः म , मैं , तक्त अधिनियम क्षी भाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीर , धिम्तिखिल व्यक्तिकाँ, अधीर :

दिनाक : 13 सिनम्यर 1984 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अप्रमाधित अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 सितम्ब 1984

निदेश नं ०/ऐ० पॅ≀० नं ० 5634⊸- यत: मुझे, जे० एल'० गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख को अधीर एकाम पार ५७%। 📌 पार एकाम कारन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रुत. से **अधिक है**

श्रीर जिस की सर जैसा अनुसूची में लिखा है) तथा जो काटलपूरा में स्थित है (ऋोर इससे उपाबद्ध अनुसूच में ऋीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) . राजिस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्याचय फरास्कोट में राजिस्ट्रीकरण अभिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अअल तार ख जनवरें

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्राराफन के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण हो कि प्रथापनिस्त सम्पत्ति का उप्चत । वाजार भूख्यः उसके रूपमान प्रतिकल सं, एसं रूपमान प्रतिकल का पन्दर प्रतिदान से अधिक ही और अस्तरक (अन्तरका) और असरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अतरण के लिए एम पाया समा पासफल, निम्नलिसिस उपसंख्य में अक्त अंतरण सिसिंबत में बासांकिक स्प म किथन नहीं किया गया है:--

- (क) वंतरण संबुद्ध किसी बाबकी बाबसः, अधिनियम क अधीन कर बान क अन्तरक के धायित्व र्वकमी करते या उससे बचने में सविधा की सिए; मरि/वा
- (५) एरेसी किसी जान या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्ह[े] भारतीय अध्यक्तर **आध**नियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनिसम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 **क्ता** 27) के प्रयोजनार्थं अंतरिती दुवारा प्रकट गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधाके लिए,

अत. अंब, उक्त अधिनियम का भाग २५०-म के अनुसर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ब अर्थीन,, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :—-

(1) र्श्वामती राजवन्स कीय पतना और गुरमात सिंह पुत्र नगिनद्र सिंह वास,---कोटकपूरा मार्फत सुदर्शन लाल, ऋर भाम० एस० मुखतयारे आम ।

(अन्तरक)

(2) श्रामता कमलेश देवा पत्ना राम स्वरूप श्रीर भागदेवः पत्नः देव प्रकाश गया है,

की यह सुचना जारी करके पुत्रीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्फ़ भी आक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर लचना को तामील से 30 दिन की अधिक, जा भे। अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथोंक्त ा^र भ्रष्टभः साम् किसं स्वीपित सुनाकः
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 रेटन की धीर ए क्या समागर माध्यक ए एउड़ बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दृषारा, अधोहस्ताक्षरी क पास निविध्य में विका जा सकीये।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनसर्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4267 दिनांक जनवरी को रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी फरीदकोट ने लिखा ।

> जे० एल० गिरनर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 13 सितमबर 1984

मोहर 🖫

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 सितम्बर 1984

निर्वेश नं० 42316/83-84---यतः मुझे, आर० भारद्वार मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 र- रा. से अधिक है श्रीर जिम की सं० सर्वे नं० 155 है, तथा जो जिगानो विलेज जिगानी होब्लो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बॉगन है), रजिस्ट्री उती अधिकारा के कार्यीलय ।ने रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 131-84 को पूर्वाक्त सम्पति के उचित बाजार म्ह्य से दुष्यमान प्रिक्ति के लिए ग्रंतरित की गई है और मुझे यह विक्शान करने का कारण है कियथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मध्य इत हे दुश्यमान प्रतिक्षत्र से, एस दुश्यमान प्रतिकल का पश्यह प्रतिशत से ग्रिष्ठिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) ह बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिक्त उरेप्प से छन्त प्रस्तरम निधित में बास्तविक रूप से समित नहां किया गया 👌 :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय को बाबत, अवस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्थक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृत्विभा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूत्रिधा के लिए; और/या

कतः अव, उनते अधिनियम की धारा 269-ग के अमृसरण में, मैं, उनते अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति में, अर्थात ५--- (1) श्रा के० सत्यनारायण रेड्डी सन/आफ वा० कुन्टलू रेड्डी जिगानी विलेज आनेकल तालुक ।

(अन्तरक)

(2) मैंससे मनजोग बिल्डरस नं० 76, के० एच० रोड बेंगलूर-27

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेंज सं० 1617/83-84 ता० 13-1-84) सब सम्पनी है जिसका सं० सर्वे सं० 155 जो जिगानी विलेज जिगानी होश्तो में स्थित है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बंगलर

दिनांक: 6 सितम्बर 1984

ರ ಭಿರ್ವೀಟ್ ಭಾರ್ವ ಅರ್ಜನಿಗೆ ವಿಶಾಲಕ ಮಾರ್ಗಿಸಿ ನಿರ್ವಹಿಸಲಾಗಿ ಮುಖ್ಯಗಳು ಅರ್ವದಿಗಳು ಹಾಗು ಚಿರುವ ಪ್ರತಿಭಾವವಾಗಿ ಮುಖ್ಯಗಳು ಮುಖ श्रास्प बार्षः टी. एन. एस. ----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज. बंगलूर

बंगलूर, दिनांच 4 सिनम्बर 1984

निर्देश सं० नोटिम नं० 42312/83-84--- यतः मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य ¹¹5,000 /- रा. संअधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 4 16 नया, नं० 3, तथा जो एम बी बए एक्टेनणनबेंगलर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं). ५ जिस्ट्री जी अधिकारी के कार्यालय गांबानगर एजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 ज 16) के अधीन ना 2-1-84

को पुर्योक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इक्समान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विज्वास करों का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल में एसे दश्यभान अतिकाल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिना (अन्तरितियों) के ब्रीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश में उक्त अन्तरण लिमित गो वारतिवक रूप में कथित नहीं किया गया है.---

- (क) इस राजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक शायिल्य में कमी करने था उसमें उपर्य भी जिल्ला, **के लिए**; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 👾)। के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुषारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्वतिका के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधान, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात:---

(४) लफटिनेन्ट करनेल सं.० एच० रामा नायक मिलिटरा हास्पिटल वः अक्रवासना, पुना ।

(अन्तरक्)

(2) सा० लिगोर्ग नं > 22/1, XI मैन रोड बगन्तनगरः, वंगल्र-५2

(अन्तरिनः)

कां मह सचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु

उक्त मम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षप :----

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी आक्ति दवाराः
- [4] इस यचना के राजधन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के रास । तिश्वत में किए का मकी ए।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ द्वांगा, या उस अध्याय मी दिया एगः 发* L

मन्स्ची

(दस्तावेज मं० 3068/83-84 ता० 2-1-84) सम्पत्ति है जिसका मं० 4(बं) नया मं० 3 जो राजमहल बिलास एक्टेन्सन बेंगल्य में रिधत है।

> आर्० भाग्हाज ाक्षण प्राधिकारा महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलर

दिनाक : 4 सितम्बर 1984

असम् आहे. दी. पून. एस

नारकार राज्यान**र्थ, 1961 (1961 की 43) की** भारा 269-व (1) के व्यभीन ब्रुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 सितम्बर 1984

नोटिस नं • 42369/83-84--यतः मुझे, स्रार० भारकाज श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह्*), की भारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ∕- रु. से अधिक है

ौरजिसको सं० 9 ग्रौर 10 है, तथा जो ग्रारकाट श्रीनिवासाचार स्ट्रोट बेंगलूर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ड्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 23-1-84 की

को पुर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके बच्यमान प्रतिफल से, एसे बच्यमान प्रतिफल का पंब्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अमरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ः---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अभीन कर दीने के अन्तरक कें दायिस्थ में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए। भीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट मही किया गए। भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

(1) एस अस्त्रिमल 🔧 नव/अधि वर्षेष्व श्रारकाट श्रानिवासाचार स्ट्रोट, अंगलूर । (अन्तरक)

> (2) श्रोमतो कमला देवी वाई/प्राफ दीपचन्द याराकार भौतियामाचार स्ट्रांट वेंगलूर सिटा ।

> > (अन्तरिती)

को यह सुक्रना जारा करकं प्राप्तिन सम्पटित के अर्जन के लिए कार्थराहियां करता हो।

सकता सम्पारत को अर्जन की भव्यन्थ मां कोड़ी भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में ग्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सकता की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से तियों व्यक्ति दवारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर राक्ष्य स्थावर शतील में हिए। बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के यस लिक्ति में किए भा संक्रिके।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया वया 👫 :

अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 60/83-84 ता० 23-1-84) गव सम्पत्ती है जिसका सं० 9 भौर 10 जो भ्रारकाट श्री चार स्ट्रीट, वेंगलश मिटी में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज गक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, बेंगलूर

अत अवत अविभिन्यम की भारा 269-म के अनुसरण में. में उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) क्ष अधीनः, रिक्निलिनित स्यमित्रमी, नर्पात ह---

दिनांक : 3 सितम्बर 1984

वरूप बार्ब . टी . एन . एस . -----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासक, सङ्घायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 सितम्बर 1984

नोटिस नं० 42322/83-84—यत: मुझे, आर० भारक्काज, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिस की सं० 30 है, तथा जो कमराशिचल स्ट्रीट बेंगलूर में स्थित हैं (श्रीर इस से उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-1-84 को

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास कर का कारण है कि सथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तम पाया गया प्रति-फल निम्मिलिसिस उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में बास्तविक क्य में कथित नहीं किया नदा है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियब के वधीन कर दोने के अन्तरक के बाबिरच में कभी करने या उत्तरे वचने में सुविधा के जिद्द; व्यक्तिंवा
- (भा) एंसी किसी बाय या किसी धन या वन्य व्यासितयाँ का, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 (1) श्री एत० सऱ्यामूर्ती मौर श्री एस बॅंकटेश विक्रम नं० 30, समरशियल स्ट्रीट बेंगलूर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती के॰ राधा बाई श्रीर कुछ लोग 549, गरुत्तमन पार्क, बेंगलूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी आवित्रयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानितयों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकासन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के दास जिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण: -- इसमें प्रयुक्त वन्यों और पदीं का, को स्वक् वीधिनयम, के कथ्याय 20-क में प्रिशाविद्ध ही, वहीं वर्ध होगा को उस वश्याय में विद्या गया ही।

. यन्त्र्यां

(वस्तावेज सं० 192/84-85 ता० 27-1-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 30 जो कमरणियल स्ट्रीट, बेंगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रजन रेंज, बंगलुर

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतर्भ में, में, प्रवत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--15—276GI|84

दनांक : 4 सिंगम्बर 1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस ------

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 209-च (1) की अधीर मुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 सिमम्बर 1984

निर्देण सि०म्रार० 62/42317/84-85—यतः मुझे, म्रार० भारतज,

नायकर मॉधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसका सं० सर्वे नं० 142/1. 156 ग्रीर 158 है तथा जो जिगनि विलेज जिगनि होबलि में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 13-1-84

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रश्तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरके (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई फिसी नाय की नावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में तृषिधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, फिन्हों आरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त विभिन्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जरण वाहिए था, जिल्लाने में स्विभा के तिए;

(1) श्रो के० विश्वनाता रेड्डो, जिगनी विलेज, ग्रानिकल ताल्क

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स मन-जोग विल्डरस,
 76, के० एच० रोड,
 बेंगलूर-27।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गरा हों।

- जन्सूची

(वस्तावेज सं० 1618/83 ता० 13-1-84) सम्पत्ति है जिसका सर्वे नं० 142/1, 156 ब्रीर 158, जो जिगनि विस्रेज, जिगनि होबलि, में स्थित है।

> स्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजेन रेज बंगलर

अत: अब, उक्त कीधीन्यम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवित :--

दिनोक: 6 सितम्बर 1984

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.----

भायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 31 अगस्त 1984

निर्वेश सं० सि०ग्रार० 62/42370/83-84—यतः मुझे, ग्रार०भारक्वाज,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज र मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिस की सं० 572 ग्रीर 573 (92) है, तथा जो ग्रां० हिं० सिं० रोड जिक्सेट, वेंगलूर में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से विगत हैं), रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 25-1-1984 को को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में धारा 269 ए बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है और मूफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित को उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सं, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उख्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तहण संहुदं किसी जाय की वायत उक्स जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्य में क्सी करने या उसने वचने जें सुविधा के लिए; ग्रोर/यः
- (च) एसी किसी आय वा किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जया धा या किया चाना चाहिए था, डिपाने के सुविधा के जिए;

श्रद्ध हव, उक्त विधिनियम की भारा 269-व से क्वृतर्थः के अधीन् निम्मलिखिस व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) श्रीमती ए० एस० गकुन्तला 1389, 28 मैंन 'ए' ऋस, ब्लाक पूरव, जयानगर, वेगलूर-69

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो एं० के० रकेजा ग्रांश एन० के० रकेजा, कर/श्राफ श्री शन्मुकेच्या ग्रौर पान्युरंग, शारदा मार्केट, सी० टी० स्ट्रीट, बेंगलूर-2। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चनत ब्रम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कांई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रकेषित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुकरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

बन्त्ची

(दस्तावेज सं० 3218/83 ता० 25-1-84) सम्पत्ति हैं जिसका सं० 572 श्रीर 573, जो श्रो० टो मो० रोड, चिकपेट, बेंगलूर, में स्थित हैं।

> न्नार० भारबाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजन रेज, बेंगसूर

दिनांक : 31 भ्रगस्त 19**8**4

मोहर अ

प्रकल बाह्यं हो हु एक हु एस , ------

नामकर निधानियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यासन, बहायक आयकार जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजीन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 31 श्रगस्त 1984

निर्देश सं० सि० ग्रार० 62/42295/84-84--यतः मुझे, ग्रार० भारकाज,

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिस की सं० 669/12 (669) हैं, तथा जो बनाशंकरि 1 स्टेज, बेंगलूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), राजस्ट्रीकरण श्रिधानियम 1908 (1908का

16) के अधीन दिनांक 6-1-84
को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बसवनगुडि में धारा
269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/पास राजस्ट्रीकृत किया गया है और मूम्में यह विश्वास करने के कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और
अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उत्तः अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जीर/या
- (क) एंनी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहए भा, जिमाने में सुविधा के निए;

(1) श्री वी० एस० बलाराम,93/7, मौत्त एंड रोड,बेंगलूर-4

(ग्रन्तरक)

(2) मिसस मंजुला मूर्ति स्रौर श्रो के० श्रार० क्रुडणमूर्ति नं० 10/01, II कास, चिक्कान्ना गारडन्स, वेंगलूर-18

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्थितयों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारोख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्धथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उजत अधिरियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3815/83 ता० 6-1-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 669/12 (669), जो बनशंकरि I स्टेंज, बेंगलूर, में स्थित है

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेंज, बंगलूर

जतः जन, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग की अनुसरण को, भी उक्त जिथिनियमं की भारा 269-थ की उपभारा (1) की अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

विनांकः: 31 ग्रगरतः 1984

मोहर

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाक 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं ० सि ० प्राप्त ० 62/42396/83-84--यतः मुझे, आर० भारदाज

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिस को संब 12/2, है, तथा जो बच्चामाल रोष्ठ, फ्रेसर टीन, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इसमे उपावड़ श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 20-1-84

को पृथंक्ति सम्पत्ति के उचिन बाजार मृत्य ये कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय शिवाजीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके एक्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्टिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उच्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अप्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (का) एसी किसी अग पा किसी धन या बन्य वास्तियों कां, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिका के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत् हुन्स (1) मिसस शारदा,58, नंदियुखा रोड, एक्सटेन्शन,बेंगलूर-6

(श्रन्तरक)

(2) श्री रिव राजु,37/7, मीनु एवेन्यु, रोड,बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इकारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकीं।

स्पष्टोकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बन्सकी

(दस्तायेज सं० 2772/83 ता० 20-1-84) खाली जगह है जिसका सं० 12/2, जो बच्चामाल रोड, फेंसर टौन, बेगलर, में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज मक्षम प्राधिकारी सहायक थ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

दिनांक: 5 मितम्बर 1984

मोहार 🗈

प्ररूप आहाँ. दी. एत. एस:------

वायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 सितम्बर 1984

सं० 42825/83--84:- यतः मुझे, प्रार० भारद्वाज, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्लात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पुराना सं० 155 (नया सं० 11) है, तथा जो श्रारकाट श्रीनियासाचार स्ट्रीट, 17 डिबीजन, बेंगलूर निटी में स्थित है (श्रौर इस से उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1008 का 16) के श्रधीन. तारीख 23-1-84

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए राजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत संधाम अधिकारी के सम्मूख/पास राजिस्ट्री-कृत किया गया है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल सं, एमे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चेश्य में उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री एस० हर्सातमल सन/ग्राफ, श्री भारामल, ग्रारकाट श्रीनिवासाचार स्ट्रीट, बेंगलूर सिटी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिनेशकुमार डी० जैन सन/धाफ श्री दोपचन्द, ध्रारकाट श्रीनिवासाचार स्ट्रोट, बेंगलूर सिटी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन कें भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

समस्यो

(दस्तावेज सं० 77/83-84 ता० 23-1-84) सब सम्पत्ति है जिसका सं० पुराना सं० 155 नया सं० 11 जो ब्रारकाट श्रीनिवासाचार स्ट्रीट, 17 डिवीजन, बेंगलूर सिटी में स्थित है।

> आर०भारक्षाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), (ग्रर्जन रेंज, बेंगसूर ।

तारीय : 4-9-1984.

मोहर

ರಾಯದಿಯಾಗಿದೆ ಇದರು ಕ್ರತಿಗಳಲ್ಲಿ ಮಾರ್ಕಾರಿಗೆ ಬಹಕಗಳಲ್ಲಿ ಕಾರ್ಚುವರ್ಷ ಅಲ್ಲಿಗೂ ಕ

प्रस्ता बार्च हो . एन एस अन्यान सम्ब

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श (1) ने अधीर प्यसा

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बेंगलॄर

बेंगलूर, दिनांक 17 अगस्त 1984

निर्देश सं०सी० श्रार० 62/42368/83-84--यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्जात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- राज्य से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 463 (ई) है, तथा जो राजापहल विलास - एक्सटेन्णन, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), राजिस्ट्रीकरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-1-1984

को प्यांकित सम्परित के उचित बाजार अन्य से कम के स्व्यमान प्रतिफल के लए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में धारा 269 ए.बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/पास रिजस्ट्री-कृत किया गया हैं.और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुनिधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के बनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीत: निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्वीमती वासन्ति राजामेकर,
 श्वी प्रश्विन श्वार० पालेगार ग्रौर
 श्वी संजय ब्रार० पालेगार,
 नं० 3 रेप्रसेन्टेड बै नं० 1 (मां),
 "मुम्का", मिरजा रोड,
 नजर बाद, मैसूर -10

(ग्रन्सरक)

(2) मिसस मुमिता गुरुप्रसाद, बेलूर एस्टेट, बेलूर पी० ग्रो०, सोमवारपेट तालुक, उत्तर कूरग डिस्ट्रिक्ट।

(भ्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पुत्रक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकीयों।

मन्स्ची

(दम्तावेज सं० 3376/83, ता० 19-1-84) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 463 (ई), जो राजामह्ल विलास एक्सटेंजन, बेंगलर, में स्थित है।

> अ।र० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

नारीख: 17-8-1984.

माहर:

ं प्ररूप भार्च . टर्नि . एम . एस . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सहस्रार

कार्यालय, सहायक क्षायकार बायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 31 ग्रगस्त 1984

निर्देश मं० सी० ग्रार० 62/42412/83-84—यत: मुझे, ग्रार० भारहाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

की सं० 0/1 है तथा जो कास रोड़, आफ ग्रान्ट रोड़, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9-2-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाबार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, एमे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गड़ा प्रतिफल निम्नितिसित उद्दोष्य से उन्तर अन्तरण जिखित में बास्तविक कुप में कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त वर्षिणियन के अधीम कर दोने के अन्तरक के वास्तिय में अभी करने वा उत्तर्ध क्याने में तृत्यिया के सिक्, और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, विश्व (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विभा जै किए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम् की धारा 269-म के अनुसरणः में में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क्षेत्रम, निम्नलिस्थित व्यक्तियों , अर्थात् :---

(1) श्रीमती वी० सीताम्मा भौर भदर्स,30, ग्रान्ट रोड़,बेंगलूर-1.

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स—फराह बिल्डर्स (प्रा०) लि० भीर 83, एम० जी० रोड, कृष्ठ लोग, बेंगलूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पृश्नोंक्त सम्परित के वर्षन के निय कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर प्रवेक्ति स्याप्त योगित में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितववृध किसी अन्य व्यक्ति वृक्षाय अधोहस्ताक्षरी के पास निकत में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौंका, को उक्त विभिन्नित के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया स्था है।

वन्स्यी

(दस्तावेज सं० 2896/83, ता० 9-2-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 30/1, जो कास रोड, श्राफ ग्रान्ट रोड़, बेंगलूर, में स्थित हैं।

> आर० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बेंगलुर ।

- नारीख : 31-8-1984

मोहरा

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत शरकार

कार्यीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, विनाक 3 सितम्बर 1984

निर्वेश सं० नोटिस सं० 795/84-85:---यतः मुझे, भार०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को सभीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 1706 है, तथा जो नागशेही कोप महबूब नगर ग्रादर्शनगर के पास, हुगली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16 जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मृज्य से काम के ऋयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है जीर मुक्ते यह विद्यास क रने का कारण है कि संभापवाँकत सम्पत्ति का उत्वित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रति-फल निम्शलिखित उद्वरेय से उक्त बृतरम लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (फि) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त विधिन्यम के अभीन कर देने के वृत्रक कै बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (६४) एरेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अमिस्तयों को, जिन्हें भारतीय गायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अंतरिली स्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, जबस अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, नियनिसचित व्यक्तियाँ, वर्षात्:--

(1) श्री प्रताप सन/भ्राफ, लड्डुबाई ताकर, पी० ए० होल्डर, श्री चोटालाल सन/ग्राफ: श्री लबड्डाई ताकर, वेशपान्डे नगर, हुब्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जसवन्ती, वाईफ/प्राफ, गंगादास गोराडिया, जैचामराजनगर, भ्रन्नीगेरी बिल्डिंग, हरूरी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुां।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षण हन्न

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर भूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वामा को प्राचयत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।।

स्पर्कांकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँदु पदों का, जो उक्क अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं मर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्यानमाहै।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2642/83-84, ता० 16-1-84) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 1706, जो नागशङ्कीकोप, मेहबूबनगर, भ्रादर्शनगर के पास हुब्ली में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 3-9-1984.

मोहर 🗈

16-276GI 84

भक्त बार्ड हो, यन , यस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० 41348/83-84:---यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निरुवास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

आरीर जिसकी सं० पुराना सं० 513 नया सं० 1094 हैं तथा जो आरो० टी० सी० रोड, लसूरपेट बंगलूर में स्थित |है (और इसमे उपायक: अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 हैं(1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-1-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में धारा 269 ए बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मृख/पास रिजस्ट्री-कृत किया गया है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिन्यिम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) श्रीमती एम० बी० शारदंम्मा,
पत्नी श्री एम० बसप्पा (लेट),
मं० 55, 8 काक मैन, 3 ब्लाक,
जयनगर,
बेंगलूर-11

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स हस्ती बिल्डर्स (प्रा०) लिमिटेड, प्रतिनिधि मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री हस्तिमल जैन, नं० बी०-8 पहला फ्लोर, युनाईटेड बिल्डिंग, जे० सी० रोड, बंगलूर।

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उनत सम्पृत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 🚈

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रान्त
- (स) इस सुमान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए का सकोंगे।

स्पर्कांकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गवा है।

जन्सूची

(वस्तावेज सं० 3019/83-84, ता० 31-1-1984) सब सम्पत्ति जिसका पुराना सं० 513 नया सं० 1094, जो श्रो० टी० सी० रोड, श्रनसूरपेट, बेंगलूर में स्थित है।

> भ्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रोंज, बंगलूर ऽ

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 12-9-1984

मोहरः

प्ररूप आर्द्र, टी, एन, एस., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 13 सितम्बर, 1984

नियेण सं० सी० श्रार० 62/42318/83-84:—यतः, मुझे, श्रार० भारद्वाज,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रो. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 427 है, तथा जो 3 कास, 16 मैन, कोरामंगला ले- श्राउट, 3 ब्लाक, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11-1-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बंगलूर दक्षिण ताल्लूक के धारा 269 क, ख के अन्दर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मुख/के पास रिजस्ट्रीकृत किया गया है मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वतः से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए द्राय पाया गया प्रतिपल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को निए;

बतः बंब, उन्त अधिनियम, की धारा 260-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) 1. श्री एस० डी ० मुलहरकर,
 - 2. श्रीमती शीला शरद मुलहरकर,
 - 3. श्री शरीश शरव मुलहरकर,
 - श्री भीरीश णरद मुलहरकर,
 नं० 427, 3 ब्लाक, कीरामंगला ले-आउट बेंगलूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री पी० फिलिप राजु,
 2. मिसर्स मोल्ली राजु फिलिप,
 नं० 138, इंदिरानगर,
 बेंगलूर-38.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

(दस्तावेज सं० 6890/83, ता० 11-1-84) सम्पत्ति जिसका सं० 427, जो 3 कास, 16 मैन, कोरामंगला ले-प्राउट, 3 ब्लाक, बेंगलूर-34, में स्थित है।

> श्चार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 13-9-1984

प्रकप भार्तः, दर्देः, एनः, एसः,-------

जायकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

भारत सरुकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आगृक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज—II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 सितम्बर 1984

निदेश सं० 120/जन० $84/रेंज-I_{I}$ —-ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्त्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एग्मोर गांव, श्रार० एस० सं० 74 श्रौर 75 है, जो एग्मोर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास साउथ लेख सं० 38/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1098 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1884

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती इतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अधीत ः——

(1) श्री भ्रलबर्ट भ्रलेंक्जेंडर माशीलामणि,।

(अन्तरक)

(2) श्री अरविंद फिलिप माणिलामणि । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्वाध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्या स्थावर संपरित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वस्वीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रीर मकान-एग्मोर गांव, श्रार० एस० सं० 74 श्रीर 75, मब्रास साउथ/लेख सं० 38/84।

एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजंन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख: 15-9-1984.

प्रकृष बार्ष . ट्रो . एन . एस . . -------

नावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० 2/जनवरी/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, जायकर जीभिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अभिक हैं

भौर जिसकी सं० डोर सं० 29, है तथा जो एरबालु चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास जे० एस० श्रार०-1 दस्तावेज सं० 57/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सपिता के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षल के लिए अन्तर्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्षल से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्षल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कीं, कीं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1)} के अधीन, हिन्मिलिखित व्यक्तियों अधीत हिन्म

- (1) श्री के० एम० ब्रब्दुल कादर ग्रीर ब्रन्य। (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स रामान्त एक्सपोर्टस (प्राईवेट) लिमिटेड । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

समद बुज्यतित् भी मूर्वन् के सम्बन्ध में कोई भी बाकोप्:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की जनधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
 पास निविद्य में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण डोर सं० 29, एरबालु चेट्टी स्ट्रीट, ग्राउन्छ फ्लोर श्रौर फर्स्ट फ्लोर श्रौर 2/3मां ग्रविभाजित भाग (दस्तावेज सं० 57/84)।

प्रेम मालिनि वासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 24-8-1984.

प्रकृष बाद् . टी . एन् . एस . -------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के अभीन सुभना

हार्य बरकार

कार्यालय,, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मन्नास

मद्रास, दिनांक 24 भ्रगस्त, 1984

निदेश सं० 3/जनवरी/84:---यतः मुझे, प्रेम मालिनि ।सन.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 29 है, तथा एरबालु चेट्टी स्ट्रीट,मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार०—], उत्तर मद्रास दस्तावेज सं० 58/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी, 1984

को प्वोंकित सम्पिति के उणित बाजार मूल से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ब्रति-फन, मिम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निजित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है दि—

- (क) अन्तरण ते हुइ जिल्ही आय की बाबत, उक्स अधिनियस के अधीन कार दोने के अन्तरक के दर्भियस में कसी करने या उससे अजने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उत्यस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि——

- (1) श्री के० एम० ग्रब्दुल कादर और ग्रन्य।(ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स किस्टल डांजल इन्जन्स (प्राईवेट) लिमिटेड । (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके वृवींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बुट्ध में कोई भी नाक्षेत्र:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वन्तियों में से किसी स्पन्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वग्सूची

भूमि और निर्माण सं० 29 एरबालु चेट्टबी स्ट्रीट, मद्रास $-\mathbf{I}_{2}$ (वस्तावेज सं० 58/ ϵ

प्रेम मालिनि वासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 24-8-1984.

प्रकप नाह टी. एन, एस.----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) भर्जन रेंज—ंं, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 भ्रगस्त, 1984

निदेश सं० 9/जनवरी/84—श्रतः मुझे, प्रम मालिनि वासन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे , इसमें इसके पहुंचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 38 (पुरानी सं० 67/68) एक्सप्प मैस्त्री स्ट्रीट, है, जो मद्रास-3 में थ्यित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सौकारपेट दस्तावेज सं० 34/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किभिनियम के विभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे वृथने में सुविधा के लिए; खरि/बा
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, गा- धन-कर अधिनियम, गा- धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधार्त ह ----

- (1) श्री रामचन्द्र ज्ञानचन्द महटानी श्रौर श्रन्य । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्ररीफ एस० जिन्ना श्रौर श्रन्य । (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके प्राप्तित सम्पृतित के अर्चन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत् सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्याराः
- (ख) इस सूचना के राज्यक्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा संथोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्होकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ब्या हैं।

नगृत्त्वी

भूमि श्रीर निर्माण सं० 38 (पुरानी सं० 67/68) एरुसप्प मेस्त्री स्ट्रीट, मद्रास-3, (दस्तावेज सं० 34/84)।

> प्रेम मालिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–I, मब्रास ।

सारीख: 24-8-1984.

प्ररूप बाइं, टी, एन, एस. ----

(1) श्रीजी० एस० सचदेव।

(ग्रन्सरक)

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

(2) श्री डाक्टर एम० के० बालसुन्नमन्यम ।

(श्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 भ्रगस्त, 1984

निदेश सं० 20/1/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनी बासन, शायकर लिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रः से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 1199 है, तथा जो श्रन्ता नगर मब्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीयकारी के कार्यालय, श्रन्ता नगर दस्तावेज सं० 63/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उजित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उजित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भित्रित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुसिचित उद्विष्यों से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वायतः, जनत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अस्य अपित्यों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 फिल की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 3.0 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्मृक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

रपष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिमियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस वध्याय में दिया ग्या है।

नगुसूची

भूमि प्लाट सं० 1199, म्रन्ता नगर, मब्रास दस्तावेज सं० 63/84 ।

> त्रेम मालिनी वासन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रजैन रेंज—I, मद्रास ।

जतः जब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण भ', मैं उक्त अभिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियमें, अथिंह है—

तारीख : 24-8-1984.

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ----

बायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प (1) के अधीत सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास दिनांक 19 अगस्त 1984

निर्देश सं० 22/जनवरी/84—या: मुझे प्रेम मालिनि बासन शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव प्लाट संव 2702 है, जो नडबाक्कर, गांव, टीव एसव संव 86, ब्लाक संव 9 बी, में स्थित है (और इससे उपाबद अनुभूची में और जो पूर्ण रूप से बिणत है) रिजिस्ट्री वर्ती अधिकारी के वार्यालय अन्ता नगर, दस्तावेज, संव 116/84 में भारतीय रिजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान शितिकास के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे इश्यमान प्रतिकाल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में बास्तिक एसे के अधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त गिमिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-गार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्रिवा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री एस० विस्वनायन,

(अन्तरकः)

श्री एस० उत्तिरापती

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थायर सम्पत्ति में हितनवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

जन्स्ची

हाउस सेंट प्लाट सं० 2702, नडुवाक्करे गांव, टी० एस० सं० 86, ब्लाक सं० 9 बी, अन्ना नगर, (दस्ताकेज सं० 116/84) ।

> प्रेम भालिति वासन सक्षम प्राधिरारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास ।

दिनांक 19-8-1984 मोहर:

प्रकल आहें . टी . एवं . एवं . कर न उसक

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 सितम्बर 1984

निर्देशसं० 23/जनवरी/84—यतः मुझे प्रेम मालिनि वासन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्न अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० व्लाट सं० 54, डोर सं० 39, बी ब्लाक, अरिगनार अन्ना नगर है, तथा जो मद्रास-102 में स्थित हैं (और इससे उपाइद्ध अनुमूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अन्ना नगर दस्तावेज सं० 117/84 है, में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन विनांक जनवरी, 1984
को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृष्यिभा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भनकार अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए भा कियाने में सुविधा के निक्ः।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के रधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तिओं, वर्षात स---

1. के० के० पार्थ सारधी,

(अन्तरक)

2. श्रीमती जुलियट असीक राजा,

(अन्तरिती

को यह सुचना जारी करके पृत्रंक्ति सपति के अर्थन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उपता सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी भाश्रेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में कमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे.

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त खम्बों और पवाँ का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दियां गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 39, बी-क्लाक , अन्ना नगर, महास-102 (दस्ताकेज सं० 117/84)।

> प्रेम मालिनि 'वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास।

विनांक 1-9-1984 मोहर प्रकप आई. टी. एन. एस. ------

1. एम० सैमन जाकोस,

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० के० अमला,

(अन्तरिती)

नायकार निर्मायम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1 मद्वास

मद्रास, दिनांक 21 अगस्त 1984

निर्देशसं० 25/जनवरी/84—यतः मुझे प्रेम मालिनि वासन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 3946/65, अन्ना नगर है, तथा जो मद्रास-40 में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अन्ना नगर, दस्तावेज सं० 140/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन दिवांक जनवरी, 1984

को पूर्वाक्स सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्षें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्नितिखत उच्चोदय से उक्स अन्तरण सिकित में वास्तिक रूप में शिथत नहीं किया गया है:—

- (क) कलरण से हुई किसी काम की बाबत, बक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

जतः तय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः-- को यह सूचना आरी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपति के भर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकने।

स्यख्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

मनुसुची

भूमि और निर्माण प्लाट सं० 3946/एस. 65 अन्ना नगर, मदास-40 (वस्तावेज सं० 140/84)।

> प्रेम मालिनी नासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास ।

दिनांक 21-8-1984 मोहर : प्रस्य बाह्यं, द्वा, एस, एस, प्रस्तान

बायकर मिर्भानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

1. श्री के० जी० नारायण स्वामी,

(अन्तरक)

2. श्रीमती धान्ती देवी और अन्यों

(अन्तरिती)

गारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मन्नास

मद्रास, दिनांक 1 सितम्बर: 1984

निर्देश सं० 30/जनवरी/84 —यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट सं० 432, अन्ता नगर है, तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अन्ता नगर, ,दस्तावेज सं० 271/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1984

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझं यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंबह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्दोष्य से उक्त अन्तरण निकित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकी।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दी जाँर क्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

भूमि प्लाट सं० 432, अन्ना नगर, मद्रास-40 (दस्तावेज सं० 271/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास ।

जतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गं के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 1-9-1984

मोह~र :

प्रसम् भादः ती , एन , ऐस , *********

आयकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजना, मद्रास

मद्राप्त, दिनांक 13 प्रितम्बर 1984

निदेशसं ० 32/जनवरी/84 --- यतः मुझे प्रेम मालिनी वासन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ उ. सं अधिक है

और जिसकी मं 165/880 अन्डवंडेड शेर, भूमि, राजा मेजर रोड, मद्रास-10, है जो और एस० सं० 479/6 एडमोर, मद्रास में स्थित है (और इसमे उपावद अनुभूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेरियमेट्रो दस्त किंज सं० 6/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 मा 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्निचित उच्चश्य से उक्त अन्तरण जिसकत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निष्ठ; और/वा
- (व) एसी किसी बाय या किसी भन वा बन्य बास्तियां का किस्तु भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट मही किया ववा भा या किया बाना आह्रिए भा कियाने में इतिथा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. मैं सर्स भहामा रियल एस्टेट्स,

(अन्तरक)

श्री सायीद ए० रशीद और अन्यों।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष् ३--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी सं सं 45 दिन की अविधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तासील ने 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकींगे।

स्थव्हीकरण: इसमं प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण 165/880 अन्डिवैडेड शेर, भूमि, कासा मेजर रोड, एष्मोर, मद्रास, (दस्तावेज सं० 6/84)।

> प्रेम मालिनी वासन यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 13-9-1984

प्ररूप भाइं.टी.एन.एस. -----

श्री ए० ने० सुन्तरामन

(अन्तरक)

भावभार मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना 2. श्रीमती एम० अमृतवल्ली,

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज, जालन्त्रर

'जालन्धर, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निदेश सं० 42/जनवरी/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है') की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा से अधिक हैं

श्रीरं जिसकी सं टीं एस सं 2809/बार्ड 3/कार्पोरेणन वार्ड 57 है, तथा जो महुरे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्य में श्रीर जो पूर्ण रूप से धाणत है) रजिस्ट्र क्ती अधिकारी के कार्यालय जे एस अपार ।, मदुरें, दस्तावेज सं 280/84 तथा 282/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक जनवरी, 1984 को पूर्वोक्त सम्परित से उचित धाजार मृज्य से कम के दियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृफे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृज्य से कम के दियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृफे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पम्त्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रक्रिकल. निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कुर्यांक क्य से बाधत बढ़ी किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (प) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट महीं किया ग्या भा या किया आगा जाहिए था, जिलाने में सुविधा चे किया

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् ८को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति वौ वर्जन के कि। कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 4. दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राह्म
- (च) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ... 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-क्वथ किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी . पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त. अधिनुयम के अध्याय .20-क में परिभाषिः हैं, वहीं मर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण टी॰ एस॰ सं॰ 2804, सीत बेली स्ट्रीट, पूक्कार लेन, मेल सरगम, डीर सं॰ 20, मदुरै (दस्तावेज सं॰ 280/84 तथा 282/84) ।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 10-9-1984

प्ररूप आहें. टी. एश. एस. ---=--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1. मद्रास

मब्रास, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निदेश सं० 44/जनवरी/84——अतः मुझे प्रेम मालिनि वासन गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें जरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 109/6, नामक्कल, है, जो नामक्कल में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में भीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजर्द्ध कर्ता अधिकार्र के कार्यारुय जे० एस० आर० नामक्कल, दस्तावेज सं० 75/84 और 87/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन धिनांक जनवरीं, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, एसे दृश्यमान प्रतिफल का विन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं इंद्रिं किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के बन्तरक के बाबित्य में कमी कारने वा बाबसे ज्वने में सुविधा के मिए; जौर/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हों भारतीय जाय-कर मिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पया चा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृद्धिया की किए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री सैंकोडन,

(अन्तरफ)

2. श्री पोन्नुस्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अस्थ शिकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्थव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियो गया है।

अनुस्ची

भूमि सर्वे नं० 109/6, नामन्कल गांव (दस्तावेज सं० 75 मीर 87/84) ।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम् प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मद्रास

दिनांक : 11-9-1984

प्ररूप आई. टी. एम. एस.------

आसकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?69-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मब्रास, दिनांक 10 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० 47/जनवरी/84---अतः मुझे प्रेम मालिनि वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा एया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० एस० नं० 3/3, वार्ड, 'एन' बी ब्लाक, सं० 38, है, तथा जो अम्मापेट, फेनम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीण जो पूर्ण रूप से विणय है) रिजस्ट्र कर्ती अधिकारी के पार्यालय एस० आग० सेलम, ईस्ट दस्तावेज, सं० 151/84 में भारताय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्विष्यों से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त प्रभितियम के अभीन कर दंगे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम था प्रतिकार अधिनियम, 1957 (1957 के 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:—

1. श्रं वेंशटन

(अस्तरक)

2. श्री मुनियपन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के अए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कांक्र् भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकने।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वर्स्यो

भूमि, टी॰ एस॰ सं॰ 3/3, वार्ड 'एन' ब्लाक सं॰ 38, अम्मापेट, सेलम (बस्तावेज सं॰ 151/84)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज:1, मद्रास

दिनांक: 10-9-1984

प्रकथ आहें , टी. एत्. एस -----

बायकर बिधानियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक अत्यक्तर आयुक्त (निरक्तिण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मब्रास, दिनांक 16 अगस्त 1984

निदेश सं० 50/जनवरी/84—अतः मुझें, प्रेंम मालिनि वासन बायकर अश्विनियम, 1961 (1961 की 43) (बिसे इत्यों इत्तक पदकात उक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 3. कार्काना सिवनार चेट्टी, स्ट्रीट है, तथा जो सेलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजित है)रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय ताडगण्ट्टी इस्तावेज सं० 179/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

1908 (1908 का 16) के अधान दिनाक जनवरा, 1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रसिक्त के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि सथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्नह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देष्य से उच्त अन्तरण कि खित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्मरण से हुई किसी जाय की वाबत, उथत अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे नुबने में सुनिधा के लिए; और/वा
- (ख) पुरेती किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनक र अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

कतः क्रवं, जनत जीभीनमन की भारा 269-ए के बन्दरण में, में, जनत अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात्ः—— 18—276 GI/84 1. श्री सी० रंगस्वामी

(अन्तरक)

2. श्री एस० आर० राजगोपाल चेट्टियाँर

(अन्तरिती)

को बह सूचना चार्डी करके पूर्वोंक्ल संपरित के वर्जन के किए कार्यवाहियों कारता हुं भि

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कीई भी नार्क्षप् ह—

- '(क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 किन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वासु;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उसत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण सं० 3, कार्काना सिवनार चेट्टो स्ट्रीट, पुरानी डी० एस० सं० 1008, वार्ड, एच० ब्लाक, 35 डी० एस० सं० 62,63 (दस्तावेज सं० 179/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 1, मद्रास

विनांन: 16-8-1984

मोहर 🛭

प्रकम नाइं. डी., एत., ६३ ु ≅----

श्रीमती सो० आबुडैतायम्माल

(अन्तरक)

श्री ए० ओंगिरिस्वामी

(अन्तरिती)

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मदास मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निवेश सं० 51/जनवरी/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है' कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-एउ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्लाट मं शी० 124, तिरुनगर, तिरुप्परन्कुन्ड्म है तथा जो मदुरै में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुप्परडु कुन्डुडम, दस्तावेज सं० 50/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स समपत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भित्रित्त से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अस्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिस्त उद्विषय से उक्स अन्तरण कि सित्त में बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी जाय की वाबरा, उवते विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 स्व अधिनियम, 1922 स्व अधिनियम, पा अन-कर अधिनियम, पा अन-कर अधिनियम, पा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सविधा के लिए;

जतः अब उक्त जिथिनियम की भाग 269-ण की जनसरम में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः--- कां यह बुच्या भारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के निरू कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की नविश्व मा तास्त्रवन्धी व्यक्तियों पूड़ स्वना की तानीन से 30 दिन की सविश्व, जो भी सविश्व मां समान्त होती हो, के भीतर प्रांचिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितब्ब्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीकरणः — इसमें प्रभूषण् सन्दों और पदों का, को स्थाय अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण प्लाट सं० सी० 124, तिष्तगर, तिष्परन्कुन्ड्म, (वस्तावेज सं० 50/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधाकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 4-9-1984

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. ------

(त_. ------ा ा. श्रो के० राम स्वामोः, **भौ**र अन्य

(अन्तरक)

भारत 269-म् (1) के अभीत स्थान

2. श्री उरुमा गोन्डर ग्रौर अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांदा 4 सिलम्बर 1984

निदेण सं० 52/जनवरों/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूख्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० डोर सं० 4/45 ए, एस० सं१० सं० 92, मिनयनूर गांव है, तथा जो नामक्कलन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० नल्लूर, दस्तावेज सं० 28/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्मति के टिश्वत बाजार मृह्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल ना, एस स्वयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकृत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय प्रया गया प्रतिकृत का निम्निसिशत उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्वत में वास्तिमक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अउरक के दामिता में कभी कारने या उसस बचने मा मृजिया के लिए और/या
- (क) एंसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विकया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए;

कतः अप, अपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (य) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उपत स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पया हैं।

अनुस्धी

् भूमि 4/45ए एम० सी० मं० 92 नाम π छल आर० छी० नल्लूर सब डिबाजन एस० 65.4 (दस्रावेज सं० 28/84)।

प्रेम मालिनि वासन सञ्जम प्राधिकारः सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास

दिनांक : 4-9-1984

प्रकप शाही, टी., एके., एक्., ५०---

नायकर नाभिनियम; 1961 (1961 का 43) की भाग, 269⊱भ (1) के नुभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यासयः, सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निदेशसं० 53/जनवरी/84—अतः मुझे प्रेम मालिनि वासन, वायकर विधिन्यम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त विधिनयमं' कहा गया है), की धारा 269-क के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपनत बाजार मुक्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि एटसेट्रा वेष्पट्टी, पलक्काडु गांव, है, तथा जो आसूर, ताल्लुका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) र्रिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० गगवल्ली, दस्तावेज सं० 55/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मून्य से कम के ध्रयमान, प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय्भाया यवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रीवक स्प से काम्बर नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्स बिश्नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे द्वाने में सृविधा के लिए; बार्ट/या
- (ण) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर शिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की सिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-गृ कैं अमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्बात ह---- 1. श्री आतियपन

(अन्तरक)

2. श्री एम० तन्गवेल

(अन्तरिती)

कीं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पाछ सिसित में किए का सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि सं० 64, एस सं० 67/2, एस० सं० 65, भूमि वेप्पट्टी, पलक्काडु गांव, आसूर तालुका सेलम जिला (बस्तावेज सं० 55/84)।

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मद्रास

विनांक : 4-9-1984

मोहर 🛭

प्रकप मा<u>र्के.</u> द<u>ि.</u> एत<u>. एस.</u> -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत पुरस्का

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, विनांक 4सितम्बर 1984

निदेश सं० 63/जनवरी/84—यतः मुझे प्रेम मालिनि वासन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित् वाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि और निर्माण होर सं० 38, टी एस० सं० 2026/2ए, है तथा जो नयी सर्वे सं० 77/1, सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० I सेलम, दस्तावेज सं० 62/84 है, तथा जो रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिसत उद्देश्य से उन्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क), अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियत के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (व) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उधत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ववा वा किया बाना वाहिए था, क्रियाचे में सृतिया के रिए;

जत: अंब., उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित अथिक्तियों, अर्थात् ध्र--- 1. श्री आर० रंगमन्तार

(अन्तरक)

2. श्री एस० नटेसन चेट्टियार और अन्य

(अन्तरिती)

को बहु सूचना वाड़ी करके पृशांकत बम्परिय के ब्वंन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के बर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त सम्बं और पदों का, जो उक्त जीभीनयम, के जभ्याद 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया

अनु सूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 38, टी० एस० सं० 2 226/20, नधी सर्वे सं० 77/1, सेलम, (दस्तावेज सं० 62/84)

प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मद्रास

दिनांक: 4-9-1984

मोहर

प्रकृत नाइ^क, टी., एन., एस्_ध ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व्य (1) के अर्थान सूचना

भारत बदबार

कार्यांसय, सहायक अध्यक्तर आयुक्त (निद्वीक्रण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निवेणसं० 64/जनवरी/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन, प्रायकर प्राविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकन मिनियम' कहा गया है), की बारा 269 व्या के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्मिन, जिसका उचिन वाजार मृह्य 25,000/- ६० से शिवक है

और जिसकी सं० भूमि, किल्लयूर गांव, येकाई तालुका, है तथा जो सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० I, सेलम, दस्तावेज सं० 74/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार बुख्य, असके व्यवमान प्रतिफल से, एसे व्यवमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने में सृषिधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी था या बन्ध आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. एम० मुखा देवी,

(अन्तरक)

2. श्री प्रभुवेल

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उनत सम्पतित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की नातील ने 30 दिंश की ध्वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के धीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में न किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूत्रता के राजपन में प्रताशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्मास में हितकह किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आहेर पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रहाल 20-क में परिभाषित है। अही अर्थ होगा, जो उस ग्रह्याय में विद्या गया है।

जन्स्ची

भूमि किल्लियूर गांव, येकिंड तालुका, सेलम जिला (दस्तावेज सं० 74/84)।

> प्रेम मालिति वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, मद्रास

्तारीख: 4-9-1984

मोहर 🗈

त्रक्ष् बाह्". टो. एन. एस्.,≝------

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्पना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निदेश सं० 65/जनवरी/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फिल्लियूर गांव है, तथा जो सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से यणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय के ० एस० आर० I, सेलम दस्तावेज सं० 75/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1984

को प्वाँक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया म्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्युद्धिय से उक्त अन्तरण निकित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत आयकर बिभ्मिय्म के जभीन कर देने के बस्दरक खें बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जोट/बा
- (क) ऐसी किसी भाष या किसी भून या बन्य मास्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः बब, अक्त अधिनियम की धारा 269 न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती एम० मुत्रा देवी,

(अन्तरक)

2. श्री बी० सुब्रमणी

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोंक्त संप्रित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के कर्जन के संबंध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खु से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितियों में से किसी स्थितिस द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया।

अन्स्यी

भूमि एस० सं० 14/के और 14/4 लिल्लियूर गांव, येकिंड सेलम, (दस्तावेज सं० 75/84)।

> प्रेम मालिनि वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मद्रास

दिनांक: 4-9-1984

मोहर.

त्रक्षः वाद्तः दीः एतः एतः ------

श्रीमतीएम० मुता देवी,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्री वी० अरुनाचलम

(अन्तरिती)

भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

ज्ञारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन ेंज-1, मद्रास

मद्राह, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निदेणसं० 68/जनवरी/84--अत: मुझे, प्रेम मालिनि वासन आयकर अधिनियम, \$961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एत. से आधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 14/6, और 14/7 और 14/बी, किल्लियर गांव, येकिंड है, तथा जो सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूचीजमें और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जें० एस० आर० ${f I}$, सेलम, दस्ताबेज सं० 76/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित् वाजार मृत्य से कम के अवसान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इस्वमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिवात से अधिक है और अंतर्क (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय वाया गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्वदेश्य से उक्त संतरक तिबित में शक्तविक एन वे कवित नहीं किया नवा है :---

- (क) बन्दरण से हुन्हैं किसी नाम की बावस, बन्दर बीपविषय के बधीन कर देने के नन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बखने में सुविधा के सिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भने या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या र्थन-कार **व्यक्ति**यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविभाके सिए;

को यह स्वान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्वन के बिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

धनतु सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अव्धिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंने।

स्वाकारण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों नीर पदों का, जो उक्त निभागम के सभाग 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगर जो उस मध्याय में दिया न्या है।

अनुसूची

भूमि एस० सं० 14/6, 14/7ङ 14/1बी, किल्लियर गांव येकांड, सेलम, (दस्ताबेज सं० 76/84)।

> प्रेम मालिनि बास्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, भद्रास

बतः बदः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 4-9-1984

मोहर

प्रक्ष आहु". टी. एन. एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निदेश सं० 67/जनवरी/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस है परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की प्रारा 269-ख के अधीन मझम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन वाजार भुरूष 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी सं० भूमि किल्लियूर गांव, एस० सं० 14/3, 14/1ए, 14/2, सेलम में स्थित है (श्रीर इससे उपावद प्रमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० 1, सेलम दस्तावेज सं० 77/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908का 16) के श्रीन, तारीख जनवरी 1984

को प्वािवत सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे बह विश्वास करने का कारण है कि यंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्ला है कि यंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्ला वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिकत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गा। प्रतिकल, निम्निविखित उहेंग्य में उनन जन्तरण निष्कित कि वाम्तिक का से किंग्नित निर्देश की किंग्निक का से किंग्नित निर्देश की किंग्निक का से किंग्नित नहीं किंग्निक का से किंग्नित नहीं किंग्निक का से किंग्नित नहीं किंग्निक का से किंग्निक का से किंग्निक का से किंग्निक नहीं किंग्निक का से किंग्निक नहीं किंग्निक का से किंग्निक का सिक्तिक सिक्तिक सिक्तिक का सिक्तिक स

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 पा 11) पा उक्त भांधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था जा किया जात भाहिए था, छिपाने में शुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 19—276 GL/84 1. श्रीमती एम० मुद्रा देवी

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती एस० बाग्यम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपीत के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (5) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 वित की श्रविध या तत्यंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीज से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अभ्रोहस्ताक्षरी के पास किखित में किये जा सकींगे।

स्वर्ध्योहरण १--व्ह्रसर्वे प्रयुक्त प्रश्ता तर रही हर, वर उक्त वर्ध्य-नियम के अध्याय ३०-६ में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन ग्रह्मध्य में दिया गयः है।

ननुसूची

भूमि एस० र्स० 14/3, 14/1ए, 14/2, किल्लियूर, येर्काड, सेलम (दस्तावेज सं० 77/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 4-9-1984

अंक्ष्य आक्र्रे, टाः एन. एस. जनननननन

लायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सचना

भारत धरकार

कार्यासय, सुहायक आयकर भावक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1984 निदेश सं० 68/जनवरी/84-यतः मुझे, प्रेम मालिनो वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसंके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उत्पत बाजार मृख्य ्र ,000 ं र प । विधक ही

भ्रोर जिसकी सं० 14/1बी, 41/4, किल्लिय्र गांव, सेलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जै० एस० भार० 1, सेलम दस्तावेज सं० 78/84 में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिस बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपाल से, एसे दश्यमान प्रतिपाल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में दास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; वरि/या
- (सा) एंसी किसी अगय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अश्रीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

ा. श्रीमती एम० मुद्रा देवी

(भ्रन्तरक)

2. श्री वी० सिंगारवेल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त संपक्ति के वर्जन के लिए कायवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अयिक्सयों सुचना की तामील से 30 दिन की अव्धि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित बबुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधेःहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों में।

स्पष्टीक रण :--इसमं प्रयक्त शब्दों और पदों का. जो उच्त. अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होग जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्स्ची

भूमि: सं० 14/1बी, 41/4, किल्लियूर गांव, येकीड, सेलम (दस्तावेज सं० 78/84)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 4-9-1984

प्ररूपः भार्षः टीः एनः एसः ----

वायकर ऑफ्रीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्गालयः, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

जग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मब्रास, दिनांक 24 ग्रगस्त 1984

निदेश सं० 70/जनवरी/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

लायकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा २६९-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ का से अधिक हो

ग्रीर जिसकी सं० भूमि एस० सं० 266/2, मेलकोट्टै गांव है, जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, तिष्मन्मलम, मदुरै जिला दस्तावेज सं० 11/84 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त क्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. डिप्पार में मुविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण बं:, में:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री डी० सिन्गारवेल श्रीर श्रन्य

(अन्तरक)

2. श्री डायरेक्टर पी० टी० कृष्णमूर्ति

(अन्तरिती)

भो यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्ण् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस मं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्षाय, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमां प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हाँ, वहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय मो दिया गया हाँ।

मन्स् धा

भूमि सर्वे सं० 266/2, मेलकोट्टै गांव (दस्तावेज सं० 11/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 24-8-1984

प्र**रूप**ु **वार्ष**ु <u>रोः एगः</u> एस<u>ः</u>------

1. श्रीमती वसन्ता

(श्रन्तरक)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) को अधीन सुचना 2. श्री मुस्गन

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयंकर आयंक्त (निरक्षिण) श्रजीन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 श्रगस्त 1984

निदेश सं० 71/जनवरी/84—-यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासनः,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26; वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र दोकार कर 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे सं० 67/3, एटसेटरा पेरियकुलम गांव है, तथा जो सेन्दमंगलम एस० ग्रार० में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सेन्दमन्गलम दस्तावेज सं० 92/84 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यभाग प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निक्निलित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) कत्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के बुधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

णतः अर्थ उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, ज्यक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उद्यास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी स्विक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकारण:— इसमें प्रयुक्त बाब्दों और गर्दों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

नन्जा भूमि सर्वे सं० 67/3, प्रेरियकुलम गांव, सेन्द-मन्गलम (दस्तावेज सं० 92/84)।

प्रेम मालिनी त्रासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 24-8-1984

मोहर 🖫

प्रकृप आहु, टी. एन्. एस. ------

सार्य कि प्रतिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुम्मा

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1984 निदेश सं० 74/जनवरी/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनी ासन,

श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 1679/4085 भूमि श्रीर निर्माण, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रः. में अधिक हैं

श्रगस्तीस्वरम नालुका है, तथा जो बाडीस्वरम गांव मीनार्श्वा-पुरम में स्थित है (श्रीर इससे उपावत श्रनुसूची में और पूर्ण रूव से वींनत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० 1, नागरकीयिल दस्तावेज मं० आयिटम सं० 16 में रिजस्ट्रीकरण पक्षिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का लाउन है कि सथापूर्वोक्त सम्मत्ति का लिखत बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकल को पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित विश्वास गया (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्दोस्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए;
- (स) एसी किसी नाम या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नामकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपकत निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया का वाहिए था ज्यान में सुविधा के सिए;

जत्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थातः ः⊸क श्री ग्रनन्त नारायणन ग्रीर श्री ए० कृष्ण ग्रय्यर

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती ललिता भाई

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्रीहर्या करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सार्था है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिया पर सूचना की सामील से 30 दिन की बविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ये व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त जिमिनयम, के अध्याय 20-कः यें परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा को उस अध्याय ये दिया गया एँ।

नन्सभी

भूमि श्रौर निर्माण: सर्वे सं० 1679/4085, मीनाक्षी-पुरम, वाडीस्वरम गांव, श्रगस्तीस्वरम तालुका, नागरकोयिल पोस्ट (श्राईटम सं० 16)।

> प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 11-9-1984

मोहर 🕄

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आथकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्न्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निदेश सं० 76/जनवरी/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारीं को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं० एस० सं० 4381/1, नारनम्मालपुरम गांव, सं० 249, 250 निर्माण, है, तथा जो नारनम्मालपुरम में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० 11 , तिरुनेलवेली दस्तावेज सं० 156/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1984

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उभत अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में तृतिधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाड़ा चाहिए था, जिपाने में मृत्यिषा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के कथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती मेरी श्रम्माल

(ग्रन्तरक)

2. श्री ए० चित्तिरै

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संपरित में हितबदभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्भी

भूमि स्रौर निर्माण एस० सं० 381/1, नारायणम्माल-पुरम गांव (दस्तावेज सं० 156/84)।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुषत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 4-9-1984

प्रकृष काह^र. टा. एन एस -----

अ.यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1984

13(1) 14(14) 4 13(144 C 1864

निदेश सं० 78/जनवरी/84—-यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- का से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 38, एच० ए० जी० ए० ए० नगर, साल-मन्गलम मदुर है, जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-मूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तालाकुलम दस्तावेज सं० 20/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्क यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित भें बास्त्यिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:....

- (क) अम्तरण सं हुई किसी आय की नावत, उपक्ष अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करणेया उससंबचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विधा के लिए।

अत: अब उन्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुमरण मं, में, उन्न अधिनियम की भारा 269 च को उपपारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती सरोजा ची

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मेयम्मै ग्राच्वी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड़ भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं है 45 विन की अविध या सत्सम्बन्धी श्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में मगाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पन्ति में हिसबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधे इस्ताक्षरी वे पाम लिख्यि में किए जा सके गें!

स्थालीकरण :----इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदा का, आ उक्त. अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

मन्स्यी

भूमि श्रौर निर्माण सं० 38, ए० ए० नगर, एच० ऐ० जी० सालमन्गलम गांव, मदुरै नार्थ नालुका, मदुरै (दस्तावेज सं० 20/84)।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 4-9-1984

शक्य वार्ड. टी. एन. एत. -----

1. श्री एम० ए० सुब्बुस्वामी

(भ्रन्तरक)

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की याख 269-म (1) के संधीन धूचना

2. श्री एस० मुत्तु

(भ्रन्तरिती)

भारत वरकार

फार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1984

निदेश मं० 80/जनवरी/84---यतः मुझे. प्रेम मालिनी बासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 173/1बी, तल्लाकुलम गांव, मदुरै है, जो तल्लाकुलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० तल्लाकुलम दस्तावेज सं० 85-84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1984

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में अस्तिकल हुए में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में मृविधा के लिए और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

अल अब अबत अधिनियम की धारा 269-म को अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीर :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यजाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अत्रिध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियाँ मों से किसी व्यक्ति हुनाए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हमाक्टीकरण ----इसमें प्रयासत शब्दों और पदों दा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया मधा है।

अन्स्ची

भूमि टी सर्वे सं० 173/1सी, तल्लाकुलम, मदुरै नार्थ तालुका, मदुरै (दस्तावेज सं० 85/84)।

> प्रेम मालिनी वासन सञ्जम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

नारीख: 10-9-1984

प्रकप जाद्दी दी . एन् . एस . -----

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन स्चना

भाउत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्तिण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निदेश सं० 81/जनवरी/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि सिरुमले गांव, दिन्डुक्कल है, जो दिन्डुक्कल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० I^I , दिन्डुक्कल दस्तावेज मं० 25/84, 26/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1984

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) कत्तरण से हुइ' किसी जाय की बन्दस्, जिल्का अधिनियम के अधीन कर गीन के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उसले स्वने में स्विधा के सिए; बार/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अपना चाहिये था, छिपाने में सविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---20---276GI|84 1. श्री ग्रार० दन्नुष्कोडी

(ग्रन्तरक)

2. श्री कें० के० कुरुत्ताचलम ग्रौर ग्रन्य

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में काहे भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शास लिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वम्स्वी

भूमि: पट्टा सं० 648 सर्वे सं० 857/1-ई, तिरुमल गांव, दिन्डुक्फल (दस्तावेज सं० 25/84 श्रीर 26/84)

ंप्रेम मालिनी वासन ज़ुझम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 4-9-1984

मोहर इ

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विधीन सुचना

भारत संदुकार

श्चार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण) धर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० 82/जनवरी/84—यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 247, बीच रोड़, 7वां वार्ड, तूतुकुडी है, जो तूतुकुडी में स्थित है (श्रीर इससे उप।बढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तूतुकुडी दस्तावेंज मं० 36/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1984

को पूर्विक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्कत, निम्नलिशित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिश्वित में बास्तविक रूप में किश्त नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायिस्थ में कभी करने या उससे अचने में सृष्यिश के लिए: बार्यां
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

कत:, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण भों, भी, तक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निस्तित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स मदुरै कोट्स लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

 मै० नेशनल कौसिल भ्राफ यंग मैन्स किश्चियन एसोसियेशन भ्राफ इंडिया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी कर्के पूर्वीक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अधिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्वाक्षरी के पास किसित में किए जा सकींगे।

स्पर्ध्यकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्वी

भूमि ग्रौर निर्माण नार्थ बीच रोड, भाग सं० 247, टी० एस० सं० 540/1 भाग वार्ड सं० 6, ब्लाक सं० 5, (दस्तावेज सं० 36/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 13-9-1984

प्ररूप आर्घ. टी., एन., एस.,-----

जायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन क्ष्यन

भारत सरकार

वार्यालय, सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास मद्रास ,दिनांक 4 सितम्बर 1984

निदेश सं० 83 जनवरः /84—स्यतः मुझे, प्रेम मालिनो वासन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्भ 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि, कालमुगम गांव मल्ल समुद्रम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अणुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रामिती अधिकारी के आर्यालय मल्लसमुद्रम दस्तावेज सं० 9/84 में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधान दिनां। जनवरा 84 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से द्रियमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से द्रियमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से द्रियमान प्रतिफल के लिए तय पाया गया प्रतिकल किस निम्निसित उद्वयस से उनत अन्तरण लिखित में बास्य- विकार क्ष्य से संभित नहीं किया गया है द—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निस्त्र को अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने ना उससे वचने में सृविधा के चिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसित्यों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण बं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की जपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवित्तयों, अर्थातः :--- (1) पेरुमल और अन्य

(अन्तरक

(2) श्री के० आक्मुगम ग्रीर अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :——

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- विद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इनमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मां परिभाषित हों, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अन्स्वी

भूमि रार्व स० 305/8, 305/10, 305/4, कंत्रम्गम गांव, मल्लरामृद्रम, सेन्स (दस्ताकेन्द्र सं० 9/84)

प्रेम मालिनि धासन सक्षम प्राधिः।।रः सहायक आग्रायः।अग्रायुक्त (निरःक्षण) ्र अर्जन रेंज 1, मद्रास

दिनांक : ४--१--८४ -

प्ररूप बार्ष.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काथांत्रय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, महास

मद्रास, दिनांक 4 सितम्बंर 1984

निदेश सं० 84/जनवरी/84----यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन.

आयकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० भूमि और निर्माण घार्ड 3, ब्लाक सं० 12, टी॰ एस॰ 772/1, टी॰ एस॰ 774 है, जो 772/2, 774/2बी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से• त्रणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे॰ एस॰ आर॰ 1, पलनी दस्तावेज सं० 79/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसिल उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबुत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविशा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिम के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमासिसिस अक्तियों. अर्थास्यः— श्री टी० सी० राम प्रणन्।

(अन्तरकः)

2. श्री जे० प्रेम सेकरन और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी अयक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीत्र अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनबुध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

भूमि और निर्माण वार्ड सं० 3, ब्लाक सं० 12, टी० एस० 772/1, टी० एस० 774, 772/2, 774/2बी, मधुरै जिला (दस्तावेज सं० 79/84)।

प्रेम मालिती वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 4-9-1984

प्ररूप आइ ु दी. एन्. एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्राक्ष

मद्रास, दिनाक 24 अगस्त 1984

निदेशः सं० 85/जनवरी/84---यन मुझं, प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें उन्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि और निर्माण सं० 19, 2वां स्ट्रीट सिवगेन्गे है, तथा जो परमकुड़ी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीफर्ता अधिकारों के कार्यालय, परमकुड़ी दस्तावेज सं० 133/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 मा 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्त उद्योग्य से उन्त बन्तरण लिशा में बास्तिबक रूप से क्षित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरुण से हुइ किसी आय की वाबत उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा है जिए;

कतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुस्रण मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिक्किनिश्चित व्याक्तयों, अर्थात्:— श्रीमती पेरियम्माल

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० कालिमुत्तम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों 'र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्द्रथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, खो उस अध्याय में विया गया है।

बन्स्ची

भूमि और निर्माण सं० 19, 2वां स्ट्रीट, सिनगेन्गै रामनाड जिला (दस्तावेज सं० 133/84)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्वास

नारीख 24-०-1984 मोहर प्रश्रप् बार्षः टी । एत् , एस , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

महास, दिनांच 18 अगस्त 1984

निदेश सं० 86/जनवरी /84--यत मुझी, प्रेम मालिनी वासन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी संव मोत्तम, अग्रहारम गांव, मुकुन्डपल्ली पन्चायट होसूर, धर्मपुरी जिला है, तथा जो होसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होसूर में दस्तावेज संव 73/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतारितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-दूकन, निम्निसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिसित में वास्त्यिक क्ष्म से कथित नहीं किया ग्या है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधुने में सृहिशा के तिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः संक, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1 मेसर्स हरिता बेरिन्गस प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरक)
- मेसर्स इन्डियन मोटर्स सैविःल्स प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरिती)।

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिक्त में हिसबहुध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में धरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्वी

पूजा भूमि सर्वे सं० 48/2, मोत्तम अग्रहारम गांव, मुकुन्दपल्ली पन्चायट, होसूर पन्चायट यूनियन, होसूर तालुका, दर्मपुरी जिला (दस्तावेज सं० 73/84)।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 18 - 8 - 1984

मोहर 🛭

प्ररूप् आर्थः टो., एनः ए**व**ः,-----

कायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, मब्रास मब्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1984 निदेश सं० 89/जनवरी/84~-यन मुझे, प्रेम मालिनी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

अरेर जिसकी सं० भूमि सिवकासी गांव है जो सर्वे सं० 365, 366, 367 में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिवकासी (दस्तावेज मं० 31/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके इद्यमान प्रतिफल में, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकास अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुइं किसी आव की बाबत, उक्तः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; आहु/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थाद्य :--

1. श्री एन० एस० भास्करन

(अन्तरक)

2. मेसर्स दी नेशनल पेपर कैप्स फैक्टरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भें दिया गया हैं।

नगस्यो

भूभि सर्वे सं० 365, 366 और 367 सिवकासी (दस्तावेज सं० 31/84)।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख 4-9-1984 मोहर प्ररूप् आई. टी. एन. एस. ------

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के जुधीन सूचना

भारत तरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निर्देश सं० 97/जनवरी/84—-यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ध्रेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 359/2ए कुटलिम टौनशिप तेन्कासी एस० आर० है जो उत्तर मद्रास में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० II, उत्तर मद्राम दस्तावेज सं० 7/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जनवरी 1984

फां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क न के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास जरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया इतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुदिधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी जाम या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम, या धन-कर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन , निम्निलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् अल्ल

- श्रीभनी रानी मेय्यस्मै आच्ची आफ चेट्टिनाष्टु (अन्तरक)
- 2. मैं प्रसं इन्डो फेन्च निवोरेटरीज प्राइवेट लिम्टिंड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में कियों जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

व्यावसायिक भूमि आए० एस० सं० 359/1ए और 359/2ए, लगभग 1.12 एकरा-कुटलिम टीनिशाप-तेन्कासी सब रजिस्ट्रेशन जिला (दस्तावेज सं० 7/84)।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम १प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 4-9-1984

मोहर 💰

प्रकर बाह् , टी. एन्, एक्,----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 अगस्त 1984

निदेश सं० 54/जनवरी/84—यतः, मुझे, प्रेम मालिनी षासन

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पश्चात् 'उनत अधितियम' नहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- छ. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 2/202 पुरानी डोर सं० 7/1495, नयी वार्ड सं० 12 है जो फर्स्ट स्ट्रीट डोर सं० 73 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिन्डुक्सल 12/84 वस्तावेज सं० 12/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1984

की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाबार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एद्रेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण तो हुद्दे किसी जाय की बाबत, बक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्ध बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा अन्य आस्तियाँ को जिम्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया जाना चाहिए था, छियाने में स्विधा के लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. पैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 21---276GI|84

1. श्री आर० सिवरामन

(अन्तरक)

2. श्रीमती आर० रुक्मनी और अन्य

(अन्सिरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाशाप:---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सवंभी व्यक्तियों पर स्वना की दामीस से 30 दिन की अवधि, वां बी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकत व्यक्तियों में से विस्ती व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से विस्ती व्यक्ति व्यक्त
- (क) इस स्वता के रायपत में प्रकासन की तार्डीं के 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकेंगे।

नप्त्रची

भूमि देवदानप्पट्टी गांव सर्वे सं० 2120—पुंजा भूमि 1 गुरुकरा और 18 सेन्टस-पुरानी डोर सं० 7/1495 नयी डोर सं० 73 वार्ड 12 (दस्तावेज सं० 12/84)।

> श्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 मद्रास

तारीख: 24~8-1984

प्रकृत वार्षः क्षी. एन . एच . -------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन् सुम्ना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशका) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 84

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एसयू०/1/37ईई/1-84/ 520-अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त मिशिनयम' कहा गया है), की भारा 269- व के मधीन समम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क. सं अधिक है

और जिसकी सं० 603 है तथा जो आशा दीप अपार्टमेंट, हैली रोड़, नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख जनवरी 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उजित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंचन प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तम नाया गया बिक्स, निम्निसित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण कि बित में बास्तिक अप ने कवित वहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

(1) तीरथ राम कपूर एण्ड सन्स (एच-यु-एफ) भार्फत ट० आर० कपूर एण्ड कं० 754, चाबीगंज, काममीरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) के॰ एम॰ अग्रवाल एण्ड सन्स (एच-यु-एफ) 603, आगा दीप अपार्टमेंट, 9-हेली रोड़, नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई थी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विशा मया है।

वन्स्वी

फ्लैंट नं० 4, हेली रोड़, नई दिल्ली, तादादी।

सुधीर चन्त्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १--

तारीख: 12-9-1984

मोहर 🛭

प्रकृप कार्यः ठी. एनं, एक. ४------

नायकड निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के न्यीन सूचना भारत सहकार

कार्यास्य, सहायक माय्कर नाय्कत् (निर्वेक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली नई दिल्लो, दिनांश 30 अगस्त 84

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-84/ 521--अत: मझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् शाबार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० सी-30 है तथा जो पुष्पांजिल, ग्राम-बिजवाशन, नई दिल्लो में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनयम-1961 के अधीन जनवरी-84

को पूर्वोक्त सम्परित के उषित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उषित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बंद्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बस्तरण से हुंदै किसी बाय की वावत वक्क विधिनियम के संधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अपने में बृद्धिधा के लिए; शीर/या
- (स) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिधित व्यक्तियो, अर्थात्:— (1) अंसल प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०, 115 अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रेनु पुरी पत्नी श्री सतीन्वर पुरी, निवासी सी-30, ग्राम-बिजवाशन, नई दिल्ली।

अन्तारता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्
कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वै 45 दिन की अविभिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविभि, वो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पक्षिकरण:--इसमें प्रयुक्त राज्यों और पर्यों का, यो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुमूची

फार्म नं० सी--30, पुष्पांजील, ग्राम-विजयासन, नई दिल्ली, तादादी 2.5 एकड़।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−1, नई दिल्लो

तारीख: 30-8-1984

मोहरः

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 84

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-84/

522—अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 410 है तथा जो 17-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण[रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन जनवरी 84

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल सं, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण है लिखत में बास्तिक रूप से कांचल नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करं, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) अंसल प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०, 115 अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोज कुमार बेरी, निवासी-3-ओरियन्टल कीसेन्ट, सिंगापोर-1128,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, बो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 410, तादादी 455 वर्गफीट, 17-न्टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 4-9-1984

मोहर अ

प्ररूप गार्ध . टी. एन. एस .-----

बायकारु गॅभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 84

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-84/ 523--अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 715 है तथा जो 17-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्व में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन, जनवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्मिरित के उपित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके एरयमान प्रतिफल से, ऐसे एरयमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय को बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में समिधा के लिए; बौर/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्सियों की दिनहुं भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, किया सुदिशा के निए;

(1) मैं० अंसल प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115 अंसल भवन, नई दिल्ली

(अन्तरका)

(2) श्री जतीन्वर लाल सचर श्री अरूण सचर, श्रीमती राज सचर और श्रीमती अचला सचर निवासी-34/22, पंजाबी बाग, नई दिल्ली

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ब कर सम्पत्ति को कर्णन को सम्बन्ध में कोई बाक्सेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस जिथिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

फ्लैट नं० 715, ताबाबी 387 वर्गफीट, 17-टालस्टाय मार्ग, नई विल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

कतः जव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण हो, माँ, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्मिलिकत् व्यक्तियों, अर्थात् क्ष-

तारीख: 4-9-1984

प्ररूप भाइ, टी. एन, एस.,-----

बायकर मोधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली ाई दिल्ली, दिलीक 3 सितम्बर 84 निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए०यू०/1/37ईई/1-84/ 524--अत: मुझो, सुधीर चन्त्रा,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 306 है तथा जो एन० ब्लान, कर्नौट प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नहें दिल्ली भारतीय आयकर अधि-नियम, 1961 के अधीन जनवरी 84

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्रदेश से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ से हुर्द किसी बाव की बावत, बच्च अधिनियंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में बुविशा के बिए; अडि/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

- (1) मैं० एच० सी० मेहता एण्ड कं० 5--एन/24, एन० आई० टी० फरीदाबाद (अन्तरक)
- (2) मैं० कम्पीटेट बिल्डसं, 101, कम्पीटेट हाउस एफ-14, कनौट प्लेंस नई विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई शक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए का सकाये।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्ची

फ्लैट नं॰ 306, प्रताप बिडिंग ब्लाक 'एन' कनाट प्लेस, गई दिल्ली तादादी 742.5 वर्गफीट

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायम आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

अतः अव, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपधार (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीट् क्र---

तारीख: 3-9-1984

प्रक्ष बाइ ुटी , एन . एवं .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 84

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-84/525--अत: मुझे; सुधीर चन्द्रा,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उम्रित बाजार मूक्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसका सं० 314 है तथा जी 19-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्लो भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन जनवरो 84

को प्रांक्त संपत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के उपयाम प्रतिफल को लिए अन्तरिस की गई है और मृस्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक ल निम्निलिखत उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति कि कथा से कथित नहीं किया गया हैं:—

- क) अस्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अभिनियस के अभीन कर दोने के अस्तरक औं वायित्व में कभी करने या उससे अक्षने में सुविधा के सिए; और /वा
- ह) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, स्वतः जिभिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् हि— कैलाश नाथ एण्ड एसोसिएटस्, 18-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली: ।

(अभ्तरक)

(2) निकिया एक्सपोट्स प्रा० लि०, 9-गोल्फ लिकस्, नई दिल्ली

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यप्राहियों शुरू करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी व्यक्ति याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए वा स्कॅगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्सूची

पस्तैट नं० 314, तादादी 500 वर्गफोट, तोसरी मंजिल, अरूणाचल विल्डिंग, 19-वाराखम्बा रोड़, नई दिर्ल्ला।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 6-9-1984

मोहर 🕸

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 सितम्बर 84

निर्वेश सं० आई० ए० सौ०/एन्यू०/1/37ईई/1-84/531—अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसको सं० 71/एम है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्लं में स्थित है (भीर इसेसे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1961 के अधीन, जनवरी 84

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का मंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया क्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बावस, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बणूने में सविधा के लिए; और/या
- (त) एसी किसी जाब या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— श्री भूगन कुमार उपल सुपुत्र, स्व० श्री मुलख राज उपल निवासी-80, पंचगील इन्कलेव, नई दिल्लो-17,

(अन्तरक)

(2) मै० प्रवसो इन्टरप्राइजेज लि०,
 205, सत्या मेन्शन, ए-1, ए-2,
 रणजोत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपरित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स' 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो जक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में पर्श्विमाणित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्रुची

प्लाट नं० 71, ब्लाक 'एम' ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ताचादी 21 वर्ग फीट्।

> सुघीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली

तारीख: 1-9-1984

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस. -----

भागकर विधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अगस्त 1984

निर्दोश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०1/37ईई1-84/535 अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी-29 है तथा जो पुष्पांजलि, ग्राम-बिज-वाशन, नई दिस्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधि-नियम-1961 के अधीन जनवरी 84

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के ६६यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था शा किया जाना आहिए था, छिपान में सुविधा के थिए;

बतः जब उक्त जिथिनियमं की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त जिथिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) के अधीन जिथ्नितिकत व्यक्तियों, अर्थात् ह— 22—276GI84

(1) अंसल प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रोज प्रा० लि०, 115 अंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) बाबा विकम सिंह निवासी'—बी:~223—बी, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली'

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दिकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फार्म नं० सों -- 29, पुष्पौंजलि, ग्राम-बिजवाशन, नई दिल्ली, तादादो 2.5 एकड़।

> मुर्घार चन्द्रा सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, दिल्लो

तारीख: 30-8-1984

,दर ।

प्ररूप., बार्च., टी., एन., एस., ----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायक र भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 84

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-84/ 638---अत: मुझो, सुधीर चन्द्रा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 104 है तथा जो विजया बिल्डिंग, 17— बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, तारीख जनवरीं-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एर्यकान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रहं प्रतिकक्त अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीय. निम्निणिकत व्यक्तियों, अधीय क्र— (1) मैं० गुजराल इस्टेटस् प्रा० लि० 17-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अजीत कौर परनी, स्व० डा० राजिन्दर सिंह निवासी बो-116, निती बाग, नई दिल्ली-49।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए. कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त धव्यों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ਕਰਨਦੀ

स्पेस नं० 104, लोवर ग्राउन्ड फ्लोर, विजया बिल्डिंग, 17-बाराखम्बा रोड़, नई दिल्लो, तादादो 217.2 वर्गफोट।

> मुद्धोर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्त आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्लो।

तारीख: 3-9-1984]

प्ररूप आहे, टी., एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बावकर बायुक्त (निर्**क्षिण)** ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० प्राई० ए० सीं०/एक्यू०/1/37ईई/1-84/543— ग्रत: मुझे, सुधीर जन्द्रा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 602 है तथा जो 22-कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रजन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रिन-नियम-1961 के श्रधीन तारीख जनवरी-84

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत वहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त जिस्तियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; जौर/धा
- (क्ष) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के अधीन निम्निलिश्वत व्यक्तियों. अर्थात :— (1) मास्टर कार्तीके भरत राम घौर,
कुमारी दीक्षा भरत राम,
मास्टर घणीण भरत राम ग्रभीभावक,
दी ग्ररूण भरत राम,
निवासी—25—सरदार पटेल मार्ग,
नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जगदीप सिंह श्रीमती कान्ती सिंह, मास्टर विपन सिंह और कु० शिवानी सिंह निवासी ए-32, न्यु फैन्डस कालोनी, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मं हितबद्रध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण: --इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्या

प्रो॰ नं॰ 602, तादादी 555 वर्गकीर 22 कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

> मुबीर घन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) • श्रर्जन रेंज-1, दिल्नी।

तारीख: 30-8-1284

प्रस्प बाइ. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर मायुक्त (मिरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० भ्राई० एए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-8 548---मत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

कायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के स्थीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 23 है तथा जो हनुमान रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पुर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम-1961 के ग्रधीन तारीख जनवरी 84

करे पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उच्च वचने में सुविधा के लिए; जांड/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों अर्थात् :— (1) श्रीमती कलावती देवी, निवासी-23, हनुमान रोड़, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती श्राष्टा रानी निवासी-16/17, शक्ति नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त एट्टों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निवासीय मकान नं० 23, हनुमान रोड़, नई दिल्ली, तादादी 451.40 वर्गगज, लगभग।

> सुघीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, दिल्ली।

तारीख: 31-8-1984

प्रकप. नाइ. टी. एन्. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर कार्यस्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 5 सितम्बर 84

निर्वेण सं श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-84/ 551--श्रत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 508 है तथा जो 17-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में . ग्रीर पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम-1961 के ग्राधीन, तारीख जनवरी-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वावत उक्त निध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/मा
- (का) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्याने में सुविधा के लिए।

जतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् उ— (1) मै० ग्रंसल प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115 ग्रंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सत प्रकाण वर्मा, श्रीमती निर्मल वर्मा, निवासी-ए-365, डिफैन्स कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पथ्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्यी

पत्नैट नं० 508, तादादी 36 वर्गफीट, 17 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

तारीख: 5-9-1984

प्रस्प बाइं.टी.एन.एस.------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 84

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-84/553--- म्रतः मुझे, सुधीर जन्द्रा बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के जधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं स्प्रीर जिसकी सं० 412-ए, है तथा जो टालस्टाय मार्ग नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध म्रानूस्वो और, पूर्व रूप से विणित हैं), र जिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, म्रजन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनयम-1961 के म्रधीन, तारीख जनवरी-84

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उश्वित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण मिविद्य में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधितयम के जभीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ने, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० श्रंसल प्रीपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115 श्रंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मैं हरीगंगा मलोख्या एण्ड स्टील लिं०, 19-राजिन्बा पार्क, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जार् करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्राहर्या करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी गाक्षेप :---

- (कं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्रो० नं ० 412-ए, टालस्टाय मार्ग, 17 टालस्टाय मार्ग नई दिल्ली, तादादी 482 वर्गफीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली,

तारीख: 5-9-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस ,------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्राजीन रेंज-1, नई विस्ली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रोर जिसकी सं० 1602-ए है तथा जो निरंजिव टावर, 42 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रजन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम 1961 के ग्रधीन तारीख जनवरी 84

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम् पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की शावत उक्त अधि-नियम के अभीन कार धीने के अन्तरक के दायित्व मीं कभी करने या उससे मचने मीं सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निस्तिविक्त व्यक्तिकर्यों, अर्थात् ६(1) मैं० ग्रंसल प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115 ग्रंसल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं ० जे० मिल्ला एण्ड ब्रास प्रा० लि०, 21-डबल स्टोरी मार्किट, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (क्ष) इस सृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी वें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

नगुल्बी

फ्लैट नं० 1602-ए, चिरंजीव टावर, 43, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 483 वर्गफीट।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली

ता**रीख: 4—9—1984**

प्रस्य बार्ड . टी . एव . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1984 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-84/

555---श्रत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की जाय 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25.000/- रठ. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जी-एक-1 है तथा जो 95 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रजन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम-1961 के ग्रधीन तारीख जनवरी 84

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान्
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गईं है और मुम्डे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उन्त बन्तरण लिखित में
बास्तिषक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) सम्बद्धन से हुई किसी बाव की बावत, जेनके वीधनियम के नभीन कर दोने के नन्तरक के दावित्व में कंसी करने या उन्नसे अपने में द्विधा के सिए; बॉट/ना
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के निए;

(1) श्री जगदीण सूद ग्रीर श्रीमती राज रानी सूद निवासी-एच०-21, एन०डी०एस०ई०-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजिन्दर कुमार गुप्ता भौर मुकेश गुप्ता सुपुत्त, श्री राम गोपाल गुप्ता निवासी ए-175, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवड्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीच वें 45 विन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अनिथ, को भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट अपनितयों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तसक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए वा सकेंगे।

स्यक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हर जिधनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वता है।

अनुस्ची

सोप नं० जी॰एफ॰-1, तादादी 493 वर्ग फीट, 95 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रैंज,-1, दिल्ली

बतः वंब, उत्तत विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण कों, मीं, स्वत विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अदे विधीन, निम्मतिखित व्यक्तियों, क्यों/८८—

तारी**ब**: 4-9-1984

प्ररूप आइ⁴. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजीन रेंज-1, नई-दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1984 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-84/ 556--ग्रत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

द्यौर जिसकी सं० 94 है तथा जो एल० जी० एफ०, 17— बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 के ग्राधीन, तारीख जनवरी-84

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूओं यह चिश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य,, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजालनार्थ अभिनियम (1957 किया गया भा या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सृषिधा के सिए;

(1) मै० गुजराल इस्टेट्स प्रा० लि०. 17-बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मास्टर नितीन मोहन यु/जी, श्री जितेन्दर मोहन निवासी-12-लखनऊ रोड, नर्ष दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति कं अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी गाओप :---

- (क) इस स्वना के रंजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किन्सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

बन्स्थी

स्पेस नं० 94, लोवर ग्राउन्ड फ्लोर विजय बिल्डिंग, 17 बाराखम्बा रो,ड नई दिल्ली, तादादी 263.6 वर्ग-फीट।

> सुधीर घन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1. न**ई** दिल्ली

सारीख: 10-9-19**8**4

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260 प (1) के अधीर सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आधकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 31 ग्रगस्त 1984
निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-84557—श्रत: मुझे, सुधीर चन्द्राः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से बिधक है

भौर जिसकी सं० 1006 है तथा जो 22 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन, तारीख जनवरी 84

को प्वांक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्राचित्त के निर्म अन्तरिक उन्हर्न हो और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण हो कि यथापृष्यंचन मन्पान का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरिक (अंतरिका) और यन्तरिकाल से अधिक हो और अंतरिक (अंतरिका) और यन्तरिकाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया हो:—

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिनी व्वाग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उबत अधिनियम की धारा 269-घ की लप्तारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :-- (1) कुमारी श्रपणी गुप्ता, हरमिज विला, 8-ए, कर्माशयल रोड, बाम्बे।

(भ्रन्तरक)

(2) बीं ० एल ० सबू एण्ड सत्स (एच-यु-एफ)
गोविन्द मेशन प्रपो० एल० ग्राई० सीं०
बिल्डिंग, ग्रासनसोल

(श्रन्तरिती)

को यह सृषना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाकीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था है।

मनुसूची

फ्लैट नं॰ 1006, तादादी 562 वर्गकीट 22 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रामेन रेंज-1, नई दिल्ली

सारीख: 31-8-1984

प्रस्थ आर्थः टी. इन_ः **एत**्-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) से अधीन स्थाना

भारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली. दिनांक 30 श्रगस्त 1984निर्देश सं०श्राई०ए०सी०/एक्यू/1/37/ईई/1-24/562:—श्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

नायकर निधनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वस्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिस, जिसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या एन-1 है, तथा जो एफ-14, कनाट सर्कस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय स्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961. के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य सं कम के बस्यमान प्रतिपक्ष्म के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके बस्यमान प्रतिपक्ष सं, एसे बस्यमान प्रतिपक्ष का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिपक्ष, निम्नलिखित उद्धेष्यों से उक्त बन्तरण किवित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी जाय का बाबस, उनस जिम्मित्यम् के अधीन कर प्रति के अन्तरक के दाबित्व में कभी करने या उससे मुचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एंसे किसी बाय दा किसी धन या बत्य कास्सियों की, जिन्ह भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री बृटिण मोटर कार कं० (1934) लि० प्रताप बिल्डिंग एन० ब्लाक, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 कम्पीटेंट बिल्डर्स कम्पीटेंट हाउस, एफ-14, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारकं पृयोजन सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाही शुरू कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सर्जध मा कांड्री भी आक्षप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीं है सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों कर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अशेहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकरी।

स्थव्योकरण:---इसनी प्रयुक्ता जब्दा और पदा का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिस्तिषक्त हैं, वहीं अर्थ होंगा तो उस अध्याय भी तिका गया है।

बन्स्यी

पंलौट नं० एन-1, (पार्ट) एफ०2 14, कनाट सर्कर, नई दिल्ली, तादादी 2710.4 वर्ग फीट ।

> सुधीर चन्द्रा, यक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 1, दिल्ली

नारीख: 30—8—1984

प्रकृष् वार्षं.दी.एनं.एस्.------

बायफर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक नायकार नायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 1 सितम्बर 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/ 1/37ईई/1-84/563:---भतः मुझे सुधीर चन्द्रा.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 404 श्रौर 405 है तथा जो कनाट प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेज~1, नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम 1961, के श्रधीन, जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (कः) वंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उपल जिभिनियम के अभीन कर दोने के शंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सबिभा के निए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कथीन, निम्निनिवित व्यक्तियों, अधीत:— क्रुमारी पूनम चौपड़ा निवासीं—जे—11, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 कुमारी कबीता चौपड़ा भौर प्रीया चौपड़ा, निवासी जै-11, ग्रीन पार्के, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किये जा सकोंगे।

नन्त्रची

प्रो० ने० 404 फ्रोर 405 (1/3) भाग), कम्पीटेन्ट हाउस, एफ-14, कनाट प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 333-33 वर्गफीट।

सुधीर चन्त्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

तारीख: 2-9-1984

प्रकप बार्ष. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1. नहं दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 सिलम्बर 1984 निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37 ईई/1-84/ 564:— ब्रत: मुझे सुधीर चन्द्रा,

सायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाल 'उक्त अधिगायम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिः, जिसका उचित नाजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या 509 है, तथा जो 17 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावज अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर ग्रिध नियम, 1961 के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के क्यूयारा प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितौ (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तल पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नांबत, उपक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने भा सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, सा धन्कर अधिनियम, सा धन्कर अधिनियम, सा धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के निए;

 मे० ग्रंसन प्रापर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115 श्रंमल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)

अभिती सुशमा साहती,
श्री गुलगत साहती
मार्फत श्री जे० पी० साहती
निवासी—263, करोशन 'शानी बिला'
वरेली (यृ० पी०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षण :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन को तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकरें।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाषित हुँ, वहां अर्थ होगा ओ अप अध्याय में दिया गया है।

समय की

फ्लैट न० 590, तादावी 404 वर्ग फीट, 17 टालस्टाय मार्ग, नई विल्ली।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज 1, दिल्ली

शतः शब, उक्त शिधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त बिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (औ के बधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र---

तारीख: 4-9-1984

मोहरः

प्ररूप आहं. टी. एन. एस. - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (३) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यान्य, वहानक जायकंप आधुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 श्रगस्त 1984 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37 ईई/1-84/566:—यत मुक्षे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 414 है तथा जो 22 के ाि मार्ग नई दिल्ली—1, में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज 1 नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख जनवरी, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ऐसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कन निम्नितियों उद्देश से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तद्रम वे हुई कियी नाय की नावत उथत अधिनियम को सधीन कर वेने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे अचने में सुविधा के लिए; बोर्/या
- (स) एसी किसी नाम या किसी भन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय नाम-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिटी द्वारा प्रयट नहीं किया गया वा सिक्या जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुज्यि। के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मं, प्रौ. उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— मास्टर हेमन्त भरत राम श्रीर मास्टर मुमन्त भरत राम, श्रभीभावक श्री विनय भरत राम, निवासी-25 सरदार पटेल मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री तरलोक म्रबरोल,
 श्री बलराम म्रबरोल,
 श्री युधिवर म्रबरोल,
 श्रीर कुमारी मुगीदा म्रबरोल,
 निवासी भरत कारपोरेशन जी० टी० रोड, बटाला, पंजाब।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कुकां और पृथां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है!

ग्रनुसूची

प्रो० सं० 414, तादादी 542 वर्ग फीट, 22 करनूरवा गांधी माग, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, दिल्ली।

तारीख: 30-8-1984

मोहरः

प्ररूप आर्थः. टी. एन. एम. ------

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भा<u>रत स</u>रकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

न्ई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर, 1984

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम शिधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-रु. से अधिक है

मीर जिसकी संख्या 19 है तथा जो बाराखम्बा रोड, नई विल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख जनवरी, 1984।

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रिक्तिल के लिए कन्तिरित की गर्च है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वायत उन्नत अधि-निसम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामिल्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में मूबिया के लिए;

अत: अब; उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण चैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० हैं लास नाथ ए॰ड एसोसियेट्स
 1006, कंचनजंगा, 18 वाराखम्बा रोड,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमतीः हुषं सचदेव, श्रीमती नोक् सचदेव, श्रीमती रोता रानी, निवासी-9801, नवाब गंज, दिल्लो-6।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के. अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

मपुस्ची

ए० फ्लैट ताबादी 500 वर्गफीट, तीसरी मंजिल, 1 बाराखम्भा रोड, नई दिल्ली, श्रवणाचल बिल्डिंग ।

> मुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीख: 6-9-84

मोहर 🛢

प्ररूप माई. टी. एन. एस ******

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, 1 मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर, 1984

सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37 ईई/1-84/571:— श्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमैं इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अभित वाजार मन्स 25,000/- का से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 1002 है तथा जो 13 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शर्जन रेंज-1 नई विल्ली भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के अबीन तारीख जनवरी, 1984

कां पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं काम के स्थमान प्रतिपत्ति के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उनके दश्यमान प्रतिपत्ति में, एसं रस्थमान प्रतिपत्ति का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिश्वित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण तं हुएं किसी काम की बाबत, उक्त मीधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कभी करने या उसमें अचने मी मुलिधा के लिए; और/मा
- (अ) एसा किसा आय या किसा धन वा अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात :---

 मैं० बक्शी विकम विकास कन्सट्रक्शन कं० प्रा० लि० 13-प्रालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

 मास्टर ग्रमित रतन (माइनर) निवासी ग्रार-717, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व ते 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्षं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध . किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ हांगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लेट नं० 1002, तादादी 397 वर्गफीट, 13 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा, स**क्षम प्रा**धिकारी सहायक भ्रायकर **भ्रायुक्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

तारीख: 5-9-1984

मोह्यर 🛭

प्रकृप शाई. सी. एन . एस . ------

नायकर किंपिनियम, 1951 (1961 का 43) की धार 269 **प (1) के अधीन स्पना**

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1984 सं० स्नाई० ए० सी०/एव यू/1/37 ईई/1-84/573:--म्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार्र 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 745-सी०, है तथा जो न्यू फैंडस कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद भ्रनुसूची में पूर्ण रुप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भ्रजैन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम-1961 के स्थीन, तारीख जनवरी, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे वश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ग के लिए तब पावा गया प्रति-क्ष निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तद्भण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जींधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (भ) एसी किसी माम या किसी भन या बन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय वाय-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त विभिन्नियम, या भन-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा या किया बाना वास्तिय वाना वास्तिय के लिए।

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात् :— 24 —276G][84 श्री सूरत बलरम सेठी अमेरिकन न्यु, श्रोमर पार्क, ्बी० देसाई रोड, बम्बई।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती रिंगा बालीया
पत्नी श्री दलजीत वालीया,
निवासी बी~21, मेयफेय गार्डन,
नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

वन्त राम्तित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई श्री नासीर्3--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अवधि या तत्सकारणी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृत्तों कर व्यक्तियों में से किती व्यक्तित दुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन के भारत उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितनकृष किसी अन्य अयिक द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का बकोंगे।

स्वाधीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों कीर पथीं का, जो स्वस् अभिनियम, के कथ्याय 20-क में प्रिताचित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अगत्त्रची

प्लाट नं० 745 सी, तादादी 528 वर्गगज, यानी (400 वर्गमीटर) न्यू फेंडज कालोनी, न**ई दि**स्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 1 दिल्ली

तारीख:12-9-1984

मोहरः

अरूप वाइं.टी.एन.एस.------

माथकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज 1 नई विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1984

सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37 ईई/1-84/576:—-ब्रत सुझे, सुधीर जन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर समंत्रि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- सः से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संक. 1007, है तथा जो 15 टालस्टाय मार्ग नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधकारी के कार्यालय ग्रर्जन र्रेज-1, नई विल्ली भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम 1961 के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1984।

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके इर्यमान प्रतिफल से एसे इर्यमान प्रतिफल का पन्ति का पन्तिकल का पन्ति करना का पन्तिकल से अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

 मैं० अंसल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लिं० 115 अंसल भवन, नई दिल्ली—1।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती चन्दन नारायण मोडवेल श्री रजत मोडवेल, और कुमारी यामिनी मोडवेल, निवासी 21 गौतम पाली, लखनऊ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुजना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

प्लैंट नं० 1007, ताबादी 350 वर्ग फीट, 15 टाल-स्टाय, मार्गे, मई दिल्ली।

> सुधीर **चन्द्रा**, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

> > धर्जन रेंज-1, दिल्ली।

तारीख: 5-9-1984

मोहर ।

क्तः अब, उक्त अधिनियम की भाष 269-ग के अन्सरण कीं, मीं, उक्त अधिनियम की भाष 269-में की उपभाष (1) के अधीन, निम्निल्चित व्यक्तिकीं, अर्थात् ः—— प्रकृप बाईं.टी.एन.एस. ------

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

नार्त सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्षण) प्रजीन रेंज 1, नई दिल्ली नई विल्ली, दिनांक 6 सितम्बर, 1984

म्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उठ. से अधिक है

ग्रौर जिसको संख्या 710 है, तथा जो 17 टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्त्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम 1961, के ग्रधीन तारीख जनवरी, 1984।

को पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतर्क (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बस्तरण खंडू इंकिसी शाय की बायत, उक्त विधिनयम के वधीन कार दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिवाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— मै० श्रंसल प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० 115 श्रंसल भवन 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

श्रीमती बारदा रानी
एण्ड कर० बी० ग्रार० सिंह,
निवासी ए 9/32, बसन्त बिहार,
नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं । उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप्र--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकी।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हरू निधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्री

पलैट नं० 710, टालस्टाय हाउस, 17 टालस्टाय मार्ग, नई विल्ली, तावाबी 455 वर्ग फीट।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सष्ट्रायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्णन रेंज 1, नई दिल्ली

तारो**ख:** 6-9-1984

मोहरः

प्रकृष बाई. टी. एन. एवं.------

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्ना, नई विल्ली

नई विल्ली, दिनांक 30 अगस्त 1984

निवेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/1/37ईई/1-84/578---भतः मुझे, सुधीर चन्त्रा,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 406 है तथा जो 22-कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बिजित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-। भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक जनवरी, 1984,

को प्वांक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य', उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखत में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) ज्ञारण से हुई फिसी नाय की नावर, सकत जीविषय के जबीत कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधां के लिए: वॉर्ट/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

स्तः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :--- (1) इण्टरनेशनल कमेन्टर लि० 4/8 असफ अर्ला रोड, नई दिल्लो ।

(अन्तरक)

(2) मे० स्वराज मोघा प्रा० लि० रिज० आफिस वाई—42, हौण खास, नई दिल्ली—16 ।

(अन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी गाओप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अमिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अमिश बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्रो० नं० 406, तादादी 542 वर्गफीट, 22 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

> [मुद्यीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-। दिल्ली, न**ई दि**फली-11000

विनोक : 30-8-1984

गोहर:

प्रकष् बार्ड्, टी., एस्., एस्.,-----

आयकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सुचना

भारत संहकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निद्धीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई विस्ती

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/1/37ईई/1-84/ 589-अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 722-बी, है तथा जो 89 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसेसे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोफ़र्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन दिनांक जनवरी 1984,

को पूर्शेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रथमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को बारसिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से इर्ह किसी जाम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए आर्टिवा
- (क) एसी किसी आध या किसी भन या अप्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में स्विभा के लिए;

बतः अत्र , उत्रतः जीपनियम की धारा 269-ए की , बनुसरण की , की , इक्त बिधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के प्रधीन, निस्तिशिवत व्यक्तियों , संधीन :—

(1) श्री निरम्बर जीत सिंह, कुमारी सारा खतवाल, श्रोमतो रिवन्दर कौर श्रीर मनश्रीत सिंह, मार्फत यार्क होटल, कनांट प्लेस, नई दिल्ली—-1।

(अस्तरक)

(2) श्रीमती कौशस्या देवी, श्रीमती इन्दु बाला, मास्टर ललित कुमार (माइनर) गनेशी लाल बिल्डिंग, रोशन महल, पानीपत । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्मास्त के नुर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बु से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हो, बही वर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवस्थी

फ्लैट नं० 722-की, तादादी 500 वर्गफीट, 89 नेहरू प्लेस, सातवीं मंजिल, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-9-1984

प्रक्रम आई ० टी० एन्० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के बधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज \rightarrow I , नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1984

निवेश सं० आई० ए० सो०/एक्सू०/1/37ईई/1-84/597--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम कारने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/ रु. में अधिक है

श्रीर जिसको सं० 1511/43 है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक जनवरी 1984.

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतोरत की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिद्धत उद्योदय से उन्त अन्तरण निवित्त में बास्सिनक स्प से कृथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी कहने या उससे बचने में स्विधा के लिए; ज़ीइ/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनयम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

मतः अब, उपत अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सुभाष बायला (एच० यू० एफ०) निवासी---ई---23. पंचशीला पार्क, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री वैवराज कथुरिया, श्रीमती शान्ता कथुरी, श्रीर श्री राजीव कथुरी, निवासी—सी०-91, पंचशीला इन्म्लेब, नई विल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के दिलए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ा---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तरसंगंधी अयिकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किर्मी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

नगतची

फ्लैट नं० 1511 तादावी 721 वर्गफीट, 43 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांफ : 4-9-1984

मोहर ः

प्रकृष मार्घ, टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन स्चना

भारत तरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षण) अर्जन रेंज∸1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 अगस्त 1984

निदेण सं० आई० ए० सीं०/एक्यू०/1/37ईई/1-84/597 ए--अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- से अधिक ही

भौर जिसकी सं० 6/डी, है तथा जो आत्मा राम हाउस, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबस अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज—I, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम—1961 के अधीन, दिनांक जनवरी, 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के इश्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूक्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बोदय से उक्त अन्तरण निकिन में बास्तरिक इस में किथा नहीं किया गया है :---

- (क्क) अन्तर्भ से हुइ किसी जान की बान्त, उक्त अधिनियन के अधीन कर योगे के अंतरण के वानित्य में कमी अरने मा उससे दचने में सुविधा के निए; और/मा
- (च) एंसी किसी नाय या किसी भन या नन्य जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती कृतारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसियत व्यक्तियों, अधीत् हैं— (1) मैं० रैंक इण्डिया प्रा० लिं० आदिनाथ श्री हाउम, अगो० मुपर बाजार, कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तर्क)

(2) मैं० पोयर्ल अपार्टमेंट प्रा० लि० 704, रोहित हाउम, 3-टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वन के सिर्व कार्यवाहिया करता हूं।

उस्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपश् में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए वा सकोंगे।

स्थळाडें करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनलची

प्रो० नं० 6/डी:०, आत्मा राम हाउस, नई दिल्ली ।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-^I, दिल्लो, नई दिल्लो-110002

दिनांक : 30-8-1984

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 31 ग्रगस्त 1984 निदेश म० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/1-84/592--

<mark>श्रतः मुझे</mark>, सुधीर चद्रा,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्व ध्यक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित् बाजार मृश्य 25,000/ एउ. से अधिक हैं

और जिसकी सं 208, है कथा जो 51-52 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायब अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीम, दिनांक जनवरी, 1984,

को पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास कर ने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरित (अन्तरितियांं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निय्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

- (1) मे॰ गैडोर दूत्प (इण्डिया) प्रा॰ लि॰ 51-52 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रेखा रानी सुपुत्री श्रोम प्रकाण श्रीर मास्टर विक्रम सुपुत्र श्री धीरेन्द्र श्रबी, निवासी—9—ए. 142 डब्ल्यू—ई०—ए करील बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

कीं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकालन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वयि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकतो।

स्थल्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उत्सत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किए। गया है।

अगसर्ची

फ्लैट नं० 208, तावादी 320 वर्गफीट, 51-52 नेहरू प्लेस, मई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

जतः नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत हिल्ल

विनांक : 31-8-1984

मीहर :

प्रस्प आहें दी एन एस . - - --

भागकर मधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 260-घ (1) के अधीन स्थना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 धगस्त 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/375ई/1-84/593----ग्रतः मुझे, सुधीरः चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 402, है तथा जो 51-52 नेहरू प्लेम, नई दिल्ली में स्थत है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से विजित्त है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम-1961 के ग्रधीन दिनांक जनवरी, 1984.

को प्वेंक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की वावत, उक्त निधिनियम के नधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के हिन्छ; बहि/या
- (स) एसे किसी आह ए िज्सी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिणाने में मुविभा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिवित व्यक्तियों, अधीर :——
25—276GI|84

(1) मे॰ गैडोर ट्ल्म (क्रिंड्या) प्रा॰ लि॰ 51-52 नेहर लिस, नई विल्ली ।

(अन्तरक)

(2) क्रिगेडियर जी एस० साहनी सुपुत्र एस० सन्त सिंह साहनी, श्रीमती मोहिन्दर साहनी पत्नी क्रिगेडियर जी० एस० साहनी, निवासी—सी०-227, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उमत सम्परित के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचन । करेराजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस कथ्याय में विया गया है।

अमुसूची

फ्लैट नं॰ 402, सादादी 400 वर्गफीट, 51-52 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांफ : 31--8--1984

प्ररूप जाई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की । धारा 269-थ् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1984.

निवेण सं० श्रार्ड० ए० मी ०/एक्स्प्०/1/37ईई/1-84/596- ~ श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क है अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उचित जाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 210 है तथा जो 51-52 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रिवियम 1961 के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1984.

को पूर्वोक्श संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूर्य, उनके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोक्य से उक्त अन्तरण सिकित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की आवत, उत्तर अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में लगी करने या उससे अचने में सृविधा अंदिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपान में मंबिधा के लिए;

क्षतः अत्र उक्त कथिनियम की श्रास '269-ग के अन्तेन्छ । भी, भी, त्वत अधिनियम की धारा-269-घ की उपधारा (1) के अभीन, किम्नलिखित व्यक्तियों, अथात :---

- (1) भे० गैडोर टूल्स (इण्डिया) प्रा० सि० 51-52 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रामा पत्नी श्री रमेण खुबानी, निवास ---ए-1/71, पंचणील इन्क्लेब, नई दिल्ली । (ग्रन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की बविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पट्टोकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, यही अर्थ होगा, को उस सभ्याय में विया गया है।

वरसची

फ्लैट नं० 210, तादावी 230 वर्गफीट, 51-52 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी गहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-9-1984

प्ररूप आहें, टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 30 भ्रगस्त 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/1-84/532---म्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

स्रौर जिसकी मं० सी०-5, है तथा जो पुष्पांजील, ग्राम-विजवाणन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रोर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय, श्रजन रेज-I, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रिधितियम -1961 के श्रधीन दिनांक जनवरी 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसं दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अप्विक्ति प्रतिशत में अधिक है और अन्तरण के लिए तथ पाथ! गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वासाविक रूप से कथिन नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री प्रमोद कुमार जैन निवासी---3501, कृतुब रोड, दिल्ली। (अन्तरिक)
- (2) श्रीमती अन्त मुखर्जी और श्रो बाल्मीक मुण्डकर, निवासी—24-सुन्दर नगर, नई दिल्ली—3, श्रव ए—6 गुलमोहर बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध मा कार्श भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

प्रो० नं० सी०-5, पुष्पांजील, ग्राम--बिजवाशन, नई दिल्ली तादादी 2.5 एकड़।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली दिल्ली-110002।

दिनांक : 30-8-1984 मोहर: प्रकंप बाइ. टी. एन. एत. -----

जायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-च (1) के मधीन सुचना

मारत बहुकार

कार्याजन, सहायक जायकर जामूक्त (निर्देशका) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश मं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37ईई/1-84/547---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदेवास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 204, है तथा जो 07-08 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक जनवरी, 1984.

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निखत में बास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण् वे हुई किसी नाय की बाबत, उक्त प्रक्षितियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक कें दावित्य में कभी करने वा उत्तरे अचने में सुविधा के सिष्; बौर/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्म अधिनियम, या अम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण कें. में: उक्त अधिनियमं की धारा 269-चं की उपधारा (कें के अधीन, जिस्सीसिक स्थापितकों, अधीत् :--- (1) श्रीमती प्रभजीत कीर परनी श्री गुरजीत सिंह श्री र श्रीमती गुरवन्त कीर परनी डा० तिरलीक सिंह, निवासी—जै-11/49 राजीशी गार्डेन , नई दिल्ली मार्फत डा० तिरलीक सिंह भाली बाजार भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) मैं० डावर इण्टरनेशनल 102/27 सरस्वतो हाउस, नेहरू प्लेस, नई विल्लो ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्तित के अर्जा के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख की 45 दिन की अपिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियां में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 कि के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध िन्सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लि खत में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अध्यान जो उस अध्यान में विया गया है।

वग्स्पी

फ्लैट नं 204 ब्रिलिंडग नं 67-68 नेहरू प्लेस, नई दिस्ली तादादी 497 वर्गफीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1100021

विमाक : 12 · 9-1984

माहर :

प्रारूप आहु . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नयी दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निदेश सं अाई ० ए० सं । ० एक्यू / 2 / 37ईई / 1-84 / 339--- अतः मृक्षे, आर० पी० राजेश,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं 12/29, है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई विस्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबत अनुसूचों में पूर्ण रूप से विज्ति है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिस्ली भारतीय आयक्तर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख जनवरी, 1984.

पूर्वोक्त सम्मित्त के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल में, एसे दश्यमान प्रतिकाल के पन्न्नह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तविक रूप से किथा गड़ी किया गया है हिन्स

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) श्रीमती एकमणी काई तलकार निवासी—बी—12, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रं जगवंग राज पथेला, निवासी--6/22 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्लो, श्रीमती राम प्यारी पथेला, निवासी--6/22 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्लो।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ निवित में किए जा सकाँगे।

स्यक्षीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कन्यों शीर पर्वों का, वा उक्त विभिन्नियम के बध्याय 20-क में परिभाविक हाँ, वहीं जुर्थ होगा जो उस नुध्याय में दिया गुबा हाँ।

नगत्त्रजी

प्रो॰ नं॰ 12/29 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, तावादी 200 वर्गगण ।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक : 17-9-1984

त्ररूप नाइ े. टी: एन ः एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ले

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/1-84/338---अतः मुझे, आर० पी० राजेश.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43)। (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं जो-7ई, श्रीर है तथा जो जो०-12-ए, आजाद पुर कम्प्लेक्स, दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारो के कार्यालय, अर्जन रेज-2, नई दिल्ला भारतीय आयकर अधिनियम-1961, के अधीन दिनांक जनवर्द 1984

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ते अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अब्द नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए ता, व्यापने में सुविधा के निए।

अतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रो एस० पी० अग्रवाल सुपुद्ध श्री पन्ना लाल, बी०-ए, इलेवन-ई, डा--डी० ए, फ्लैंट्स, मितरका नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) टी॰ एम॰ अपार्टमेंट प्रा॰ लि॰ आदिनाथ श्री हाउस, अपी॰ सुपर बाजार, कनाट सर्कस नई दिल्लो ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांश से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थादिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नग्त्वी

प्रो॰ नं॰ जी॰-7-ई श्रौर जो-12-ए, ग्राउण्ड फ्लोर, ए-4/1, आजादपुर कम्प्लेक्स, दिल्ली तादादी 82 वर्गफीट ।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांफ : 17-9-84

प्रस्य बार्ड .टी. एव .प्या. -------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

नारत परकत

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2. नई दिल्लो नई दिल्ली, दिनांक 17 सिसम्बर 1984 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37ईई/1-84/337---अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 403, ए-4/1, है तथा जो आजादपुर कम्प्लेक्स, दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में पूर्ण ह्या से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक जनवरी 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रिक्तिल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जात की बाबत, उक्त जीपीतवस के जभीन कर दोने के जन्मरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्यः आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कवः, जक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निमिलित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती अमरजीत कौर श्रीर श्रीमती कुलदीप कौर निवासी--228, चान्द नगर, पो० तिलक नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरकः)

(2) टी० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस, अपो० मुपर बाजार कनाट सर्करा, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितकों में से किसी स्थित ब्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा अकरेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकैत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्याः गुवा है।

अनुसूची

प्रो० नं० 403, ए-4/1, आजादपुर कम्प्लेक्स, दिल्लो, तादादी 433 वर्गफोट ।

आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारा सहायक आगकर शायका (निरंक्षण) प्रजैन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विमाक ा 17-0-1984 ो गोहर: प्ररूप मार्च. टी. एन. एस. -----

अगुयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली नई विल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निवेश मं० आई० ए० सी०/एन्यू०/2/37ईई/1-84/335---अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 201, ए-4/1, है तथा जो आजादपुर कमण्लेक्स, दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारों के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ला, भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उच्का जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूमरण भ. भ., प्रकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्हलिखित व्यक्तिस्या, अर्थातः :-- (1) आ बलजोत सिंह जता.
 निवासी—जै-3/136, राजोरी गार्टेन,
 नई विस्ली ।

(अन्तरक्)

(2) टो० एम० अपार्टमेंट प्रा० लि० आदिनाथ श्री हाउस. अपो० सुपर बाजार, कनाट सर्जेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह**ू**।

उक्त सम्परित को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस स्चमा के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिश्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नवा हैं।

अनुसुची

प्रो॰ नं॰ 201, बिल्डिंग नं॰ ए→4/1, आजादपुर, क्मप्लेक्स दिल्ली, तादादी 513 वर्गफीट ।

> आर० पो० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 17-9~1**98**4

प्ररूप आहं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निदेश सं अाई० ए० सी ०/एक्यू०/2/एस०-आर-1/1--84/894--अतः मुझी, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसके। सं० 2388-90, श्रौर 2399-2404 है तथा जो फरास खन्ना, दिल्ला में स्थित है (श्रौर इसने उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारताय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक जनवरी-84

को पृषींक्त सम्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के निम्मू तम प्राया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण में हुई किसी नाय की शबत उक्त जीच-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिये; और/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन बन्य आस्तियों को, विक्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में शृतिभा के जिए:

अतः अवः, जकतः अधिनियमः, की धारा 269-ग के अन्मरणः जैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) जे अधीनः, निम्निलिखित व्यक्तियों, कर्यातः :——
26—276GI/84

(1) श्रोमनी लक्ष्मी बाई पत्नो स्वरु आता जालु राम कुमार निवासी——आर/9351, मुलतानी ढण्डा पहाड़ गंज, दिल्ला ।

(अन्तरक)

(2) श्रो बनारमा दास सुपुत्र श्रा गोपाल दास. निवासी—ए-16, गुजरानवाला टाउन, दिल्ली—23 ।

(अन्तरिती)

को मह मुचना जारो कारके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी का से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

1/3 भाग प्रो० न० 2388-90, धार 2399-2404, बार्ड नं० 7, जा० रोड के 11छे, फरास खन्ता, दिस्त्रो, तादादी 452 वर्गगज ।

> आर० पा० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्य आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 1-7-9-1984

अध्य आहो. ८। . एन . एस .. -----

अग्राकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

ार्यालय सहायक आपक्र आप्यत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ला

नई दिल्लं , दिनाल 17 सिलम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० १५०/एसयू०/2/एस०—आर-।/1-84/ 895—अनः मुझे, आर० पं० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पञ्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000 (न्याः में अधिक ही

स्रौर जिसका संव 4-के/6288 है तथा जो कोल्हापुर रोड, कमला नगर, दिल्ला में स्थित है (स्रौर इसमे उपायद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), शजिस्ट्रें कर्ता अधिकारों के कार्यालय, दिल्ली में भारताय रजिस्ट्रेंकरण श्विनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक जनवरा 1984

- (क) अन्तरण प हाई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी अरने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी विभी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, पा धनकर अधिनियम, पा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिनिधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्नीकिंगित व्यक्तियों अधीत :--- (1) श्रीमता चन्दर वता देवा पतना पत्नी स्व० श्रा कृष्ण गोपाल, निवासी — 4-के/6288, कोल्हापुर रोड, कमला नगर , दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुगन सिंह सुपुत्र श्री कांगी रामी निवासी—5494—ए, चन्द्रावल, दिल्ली । (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्याराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

त्रो० नं० 4-के/6288, कोल्हापुर रोड, बामला नगर, दिल्ली तादादी 37-1/2 वर्गगज ।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनोंक : 17-9-84

प्रस्प बार्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निदेश मं० आई० ए० सो०/एकपू/2/एस०-आर-1/1-84/ 896--अतः मुझे आर० पी० राजेश,

बायक स् अधिनियम, 1961 (1901 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- 'का से अधिक हैं"

यौर जिसकी में 4-के/6288 है तथा जो कोल्हापुर रोड कमला नगर दिल्ली में निषत है (यौर उनसे उपाबड अनुसूचों में पूर्ण रूप से विगत है) रिजिस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनगरी 84.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रहयमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सांपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफाल से, एसे रहयमान प्रतिफाल का एन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और सन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफाल, निम्तिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निकात में शास्तविक रूप से किथान नहीं किया गया हैं.....

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्य में कमी कारने या उससे बचने में मुविधा के लिए; बार/या
- (श्व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अवः, उका अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मार्ग, उका अधिनियम की बारा 269-म की उपधास (1) ते अधीन, निम्नीविश्वित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री अवदेण कुमार मुपुत्र स्व० श्री फूण्ण गोपाल, निवासी ----4-के/6288, कील्हापुर रोड, कमला नगर, दिल्ली ।

(यन्तरक)

(2) श्रा विजेन्दर सिंह सुपुत्र श्रा कांगी रामः निवासः—--5494/ए, न्यू चन्द्राब्लः दिल्लाः । (अन्तरिताः)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस मुसना क राष्या मा उठावन की लारोष भे 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्ध व्याक्तियों पर सुपना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेक्ति स्पितियों में में व्यिक्ष व्यक्ति द्वाराः
- (का) इस सूचना क राजपत्र मो प्रकाशन को टार्गिस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिला मों किए एए यकाँगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा व्यां उस अध्याय में दिया गया है।

मशान नं ० 4-के/ $\frac{6}{288}$ कोल्हागुर रोड, फमला नगर, दिल्ली, तादादो 37-1/2 वर्गगज ।

आर० पो० राजेग सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, गई दिल्ली-110002

दिनांक: 17-9-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायक २ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाँरा 269-ध (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निदेण मं० आई० ए० सो०/एक्यू०/-2/एस०-आर-1/ 1-84/899--अतः मुझे, आर० पो० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 4269 है तथा जो गली छंगा कुआं, अजमेरी गेट, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में पूर्णस्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984

की पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुद्दं किसी भाव की वाबस, उनके विभिन्नियम के वभीन कर देने के बन्तरक के दायित्य में कसी करने या खबते वचने में नृष्टिभा के लिए; बीर/वा
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !——

(1) श्रोमतो मनीशा पत्नो श्री मोतो लाल, निवासो — 4215 गर्ला शाहतारा, अजमेरी गेट, विर्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुसुम लता पत्नी श्री राम किशन. निवासी—4265 गली शाहतारा , अजमेरी गेट, दिल्ली ।

(अन्सरिती)

क्यं यह सृष्यमा चारी करके पृथाँकत सम्मत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:-;

- (कं) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की जबिध या तत्सरबन्धी व्यक्तियों पर
 स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों सस
 स्थानतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितवदृष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे:

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्रो० नं० 4269, गर्ला छंगा कुआं, गर्ला शाहतारा, अजमेरी गेट, दिल्ली-सादादी 77.75 वर्गगज ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 17-9-1984

मोहर 🕸

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2. नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 17 सिठम्बर 1984

निदेश स० आई० ए० म्। $/\sqrt{2}/\sqrt{4}$ ०-आर-1/1-84/903-अतः मुझे, आर० पं/० राजेण.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित हाजर मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

प्रीर जिसकी से 2226-29, (ओल्ड) है तथा जो 2121-2122(न्यू) बहादुरकगढ़ रोड, दिल्लो, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रें कर्ता अधिकारों के कार्यालय, दिल्लो में भारतोय रिजस्ट्रें करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरों 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और म्मं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक स्प से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचनं में मुजिधा के लिए; और/या
- (ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिर्या की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अतः गथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में उक्त ओधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) डा० असफर रहमान, सुपुत्र स्व० जिमलुल रहमान, निवास:—181. सुखदेव विहार, मथुरा रोड, नई दिल्ली ।

2. श्रामतो असीफा वेगम, पत्नी श्री जैनुल अविडीन खान, मुपुत्री स्व० श्री जिमलुल रहमान, निवास:—2237 नया मोहस्ला, गली कामीम जीन दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री अरुण कुमार गुप्ता (एच-यू०एफ) ए द्वारा श्री अरुण कुमार गुप्ता मुपुत्र श्री श्याम सुन्दर गुप्ता, निवासा---ई--69, कमला नगर, दिल्ली । (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध भी कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितीं पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूजीन व्यक्तियों मों सं किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहरनाक्षणी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

1/4 भाग अविभाजित डबल स्टोरी बिल्डिंग प्रो० (स्रोल्ड) नं० 2226-29, स्रोर न्यू नं० 2121-2122, तादादी 330 वर्गगज, बहादुरगढ़ रोड, दिल्ली ।

> आर० पा० राजेंग नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

. दिनांक : 17-9-1984

प्ररूप माइ", टी. एत. ५स. - - - ----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आपुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०-आर-1/1-84/904--अतः मुझे, आर० पो० राजेण, ब्रायकर जीविनियम, 1961 (1961 व्य 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-भ के जभीन तक्षम अधिकाशी को पह भिष्टाम करन का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 2121-2122, है तथा जो बहादुर गढ़ रोड. दिल्ली में स्थित है भीर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्व रूप में विजत है), रिजस्ट्रोक्त अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रोक्सण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान. दिनांक जनवरी 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान जोताकर के लिए अन्तरिश को गर्च है लॉग गुने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान पितकल में पूर्मि गृह्ममान पितिकल का पुर्मि गृहममान पितिकल का पुर्मि अन्तरिक्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया जिएका विक्वितियां पुर्मि अन्तरण के लिए तय पाया गया जिएका विक्वितियां पुर्मि से उपन जन्तरण किंग्सिंग में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उपक अधिनियम के अधीन कर वार्त के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने ये मृतिधा के लिए आप/का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयान्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणं कॅ., मॅं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तिस्मा, अधित क्ष—

- (1) श्रो मोहम्मद अहमद सुपुत स्व० शेख जिमलुर रहमान, निवासों—→181—मुखदेव विहार, मथुरा रोड, नई दिल्ली। 2. आसोया तिमल, सुपुत्री स्व० श्रो शेख रहमान, निवासों—→2237—नया मोहला, गली कासोम, जान, दिल्ली।
- (2) श्री अरुण कुमार गुप्ता (एच० यू० एफ०)
 द्वारा श्री अरुण कुमार गुप्ता,
 सुपुत श्री श्याम सुन्दर गुप्ता,
 निवासी—ई-69, क्षमला नगर, दिल्ला।
 (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों तर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की नारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा बचांहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

स्पद्धिकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

1/4 भाग प्रो॰ नं॰ 2121 श्रीर 2122, (पुराना नं॰ 2226-29) बहादुर गढ़ रोड, विल्ली, सावादी 330 वर्गगण ।

> आर० पो॰ राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्लो-110002

्दिनांक : 17--9--1984

मोहर 🕄

प्ररूप बाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायकः आयकार आयुक्तः (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 सिलम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०-आर-1/84/ 905--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित दाजार मन्य 25,000/-रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 2226-29 (ग्रोल्ड) है तथा जो न्यू नं० 2121-2122, बहादुरगढ़ रोड, दिल्लो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ अनुसूर्च में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 84,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अग्विशियों) के बैच ऐसे प्रतिफल के खिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकिंग उद्देश्य से उक्त भन्तरण के खिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकिंग उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्त-विक छए स स्थित नहीं बिया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई विश्वो माय की शावत उपत धिन निवम के बंबीन कर देने के अस्तरक के वायक्य में कमंग करन या उससे बचने में सुविधा के विद्या मौद/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, फिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुपरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) डा० मोहम्मद इकबाल जिमल 2. अताया रेहमान सुपुत्र ग्रीर सुपुत्री स्व० शेख जिमलुर रहमान निवास:—2237 नया मोहला, गली कासीम, ज्ञान, दिल्ली: ।

(अन्तरक)

(2) श्रः अरुग कुमार गुप्ता (एच०-यू०-एफ०) द्वारा श्रः अरुण कुमार गुप्ता सुपुत्र श्रं क्याम सुन्दर गुप्ता, निवासो—ई-69 कमला नगर, दिल्ला—7 ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) एवं स्वारा को राजगण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद को समाय होती हो, को भीतर पूर्वाकर स्वीकर को में ने किसी स्वीकर दरारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुभ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गण हो।

मन्स्ची

1/4 अविभाजित हिस्से प्री० डंबल स्टोरो घ्रोल्ड नं० 2226-29, तथा नया मं० 2121-2122, तादादी 330 वर्गगज, बहादुर गढ़ रोड, दिल्ली ।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर म्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रंज-2 बिल्ला, नई विल्ली-110002

दिनोक : 17--9--84

म्येष्टर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बासम्बद्धः बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन गणना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्नाक्षण) अर्जन र्रेज-2, नहें दिल्ली • नई दिल्ली: दिनांक 17 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सं $10/एक्यू०/2/एस<math>\rightarrow$ आर $-1/1\sim$ 84/906 \rightarrow अतः मुझे, आर० पो० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एमके प्रकार पाल अधिनियम नहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करवे का आपना है। इस्थावर मध्यमि, जिस्ता अधिन बाजार मध्य 25,000/- रह. से विधिक है

श्रीर जिसको सं० 2226-29 (स्रोल्ड) है तथा जो न्यू 2121-2122, बहादुरगढ़ रोड, दिल्लो में स्थित है (श्रीर इसे मे उपावद अनुसूच: में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984.

को पर्वा किस संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को स्वयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का फारण है कि गथापर्शिक्त संपत्ति को लिए जाति जाता गण्य , उसके उर्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण म हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दिस्ति मो कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के नितर ।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के बाधीन, निम्मानिशिय व्यक्तियाँ, अर्थान क्रिक्त

(1) श्रामता एशादा खातुन विषया पत्नो श्री शेख जमिलर रहमान, निवासी:—2237 नया मोहल्ला, गली कासाम जान, दिल्ली, श्रीमता स्क्लेहा बेगम मुपुद्धा स्व० शेख जमिलर रहमान, पत्ना श्री रहमान इलाही, निवासी:—2234-नया मोहल्ला, गली कासीम जॉन,

(अन्तरक)

(2) श्रं। अरुण कुमार गुप्ता (एच०-यू०-एफ०) द्वारा श्रं: अरुण कुमार गुप्ता सुपुत ग्याम मुन्दर गुप्ता, निवासा--ई-69, कमला नगर. दिल्लो--7 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग अविभाजित हिस्से डबल स्टोरी बिल्डिंग प्रो० नं० नं श्रोल्ड 2226-29, न्यू नं० 2121-2122, तादादी 330 वर्गगज, बहादुरगढ़ रोड, दिल्ली ।

आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 विल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 17-9-1094

फ्रहर **बाइं.टी.एन.एस**् ::------

भायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्देक्षण) अर्जन रेंज,-3

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निदेश स० ग्राई० ए० सी० /एक्यू०/2/एस० भ्रार०-1/
1-84/908--श्रतः मुझे, ग्रार०पी० राजेश
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्सास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जिलत बाजार मृत्य
25,000/- रा. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी सं० 479सी० हैं तथा जो मजलिस पार्क कालोनी
दिल्ली में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर
पूर्ण रूप से वींजत हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय,
विल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का
16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकार्ग) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय कर बाबत, उक्त बिधिनवम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; औड़/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या जन्म जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात्ः—— 27—276GI|84

- (1) श्रीमती बीन्द कौर पत्नि श्री हरनाम सिँह निवासी 203, गुप्ता कालोनी, दिल्ली, द्वारा जी० पी० ए० श्रीमती चम्पा रानी पत्नि श्री मृनी लाल महाजन, निवासी एफू०→29, डेसु (डी०-ई०-एस०-यू०) कालोनी, गुडमन्डी, दिल्ली।
- (2) श्री मुनीलाल महाजन सूपुत्र श्री लक्ष्मन दास, नि० एफ०--29, (डी०-ई०-एस०-यू०) डेसु कालोनी, दिल्ली। (प्रम्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है .45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हुई 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्भावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

एक प्लाट नं० 479 ब्लाक 'सी' ग्राम बावला, खसरा नं० 262, 258 | 217 | 4, ग्राबादी मजलिस पार्क कालोनी; दिल्ली, तादादी 111 वर्ग गज ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज−2, विल्ली, नई विल्ली−110002

दिनांक : 17~9-1984

मोहर

प्रकप्_न बाइ⁴ं टी<u>.</u> एस्_न एक*ु ४००७*

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाडु

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 जी०-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी० ग्रार० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली दिनांक 17 सितम्बर, 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2 एस० मार०~1/ 1-84/913—म्रत: मुझे, भ्रार० पी० राजेम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 1737, है तथा जो छटा हाजी इक्राहिम, बालीमारान दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, दिल्लो में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रीमान तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है द—

- (क) बंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी भन रण खन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27% को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सिवधा को लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति स्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै॰ मोहम्मव युनूस एन्ड कं॰ बालीमारान, दिल्ली, द्वारा भागीबार मोहम्मद युनूस सुपुत्र श्री हैवर, बालीमारान, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ईप्रवर प्रसाद सुपुत्र श्री शिव चरन दास, निवासी 1028, गली चानुक सवारन बाजार, लाल कुमां, विल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के संबंध में कोई भी वालीए हैं-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

बन्दर्वी

भाग प्रो० नं० 1737 ग्राउन्ड फ्लोर, महली मंजिल का पूरा भाग, वार्ड नं० 5 छटा हाजी इज्ञाहिम, हवेली हिस्सा मुदोन हैदर, बालीमारन, दिल्ली, तदादी 18 वर्ग गण।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजेंन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 17-9-1984

भोहर:

श्वन् बार्च, दी. एन. इस. ----

नायकेंद्र विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाग्र 269-व (1) के वधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयंकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2

जो-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी० ग्रार० बिल्डिंग, इद्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 17 सितम्बर 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2 एस० ग्रार०-1/ 1-84/916--श्रतः मुझे, श्रार०पी० राजेश

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित बाबार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 29/88, है तथा जो वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रबीन तारीख जनवरी, 1984

को पृत्रों वत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्बोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दग्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से खक्त अन्तरण निजिबत में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क्क) बन्तरच वे हुई किसी बाय की शायत, उक्त मधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वं) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने में सृत्रिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सन्तोष कुमारी, बलीप कुमार और कुमारी श्रनीता, निवासी-29/87, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जीवन कुमार वर्मा, निवासी-2380, शादीपुर मंडी वाली गली, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्थेना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पति के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास लिसित में किए आ सकोंगे।

स्यष्टीकरण: ----इसमें प्रयाकत शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हाँ, बहां अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

अनुसुची

प्रो० नं० 29/88 विस्ट प्रोत नगर, नई दिल्लो, तादादी।

श्वारण पाँच राजेश सझम प्राधिक्षरी सहायक आयकर आयुक्त (निरुक्षण) अर्जन रेंज-2 नई दिल्ला-110002

दिनांक : 17-9-1984

में हर :

प्रकृष आहुँ हो हो पुरा पुरान्तवार का

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्याख्य, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी० ग्रार० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई विल्ली नई दिल्ली, विनांक 17 सितम्बर, 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/1-84/917—आतः मुझे, आर० पी० राजेश, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 849, है तथा जो गली गोन्डोवाली, हवेली ग्रजाम खाम, चितलीकाबर, दिल्ली—6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कर्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री—करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 6) के ग्रधीन जनवरी, 1984

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षाप् वें कित सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिहास से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) कन्तप्रण से हुई किसी जाय की बाबत अक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। जारेंद्र/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कतः अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हे— (1) 1 श्री श्रब्दुल गफ्फार (2) मोहम्मद जिकारिया, (3) मोहम्मद इवरीस (4) मास्टश्रमतुल हफीज सुपुत्रगण एवं सुपुत्री स्व० श्रब्दुल लतीफ एलीयस मोहम्मद लतीफ हुसैन, निवासी-2236, गली चमारे वाली बाजार चितली काबर, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भोहम्मद यासीन सुपुत नूहदीन, मोहम्मद तुफेन श्रीर मोहम्मद खलील सुपुत्रगण मोहम्मद यासीन सभी निवासी—849 गली गोंडोवाली श्राजमखान बाजार चितली काबर, जामा मस्जिद, दिल्ली—6।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्न बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्षित्यः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों सौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बनस ची

मकान नं० 849 गली गोंडोवाली, हवेली ग्रजामखान बाजार चितली काबर, जामा मस्जिद, दिल्ली-6, तावाबी 109.7 वर्ग गर्ज।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-- 110002

विनोक : 17-9-1984

मोहर 🌶

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकत्र मायुक्त (निर्द्धीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2

अजन रज-2 जी०-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी० ग्रार० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/1-84/921 -अतः मुझे, आर० पी० राजेश, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 41 है तथा जो हरीजन कालोनी, साबन पार्क दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबब ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जनवरी, 1984

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के छायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके छायमान प्रतिफल से एसे छायमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चवेय से उक्त अन्तरण सिसित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त जिल्लाम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉट्र/या
- (ब) एसी किसी जाव या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, अवत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल्:— (1) श्री प्रदयोत कुमार सन्याल
सुपुत्र श्री प्रफुला कुमार सन्याल
निवासी 570 बी० गली नं० 81,
रेगरपुर करोलबाग नई दिल्ली।
श्रीमती ज्योत्सना बागीची
पत्नी श्री के० सी० बागीची,
सुपुत्र श्री प्रफुला कुमार सन्याल
टी-23/8, मुकमा घाट, पटना।

भन्तरक)

(2) श्री विजय सिंह सुपुत्र श्री हरज्ञानसिंह कन्हेंया सिंह सुपुत्र श्री हरज्ञ न सिंह, मोहिन्दर सिंह ग्रीर रमेस सिंह, सुपुत्र श्री हरज्ञान सिंह, निवासी-390 वजीरपुर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनिहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाओंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया जया हैं।

नन्त्री

मकान नं० प्लाट नं० 41, हरीजन कालोनी, सावन पार्क दिल्ली, तावादी 200 वर्ग गज ।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 17-9-1984

मोहरः

त्ररूप् नार्क्षेत्र क्षीत् प्रस्तु एस्.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2

जी~13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी० आर० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/ 2/एस० 1-84/922--अत मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से **निभक है**

और जिसकी सं० 5,828/13 है तथा जो गली मटके वाली सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित नाजार मृख्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वीक्त संपत्ति का उचित गजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय अतिफाल निम्नलिखित उद्देश्यासे उत्तर जन्तरण लिखित् में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से धुर्दिकती अग्र की बावत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की कायित्व में कभी कड़ने या उत्तस्ये ब्यूने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया भावाकिया वाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) 📦 वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६---

- (1) (1)श्रीमती खान्दोबाई विधवा परिन श्री लोकनाथ
 - (2) ईश्वरदत सुपुत्र श्री लोक नाथ निवासी 161,वासदेव नगर, अधा मगल, दिल्ली
 - (3) धरमचन्द्र सुपुत्र श्री लोक नाथ
 - (4) प्रवीत कुमार (5) राज कुमार स्प्त श्री पूरनचन्द
 - (6) श्रीमती गान्ती देवी विधवा पत्नी श्री पुरन चन्द
 - (7) श्रीमती कमलेश रानी
 - (8) कुमार सविता सुप्रतीपूरनचन्द निवासी - 5 रामा पार्क, किशन गंज दिल्ली। जी० अटार्नीश्री विनोद कुमार श्री राजिन्दर कुमार।

(अन्तरक)

(2) श्री गंगाराम स्पूज़ श्री पोखर वास, निवासी 1598, मोहल्ला मदरसा, मीर जुमला, लाल कुआं, दिल्ली, (2) श्री तनसुखदास सुपुत्र श्री जिन्दा राम

निवासी 1-ए० 35-सी, डी० डी० ए० फ्लेटस , अशोक विहार-1,

नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कंसे 45 दिन की जबिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीख से 45 विनु के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी बन्य व्यक्ति दुवार अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है 🕕

नगसनी

सोप नं० 5828, वार्ड नं० 13, गली मटके वाली, सराय हफीज बंस, सदर बाजार, दिल्ली, तावादी 12.97 त्रर्गमीटर ।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, विल्ली, नई विल्ली-110002

दिनांक 17-9-1984 मोहर :

प्ररूप भाइ.टी. एन. एत. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2

जी० 13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी० आर० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर, 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एकपू०/2/एस० आर०-1/1-84/923. — अत मुझे, आर० पी० राजेश जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जिवत बाजार मूल्य

और जिसकी सं० 952 है तथा जो गली तोता मैना, तिलक बाजार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1984

25,000/- रत. से अधिक है

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित के बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में समिधा के निए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अजः, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) श्रीमती तथावा खातून पत्नि स्व०श्री मोहम्मद जमील शमीम अहमद मोहम्मद अहसन, मोहम्मद जाहिद सुपुत्रगण मोहम्मद जमील, निवासी-1049 मोहल्ला किशनगंज, तेलीवाला, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० ए० बी० सी० डाइज एन्ड केमीसल्स, गली तलियान तिलक बाजार, दिल्ली द्वारा श्री सुनील कुमार खुराना, सुपुत्र श्री गोपीचन्द छुण्ण खुराना जी-96, अशोक बिहार-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया हारा करता हूं।

उनत संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🖫--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त
 स्वित्यों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक हाल वो कमरे, लीन स्टोर एक किचन एक स्टोर बाकी खुला सहन, प्रो० नं० 952 गली तोता मैना तिलक बाजार दिल्ली ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2, दिल्ली, नई दिल्ली~110002

विनांक: 17-9-1984

मोहर 🗧

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर करिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीत स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्जन रेंज-2 जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर मी० आर० विल्डिंग इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 17 सितम्बर 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एन्यू /2/एस० आर०-1/ 1---84/924---अतः मुझे, आर०पी० राजेश

कायकर मिंगियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2349 है तथा जो बस्ती पंजाबीयन, सब्जी मंडी, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अजिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेच्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्त्रिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है हम्म-

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी शाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के वार्धित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों,∫ अधीत् ः— (1) श्रीमती सतवन्त कौर पत्नी श्री स्व०रावल सिंह निवासी 2349 बस्ती पंजाबीयन, सब्जी मंडी विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वमीयान्ती देवी पत्नी श्री बीपन बिहारी शर्मा निवासी 4420 गली लौटन वाली पहाड़ी धीरज दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ 2349. बस्ती पंजाबीयन सक्जी मंडी दिल्ली तावादी 176 वर्ग गज।

> आर०पी०राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2

> > विल्ली नर्ष विल्ली-110002

दिनोक 17-9-1984 मोहर

त्रुरूप् कार्च्, टी., एन. एस.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-म (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2

जी-13. ग्राउन्ड फ्लोर सी० आर० विल्डिंग इन्द्रप्रस्थ स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 17 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० मो०/एक्यू०/2/एस० आर०--1/ 1-84/927--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000 / वर्त से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० सी-190 है तथा जो मानसरोवर गार्डन, नर्द्र दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्ष अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्वित भाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उण्वित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजितित उत्तिथ्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त विधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक को वायित्व में कमी धर्म या उससे बचने में स्विधा के सिष्ट; व्यद्धिवा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए था किया ने सिंह के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भैं अधीन. निम्निचित व्यक्तियों. क्यांक ह— 28—276GI|84 (1) श्री जोगिन्दर लाल मार्नाह सुपुत श्री गनपत राय मार्नाह निवासी ए-2/290 जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलवन्त सिंह मेहता श्रीर श्री मोहिन्दर सिंह मेहता सुपुक्षगण श्री गुरदीप सिंह मेहता निवासी-एफ०-159 सुदर्शन पार्क नई दिल्ली-15।

(अन्तरितो)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त क्याति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से .45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० सी-190, सी ब्लाक, मान सरोवर गार्डन, नई दिल्ली, तादावी 220 वर्ग गज ।

> आर० पी० रार्जेण ृ्विक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली / नई दिल्ली-110002

दिनांक : 17-9-1984

प्रारुप आई. टी. एन. एस.------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2
जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी० आर० बिल्डिंग
इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1984
निदेण सी० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1
1-84/931--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-स के अधीन मध्यम प्रधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हो कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 2256 है तथा जो गली इकोटा तुर्कमान गेट, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूर्वी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकृती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकृरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1984

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अत्रतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (2) श्रः अब्दुल हिक्सिम सुपुत हाजि बुन्दु खान निवास - 886, हवेलः अजाम खां चितलः काबर, दिल्लः।

(अन्तर्मा

(2) मोहम्भद मस्ताकाम मुपुत्र अब्दुल क्याम, निवासा-1291,गला घाराफ वालो, काला महल, दरिया गंज,नई दिल्ली। मोहम्भद रफोक सुपुत्र मोहम्भद हनिफ निवासी-गला गोदने वाला काला महल दिल्ली।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्रेसा है।

अन्स्**ची**

डबल स्टोरो बिल्डिंग एम० पो० एल० नं० 2256 वार्ड नं० एक्स० तादादी 66.7 वर्ग गर्ज गली डकोंटा तुर्कमान गेट विल्लो ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, / नई दिल्ली-110002

दिनांक : 17-9-1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अजंन रैंज∽2
जी-13 ग्राउन्ड फ्लोर सी० आर० बिस्डिंग
इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्लो
नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1984
निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूट. से अधिक हैं

1-84/933--अतः मुझे, आर पंा० राजेण,

ग्रीर जिसको मं० 7901 है तथा जो वाडं नं० 15, राम नगर, दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारा के कार्यालय, दिल्ला में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न्लिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निभित्त में बास्त्रिक इप से किथात नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय का वाबत, उकत निवस के ब्योन कड़ दीने के बन्तरफ के वादित्व में कमी कड़ने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; मीर/या
- (च) एंसी किसी नाव या किसी भन था जन्य नास्तियाँ का, चिन्हुं भारतीय नावकर निभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर निभिन्नियम, या धन-कड् निभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ नन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया नाता वाहिए था, कियाने में सुविधा ने सिए;

जतः, अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात्:— (1) श्रो भरत सिंह सुपुन श्रा सुख लाल निवासी बी-2/257, पश्चिम बिहार, नई दिल्ली।

(अन्तर∵)

(2) फूड कार्परिशन आफं इन्डियावकर्स यूनियन 58, डिमान्ड हारबर रोड़,कलकत्ता-23, द्वारा जे० एस० श्री घनश्याम जैना।

(अन्तरितः)

कांयह सूर्यना जारी करके पृत्रोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यनाष्ट्रियों करता हूं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाझरे :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की सर्वाध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हु।, के भीतर प्रविक्त स्वादा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर। के पास निश्चित मों किए जा मकोंगे।

स्थाध्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका

बन्स्पी

2-1/2 मंजिला मकान नं० 7901, तादाद $^{\circ}$ 122 वर्गगज, वार्ड नं० 15 अचाद $^{\circ}$ राम नगर विस्तो ।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज-2,विस्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांचः : 17-9-1984

प्रस्त् बाई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुभना

. भारत सरकार

कार्यौलय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 अग्रवाल हाऊस, 4/14ए ग्राफस अली रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनोक 17 सितम्बर 1984 निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/

1-84/935---अतः मुझे, आर० पो० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य

25,000/- रा. से **मधिक ह**ै।

श्रीर जिसकी सं० 20/48 है तथा जो शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1984

को पूर्वा क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (बन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीबक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) बच्चड्रम् चं हुद्द किली बाय की बाब्द्य, उक्त विधितियम के सभीन कर दोने के बंतरक के दायित्य को कती कर्ने या उस्दे बचने में सुविधा के लिद; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसत व्यक्तियों, अर्थीत् :--- (1) श्री नरेश कुमार जैन सुपुत्र श्री राजेन्द्र कुमार जैन, निवासी-1865, र्वा नगर, नई दिल्ली-35।

(अन्तरकः)

(2) श्री शंकरलाल अग्रवाल, कैलाश कुमार अग्रवाल, सपुत्र श्री बाबूलाल अग्रवाल, निवासी-20/48 शक्ति नगर,दिल्ली, रोशनारा एक्सटेंशन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंग।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 20/48, शक्ति नगर, विल्लो, तादादी 200 वर्गगज ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 17-9-1984

प्ररूप बाइरें, टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर भायकत (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-11

भ्रम्भवाल हाउस, 4/14ए, श्रासफ श्रली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार-1/ 1-84/936—श्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेण

आयक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 2788 है तथा जो आर्या समाज बाजार, सी ताराम, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूध। में भीर पूर्ण स्प से बणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्याभय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथिक नहीं किया गया है:—

- (क) ज़ल्तरण से हुई किसी जाब की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आहु/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर निधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा नै सिए;

अतः अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री राघे मोहन गुप्ता सुपुत्र स्व० श्री मुरारी नान गुप्ता निवासी-17, रेशमां बिल्डिंग,खना, सीताराम बाजार, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरला देवी परिन श्री वीर सिंहु, निवासी--606, गलो कुमाहारन मोहला गंज, मीरखान, दिल्ली,

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में की इंभी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 2788, गली लाख ह्वेली श्रायसिमाज बाजार, सीताराम, दिल्लो, तादादी 56-1/2 वर्ग गज ।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक 17-9-1984 मोहर प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. - - -

न्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-II भ्रममाल हाऊस 4/14ए, आसफ अली रोष्ठ, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-1/1-84/940—-श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जे-122, है तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) राजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, विल्ली में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के प्रत्ये दश्यमान प्रतिफल के प्रत्ये दश्यमान प्रतिफल के प्रत्ये प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जिभिनियम के जभीन कर देने के जन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के सिए; जौर√या
- (ग) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

(1) श्रीमती विकया वती परिन श्री राम नाथ शर्मा, निवासी-जे०~122ए, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भन्तरक

(2) श्रीमती सुरजीत कीर पत्नि एस० हरबन्स सिंह, निवासी-एच०-12, राजोरी गार्डन, नई दिल्लो ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के नास किस का किस जा रक्षेण :

स्पद्धीकरण:---इसमी प्रण्वत सब्बो और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हो, वहीं अर्थ हीमा जा अप अध्याय भी दिशा गया हो।

मन्सूची

प्रो० नं० जे०-122, राजोरी गार्डन, एरिया ग्राम-बसईदारापुर, दिल्ली राज्य दिल्ली, तादादी 94.35 वर्गगज,

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-11, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 17-9-1984 मोहर: प्ररूप आहें. टी. एन. एस. - ---

आधकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुखन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज—[[अग्नवाल हाऊस, 4/14ए, आसफ ग्रमी रोड, नई दिल्लो नई दिल्लो, दिनांक 17 सितम्बर 1984 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०−1/ 1−84/941——अत: मुझे, श्वार० पी० राजेण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क से अधिक है

श्रीर जिसकी शं० 3424 है तथा जो गला बजरंग बली बाजार सीताराम, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ना श्रिष्ठकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन तारीख जनवरी, 1984 को पूर्वीशत सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई है और मूकों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उपने स्थमान प्रतिफल का न्यूह प्रदिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रति-

कल, निम्नलि**चित उद्योग्य से उत्यत अन्तरण लिचित** में वास्त-

विक रूप से कथित नहीं किया ग्या है: ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; अदि/बा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनआर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तिरिती दवार प्रकार नहीं किया गर्थ वा या किया करना कांग्री किया करना सामि

बतः वयः अवतः अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्री कैलाश वन्त शर्मा(प्ली हर)
सुपृथ स्वर्थ श्री रात चन्द शर्मा,
निवासी—153, लाल कुर्ती, श्रीगरा कैट,
वर्तमान निवासी—बी 10/13,
कृष्णा नगर, दिल्ली,
श्रटानी एवंर सही भोई श्री स्थाम सुन्दर,
मुपुत स्वर्शी राम चन्द्र शर्मा।

(श्रन्तरक)

(2) श्री बाब्राम सुपुत्र श्री ईश्वरी प्रसाद,

- (2) श्री सतीश चन्द, (3) श्री श्रदीप कुमार,
- (4) श्री सुनील कुमार सुपुत्र श्री वाबू राम,
- (5) मास्टर संदीप कुमार (माइनर) श्रीभभावक एवं पिता श्री बाबू राम निवासी-3424, गली मुरधन एलियस गली बजरंग बली, बाजार सीताराम, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपर्तिता में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारो।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों अर्तर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यो

1/4 भाग प्रो० नं० 3424 गली मुरधन एलीयस गली बजरंग बली, बाजार सीनाराम, ताददी 83 वर्ग गज, नई दिस्सी।

श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली/-110002

दिनांक : 17-9-1984

मोहर 🔝

प्ररूप आई". टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज**~**

अग्रवाल हाउम, 4/14ए ग्रामफ अनो रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/ 1-84/943-श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 2114 से 2117 तथा 2124 से 2126 है तथा जो मस्जिद खजूर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सारीख जनवरी, \

को पूर्वोक्ष्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूख्य, अक्षक दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्द्वदेशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 : 1922 का 13 या उक्त अधिनियम, या धन-कः अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री राजिन्द्र मोहन सुपुत श्री लाडली मोहन, निवासी, 2113, मस्जिद खजूर,दिल्मी।

(ग्रन्तरक)

- (2) (1) श्रो छेदी नाल सुपुत्र श्रो जय राम
 - (2) श्रीमती पन्ना देवी पत्नि श्री छेदी लाल
 - (3) श्रो लक्ष्मी नारायण (4) श्रोम प्रकाश,
 - (5) श्री विनोद कुमार सुपुत्रमण श्री छेदीलाल, निवासी-2119, मस्जिद खजूर, दिल्लो ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पान निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

1/4 भाग/प्रो॰ नं॰ 2114 से 2117 से 2124 से 2126 मस्जिद खजूर, दिल्ली, तादादी 106 वर्ग गज।

श्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्ण रेंज—II, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 17-9-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाहाँ. ठी. एन. एस.-----

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-2

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 2114 से 2117 है तथा जो 2124 2126, मस्जिद खजूर, विल्ली में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जनवरी, 1984 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवींक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके इश्मान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे इन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीक्षक, निम्नसिक्त उद्दोक्य से उक्त बन्तरण कि बिक्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण ते हुई जिल्ली जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व हैं कभी करने या उससे अचने में तृविधा के तिण; और/या
- (ख) एंसी किसी नाय या किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्च अन्तरिती व्याच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनसरण कें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित प्यक्तियों, अधीत :---29---276GI|84 (1) श्री जवाहरलाल सुपुत्र श्री लाख्नली मोहन ।, निवासी-2113, मस्जिद खजूर, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री छेदीलाल सुपुत्र श्री जयराम,
 - (2) श्रीमती पन्ना देवी पर्नि श्री छेदी राम
 - (3) श्रीलक्ष्मी नारायण,
 - (4) श्रो भ्रोम प्रकाश,
 - (5) विनोद कुमार सभी सपुत्रगण श्री छेदी लाल, निवासी 2119, मस्जिद खजूर, दिस्ली।

(म्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास लिखित में किए जा सकरेंगे।

न्यव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गुरुष हाँ।

नगत्त्री

1/4 भाग प्रो० नं० 2114 में 2117सं 2124 2126; मस्जिद खजूर दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्लो, नई दिल्लो 10002

दिनांक: 17-9-1984

नोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थार्थ 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (नि:रीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अग्रवाल हाऊस 4/14ए, आसफ अली रोड. नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 17 सितम्बर 1984 निवेण सं० आई० ए० सी०/एक्यु /2/ए आर-/1, 1-84,957-अतः मुझे, आर पी० राजेश

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- उ. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० 2/35 है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का- 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1984

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गईं है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफूल का अंक्ष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नितियों उद्वेदिय से उचत अंतरण विचित में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के द्रायित्य में कभी करने या उससं बचने में सृत्रिक्षा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 260-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती लीलावती गोवल परिन श्री नन्द गोपाल गोयल, मकान न० 18, रोड़ नं० 65, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्सरक)

(2) श्री ज्ञानी जगजीत सिंह
सुपुत्र श्री सोहन सिंह,
निवासी-65,न्यू रोहतक रोड़,
नई दिल्ली,
वर्तमान 4/78, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

ननस्यो

प्लाट नं० 2, रोड़ न० 33, पंजाबी बाग, नई दिल्ली, तादादी 370 वर्ग गज ।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

विनांक : 17--9-1984

प्रकृष् बाह्यु टी. पुरुष प्रकृत —

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकाह

. कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II

अग्रवाल हाऊस 4/14ए, अ:सफ अली रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०,एक्यू०,2,एस० आर०,1,1-84/961---अतः मुझे आर० पी० राजेश

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० एच० 11 है तथा जो बाली नगर, ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्जित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं अर्ग यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उंसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिमियभ को अधीन कर दोने को अन्तरक के यामित्व में कभी करने वा उससे बचने में त्रीवधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती सुरजीत कौर, विधवा पंत्ति सुरिन्वर पाल सिंह, और जगदीप, रितु वालिम सिंह और हरप्रीत सिंह, 48,3, ईस्ट पंटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्**तर**क)

(2) श्री पृथ्वी राज नागपाल, सुपुत श्री वीर भान, मार्फत मै० धमीजा एन्ड सन्स, ई-1, बाली नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष्ट् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षिप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति वारों,
- (क) धम सृचना के राजपत्र में प्रकाशन को शारी है ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरण :— इसमें प्रयुक्त खन्दों और पद्यों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विया गया है।

वर्त्यो

1/5 भाग प्रो० नं० एच 11, बाली नगर, नई दिल्ली, ग्राम बसहचारापुर, दिल्ली राज्य दिल्ली, सावादी 150 वर्गगज।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहाधक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 17-9-1984

- श्रुरूपः आर्षः, टी., एन., एस्. - - - -

कामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मृ (1) के कभीन सुम्बना

HITE USING

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज -1^{1} , † अग्रवाल हाऊस, 4/14ए, आसफ अली रोड,

नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर, 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०,आर०-1/ 1-84/965--अतः मूझे, आर० पी० राजेश

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स॰ 1366 हैं तथा जो फज गंज, दिल्ली, बहादुरगढ रोड़ में स्थित हैं (और इसमें उपांबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन् किती आधु की शब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शामित्व में कभी करते या उससे अक्षे में स्विभा नी सिए; अडि/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के लिए;

जतः शव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृतरम भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) श्रीमती इन्धर देवी गिरधर, पत्नि श्री हरीचन्द गिरधर, निवासी बी० एम० 86, शालीमार वेस्ट, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमतबी माथा देवी, परिन श्री सुभाष जैन, निवासी-1366, फैंजगंज, बहादुरगढ रोड़, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनसर्वी

प्रो० ० 1366, फैजगंज, बहादुरगढ़ रोड़, दिल्ली, तादादी 69 वर्ग गज ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, धिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 17-9-1984

प्ररूप बार्ड . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भाग्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11,

अग्रवाल हाऊसः 4/14 ए ग्रासफ अली रोडः

नर्षे दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 1-84/968---अत मुझे, आर० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

💅 िक स्थावर संपत्ति जिसका उचित बालार मृल्य 25,000/-रत. सं अधिक है

और जिसकी सं० 26/15 है तथा जो नजफगढरोड़, इन्ड० एरिया स्कीम, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1984 को पूर्वोक्त संपर्तित को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंप्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाथा गया प्रति-फल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-बिक रूप से किष्ठु नहीं किया पना 📽 🖫---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (व) ऐसी किसी नाथ या किसी भन या अस्य आस्तियां को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दाधन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपाले में सुविधा के सिए ;

बत्ः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित स्यक्तियाँ, अर्थातः :----

(1) श्री राधेश्याम चिरंजीलाल गोइंका, डायरेक्टर और जी०ए० मैं नेशनल केमिकल्स इन्डस्ट्रीज लिं० 26, शिवाजी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरकः)

(2) आचार्या अरुणदेवश्री प्रहलाद परवल, 1 – डाक्टर लेन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के निव् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राज्यत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा नधीह-शाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

नम्स्ची

प्रो० नं० का भाग 26, तादादी 26/15, नजफगढ़ा रोड़, इन्दडस्ट्रीयल एरिया स्कीम, विल्ली, तादावी 53.66 वर्गगज।

> आर० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक : 17-9-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- ,

अग्रवाल हाऊस 4/

नई दिल्लीं, दिनांक 17 सितम्बर 1984

14ए, आसफ अलीं रोड, नई दिल्लीं

निर्देश सं० आई० ए० सो० एक्यु/8/एस० आर०-1 1-84/ 970---अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एक से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 4461 से 4463 है तथा जो अजंता णोपिंग पहाड़ीं धीरज, दिल्लीं में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारीं के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (908 का 16 के भ्रधीन, जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निल्तित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के वन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे वचने में सुविधा के लिए; अट्टिया
- (ब) एसी किसी बाय या किसी भन बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर बिधिनियम, या भनकर बिधिनियम, या भनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्सरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्तव् कित्यों, अधीत्:— (1) सर्वश्री
हेमचन्द जैन, दीप चन्द जैन,
सुपुत्रगणश्री गिरन चन्द जैन,
सुरेण चन्द जैन, सुपुत्र श्री राम चन्द जैन,
सतीय चन्द जैन और प्रवीन चन्द जैन,
सुपुत्र श्री ग्रेम चन्द जैन सभी
निवासी—4628, मेन रोड़,पहाड़ी धीरज,
दिल्ली,
अटार्नी श्री दया चन्द जैन।

(अन्तरक)

2 मैं० जैंन स्वेटेम्बर प्रोपर्टी ट्रस्ट, 4530, पहाड़ी धीरज,दिल्ली, ब्रारा श्री मित्तर सेन जन, सुपुत्र श्री नथुमल जैंन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्प्रीत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा नया है।

अनुसूची

4/10 भाग अविभाजित हिस्से 3-1/2 सोप ग्राउरड फ्लोर, म्युनिसीपल नं० 4461 से 4463, पहाड़ी धीरज, दिल्ली और 4464-4465।

आर० पी० राजेम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली- 11002

विनांक: 17-9-1984

अरूप आर्द. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना भारत सरकार.

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--2

जीightarrow 14, ग्राउन्ड फ्लोर, सी॰ आर॰ विल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नक्द दिल्ली

नर्ष दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1984 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/ 1-84/974--अत मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 13/6957 (न्यु) है तथा जो ओल्ड 13/6555, सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाधक अनुसूची में और सूपूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिक ल से एसे दश्यमान प्रतिक ल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक ल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक लप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियी को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः कवः, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन :---

(1) श्री सत्था पाल सुपुत्र श्री हरीराम, निवासी—42,पश्चिम मार्ग, वसन्त विहार, दिल्ली।

(अन्तर्क)

(2) श्रीमती तीबेनी देवी परिन श्री सन नारायण, निवासी-42-ए०, कमला नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्स के अर्जन के लिए कार्यवाहिया बास्त करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिमित में कियो जा सकरंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशः गया हैं।

अनुसूची

प्रो० नं 0 XIII/6057 (न्यु०) और XIII/6555 (ओल्ड) सदर बाजार, दिल्ली, तादादी 70-1/2 वर्गगज।

> आर०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 17-9-1984

प्रकृष् भाद्रौ.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 जी-13, ग्राउन्ड फ्लीर, सी० आर० बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर, 1984 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/एस० आर०-1/ 1-84/978--अत मुझे, आर० पी० राजेश

बायकःर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्याते 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण 🖹 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसदा उकित याजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 13/6234-35 है तथा जो गली पाकी बारा हिन्दु राव, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीझर्ता अधि-कारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीलरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वो अत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गुद्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं। और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक जे वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में यिया के लिए;

बत: बब, सक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन भनम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री जगन नाथ सुपुत्र श्री जोधाराम, निवासी, एक्स 111/6234-35, गली पाकी वाली. बारा हिन्दूराव, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) संदीप कुमार गोयल सुपुत्र श्री ओम प्रकाश गोयल, निवासी-2980, फैज गंज, बहाधूरगढ रोड़, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोएं भी आक्षेप ---

- (क) इस स्चाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विगकी जविभ या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 विन की अविभि, वी भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुक्षेक्त र्ध्याक्तयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की **दारीय थे** 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मुभोहस्तासद्वी के पाद निवित में किए जासकों गे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त बिधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुरी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा 🗗 📒

जन्स्यी

प्रो॰ नं॰ एक्स 111/6234-35 (न्यु॰) गली पाकी, बारा हिन्दु राव दिल्ली, तादादी।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी मुहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊸2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 17-9-1084

प्ररूप आर्चे. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-म (1) में सभीन त्यमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2,

नई दिल्ली दिनांक 17 सिसम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० /2/एस० आर०-2/ 1-84/979--अत: मुझे, आर० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-उ. से अधिक है

और जिसकी सं 0 13/6234→35 है तथा जो गली पाकी वाली, बारा हिन्दू राव, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1984

की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार बृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे इस्बान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित कि निम्नितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का, निम्निलिश्त उद्देश्य से उच्यत अन्तरण जिख्ति में बास्तियक कप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) व्यव्यक्त वे हुई किसी बाय की वायत सकत अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक कें बासित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिया से स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के अर्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित को फ्तर्यों, अर्थात् ः——
30—276GI|84

श्री जगन नाथ सुपुत
 श्री जोधा,
 निवासी XIII 3/6234-35,
 गली पाकी वाली,
 बारा हिन्दू राव,
 दिल्ली।

(अन्तरकः)

(2) श्री राकेश कुमार गोयल सुपुत श्री ओम प्रकाश गोयल, निवासी 2980, फैंअ गंज, बहाबुर गढ़, रोड, बिल्ली।

(अन्तरिती)

श्री यह शृचना था<u>री करके पृवाँकत सम्पत्ति के अर्</u>जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विश्विष भाष में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाकीकारणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को सकत विभिन्नियम, के लभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस लभ्याय में दिया भवा है।

नगराची

प्रापर्टी नं∘ 13/6234~35, (न्यू) गली पाको वालींक बाराहिन्दू राव, दिल्ली, तादादी 85.5 वर्ग गज।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख 17~9→1984 **मोहर**ः

प्रकृप बाह्री, डी. एस. एड्.------

बार्क्ट वृधित्वित्र, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ब्धीन सूचना

साउच् ब्रह्मच्या

कार्यासय, तहायक नायकर नायुक्त (निर्दोक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नहिदिल्ली, दिनांक 15 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यें०/2/ एस० आर०−2/ 1−84/981——अत मुझे, आर० पी० राजेश

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परशात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार कृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 13/2722 है तथा जो तेली वाड़ा, दिस्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के स्पर्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1984

की पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए गंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय माया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्देश्य से उसत अन्तरण निम्नलिधत में वास्तियक रूप में कांध्रत नहीं किया गया ही है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के तस्तरक अध दावित्य में कमी करने या उसने द्वार में बृविधः के नित्र अधि/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी थन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिये वा, छिपाने में स्थिभा के लिए;

अतः अब, अकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती शाहिदा बेगम, निवासी 2722, तेली वाड़ा, दिल्ली।

(अन्तरकः)

(2) श्रीहफीक अहमद, निवासी 2722, तेली वाड़ा, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वेक्त उक्त स्थावर सम्पत्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

मकान नं ० 13/2722, तेलीवाड़ा, दिल्लो तावादी ।

आर० पी० राजेग सक्षम प्राधिकारी सहाक्ष्य आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारी**ख :** 17—9—19**8**4

मोहर !

प्रक्य बाह्र . टी . एन . एस . -----

· भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के धंधीन सुभना

बाइत संस्काह

कर्भातय, सहायक श्रायकर आयुक्त (िरिशेषण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/2/एस० आर०-1/
1-84/983-अत मुझे, आर० पी० राजेश
बायकर घोष्टिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त घोष्टिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ से
अधिक है

अधिक है
और जिसकी सं० 265 से 277 है तथा जो ओल्ड नं० 329
में 332 सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण का से बणित है), रिकस्ट्री उत्ती अधिकारी
के अधिलय, दिल्लीमें जिस्ट्री करण अधिलयम, 1908 (1988
का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1984
को प्वॉक्त मंपत्ति के उतित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान
प्रतिकाल के लिए अंतरित को गई ही और मुझे यह विश्वांस करने
का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार
पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्र
प्रतिकात से प्रधिक है और प्रत्यक्त (प्रस्तरकों) प्रोण प्रस्तरिती
(ग्रन्तरितिणों) के बीज ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखन उद्देश्य में उक्त प्रत्यार विकार में वास्तिकक
स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिशियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसये बचन में मुविधा के सिए; जीर/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय प्रार्थकर श्रीक्षित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीक्षित्यम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाण प्रत्तिरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या था किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में गुविद्या के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारां (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत:— (1) श्रीमती उमिला रानी जैन पत्नी श्री नरेश चन्द्र जैन, श्री अरविन्द कुमार जैन, औरश्री अनिज्ञ कुमार जैन सुपुत्रगण श्री नरेश चन्द्र जैन, निवासी-6, पूसा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीलम जैन पत्नी श्री सतीन्त्र कुमार जैन, श्री सुधीर कुमार जैन सुपुत श्री प्रेमचन्द्र जैन, निवासी 4171, गली अहिरन, पहाड़ी धीरज, दिल्लो-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्य, सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्मित्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत है 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि साद में समाप्त होनी हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तिया में स किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र मो प्रकारण की तारोज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकास मा किए जा सक्षण।

ल्यक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, खे उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया प्या है।

अनुसूची

1/2 भाग अविभाजित 3-1/2 मंजिला मकान तादादी 350 वर्ग गज, प्रो० नं० 265 में 277, ओल्ड नं० 329 से 332 राजा मार्केट, अयोजिट नारायण मार्किट, सदर बाजार, वार्ड नं० 14, दिल्ली- $\cdot6$ ।

आर० पो० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख 17-9-1984

योद्वर 👙

प्रक्ष बार्च डो. ह्या एक क्यान्य

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नयी दिल्ली नयी दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस०-आर-1/1-84/984--अतः मूझे, आर० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3091 है तथा जो गली सुशीला कली, मस्जिद दिल्ली में स्थित है (और इसस उपाबद अनूसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच ए से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के खित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:→

- (क) अन्तरम से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तों अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

मतः चम, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) इ अभीभ, निम्निलिचित स्थितरयों, अभीत :---

- (1) श्रीमती चान्वो देवी पत्नी स्व० श्री मिथन लाल, निवासी---डब्ल्यु-बी-145, मकुरपुर, दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती दुर्गा देवी पत्नी श्री राघे श्याम, निवासी—1093, न्यु पोस्ट आफिस रोड, गांधी नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षर्ध वं पास लिचित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया मना है।

मन्स्यी

प्रो॰ 3091, गली सुगीला, काली मस्जिद, विल्ली-6, तादादी-124; वर्गगज ।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

घिनोंक : 17**–**9–1984

प्ररूप आहरे. टी. एन. एस. ------

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, नयी दिल्ली

नयी दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस०-आर-1/1→84/988--अतः मूझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूठ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 3476, है तथा जो गली करतार सिंह आर्यापुरा सन्जी मडी दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनूसूनी में पूर्व रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984,

की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यथने में स्विधा केलिए; और/था
- (का) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिदाने में मृतिधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती भिथलेश देवी सुपुती बाबु लाल, पत्नी श्री नानक चन्द, निवासी—ग्राम-बीलारी, जिला-मरादाबाद (उत्तर प्रदेश)

(अन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाश वर्मा सुपुत्र श्री चन्दु लाल, निवासी—3478-80 गली करतार सिंह आर्थापुरा, सब्जी मन्डी, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्थप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याग;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० न० 3476, गली करतार सिंह, आर्यापुरा, सब्जी मण्डी, तादादी 125 वर्गगण ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 17-9-1984

मोहर ३

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

Grand Alace (1962), 1971, 1972, 1972, 1972, 1972, 1972, 1974, 1974, 1974, 1974, 1974, 1974, 1974, 1974, 1974,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नयी दिल्ली

नयी (एल्ली), दिनांक 17 सितम्बर 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस०⊶आर-1/4-84/114--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर समित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एन-104, है तथा जो कितीं नगर, नथी दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण एप से विणित है), रिजस्ट्रीनर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-कारण अधिनयम, 1908 (1908 हा 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1984,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिभियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब:, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बलदेव सिंह, अपार सिंह, सुपुत्रगण श्री नानक सिंह, द्वारा अटार्नी श्री पी० एन० खन्ना सुपुत्र श्री गोपाल खन्ना, नियासी---सी०--49 राजोरी गार्डेन, नयी दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) में शिव लोक अपार्टमेंट (इण्डिया) प्रा० लि० 410-न्यु दिल्ली हाउस, 27 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्षत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

प्लाट नं० एन-104, विक्षी नगर, नयी दिल्ली, तादादी 666.66 वर्ग गज ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयमर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 17-9-1984

भोहर 🕄

प्ररूप बाई. टॉ. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सम्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज⊷I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त 1984

निर्दोण सं० आई० ए० सी०/एसयु०/1/एस-आर-1-84/ 1528---अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (ज़िसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), भी धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. में अधिक हैं

और जिसकी मं० के-11/46 ए. है तथा जो लाजपन नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक जनवरी 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नोलिशित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अक्सरण से हुई किसी बाव की वावत, उपत जभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आहे/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आसितयों के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री तम्हैयालाल आनन्द सुपुत्त स्व० श्री आनन्द हिरा सिंह, निकसी---10/161, लोधी कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरकः)

(2) श्री कुन्दन लाल साहनी मुपुत स्व० श्री शोले राम, निवासी---जे-11/15 लाजपत नगर, नई दिस्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन, की हारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस एं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सक्तेंगं ।

स्थव्योकरण: इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वां का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

वन्स्ची

प्रो० नं० के-11/46-ए' लाजपत नगर, नई दिल्ली, तादावी 100 वर्गगज ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायन आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज-I (दल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांस : 29-8-1984

मांहर ।

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.- - - ----

नायकर मृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 29 श्रगस्त 1984

ं निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-म्रार-3/1-84/1535---म्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

म्रीर जिसकी सं० बी-41, है तथा जो कैलाश कालोनी, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एवयमान ब्रितिकल् के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार भूल्या, उसके एवयमान प्रतिफल से, ऐसे एवस्मान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरन ते हुई किसी जान की जानसः, उनसः ज्ञितिसम् के अधीन कर दोने के जन्तरक के द्यापित्य में कमी करने का उन्नसे वचने में सृष्धि। के सिए; जॉर/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री सुभाष चन्द कपूर निवासी---ए-10, ग्रानन्द निकेसन, नई विल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हरजीत सिंह दुगल घोर श्रीमती जगवीप कोर, निवासी--ई-219, ग्रेटर फैलाश-॥, नई विस्ली । (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्याहा;
- (स) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच चं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

श्वाकरण: ----इसमें प्रयुक्त सन्धों और पधों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्परि

प्रो० नं० बी०-41; कैलाश कालोनी, नई दिल्ली, तादादी 515.27 वर्गगज ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I दिल्ली: नई दिल्ली-110002

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) अ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्षात्

दिनांक: 29-8-1984

प्ररूपे बांदी. टी. एव. एस.-----

भागकर भाषिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-थ (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार'

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 29 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-ग्रार-3/1-84/ 1536--श्रतः भुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मरुष 25-000/- रह. से मिथक है

भीर जिसकी सं ० सी ० ~ 146, है तथा जो डिफोंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में 'भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1984,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ठेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, किम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित के बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण संहुव् किसी आय की वावत, उक्त जिमित्यम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उससे जनने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी बाग या किसी थन या अन्य जास्तियों कारे, जिन्हें भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार अकट नदी किया गया था या किया जाना चाहियेथा, जिल्या मूर्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिक व्यक्तियाँ अर्थात :---

31-276GT|84

- (1) लेफ० कर० जे० एस० बक्शी (रिटा०) 155 दी-माल, भ्रम्बाला कैण्ट, हरियाणा । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ण्यामा भाटिया निवासी-—2/14, सफदरजॅग रोड, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोवस संस्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तमों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी. अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिरिक्षत में किए जा सकरेंगे!

स्पस्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त षब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गम।

अम्सूर्ची

प्रो० नं० सी ०-146, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली, ग्राउण्ड फ्लोर-1459.58 वर्गफीट घ्रौर पहली मंजिल-632.08 वर्गफीट ।

> सुधीर घन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—ा दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 29-8-84

प्ररूप बाइ. टी. एत. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के वधीन स्चना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस-प्रार $-I_{II}/1-84$ / 1537—अतः मुझी, सुधीर जन्द्रा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० बी-।।, है तथा जो निजामुद्दीन ईस्ट, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सें सुविधा के लिए;

बतः वयः, उक्त व्यक्तियमं की भारा 269-गं कं वनसरण वाः, माः, उक्त व्यक्तियमं की भारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीरा, निम्निस्तित व्यक्तियाः, व्यक्ति :---

- (1) श्री बनारसी लाल बेहल सुपुत्र स्व० श्री पश्नालाल बेहल निवासी---जे-154, साकेत नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बृज मोहन लाल माथुर सुपुत्र स्व० श्री राम बिहारी लाल माथुर, श्रीमती सोमा माथुर, पत्नी श्री बृजमोहन लाल माथुर निवासी—180, जोर बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्मि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पष्टिक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया प्या है।

अनुस्ची

प्रो० नं० बो-॥, निजानुद्दीन ईस्ट, नई दिस्ली, तादाबी 200 वर्गगज ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 11-9-1984

प्ररूप बाई, टी. एन. एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर वाय्क्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी॰/एक्यू०/1/एस-म्प्रार-3/1-84/ 1547—मतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षण प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एम-74 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी 1984,

को पृथोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिवी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री गुरविवन्र सिंह खुराना श्रीर देविन्दर सिंह खुराना निवासी—ई/21-ए ईस्ट श्राफ कैलाश, नई विल्ली (श्रन्तरक)
- (2) मैं साम्बल इनवेस्टमेंट प्रा० लि॰ 3-श्रंसारी रोड, धरिया गंज, नई दिल्ली ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत श्रीधितियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्या

मकान नं॰ एम-74, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली, नादादी 247 वर्गगज ।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-I दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 29-8-1984

त्रक्ष बार्चा, ह्याँ, पुत्र, पुत्र व्यवस्थान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-श्रार-3/1-84/1548--श्रतः मुझे, सुधीर चन्त्रा,

कायकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें श्रूबको कश्यादः 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये हे अधिक हैं

ग्रीर जिसंकी सं० एस-18, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में क्य के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित जाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कामी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 4957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, डक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्: --- (1) श्री रोशनलाल कपूर सुपुत्न मेला राम कपूर नियासी—वाई-79, हौज खास इन्क्लेब, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रजय कपूर सुपुत्र श्री शाम लाल कपूर, निवासी--ए-6, रिंग रोड़, एन० डी० एस० ई०-1, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

प्लाट नं० एस-18, तादादी 30 वर्गगज, ग्रेटर कैलाश-॥, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्त्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजेन रेंज-I, विल्ली, नई दिल्ली-110002.

विनांक: 11-9-1984

प्रकृप काइ'. टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई विस्ली, दिनांक 29 प्रगस्त 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-श्रार-3/1-84/ 1549—श्रत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-क के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- क से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० ए-11/11, है तथा जो वसन्त विहार, नई दिल्ली में स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण मधिनयम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनांक जनवरी, 1984,

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निष्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिती, में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण सं हुए किसी अाय की बाबत, उक्त, अधिनियम के बुधीन कर क्षेत्र के अन्तर्क के दायित्य में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (ग) एसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किसीनियम, या धन-कर आधीनियम, या धन-कर आधीनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अक्षः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) े अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री नरिन्दर कुमार सुपुत्र सी ० एल० कुमार ग्रीर पवन खुराना सुपुत्र डॉ० पी० एल० खुराना निवासी—-15 नरेन्द्रा प्लेस, संसद मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लिलता शुक्ला पत्नी डाँ० एम० डी० शुक्ला नियासी—पनैट नं० 13, सी० बेली नपीन सी० रोड, यम्बई ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ::---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 विन को जनभि मा तत्सम्बन्धी स्मक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य स्मूचनयों में से किसी स्पन्ति इवारा;
- (क) इस तुषना के राजवत्र में प्रकाशन की तार्थि हैं
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य स्थानित व्वारा, सभोहस्ताकारी के
 पास लिबित में किए आ सकेने।

स्यव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रची

प्रो० नं० ए०11/11, तावादी 600 वर्गगज, वसन्त विहार, नई दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-! दिल्ली/नई दिल्ली-110002

दिनाक : 29-8-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आहें. टी. एंग., एस.,-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आग्रकर आगुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-I, नई विस्ली

नई दिल्ली-I, दिनांक 29 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-ग्रार-3/1-84/ 1558---श्रतः मुझे, सुधीर अन्द्रा,

भायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एफ-30 से 41,हैं तथा जो एफ-14, कर्नाट प्लेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर्इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन, दिनांक जनवरी 1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाइतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसीं बाय की बायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (७) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपाने से सृविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अनुसरण क्रों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितु क्रिक्त (श्रन्तरक)

(2) मैं ॰ कम्पीटेंट बिल्डर्स 101 कम्पीटेंट हाउस, एफ-14, मिडिल सर्कस, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्म्यत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीचं से 45 दिन की जबिध या सरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी स्यक्ति सुवारा;
- (श) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिरुबव्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वव्यक्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो जनत मधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० एफ~30 से 41, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली, बिल्डिंग नं० एफ~14, कनॉट प्लेस, तादादी ।

> मुबीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेज-I, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

विनांक: 29-8-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आहे. टी. **ए**स. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर भागुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-म्रार-3/1-84/1575-म्बतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व जे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण , कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं जी०-8, है तथा जो कनॉट सर्कस, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी 1984

ां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान
ातिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
... कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,
उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती
(अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
.ातिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निखित में
बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अ्वने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ', मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्री स्नार० एन० गंजु सुपुत्र श्री एन० जे० गंजु, निवासी---7/1 स्रोल्ड सर्वे रोड, देहरादून । (श्रन्तरक)
- (2) श्री धरोड़ा ग्रो० पी० एसोसिएट्स 48 कम्युनिटी सेण्टर, वसन्त विहार, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्यध किसी अच्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्थळ्डीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वोका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्भी

प्रो० नं० जी-8, तादादी 3424 वर्गफीट, कर्नॉट सर्कस, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्राश् सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I दिल्ली/नई दिल्ली-110002.

दिनांक : 11-9-84

मोहर 😢

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एसग्रार/3/1-84/1579—ग्रतः मुझी, सुधीर चन्द्रा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाबार मृह्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवाशन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनोक जनवरी 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से वृधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल से निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि बित के बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; जरि/या
- (भ) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियाँ को जिन्हें भारतीय अाय-कर फंग्नियाय. 1920 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिएं था, फ्लियाने में हिष्या के सिए;

अतः मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सभीन निम्नलिकिक व्यक्तियों, वर्षात् ४—-

- (1) श्री राधे श्याम बंसीवाल सुपुत्र श्री सोहन लाल, घनश्याम दास श्रीर जितेन्द्र कुमार श्रीर बृज भूशन सुपुत्रगण श्री राधे श्याम श्याम बंसीवाल, निवासो—6/64, पंजाबो बाग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) मैं० भ्रोरीएण्ट कन्स्ट्रम्शन 1204, रोहित हाउस 3--टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली द्वारा श्रो० दिनेश कुमार ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

बनत सम्मृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा।
- (ख) इ.स. स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरणः:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृथ्वों का, वो उक्त मिनियम, के अध्याय 20-क में पृरिभावित है, वहीं वर्ध होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

धम्त्रुची

कृषि भूमि तादादी 17 विघे श्रीर 18 विश्वे, रेक्टेंगल नं० 54, किला नं० 4(4-16), 7(4-10), रेक्ट० नं० 27, किला नं० 16 मिन (3-16), 17/1 (2-8), 24/2(2-8) के साथ ट्यूब वेल तथा श्रन्य लगे हुए समान, ग्राम-विजवाशन, तहुसील---महरौली, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेन रेंज-I विल्ली, नई विल्ली-110002

विनाम : 12-9-84

प्रस्य आर्थ, टी. एन. एस. -----

आयकार अधिणियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन गुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सिमम्बर 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सः०/एक्यू०/1/एस०-ग्रार०-3 1-84/1609--श्रतः मुझे, सुन्नोर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसका सं र 104, है तथा जो सायिको सिनेमा कम्प्लेक्स नई दिल्ला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुमूचो में पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रोकरण शांधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन, दिनांक जनवरां 1984,

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रश्च प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) को तीन एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निज्नितिकों) को तीन एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निज्नितिकित उद्बंध्य से उक्त अंतरण निक्तित में वास्तिब्द स्प में कथिन नहीं विश्वा गया है :——

- (क) अंतरण में हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्य में कामी कारने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का कि 11) या उत्त अधिनियम, अधिनियम, अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिनी देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

.अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीर निक्तिसित व्यक्तियाँ, अर्थात

32-276GI[84

(1) डा० कल्याण सिंह सुपुत श्रो हरनाम सिंह वह स्थयं तथा जो० ए० श्री हरवम सिंह इन्दर सिंह, गुरदर्णन सिंह सुपुत्रगण श्रो हरनाम सिंह, निवासी——एस—190—ए, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ला।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा गुरश्रोत सिंह नाग (माइनर) सुपुत अमूक सिंह नाग, निवासो—-डो-4, वेस्टेण्ड कालोनो, नई दिल्ला, उत्तरा श्रो अमुक सिंह।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं का सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों अन्य किए जा सकोंगे

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

प्लैंट नं १ 104, (एफ०-एफ०) सादादी 487.9 वर्गफोट, साविजी सिनेमा कम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाण---2, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारा सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) श्रर्जन रेंज- वस्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-9-1984

मोहर 🌣

रुष अह', टी एन, एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अधिन १६००-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 29 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० श्राहि० ए० सिं०/एक्यू०/1/एस०-श्रार०-3/ 1-84/1610--श्रतः स्थी, स्थीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० एस-521, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्लो, में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी 1984,

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूर्य थे कम के दरममान प्रीतफान के लिए अन्तर्गत्व की गर्म ही अर्थ मूर्फ यह विक्याम करने का क्षेत्रण ही कि यथाग्रामित सम्पत्ति को उचित वाजार मूर्य, उसके एएयमान प्रतिफल में एमें क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकार में अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य में उक्त अन्तरण निचित के व्यक्त समार में अधिक मही किया गया है:---

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे मचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की. जिन्हों भारतीय आयन्कर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग **के जन्मरण** में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) जे काल- जिपनिविशत व्यक्तिसमें, अ**धीत ह**— (1) मे**० हे** मकुण्ड स्टॉल एण्ड बायर, प्रा० लि० 810, मेघवून, 94 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 (2) मे० गिरीजा इण्डस्ट्रीयस प्रोमोशन लि० 14/1-बी, इजरास्ट्रीट, 9-बीं मंजिल, कलकता-1 ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण: — इसमी प्रयोकत शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय भी दिया गया है।

वप्सुन्त

प्लाट नं० एस०-521, तादादी 455.67. वर्गमीटर ग्रेटर कैलाग--2, नई दिल्ली ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-िविल्ली, नई विल्ली-110002

दिनांक : 29-8-1984

मोहर 🛮

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक अयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजॉन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 29 श्रगस्त 1984

निर्देश सं० भ्राई० ए० सो०/एवयू०/1/एस०-भार-3/1-84/1611--भ्रतः म्झे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर प्रधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं ० एफ-13, है तथा जो कैलाम कालोनी, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्लने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी बाय या धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिंखित व्यक्तियों, अर्थात :—-

- (1) श्रीमती विश्वला देवी जैन, निवासी---डो--1--ए, ग्रान पार्क, नई दिल्ला। (श्रन्तरक)
- (2) करन के० लुथरा भौर श्रामतो नीना लुथरा, निवासी--1-बी-50, लाजपत नगर, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्वल स्टोरी मकान नं० एक-13, कैलाश कालोनो, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा; सक्षम प्राधिकारो सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेज-!१ दिल्लो, नई दिल्लो-110002

दिनांक : 29-8-1984

मोहर 🖟

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्पालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०|एक्यू०|1|एस्-आर-3|1-84 1615 - अतः मुश्री, तुश्रीर चन्द्रा,

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह त्रिष्याम करने का कारण है कि स्थावर संपस्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

आर जिसकी सन ई-296 है तथा जो ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इमके उपाबद्ध अनुमूची में पूर्ण रूप के विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य म कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नाम्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिखत व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री इन्द्रर मेंन शर्मा,
 तिकासी:—ई-296, ग्रेटर कैलाण—1,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रतन चन्द कामरा द्वारा अटार्नी श्री शशी वर्मा सुपुत श्री नाठ डी० वर्मा निवासी सरोजनी नगर, पोस्टमास्टर निवास—नई दिलनी ।

(अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुक्र करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सबंध मा काई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबनी त्यक्तिया पर सूचना को तामील में 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार।;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान व्यक्ति में किए जा सक्ति।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आँउ क्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिसा गया हैं।

जगसची

प्रों ० नं ० र्ष्टि० — 296, ग्रैंटर कैल। ण — 1, नई धिल्ली, तादादी — 1022 वर्गफीट ।

> सुधीर चन्द्रा, गक्षम प्राधिकारी महायक आगक्य आयुक्त (निर्दक्षण) अर्जन रोज—र दिल्ली/नहीं दिल्ली—र 100002.

दिनांक : 12-9-1984

महर:

प्रकृप, कार्ष . टी . एन् . एक्

नामफर शिधिनियम 1961 (1961 का 43) की गारा 269-म (1) के नभीन स्पना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

जर्जन रेंज- , नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाव 12 सिनम्बर 1984

निदेण मं० आई० ए० मी०/एक्यु०/1/एस—आप-3/1-84/1616—अस भूझे, मुधीर बन्द्राः

आयकर बरिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-च के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का भारण हैं कि स्थावर संपीत्त, जिसका उचित वाषार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

आर जिसकी संव संव -50. हं तथा जो निजामुद्दीन ईस्ट नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावत अनुभूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), पित्रप्टीवर्ती अधिकारी के दार्थालय, दिल्ली में भोदतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984,

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से क्ष्म के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोंक्त संपरित का जृषित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से बिध्व. है और अन्तरक (अंतरकर्के) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्निलिखत उद्दश्य से जनत अन्तरण लिखित में बास्त-। विक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरन संबुद्ध निसीसान की नावत, उथस् अधिनियुद्ध को अधीन कर दोने के अन्तरक की दासिस्य में कभी करने या उबसे नमभे में सुनिधा की निस्द; आदि/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य शास्तियों क्ये, जिन्हों भारतीय आय-कर निभीनयन, 1922 (1922 का 11) या उनत निभीनयम, या भनकर निभीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृधारा प्रकट नहीं किया एया थाया किया जाना चाहिए था क्रियान में सुविधा के सिए;

कतः अब, डक्त अभिनिवम की धारा 269-ग की, बन्सरण मीं, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, भिन्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री राध्मण पास शर्मा

पुपुत श्री बेली राम,

निवासी---ए--16, राधिय पुरी, क्राणानगर,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री नुहायन अहमद और शकीन अहमद नुपुत्र जे० मिया जाफर, निवासी—-वी-18, निवासूदीन वेस्ट, नई विल्ली।

(अन्त(रती)

को बहु सूचना जारी करके पृथाँक्त सभ्यत्यि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्परित के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगेर जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगसर्थी

प्रा० नं० सी०--50, निजामूदीन ईस्ट, नई दिल्ली, तादादी 200 वर्गगज ।

> ्रुधीर धन्द्रा सक्षम प्राधितारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-9-1984

मोहर ध

प्ररूप आंई. टी. एन. एस.-----

भारा 269-व (1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकार बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/1/एस-आर-3/ 1-84/1652- अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्ताम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाहार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी संव्याप नंव 'वी' है तथा जो अलीगंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप ने विणित है), एजिस्ट्रीकृती अधिकारी के कार्यात्य, दिल्ली में भारतीय पिक्ट्रीक्रिंग अधिकाम, 1908 (1908 वर्ष 16) के अधीन जनवरी 1984

कः प्रतिकत्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिकत्त के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से एसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बाँध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अधने में सुनिधा के नियों, बाँद/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (1922 का 11) या उयत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या जिया जाना चाहिए था, छिपाने में श्रीविधा के लिए;

अतः अस, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, भैं, उक्त जीधीनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) हर्बंस लाल एण्ड अवतार सिंह निवासी—के-12-ए, लाजपत नगर-2, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) मैं० मनोहर सिंह एण्ड कं० द्वारा मनोहर सिंह सोप नं० 'बी०' अलीगंज, नई दिल्ली -3 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्याहियां करता हूं।

उपत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्षी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) क्या स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

अनुसुची

प्रो० शाप नं० 'बी' अलीगंज, नई दिल्ली, सरकार द्वारा निर्मित ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12 -9-1984

मादेश :

श्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भाग 269 (घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांकः 12 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यु०/1/एम०--आ $v \sim 3$, 1-84/1679---अत: मुझे, सुधीर चन्द्राः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास कारने जा कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उत्ति वाला महार 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 3,12 है तथा जो श्री फोर्ट रोड, नई (दल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 वर्ग 16) के अधीन, दिनांवर जनवरी, 1984.

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित वाजार मृत्य में कमें के द्वामान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल में, एंसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्यह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के दीच एंसे अंतरण के लिए तय गण गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य में एकन असरण निम्नलिखित उद्देशय से असरण निम्नलिखित उद्देशय में एकन असरण निम्नलिखित उद्देशय में असरण निम्नलिखित उद्देशय में असरण में किया गया है

- (क) अंतरण स हुई किसी आय की धावन, उकत अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्थ में कामी कारते या एसमें अवन भारति । के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्ति के का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिलाने हा सविधा के लिए;

मत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:—

- (1) श्री धरम मिह भे० धरम सिह
 फैमिली दुस्ट,

 ए-2/140 सफदरजंग इन्स्लेव-नई दिल्ली।
 (अन्तरक)
- (2) श्रीमती अन्तपूर्ण गिथा और श्री चिनमोर भिथा, निवासी—13-सी, सप्सपनी 58/1, बालीगंगा, मर्कुलर रोड, बल्दाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचन। जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन को अवधि, जी भी अवधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मों हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के राय जिल्हा मा किए जा सक्तर्य।

स्पष्टीकरण.---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मां परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भया हैं।

भन्स्यी

पहली मंजिल, फ्लैंट नं० 3, प्रो० नं० 12, सीरी फोर्ट रोड, नई दिल्ली, ताथादी-950 वर्गफीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी बहुत्मक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-ा, दिल्ली, वर्ष दिल्ली-110002

दिनांक : 12-9-1984

(अन्तरकः)

प्रकप आर्ड्.टी.एन,एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्-1, नर्ह दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 मितम्बर 1984

निदेश मं० आई० ए० मी०/एक्यु०/1/एम०-आर-3/1-84/1608---अतः मझे, सूधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव एच०- एम-28, है तथा जो कैलाग कालानी, नई (बल्ली में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल के पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वर्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ध्रियान में सुविधा के लिए;

अतः भवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अणुसरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिकिक स्मितियाँ, अर्थात धुन्न

- (1) पो० जी० चटर्जी सुपुत्त एस० जी० चटर्जी निवासी--13-बी. पाकेट -11-ए, एक० आई० जी० फ्लैट कालकाजी, नई दिल्ली ।
- (2) मैं० लपिषण अपार्टमेंट प्रा० लि० सी०-323, डिफेंस कालानी, नई दिल्ली, डाइरेक्टर श्री विनोद झुनझुनवाला । (अन्तरिसी)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन का लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध मा काई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विश्विस में समाप्त होती हा, के भीतर पृवेक्ति स्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

बनसची

प्रो० नं० एच०--एस०--28, कैंताण कालानी, नई दिल्ली, तादादी 200 वर्ग गर्ग।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, दिल्ली।, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 12-9-1984

प्ररूप बाह्र . टी. एव. एस., ------

नायकर निभित्तिवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

शारत सरकार

कार्यालय निरोक्षो सहायक ग्रायकर आयुक्त

भ्रर्जन रेंज, भोपास

भोपाल, दिनांक 28 ग्रगस्त 1984

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोवाल/5040—ग्रतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 12 एवं 13 है, तथा जो ग्राम पीड़गांव तह० हरवा जिला होंशगाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हरदा में राजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जनवरी 1984,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त क्या विस्वतियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त क्या विस्वतियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त क्या विस्वतियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त क्या विस्वतियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त क्या विस्वतियों के बीच गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा की लिए: बॉर/बा
- (शा) ए'सी किसी जाय वा किसी भन या अन्य आस्तिमः को जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथल अधिनियम, या भनकार अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने संस्मिता के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) को अधीन. निम्निमिक्ति व्यक्तियों, अर्थात :----33 ----276GI|84 (1) श्री बरी श्रात्मण देवराण क 2. श्रीमती नाथीबाई पत्नी देवराज निवासी—हरदा खुर्द पो० हरदा खुर्द जिला—होशंगाबाद ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री विग्वजय बूलन मिल्स लिमि० रिजि० श्राफिस ऐरोड्रम रोड, जामनगर (गुजरात) निवासी—हरवा ।

(अन्तरिती)

को वह श्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हो ।

उस्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाजोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाए;
- (सं) इस सूचना के राजपण में प्रकाशक की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

भूमि खं नं 12 एवं 13 ग्राम पीड़गांच तह है हरदा जिला होशंगाबाद में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सम्बापित फार्म सम्बर 37 जो में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सहायक द्यायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टो० टो० नगर, भोपाल

विनांक : 28-8-1984

मोहर 🏋

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 श्रगस्त 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/5041—म्प्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने के। कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भवन क्रमांक 34/817/1 है, तथा जो ग्वालियर टाकीज, फालके की गोठ्, लश्कर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावध अनुसूचो में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, ग्वालयर में जिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के यीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या दससे अभने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अन उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री गोपालदास पुत शंकरलाल गोयल निवासी---दाल बाजार, लश्कर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कैलाश बन्द्र पुत्र ने हरूलाल ग्रग्नवास निवासी——घोरपडे का पाड़ा, दौलत गंज, लश्कर, ग्वालियर ।

(भ्रन्तरिती)

को कह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सच्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिने की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जिस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भवन क्रमांक 34/817/1, ग्वालियर टाकीज, फालके की गीठ, लक्कर में स्थित है ।

घीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, भोपाल, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक: 28-8-1984

प्रकृप आर्ष. टॉ. एन. एस.-----

बायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 ग्रगस्त 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5042--ग्रतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं मकान नं 34/817/1 है, तथा जो ग्वालियर टाकीज, फालके की गोठ, लक्कर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम. 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुए किसी बाब की बाबस, अवस अधिनियम के अधीन केंद्र दोने के जन्तरक के दानित्व में कभी केंद्रण वा सबसे बचने में सुविधा के सिए; जॉर/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के सिए;

वत: वक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात:——

- (1) श्री हरविलास पुत्र गोपालदास गोयल निवासी—दाल बाजार, लक्ष्कर, ग्वालियर (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुशीला देवी पत्नी कैलाशचनद्र श्रम्रवाल निवासी—घोड़पड़े का बाड़ा, वौलतगंज, लक्कर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके प्रविक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्यक्ति होता:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीचार उक्त स्थावर संपरित में हित्- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20 क में अरिभाषित हैं, बहुरी अर्थ होगा, जो उसे अध्याय में दिया गया हैं।

वनसूची

भवन कमांक 34/817/1, ग्वालियर टाकीज, फालके की गोठ, लक्कर में स्थित है।

विरेन्द्र कुमार बरनभाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकेर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी, मंजिल टी० टी० मगर, भोपाल

विनांक : 28-8-1984

प्ररूप नाइ . टां . एन . एस . ------

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 प्रगस्त 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोगल-5043--श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गए। हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 34/817/1 है, तथा जो ग्वालियर टाकीज फालके को गोठ, लश्कर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908. (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी, 1984,

को पूर्वाक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के ध्रयमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुम्छे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निकित में बास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है "——

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स बिधिनबंध के जधीन कर बेने के अन्सरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (स) एसी किसी नाम या किसी धन या जन्म आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूजिआ के आए!

अत: अक, अक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखत स्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री सतीशचन्द पुत्र गोपालदास गोयल निवासी---वाल बाजार, लक्कर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री दिनेशचन्त्र पुद्ध कैलाशचन्द्र अग्रवाल निवासी—शोरपड़े का बाड़ा, दौलतगंज, लक्ष्कर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्थाबितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मगल्यी

मकान नं० 34/817/1, ग्वालियर टाकीज, फालके की गीठ, लक्कर में स्थित है।

वीरेम्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, गंगोन्नी बिस्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक : 28-8-1984

प्ररूप मार्ड. टी. एन., एस., -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक ग्रायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1984 निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5044 --अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भार 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अभिक है

श्रीर जिसकी संख्या बंगला नं० ई-2/70 है, तथा जो अरेरा कालोनो, भोपाल में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सक्प्रित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे पान प्रतिकल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरित के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरम से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीनं कर दोने के अन्तरक के दासित्व को कमी कारने या उससे बचने को सुविधा के सिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जागा चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भा, मी, उक्रत अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्रीमती के० बी० अययर पत्नी
 एम०एस० विश्वनाथ खुद व मु०आम बास्ते श्री
 व्ही०व्ही० अययर पिता
 एम०एस० विश्वनाथ
 3. व्ही०एस० अययर पिता
 श्री एम०एस० विश्वनाथ
 4. श्रीमती गीता अययर पिता
 एम०एस० विश्वनाथ
 त्रिमानी गीता अययर पिता
 एम०एस० विश्वनाथ निवासीगण-ई-2/70,
 अरेरा कालीनी,
- (2) श्रीमती कुसुम गुप्ता पत्नी श्री एस०आर० गुप्ता, निवासी—चार इमली, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्राहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से, 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरण: --- इसमें प्रयुक्त प्रक्षां और पहें का, को अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

बंगल। नं० ६०2/70, अरेरा कालोनी, भोपाल में स्थित है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, गंगोत्री बिल्डिंग, **वौधी मंजिल** टी० टी० नगर, भोपास

दिनांक : 28-8-1984

प्रकथ काई. दी. एन . एस . ------

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बचीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्य 198 4

निर्देश सं०आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5045 — अतः मुझे, वोरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य, 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 319 तथा उस पर निर्मित मकान (एक मंजिला) है, तथा जो गौनम नगर, स्रोवर जिज के पास, भोपाल में स्थित हैं (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बाँगन है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन, जनवरा 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के स्वमान प्रतिफल के लिए अंबरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रश्च प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिसित उद्देश्य में उक्त अंतरण निम्नत में बास्तिक स्प से कियत नहीं किया नमा है है—

- (क) बन्तरण से हुई कियी भाग की बावत, उपत वृधिनियम् के वृधीन् कर दोने के शृन्तरक के खीवत्व में कमी करने वा उससे अपने में तृतिका के सिए; बॉट्/शा
- (क) ऐसे किसी बाब वा किसी धन वा बन्य बारिसकां को बिन्हें नारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) से प्रयोक्तार्थ अन्तरिती ब्वाय् प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिस्ह;

अतः अवः, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :— (1) श्री दिवाकर बर्मा पिता बनवारी लाल कुलश्रेष्ठ, निवासी-82/119, नुलसीनगर, भोपाल।

(अस्तरक)

(2) श्रीमती मायादेवी पत्नी नर्मेदाप्रसाद राय, निवासी—ग्राम बावई साली, चौका रोड़, जिला नरसिंहपुर।

(अन्तरिती)

को गृह सूचना शारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के शर्वन के सिए कार्यवाष्ट्रियों करता हो।

उन्त सम्पत्ति के कर्वन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नदिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की हरदीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, बो उपह अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गना है।

मन्त्रची

प्लाट नंबर 319 तथा उस पर निर्मित मकान (एक मंजिला) गौतम नंगर स्रोबर क्रिज के पास, भोपाल में स्थित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-8-1984

तक्य बार्ड टी.एन एत. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के सधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक सायकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1984 सं०आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/ 5046 --अतः निदेश मझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' अस्त गया है), की धारा 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/- रह. से अधिक है

संख्या प्लाट व निर्मित मेड है, तथा जो ध्रीर जिसकी निशातपुरा, भोपाल में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्सा अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरों, 1984

को पुर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंसरक (अंसरकों) नार अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया वितिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्क्रीयक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायिस्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा क लिए: और/मा
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य , आस्तियों को, जिन्ही भारतीय जाय-कार अधित्यम, 192? (1922 का 11) या उत्थल अधिनियम, धा भन-कर **मी**भनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किएया जाना नर्राहेए था, विवसने हो सुविका के लिए:

कतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रो मेसर्स लक्ष्मी इण्ड्रस्टीज भोपाल द्वारा पार्टनसे किशनचंद पिता श्री भेरूमल 2. श्रा भेरूमल पिता श्रो तोलाराम. तिवासी निधा कालीनी भोषाल ।

(अन्तरक)

(2) श्रा वेदप्रकाश ग्रोवर 2. श्रो प्रविप्रकाश 3. राजेश पिता श्रो इग्रहारदास ग्रोवर 4. राकेश एवं नरेश (अवस्यक) पिता श्रा इशहारवास ग्रोवर, निवासी 105, ईवगाह हिल्स, रामनगर कालोनो, भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि कार्थवाहियां करता हुं।

बाक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अध्येप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 4.5 दिन की अविभि वा तत्सीबंधी व्यक्तियाँ पर बुषनाकी तामीस से 30 दिन की नविध, वो भी बाबीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाँकत अर्थाक्तमां में में कि.सी काक्ति द्वारा;
 -) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

प्लाट एवं उस पर निर्मित शेष्ठ, ग्राम निशातपुरा, भोपाल में स्थित है।

> बोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-8-1984

प्रकम नाई. टी. एन. एस. - - - --

क्रायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभूता

भारत मरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षक)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1984

निवेश सं०आई०ए०सो०/अर्जन/भोपाल/5047 ——अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नंबर 147, जोत नं० 1, स्कीम नं० 13 है, तथा जो मेजर शांपिंग सेंटर, हबीबगंज, भोपाल में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्सा अधिकारों के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1984

को पृषोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृशमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ब्रेड्ड अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया स्या प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वायत, जन्म अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/वा
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) और ग्रेसंजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए!

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निरिण्डित व्यक्तियों, वर्षात् ह

 श्राः मूलचंव गुप्ता वल्द कन्हैयालाल गुप्ता, निवासो-5, रिवाशंकर नगर, 1464, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्री नानकचंद मिलक वस्त श्री रामलाल मिलक 2. श्रीमती परमेश्वरी देवी पत्नी रामलाल मिलक, पटेल नगर, हमोदिया रोड़, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यविहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए वा सकोंगे।

स्यव्दिकिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो अक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में प्रिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा प्याही।

अनुसूची

प्लाट नं० 147, जीन नं० 1, स्कीम नं० 13, मैंजर शार्पिंग सेंटर, हबीबर्गज, भोपाल में स्थित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-8-1984

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस. -

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन समना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक बायक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1984

निदेश सं०आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल-5048 ---अत:

मुझे, वीरेन्द्र कुमार यरनवाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पक्ष्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने ा कारण ह[®] कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 2.5-000 ∕- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या मकान, जो कि प्लाट नं० 353, ई-4, केपीटल प्रोजेक्ट है, तथा जो हबीबगंज, भोपाल में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चः में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारो के कार्यालय, भोपाल में रिजस्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1984।

ो पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृष्य से कम के दृश्यमान गरिफल के लिए अन्तरिस की गर्इ है और मझे यह वि**च्वास** .रनं का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नुस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का . दिह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती ्रान्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ितिफल, निम्नलिसित उद्देशिय से उत्रत अस्टरण लिसिन मे गस्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त् निधिनयम के नधीन कर दोने के नन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; बरि/ग
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारसीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम दा वनकर किंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से स्विधा के लिए.

बतः बब, उंक्त अर्थिनियम की धारा 269-ए के अनुस्रक मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा 🕕 <mark>अधीन . निम्नलिक्तिस व्यक्तिया</mark>ें , **अर्थात**ः—— 276GI|84

(1) सरदार प्यारा सिंह पिता स्० उत्तमसिंह, तिवासो---अरेरा कालोनं**ः**, भोपाल ।

(अन्तरक)

(2) श्रामती सृदर देवी पत्नी होराक्षाल, निवासी-सकान नं० 91. जवाहर मार्ग.

(भ्रन्तरिति)

क्यों यह स्वाना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सच्चनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (सं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20,-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सर्वा

एक मंजिल, मकान, जो ि प्लाट नंबर 353, ई०---4, केपीटल प्रोजेक्ट बांगंज, भाषाल में स्थित है।

> वीरेन्द्रकुमार बरहवाल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षां सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त धर्जन रेंजत भोपाल)

गंगी के बिल्डिंग, चोर्या मंजिल टा० टा० नगर, भोपाल

तारीख: 28-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 28 ध्रगस्त 1984 निदेश स॰ग्राई॰ए॰सी॰/ग्रर्जन/भोपाल--5049 --ध्रतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्पात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है),, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्लाट, खं नं 142 घ का भाग है, तया जो प्रोक्तेपर कालोगी, बानगंगा, भोगल भें स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं (रिजिस्ट्रीकर्ता पश्चिकार) के कार्यालय, भोगल में रिजस्ट्री-करण श्रीधनियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम कें दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्त्र में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिही द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती शहरवानों पत्नी स्व० दुस्तफा हसन जुतबी, निवासी----प्रोफेरार कालोनी, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्रा लाला ईश्वर प्रकाण पिता श्री मुन्तूलाल, श्रीवास्तव, निवासी-धाटी भड़भूजा, भोपाल।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के ि कार्यवाहियां करता हुं।

जयस सम्परिस के अर्जन के संबंध में कांई भी बाध्येप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वे दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सू की तामील से 30 दिन की अप्रधि, जो भी अब बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर मृबी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी। 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के ' लिखात में किए जा सकरी।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित . बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में ि गया है।

अनुसूची

प्लाट, ख नं० 142 घ का भाग, प्रोफेसर कालोन भोपाल में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनय सक्षम प्राधिक सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण ग्रजन रेंज, भोप

निजेखाः: 28—8—1984

परूप कार्क हो एन . एस . -----

कावकर क्रीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

सार्थ र प्रथम

कार्यालय, सहायक कायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 28 ग्रगस्त 1984

निदेश सं०ग्नाई०ए०सी०/श्रर्ज न/भोगल/5050—-श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निर्मितम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का आपण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित नाजार मृख्य 25,000/- रा. से नभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट, खं० सं० 1426 का भाग है, तथा जो प्रोक्तेसर कालोनी, बानगंगा, भोपाल में स्थित हैं (श्रीर इससे उपबद्ध श्रदुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्री करण रजिस्ट्राकर्ता 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी 1984

- ं पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार करने का क्ष्यमान प्रतिफल से, होते दश्यमान प्रतिफल का न्याह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- निम्नलिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्त-
 - (क) बनारण से हुई किती शाम की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक खे दायित्व में कमी करने या उसते वचने में अविधा के तिए; बीट्र/बा
 - (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 1) या उदन अधिनियम, या अप-कर विधिनयम, या अप-कर विधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए,

सतः श्रव, उत्तर विधिनियम की भारा 269-ग के वन्सरण , मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नीलिसिस व्यक्तियों, अधीत् ध— श्रीमती मुसम्मत शहरबानों कुतबी परी स्व० मुसतका हसन कुतबी, निवासी—प्रोफेसर कालोनी, भोपाल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती लल्लीदेवी पत्नी मुझालालजी, निवासी—बरखेड़ी, भोपाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजीविध, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्यो।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्ह विभिन्निया, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया ही।

वन्सूची

प्लाट, खा० न० 1426 का भाग, प्रोफेसर कालोनी. बानगंगा, भोपाल में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरननाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-8-1984

प्रारुप कार्ड. टी. एन: एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, विनांक 28 ग्रगस्त 1984 निदेश सं;आई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5051—श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरतवाल,

आयकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी संख्या भूमि ख० नं० 442, 443/5/2 है, तथा जो ग्राम बावड़िया फलां जिला भोपाल में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपबद्ध ग्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्री-करण ग्रीधिनियम 1908(1908 का 16) के ग्रिधीन, जनवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्सूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ब) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खे सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं कौ धारा 269-ग के अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसित्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री लखनलाल पुत श्री हरी प्रसाद, निवासी—-वायड़िया कलां, भोपाल।

(ग्रन्तरक)

(2) संग्रिला गृह निर्माण सहकारी समिति, लि०; जिला भोपाल द्वारा अध्यक्ष श्री पी०डी० चौधरी पुत्र श्री जे०डी० चौधरी, अरेरा कालोनो, भोपाल।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपिता में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकने।

स्पच्छीकरण:---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगसर्वी

भूमि, ख॰ नं. 442, 443/5/2, ग्राम बाविङ्या कलां जिला भोपाल में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण ग्रन्तरिती द्वारा संस्थापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी^{रेन्}द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी **सहायक ग्रायकर** श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-8-1984

प्रक्य नाहाँ, दौ, दन, यस.-----

कायकरं क्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 28 श्चगस्त 1984

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5052—-ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

नायकार क्रिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कॉ इसको प्रकात 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्र के निधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मृन्य 25,000/-रु. से निधक हैं

श्रीर जिसका सठक्या प्लाट नं० 71, जोन नं० 1 है, तथा जो महाराणा प्रतापनगर, मेंजर शापिंग सेंटर, हबीबगंज, भोपाल में स्थित है (श्रीर धूं इससे उपबद्ध , श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रोकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवास से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक कुन से किया नहीं किया नवा है:—

- (क) जन्तरण सं क्षुद्रं किसी बाय की वाबत उक्त बरिश-ृित्वम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उद्युत्ते वचने में तृत्विधा के तिए; बरि/या
- (क) एते किसी बाव या किसी भग या बन्त बाहिसवीं को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1:) वा उक्त अधिनियम, या भन-अन्य अधिनियम, या भन-अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के प्रिए;

कतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती स्नेह्लता जोसी पानी स्व० बी०बी० जोशी, निवासी—102/6, 1464, टी०टी० नगर, भोपाल, हाल ई -4/2, अरेरा कालोनी, भोपाल।

(श्रन्तरक)

(1) श्री श्रवण कुमार सेवानी पिता श्री कन्हैयालाल से वानी, निवासी—122, सिंधी कालोनी, भोपाल।

(धन्तरिती)

को बहु सूचना कारी करके प्रवांक्त सम्पत्ति की अजन के लिए कार्यशाहियां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आंबोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी जनिध नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूनों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट-बद्ध किसी अरुप व्यक्ति द्वारा बधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोक का:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्लीनयम, के बंध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषाः गया है।

बन्स्ची

प्याद नं 71, जोन ने० 1, महाराणा प्रतापनगर, मेंजर गापिंग सेंटर, हबोबगंज, भोपाल में स्थित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-8-1984

प्रकार साह". टी. एव. एव. -------------

नायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-, भीपाल

भोपाल, विनांक 28 अगस्त 1984

निवेश सं०आई०ए०सी०/अर्जन/भोपास/5053— अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या म्यु०म०नं० 40/940 है, तथा जो पाटनकर वाजर, लश्कर, ग्वालियर में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुचर्चा में और पूर्ण के रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कत्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का गंबह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्निलिखित उद्देशस्य से उच्त बन्तरण लिखित में बास्तिविक स्प से कथित नहीं किया भूषा है

- (क) अप्तरम से हुव भिन्नी बाय की बाबत, उक्त विधिनवस के वधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीट/बा
- (भ) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों करे जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किया जाना जाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

भतः भवः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) के विधीनः जिल्लाजित व्यक्तियों, वर्धात् :— (1) श्रीमत्ती रामक्ष्ली जैन परनी ताराचंद जैन 2. श्रीमती निर्मल कुमारी जैन परनी श्री विजय कुमार जैन निवासी दानाओली, लक्ष्कर ।

(अन्तरक)

(2) डां० भूपेन्द्र कांस पिता जश्री हरबंसलाल, निवासी-पाटनकर बाजार, लक्कर।

(अन्तरिती)

को यह बूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हूं। इक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्वियहणों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही सर्थ होगा को उस अध्याय में दिना गया है।

मन्त्रपी

म्युनिसिपल पार्टी मकान नं 40/940, पारमकर बाजार, लक्ष्मर में स्थित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल ें सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयक्तर आयुक्त) अर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख**: 28-8-1984

ध्रुष्य नाइ¹, टी. **एन्. एस्** , नन्न-नन्न-नन्न-नन

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1984 निवेश सं०आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5054——अतः मुझे, कीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आधक'र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'क हा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या एक मंजिला मकान नं 18/832 एवं 18/821 है, तथा जो स्टेशन रोड़, स्टेशन वार्ड, रायपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1984

की पूर्णेक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान कृतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के सीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया धितिफल, निम्नलिखित उद्दंश्य से उच्त अन्तरण लिखित के बास्तिक क्य में किथा न्या है

- (क) अन्तरण में हुवै किसी बाय की बाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोन के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के सिए: बीर/बा
- (ल) एसी किसी जाय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री आलोक मिश्रा
 - 2. श्रीमती ममता मिश्रा
 - श्रीमती अलका दीक्षित, निवासी-5, सिविल लाईन्स, सागर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री निर्मल पिता लालचंद केवलानी 2. श्री जीवन पिता लालचंद केवलानी 3. गोपीचंद पिता लालचंद केवलानी, निवासी—-ग्लैक्सी इन्टरप्राइमेंज, (पुराना मोटर स्टेण्ड), रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्स्वीची व्यक्तिवाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नंबर 18/832 एवं 18/821, का भाग, स्टेशन रोड़, स्टेशन वार्ड रायपुर में स्थित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल • सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तार्गख: 28-8-1984

प्रकृत् वार्ष्टी . पुन्, पुन्न , ननननननननननन

बावकर बिभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

भारत करकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 28 अगस्त 1984

निर्देश सं०आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5055--अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की भारा 269 च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारचहीं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाजार भूस्य 25,000/- रत. से अधिक है^{*}

और जिसकी संख्या मकान नं० 18/832 एवं 18/821 है, तथा जो स्टेशन वार्ड, रायपूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कृता अधिकारी के कार्यालय, रायपूर में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1984 को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित वाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफास को सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार अनुस्त्राः उसको दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशास अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-**रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए** तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संदूर्ण किसी नाथ की वावत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसते वचने मे[.] सुविधा के लिए; और/या
- (क्) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जानाचाहिए था, छिपाने में स्रीवधाके लिए;

क्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री आलोक मिश्रा
 - 2. श्रीमती ममता मिश्रा
 - श्रीमती अलका दीक्षित निवासी-अराणा पैलेस,
 - 5. सिविल लाईन्स, रायपुर ।

(अन्तरकः)

(2) श्री निर्मल

2. श्री जीवन

3. श्री गोपीचद,

मिवासी--गोला बाजार वार्ड,

रायपुर ।

(अस्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जि़र कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी शरी 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति **व्**वारा,
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी द से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पच्चीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ दाोगा, जो उस अध्याय में दिवा नुवा है।

अनुसूची

मकान नं० 18/832 एवं 18/821, स्टेशन वार्ड रायपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो महायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भीपाल

तारीख: 28-8-1984

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्या तथ, सहाय ह आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1984

निदेश सं अाई०ए०मी०/अर्जन/भोपाल--5056—-अतः मुझे. वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी संख्या खुला प्लाट हलवा नं 110, खं नं 202 है, तथा जो जनीचरी पड़ाव, बिलासपुर में स्थित है (और इससे उपा बढ़ अनुसूची में और पूर्ण स्प से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1984

का पृश्नित संपरित के जियस बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) जन्मरण संहुई किसी जाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भृतिधा औं लिए; और/ब।
- (ख) ऐसी किसी याय या किसी धन या अन्य वास्तियों की, रिजन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उच्च विधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिस्त व्यक्तियों अर्थात्:- 35—276GI[84

(1) श्री कुत्बुद्दीन आत्मज इब्नाहीमभाई खुद व मुखा व तरफ से मुख्य सकीनावाई जोजे हासिम-भाई, निवासी—मढ़ाताल, जवलपुर। मुख्याफियावाई पत्नी इब्नाहीमभाई, निवासी--खपरगज,

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार अग्रवाल अत्मज श्री जगमोहनदास अग्रवाल, निवासी—विधा उपनगर, विलासपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 कि की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

मन्स्भी

खुता प्राट हत्हा नं० 110, खं० पैनं० 202, पहचान नं० 6/1, शनीचरी पड़ाब, बिलासपुर में स्थित हैं। यह बह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37जी में निहित हैं।

> वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोगास)

नारीख: 28-8-1984

in at was man

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. - - - ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 श्रगस्त 1984

निर्देश संब्याई०ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5057---धतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात (उकत अभिनियम) कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. हे अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 6/4 का टुकड़ा है, तथा जो शनीचरी पड़ाव, बिलासपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी 1984। को प्रधीनत सम्पत्ति के जिलत बाजार मूल्य में कम के स्थमान प्रतिफल के लिए बन्तरिष्ट की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उवत अन्तरण सिस्ति

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आव की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्थ में कभी करने या उससे वचने गें सविधा के लिए और/या
- (ण) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तिबों को, जिन्हों भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गा के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधील, निम्निकिस्टिट प्यक्तियों, अधील के स (1) श्री कुतुबूद्दीन ग्रात्मज इब्राहीमभाई स्वतः व मु० खा० तरफ से मु० सकीनाबाई जोजे हासिमभाई , निवासी—महाताल, जबलपुर
2. मु० साफियाबाई पत्नी इब्राहीमभाई, निवासी—खपरगंज, बिलासपुर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री रामावतार अग्रवाल श्रात्मज श्री जगमोहनदास, निवासी—विधा उपनगर, बिलासपुर ।

(ग्रन्तरितीं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त भगीत के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्ति हो में से किमी ब्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-ब्रुथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्होकरण —--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुस्थी

प्लाट नं० 6/4 का टुकड़ा, ख० नं० 245, शनीचरी पड़ाब, बिलासपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित हैं।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

सा**रीख**: 28-8-1984

र्म् स्मः

प्रभप आह'. टी. एन एप . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आधकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 ग्रगस्त 1984

निर्देश संब्याईव्एव्सीव/श्रजंन/भोपाल/5058—श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

यौर जिसकी लख्या प्लाट नं ० 6/1 का टुकड़ा है, तथा जो शनीचरी पड़ाव, बिलासपुर में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908(1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1984। को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विद्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिकल कप से क्रियत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिष्; और/या
- (खा) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिल्हां भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किए। गदा था या किया जाना चाहिए था, धियाने में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के सधीन निम्नलिसत व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री कुतुनुद्दीन श्रात्मज इब्राहीमभाई स्वतः व मु० खा० तरफ से मु० मकीनाबाई जोजे हासिमभाई, निवासी—मढ़ाताल, जबलपुर 2. मु० साफियाबाई पत्नी इब्राहीमभाई, निवासी—खपरगंज,

(अन्तरक)

(2) श्री रामावेतार ग्रग्नवाल ग्रात्मज जगमोहनदास ग्रग्नवाल, निवासी:—विधा उपनगर, बिलासपुर।

(मन्तरिती)

का बहु सूचना कारी करके पृथायत सम्परित के वर्षन के निष् कार्यनाहियों करता है।

जन्म सम्पत्ति के अजन क सम्बन्ध मा का**इं** भी **शाक्षो** :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्मंत्री व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास निवित में किए का सकोंगे।

स्पट्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्तं शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

प्लाट नं० 6/1 का टुकड़ा, ख०नं० 202, णनीचरी पड़ाव में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित हैं।

वीरिन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-8-1984

प्ररूप आई. टी एन. एस. -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 28 श्चगस्त 1984 निर्देश सं०ग्नाई०ए०सी०/ग्चर्जन/भोपाल/5059---श्चतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उकत अधिनियम' कहा गया हो., की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- का से अधिक ही

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 6/1 का टुकड़ा है, तथा जो शनीचरी पड़ाव, बिलासपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप में विणत है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908(1908 का 16) के श्रिधीन, जनवरी 1984

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक हम में यिशन नहीं किया गया है:---

- (क) इस स्चना के राजपश्च में प्रकाशन की तार्राख से अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिल्य में कमी कर शा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृथिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री कुतुबुद्दीन श्रात्मज इब्राहीम भाई स्वतः व मु० खा० तरफ मे मु० सकीनाबाई जोजे हासिमभाई, मढ़ाताल जबलपुर।
- 2 मु० साफियाबाई पत्नी इब्राहीमभाई, निवासी—खपरगंज, बिलासपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामवतार ग्रात्मज जगमोहनदास प्रग्नवाल, निवासी-—विधा उपनगर, विलासपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हुवारा,
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकरे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

भन्सची

प्लाट नं० 6/1 का टुकड़ा, ख०नं० 202, शनीचरी पड़ाव में स्थित हैं। यह वह स्थायर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित हैं।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल चक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-8-1984

प्ररूप आर्च . टी . एस , -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन मुचन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगरा 1984

निदेश सं ० आई ० ए ० सी ० / स्रर्जन / भोषाल / 50 60 — अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें स्तके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या सम्मत्ति है, तथा जो राइट टाउन वार्ड, जबलपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ली श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वाम करने का कारण है कि गथापूर्यांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य. इसके दम्ममान प्रतिफल सं, एंसे इस्ममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (अ) अंतरण सं हुई किसी आय को बाबत, उकत अभिनियम के अभीन कार दोने के अंतरक के दायित्य में कभी कारते या उससे बचने में स्विधा के लिए: अप्रिया
- (का) एसी किसी आय या किसी पत या अन्य गास्ति। का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या या किया जाना चाहिए था छिपार में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निस्निजिसित व्यक्तियों, सर्थात्:— (1) श्री नारायण रामचन्द्र फड़नीस पिता श्री रामचन्द नीलकंठ फड़नीस, 1267, राइट टाउन, जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरजसराम मुख्नानी पिता किशनदास मुख्नानी, निवासी—1254, राइट टाउन, जबलपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पण्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो ।

उक्त संगरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहरताक्षनी के गप्त लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, का एक भाग, राष्ट्रट टाउन वार्ड जबलपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण ग्रन्त-रिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-8-1984

प्रस्प भार् .टी.एन.एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 ग्रगस्त 1984

निदेण सं०म्राई०ए०सी०/भ्रर्जन/भोपाल/5061----प्रतः मुझे, बोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। की भारा 269- के अधीन सक्षम प्रधिकारों के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रुत से अधिक है

ष्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं 173, म०नं० 1298/1. 1298/2 व 1298/5 है, तथा जो मदन महल, हेल्थ केंप, नेपियर टाउन, नया राइट टाउन, जवलपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जवलपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908(1908 का 16) के ग्रिधीन, जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके एरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेच्यों से उक्त अन्तरण जिल्हित के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत, उक्त जीभीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविभा के लिए; और/मा
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अंतरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अंतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री वेदस्वरूप गुप्ता ग्राहमज स्व० शांतिस्वरूप गुप्ता, निवासी—1298, राष्ट्रद टाउन, जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) डा॰ जे॰के॰ टंडन
2. श्रीमती लता टंडन
3. श्रनंत प्यारी टंडन,
सभी निवासी—173,
नेपियर टाउन,
जबलपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीकत सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को संबंध मा कार्ड भी आक्ष्य :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस नं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

ननुसूची

प्लाट नं० 173, म०नं० 1298/1, 1298/2, 1298/5, नेपियर टाउन नया राइट टाउन जबलपुर में स्थित है। यह बहु स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 28-8-1984

प्ररूप भाइं. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार। 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 ग्रगस्त 1984

निदेश सं ० आई ० ए०सी ० / प्रर्जन / भोपाल / 5062 — श्रतः मुझे, बीरेंन्द्र कुमार बरनवाल,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि खं नं 531/1 है, तथा जो मौजा गढ़ा जिला जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायह अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908(1908 का 16) के ग्रिधीन, जनवरी 1984 जो पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य में कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान शितफल सं, एमे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (ग्रंतरका) और ग्रंतरित (श्रंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी वायं की वाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सांबधा के निष्; और/मा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारताय आय-कर आधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त आधानयम. या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना साहार था, जिल्पाने सा सावधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :-- भी प्रेमचंद बल्द रामकुष्ण लाल, निवासी—238, फाटक गढ़ा, जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रामी पर्सनल रिसेटलमेंट गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित जबलपुर द्वारा अध्यक्ष मेजर श्रार०के० त्रिवेदी एवं सचिव श्रार०पी० वाजपेयी, जबलपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वॉक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में फोर्ड भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धों व्यक्तियां एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए का सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों धरि पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

wareh

भूमि ख नं० 531/1, नं०बं० 599, प०ह०नं० 28, मौजा गढ़ा जिला जबलपुर में स्थित हैं यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-8-1984

ोहर:

प्रकप बाह . टी. एन. एस. -----

अत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 ग्रगस्त 1984

निदेश संब्ह्याई०ए०सी०/म्राजन/भोपास/5063—-म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि खं नं , 532/1 है तथा जो मौजा गढ़ा, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रोकरण श्रीधिनयम 1908 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जनवरी 1984 को पूर्वोंक्द सम्पत्ति के जिसते बाजार मूल्य से कम के दरयमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दरयमान श्रीतफल से, एसे दरयमान श्रीतफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया श्रीतफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वासरियक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम था धन-कर अधिनियम था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुनिधा के लिए;

अतः श्रव, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उकत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) हो अधीन गिम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री धनोराम पिता सुखुलाल, निवासी—गंज, जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रामी पर्यनल रिसेटलमेंट गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित जबलपुर हारा श्रध्यक्ष श्रार०के० त्रिवेदी पिता श्री बी०एस० त्रिवेदी सचिव श्रार०वी० वाजपेयी पिता श्री ए०वी० वाजपेयी, जबलपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पर्योक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हा ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन वर्ग अविध या तत्मप्रपत्नो व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन का ज्वांस, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से जिसी व्यक्तिय द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य त्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास गिकिन भ किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के जध्याम 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख०नं० 532/1, नं०ब० 599 प०ह०नं० 22, मौजा गद्गा, जिला जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्यत्ति हैं जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोगल

तारीख: 28-8-1984

्रप्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 ग्रगस्त 1984

निदेश सं०म्राई०ए०सी०/म्रर्जन/भोपाल/5064—म्प्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्थ 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी संख्या भूमि खं नं 531/1 है, तथा जो मोजा गढ़ा जिला जबलपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबड़ अनुसूचा में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ना अधिकारों के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रधोन, जनवरों 1984

भी पूर्विश्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरि कों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक अप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुइ जिसी नाय की बाबत उक्त अधि-निमम की अधीन तर बने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अधने में मृविधा के लिए; और या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियां को, जिन्हें ारसीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन : निम्निलिकित व्यक्तियों अर्थात् :---36--276GI84 श्री प्रेम चंद वल्द रामकुण्ण लाल, निवासी——238, बड़ा फाटक, जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

(1) श्रामी परसनेल रिमेटलमेंट,
गृह निर्माण सहकारी समिति,
मर्यादित जबलपुर द्वारा
श्रध्यक्ष मेजर श्रार०के० विवेदो एवं सचित्र श्री श्रार०पी० वाजपेयी,
जबलपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीच से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त घध्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्तभी

भूमि खुवनं 531/1, नं बिं डिंग, पव्हवनं 28, मीजा निका जिला जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण धन्तरिन। द्वारा मत्यापित फार्म नंवर 37 जी में निहित है।

> वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सजम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपालै

नारोख: 28-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

कायकर आंधीनयभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 श्रगस्त 1984

निदेश संब्झाई०ए०सी०/म्रर्जन/भोपाल/5065—-म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राध्कारी को, यह विष्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पांत्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि खं नं 531/1 है, तथा जो मौजा गढ़ा जिला जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबत श्रमुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्त्ता श्रिष्ठकारों के कार्यालय, जबलपुर्के में रिजस्ट्रोकरण श्रिष्ठित्यम 1908(1908 का 16) के श्रधोन, , जनवरी 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान श्रीतफल से, एसे दश्यमान श्रीतफल का पंदह श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिकल, निम्नलिखित उददोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में

षास्तियिक एप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृजिधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन रा अन्य अभिनयों को जिन्हों भारतीय अन्यक्तर अधिनिया, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट सहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. क्यिन के स्थित के लिए।

-अत. अय उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की हणभारा (1) के अधीन, निम्निटिसित राक्तियों, अर्थान् --- श्री प्रेमचंद बल्द रामकृष्ण खाल, निवासी-238, बड़ा फाटक, जबलपुर।

(प्रतरक)

(2) ग्रामीं परसनेल रिसेटलमेंट गृह निर्माण, सहकारो समिति मर्यावित जबलपुर द्वारा श्रध्यक्ष मेंजर ग्रार०के० विवेदी एवं सचिव ग्रार०पी० वाजपेयी, जबलपुर।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर रूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से जिसी व्यक्ति दवार.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मों परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

भूमि खब्नं 531/1. नं बंब 599, पब्हुब्नं 28, मौजा गढ़ा जिला जबलपुर में स्थित है। यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, गक्षम प्राधिकारी सहायक स्त्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

तारीख : 28-8-1984

मोहर

प्ररूप बार्ड, टी. एन्. एख.-------

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 श्रगस्त 1984

निदेश सं०म्राई०ए०सी०/म्रर्जन/भोपाल/5066--म्प्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अभिक हैं

भौर जिसकी संख्या मकान न० 411 का भाग है, तथा जो साउथ सिविल लाईन्स, जबलपुर में स्थित हैं (भौर इससे उपाबड अनुसूर्च। में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ना श्रीधकारी के कार्यालय, जवलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के प्रधीन, जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह शितायत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकार्त) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिचित मे वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्धरण से हुई फिसी माथ औ भाषण . उक्त विभिन्नियम के अधीन कर की के अन्तरक के बायित्व मी कभी किन्ते या उसने विभन्ने की मृक्षिण के जिए; बीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ कर जिन्हों भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में समिभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीन, ---

(1) पदमा बिनानी फोमली द्रस्ट इस्टेट, राजा बोकुलदास पैलेस, हनुमानताल जबलपुर द्वारा, द्रस्टी चन्द्र मोहन पिता स्व० श्री मनमोहनदास द्रस्टी।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स बिशन बिल्डर्स,
गुरविन्दर सिंह पिता
एस० गुरमुख सिंह
विशन निवासों – 635,
नेपियर टाउन,
जबलपुर।

(श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वावित संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

जनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जनभिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि,, को भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास, निकल में अग्र आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान न० 411 का भाग, साउथ सिविल लाईन्स, जबलपुर में स्थित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-8-1984

मोहर 🕆

प्ररूप सार्वे. टी, एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 श्रगस्त 1984

निर्वेश संब्झाई०ए०सो०/प्रर्जन/भोपाल/5067—श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमारः बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि खं नं 133/2 नया खं नं 169 है, तथा जो ग्राम उदोपुर, तहसील निवास (मण्डला) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण का से वणित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, (निवास मण्डला) में रिजस्ट्रोकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य पन्द्रह प्रतिशत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित लिसित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर. अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

कतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जगवीश चन्द्र महरोत्रा पिता श्री कै०पी० महरोत्रा द्वारा विमूर्ति टाकीज उज्जैन हारा मु० ग्राम श्रीमती दमयन्ती मरहोत्रा, 1224, नेपियर टाउन, जबलपुर।

(ब्रस्तरक)

(2) कैलाश भाटो बिल्डर्स प्रायवेट लिमि०, कामणियल भाटोमोबाईल्स बिल्डिंग, नेपियर टाउन, जबलपूर।

(मन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर सूचना की तामी के से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित स्पित्तयों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित-बहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अर्थाहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकींगे।

स्वत्वतिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्त्ची

भूमि ख॰ नं॰ 133/2, नया ख॰ नं॰ 169, हल्का नं॰ 1 ग्राम उदीपुर तहसील निवास (जबलपुर) में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> त्रोरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

सारीख: 28-8-1984

प्ररूप बाइं.टोक्एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 ग्रगस्त 1984

निदेश सं श्राई ०ए०सी ०/म्रर्जन/भोपाल/ 5068--- म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूल्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि खं० नं० 1883, 1884 है, तथा जो ग्राम खोर तहसील जावद में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से वणित है) रिजस्ट्री-कर्त्ता ग्रिधकारों के कार्यालय, जावद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम 1908(1908 का 16) के ग्रधीन, जनवरें 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए पन्तरित की गई है भीर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत्ते से ग्रीय के बीर प्रतिकत (पन्तरहों) चौर अस्तरिई (ग्रन्तरितियों) ह बोब ऐसे ग्रन्तरह (पन्तरहों) चौर अस्तरिई (ग्रन्तरितियों) ह बोब ऐसे ग्रन्तरह (ग्रन्तरहों) चौर अस्तरिई (ग्रन्तरितियों) ह बोब ऐसे ग्रन्तरह के जिए तम पायः गया प्रतिफल निम्निवाल्य उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित वे बाम्यविक कर से हिम्स नहीं क्रिया गराई ---

- (क) ये उत्तर है हैं कि ता महा का बाबत, तक्ष का ब लेकन के मुखान कर देने के अन्तरक के दायित्व म कमा करने या तथा बचने में नुविधा के लिए। भीर/या
 - (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनिष्ट को को स्वार अधिनिष्ट को कि सा उस्त अधिनिष्यम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्वा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

जतः ज्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) उदेलाल पिता
श्रो धोकलजी गुजर
निवासी—खेड़ा राठोर,
परगना जावद।

(ग्रन्तरक)

(2) दि ग्वालियर रेयान सिल्क मेन्युफैक्चरिंग विविश के० लिमि० विरला ग्राम,
नागद द्वारा श्री सो०सी० जाजु ग्रात्मज
श्री रामनारायण जाजु वाईस प्रेसीडेंट दि ग्वालियर
रेयान सिल्क मेन्युफैक्चरिंग विविश कंपना लि०,
विरला ग्राम नागदा,
वर्तमान निवास,
बंगला नं० 38,
नोमच कैंण्ट।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि सर्वें न 1883, 1884, ग्राम ग्रौर तहसील जावद में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नबर 37 जो में निहित हैं।

> वीरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायंकर स्रायुक्त (निरीक्षी) सर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-9-1984

मोहर 🗓

प्रक्य बार्च ही, प्रन. एव.

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बभीन सूचना

मारदं चरुकार

कार्यात्तर, सङ्घारक आयकर आयुक्त (विरोधक) श्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 ग्रगस्त 1984

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/5069—श्रतः मुझे नीरेन्द्र कुमार वरनवाल;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/ रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि सर्वे कमांक 1885 है, तथा जो ग्राम. खौर, तहसील जावद, जिला मंदसौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, जाबद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्देश्य से उच्च अन्तरण किवित में शास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरक से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त वृधिष्मुम् से स्पीत कर दोने से अभारक के वाधित्व में कमी करते वा बन्तरे वजने में सुनिका से किस्तु स्पुर्धना
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया थाना वाहिए था, क्याने में स्रीका के निए;

बतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन; निमनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री कचुर श्राहमणि
 श्री रषुनायजी गुजर,
 निवासी खेड़ा राठौर,
 परगना ताबद, म० प्र०।

(प्रन्तरक)

2. दि ग्वालियर रेयन सिल्क मैन्युफैक्चरिंग विकिंग कम्पनी लिमिटेड, बिरला ग्राम नागदा, बारा श्री सी० पी० जाजू, ग्रात्मज श्री रामनारायण जाजू, वाईस प्रेसीडेंट वी ग्वालियर रेयान सिल्क मैन्यूफैक्चरिंग विकिंग कं० लि०, बिरला ग्राम नागदा, वर्तमान निवास—बंगला नंबर 38, नीमच कैन्ट, मन्दसौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी कारके पृथेक्ति संपत्ति के अर्जन के सिए आर्यवाहियां करता हुं।

उन्द कुमरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि वो भी जब्धि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानता में से किसी स्थलित बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्ष्री के पास निश्चित में किए वा स्केंगे।

वसक्की

भूमि सर्वे क्रमांक 1885 है जो ग्राम खेड़ा राठौर परगना, जावद, जिला मन्वसीर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है, जिसका विवरण फार्म सं० 37-जी में मिहित है, तथा ग्रन्सरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेम्द्र कुमार बरनवाल संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

सारीख: 28-8-1984

मोहर 🐠

प्रकप बाइ .टी.एन.एस. ------

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 ग्रगस्त 1984

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल-5070--श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 '- रा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नंबर 42, भरहठो का वास, रतलाम है, तथा जो रतलाम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए।

जतः अया, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुगरण मों, मौं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) को अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत्:—

- श्री धनराज कन्हैयालाल माहेग्वरी के मालिक श्री कन्हैया लाल पिता श्री धनराजजी माहेग्वरी, निवासी 418, काटजू, रतलाम (म० प्र०)। (श्रन्तरक)
- श्रीमती पुष्पांवती
 पति श्री गोविन्दरामजी ग्रग्नवाल,
 निवासी 110,
 घान्दनी चौक,
 रतलाम।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टांकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

मकान नम्बर 42, मरहठो का वास, रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नम्बर 37-जी में निहित है तथा जिसे श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल भक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 28-8-1984

प्रक्ष. बाइ. टी. एतः एसः -----

नायकः विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, विनांक 28 श्रगस्त 1984

् निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/5071—म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं मकान म्यू नम्यर 42 है, तथा जो मोहल्ला मरहठो, रतलाम में स्थित है (श्रीर इससे उपाय अश्रुस्यी में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिन कारी के कार्यालय, रतलाम में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जनवरी 1983 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के एर्थमान प्रतिकृत के लिए बन्तरित की गई है और मूर्भ यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत को स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिकृत निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिसित में बास्तिकृत निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिसित में बास्तिकृत किया गया है स्म

- (क) अंतरण संहुइं किसी बाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्यें, जिन्हों भारतीय आय-क्रण ओपनियम, 1000 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया उका जोहिए था, क्रिणात हो संविभा के निए;

भतः अब उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- श्री कन्ह्यालाल ग्रात्मज श्री धनराजजी माहेश्वरी, 418, झाटजू नगर, रतलाम।

(ग्रन्तरक)

श्री गोविन्दराम झात्मज,
 श्री लक्ष्मीनारायणजी ग्रग्रवाल बजाज,
 110, चान्दनी चौक,
 रतलाम।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वान जारी करके पर्वोक्त मम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि नो में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास, अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्मण्डोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्यु० नम्बर 42 है, जो मोहल्ला मरहठो, रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है, जिसका विवरण फार्म नम्बर 37-जी में निहित है, तथा श्रन्तरिती द्वारा सरयापित किया गया है।

> त्रीरेन्द्र कुमार बरनवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रैंज, भोपाल

तारीख: 28~8-1984

प्रकार काई ही शह एवं .----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चन.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर बापुतत (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 28 भ्रगस्त 1984

निदेश मं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/मोपान/5072---ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि सर्वे नम्बर 682 है, तथा जो ग्राम मेंडकी, जिला देवास में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 र (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान प्रिक्षक के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितियों उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कसी करन या उससे दचते मा सविधा के लिए; भौर/या
- (य) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) ये, प्राजनार्थ अन्यिनों द्यार प्रयत्न नहीं किया प्राप्त प्राप्त नहीं किया प्राप्त प्राप्त नहीं किया प्राप्त प्राप्त के लिए:

अतः अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः नियासियो राष्ट्रित्यों, अधीनः :--- 37—7661/84

 श्री हिन्दुनिह पिता श्री पन्नालाजी तैस, निवासी सरदार पटेल मार्ग, देवास, मुक्त प्रका

(ग्रन्तरक)

2. श्रमुकूल नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था भयंदित देशस मे प्रिं द्वारा, श्रध्यक्ष श्री दिनेशकुमार निगम, निवामी 1388, बैंक नोट प्रेस, देवास, मे प्रिं।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करकं पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्चन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:→

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब तें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी नवींच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवांकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (व) इब् मुचना के राष्प्र में प्रकाशन की तारीय है
 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पृत्ति में हितबब्ध
 किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
 किसक्ष प्रक्रिय में किए मा सकीय ।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

भूमि सर्वे नम्बर 682 है, जो ग्राम मेंडकी, देवास म० प्र० में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नम्बर 37-जी में निहित है, तथा ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोषाल

नारीख: 28-8-1984

प्ररूप आहें.टी एन एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मृष्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 म्रगस्त 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/ 5073—श्रतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा प्रया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रह. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 707/2 है, तथा जो ग्राम मेंडकी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिश्रकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जिक्ट जिपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना वाहिए था. डिपएने में स्विधा के सिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🕮

- श्री हिन्दूसिंह पिता
 श्री पश्रालासजी वैद्य,
 निवासी सरदार पटेल मार्ग,
 देवास, म० प्र०।
- श्रनुकूल नगर, गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित देवास में० प्र० द्वारा, श्रध्यक्ष, श्री दिनेशकुमार निगम, निवासी 1388, बैंक नोट प्रेस, देवास, में० प्र०।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्यो।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया हाँ।

अन्सूची

भूमि सर्वे नम्बर 707/2 है जो ग्राम मेंडकी, देवास में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नम्बर 37-जी में निहित है, तथा ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपान

तारीख: 28-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.,-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 प्रगस्त 1984

निवेण सं० ग्राई० ए०सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5074—-ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी का, यह विश्वस्म करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका जीवत आजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रविकसित भूमि का खसरा नम्बर 23/1 है, तथा जो ग्राम पिपल्या कुमार, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पक्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के बन्त्रह प्रतिस्तित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलित को बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त जिथ-नियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या जुससे बचने में सुविधा के लिए, जॉर/बा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए;

कतः शव, उकत अभिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण भं, भं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री प्रकाभ ध्रात्मज,
 श्री सालिगराम,
 निवासी ग्राम पिपल्या कुमार,
 तहसील व जिला उन्वौर।

(अन्तरक)

2. मेसर्स स्नेहनगर गृह निर्माण सहकारी मंस्था, मर्यादित, तरफे अध्यक्ष, श्री अर्जुनदास जेठानन्द चावला, 114-ए, स्नेहनगर, इन्दौर, म० प्र०।

ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना बारो करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की जर्बा के ता मन्त्रम्यक्षी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्तिय व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य अप्रक्ति ग्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्योकरणः - - इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

भूमि खसरा नम्बर 23/1 है जो ग्राम पिपल्याकुमार, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है, तथा ग्रन्तरिती ढारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

ता**रीख**: 28-8-1984

मीहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----------बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

269-थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भौपाल

भीपाल, दिनांक 28 ग्रगस्त 1984

निदेश मं० श्राई० ए०सी०/श्रजंन/भोपाल/5075—श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल.

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/—— ह० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान तं० 59 है, तथा जो टेलीफोन नगर, इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाग्रद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप"से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, नारीख जनवरो, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्के दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक क्ष्म से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं सूविधा के लिए;

भतः अम उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्हालिखित व्यक्तियो, अथीत :---- श्री सुगनामल भ्रात्मज,
 श्री मधनमलजी,
 निवासी 59,
 टेलीफोन नगर,
 इन्दौर, म० प्र०।

(ग्रन्तरक)

देववन्ती पाण्डे
 पति श्री जयनारायण पाण्डे,
निवासी 679,
छोटी गोमती,
जबलपूर, मु प्रुष्ठ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीीभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्रकी

मकान नंबर 59, जो टेलीफोन नगर, इन्द्रौर में स्थित है। यह वह म्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नंब 37--जी में निहित है, तथा श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज़, भोपाल

तारीख: 28-8-1984 माहर: ____

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1984

निदेग सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5076---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नंबर 318, साकेत नगर, इन्दौर है तथा जो साकेत नगर, इन्दौर में स्थित है और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जनवरी, 1984 को पूर्वौक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के निए जन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

का पूराक्त सम्पारत के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य , उसके इत्यमान परिकल्ल से, एसे इत्यमान प्रतिफल्ल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल्ल किल निम्नलिसित उद्योचय से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण त हुद्दों किसी आय की प्राप्त उपनत आध-नियम के अभीन कार दाने के अन्तरक के दायित्य म कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिये; अपर/का
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, बिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

बत: बय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री हरीगचन्द्र
पिता श्री हरदयालजी विरमानी,
निवासी 31 ।
देहली विकास प्राधिकरण फ्लेट्स होसखास,
न्यू देहली-16।

(मन्तरक)

 श्रीमती सन्तोष अरोरा पति श्री चिमनलालकी अरोरा, निवासी मकान नं० /94, जवाहर मार्ग, इन्दौर, म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों। पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों। में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

क्यब्दो तरव --इर्गो प्रमुग गण्दों थोग पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याप 20-क में परिवाधित है, वही सर्व होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

भगतयी

प्लाट नंबर 318, जो माकेल नगर, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थायर संपत्ति है जिसका विवरण फार्म नंबर 37-जी में निहित है, तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-8-1984

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

भाग अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5077---यतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाण करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 44, ग्रेटर तिरुपति कालोनी, है, तथा जो ग्रेटर तिरुपति कालोनी, इन्बीर, म० प्र० में स्थित है, (और इससे उपावज्ञ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दीर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1984

कां पूर्वेक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की शायत, उक्त श्रीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- श्रो श्रीनिवास आत्मज, श्री गोपालकृष्ण कामथ, निवासी 10/2, ऊषागंज, इन्दौर, मु० प्र०।

(अन्तरक)

श्री मुरेशचन्द्र आत्मज
 श्री मोहनलाल ककर्ना,
 निवासी ग्राम लुनि,
 रस्तलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविश्व या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त सम्पिश में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास, लिखित में किए जा सकरें।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नंबर 44, जो तिरुपित कालोनी, इन्सीर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण फार्म नंव 37-जी में निहित्त है, तथा अन्तरिती द्वारा संस्थापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 28-8-1984

मीहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5078—अतः
मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

जोर जिसकी सं० प्लाट नं० 44, है तथा जो ग्रेटर तिरुपति कालोनी, इन्दौर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख जनवरी, 1984

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है औं अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, जिन्नलिचित उद्देष्य में उचत अन्तरण निचित में वास्टिवक रूप से कंधिस नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृश्यिका के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा अकट नहीं किया भवा था या किया जाना चाहिए अधिकराने यो स्विचा के निए;

 श्री श्रीनिवास यामथ आस्मज श्री गोपालपृष्ण, श्रामथ निवासी 10/2, ऊषागंत्र, इन्दौर, मु० प्र०।

(अन्यरका)

2. श्री राजेन्द्र कुमार मोहनलाल ककनी, ग्राम सुनि, जिला रतलाम।

(अन्तिरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप हन

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विम की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर स्थानता में से किसी स्थावत द्वारा
- (ख) इस तृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पास्त में हितबप्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष रिक्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गय! हैं।

अनुसूचो

प्लाट नंबर 44, जो ग्रेटर तिक्पिति कालोनी, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहिन है, तथा अस्तरितो द्वारा सत्याधित किया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल मक्षम प्राधिकारा पहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

बतः वर्ष, अक्त अधिनियम की भारा 269-ए के कनसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारंख: 28-8-1984

प्रकृप आहें.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-अ (1) के अधीन सुचना

बाइक स्टब्स्ट्र

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 28 अगस्य 1984

निदेश मं० आई० ए० मी०/अर्जन/मोपाल/ 5079 — अतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उन्त अधिनियम' नहां गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य, 25,000/-रु. से बिधिक हैं

मौर जिसकी सं० महान नं० 21 है, तथा जो आड़ा बाजार इन्दौर में स्थित है और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रिजर्स्ट्रीयती अधिशारी के कार्यालय, इंदौर में रिजर्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अश्रीत, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वितन सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान इतिफाल को लिए बंतरित की गई है और गुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विक संपत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तय पाया प्रतिफाल निम्निति खेत उद्वेश्य मे उकत बन्तरण मिश्रित में साम्या प्रतिफाल निम्निति हो किया गया है:--

- (क्क) अन्तरण तं हुई किसी नाव की बाबत, उक्त अधिनियंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित को कभी करने या उत्तर्भ अवने की सुविभा के किए; बीट्र-/बा

 श्री किया सिंह पिता गंगासिह चौहान, निवासी-→21, आडा बाजार, इंदौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती क्षमलाबाई पत्नी गिरधारी सिंह चौहान, निवासी----21, आड़ा बाजार, इंदौर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी, अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा.
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्य किसी जन्म व्यक्ति इतारा जभाहस्ताकारी के पास विविद्य में किए का सकोंगे।

रम्बिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उक्त जीधनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं., नहीं नर्थ होंगा को उस अध्याय में दियर गया हो।

बनुसूची

मकान नं० 21, आड़ा बाजार, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाव

अतः अवः, ज्वतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण यः, मौ, ज्वनः अधिनियमं की धारा 260-घं की उपधारा (1) कं अभीनः, निम्नलिसिन व्यक्तियों, अर्थात् .--

तारो**ख**: 28-8-1984

मोहर ः

परूप आहूर.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1984

निदेश मं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/5080---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकूी संव मकान नम्बर 21, है तथा जो आंड़ा बाजार, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कृप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को; जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---38--276G1/8। श्री विजय सिंह पिता श्री गंग सिंह जीहात, 29, आड़ा वानार, इन्बीर म० प्र०।

(अन्तरक)

2. श्री गिरधारीसिंह भिता श्री विजयसिंह चौहान, निवासी 21, आड़ा बाजार, इस्दौर, में प्रना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियों करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मैं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिस वक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

मकान नंबर 21, जो आड़ा बाजार, ईन्सौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फामं नंबर 37-जी में निहित है, तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेड्डब्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, भोषाल

तारीख: 28-8-1984

प्ररूप आर्द: टी. एन. एस_{ः ---------}

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1984

मिदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5081—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक मंजिला मकान, प्लाट नंबर 440 पर है, तथा जो कालोनी नगर, इंदौर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उित्र बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उज्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुद्द किसी आय की बाबत, खक्त अधिनियन के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; रेड्र/वा
- (क) ऐसी किसी अबंधा किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के दिए;

खतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अन्सरण क्षें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-मं की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— श्रीमर्तः राधादेवी
 पर्तः श्रं। रामितवासर्जः सोमानी,
 निवासी---27,
 साउथ यशवंत गंज,
 इन्दौर।

(अन्तरक)

श्री इन्दोरीलाल
 िता श्री पस्नालालजी जैन,
 ित्वासी-9,
 प्रजापसपुरा,
 इंदीर।
 वर्तमान-166,
 नयी सिधी कालोनी,
 इंदौर।

(अडुतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हं-।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिया में किए शा गकरेंगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौंका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

मनुस्ची

एक मंजिला मकान, प्लाट नंबर 440 पर बना हुआ, कालोनी नगर, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण अन्तरिनी द्वारा सत्यापित फाम नंबर 37-जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 28-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस....

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयान सामृक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5082--अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 18 है, तथा जो ग्राम गोयला खुर्द, सावेर रोड़, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्कीवरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1984

को पूनोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का नंबह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से किंवत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, ज़क्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

 श्रो बालमुकुन्दं, पिता श्री जगन्नाथजी, निवासी---मालीपुरा, उज्जैन।

(अन्सरक)

2. मेसर्स भारत हाउसिंग को० सोसायटी लिमि०, रिज० आफिस, गांधी भवन, नई सड़क, उज्जैन, द्वारा श्री सी० बी० गुप्ता, अध्यक्ष। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करकी पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन की लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कत व्यक्तित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्ड लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्चीं

भूमि सर्वे नं० 18, ग्राम गोयला खुर्द, सार्वेर रोड़, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित खार्म नंबर 37-जी में निहित है।

> वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

विनांक: 28-8-1984

प्रक्ष बार्ड <u>टी.</u>एन .एस . ----

जायकार अधिनियम । 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांत्रम, तद्दाम्क माध्कर नायुक्त (निर्दीक्न)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1984

निवेश सं० आई० ए० सी'०/अर्जन/भोपाल/5083—-अत मुक्को, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारज है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रापये से अधिक हैं

मौर जिसकी सं अपूर्म सर्वे नं 18 है, तथा जो ग्राम गियला खुर्व, सांवेर रोड़, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीखान जनवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके खयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्थ्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण कं हुई किसी जाम की बाबल, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

श्री बाल मुकन्द
पिता जगकाथ जो माली,
निवासी---मालीपुरा,
उज्जैन।
ग्राम गोयला खुर्द
तहु० व जिला उज्जैन,
ग्रारा मु० आम० ताराचंद,
पिता मौगीलाल माली,
मालीपुरा,
उज्जैन।

(अन्तरक)

2. मेसर्स भारत हाउसिंग को० सोसायटी लिमि०, आफित गांधी भवत, नई राड़क, उण्जैन द्वारा अध्यक्ष, श्री चन्द्रभान गुप्ता, पिता श्री बिहारीलालजी गुप्ता, उण्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रकेश सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तररीं से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितयकुष, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्पष्टीक रण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे पदों का, आं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा आं उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं 18, ग्राम गोयला खुर्द, सार्वेर रोड़, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित्त है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नतः वस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग लें अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) जो अधीन, निम्मलिकित व्यक्तिकों, सर्वात् १०---

ना**रीख** 28 8**-1984** मा**हर** 4 प्ररूप **वार्**ु टी. एन. एस., --=======

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन गुकता

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्नेन/भोपाल/5084—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- राज से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 18 है, तथा जो ग्राम गोयला खुर्द, सायेंर रोड़, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबत अनुमूची में और पूर्ण क्प से वर्णित है), रजि-स्ट्रीड़ती अधिकारी के क्षायलिय, उज्जैन में रिजस्ट्रीड़रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख जनवरी 1984

को पुर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मृत्यू में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योच्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तियक रूप से कांचत नहीं। किया गया है.——

- (का) अन्तरण प्रं हुई किसी बास की गावस उपस अंधि-निवास के बाधीन कर वाने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; व्यक्तिया
- (क) एंसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियां को, बिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन् कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भ्या भा या किया जाना चाहिए था खिपान में सुविधा के किया:

अत्. जब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), को मधीन,, निस्तिविधित व्यक्तियों, नर्भाष् ध--- श्री बार्तसुकुन्द
पिता अस्त्राथका माली
निवासी----मालीपुरा,
चर्कन,
द्वारा मु० आम० ताराचंद
पिता मांगीलाल माली,
निवासी--- मालीपुरा,
चर्कीता।

(अन्तरक)

2. मेसर्न भारत हाउसिंग का० सोसायटी लिमि०, आफिस गांधी भवत, गई सड़क, उज्जैन, द्वारा अध्यक्ष, श्री चन्द्रभान गुप्ता, पिता श्री बिहारीनालजी गुप्ता निवासी-- उज्जैन।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारों करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

इक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारिश्व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (स) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध । केशी अन्य व्याकि: द्वारा अथात्र्स्ताक्षरी के पास सिक्षित : किए ता सकी गं।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

भूमि सर्वे नं 18, ग्राम गोयला खुर्द, सार्वेर रोड़, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा नत्थापित फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

गारीख: 28-8-1984

प्ररूप आई.टी.एव.एस.-----

शायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोगाल/5085—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० भूमि सर्वे नं ० 18 है, तथा जो ग्राम गोयला खुर्द परगना, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए यन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उिषत बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उसत अंतरण लिखित में भारतिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण सं हुई किसी बाय की वाबत, छक्छ अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्नारा प्रकेट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सीजभा के सिए;

कतः। अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) है अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- मेसर्स भारत हाउभिंग का० सोसायटी लिमि० द्वारा प्रेसीडेंट,
 श्री चन्द्रभान गुप्ता,
 पिता श्री बिहारीलाल गुप्ता,
 निवासी—उज्जैन।
 (अन्तरक)

 विकांत कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था रिज आफिस डाबा रोड़, उज्जैन द्वारा अध्यक्ष, श्री कमलकांत द्विवेदी, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जा<u>री</u> करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में काई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के बीतर उसते स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, वधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्याः

भूमि सर्वे नं० 18, ग्राम गांयला खुर्द परगना, उज्जैन में स्थित हैं यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण अन्त-रिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

> वीरेन्द्र कुभार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-8-1984

प्ररूप बार्ड: टर्न: एन: एस.,----s

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयवार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० गृं० एस०/अर्जन/भोपाल/5086—अतः मृ**स**े, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० भूमि सर्वे सं० 18 है, तथा जो ग्राम गोयला खुर्वे परगना जिला उज्जैन में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के झार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जनवरी, 1984

भी पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्वित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों हो जिन्हों भारतीय पायकर आधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तिर्वती द्वारा प्रकट मही किया गया शाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इ. अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मेसले भारत हाउकिंग कोआपरेटिय मोसायटी मर्यादित उज्जैन द्वारा अध्यक्ष, श्री चन्द्रभान गृप्ता पिता श्री बिहारी लाल जी गृप्ता, उज्जैन।

(अन्तरक)

2. मेगर्म विकात दर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था रिजि० आफिस दावा रोड़, उज्जैन द्वारा अध्यक्ष, श्री कमलकांत द्विवेदी, निवामी—उज्जैन ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि सर्वे गं० 18, ग्राम गोयला खुई पर्गना जिला उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विष-रण अन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नंबर 37—जी में तिहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 28 ·8 ·1984

मोहर 🖫

प्रस्य आहें. टी. एत. एस.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकए आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाश/5087~-अस मुझो, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उन्तित वाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 18 है, तथा जो गोयला खुर्द परगता उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबळ अनुमूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीएनी अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल, से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकर्ते) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पासा प्रतिफल निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्पीबधा के लिए; और/था
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 एवं 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिराहिकार वारा कही कि ए गरा था या किया भाग कार्य था स्था

बत: अब, उक्त बिधिनियम की धारा २६९-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तिकों. अधीन:——

भेतर्स भारत राजित्य कोजापरेदिव सोसायटी

मगादित, उञ्जीन यारा जध्यक्ष,

चन्द्रभान गुप्ता,

पिता बिहारीलालजी गुप्ता,

निवासी----उज्जीन।

(अन्तरक)

2. मेसर्स विकात कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था रिज आफिस ढ़ाबा रोड़, उज्जैन ढारा अध्यक्ष, श्री कमलकात द्विवेदी, निश्वासी—उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 18, ग्राम गोयला खुर्द परगना जिला उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती हारा सत्यापित फार्म नंघर 37—जी में निहित है।

> वरिन्द्र कुमार वरनवाल ंसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 28−8−1984

मोहर र

प्ररूप काइ . टी. एन. एस. - - - - -

अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त 1984 निदेश सं० आई० ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5088—अतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्सके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का आरण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 18 है, तथा जो ग्राम गोयल खुर्द, सावेंर रोड़, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरोक्तें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप में अधिन नहीं किया गया है:——

- (क) विश्वास से हुइ किसी जाम की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/बा
- (भ) एसी किसी लाय या किसी अन या अन्य लास्तियों कार्ये कार्ये अपन्य सार्थित कार्यकर अधिनियम, 1000 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अनर्थिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया बाता बाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

लक्ष: अच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 39-276GI/84

(अन्तरक)

मेसर्स भारत हाउसिंग कोपरेटिब सोसायटी मर्यादित आफिस--गांधी भवत,
नई सड़क,
उण्जैन,
द्वारा अध्यक्ष,
श्री चनद्र भान गुप्ता,
उण्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्मत्ति के अर्त्रन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अविंश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बंबीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अशोहस्ताक्षरी के पास हिसिस में किए जा सकेंगे।

स्वक्कीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि सर्वे नं 18, ग्राम गोयला खुर्द, सार्वेर रोड़, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिन्हा अन्तरिती द्वारा सत्यापितफार्म नंबर 37-जी में निहिन्न है। वीरेन्द्र कुमार्य वेरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 28-8-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त, 1984

निवेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल-5089—अतः मुर्मो, बोरेन्द्र कुमार घरनवाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं:

श्रीर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 18 है, तथा जो ग्राम गोयला खुर्व परगना, उज्जैन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधद अनुसूच में ग्रीर पूर्ण रूप से विणा है) रिजस्ट्र कर्ता अधि-कार के लायिलय, उज्जैन में रिजस्ट्र कर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान, जनवरा, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिक्त का उचित बाजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रौतहत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बनिरती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त त्रिधिनयम के अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भूनिधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित अयिक्तयों, अर्थात् हु--- (1) भारत हाउसिंग कापरेटिव सोतायटी मयादित, उज्जैन द्वारा अध्यक्ष श्री चन्द्रभान गुप्ता पिता बिहारीलालजी गुप्ता निवासी-उज्जैन।

(अन्तरक)

(2) विकात कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था रिषि आफिस ढ़ावा रोड, उज्जैन द्वारा अध्यक्ष श्री कमलकांत द्विवेदी, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति मों हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निक्षित मों विष्णु का सकीये।

स्पस्त किरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्की

भूमि सर्वे नं 18 ग्राम गोयला खुर्द परगना जिला उज्जैन म स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण अन्तरिता ब्रारा सस्यापित फार्म नं 37 जो में निहित हैं।

> वीरेन्द्र फुमार बरनवास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

विनांक: 28-3-1984

मोहर 🖫

प्रकृष बाह्र , टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 28 अगस्त, 1984 निदेश सं० आई०ए०सो०/अर्जन/भोपाल-5090—अतः मुझें, बोरेन्द्र कुमार वरनवाल

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रौर जिसकी सं मकान है तथा जो नानक मार्ग, धार में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में म्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ती अधिकारा के कार्यालय, धार में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1984

रहे पृष्ठींक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दरयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठींक्त सम्पत्ति का उपित बाजार भूल्य., उसके दरयमान प्रतिफल से एंसे दरयमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का, निक्तिसिव्ह उद्देश्य से उक्द बन्दरण मिणित में वास्तर किक रूप से कथित नहीं किया गया है हैं—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उच्च विध-विश्व के वृधीन कर दोने के बुन्त के दासित्व में क्यी करने वा उससे वृष्ते में सुविधा के दिये; और या/
- (ख) धंसी किसी जाय या किसी धन या जम्म जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) भा उन्नत अधिनियम, या धन- अप अधिकार्थ नियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ जन्मीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में क्रियम के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रामता मनोरन बाई परिन राजाराम नाडकर (2) मुरेशवन्त्र (3) प्रमुल्ल कुमार (4) मुधोर कुमार (5) सा० कुमुद (6) सी० शैला (7) (7) अजय कुमार पिता राजाराम, धार। (अन्तरक)
- (2) सी० सुशोलाबाई पित शंकरलालजो जैन निवासी→ महात्मा गांधो मार्ग, धार।

(म्रन्तरिती)

को यह भूचना भारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कायवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविकत स्थिकतमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्हीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

मक्षान नानक मार्ग, धार में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37जी॰ में निहित है।

> वोरेन्द्र कुमार बरनवास सक्षम प्राधिकारी सहायकं आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

दिनांक: 28-8-1984

मोहर 🖫

प्रकृषः बार्दः दी . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक वायकार वायुक्त (निरीक्तण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल दिनांक 28 अगस्त, 1984

निवेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5091---अतः वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसका सं० एक मंजिला बिल्डिंग, प्लाट नं० 40 है, जो तथा मैकेनिक नगर, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रावार्ता अधि-गारा के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रावारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, जनवरा, 1984

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में शास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने ये। उससे बचने में मुविधा के निए: और/या
- (हा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अ57 (1957 का 27) रा प्रकट नहीं किया हिए था, छिपाने में

ब्हः वब, उक्त विधिनयम की भारा 269-भ के अनुसरक में, में, उक्त अधिरियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, वर्धात ब— (1) ग्रेबाल इलेक्ट्रिक वन्सं द्वारा श्राः गुरुवचनसिंह पिता मलिक्यत सिंह निवासी 16, रेड्रियो कालोनी, इंबीर।

(अन्सरक)

(2) 1 श्राहरमेंद्रे सिह 2 चरगजीत सिह अजीत सिह (4) सुखबेन्त्र सिह पिता श्री ज्ञानसिह नंबर 2 अवयस्क तरफे संरक्षक सरवार ज्ञान सिह पिता श्री भगतसिंह जी निवासी-11 आदशं नगर, इंबीर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वाक्स, सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षप हुनन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन कि अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य स्थानित वृवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् सिवित में किये जा सकों ने।

स्वच्यीकरण:— इसमें प्रयुक्त भव्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया पदा है।

नगस्त्री

एक मंजिला बिल्डिंग, प्लाट नंबर 40 पर बना हुआ, मैकेनिक नगर इंबौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरूण अन्तरिती द्वारा सत्यापित कार्म नंबर 37 जी म निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल

विनोक: 28-8-1984

प्रकृष वार्षः . दो . धून , एस . --- ------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सें१०/अर्जन भोपाल/5092--अतः मुझे, वीरन्ध्र कुमार बरनवाल

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० प्लाट नं० 90-आर०, स्क्रीम नंबर, 44, इंबीर विकास प्राधिकरण है तथा जो इंदौर में स्थित है (घोर इससे उपाबद्ध अनुसूचः में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रा-कर्ता अधिकार। के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट, करण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधान, जनवरी, 1984 की वर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुर्फ यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक्त सम्परित का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एमं दश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरिक्तियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-कस निम्नासित उद्देशस्य न उन्त अन्तरण निमित मा यास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है ध----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिथ-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे यचने में सुविधा को लिए; बौर/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय गाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, (1957 का 27) 1957 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहां किया गया था, या किया जानी माहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीत, निम्नलिकित व्यक्तियाँ, वर्षात् इ--

(1) श्रा रमेश चन्द्र पिता श्रा नंदोराम जो द्वारा मु० आम श्राः विजय कुमार पिता श्रो हरीराम जी शाजिया निवासो-42, जयराम पुर कालोनी, इंदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्रो हरगुन दास पिला नामोमल जी हरयानी निवासा-36, महावार मागं, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

तकरा सम्परित के बर्चन के मन्द्राय में कोई भी बाक्षण:--

- (क) इस स्थाना के राजधन में प्रकाशन की सारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वास्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्थना के राजभव में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बवध किसी अन्य व्यक्ति बुधारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकों गे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त सच्यों और पदौं का, णो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया 10-7 p# 0

मकान, जो कि प्लाट नं० 90 आर० पर बना है स्कीम नं० 44, इंदौर विकास प्राधिकरण इंदौर में स्थित है। व यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37जों० में निहित है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर (मायुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 28-8-1984

मोहरः

प्रसप् वार्षः टी. एन. एस.,- - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त, 1984

निदश सं० आई०ए०सी'०/अर्जन/भोपाल-5093--अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार धरनवाल

बायकर अधिनियम, 1987 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से आधिक है

म्रीर जिसके सं प्लाट पर बना हुआ मकान नं 547 है तथा जो विष्णुपूरी एनेक्स कालीन, इन्दौर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकार। के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, जनवरी, 1984 को पूर्णिकत सम्पत्ति के जिसत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिग्रात से अधिक है और अन्तरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल गंदन्नां लिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसत में बास्तिक एस से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क बिधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

जल, अब उक्त अधिनियम की शास 269-म को अनुसरण मों, मों सक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अभीत, निम्मीशिस्त व्यक्तियों, अधित्क च

- (1) श्रां अनोखीलाल पिता श्रा जड़ावचन्य घाड़ांवाल, भिवासी 226 सांधा स्ट्रोट मेनरोड, महू। (अन्तरक)
- (2) श्री रामिकियोर पिता श्री प्रयागराज पाल, सेन्ट्रल बैंक आफ इण्डिया शाखा, गोकुलपुर म० प्र०। त (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

प्लाट पर बना हुआ मक्तान नम्बर 547 है जो विष्णु-पुरी कालोनो, इन्दौर में स्थित है। इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विश्वरण फार्म नम्बर 37-जी में निहित है तथा अन्तरितो द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वारेस्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **भो**पाल

दिनांक: 28-8-1984

मोहर 🛭

प्ररूप थाई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्जालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, भोपाल भोपाल, विनांक 28 अगस्त, 1984

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल-5094---अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार धरनवाल

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिसे कित अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-- च हो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नम्बर 236-आर० पर बना एक मंजिला मकान है तथा जो खाती वाला टैंक, स्कीम नं० 44 इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1984

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल ले एंग्रे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य सके उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविक्तिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री सन्तोषसिंह आत्मज श्री मेलासिंह जी होरा, निवासी 134, इमली बाजार, इन्दौर म० प्रा० (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुशीला देवी कपूर पति श्री बृजमोहनजी कपूर, निवासी 122, ट्रांसपोर्ट नगर, इन्दौर, म॰ प्र॰।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्सूधी

प्लाट नम्बार 236 आर॰ पर बना हुआ एक मंजिला मकान जो खातीवाला टैंक स्कीम नम्बर 44, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फामं नम्बर 37-जी में निहित तथा अन्तरितो द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वोरेन्द्र कुमार बरनावल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल ।

विनांक: 28-8-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 28 अगस्त, 1984

निर्देश सं० आई०ए०सो०/अर्जन/भोपाल-5095--अतः मुझे,

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल अपयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्यों इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रह. से अधिक हैं
भौर जिसकी भवन नगरपालिका निगम नम्बर 6: 561, छु
नया नम्बर 65, विश्वविद्यालय मार्ग, उज्जैन म० प्र० है तथा
जो उज्जैन में स्थित है (श्रीर इससे उपावत अनुसूचे में
श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रं कर्ता अधिहारी के
कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रं अरण अधिनियम 1908 (1908
का 16), जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित वाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिकल से, एसे रूपमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शाधित्व में कमी करने या उससे वचने में गुजिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धम या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 कि 11) या उन्नत अधिनियम, अप धन-कर अधिनियम, अधिकर पित्र के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना आहिए आ, स्थिपाने में सूरिका के जिल्हा

बतः बन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्रीमता जयमाला इंगले पत्ति स्व० श्री जयसिंह रावजी इंगले, निवासा मज्ञान नं० 65 विश्व-विद्यालय मार्ग, देवास रोड, उज्जीन।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर लाल (2) श्री सुरजप्रकाश, आत्मज श्री काशीराम जी, नियासी 16 मौजमार्ग, फीगंज, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रामित सम्परित को वर्णन के विष् कार्यवाद्रिया शुरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी त्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्मत्ति में हितन्नपूष किसी जन्म व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्**ची**

मकान नं० 65 जो विश्वविद्यालय मार्ग, (देवास मार्ग) उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फामं नम्बर 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> यारेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक अयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल।

दिनांक: 28-S-1984

चार्यक्षर अधिनियम् 1961 (1961 का 43) की नारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल दिनाँ रु 5 सितम्बर 1984

निर्वेश आई०ए०सी ०/अर्जन/भीपाल-5096--अत, मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 88/1, 2, 3, 4 एवं 5 है तथा जो खमतराई तह० रायपुर रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रस्ट्रिकरण इशिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 198

अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम् के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का प्रमुह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिक्वा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (१००) जन्तरक से हुद्द किसी जाय की वाबतः, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के जन्तरक वों वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्तः, अब, उक्त अधिनियम, कौ पारा 269-ग कै अनुसरक में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाग (1) के व्यथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----40--276GI/84

- (1) श्री राभप्रशाद पिता श्रो दरवारी साहू एवं अन्य भातराई तह० रायपुर, रायपुर म० ४०। (अन्तरक)
- (2) श्री रामजीभाई पिता श्री ईम्बरलाल पटेल, निवासी फाफाडीह, रायपुर तह० जिला रायपुर म० प्र० (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उचतु संपरित् को अर्जन् की संबंध में कोई भी जाओपु:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (ख) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रींब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरहै के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनस्पी

भूमि खसरा नं० 88/1, 2, 3, 4, 5 है जो फाफाडीह, तह० रायपुर, जिला रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 38-जी में नीति है तथा अन्तरिती द्वारा मत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल।

दिनांक: 5-9-1984

मोहर ध

प्ररूप भार्ड, दी, एन्, एस,------

भागकर मिलिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार कार्याजय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्देशका)

> भ्रजन रेज, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निषेश सं ० आई ० ए०सी ० /अर्जन/भोपाल-5097---अत, मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 88/1, 2, 3 4, एवं 5 है तथा जो खमतशाई, तह० रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजरट्री रूप अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करणे या उन्नते क्यमें में सुविधा के लिए; और/बा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---- (1) श्री रामप्रसाद पिता श्री दरबारी साहू अन्य, निवासी खमतराई, तह० रायपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री गोविन्द भाई पिता श्री रामजी भाई पटेल, निवासी खमतराई, तह० रायपुर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीन से 30 दिन की बविध; जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपरित में हितबव्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

भूमि खसरा नं० 88/1, 2, 3, 4, 5, जो खमतराई, तह० रायपुर जिला रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में नीहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

दिनांक : 5-9-1'984 मो**ह**र : प्रकृष बाह्यं, टी. एन्. एक्. --=-----

कायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बुधीन सूचना

शारद स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोगाल भोगाल विनाक 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5098—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 88/1, 2, 3, 4, एवं 5, है तथा जो ग्राम खमतराई, रायपुर जिला रायपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी 1984।

को वृदोंक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से ऐसे द्रायमान प्रतिफल का धन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन किसी गाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दो के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/सा
- (क) एसी किसी आय था किसी धन या बन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत् :—— (1) श्री रामप्रसाद पिता श्री दरबारी साहू, खमतराई, तह० रायपुर, रायपुर म० प्र० ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जानबाई पति श्री रामजीभाई, फाफाडीह, रायपुर म० प्र०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, भी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त स्थित्यों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टींकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित अधिनियम के अध्याय 20-क़ में दिया है।

अमृत्वी

भूमि खसरा नं० 88/1, 2, 3, 4, 5, है जो ग्राम खमतराइ, तह० रायपुर जिला रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 5-9-1984

प्रस्य बाह्य, टी. एन., एस., ------

सायकर संधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन सुमना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायकत (निरौक्षण) श्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, विनाक 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5099—ग्रातः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह'), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार गूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 10-सी, जीन 2; मेजर शापिंग सेन्टर है तथा जो हबी अगंज, भोपाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी 1984 को पृथेंक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कर्म के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बावस न उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविभा के निए; और/ग
- (क) ऐसी किसी आए या किसी धन था अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 1) एक एक्स प्रधितियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः्- (1) श्री डी॰ पी॰ रूपल,
 130/सी-3/ई-सेक्टर, बरखेड़ा,
 भोपाल म॰ प्र॰।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्राषा जैन,
 ई-7/24, चार इमली,
 भोपाल म०प्र०।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस्य लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विभा गमा है ।

बरास ची

प्लाट नं ० 10-सी, जोन नं ० 2, है जो मेजर शापिंग सेन्टर, हबीबगंज, भोपाल में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं ० 37-जी में नीहित तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 5-9-1984

मोहर 🌣

प्रकृप बाइ .टी. एम. एस. :--

जाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भोपाल, दिनांक 5 सिंतम्बर 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5100--ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं:

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं 58 है तथा जो महाराणा प्रताप नगर, मेजर गापिंग सेन्टर, हबीबगंज, भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीद्धरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है।

- (क) ब्रुच्यरण वे हुई किसी नाम की बाबत, अक्स निधानियम के अभीत कर दोने के जनसरक के दासिएन में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निका; जरि/का
- (च) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा में निए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिक्षित व्यक्तियों, अधीत्ः (1) श्री तारिक हुसैन खान पिता श्री मुण्ताक हुसैन खान, जहांगारिया स्कूल के पास, भोपाल म० प्र०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० एल० गोस्वामी, पिता श्री एल० वी० गोस्वामी, 96, कस्तूरबा नगर, भोपाल म० प्र०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्पत्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिनतमों में से कि खी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्ताट नं 5 8 है जो महाराणा प्रताप नगर, मेजर प्रापिग सेन्टर हवीबगंज, भोषाल में स्थित है। यह वह म्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं 37-जी में नीहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 5-9-1984

प्रस्त नार्^द. ठी_{.,} प्रस_{्त} प्रस_{्त} ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निर्रीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5101—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- कः. औ अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 88/1, 2, 3, 4 5 ,है तथा जो खमतराई, तह० रायपुर जिला रायपुर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनोक जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बल्यह प्रतिखत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्दरण के निए तय पावा मया प्रति-क्य विश्वासित उद्देश्य से उच्य बंदरण मिष्टित में बारक्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- ्रिक्) अन्तरण वं शुर्व किसी जाव की बावद व्यक्त विश्-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए बीद्र√या
- (क) श्री किसी नाव वा किसी पत्र वा कभ वास्तियों को, विन्हें भारतीय आग्रकर विभिन्नियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त मृश्वित्यम, वा भन-कर वीधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोद्यार्थ क्निरिंद्य, 1957 (1957 का 27) के प्रवोद्यार्थ क्निर्दिश व्वारा प्रकट नहीं किया प्या वा किया वाचा वाहिए था, किया में सुविधा के लिए;

जतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री रामप्रसाव पिता दरबारी साहू (एवं ग्रन्य) निवासी खमतराई, रायपुर म० प्र०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लखमसी भाई पिता श्री रामजीभाई पटेल, निवासी फाफाडीह, रायपुर म० प्र०।

(ब्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिया कुरू करता हुं।

उक्त संपर्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राषपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र स्थान की तामील से 30 दिन की अविश् जो भी अविश् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धुवारा;
- (क) इस युचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं ० 88/1, 2, 3, 4, 5 है जो खमतराई, तह ० रायपुर जिला रायपुर म० प्र० में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं ० 37—जी में नीहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

ंदिनांक: 5−9−1984

मोहर ः

प्रस्य बाइ े टी. ५म., एष.-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्थान

भारत सरकार

कार्थां ज्य, सहायक जायकर भागुनत (निरीक्षण) भर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, विनांक 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5102—ग्रतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

अग्रयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 72/2 एवं 171/2 प० ह० नं० 61 है तथा जो ग्राम श्रमलेष्वर, भिलाई, जिला दुर्ग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दिश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिचित उद्देश्य से उन्त अन्तर्ण मिचित में बास्तिक हम से कियत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नामतः, उक्त नीधितयम के अधीन कर देने के नन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के सिए; नीड/वा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती इशारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, कौ भारा 269-व के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखिल असिताल्यें, अर्थात्ः— (1) श्री राम्रस्तन पिता श्री गंगावास नत्यानी, निवासी सदर बाजार, रायपुर म० प्र०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री स्वरूप चन्द पिता श्री मानिकलाल, निवासी चौबे कालोनी, रायपुर म० प्र०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्वार:
- (स) इस सूचना को राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्क निवास में किए जा सकीये।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गमा है।

अमृत्रुची

भूमि खसरा नं० 72/2 एवं 171/2 प० ह० नं० 61 हैं जो श्रमलेश्वर, भिलाई, जिला दुर्ग में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37—जी में नीहित है तथा अन्तरिती द्वारां सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 5-9-1984

प्रकार बार्ष , दी , एवं , पुत्र , ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

अग्रस नरकार

कार्यांक्य, सहाय्क आयक्तर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5103—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भागकर निर्धानसम्, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसके परवात् 'उनत मधिनियम' कहा गया हैं) त की वाच 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपृतित विसका स्थित् बाचार मूनव 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 100, प० ह० नं० 61 है, तथा जो ग्राम श्रमलेश्वर, भिलाई, जिला दुर्ग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक जनवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मुख्य से कम के द्रायमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित नाजार मृल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पुन्तह प्रतिकास से अभिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-क्रम निम्नसिवित उद्योग से उच्य बन्दरण विवित्त में वास्य-विक क्रम से स्वित नहीं किया एका है है--

- (क) ब्लाइन के ब्रुइं कि की बाद की बादक करका वादि-तिवास की अभीत कर योगे की बन्तारक के वादित्य में कवी कार्य वा कवार्य व्याने में बुद्धिया की विवाह आहु/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग का उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म

 श्रीमती कुसुमबाई पत्नि श्री राजकुमार, निवासी सदर बाजार, रायपुर म० प्र०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री स्वरूपचन्द पिता श्री मानिकलाल, निवासी चौजे कालोनी, रायपुर म० प्र०।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

बन्द सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोद :---

- (क) इस ब्यान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की नविध, वांभी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्राइड ;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गम निकित में किए वा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त किंधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वा है।

जन्स्यो

भूमि खसरा नं० 100, प० ह० नं० 61 है जो ग्राम श्रमले एवर, भिलाई, जिला दुगें में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में नीहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 5-9-1984

प्रकृप कार्य हो , प्रमृत्य , -------

जायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रॅज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 5104--- ग्रतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

अौर जिसकी सं० अविकसित भूमि सर्वे नं० 11, 12/1 एवं 12/3 है, तथा जो डोंसीगांव, रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय रतलाम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रथमान प्रतिफल से एसे प्रथमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेशो से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की जावत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

 श्री कचरूपिता श्री अद्भरा माली, निवासी डोंसीगांव, रतलाम, म० प्र०।

(अन्तरक)

2. मैसर्स रतलाम फर्टीलाइजर लिमिटेड, रतलाम, र० आ० 305-31 2, सीपाली बिल्डिंग, 3 मंजिल, 92, नेहरू प्लेस, न्यू दिल्ली।

(अन्तरिती)

कार्यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपह्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनिगर, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

अविकिसित भूमि सर्वे नं ० 11, 12/1 एवं 12/3 है, जो डोसीगांव, रतलाम में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं ० 37-जी, में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा संस्थापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार अरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 5-9-1984 मोहर : प्ररूपः वादः टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5105——अत मुझे, वीरेन्द्र कुमार घरनवाल,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि गर्वे नं० 12/1एवं 12/3 है, तथाओं डोंसी गांव, रतलाम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उद्ध अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म कभी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (भा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति अर्थात् :— श्री नन्दराम पिता श्री भोती जी सुतार, निवासी डोंसीगांव, रतलाम मञ्ज्र ।

(अन्तरक)

2. मैंससं रतलाम फर्टिलाइजर लिमिटेड, रतलाम, र० आ० 305-392, बीपाली, 3 फ्लोर, 92, नेहरू प्लेस, न्यु बेहली, एख० ओ० 96, गार्डन रीच रोड, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे. पदों का, जो उक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अश्सुची

अविकसित भूमि नं० 12/1 एवं 12/3 है, जो डोंसीगांव, रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्तिहै जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में नीहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किथा गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 5-9-1984 मोह्र ■ प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

मायकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 263-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनां है 5 सिलम्बर, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपान/51 06 अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव महान नंव 379, वार्ड नंव 5. काटजू नगर, कालोनी, है, तथा जो रतलाम में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री हिंग अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से काम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वस उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अधिनियम के अधीन कर दोने के मन्तरक के दायिस्व और/या
- (ह) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- गोविन्दलाल पिता श्री जुहारमल जी, निवासी 379, काटजू नगर कालोनी, रतलाम म०प०।

(अन्तरक)

2. श्री हाजी रोफ़्द्दीन पिता श्री हाजी फिदाहुसैन, मिठा-वाला, निवासी मोहल्ला, चांदनी चौक, बोहर।बाखल, रतलाम म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्प :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीशर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

अनुसूची

मकान नं० 379, वार्ड नं० 5 है, जो काटजु नगरकालोनी, रतलाम , में स्थित है तथा यह बह स्थाधर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में नीहित है, तथा अकारिती द्वारा सत्काषित ियागया है।

> कीरेन्द्र कुभार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-9-1984

माहर :

प्ररूप आहें, टी. एत. एस. - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकाड

कार्यालय, सद्धायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भौपाल

भोपाल, दिनांब 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5107--अतः मुझे नीरेन्द्रकुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा पया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,010/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान नं० 2 है तथा जो प्रिसेंयशवन्त रोड, इन्दौर स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास काने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्रिथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त विभिन्नियम की अभीन कर दोने के अन्तरक की विभिन्न में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जॉड/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सव, उनते अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उनते अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

 श्रीमती क्ष्मणी बाई पुष्पणीलराव पान्डे, निवासी साउथ दुकोगंज, इन्दौर म०प्र०।

(अन्तरक)

- (1) श्री नन्दिकशोर खण्डेलवाल परवेशी, 2287, महाराष्ट्र समाज भवन रोड, महु।
 - (2) विनोद कुमार पिता श्री हरीश **चन्द जी बुन्दे**ला, निधासी 3364, मुकेरी, मोहल्ला, मह ।
 - (3) सुरेण कुमार पिता श्री जियालाल कलोजिया, निवासी लालाराम नगर, इन्दौर म०प्र०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्त्यी

मकान नं० 2 है जो प्रिस शायन्त रोड इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थायर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में नीहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुभार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-9-1984

मोश्चर 🖺

प्ररूप बाह् ं टी. एन. एस्.-----

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांच 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5108——अतः मुझे बीरेन्द्र कुमार बरनवाल

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं2 म्यु० पा० मक्षान नं० 2 है तथा जो प्रिन्स यगवन्त रोड, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप ने विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त बांध-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के छिए बार/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अभिनियम, या धन-कर आंधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- क्क्मणी बाई पित स्व० श्री पुष्पशीलराव पौन्दे, निवासी 2/7, तुकोगंज, इन्दौर म०प्र०।

(अन्तरक)

- 2. (1) चिन्तामणे सोलंकी, पिता श्री नानुराम सोलंकी
 - (2) श्रीमती लताबाई पति श्री चिन्तामणी सोलंकी, नियासी 323, जवाहर मार्ग, इन्दौर, म० प्र० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के दें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिय। पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-धव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अक्षंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसंची

मकान नं० 2, प्रिन्स यणवन्त रोड, इन्दौर में स्थित है। यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में नीहित है तथा अन्तरिती द्वारा सस्थापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख:** 5-9-1984

मोहर 🕾

प्रकृप बाइं. टी. एन. एस. *******

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनाँक 5 सितम्बर 1984

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/5110--- म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इस्में इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. संबधिक है

ग्रीर जिसकी सं कि मकान नं 10 प्लाट नं 4 है तथा जो एम जी रोड, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण क्प से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1984

को प्वांनित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरूप संदुर्द किसी बाय की बाब्द, उन्त अपित्रवास के अभीन कर क्षेत्र के बन्तरक के दासित्व में कमी करने वा उब्हो स्कृते में ब्रुविधा के जिए; और/या
- (ध) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपान में स्थिमा के बिए;

धतः सम्भ , उनतः निमित्रम की भारा 269-ग के अनुस्रक में, में, उकत अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्नितिस्रत व्यक्तियों, नर्धात् :---

- 1. (1) श्री सच्चानन्द पिता श्री किशनचन्द भाटिया
 - (2) श्री मेघराज
 - (3) श्री रतनकुमार
 - (4) श्री महेशकुमार पिता श्री सच्चानन्द जी भाटिया निवासी राधानगर 60, इन्दौर म० प्र०।

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रशोक इंगलें पिता श्री गोविन्द राव इंगलें 161, तिलक पथ, इन्दौर, म०प्र०

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्धन्ध में काहि भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की शादिक के 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यः क्तायों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विश्व पत्रा हैं।

वनस्यी

मकान नं 10, प्लाट नं 4 है, जो एम० जी रोड, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं 37-जी में नीहित है तथा भ्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) . ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-9-1984

मोहुर 🤋

प्रस्य बाइं. टी. प्रन. प्रस् .------

शायकर बिधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-म (1) के सुभीन सूचना

मारत बरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, भोपाल भोपाल दिलांक 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं० ग्र.ई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5109—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25-000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं कि मकान नं 10, प्लाट नं 4 श्रीदेवी स्रपार्ट-मेन्ट का भाग, है, तथा जो एम जी रोड, इन्दौर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक जनवरी, 1984

को प्रवेक्त संपरित के उणित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिक स के लिए जन्तरित कर गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके स्वयमान प्रतिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ्पामा गमा प्रतिक है निस्तियों के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ्पामा गमा प्रतिक , निम्नीनिषत उद्योच्य से उक्त जन्तरण जिल्हा जिल्हा में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्वा है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत., उक्त अधिपियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बार/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वन, उक्त विधितयम की भारा 269-व के अनुसरक् मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. (1) श्री सच्चानन्द पिता श्री किशनचन्द जी भाटिया,
 - (2) श्री मेघराज,
 - (3) श्री रतन कुमार,
 - (4) श्री महेश कुमार पिता श्री सच्चानन्द जी भाटिया निवामी 60, राधा नगर, उज्जैन, म० प्र० (श्रन्तरक)
- श्री मोहम्मद हाशम पिता श्री मोहम्मद हुसैन निवासी 20, त्रम्पा बाग, इन्दौर, म० प्र० (ग्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पृशांचित संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकोंगे।

स्यव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अंत्रसची

मकान नं० 10 प्लाट नं० 4 श्री देवी ग्रपार्टमेन्ट का भाग है जो एम० जी० रोड, इन्दौर में स्थित है तथा यह वह स्थावर सम्पत्तिहै जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में नीहित है तथा ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-9-1984

प्ररूप आई.दी.एन.एस-=====

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5111—ग्रतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 225, पर बना हुआ एक मंजिली मकान है तथा जो ट्रान्सपोर्ट नगर, इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्षे) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् ६—

- मैसर्स श्राणावदी ट्रान्सपोर्ट कारपोरेणन इन्दौर तरफे प्रोप्राइटर कन्हैयालाल बडे, पिता श्री मागूराम जी बडे, निवासी 25-26, रूपनरामनगर, इन्दौर म॰ प्र० (श्रन्तरक)
- ए० बी० सी० इण्डिया लिमिटेड,
 226, ट्रान्सपोर्ट नगर, इन्दीर तरफे मैनेजरश्री श्यामलाल गुप्ता,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राज्रपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 225 पर बना हुन्ना एक मंजिली मकान है जो ट्रान्सपोर्ट नगरद्र इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरोक्षण) मर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 5-9-1984

माहर

प्ररूप आइ¹.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/भ्रर्जन/भोपाल/5112—श्रतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं म्यु॰ नं 14, गेस हाउस, रोड, इन्दौर में है तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1), के अधीन, निम्नलिखित क्य्क्तियों, अर्थात् :----

- सरदार विरेन्द्र सिंह बोलिया,
 पिता श्री नारायण राव,
 निवासी 9, मानिक बाग रोष्ट, इन्दौर म०प्र०
 (ग्रन्तरक)
- 2, (1) श्रीमती शालिनी बाई पति स्व० श्री भ्रब्दुल भाई खम्बाती, निवासी 100, गांधी नगर, इन्बौर।
 - (2) मो० खम्बाती पिता श्री श्रब्दुलाभाई खम्बाती, 100. गोधी नगर, इन्दौर म०प्र.०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

म्यु० मकान नं० 14, गेस हाउस, इन्दौर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में नीहित है तथा जिसका सत्यापन अन्तरिती द्वारा किया जा मुका है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निराक्षण) ऋर्पन रेंज, भोपाल

ं दिनांक 5-9-1984 मोहर ∷ प्ररूप आई.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोषाल

भोषाल, दिनांक 5 सितम्बर, 1984

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5113---श्रतः मुझे वीरेन्द्र कुमार वरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं० भूमि है तथा जो 14, गेस हाउस, रोड, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण कप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उसट आधि-अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री सरवार विरेन्द्र सिंह बोलिया,
 प्रात्मज श्री नारायण राव बोलिया,
 निवासी 194, माणिक बाग रोड, इन्दौर

(भ्रन्तरक)

 श्री प्रफुल्तचन्द्र नानेरिया एवं कमलिकशोर नानेरिया, श्रात्मज श्री लक्ष्मी चन्द्र नानेकिया, निवासी 14, गैस हाउस, मार्ग, इन्दौर म० प्र० (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वावत सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्यु० मकान नं० 14 जो गैस हाउम, रोड, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सज्यति है जिसका विवरण फार्म ने० 37-जी, में निह्नि है तथा अन्तरिजी द्वारा सल्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारा सङ्ख्याः अप्राप्त हर आयुक्त (निरोक्षण), ग्रजीन रेंज, भोगाल

दिनांक 5-9-1984 मोहर : प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर शायृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984 सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5114—श्रतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वस करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25.,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या म्यु० मकान नं० 14, है तथा जो गैस हाउस रोड, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकत्त श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जाचित बाजार भृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स बिभिन्यम् के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या कि की धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् १1. त्री लक्ष्मी चन्द नानेरिया, पिता श्री सीताराम नानेदिया निवासी नीलकण्ठ कालोनी, इन्दौर म० प्र०

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती शिरिनबाई
पति स्व० श्री श्रब्दुलाभाई खम्बाती,
2. श्री मो० खम्बाली
श्रात्मज श्री श्रब्दुलाभाई खम्बाली,
निवासी 100, गांधी नगर,
इन्दौर म० प्र०।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहुस्ताक्षरी के पास लिसित में दिये जा सकरो।

स्पष्टोकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गुमा है।

गम्स्ची

म्यु मकान नं 14, जो गैस हाउस रोड, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं 37-जीं में निहित है तथा जो अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-9-1984

महिन्द्र 🗷

प्रस्य गाइ.टी. इन.एस. -----

नावकार श्रीभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निदेश सं० प्राई० ए० सीं०/प्रार्जन /भोपाल/5115--ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को नह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 925 ए, का मकान स्कीम नं० 44 है तथा जो खातीबाला टैंक, इन्सीर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दीर में रंजिस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास प्रश्न का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बंबह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरित्यां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।——

- (क) नलारण ये हुए किसी बाव की बावत, उपक निपित्तियम के बधीन करु क्षेत्र के अन्तरक के बाजित्य में कनी करने वा उबके व्यने में सुविधा के लिए; जूर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय भाय-कर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट न्हीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने से सुविभा स्वी खिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिस्क व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ब्रानिल कुमार पिता श्री गिरधारीलालजी, निवासी 11/2 गौतमपुरा, इन्दौर मं० प्र०

(अन्तरक)

(2) श्री संजय कुमार ग्रवस्थक, पिता श्री धन्नालालजी गोयल, निवासी 49, जानकीनगर, इन्दौर, मध्य प्रदेश ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी कारके पूर्वोक्स संप्रित के वर्षन के जिए कार्यवाहियों कारता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ा---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी, के पास लिखित में किए वा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

नग्रुची

प्लाट नं० 295-ए का मकान, स्कीम नं० 44 है जो खातीवाला टैंक इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थायर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37 ख्री० में किहित है तथा श्रन्तरिती ब्रारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

ंदिनोक :-- 5-9-84 मोहुरु ३ प्रकम कार्यः, टी. पुनः, पुरः,------

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 84 निदेश सं० म्राई० ए.० सी/म्रजंन/भोपाल/5116— श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परचार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), करें, भारा 269-का जो अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार, करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट मकान नम्बर 925 ए, स्कीम नं० 44 है तथा जो खातीबाला टैंक, इन्दौर में स्थित है(श्रौर इससे उपावढ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत उक्त ऑध-विषय के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उम्से बचने में सुविधा के लिए; बीद्/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य कास्सियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अब-कर अभिनियम, या अब-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था विकया जाना चाहिए था छिपाने में सूर्विभा के सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, विकटिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री धनिल कुन ार म्नात्मज श्री गिरधारी लालज निवासी 11/2, गौतमपुरा, इन्दौर मध्य प्रदेश ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रदीप कुंमार श्रात्मज श्री बनवारीलालजी गोयल, (श्रवस्पक) संरक्षक श्री धन्नक्षाल श्रात्मज श्री हीरालाल गोयल, निवासी 45, जानकी नवर, इंदौन, (म०प्र०) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त क्ष्मिरत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .-

- (क) इस सूचना के राजपत्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बर्शी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्ता होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (खं) इस सूचना के राजपत्र ोमें प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उत्तरा स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों, और पदों का, जो उन्ति अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान प्लाट नं० 925 ए स्कीम नं० 44 है जो खाती-वाला टैंक, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37 जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारक सत्यापना किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनावाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 5-9-84

प्ररूप आहू . टी . एन . एस . -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

शारत बरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984 निदेण सं० श्राई० ए० सी/ ग्रर्जन /भोपाल/5117----ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधितियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम ब्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान प्लाट नं० 925 ए स्कीम 44, है तथा जो खातीयाला टैंक, इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची' में ग्रीर पूर्ण रूप से बाँगत है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जनवरी 1984 को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक इप से किथन नहीं किया गया है :----

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री श्रनिल कुमार ग्रात्मज श्री गिरधारीलाल, निवासी 11/2, गौतमपुरा, इन्दौर (मध्य प्रदेश)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सु निल कुमार आत्मज श्री धन्नालालजी गोयल (श्रवस्यक) संरक्षक श्री धन्नालालजी श्रात्मज श्री हीरालालजी गोयल, निवासी 49, जानकी नगर, इन्दौर (मध्य प्रदेश)

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वान वारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताथरी के अस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः ---- इसमें प्रगुवत गृब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

प्लाट मकान नं० 925-ए, स्कीम नं० 44, है जो खातीवाला टेंक, इन्वौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37 जी में निहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, भोपाल

दिनांक : 5-9-84 मोहर ! प्ररूप बाइं, टी, एन, एस,------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के समीन स्चना

भारत संस्कार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984 सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल 5118---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या .प्लाट नं० 158, आई० डी.० ए०, स्कीम नं० 44 है तथा जो खानी बाला टैंक, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी,

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) मौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योश्य से उचत अन्तरण जिसित में वास्तिकक इस से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण मं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के सभी मार्जिक्तिक व्यक्तियों, अर्थात मार्जिक श्री सन्तीय कुमारी
 पति श्री महेन्द्र कुमारी जी बड़जात्या,
 नियामा 96, डैंच ख्याली गम,
 द्विवेदी मार्ग, इन्दीर।

(अन्यर्क)

डालक्स अपार्टमेंटय को० अपरेटिव हाउसिंग सोपाइटा,
 तसिया पीड,
 इन्दौर (म० प्र०)

(अन्तरित्रे)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गर्पात्त में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनस्ची

प्लाट नम्बर 158, आई० डां० ए० स्कोम नं० 44, है जो खातोबाला टैंछ, इन्दोर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है। जिसका विवरण फार्स सम्बर 37 जा में निहित है जिसका सत्यापन अन्तरिती द्वारा किया गया है।

> वेरिन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी महासक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन टेन, शेंसप्टर

मारीख: 5-9-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनि भम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

ँ ग्रीयांलय म्र सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर, 1984

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/519-अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

आयकर अिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या म्यु० म ान 21-22 छोटा सराफा, इन्बौर है तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रेक्ता अधिकारों के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रेक्ररण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान, जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हम में किश्त नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, निका भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जकत अधिनियम, या घा जिल्हा को प्रतियम, या घा जिल्हा अतिराधि स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के के अधीतः निम्निक्षिक व्यक्तियों, स्थाकः ----

- (1) 1. श्री घेषरचन्द्र पिता श्री बख्तावरलल जी सांड,
 - 2. श्री भंबर लाल उर्फ भंबर सिंह,
 - 3. श्रो जवाहर सिंह,
 - श्री विजय सिंह उर्फ विजय कुमार,
 - 5. श्री अजीत सिंह उर्फ अजय कुमार, निवासी 46, अनूप कुमार, इन्दौर (म० प्र०)। 6. श्रीमती मानकुंबर बाई
 - 6. श्रीमता मानकुवर बाई पति स्व० बक्ताबरमल जी सांड निवासी 27, पुराना पलासिया, इन्दौर म० प्र०।

(अन्तरक)

(2) श्री जम्मूराव श्री तुकाराम गुरत्र, निवासी सांगली, महाराष्ट्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियश में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्थित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्वव्यक्तिरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्तुची

म्यु० मकान नं० 21-22 है जो छोटा सराफा, इन्दौर में स्थित है। यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37 जो में निहित है तथा अन्तरितो द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारोख: 5-9-1984

थरूप् नार्द्दः टी . एन . एस . ------

भागकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन स्थना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरक्षिण)

सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 5 सितम्बर 1984

सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5120:——अत मुझें, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क. से अधिक है

ष्मीर जिसकी संख्या म्यु० मकान नं० 21 नया नं० 22, है तथा जो छोटा सराफा, इन्दौर में स्थित है (प्रौर इससे उपबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्सा अधिकारों के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रोकरण अधिन्त्यम 1908 (1908 का 16) के अधोन, जनवरी, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह तिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य संका कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पत्थह प्रतिकल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पत्थह प्रतिकल से अधिक है और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तिकल रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहाई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उत्तस्ते वचने से सुविधा के लिए और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिएनों में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्तिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् हु——
43—276GI|84

- (1) 1. श्री घेशर चन्द आत्मश श्री बख्ताधर मल जी सांड,
 - 2. श्री भंबर लाल उर्फ भंबर सिंह,
 - 3. श्री: जवा**हर**लाल;
 - 4. विजय सिंह उर्फ विजय कुमार,
 - अजीत सिंह उर्फ अजय कुमार, निवासी इन्दौर, म० प्र० अनुपनगर इन्दौर।
 - 6. श्रीमंतो मानकुंवर बाई
 पति स्व० श्रो बख्तावरमल जी सांड,
 निवासी पुराना पलासिया,
 इन्दौर म० प्र०

(अन्तरक)

(2) श्री मुकुन्बराव पिता श्री आनन्द राव पाटिल, निवासी सराफा बाजार अमरावती महाराष्ट्र।

(अन्तरिती)

को मह सृष्यना जारी करके पूर्वोक्स सम्पन्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अशिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति यो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

वन्त्रची

म्यु० मकान नं० 21 नया नं० 22 मंजिल का भाग है जो छोटा सराफा, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37 जी में निहित है तथा अन्तरितो द्वारा सत्यापित किया गया है।

त्रोरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-9-1984

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

निरीक्षी सहायका आयक्त आयक्त अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984

सं० आई० ए० स⁻०/अर्जन/भोषाल / 5121——अतः मुझे, वारेन्द्र कुमार वस्नवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके एक्वात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिस्या उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकः सं० म्यु महान नं० 2 है तथा जो महात्मा गांधी मार्ग. इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध अनुसूचा में ग्रीर एग्र्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्राक्षण्ती अधिकारी के बार्जावया. इन्दौर में, रिजिस्ट्राक्षण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के जवान, जनवरी, 1984

करे पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह बिश्वास करने का काश्ण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सं, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) आर अन्तरिती (अन्तरित्यो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रातफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रीयय हम स कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी वरने या उसमें बचने में सृविधा के निए; और/था
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का. जिल्हों भारतीय अपय-फर अधिनियम, १०२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, १०२२ पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार अन्तिरियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार अन्तिरियों हुआरा प्रस्ट नहीं विश्वय नहीं का प्राप्त के लिए;

उत: २व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो. मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिटिखित व्यक्तियों. अधीत :--- श्रोमता दानगाला लेडो कंचनवाई ट्रस्ट, निवासा 3, महात्मा नांधा मार्ग, इन्दौर तरके ट्रस्टा श्रा राजा बहादुर सिंह जी कासलावाल।

(अन्तरक)

कुमारीः पिकीः
पिता श्री दर्शन नाल डाबर,
निवासीः 73, कंचनवाग,
इन्दौर म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वों क्त सपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाध्यां कारता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ एर मुचना की तामील में 30 दिन को अवधि, नो भी अवधि बाद में समाप्त हाता हो, के भीनर प्रवासत स्वित्यों में में किसी न्यक्ति हुयारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति सं हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोजन्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहर अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

म्यु० मकान नं० 2, जो महातमा जांधी गार्ग इन्दोर में स्थित है। यह वह स्यायर सम्भत्ति है जितका विवरण फार्म नं० 37 जी में निहित है ना। अस्तिनी द्वारा सत्यापत शिया गया है।

> वारेन्द्र कुमार वरनवाल, सथम प्राचित्रारी सहायक आध्यक्तर आध्यक्त (निर्राक्षण) अर्थन रज, भोषाल

तारीख: 5-9-1984

प्ररूप आहूँ. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल 5122---म्रतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या म्यु० पा० मकान नं० 2 है तथा जो महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख जनवरी, 1984। को पूर्वीक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एमें उत्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में

धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससं बचने मं सूविधा के लिए: और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हे---

 श्रीमती दानशीला लेकी कंचन बाई ट्रस्ट, निवासी 3, महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर तरफे ट्रस्टी श्री राजा बहादुर सिंह जी कासलीवाल।

(भ्रन्तरक)

श्री सुशील डाबर
 पिता श्री दर्शनलाल जी डाबर,
 निवासी सुभाष मार्ग,
 उज्जैन म० प्र० ।

(अन्तती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अप्रधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अप्रधि, जो भी अप्रधि खाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सम्भूषी

म्यु पा० मकान नं० 2 जो महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-9-1984

प्ररूपः अरहाः टी. एतः एस् - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीत त्याना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल 5123—मतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पीत, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या म्यु० मकान नम्बर 2, है तथा जो महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण एप से बाँगत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख जनवरी, 1984।

की पूर्विक्त सम्पिति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की गयत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दासित्क में कमी करने मा उसके वचने में सविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्रीमती वानशीला लेडी संभनबाई ट्रस्ट,
 अ, महारमा गांधी मार्ग,
 इन्दौर
 तरफे ट्रस्टी श्री राजा बहादुर,
 कासलीवाल।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती किरण कालरा पति श्री चन्द्रभूषण कालरा, निवासी कार्टर रोड, बम्बई।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 सिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्म स्थावत द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मम्स्ची

म्यू मकान नं० 2 है जो महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है। जिसका सत्यापन अन्तरिती द्वारा किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारी**ख**: 5-9-1984

मोहर 🕹

269-म (1) के सभीन सुमना

भारत सर्कार कार्यास्य, सहायक नायकर नायक (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपास दिनांक 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल 5124—स्रत: मुझे बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं 1 पर बना हुग्रा मकान तीसरी मंजिल का फ्लैंट नं 13 है, तथा जो बारगल कालोनी, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन, जनवरी, 1984

को पूर्वोक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उसते अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की नावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बीट्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिणाने में सुविधा वैं निए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिक्ति व्यक्तियों, अपरित् :---

- श्रीमती जीलाबाई पति स्व० श्री हतुमन्तरामश्री बारगल,
- श्री जसवन्तराव पिता श्री हनुमन्तरामजी बारगल,
- अधि यशवन्तराव पिता श्री हनुमन्तरामजी बारगल, 4. श्री वसन्तराव पिता श्री हनुमन्तरामनी जारगल, तरफे आ० मु० प्रदीप कुनार पिता यशवन्तरावजी बारगल, निवासी 2, बारगल कालोनी, इन्दौर म० प्र०।

(ग्रन्तर्क)

2. श्रीमती ज्यंत्सना देवी पति श्री चलवन्तरायजी गांधी, निवासी मकान नं० 20/1, नार्थ राजगोहल्ला, इन्दौर म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा अरक्षे पर्वोबत सम्पत्ति के अर्जन के शिलए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकेंगे।

म्पथ्तीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्ते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसर्वा

प्लाट नं० 1 पर बने हुए मकान का तीगरी मंजिल का पर्लंट नं० 13 है, जो बारगल कालोनी, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थानर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित् है। तथा जिसका सत्यापन श्रन्तरिती द्वारा किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयमर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, भोपाल।

तारीख: 5-9-1984

मोहर

प्रूप बाइं. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६५-७ (1) की अभीन स्थना

भारत स्रकार

शार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984

ं ग्राई० ए० मी० /ग्रर्जन/भोपाल 5125:—-ग्रतः मुझे बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 23,000/- क. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या खुली भूमि पर बना म्यु० पा० मकान नं० 102/2 है, तथा जो श्रश्नापूर्ण रोड, इन्दौर में स्थित है (श्री इससे उपबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय उन्दौर में रिजस्ट्री- करण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जनवरी, 1984।

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के ध्रथमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक स्वयमान प्रतिफल से, एसे राज्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निक्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप स कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे मणने में सृविधा के लिए; आर/या
- (क) एंग्से किसी अय या किसी धर या अन्य शास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियस. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधी के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अ देन, निम्नितिसिस व्यक्तियों, अर्थात :-- श्री भ्रमिल कुमार व मुणील कुमार सिन्धी, पित श्री सतीण कुमार सिन्धी, 89, रिवन्द्र नगर, इन्दौर म० प्र०।

(भ्रन्तरक)

2. सन्त निरंकारी मण्डल देहली रजिस्टर्ड संस्था तरफे व्यवस्थापक श्री सेवा मिह पिता श्री बधावा सिंह, निवासी 89, जनता कालोनी, नुभाष मार्ग, इन्दौर म० प्र०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य स्थावत ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्य।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

बन्स्ची

खुली भूमि पर बना हुआ मकान म्यु पा० नं० 102/2 है जो श्रम्पापूर्ण मार्ग, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37 जी में निहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा संस्थापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्वेन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-9-1984

मोहर ः

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) स्रजीन रेंज, भोषान

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं० ६० ए० सी/मर्जन/भोपाल/5126—ग्रतः

मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने की कारण है कि स्ध्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट तं० 73 पर बना हुआ गंगा श्रपार्टमेंन्ट्स का फ्लैट नं 3 है, तथा जो राजमहल कालोनी, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किस्मित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृथिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, दिस्कीनिक्त त्यक्तियों, अर्थान् :---

- (1) मेसर्य बो० के० विल्डर्स, निवासो 90/4, महात्मा गांधी मार्ग, इत्बीर म० प्र०। (अन्तरक
- (2) श्री सनत कुमार पिता श्री इन्दरचन्त्रकी निवासी धामगढ़, मु० श्रु०

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध -लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 73 पर बना हुन्ना गंगा न्नवार्टमेन्ट्स का प्लैट नं० 3 है जो राजमहन कालोना, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिनका विवरण फार्म नं० 37-जी में नोहित है तथा न्नवरिती हारा सत्यार्णत किया गया है।

> वीरेन्द्र मूमार बरनयाल सक्षम प्राधिक री, सह्यक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रर्वत रेंज, भोषाल

दिनांक : 5-9-1984

मोहार :

प्रस्थ आहे".टी. एथ. एस. -----

आस्टर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यात्या, महायक अयवज्ञ आयुक्त (चिरीक्षण) श्रजीन रेंज, भोषास

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोगाल/5127--श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल2

आयकर रिधिनिगर, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनक अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्यति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि मौजा तं० 390, खंडवा है, तथा जो श्रानन्द नगर, खंडवा में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) राजिन्द्रीकर्ता श्रश्चिकारी के कायिलय, खंडवा में राजिन्द्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी 1984।

को पूर्वेषित सम्पत्ति के उच्चित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृश्वे यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेषित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, त्थके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्लिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक म्प से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिंधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उब्ल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निरमितिसित स्पितियों, अर्थात :--

(1) श्री प्रेम कुमार, 1–थी, श्रातन्द नगर, खंडवा, म० प्र०।

(श्रन्तरमः)

(2) श्री यू० पी० एवं एम० पी० राधास्वामी सतसंग, ऐशोसियेशन, दयाल वाग, श्रागरा, यू० पी० ।

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यश्राहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर, सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि मौजा नं० 390 जी श्रानन्द नगर, कालोनी, खंडवा में स्थित है। यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37—जी में नीहित है गया अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र सुमार बरनवाल, सञ्जम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 5-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/5128—-म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 21-ग्रार पर बना मकान है, तथा जो खातीवाला टैंक, इन्दौर में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, विनांक जनवरी 1984।

को पूर्वक्ति सम्पत्ति के जुष्मित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित हाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वव्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स मनसुखानी कन्स्ट्रैक्यान्स,
20, हाथीपाला रोड़, इन्दौर म० प्र०,
तरके भागीदार श्री जगदीण मनसुखानी पिता
श्री झम्मकलाल मनसुखानी,
निवासी 20, हाथीपाला रोड़,
इन्दौर, म० प्र०।

(म्रन्तरक)

(2) श्रो किशोर कुमार पिता श्रो लक्की चंदजी सामता, निवासी 38, स्नेहलतागंज, गली नं० 1, इन्दौर, म० प्र ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट नं० 21-म्रार पर बना हुम्रा मकान जो खातीवाला टैंक, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो में नीहिन है जिसका सत्यापन म्रन्तरिती हारा किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैत रेज, भोगाज

दिनांक: 5-9-1984

प्रथम् भावं टी. एन. एस. ------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकर वायकत (मिरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/5129—न्य्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

हालकार जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० मकान नं ० 17/1, माणिक चौक, इन्दौर है, तथा जो माणिक चौक, इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, जनवरी 1984

को प्वें क्रिस सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मृश्य असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उच्चें स्म उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की वाबत, उन्तर जिथितियम के अभीत कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारते या उससे वचने में सुविभा के सिए; जीर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती हवारा प्रकट नहीं किया गरा वा का किया जाना वाहिए था, कियाने में सुनिया के लिए;
- अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रोमती उषा देवी काबरा पति श्री शंभूलालजी काबरा, 6, यम्बई बाजार, इन्दीर, म० प्र०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमलाबाई पति श्री मोती सिंह जी, तिवासी 11/2, रामगंज (जिन्सी), इन्दौर, म० प्र० ।

(म्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के शिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी म्यन्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-शक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क शस निवित में किए वा सकोंगे।

स्पद्धतीकरण :-- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उभत विश्वित्यम् के वश्याय 20-क में परिभावित इं, बही वर्ष होगा वो उस वश्याय में दिया गया है।

नन्स्यी

मकान नं 17/1, नया नं 25, जो माणिक चौक, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं 37-जी में नीहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा सस्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भौपाल

दिनांक: 5-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5130--अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान म्यु० पा० मं० 17/1, नया नं० 25, है तथा जो माणिक चौक, इन्दौर में स्थित है और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरअ अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधोन, दिनांक जनवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इहिंग प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियार) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री शंभूलाल पिता श्री मोहमलाल जी काबरा, भिवासी 6, बम्बई बाजार, इन्दौर, म० प्र०।

(अन्तरम)

(2) श्री हरी सिंह पिता श्री मोती सिंह, निवासी 11/2, रामगंज (जिन्सी), इस्त्रीर, म० प्र०।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पीत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में द्रिया गया है।

मनुसूची

मकान नं 0 17/1 नया नं 0 25 है जो माणिक चौक, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं 0 37-जी में नीहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोषाल

दिनोंक: 5-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5131—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव प्लाट नंव 157 पर बना निर्मित मकान है, तथा जो ई--3/157, अरेरा कालोनी, भोपाल में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप में बर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी।

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृद्धे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री कमन कुमार भंडारी, पिता श्री पूनमचंद जी भंडारी, निवासी ई-3/157, अरेरा, कालोनी, भोपाल, मं० प्र०।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रयोण किशोर गुप्ता, पिता श्री कैलाश किशोर गुप्ता, नियासी ई-5/45, 45, बंगला, टी० टी० नगर, भोपाल, म० प्र०।

(अन्तरिती)

कां मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 157 पर निर्मित मकान है जो ई-3/157, अरेरा कालोनीं: भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैजिसका विवरण फार्म नं 37-जी में नीहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया है।

> वें/रेन्द्र कुमार वरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, [सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 5-9-1984

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5132---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-3 से अधिक है

और जिसकी मं० भृमि खसरा नं० 163 पर बना हुआ एक मंजिल मकान है, तथा जो तहसील हमलापुर, जिला बैतूल, म० प्र० में स्थित है (और इसके उपाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बंजित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, बैतूल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूर्यिधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:---

- (1) श्री गनेशराम पिता श्री छोटेलाल प्रजापंती, निवासी हमलापुर सह० जिला बैतूल, म० प्र०।
- (2) श्री विशंभरनाथ पिता श्री चन्द्रशेखर दुबे, निवासी हमलापुर, जिला बैतूल, म० प्र०।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं 163 पर बना हुआ एक मंजिला मकान है जो तहसील हमलापुर, जिला बैनूल में स्थित है। यह वह स्थाबर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं 37-जी में नीहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी. सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 5-9-1984

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/5133--अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको संभागात तंथ 41, व्याट संथ 40, विकास प्राधिकरण स्कीम नंथ 11 है, वार्ति शाहत तं ते रुख मार्ग, हितीचित्रा, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जबलपुर में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अवीत, दितांक जनवंशो 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्हरित की गई और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा निके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कीर्ति कुमार तिवारी, पिता श्री प्रेमनारायण तिवारी, निवासी यू० को० बैंक, जवाहरगंज, जबलपुर, म० प्र०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जमनी बाई साहू,
पति श्री गौरीशंकर साहू,
निवासी 261/6, दमोह रोड़, जबलपुर एवं
श्रीमती निशा साहू पति श्री मी० पी० साहू,
(असिसटेंट सर्जन) निवासी पी० एस० सी० बरेला
जवलपुर, म० प्र०।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्ज़न के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जबलपुर विकास प्राधिकरण के प्लाट नं० 40, स्कीम नं० 11, मकान नं० 41, हैजो कमला नेहरू नगर, हिनोतिया, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में नीहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन ज, भोपाल

दिनांक: 5-9-1984

प्रस्य बाइ^{*}.टी.एन.एस.-----

आयक्तर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 289 घ(1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोषाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० $_{\rm f}$ अर्जन $_{\rm f}$ भाषाल $_{\rm f}$ 5134--अतः सुक्षे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने ज कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु में अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 22/8821 है, तथा जो प्रेम नगर, विकास नगर, हिन्द कालोनी, ग्वालियर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1984, जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने जा कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दियमान प्रतिफल से, एसे दियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ।तिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—~

- (क) अन्तरण से हुन्दी किसी जाय की बाबता, उक्त श्रीविशयम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थर या किया जाना चाहिए था छिपाने में रिबधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) है अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) पं० शमन्त्रण हुने नंत्रा श्री (पंडित) नारायणदास हुने, निवासी----जिन्सी नाला नं० 1, मरे बिल्डिंग, लम्कर ग्वालियर, म० प्र०

(अन्तरक)

(2) 1. श्री उम्मेद सिंह 2. रिवन्द्र सिंह उर्फ बूधपाल सिंह, आत्मज श्री प्रीतम सिंह, निवासी—गाम विरखड़ी, तहसील गोहद, जिला-भिन्ड म० प्र०

(अन्तरिती)

का यह मूचना आरी करके पृत्रांकित सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवारिया शरु करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृष्टिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थान्द्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त्यी

मकान नं० 22,881 है जो प्रेम नगर, विकास नगर, हिन्द कालोनी, खालियर में स्थित है। यह वह स्थाय अम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा स्थापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल भैंक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी महाधक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भाषाल) टी० टी० नगर, भोषाल

तारीखाः 5-∙9−1984

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन भीपाल, 5135— अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कौ धारा 269- के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 75 सी' है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता 16 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बरणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विणत र), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाचरौद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 द्या 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अम्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री राजमल विता श्री निहालनन्द जैन, निवासी---गली नंत 1, जवाहर मार्ग, नागका मत प्रव

(अन्तप्रवः)

(2) श्रीमती सीतःवाई पत्नि श्री रामेश्वर जी महाजन निवासी बाजेंट, जिला रतलाम म० प्र० (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुई ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थरधीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

मकान नं० 47 है जो जवाहर मार्ग, नागदा म० प्र० में स्थित है। यह वह स्थावर भम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37 जी में निहित है नथा अन्तरिती द्वारा मत्यापित किया गया है।

> विरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी महा क आवकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोषाल) गंगोत्री विस्डिंग, चौथी मंजिस टी० टी० नगर, भोषाल

दिनांक : 13-9-1984

अरूप भाषी ही . एन . एस . - - - ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भोषाल

भोषाल, दिनांक: 13 सितम्बर 1984

निवेण सं० आई० ए० सी०/अर्जन,भो भोपाल, 5136 मुझे, वीरेन्र कुमार वरनवाल, शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया क्षे. की धारा

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रा. से अधिक हैं

25,000/-र. स आधक हैं
और जिसकी सं० प्लाट नं० 2,16 एवं मकान नं० 15,246,
247, 248 है तथा जो हास्पिटल वार्ड, रायपुर में श्थित है (और इससे उपाबद अनूसूची में और पूर्ण के रूप से विणित है), रिजस्ट्री, कर्ती अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीवारण अधिनियम,
1908 (1808 को 16) के अधीन, विनाब जनकरी, 1984 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नत में शम्मविक रूप में विधित नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उपये वचने में मृजिया के लिए; बार/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना पालिए धा, जियाने में माधिक के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनसरण कें. कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा. (1) के अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियमें, अधीत '----4≸—276GI84 (।) श्रीमती सुणीला बाई पति स्थर्पे श्री के० जी० सप (एवं अन्य) हॉगीलटल याई, रायपुर म०ब०

(अन्तरकः)

(2) श्री तेष प्रदाण पिता श्री च्यनारायण अग्रवाल, विधित लाइन, रासपुर मे० प्र० (अन्तर्गास्त्री,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति ध्वारा:
- (ह) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पच्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्त्यी

च्लाट नं 2/16, तथा मधाया का एक भाग नं 15/246, 247, 248 है जो हास्पिटल बार्ड, रायपुर में स्थित है। यह बह स्थाबर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं 37-जी में निहित है तथा जो अन्तरिती दोरा सन्धापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार ब नवाल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयक्कर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल) गंगोबी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टीठेटीठ नगर, भोपाल

दिनांक : 13--9--1984

मोह् ः

प्रसम बाइ. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक कार्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र भोषाल

भोपाल, दिनांबा 13 मिनम्बर 1984

निदेण सं० आई० ए० मी०/अर्जन,भोपाल/5137---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनक्ष्यल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदवास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

औ जिसकी सं ० प्लाट नं० 2/16 एवं मकान का एक भाग नं 15/246, 247, 248 है तथा जो हास्पिटल बार्ड, रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से बणित है), निजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी 1984,

का पृत्तीं क्स संपरित के उचित नाजार मृत्य से कम के क्स्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके क्स्यमान प्रतिफल से, एसे क्स्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे जन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त जन्तरण मिकित में अम्तिकक क्य से क्षित नहीं किया नवा है:—

- (क) जनतरण से हुई किसी जाम की बाबत, शायक जीविनयम के जवीन कर वेने के जेंतरक के वाजित्य में कमी करने या उससे बचने में सुजिशा के जिए; जीव/या
- (थ) एंसी किसी बाय या किसी थन या अन्य बास्तियों को, चिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृजारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें स्विधा के लिए;

अतः शन, उक्त अधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में,, उक्त अधिनियभ की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीनः निम्नतियिन स्पन्तियों, अधीनः अस्ति (1) श्रीमती मुणीला काई पति श्री के जी सर्पेठ (एवं अन्त्र)

चौबे कालोनी, रागपुर म० प्र०

्अन्तरक)

(2) श्री गोकिन्द नारायण आत्मज श्री रुपनारायण अग्रवाल सिविल लाइन; रायपुर मे० प्र०

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी कड़के पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की नवीं या तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्वान की तामील से 30 दिन की जबीं जो भी व्यक्तियां में समाप्त होती हो के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितन्तुभ किसी जन्य स्थिति वृद्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पदों का, को जक्त विधिनियंत्र को अध्याय 20-क में परिभाविद्य है, वही अर्थ होगा जा-उस अध्याय में दिया वया है।

अन्त्यी

व्लाट नं० 2/16 व मकान नं० का एक भाग नं० 15/246, 247, 248 है जो हास्पिटल बार्ड में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है सथा अन्तरिती द्वारा संधापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त जर्जन रेंज भोपाल) गंगोली विस्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर धीपाल

दिनांक : 13-9-1984

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 सितम्बर 1984 निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-5138--अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

घौर जिसकी मं० प्लाट नं० 2/16 तथा मका का एक भाग नं० 15/246, 247, 248 है, तथा जो मउधापारा, रायपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूखी में ग्रीर पूर्ण कप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रहियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्हे हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रहियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण तिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतिक्स व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती मुणोला बाई पित श्री के जी. सर्पे (एवं अन्य) निवासी——मौबे कालोनी, रायपुर मे प्रेंक (अन्तरक)
- (2) श्रीमती निर्मल कौर पति श्री सरदार प्रीतम सिंह संगराल, कटोरा तालाब, रायपुर म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक्ष है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2/16 एवं मकान नं० 15/246, 247, 248 है, जो मउधापारा. रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो में निहित है तथा अन्तरिति। द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयक्तर आयुक्त अर्जन रेज, भोषाल), गगोबी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोषाल

विनांक : 13-9-1984

प्रस्प, आइ¹. टी ..**एन . एक . -----**

जायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) **फी** भारा 269-च (1) के ब्रधीन सूचना

गारत बरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सं१०/अर्जन/भोषाय/5139--अन: मझे, वं रेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एत. से अधिक हैं

ग्रौर जिसका संख्या प्लाट एवं भवन है तथा जो मंजधापारा, रायपूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच: में ग्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकार। के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अवान, दिनांक जनवरः, 1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य संकम के अध्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने **का कोरण ह**ै कि यथापृवाकित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का बन्द्रष्ठ प्रतिकात में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (मंतरितियों) के बीच एंसे मंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निम्नलिकित उद्दोश्य से उदत अन्तरण लिक्ति माँ शस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण संदुर्घ किसी बाय की बावत, उक्स व्यभिनियम के वभीन कर दोने के बन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससं वजन में साजिधा ने सिए; गरि/मा
- (च) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अंग आस्तियो की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **अनकर जीधनियम, 1957** (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना अपहिए था, छिपाने में समिना के मिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनस्ररण में, में, उक्त अधिनियम को भारा 269-भ की उपभाग (1) 🖷 अधीदः, रिक्याजियात व्यक्तियों, अर्थातः :—-

(1) श्रीमतो सुशीला बाई पति स्थ० श्री के० जो० सर्पे, (एव अन्य)

चीबे कालोनो, रायपुर म० प्र०

(अन्तरक)

श्री सरदार प्रतिम सिंह. आत्मज श्रा जात सिंह मंगरल, कटोरा तालाब, रायपुर म० प्र०

(अन्तरितः)

को यहस्पना वारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हु ।

सक्त सम्पत्ति की वर्जन की सम्बन्ध में कोई भी बासपे :--

- (क) इ.स.स्चनाकेराजपत्र में प्रकाशन की तारीच 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अर्वाध, आरंभी व्यविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसववुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि एव मकान नं \circ 15/246, 247, 248 जो मउधापारा, रायपुर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पक्ति है जिसका विवरण फार्म न० 37-जे में निहित है तथा अन्तरित द्वारा सत्यापित किया गया है।

> र्वारेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निराक्षाः सहायक आयकार आयक्त अर्जन रंज, भोपाल) गंगोलो बिल्डिंग, चौथो मंजिल, टो० टो० नगर, भोपाल

विनांक : 13-9-1984

मोह्य र

प्ररूप बाहै दी, एन एस . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेण सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल-5140--अतः मझे, बोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िअसे इसमें इसके पर्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

म्रीर जिसका मं० मकान नं० 23/765, 23/769 का भाग है तथा जो बैजनाथपारा, तह० भिलाई जिला रायपुर म० प्र० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिता बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिगियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यो धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) श्री लक्ष्मीचन्द पिता श्री दीलतराम सिधी, निवासी—वैजनाथभारा, रायपुर म० प्र० । (अन्तरक)
- (2) श्रीमतो चन्दरो बाई पत्नि श्री भंवरलालं जो काकरिया निवासो---जैन मन्दिर भागं, भिलाई तह० जिला-दुगं म० प्र० (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त रुम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं 23/765 एवं 23/769 का भाग जो बैजनाध्य-पारा, तह भिलाई, जिला दुर्ग में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं 37-जो में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वारेन्द्र क्कुमार बस्तवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल गंगोबी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोषाल

●दिनाक : 13-9-1984

प्ररूप आहे ही एन एस -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोषाल-5141--अतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं-

धीर जिसकी संव नजून ब्लाक 19 का 3/2 का भाग है, तथा जो सिविल लाइन, रायपुर मव प्रव में स्थित है (धीर इसरे उपाबड़ अनुसूची में धीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूम यह तिश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां क्यों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अब, जबत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाना (1) के शंधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधितः :---

- (1) 1. श्री नेखराजसिंह उर्फ राजप्रतापसिंह, 2. श्री देवब्रतसिंह पिता श्री ठाकुर भानु प्रताप सिंह, निवासी—सिविल लाइन, रायपुर म० प्र०। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती पद्मा बजाज पति श्री अशोक कुमार बजाज, निवासी---निवापारा, रायपुर भ० प्र०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारील से हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधाहस्साक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नग्रः ची

ब्लाक नं० 19 का 3/2 का भाग जो सिवित लाइन, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्प्रत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिनो द्वारा सत्यापित किया गया है ।

> वे।रेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अरयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल) गंगोत्रो बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनोक : 13-9-1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यातय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निवेण सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-5142-अनः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव क्लाक नंव 19 का 3/2 भाग है, तथा जो सिविल लाइन्स, रायपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अपिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसत में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिक्त व्यक्तियों, अधीतः :---- (1) 1. श्रॅं। लेखराज उर्फ राजप्रतापसिंह,
 2. श्रॅं। देवप्रतिसिंह पिसरान आत्मज श्रें। भानप्रताप सिंह निवासो----भिविल लाइन्स, रायपुर ग० प्र०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहनी देवी पति श्री शक्ष्मीजन्द अजाज, नयापारा, रायपुर म० प्र०।

(अन्तरितं₁)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्त्वी

ब्लाक नं० 19 का 3/2 भाग जो सिविल लाइन, रायपुर म० प्र० में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 237-जो में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल गंगोत्री विल्डिंग, चौथी मंजिल टेंक टेंक नगर, भोषाल

विनांक : 13-9-1984

प्रकृष आहु <u>. दी . एन . एस .</u>------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्घन/भोपाल/5143---अतः सन्ने विरोद्ध वसार धरनवाल

मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

प्रौर जिसकी संव नजूल क्लाक नंव 19, प्लाट नंव 3/2 का भाग, है तथा जो सिविल लाइन्स, रायपुर मव प्रव में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद अनुसूर्या में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री— कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख जनवरी, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आयं या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) । श्रं. लेखराजसिंह,
 - उर्फ राजप्रतापसिंह।
 - श्री देवज्ञतसिंह आत्मज श्री ठाकुर भानुप्रतापिसह, सिविल लाइन्य, रायपूर, गठ प्रठ ।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती सरस्वती वजाज पति श्री जोवन कुमार वजाज, निवासी नथा पारा , रायपुर, म० प्रहे।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

ब्लाक नं 19 का 3/2 का भाग जो सिविल लाइन्स, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं 37-जी में निष्ठित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वंग्टेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो महायक आयक्र आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल गंगोजी ब्रिडिंग, चोबी मंजिल टी॰ टी॰ नगर, भोषाल

नारीख : 13-9-1984

प्रक्ष बाई .टी .एन .एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूच्या

भारत सरकार

कार्यालयः,, सहायक सायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सो०/अर्जन/भोपाल/5144--अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

कायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्पों इसको पश्चात 'जनत विभिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से विधिक हैं

और जिसकी सं नजूल क्लाक नं 19 का 3/2 का भाग है तथा जो सिविल लाइन्स, रायपुर, म प्र में स्थित है (धौर इससे उपावक अनुसूर्वा में धौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अंतरितियों) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पाया पणा प्रतिफल निम्नितिचित उद्वेद्य से उक्त अंतरण निविचत वे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वानता, उक्त विधिनियम के जधीन कर कोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के किए:

- (1) 1. श्रो लेखराजसिंह उर्फ श्रो राजप्रतापसिंह।
 - श्री देवव्रतसिंह पिसरान, श्री भानुप्रतापिसह, सिविल लाइन्स, रायपुर, म० प्र०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नन्दा बजाज पति श्री देवेन्द्र बजाज, निवासी सिविल लाइन्स, रायपुर, म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषाँकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के की 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियाँ;
- (स) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकींगे।

स्पर्वक्षीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

मनुसूची

नजूल ब्लाक नं 19 का 3/2 भाग सिविल लाइन्स, रायपुर में स्थित है। यह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण फार्म नं 37-जी में निहित है तथा अन्तरितो द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख: 13-9-1984

मोहर ५

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यां लग, सहायक आयक्त अगुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निवेश सं० आई० ए० सो०/अर्जन/भोपाल/ अतः मुझे, घीरेन्द्र क्माप बरनवाल,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसके सं० भूमि एवं भवन तथा जो 2/2, गैलेन्द्र नगर, रायपुर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियिक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्सरण मों, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शिरिन कुमार बोस, रायपुर, म० प्र०।

(अन्तरक)

(2) अलाउद्दीन फरिस्ता, तोन अन्य, रायपुर, म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां घूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की क्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य विक्त क्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि एवं भवन 2/2, गैलेन्द्र नगर, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थाबर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरितो द्वारा सत्यापित किया गया है।

> चीरेंद्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीखा : 13-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 13 सितम्बर 1984

निवेश सं० आई० ए० सी० /अर्जन/भोपाल/5146—अतः मुझे, वंरिन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० मकान का एक भाग नं० 268 है तथा जो डेलीरा टिकुरा टोला वार्ड 23, सतना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सतना में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम,

1908 (1908 का 16) के अधान, तारोख जनवरा, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधाने में सूबिधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थातु :— (1) श्री किशोर कुमार हरीराम पिसरान इन्दर मल, बजरहाटोला, सतना, म० प्र०।

(अन्तरक)

(2) श्री दीपक कुमार (नाबालिग) पिता श्री रामचन्द, तहसील रघुराज नगर, सतना, म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव के सम्पत्ति मों हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का एक भाग जिसका नं० 268 है जो डेलीर टिकुराटोला, वार्ड नं० 23 में स्थित है यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित्त है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वं।रेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, **चौथी मंजिल**, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख : 13~9-1984

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

भोपाल, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सीं०/अर्जन /भोपाल/5147—अतः मुझे, वोरेन्द्र कुमार बरनवाल

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान का एक भाग जिसका नं० 268 है तथा जो डेलौरा टिकुराटोला बार्ड नं० 23, सतना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय, सतना में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृस्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तिस्ति की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृस्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है 6——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कुमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्री किशोर कुमार हरीराम पिसरान इन्दर मल, बजरहा टोला, सतना म० प्र०।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश कुमार (नाबालिक) पिता श्री विशन दास, रघुराज नगर, सतना, म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अभिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का एक माग जिसका नं० 268 है जो छेलौरा टिकुराटोला, वार्ड नं० 23, सतना में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है। तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरमवाल सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोजी विल्डिंग, बीथी मंजिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख : 13-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

वर्जन रेंज, भोपाल भोपाल,दिनांक 13 सितम्बर 1984

निवेश सं० आई० ए० सो०/अर्जन/भोपाल/5148—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,000/- रा. स वावक ह भीर जिसकी सं० मकान नं० 268 है तथा जो डेलौरा टिकुराटोला, वार्ड नं० 23, सतना में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, सतना में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1984

तो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यकार तिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूझे यह विश्वास तको का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार त्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का त्यह प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अनतरकों) और न्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय ा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

अतः अन, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च को अनुसरण, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) श्री किशीर कुमार, हरीशम पिसरान इन्दर मल, बजरहाटोला, सतना, म० प्र०।

(अन्तरक)

(2) श्रों मनीष कुमार (नाबालिग) पिता श्रो हरीदास, निवासी रघुराज नगर, सतना, म० प्र० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विकित व्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचि

मकान नं० 268 जो डेलीरा टिकुरा टोला, वार्ड नं० 23, सतना में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37—जो में निहित है तथा अन्तरितो द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वोरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख: 13~9—198**4**

प्ररूप **मार्च**ः टी_ः एन_ः एस_ः-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहावक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० भाई० ए० सी० /श्रर्जन/भोपाल/5149—श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000./- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 126/1 एवं 125 हैं तथा तथा जो डेलौरा टिकुराटोला, वार्ड नं० 23, सतना में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), राजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सतना में राजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उत्तत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: जच:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त :— (1) श्रो किशोर कुमार हरीराम पिसरान इन्दरमल, बरजहाटोला, सतना, म० प्र०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो गौरव कुमार (नाबालिग)
पिता श्रो हरीदास,
मेन बाजार,
सतना म० प्र ०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पट्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

भूमि खसरा नं 126/1 एवं 125 है जो डेलौरा टिक्स्रा-टोला, वार्ड नं 23, सतना में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं 37-जी में निहित है तथा श्रन्तरितो द्वारा सत्यापित किया गया है।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, पौथी मंजिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख: 13—9—1984

मोहर 🕸

वासकर विधिनियम, 1961 (1961 को 43) की पारा 269-घ (1) के सधीन सुचना

भारत श्रास्त्रार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5150—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात 'अकत अधिनियम' कहा गया है), की पाय 260 है के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० मकान का एक भाग नं० 431/12-डी है तथा जो भदन महल वार्ड, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अर्थान, तारीख जनवरी, 1984 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर के एरयमान प्रीतृफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्नोंकत मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल का, निम्नलिखित उद्वेशय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई कि सी आय की बाबस, उक्स आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्य में कमी करने या उससे बचने में मिविधा के लिए बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री भालीग्राम नेमा, एडवोकेट संरक्षक, श्री ज्ञानचन्द ग्रास्मज श्री रामनाय कालिया, कपूरयला।

(भ्रस्तरक)

(2) श्री बैजनाय बिजपुरिया, पिता श्री कनछेदीलाल बिजपुरिया, सराफों जबलपुर, मध्य प्रदेश।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां .
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकींगे।

स्पर्ध्योकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दा आर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वस्प्री

मकान का एक भाग नं० 431/12—डी जो मदन महल वार्ड में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म न० 37—जी में निहित है तथा भ्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी. टी. नगर, भोपाल

तारीख: 13-9-1984

प्ररूप आई. टी, एन. एस.------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निर्क्षिण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/ भोपाल/5151—म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- ब के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं प्रकान का भाग नं 431/12—डी है तथा जो मदन महल, वार्ड, जवलपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जवलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पिति के उचित बाजार मृल्य सं कम के द्रश्यभान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने के काश्ण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं एसे श्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तियक स्थान क्षित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (का) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपत अधिनियम या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, जिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान्त य—— (1) श्री मालीग्राम नेमा, एडवोकेट, संरक्षक, श्री शानचन्द्र म्रास्मज श्री रामनाथ कालिया, कपूरथला।

(मन्तरक)

(2) श्री रिव शंकर, श्री विनोद कुमार एवं श्री कन्हैया लाल बिजूपुरिया, श्रात्मज श्री बैजनाथ बिजपुरिया, सर्राफा, जबलपुर मध्य प्रदेश।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क़े राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

मकात का एक न० 431/12-डी, जो मदन महल, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म न० 37-जी में निहित है तथा श्रस्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-9-1984

मोहरः

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्स (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेण सं० ध्राई० ए० सी० /प्रजंन/भोपाल/5152-
ग्रत: मुर्झे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
260-च के अधीन नदान प्राध्यामी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य
25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान न० 58 है तथा जो तहसील एवं
जिला दुर्ग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर
पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय,
दुर्ग में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार ब्ल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके रूप्यमान पित्रफल में. एमें दृश्यमान पित्रफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिख उद्देषय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक कम में क्षित नहीं किया गया है:——

भ्रधीन, तारीख जनवरी 1984

- (क) करकारण से हुई जिसी जाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए: और/पा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय भायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री ग्रशोक कुमार,
श्री मुभाष चन्द,
शशाक पिता श्री बिराम्भर देव,
निवासी रायपुर,
तहसील/जिला रायपुर,
मध्य प्रदेश।

(ग्रन्तरक)

(2) प्र० छ० गृह निर्माण सहकारी समिति, भिलाई चरोंदा, जिला दुर्ग।

(भ्रन्तरिती)

को शह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यशिह्यां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थानतयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ब) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण :---इसमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, को उच्छ अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हाँ।

नगराची

मकान नं 58, जो घरोंदा, तहसील जिला दुर्ग में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म न 37-जी में निष्ठित है तथा अन्तरिती द्वारा मस्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम पाधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, तक्त अधिनियम की धारा 269-ए को अन्सरण हो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

47-276GI/84

तारीख: 13-9-1984

प्रकृप आहें.टी.एनं.एसं.-----

आयकर अधिनिगम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक कायकर काम्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 सितम्बर 1984

्निदेश सं० भ्राई० ए० सी॰/भ्रजेन/भोपाल/5153—भ्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल आध्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसको उ<mark>षित बाजार मूल्य</mark> 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं भूमि है तथा जो मौजा गोंदाडीह, तहसील जांजगीर, जिला बिलासपुर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जांजगीर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एोमें इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देवस्य से उक्त अन्तरण मिखिन में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हार्क किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्थ मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती धुनाबाई पनि
श्री तिहारू,
निवासी सोनसरी, प० ह० न० 28,
र० नि० म० श्रकलनरा,
तहसील जांजगीर,
जिला बिलासपुर,
मध्य प्रदेश।

(ग्रन्तरक)

(2) रेमण्ड सीमेंट वर्क्स गोपालनगर, प्रो० रेमण्ड उलन मिल्से लिमिटेड, जे० के० बिल्डिंग, नरोत्तम मोरारजी मार्ग, बेलार्ड स्टेट, बम्बई महाराष्ट्र ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्राम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (क) इस सूचला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि मौजा गोंदाडीह, तहसील जांजगीर जिला बिलासपुर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

नारीखः : 13-9-1984

प्रक्ष नाइ², टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निवेश सं० श्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/5154—श्रत: मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसकों इसकों दसकों एक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भार 269-इन के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रु. में अधिक है

ध्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो मौजा गोंदाडीह, तहसील जॉजगीर, जिला बिलासपुर में स्थित है (ध्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी के कार्यालय, जॉजगीर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

को प्यांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्दरित की गई है और मृज यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपर्तित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप से किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में, कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) एंनी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. रामायण
 - 神子
 - श्री, रामरतन पिसरान खोलबहरा, कोचनीन बेचा खोलबहरा की घीर से ग्रिभिकर्ता श्री रामायण सूर्यवंशी, निवासी सोनसरी तहसील जांजगीर, जिला बिलासपुर।

(ग्रन्तरकः)

(2) रेमण्ड सीमेंट वर्क्स गोपाल नगर, प्रो० रेमण्ड जलन मिल्स लिमिटेड, नरोत्तम मोरारजी मार्ग, बेलार्ड स्ट्रीट, बम्बर्ड, -400038, महाराष्ट्र ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सर्पाट्ट के अजेन के संबंध मी कां**ड्रीभी आक्षोप**ः—

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राण स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, अरंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्मक्ष्मीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उनक अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, को उसे अध्याय में दिया गया ही।

अन्त्यी

भूमि मौजा गोंदाडीह, तहसील जांजगीर, जिला बिलामपुर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा प्रस्तरिती द्वारा मन्यापित किया गया है ।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-9-1984

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी॰/ग्रर्जन/भोपाल/5155—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस् इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो मौजा गोंदाडीह. तहसील जांजगीर, जिला बिलामपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्ष्य, जांजगीर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्विक्त रूम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्ल अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गरा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री साधराम श्रात्मज श्री शिवलाल सूर्यवंगी, निवासी सोनसरी, तहसील जाजगीर, जिला बिलासपूर म० प्र०।

(भ्रन्तरक)

(2) रेमण्ड मीमेंट वर्क्स, गोपालनगर, प्रो० रंमण्ड उलन मिल्स लिमिटेड नरोत्तम मोरारजी मार्ग, बेलार्ड स्टेट, बम्बई-400038, महाराष्ट्र ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूधमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत्त स्थावर अधोहम्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

भूमि जो मौजा गोंदाडीह, तहसील जांजगीर, जिला बिलामपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37—जी में निहित है तथा ब्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> विरिन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13-9-1984

प्ररूप आहूर. दी. एन. एस. ------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 सितम्बर 1984

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/ श्रर्जन/भोपाल/5156---श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

ायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का गरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य .5,000/- रहा से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि खसरा तं० 263/3. 264, 265/3, मौजा टिलहरी में स्थित है (श्रैंर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) हे अधीन, तारीख जनवरी, 1984

जो पूर्वियस सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य सं कम के रहयमाम तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास इस्ते का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार दूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल सं एमें रहयमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशास सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीर, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० डी० पुंज, श्रीमती कृष्णा पुंज, श्रीमती सन्तोष पुंज, निवासी सदर बाजार, जबलपुर म० प्र०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती राजवन्त उप्पल पत्नी श्री एस० ए० एस० उप्पल, 256, डेन्निंग रोड, जबलपुर म० प्र०।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितडक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि खसरा नं० 263/3, 264, 265/3, है जो मौजा टिलहरी, जबलपुर में स्थित हैं । यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहिन हैं तथा भ्रन्तरिती द्वारा मस्यापित किया गया है ।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल ।

नारीख: 13-9-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

बायकर बिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 14 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आर्ड० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5157—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. में अधिक ही

श्रीर जिसकी मं० भूमि खसरा नं० 294/1 है तथा जो टिल-हरी, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्धीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रच्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल सं, एपं इश्यमान प्रतिष्यल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मों वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी, आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा का कि ए जाना वाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए।

(1) श्रीधरम प्रकाश पुंज, सदर बाजार, जवलपुर म० प्र०।

(ग्रन्तरक)

(2) सिमिरिता, 256,डेशिंग रोड,जबसपुर म० प्र०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जा उस्स अध्याय में दिया। गया ह¹।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 294/1 है जो टिलहरी, जिला जबसपुर में स्थित है। तथा यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है!

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राधकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

बंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

तारीख: 14-9-1984

मुक्य आई.टी.एन्.एस . ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5158—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवालन

गायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा .69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का गरण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 5,000/- रु. से अधिक हैं

जिसकी सन्ध्या भूमि है, तथा जो 242/2, टिलहरी, जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख जनवरी, 1984

जो पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान .तिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मभ्ने यह विश्वास उरने का कारण है कि यथाप्यंकित मंगीन का उचित बाजार एया, उसके दश्यमान प्रतिफल गें, एगेंगे दश्यमान प्रतिफल का ... प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और गंतिपति अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ् पाया या प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निष्तित में । ।स्सिखक रूप में कथिस नहीं किया गया है : • •

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अअसत, अकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधित्व मों कामी कारने या तमर्ग बचन मा सृजिधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया करों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अस्ति नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, स्थिपने में सुविधा की लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियमं की भारा २६०-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) • जधीन, निम्नलि**ष्ठिक व्यक्तियों, अर्थात्** :— श्री राजेध्वरचन्द्र पुज, सर्राफा वाजार, जबलपुर म० प्र०।

(मन्तरक)

(2) श्री स्रजीत मिंह उप्पल,265, डेन्सिंग रोड,जबलपुर म० प्र० ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कायं वर्षाहर्या करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में का**र्ड भी आक्षेप**:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हुएती हो, के भीतर पूर्वेक्ति काक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस मचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाम निभाग में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु**स्**ची

भूमि 242/2. टिलहरी, जबलपुर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37–जी में निहित है तथा श्रन्तरिती ब्रारा सत्यापित किया गया है ।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सह।यक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, भोपाल ।

नारीख: 14-9-1984

प्रकप नार्च, दी. एन. एस्. -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 सितम्बर 1984

निवेश सं० प्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5159—प्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रू. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं मकान नं 1413 सी-3 एवं प्लाट खसरा नं 106, 114, मौजा महेशपुर में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य में कम के इश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का आरण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंसह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निश्मतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक कप में कोंचित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के लभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वार प्रकट सहीं किया गण था या किया जाता साहिए था, क्रिपानों ने स्विधा के निए;

अतः अरू उक्त अधिनियमं की भारा 269-ए के बन्धरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री गुरूवरन सिंह पिता श्री ईश्वर सिंह छाबड़ा, निवासी 1412, प्रेम नगर, जबलपुर म० प्र०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रामप्यारी पश्नी श्री हरी सिंह छाबड़ा, निवासी 1236, प्रेम नगर, मदन महल जबलपुर म० प्र०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उस अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियः. गथा है।

नगराची

मकान नं० 1413/सी-3 एवं प्लाट खासरा नं० 106, 104 है जो मौजा महेशापुर, जवलपुर में स्थित है। यह बह् स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो में निहित है तथा भ्रन्तरिती द्वारा सस्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14—9—198**4**

ध्यक्षर 🖫

संघ लोक सेवा आधोग सम्मिलित चिकित्सा सेवा परीक्षा, 1985 नर्द विल्ली, दिनांक 13 अक्तूबर 1984 नोटिस

सं. एफ. 14/3/84-प.1 ल—गंग लोक सेवा आयोग द्वारा नीचे परा 2 में दी गई सेवाओं तथा पदों पर भर्ती होतू 7 अप्रैल, 1985 को अगरतला, अहमसावाद, एजेल, इलाहा- बाव, बंगलौर, भोपाल, बस्वई, कलकत्ता, चण्टीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिभप्र (गोहाटी) होवराबाद, हम्फाल, इंटा-नगर, जयप्र, जम्मू, जोरहाट, कोशिसा, लब्जिफ, मदास, नागप्र, पणजी (गोवा)।, पटना, पोर्ट ब्लेयर, रायप्र, शिलांग, शिमला, श्रीनगर, तिरूपति, जिबेन्द्रस, जदयपर और विशाखा-पट्टनम में एक सम्मिलित परीक्षा ली जाएगी।

जायांग यदि चाहे तो परीक्षा के उपर्यांक्त केन्द्रों तथा तारी मों परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीतवारों को उक्त परीक्षा के लिखें उनकी पसन्द के केन्द्र दोने के सभी प्रयास किए खारों गें तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दो सकता है। जिन जम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दो दिया जाता है उन्हों समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दो दी जाएगी निचे पैरा 19(11) दोसए।

उम्मीदवारों को ध्यान रहना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन स सम्बद्ध अन्रोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु अब कोई उम्मीदवार अपने अस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा होत् अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात पर प्रा औचित्य बताते हुए एक पत्र रिजस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। एसे अन्रोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्त् 7 मार्च, 1985 के बाद प्राप्त अनुरोधों की किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

- 2. जिन सेवाऑं/पदों पर भर्ती की जानी है वे तथा भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या नीचे दी गई है :--
 - (i) र`लवे में सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधि-कारी—***
 - (ii) आयुध तथा आयुध उपस्कर कारखाना स्वास्थ्य सेवा में कनिष्ठ वेतनमान पद लगभगः (***) रिक्तियां**।
 - (iii) केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा में कनिष्ठ बेतनमान पद—
 - (iv) दिल्ली नगर निगम में साम्रान्य ड्यूटी चिकित्सा अधिकारी—50*

इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

- **रिकितयों की संख्या सरकार द्वारा स्चित नहीं की गई है।
 - *अनुस्चित जातियों और अनुसृचित अनजातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार ब्वारा निश्चित रिक्तियों के अनसार होगा।
- 3. कोई उम्मीववार उपयंक्त पैरा ? में उल्लिखित किसी एक या एक मे अधिक मेवाओं/पर्वों के सरलर्थ में परीक्षा में प्रवेश के लिये आवेदन कर सकता है। उम्मीदन्यों को उचित गमग पर मेवाओं/पर्वों के लिये अपना वरीयना कम इताना होगा। 48—276GI/84

यदि कोर्ड उम्मीदनार एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिये परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता है। तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवशकता है। नीचे पैरा 5 में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक हो बार होना होगा उस प्रत्येक सेवा/पद के लिये अलग-अलग नहीं, जिसके लिये वह आवेदन कर रहा है।

- 4 . पात्रना की शर्ते :
- (क) राष्ट्रीयता :

उम्मीदवार को या तो :--

- (i) भारत का नागरिक होना चाहिए, या
- (ii) जेपाल की प्रजा, या
- (iii) भूटान की प्रजा, या
- (iv) एसा तिब्बती शरणार्थी, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप में रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और कीनिया, उगांडा तथा संयक्त गणराज्य तंजानिया, (भूतपूर्व तंगानिका और जंजीबार) के पूर्वी अफ्रीका के देशों से या जांबिया, मलावी, जेरे और इथोपिया और वियतनाम से आया हो।

परन्त्(ii);(ii),(iv),औश्रीर(v) वर्गे के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार ब्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजीबिलिटी) प्रमाण पत्र होना चाहिए।

परीक्षा में एने उम्मीदवार को भी जिसके लिये पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है परन्तु उसे निय्दित प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिए जाने पर ही दिया जाएगा।

(स) आयु-सीमाः—पहली जनवरी, 1985 को 30 वर्ष से कम।

जपरी आय्-सीमा में निम्न प्रकार छूट प्राप्त है :---

- (i) यदि उम्मीदवार किसी अन्सूचित जाति या अन्सूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक,
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पृष्ठी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापिन व्यक्ति हो और वह 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अविध के दौरान प्रवृजन कर भारत आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (iii) यदि त्रम्मीदिवार अनुसचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का हो और वह 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अविध के दौरान भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब संगला दोश) से प्रवजन कर आया तास्त्रिक टिस्थापित ब्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक.
- (iv) यदि जम्मीदबार अक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवस्तर. 1964 को या उसके बात श्रीलंडन से वस्त्तः प्रतातिकि त्रोकर भारत में आया हाला ता आने बाला मूल रूप से भारतीय स्यक्ति हो नो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,

- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का हो और साथ ही अक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नधम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वस्तृतः प्रत्यावितित होकर भारत में आया हुआ या आने वाला मूल रूप से भारतीय व्यक्तित हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (vi) यदि उम्मीदनार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा, तंजानिया के संयक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगनिका और जंजीबार) से प्रवृजन किया हो या जांविया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (vii) यदि उम्मीदिवार अन्सूचित जाति या अनु. जनजाति का है और भारत मूल का वास्तिविक प्रत्यावितित व्यक्ति है तथा कीनिया, उगांडा तथा संयक्त गण-राज्य तंजानिया (भृतपूर्व तंगानिका तथा अंजीबार) से प्रक्जन कर आया हो या जाविया, मलावी, जेरे तथा इथापिया से भारत मूल का प्रत्यावितित व्यक्ति है तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,
- (viii) यदि जम्मीदवार 1 जून, 1963 को या उसके बाद यर्मा में वस्तृतः प्रत्यावर्तित हो कर भारत में आया ह्जा भारत मूलक व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
 - (ix) यदि लम्मीदवार अनम्चित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति का हो और साथ ही 1 जून, 1963 या उसके बाद बर्मा वस्त्तः प्रत्यावितित होकर भारत में आया ह्जा भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
 - (x) रक्षा संघाजों के उन कर्मधारियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष तक जो किसी विदश्ती दश के साथ संघर्ष के अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र से फाँजी कार्र-वार्झ के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणाम-स्वरूप निर्मावत हुए,
 - (xi) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक में अधिक आठ वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संघर्ष में अधिका अद्यांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परि-णामस्वरूप निर्मृकत हुए हों और जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं।
 - (xii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावितत मृलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पाम भारतीय पार-पत्र हों) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पाम वियतनाम में भारतीय राज-द तावास द्वारा जारी किया गया आपान प्रमाण-पत्र हैं, और जो वियतनाम से जलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है तो उसके लिये अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (xiii) यदि कोई उम्मीदबार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और एोमा उम्मीदबार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाण-पत्रं है तथा जो वियतनाम से जुलाई, 1975

- से पहले भारत नहीं आया है तो उसके लिए अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (xiv) जिन भूतपूर्व सौनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने
 1 जनवरी, 1985 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक
 सेवा की है और जो कवाचार या अक्षमना के आधार
 पर बर्णस्त या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता
 या अक्षमता के कारण कार्य मुक्त न होकर अन्य
 कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए
 हैं। (इनमें वे भी सिम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल
 1 जनवरी, 1985 से छः महीनों के अन्वर पूरा
 होना है) उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष
 तक,
- (XV) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों /अल्प-कालीन संवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 अनवरी, 1985 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक मेवा की है और जो कवाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हुई धारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं। (इनमें वे भी सिम्मिलित है जिनका कार्यकाल 1 अनवरी, 1985 से छः महीनों के अन्वर पूरा होना हैं) तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं जनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक,
- (xvi) यदि कोई उम्मीदवार सत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से तास्तिवक विस्थापित व्यक्ति है और भारत में 1 नवम्बर, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के नीच की अविधि के दौरान प्रवृजन कर आया था तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (xvii) यदि कोई उम्मीदबार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है और तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और भारत में 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रवृजन कर आया था तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

उपर्यक्त व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छुट नहीं दी जाएगी।

बायोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रिक लेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विद्वविद्यालय द्वारा मेट्रिक लेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण-पत्र या किसी विद्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मेट्रिक लेटरों के रिजस्टर में दर्ज की गर्द हो और वह उद्धरण विद्वविद्यालय के समूजित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों या उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा प्रमाण-पत्र में दर्ज हों, ये प्रमाण-पत्र परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के बाद प्रस्तुत करने हैं।

आयू के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तादेश जैसे जन्म कंडली, शप्थपत्र, नगर निगम से और सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण, तथा अन्य एसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए आयों गे।

अनुदोशों के इस भाग में आए हुए ''मैर्ट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र'' वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्यूक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

िष्णणी 1:— उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि आयोग जन्म की उसी तारील को स्वीकार करोग जोकि आवेदन-पत्र प्रस्तृत करने की तारील करे मैदिक लंबान/उच्चलर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र ना समझक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमे परिवर्तन के जिसी अनुराध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 2:— उम्मीदवार यह भी ध्यान रखें कि उनके ब्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिये जन्म की तारील एक बार घोषित कर दोने और आयोग ब्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं :

उक्त परीक्षा में प्रवेश के लिये उम्मीदवार फाइनल एम.बी.बी.एस परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों में उसीर्ण हो।

टिप्पणी 1—वह उम्मीदवार भी आबंधन कर सकता है जिसने फाइनल एम बी. दी. एम. परीक्षा वे ली है या जिमको अभी दोनी है। यदि एसे उम्मीदवार अन्यथा पात्र हुए तो उन्हें उकत परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाएगा परन्त उनका प्रवेश अनंतिम रहेगा तथा फाइनल एम बी. बी. एम. परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों को उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तृत न करने की स्थिति में रदद कर दिया जाएगा। उक्त प्रगण जिस्तृत आवेदन पत्र के, जो उक्त परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर अहाँता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों द्वारा आयोग को प्रस्तृत करने पड़ेगे, साथ प्रस्तृत किया जाएगा।

टिप्पणी 2—उक्त परीक्षा में प्रवेश के लिये वह उम्मीबवार भी शैक्षिक रूप से पात्र है जिस्ते अभी अनीवार्य रोटेंटिंग इन्टर्न श्रिप पूरी करनी है, किन्तु चयन हो जाने पर उन्हें अनिवार्य रोटेंटिंग इन्टर्निशा पूरी करने के बाद ही नियुक्त किया जाएगा।

5 ., शल्क :

परीक्षा में प्रयेश चाहने वाले उम्मीदवारों को आयोग की रह. 28.00 (अट्ठाई स रुपये) [अनुमूचित जातियों और अनुमूचित जाजातियों के मामले में रह. 7.00 (सात रुपये)] के शुक्त का भुगतान करना होगा, जो िक सिचव, संघ लोक में वा आयोग को नई दिल्ली की स्टेट बैंक आफ इण्डिया की शुक्य शाखा पर देथ स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी भी शाखा दवारा जारी किए गये रेखांकित बैंक डाफ्ट या सिचव संघ लोक सेवा आयोग की नई विल्ली के प्रधान डाकघर पर येथ रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप मों हो विविध में रहने वाले उम्मीदवारों करो निर्धारित शुक्क भारत के उच्च आयुक्त या विदेश मिं रहने वाले उम्मीदवारों करो निर्धारित शुक्क भारत के उच्च आयुक्त या विदेश सिधत प्रतिनिधि के कार्यालय में, जैसी भी स्थिति हो, इस अन्रोध के साथ जमा करना होगा नािक वह "051 लोक सेवा आयोग परीक्षा शुक्क" के लेखा जीर्य में जमा हो जाए और उन्हें आवेदन-पत्र के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन प्रपत्रों में इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी I — उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली और उत्पर के सिरे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आर्डरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आर्डर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिये निभारित स्थान पर अपना नाम पता लिखें।

Il –यदि कोई ऐसा उम्मीदवार 1985 की परीक्षा टिप्पणी में प्रवेश होत् आवेदन करने का इच्छाक ही जिसने ''सिम्मिलित चिकित्सा सेवा परीक्षा, 1984'' दो है तो उसे परिणाम या नियुक्ति प्रस्ताव का इन्तजार किए बिना आयोग को कार्यालय को अपना आवेदन-पत्र निर्धारित तारीस तक अवद्य भेज देना चाहिए। यदि उसे 1984 की परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियक्ति होत अन्वांसित कर दिया जाता है तो 1985 की परीक्षा के लिये उसकी उम्मीदवारी उसके कहने पर रखद कर दी जाएगी बशर्ते कि उम्मीदवारी रदद करने और शाल्क वापसी का उसका अनरोध आयोग को कार्यालय में 1984 की परीक्षा के फाइनल परिणाम के ''रोजगार समाचार'' में प्रकाशन की तारीस से 30 दिन के अंदर तक प्राप्त हो जाता

6. आवेदन कौसे करें :

प्रारम्भिक परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदबार को विसांक 13 अक्तूबर, 1984 के समाचार पत्रों में या "राजिगार समा-चार'' दिनांक 13 अव्ह्यूबर, 1984 में सथा प्रकाशित आयोग के नोटिस परिशिष्ट II में प्रकाशित आदेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लांक संघा आयोग, घोरपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवंदन करना चाहिए। उम्मीववार समाचारपत्री या 'राजगार समाचार' में प्रकाशित आवेदन-प्रपत्र मूल रूप में उपयोग कर सकतं हैं और उसके कालम स्वयं अपने हाथों से बाल पेन से भर सकते हैं। दे सफोद कागज (कुल स्कोप साइज) . पर कोबल एक तरफ सफाई के साथ डबल स्पेस पर टांकित आवेदन-प्रथत्र को भी प्रयोग से ला सकते हैं। उम्मीददार प्राइवेट एजेन्सियों से उपलब्ध छपे हुए। आवंदन-अपन नथा उपस्थिति पत्रकों को प्रयोग में हा सकते हैं, बदातें कि वे इस विशापन की समाचार पत्रों या "राजगार समाचार" विनांक 13 अक्तकर, 1984 में यथा-प्रकाशित आयाग के नोटिस के परिकाप्ट H में प्रकाशित नम्हे के अनुरूप हों। उम्मीदवार ध्यान रखें कि पिछली परीक्षाओं के लिये प्रयुक्त प्रपन्नों पर भरें गए आवंदन-पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

आवेदन-प्रपण के लिकाफे पर साफ-साफ मोटो अक्षरों में ''सम्मिलित चिकित्सा सेवा परीक्षा, 1985 के लिए आवेदन'' लिखा होना चाहिए।

- (क) उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रपत्र अवश्य भेजने चाहिए :
- (i) निर्धारित शुल्क के लियं रेखांकिल बैंक डाफ्ट/भारतीय पास्टल आर्डर या भारतीय मिशन की रसीद, (ii) फाल स्केष साइज पेपर पर विधियत् भरा हुआ उपस्थिति-पत्रक "राजगार समाचार" पिनांक 13 अक्तूबर, 1984 में या दिनांक 13

अक्तूबर, 1984 के समाचार पत्रों में यथा प्रकाशित आयोग के नोटिस के परिशिष्ट II के अनुसार iii उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें.मी. \times 7 सें.मी.) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां—एक आवेदन-प्रपत्र पर तथा बूसरी उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर लगी हों, iv एक पोस्ट कार्ड अपने पत्ने के साथ, (v) 11.5 सें.मी. \times 27.5 सें.मी. आकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफो अपने पत्ने के साथ।

- (स) उम्मीदिवार ज्यान रखें कि आयदेन-प्रपत्र भरते समय भारतीय अंकों के केवल अन्तरराष्ट्रीय रूप को प्रयोग करना है। जाहे माध्यमिक स्कूल छाड़ने के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में वर्ज है, तो भी उम्मीदिवार यह सुनिष्चित कर लें कि जो आयदेन-प्रपत्र वह प्रयोग में लाता है उसमें जन्म की तारीख भारतीय अंकों के अन्तरराष्ट्रीय रूप में लिखी हो। वे इस बारे में विशेष सावधानी वरतें कि आयदेन-प्रपत्र में कि गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि ये प्रविष्टियां पढ़ी नहीं जा सकती है या भूमक है तो उनके निर्वचन में होने वाली भांति या संविष्णता के लिये उम्मीदवार ही जिम्मदार होंगे।
- (ग) सभी उम्मीदवारों को, चाही वे पहले सरकारी नौंकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में हों, या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैरसरकारी संस्थाओं मे नियुक्त हों, अपने आवेदन-प्रपत्र आयोव को सीध भेजने चाहिए अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-प्रपत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो आवेदन-प्रपत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियेक्ता को आखिरी सारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में, स्थायी या अस्थायी हैंसियत से काम कर रहे हों, या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों, जिसमें आक्रिसमक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं हैं या जो लोक-उद्यमों में सेवारत हैं, उनको यह परिवचन (अण्डरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवंदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवंदन-पृत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा। उसको उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

टिप्पण्रेः जिन आवेदन-पत्रों के साथ निर्धारित घुल्क संलग्न नहीं होगा या जो अधूरे या गलत भरे हुए हों, उनको एकदम अस्त्रीकृत कर दिया जाएगा और किसी भी अवस्था में अस्त्रीकृति के सम्बन्ध मे अभ्यावेदन या पत्र-वयवहार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को अपने आवेदन-प्रपत्रों के साथ आयु और शैक्षिक योग्यता, तथा 'अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आदि के दावों के समर्थन में कोई प्रसाण-पत्र प्रस्तुत नहीं करना है। इसलिए वे इस बात को सुनिष्टिचत कर लें कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए पत्रिता की सभी शहा को पूरी नहीं करते हैं या नहीं। परीक्षा में उनका प्रवेश भी पूर्णतः अनंतिम होगा। यदि किसी बाद की तारील को सत्यापन करते समय यह पता चलता है कि वे पात्रता की सभी शर्तों पूरी नहीं करते हैं तो उनकी उम्मीदवारी रदव हो आएगी।

उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे उक्त लिखित परीक्षा का परिणाम जिसके जुलाई, 1985 में घोषित किए जाने की सम्भावना है, घोषित होने के बाद आयोग को जल्दी प्रस्तुत करने के लिए निम्निलिखित प्रलेखों की अनू-प्रमाणित प्रतियां तैयार रखें:

- 1. आयुका प्रमाण-पत्र
- 2. घौक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र
- 3. जहां लागू हो, वहां परिशिष्ट में निर्धारित प्रपत्र में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र।
- 4. जहां लागू हो वहां आय्/शूल्क में छूट के दावें के समर्थन में प्रमाण-पत्र।

परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के सत्काल बाद आयोग सफल उम्भीदवारों से अतिरिक्ष्य सूचना प्राप्त करने के लिए एक प्रणत्र भेजेगा। उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की अनुप्रमाणित प्रतियां इस प्रपत्र के साथ आयोग को भेजनी होंगी। मूल प्रमाण-पत्र साक्षात्कार के सभय प्रस्तुत करने होंगे।

यि उनके द्वारा किए गए दावे सही नहीं पाए जाते हैं तो उनके लिलाफ वायोग द्वारा नीचे पैरा 7 के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही की वा सकती है।

- 7. जो उम्मीदवार निम्नांकित कवाचार का दोषी है या आयोग द्वारा दांपी घोषित हो चुका है :--
 - (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना या
 - (ii) किसी व्यक्ति के स्थाद पर स्वयं प्रस्तुत होना या
 - (ii_1) अपने साप्ता पर किसी दूसरे व्यक्ति की प्रस्तूक्ष करना या
 - (iv) जाली प्रलेखों या फरे बवल किये गए प्रलेख प्रस्तुत करना या
 - (v) अजुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना छिपाकर रखना या
 - (vi) उक्त परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में कोई अनियमित या अनुचित साधन अपनाना या
 - (Vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीक अपनाना या
 - (viii) उत्तर पुस्तिका (आ) पर असंगत बार्ते लिखना आ अक्लील भाषा या अभद्र आशय की हों या

- (ix) परीक्षाभवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार
- () परीक्षा चलाने के लिए आयोग दवारा नियक्त कर्म-चारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो या
- (xi) उम्मीदवारों को परीक्षा दोने की अनुमति दोते हुए प्रीपत प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो।
- (xii) उत्पर खंडों में उल्लिखित सभी या किसी भी कार्य को उकसाया हो तो उस पर आपराधिक अभियोग को उकसाया हो तो उस पर आपराधिक अभियोग चलाया जा सकता है और साथ ही:--
 - ं(क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए आयोग व्वारा अयोग्य ठहराया जा सकता है अथवा
 - (खा) (i) आयोग बुवारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए;
 - (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिए;
 - स्थायी रूप से या कुछ अविधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है; और
 - (ग) अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक कार्यवार्डका पात्र होगा।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब सक नहीं दी जाएगी जब सक--

- (i) उम्मीववार इस सम्बन्ध में जो लिखित अभ्यावेदन दोना चाहे उसे प्रस्तुत करने का अवसर उसको न दिया गया हो, और
- (ii) उम्मीदवार व्वारा अनुमत समय में यदि कोई अभ्या-वेदन प्रस्तुत किया गया है, तो उस पर विचार न कर लिया गया हो।

8 न आवेदन-प्रपत्र लेने की अन्तिम तारीख

भरा हुआ आवंदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 26 नवम्बर, 1984 (26 नवम्बर, 1984 से पहले की किसी तारीस से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदोश, मिजोरम, मीणपूर, नागालैण्ड, त्रिपूरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लघ्दास प्रभाग, हिमाचल प्रदंश के लहाँल और स्पीति जिले, चम्बा जिले के पांगी उपमंडल, अंडमान और निकाबार द्वीप समृह या लक्षद्वीप और विद कों में रहने वाले उम्मीववारों के और जिनके आवेदन उपर्यक्स में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं, उनके मामले में 10 विसम्बर, 1984) तक या उससे पहले डाक द्वारा अवस्य भिजवा दिया जाए, या स्वयं आयोग के काउण्टर पर आकर जमा करा दिया जाए।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नागालण्ड, त्रिपुरा, सिविकम, अम्मू और कश्मीर राज्य के लक्दास प्रभाग, हिमाचल प्रदोश के लाहाँल और स्पीति जिले बाम्बा जिले के पांगी उपमंडल, अंडमान और निकाबार द्वीप

समृह या लक्षद्वीप और विदशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग गवि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 26 नवम्बर, 1984 से पहले की तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजारिम, मणिपूर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लब्दास प्रभाग, हिमाचल प्रदोश के लाहाँल और स्पीति जिले, चम्बा जिले के पांगी उपमंडल, अंडमा प्रौर निकाबार द्वीप समृह या लक्षद्वीप और विदोशों में रह रहा था।

टिप्पणी (i) जो उम्मीदवार एसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आयोदन की प्रस्तृति होतू अतिरिक्त समय के हक क्षार है, उन्हें आवेदन-पत्र के संगत काल म में अपने पतौ में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात्, असम, मेघालय, अम्म तथा करमीर राज्य का लव्वास प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

टिप्पणी (ii) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र संघ लोक सेवा आयोग के काउण्टर पर स्वयं जमा कराएं या रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्र के लिए आयोग जिम्मेदार नहीं होगा। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

> निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त किसी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

- 9. परीक्षा की योजना : इस परीक्षा में निम्नलिखित का समावेश होगा:--
 - (क) लिखिस परीक्षा :— उम्मीदवार दो-दो घंटे की अविध के निम्नलिखित दो प्रश्न-पत्रों में परीक्षा क्षेगा जिनमें नीचे दिए गए विषयों पर वस्तुपरक प्रश्न होंगे। ये अधिकतम 200 अंकों के होंगे। प्रदन-पत्रों में ए'से प्रदन होंगे, जिनमें विभिन्न विषयी के अंकों का प्रतिशत निम्न प्रकार होगा :--

प्रश्न-पत्र I ू(कोड सं. 1)	अंकों का प्रतिशत
(1)	(2)
(i) सामान्य आयुविज्ञान जिसमें हृदयराग विज्ञान, तंत्रिक विज्ञान, स्वचाराग विज्ञान और मनोराग विज्ञान सम्मि-	
लिस है। (ij) घल्य विज्ञान जिसम्दें कर्ण-नासिका- कण्ठ, नेत्र विज्ञान, अभिघास विज्ञान और विकलांग विज्ञान सम्मिलित	60%
ह ⁵ । प्र श्न-पत्र II (कोड सं _{. 22} 2)	40%
(i) शिश्रुरोग विज्ञान	20%

(ii) स्त्रीरोग विज्ञान तथा प्रसन्ति विज्ञान 40% (iij) निरोधक सामाजिक तथा सामुदायिक 40% आयुर्विज्ञान

(स) लिसित परीक्षा मे⁻ अर्हाताप्राप्त उम्मीदवारों

का व्यक्तित्व परीक्षण

200 अंक

टिप्पणी

 नम्ने के प्रश्न सहित वस्त्परक परीक्षण से सम्बद्ध ब्योरे का उल्लेख करने वाली ''उम्मीदवार सूचनार्थ विवरणिका" उम्मीदवारों को प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भंजी जाएगी।

टिप्पणी i II–उम्मीदवारों को वस्तुपरक प्रश्न-पत्रौं (परीक्षण पुस्तिकाओं) का उत्तर दोन के लिए केलक लेटरों के प्रयोग की अनुमति नहीं है। उन्हें केलका्लेटर परीक्षा भवन में नहीं लाना चाहिए।

10. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग व्वारा अपनी विवक्षा से निर्धारित न्युनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें आयांग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षण होतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग का यह मत हो कि अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए इन जातियों के पर्याप्त उम्मीदवार सामान्य स्तर के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण के होत् साक्षारकार के लिए नहीं बुलाए जा सकते हैं तो आयोग अनु-सूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को इनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परिक्षण होतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

व्यक्तित्व परीक्षण केलिए होने वाला साक्षात्कार लिखित परीक्षा के अनुपूरक के रूप में होगा जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के अध्ययन के विशिष्ट क्षेत्र में उनकी सामान्य जानकारी और क्षमता को परीक्षा करना होता है और साथ-साथ जैसा कि किसी व्यक्तित्व परीक्षण में हाता है उम्मीदवारों की बौद्धिक जिज्ञासा समीक्षात्मक सुभ-बुभ की शक्ति सन्तुलित विवेचन शीलता मान-सिक जागरूकता सामाजिक सामंजस्य की क्षमता चारित्रिक सत्य-निष्ठा स्वतः प्रेरणा और नेतृत्व की योग्यता का भी मूल्यांकन किया जाता है।

11. साक्षात्कार के बाद प्रत्येक उम्मीदवार को लिखित परीक्षा और व्यक्तित्व परोक्षण के अंकों के ऋमरा 331 % का महत्व देते , हुए कुल मिला कर प्राप्त अंकों के आधार पर उम्मीदवारों की योग्यता के कुम से आयोग द्वारा उनकी एक सूची तैयार की जाएगी। और जितने उम्मीदवारों को आयोग इस परीक्षा में योग्य पाता है उनमें से उतने ही की उसी कम से नियक्ति के लिए अनुशंसित किया जाता है जितनी अनारक्षित रिक्तियों को इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरने का निश्चय किया जाता है:

परन्तु अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों में सामान्य स्तर के आधार पर जितनी रिक्तियां नहीं भरी जा सकती हैं उतनी के लिए स्तर में छूट दोकर अनुसुचित जातियों और अनुसुचित जनजातियों के उम्मीद-वारों को आयोग द्वारा अनुशंसित किया जा सकता है बेशतें कि परीक्षा में उनके शोग्यता के क्रम से निरपेक्ष रूप से वे इस सेवा में नियुक्ति के योग्य हों।

- 12. परीक्षा में बैठ उम्मीदवारों को वैयक्तिक रूप से उनका परीक्षा परिणाम किस प्रकार और किस रूप में सुचित किया जाये इसका निर्णय आयोग स्वयं अपने विवेक से करेगा परीक्षा परिणाम के सम्बन्ध में आयोग उनके साथ कोई व्यवहार नहीं करगा।
- 13. इस नीटिस में उल्लिखित अन्य उपबन्धों के अध्यधीन सफलता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की नियुक्ति पर आयोग द्वारा उनकी योग्यता के ऋम से तैयार की गई सूची और उनके वुवारा अपने आवेदन पत्रों में विभिन्न पदों के लिये बताई गई वरीयता के आधार पर विचार किया जायेगा।
- 14. परीक्षा में सफल होने मात्र सो नियुक्ति का कोई अधि-कार तब तक प्राप्त नहीं होता जब तक आवश्यक पूछताछ के बाद सरकार इस बात से सन्तुष्ट न हो कि उम्मीदवार अपने चरित्र और पूर्व वृत के आधार पर उक्त सेवा में नियुक्ति के लिये सर्वथा उपयुक्त है। उम्मीदवार को नियुक्ति के लिये यह भी एक शर्त होगी कि उसके अनिवार्य रोटोटिंग इन्टरिशप सफलतापूर्वक पूरी कर लेने के संबंध में नियुक्ति प्राधिकारी संतुष्ट हो।
- 15. उम्मीदवार को मन और शरीर से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें ऐसी कोई भी शारीरिक कमी नहीं होनी चाहिए जो उक्त सेवा के अधिकारी के रूप में कार्य करने में बाधक सिव्ध हो सके। सरकार या नियाकता प्राधिकारी जैसी भी स्थिति हो द्वारा निर्धारित इस प्रकार की शारीरिक परीक्षा में जो उम्मीववार इन अपेक्षाओं की पूर्ति नहीं कर पाता है, उसकी नियुक्ति नहीं व्यक्तित्व परीक्षण के लिये योग्य घोषित किये सभी उम्मीदवारों को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित चिकित्सा बोर्ड के पास शारीरिक परीक्षा के लिये भेजा जायंगा ।

16. कोई भी व्यक्ति:--

- (क) जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ वैवाहिक संबंध बना लेता है या इस संबंध में करार कर लेता है जिसका कोई पित या पत्नी जीवित ही, या
- (स) पति या पत्नी के जीवित होते हुए किसी दूसरो व्यक्तिसे वैवाहिक संबंध बनालेता है या इस संबंध में कोई करार कर लेता है:

इस सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि इस प्रकार का विवाह उस व्यक्ति और विवाह से सम्बद्ध दूसरे व्यक्ति पर लागू वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और एसा करने के और भी आधार माजूद हैं तो किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छुट दे सकता है।

- 17. उम्मीववारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिये अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दो जाएगी।
- 18. आयोग अपनी विवक्षा पर परीक्षा के लिये अहर्क (क्वालीफाइंग) अंक निर्धारित कर सकता है।
 - 19. आयोग के साथ पत्र-व्यवहार :

निम्नलिखित को छोड़कर आयोग अन्य किसी भी मामले में उम्मीदवार के साथ पत्र-व्यवहार नहीं करेगा :----

(i) आर**ोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्र** जिसमें दरे से प्राप्त आधेदन-पत्र भी सम्मिलित है,

की पावती वी जाती हैं तथा आवंदन-पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवंदन पंजीकरण संख्या जारी की जाती हैं। इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवंदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गई हैं अपने आप यह मतलब नहीं हैं कि आवंदन-पत्र सभी प्रकार पूर्ण हैं और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। यदि परीक्षा से संबंधित आवंदन-प्रपत्रों की प्राप्ति की आखिरी तारीस से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवंदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तस्काल सम्पर्क करना चाहिए।

- (ii) इस परीक्षा के प्रत्यंक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीष दे दी जाएगी। किन्तू यह नहीं कहा जा सकता है कि आवेदन-पत्र का परिणाम कब सूचित किया जायेगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने के पहिले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारों में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने एोसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के बावे से वंचित हो जायेगा।
- (iii) किसी भी उभ्मीदवार को उक्त परीक्षा में तब तक प्रदेश नहीं दिया जायेगा जब तक उसके पास प्रवेश प्रमाण-पत्र नहीं।

केवल इस तथ्य का कि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के लिए प्रवेश प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया है यह अर्थ नहीं होगा कि आयोग द्वारा उसकी उम्मीदवारी अन्तिम रूप से ठीक मान ली गई है या कि उम्मीदवार द्वारा अपने प्रारम्भिक परीक्षा के आवेवन पत्र में की नई प्रविष्टियां आयोग द्वारा सही और ठीक मान ली गई है। उम्मीदवार ध्यान रखें कि आयोग उम्मीदवार के लिखिल परीक्षा के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण होते साक्षात्कार के लिये अहीता प्राप्त कर लेने के बाद ही उसकी पात्रता की शर्तीं का मूल प्रलेखों से सत्यापन का मामला उठाता है। आयोग द्वारा अपनारिक रूप से उम्मीदवारों की पृष्टि कर दिए जाने तक उम्मीदवारी अनंतिम रहोगी।

उम्मीदवार उक्त परीक्षा में प्रवेश का पात्र है या नहीं है इस बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

उम्मीदवार ध्यान रखें कि प्रवेश प्रमाण-पत्र में कहीं-कहीं नाम तकनीकी कारणों से संक्षिप्त रूप में लिखे जा सकते हैं।

(iv) उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आविदन-पत्र में उन्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करो, पते में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना यथाशीष्र दी जानी चाहिए। आयोग एसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरापूरा प्रयत्न करता है, किन्तु इस विषय में कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

महत्वपूर्णः—आयोग के साथ सभी पत्र-व्यवहार में नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से क्षोना चाहिए :

1. परीक्षाकानाम

- आवेदन पंजीकरण सं. अथवा उम्मीदवार के जन्म की तारीख यदि आवेदन पंजीकरण संख्या/अनुक्रमांक सुचित नहीं किया गया है।
- 3. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा मोटे अक्षरों में)।
- 4. आबंदन-पत्र में दिया गया डाक का पता।

विशेष ध्यान (i) : जिन पदों में यह ब्यौरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर ध्यान न दिया जाए।

विशेष ध्यान (ii): यदि किसी उम्मीववार से कोई पत्र/ संप्रेषण परीक्षा हो चूकने के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम, अनुक्रमांक नहीं है तो इस पर ध्यान न देते हुए कोई कार्रवाई नहीं की जायेगी।

- 20. आधेदन-पत्र प्रस्तृत करने के बाद उम्मीववारी की वापसी के लिए उम्मीववार के किसी प्रकार के अन्रोध पर किसी भी परि-स्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।
- 21. संघ लोक सेवा आयोग ने "संघ लोक सेवा आयोग की वस्तुपरक परीक्षाओं होत उम्मीदवार विवरणिका" शीर्षक से एक समूल्य पुस्तिका छापी है। यह विवरणिका सं. लो. सं. आ. की परीक्षाओं या ज्यनों के भावी उम्मीदवारों को सहायता दोने के उद्देश्य से तैयार की गई है।

यह पुस्तिका प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, विल्ली110054 के पास बिकी के लिए स्लभ हैं और इन्हें उनसे सीधे मेल आर्डर द्वारा या नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। यह केवल नकद भुगतान पर (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग, 'सी'' ब्लाक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 और (ii) उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 में स्थित प्रकाशन शाखा का बिकी काउण्टर और (iii) गवर्नमेंट आफ इण्डिया बूक डिपो, 8-के.एस. राय रोड, कलकत्ता-700001 में भी ली जा सकती है। उक्त विवरणिका भारत सरकार प्रकाशनों के विभिन्न मुफस्ति शहरों में स्थित एकेंटों से भी उपलब्ध हैं।

22. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं पर भर्ती की जा रही है उनके संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट ना में दिये गये हैं।

एम बालकृष्णन उपस**चिव**

परिशिष्ट- I

इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है उनके संक्षिप्त विवरण नीचे विए गए हैं:---

रोलवे में सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी

(क) एव अस्थायी है और ग्रंप 'क' में है। पव का वेतनमान रह. 700-40-900-व. रा. 40-1100-50-1250-व. रो. 50-1600 (परिशोधित वेतनमान) है। इसके अलावा समय-समय पर प्रवितित आदेशों के अनुसार प्रतिबन्धित प्रैक्टिस निषेध भत्ते भी होंगे। फिलहाल ये दर्र चालू हैं:——

1--5 स्टेज

रतः 150--श्र∙माः,

6--10 स्टोज

रु ₁ 200—प्र≟माः

... 11—15 स्टेज

रा. 250---प्रामाः

16वीं स्टोज से आगे

रु : 300--प्र मा :

निजी प्रैक्टिस को प्रतिबंधित या निषिद्ध करते हुए समय-समय पर रेलवे मंत्रालय या अन्य प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए आवेशों का पालन करने के लिए उम्मीदवार बाध्य होगा। जो उम्मीदवार सरकारी नौंकरी में हो उनको उपर्यक्त वेतनमान में नियमनुसार प्रारंभिक वेतन दिया आयेगा। दूसरे लोगों को उपर्युक्त वेतनभान का न्यूनतम वेतन दिया जायेगा।

- (स) उम्मीदवार को दो साल की परिवीक्षा पर नियुक्त किया जायेगा और आवश्यक गमका जाये तो सरकार इस अविध को आगे बढ़ा सकती हैं। परिवीक्षा की अविध को सन्तरेषजनक ढंग से समाप्त करने पर वह अस्थायी हैं सियत से उनको आगे चलाया जायेगा।
- (ग) परिविक्षा की अविधि में और उसके बाद अस्थायी नियुक्ति के दौरान बोनों तरफ से एक महीने के नोटिस के द्वारा नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। नोटिस के बदले एक महीने का बेतन दोने का अधिकार सरकार अपने पास रहोगा।
- (घ) उम्मीदवार को रोलवे मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रक्तिक्षण प्राप्त करना होगा और सभी विभागीय परिक्षाओं में उत्तीर्ण होना पड़िगा।
- (ङ) उम्मीदवार रोलवे पंन्शन नियमों से नियंत्रित होगा और राज्य रोलवे भिवष्य निधि (गैर-अंशवायी) के समय-समय पर लागू नियमों के अधीन उस निधि का सदस्य बनेगा।
- (च) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवितित और अपने स्तर के अधिकारियों पर लागू अवकाश नियमों के अनुसार अवकाश का अधिकारी होगा।
- (छ) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवितित नियमों के अनुसार निःशुल्क रोलवे पास और विशेष टिकट आदोशों का अधिकारी होगा।
- (ज) उम्मीदवार को उसकी नियुक्तित के बाद दो साल के अन्दर हिन्दी परीक्षा में उत्तीर्ण होना पड़िंगा।
- (क) नियमन्सार, उपयुक्त पद पर नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति को अपेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा में भारत की रक्षा से संबिधित किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अविधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर व्यतीत अविधि शामिल है।

परन्तु उस व्यक्ति को

- (क) नियुक्ति की तारील से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना ह्योगा।
- (स) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पृथा क्ति रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (आ) संगणनीय सेवा—जो व्यक्ति इन नियमों के अधीन उन पदों पर नियक्त होते हैं जिन पर भारतीय रोलवे स्थापना संहिता के नियम 2423 क कि. से. नि. 404 (ख) में निधारित शर्त लागू होती हैं, वे उस नियम में निहित उपवधों के लाभ के पात होंगे।
- (ट) जो बातें उत्पर विनिर्विष्ट रूप से कही गई है उनमें और अन्य मामलों में उम्मीदियार भारतीय रोलवे स्थापना संहिता

और समय-समय पर परिशाधित/प्रवितित नियमाँ के अधीन कार्य करेगा।

- (ठ) प्रारम्भ में उम्मीदवार को पार्श्वस्थ स्टोशनों के रेलबे स्वास्थ्य केन्द्रीय आध्यालय में नियुक्त किया जायेगा। सहायक प्रभागीय चिकित्सा अभिकारियों को किसी भी रेलबे में स्थाना-तरित भी किया जा सकता है।
- (ड) उच्चतर ग्रेडॉ में वेतनमानों और भत्तों संहिता पदोन्नित के अवसर।
 - (1) एसे सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी जिन्हों ने उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद पांच वर्ष की सेवा कर ली हैं, प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी (विरिष्ठ वेतनमान) के पर्दो पर पदोन्ति के पात्र हैं। इन पदों का वेतनमान रु. 1100-1800 हैं। जिसके साथ 1 से 9 तक की अवस्थाओं तक रुज 300/- प्रति मास सीगित प्रैक्टिस निषेध भत्ता तथा 10 अवस्था से आगे रु. 350/- प्रति मास प्रैक्टिस निषेध भत्ता ग्राह्य हैं।
 - (2) ऐसे प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी/वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी जिन्हों ने उक्त ग्रेंड में नियमित नियुक्ति के बाद पांच वर्ष की सेवा कर ली हैं, चिकित्सा अधी- क्षकों के पर्वों पर पदोन्नित के पात्र हैं। इन पदों का वेतनमान रा. 1500-2000 हैं तथा साथ में रा. 500/- प्र.मा. प्रैक्टिस निषध भत्ता ग्राह्य है।
 - (3) जैसा कि समय-समय पर विहित किया जाता है राज 1500-2000 के ग्रेड में सेवा वर्षों की संख्या के आधार पर विकित्सा अधीक्षक/अतिरिक्त मृख्य विकित्सा अधिकरी के पर्वो पर प्रवोन्तित के पात्र हो जाते हैं। इस पद का वेसनमान राज 2250-2500 है तथा साथ में राज 500/- प्रज्ञामा ग्रीक्टस निषेध भक्ता ग्राह्य है।
 - (4) एसे अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिन्हों ने उक्त ग्रेड नियमित नियुक्ति के बाद वो वर्ष की सेवा कर ली, मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदो-निति के पात्र है। इस पद का वेतनमान रु 2500-2750 ही तथा साथ में रु 500/- प्रामा प्रक्रियस निषेध भक्ता ग्राह्य है।
 - (ह) कर्ताध्य और वायित्व:---

सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारीः

- (1) वह प्रतिदिन और आवश्यक होने पर भीतरी वाडों और बाहरी चिकित्सा विभाग का काम देखेगा।
- (2) वह लागू विनियमों के अनुसार उम्मीदवार और संवारत कर्मचारियों की शारीरिक परीक्षा करोगा।
- (3) वह अपने अधिकार क्षेत्र में परिवार नियोजन, लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता का काम देखेगा।
- (4) वह सामान विक्रोताओं की जांच करेगा।
- (5) वह अस्पताल के कर्मचारियों में अनुशासन और कर्ताव्य पालन के लिए उत्तर्दायी होगा।

- (vi) बहु अपनी विशेषज्ञता से सम्बद्ध कार्य, यदि कोई हो करेगा और अपनी विशेषज्ञता से संबंधित विवरणियां और सांग पत्र तैयार करेगा।
- (vii) वह सभी उपस्करों का ग्ख-ग्खाव और दोखभाल अपने प्रभार में रखोगा।
- विष्पणी (1): जब सहा. प्र. चि. अ. किसी प्रभाग के मुख्यालय में प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी के प्रभाग के अधीन नियुक्त किया जाता है तो वह प्रभागीय चिकित्सा के सभी कर्त्तव्यों में उसे सहायता वोगा किन्त् विशेष रूप से उसको कुछ कार्य और दायित्व भी सींपे जा सकते हैं।

हिष्पणी (2) : सहा. प्र. चि. अ. को समय-समय पर सौंपे गये अन्य कर्त्तव्य भी निभाने होंगे।

> रक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत आय्ध तथा आय्ध उपस्कर कारकाना स्वास्थ्य सेवा में सहायक चिकित्सा अधि-कारी के पद—

(क) पद ग्रुप 'क' में अस्थायी किन्तू यथाविध स्थायी किया जा सकता है। वेतनमान रु. 700-40-900-द. रों.-40-1100-50-1300 है तथा साथ में समय-समय पर लागू आदेशों के अनुसार प्रेक्टिस निषेध भत्ता (प्र.नि∴भः)। इस समय दर निम्नलिखित हैं:---

1-5 स्टेज

रः . 150/- प्रतिमास

6-10 स्टेज

रः. 200/- प्रतिमास

11 स्टेज से आगे

रु. 250-प्रतिमास

- (स) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष तक परिवीक्षा पर रखा जाएगा। यह अवधि सक्षम प्राधिकारी की विवक्षा पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षा अवधि संतोषजनक ढंग से समाप्त करने पर उन्हें स्थायी रिक्ति पर अस्थायी कियो जाने तक अस्थायी है सिगत से चलाया जाएगा।
- (ग) उम्मीदवार को भारत में कहीं भी किसी आयुध करखाना अस्पताल या औषधालय में नियुक्त किया जा सकता है।
 - (ध) किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस करना मना है।
- (ह) परिवीक्षा की अविधि में और उसके बाद अस्थायी नियुक्ति के बौरान दोनों तरफ से एक महीने का नोटिस देकर नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। सरकार को नोटिस के बदले एक महीने का दोसन दोने का अधिकार होगा।
- (च) उच्चतर ग्रेडों के वेतनमान और भत्तों सहित पद्मोन्नति के अवसर:---
 - (i) वरिष्ठ वेतनमान—वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी सहायक निवंशक, स्वास्थ्य सेवा

किनिष्ठ वेतनमान में कम से कम 5 वर्ष की सेवा रखने वाले अधिकारी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निद्रेशक, स्वास्थ्य सेवा के वरिष्ठ वेतनमान के लिये पात्र होंगे। वेतनमान रु. 1100-50-1600 ही तथा साथ में निम्नलिखित दर्शे ५२ प्रैक्टिस निष्ध भत्ता :——

1-3 स्टोज

रु. 250/- प्रतिमास

4-5 स्टेंब

रु. 300∕- प्रतिमास

48---276GI/84

6-7 स्टेज

रत. 350/- प्रतिमास

8-9 स्टेज

रङ. 400/- प्रतिमास

10-11 स्टेज

र्फ. 400/- प्रतिमास

1) सृपरटाइम ग्रंड 2 — प्रधान चिकित्सा अधिकारी/ उप-निवंशक, स्वास्थ्य सेवा

विरिष्ठ योतनमान (विरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निविश्वक, स्वास्थ्य सेवा) में 5 वर्ष की नियमित सेवा और स्नातकोत्तर योज्यता रखने वाले अधिकारी प्रधान चिकित्सा अधिकारी/उप निविश्वक, स्वास्थ्य सेवा के सुपरटाइम रेड II में पदोन्ति के लिए विश्वार किये जा सकते हैं। वेतनमान रु. 1500-60-1800-100-2000 है तथा रु. 600/-प्र. मा. की दर से प्रे. नि. भ.।

(iii) सपर टाइम रेड- । II निद्रोशक स्वास्थ्य सेवाए

प्रधान चिकित्सा अधिकारी और उप-निवंशक, स्वास्थ्य सेवा 6 वर्ष की सेवा प्री कर लेने पर रह. 2250-125/2-2500 प्रतिमास तथा साथ में रह. 600/- प्र. मा. की दर से प्रैक्टिस निषेध भत्ते के वेतनमान वाले निवंशक स्वास्थ्य सेवा के सूपर टाइस ग्रेड- I में नियक्षित के पात्र होंगे:

- (छ) कार्यस्वरूप—–(1) स्हायक चिकित्सा अधिकारी
 - (i) वे प्रतिदिन और आवशयक होने पर अस्पताल के वाडरें के विभागों के अन्तरंग रोगियों और औषधा-ययों /बहिरांग विभागों के रोगियों को वेखेंगे।
 - (ii) वे नियमों के अनसार कर्मचारियों और नौकरी के लिए आने वाले उम्मीदवारों की स्वास्थ्य की परीक्षा कर^{न्}ये।
- (iii) वे सभी उपस्करों का रख-रखाव और वेखभाल अपने प्रभार में रखोंगे।
- 3 (iv) व अपने अधिकार क्षेत्र में परिवार कल्याण, लोक स्वास्थ्य और औद्योग्कि कर्मचारियों के स्वास्थ्य का कार्य देखेंगे।
 - (v) वं अस्पताल और औषधालय के कर्मचारियों के प्रशि-क्षण अनुशासन और कर्सव्य पालन के लिए उत्तरदायीं होंगे।
 - (vi) वे नियमान्सार प्रभारी जिकित्सा अधिकारी द्वारा सर्पेपे गए अन्य कार्य भी करोगे।
 - (2) जी. डी. ओ. ग्रेड--स्वास्थ्य सेवा सहायक निदे-शक और वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी
 - (क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा. से. सं. नि./स्वा. से. उ. के निवशेन पर चिकित्सा सम्बन्धी सभी निषयों में कर्त्तव्य निभाने में उनकी सहायता करेगा।
 - (स) अनुभाग अधिकारी के रूप में चिकित्सा अनुभाग को दौनंदिनी कार्य करने में बह स्वा. मे. नि./स्वा. से.ज.नि. की सहायता करेगा।
 - (ग) समय-समय पर स्वा. से. नि./स्वा. से. उ. नि. द्वारा सौंपे गए दूसरे कार्य भी उसको करने हाँगे।

- (घ) चिकित्सा भण्डार और उपस्कर से संबंधित सभी प्रक्तों का सभाधान करने में बह स्वा. से. नि. की सहा-यता करोगा।
- (ङ) य. चि. अ.—व. चि. अ. 75 से कम पलंग बाले किसी कारणाना अस्पताल और बहां की चिकित्सा स्थापना के प्रभागी होंगे।
- (चं) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में चिकित्सा सम्बन्धी सभी मामलों में कारखाना, महाप्रबन्धक के सलाहकार रहाँगे और आवश्यक अनुषांसा करते रहाँगे।
- (छ) निगमान्सार वे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए चिकित्सा का प्रवन्ध करोगे।
- (फ) वे किसी संविधि या सरकारी आदोश द्वारा निर्धा-रित या स्या. से. नि. द्वारा सींपे गये अन्य कार्य भी करों।
- (3) सपर टाइम ग्रेड—स्लास्थ्य सेवा उप-निदेशक और प्रधान चिकित्सा अधिकारी
- (क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा. से. उप-निद्रोशक/स्वा. से. निद्रोशक के व्वारा निर्दिष्ट उनके सभी कायों में उनकी महासना करेगा।
- (स) स्वा. से. नि. की गैर हाजिरी छाट्टी या दाँरे की अविधि में वह कारलाना महानिद्शेक के आवेशनुसार स्वा. से. नि. के रूप में कार्य करोगा।
- (ग) प्र. चि. ज. प्र. चि. ज. 75 या इससे अधिक पलंग दाले किसी कारकाना जस्पताल और वहां की चिकित्सा स्थापना का प्रभारी चिकित्सा अधिकारी रहोगा।
- (घ) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में व चिकित्सा सम्बन्धी सभी मामलों में कारखाना महाप्रबन्धक के सलाहकार रहाँगे और आवश्यक अनुशंसा देते रहाँगे।
- (ङ) नियमान्सार वे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिये वे चिकित्सा का प्रवन्ध करोंगे।
- (च) किसी संविधि या सरकारी आवेश में निहित गा स्वास्थ्य सेवा निष्टेशक ष्वारा सींपे गये अन्य कार्य भी वे कर्यो।
- (4) सूपर टाइम ग्रेड --स्वास्थ्य सेवा निव शक
- (क) चिकित्सा और स्थास्थ्य सम्बन्धी सभी मामलों में कारखाना महानिदोशक का चिकित्सा सलाहकार—— ब्यावसायिक और प्राविधिक सीमस्त मामलों में कारखाना महानिदोशक संगठन की चिकित्सा स्थापना का नियंत्रक प्राधिकारी——कारखाना महानिदोशक द्वारा प्रदत्त सभी प्रशासनिक अधिकारों का यह उपयोग करोगा।
- (स) सरकार द्वारा स्वीकृत प्रतिवेदनों /अनुशंसामां का कार्यान्ययन करने के लिए यह यरेजनां ए तैयार करोंगे।
- (ग) नियंत्रक प्राधिकारी के रूप में वह आवश्यकतानुसार कारसानों में कर्मचारियों का वितरण करों।
- (घ) संघ लोक सेवा आयोग में सामान्यतः कारलाना भ्रष्टानिदोशक का प्रतिनिधित्व कर्गेणे।

- (ङ) सामान्यतः वर्ष में एक बार यह सभी कारखानों का निरक्षिण करोगे या करा लोंगे और चिकित्सा स्थापना से सम्बन्धित सभी मामलों में चिकित्सा प्रतिष्ठानों की कार्यविधि के सम्बन्ध में कारखाना महानिक्शिक को प्रतिबंधन भेजोंगे।
- (घ) वे स्वास्थ्य सेवा उप-निद्देशक तथा स्वास्थ्य सेवा सहायक निद्देशक की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट निर्केश और सभी प्रधान चिकित्सा अधिकारियों, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों तथा सहायक चिकित्सा अधिकारियों की रिपोर्टों की पुनरीक्षा कर्रों।

(III) कोन्द्रीय स्थाध्य सेवा के अधान किनष्ठ बेतनमान के पद

- (क) एद अस्थायी है किन्तु अनिष्ठित काल तक चल सकते हैं। उम्मीदवारों को कनिष्ठ ग्रूप 'क' बेतनमान में नियक्त किया जाएगा और नियक्ति की तारील से दो वर्ष की अविध तक वे परिवीक्षा के अधीन रहाँगे। यह अवधि सक्षम प्राधिकारी के निर्णय पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षा की अविध की स्म्तोषजनक समाप्ति के बाद उनको यथासमय कनिष्ठ वेतनमान (रा. 700—1300) में स्थायी पदों के उपलब्ध होने पर स्थायी बनाया जाएगा।
- (स) उम्मीदवार को केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा में सिम्मिलित किसी भी संगठन के अधीन किसी भी आषधालय या अस्पताल में भारत में कहीं भी नियक्त किया जा सकता है, अर्थात् विल्ली, वंग्लींग, वम्बद्दी, भरेठ आदि में चाल के. स. स्व. से. कोयला खान/माइका खान श्रम कल्याण संगठन, असम राइफल्स, अरुणाचल प्रदेश, लक्षद्वीप, अंखमान एवं निकोवार द्वीप समूह खाक तार विभाग आदि। प्रयोगशाला और परासर्घ सेवा सहित किसी भी प्रकार की निजी प्रैकटस निषिद्ध है।

(गं) वेतन की ग्राह्य दर निम्निलिसित हैं:--कैनिष्ठ प्रथम श्रंणी वेतनमान (चिकित्सा अधिकारी)

वेतनमान : रा. 700-40-900-व. रा.-40-1100-50-1300

प्रै. नि. भः

 1 से 5 अवस्था तक
 रु. 150 प्रतिमास

 6 से 10 अयस्था तक
 रु. 200 प्रतिमास

 1! अवस्था तथा आगे
 रु. 250 प्रतिमास

सामान्य ड्यूटी संवर्ग के एसे चिकित्सा अधिकारी वरिष्ठ वेतनमान में पदोन्ति होत पात्र हो जाएंगे जिन्होंने उक्त रेड में कम से कम 5 वर्ष की नियमित सेवा कर ली है।

वरिष्ठ वेतनमान (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी)

देतनमान : रह. 1100-50-1600

प्रे. नि. भ.

	20.000
1 से 3 अवस्था तक	रह. 250 प्रतिसास
4 से 5 अवस्था तक	रहः 300 प्रतिमास
6 से 7 अवस्थातक	रुः. 350 प्रतिमास
१-9 अवस्था तक	रत. 400 प्रतिमास
10 से 11 अवस्थातक	रुः. ≰50 प्रतिमास

सामान्य इयूटी संवर्ग के एसे वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी मृख्य चिकित्सा अधिकारी के रूप में पदान्नित के पात्र हो जाएंगे जिन्होंने उक्त ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा कर ली हैं।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी 🕝

बेतनमान : रा. 1500-60-1800-100-2000 तथा साथ मॅ रा. 600 प्रतिमास प्र.नि.भ.।

एसा मूख्य चिकित्सा अधिकारी, मूख्य चिकित्सा अधिकारी (चयन ग्रेड) में नियुक्ति का पात्र होगा जो इस बेसनमाम का अधिकतम प्राप्त कर चूका है और जिसकी उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद कम से कम दो वर्ष तक बेतन कृष्ट्रिध राक गर्दे हो।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चयन ग्रेड)

योतनमान : रा. 2000-125/2-2250 तथा साथ में रा. 600 प्रतिमास प्री.नि.भ.

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चयन ग्रेड) के ग्रेड में प्रवस्थ एंसे अधिकारी सुपर टाइम ग्रेड (स्तर- Π) में पदोन्नित होतू पात्र होंगे जिन्होंने उक्त ग्रेड में 7 वर्ष की नियमित सेवा कर ली है। सुपर टाइम ग्रेड (स्तर- Π)

वेतनमान : रु. 2250-125/2-2500 तथा साथ में रु. 600 प्रति मास प्र. नि. भ

सामान्य ड्यूटी उप-संवर्ग में सुपर टाइम ग्रेड (स्तर- II) के एसं अधिकारी सुपर टाइम ग्रेड (स्तर-1) में पवान्तित के पात्र होंगे जिन्होंने उक्त ग्रेड में 2 वर्ष की नियमित सेवा कर ली हैं। सुपर टाइम ग्रेड (स्तर-1)

वेशनमाभ : रा. 2500-125/2-2750 तथा साथ में रा. 600 प्रति मास प्रति भा

- 4. चिकित्सा अधिकारी, दिल्ली नगर निगम
- (i) वर्ग 'क' का उक्त पद अस्थायी है किन्तू यथाशीध स्थायी हो सकता है। वेतनमान रु. 700-40-900-द रो.-40-1100-50-1300 तथा साथ में समय-समय पर लागू आवेशों के अनुसार प्रतिबंधित प्रैक्टिस निर्धेष भत्ता (एन.पी.ए.) इस समय दर इस प्रकार हुई:----

1--5 स्टोज -- रु. 150/- प्र.मा.

6--10ं स्टोज -- रु. 200/- प्र.मा_ः

11 स्टोज तथा इससे आगे - रु. 250/- प्र.मा.

- (ii) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से 2 वर्ष की अविधि तक परिवीक्षाधीन रहेगा। यह अविधि सक्षम प्राधिकारी की विवक्षा पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षाधीन अविधि के सन्तोषजनक समापन पर वह तब तक अस्थायी पद पर रहोगा जब तक स्थायी रिक्सि पर स्थायी किया जाता है।
- (iii) उम्मीबवार की नियुक्ति विल्ली नगर निगम के अधिकार-क्षेत्र के अन्तर्गत कहीं भी किसी अस्पताल/डिस्पैन्सरी/मातृ और शिशु कल्याण तथा परिवार कल्याण केन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आवि में की जा सकती है।
 - (iv) किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस करना मना है।
- (v) परिवीक्षा तथा उसके बाव अस्थायी है सियत से नियोजन की अविध के दौरान किसी भी तरफ में एक महीने का नोटिस बेकर नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। विल्ली नगर निगम को नोटिस के बदले में एक महीने का वेतन दोने का अधिकार है।

उच्चतर ग्रेडों में पर्योनाति की सम्भावनाएं, जिनमें वेतनमान तथा भक्ते सम्मिलित हैं, भक्ती विनियमों के उपबंधों के अनुसार होगी।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 31st August 1984

No. A. 19014 5 84-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri G. K. Sinha, an officer of the Indian Inspection Service, as under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, with effect from the forenoon of 25th August, 1984 until further orders.

The 3rd September 1984

No. A. 32014|2|83-Admn.If.—The Secretary, Union Public Service Commission, heteoy appoints the following Investigators (D.P.) in the office of Union Public Service Commission as Superintendents (DP) on regular basis in the Commission's office w.e.f. 1.9.84 until further orders.

 Shri O. P. Sud Shri J. J. Chakrabarty
 Shri Rattan Singh (SC) Officiating as Superintendents (DP)

on ad hoc basis.

M. P. JAIN Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

か 後 こうり ニ と コミニニニニ リートルは 国土 とり 年 (2) 下水 はんかつ でしたに かなまれる (2) 地名 (2) 一般者 (2) というしょう (4) (2)

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 19th September 1984

No. 2|14|83-Admn.—On completion of his deputation tenure in this Commission, Shri J. K. Wadhera, Executive Engineer (Civil) in the C.F.W.D. on deputation to this Commission as Technical Examiner is granted earned leave for 26 days w.e.f. 17-9-1984 to 12-10-1984 with permission to prefix 16-9-1984 (Sunday) and to Suffix 13th & 14th October, 1984 (Second Saturday and Sunday respectively) to the leave. On the expiry of the leave the services of Shri Wadhera are placed at the disposal of the Director General (Works), Central Public Works Department, New Delhi.

The 20th September 1984

No. 2|9|83-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri W. D. Dandage, Chief Engineer (Civil) Level-II in the Office of D. G. (Works), C.P.W.D., as Chief Technical Examinar in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity on deputation basis in the scale of pay of Rs. 2250-125|2-2500 with effect from the forenoon of 3rd Setempber, 1984 until further orders.

K. L. MALHOTRA Under Secy. (Admn.) For Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110001, the 18th September 1984

No. 3|36|84-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Banerjee IPS (UP-1955) as Director (Research & Development) in the Burcau of Police Research & Development New Delhi with effect from the alternoon of 1st September 1984 in the pay scale of Rs. 2500—2750 until further orders.

S. K. MALLIK Director General

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-11, the 19th September 1984

No. V-15 65-AD-V.—The services of Shri V. A. Ramasarma, Dy. Legal Advisor (CB) are placed at the disposal of Government of Andlan Prodesh with effect from August 31, 1984 (afternoon) for appointment as Chief Legal Advisor in Anti Corruption Bureau Andhra Pradesh, Hydearbad on deputation for a period of 3 years.

The 22nd September 1984

No. A64[68-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri A. B. Belgal, Senior Public Prosecutor, Central Bureau of investigation as Deputy Legal Adviser in C.B.I. with effect from the forenoon of 17th September, 1984.

No. A[19036,3]81|AD.V.—The services of Shri S. Darendra Singh, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Manipur Police, were placed back at the disposal of Govt. of Manipur with effect from 14th September, 1984 afternoon.

No. A-19019|1|84-AD.V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police listablishment hereby appoints Smt. Asha Bhatnagar, a member of Grade IV of the Central Secretariat Official Language Service (Group 'C' Posts) to officiate on ad-hoc basis as Hindi Officer in the Central Bureau of Investigation in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 30th July, 1984 till the post is filled up on regular basis by the Department of Official Languages.

The 24th September 1984

No. A.19017|4|84-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri S. V. Ramana, Crime Assistant as Office Superintendent|CBI on purely ad-hoc basis in Zone-III of CBI Head Office with effect from the forenoon of 18th September, 1984 vice Shri S. Ramamoorthy, Office Supdt. proceeded on leave, and until further orders.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E)

CRI

DIRECTOR GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110003, the 18th September 1984

CORRIGENDUM.

DEPUTATION OF SHRI B. K. KARKARA

COMDT, TO NSG

No. D-I-29/84-Estt-I.—Reference this Dte. General Notitication No. D.I-29/84-Estt-I dated 23-8-84.

2. Read date of placing services of Shri B. K. Karkera Commandant to National Security Guard as 2-8-84(AN) instead of 2-8-84(FN).

The 25th September 1984

No. O.II-1210/75-Estt.—Consequent on his retirement from Government service in terms of Rule 43 (C) of CRPF Rules, 1955. Shri Sube Singh relinquished charge of the post of Dy.SP,62 Bu., CRPF, on the afternoon of 12-4-1984.

M. P. JAKHMOLA Assistant Director (Estt)

DIRECTOR GENERAL

NATIONAL SECURITY GUARD

New Delhi-110066, the 21st September 1984

No. E-305 8 84-NSG.—Director General, National Security Guard is pleased to appoint Shri R. Gopalakrishnan, Stenographer Grade-II in the Office of the Director of Accounts, Cabinet Secretariat, New Delhi on deputation to the post of Senior Personal Assistant in the National Security Guard Wing of the Director of Accounts until further orders.

2. The officer assumed charge of the post on 12-9-84(FN).

K. DADABHOY Inspector General

DIRECTOR GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 17th September 1984

No. E-16013(1) | 1 | 80-Pers.—Consequent upon his repatriation to State Cadre, Shri M. Mukherjee, IPS (Orissa: 62)

reliquished charge of the post of Deputy Inspector General CISF Unit RSP Rourkela with effect from the forenoon of 3rd September 1984.

No. E-16013(1)|1|81-Pers.—Consequent upon his repatriation to State Cadre, Shri M. Gopal, IPS (WB: 64) relinquished charge of the post of Deputy Inspector General CISF Unit Bokaro Steel Limited, Bokaro with effect from the afternoon of 31st August 1984.

A. K. SAXENA Director General CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 21st September 1984

No. 10|27|80-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion, Shri A. Sengupta, Deputy Director (Data Processing) in the office of the Director of Census Operations, West Bengal Calcutta, as Joint Director (Data Processing), in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800, in the office of the Registrar General, India, New Delhi, on a regular basis with effect from the forenoon of the 12-9-84.

The headquarters of Shri A. Sengupta will be at New Delhi.

V. S. VERMA Registrar General, India

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION LABOUR BUREAU

Simla-171 004, the 5th October 1984

No. 23|3|84-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increased by one point to reach 586 (five hundred eighty six), or the month of August, 1984. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of August, 1984 works out to 712 (seven hundred twelve).

A. S. BHARDWAJ Director, Labour Bureau Simla-171 004

INDIAN AUDIT AUD ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 21st September 1984

No. Admn.I]OO, No. 234.—Consequent on his attaining the age of superannuation Sh. K. L. Dhall, a permanent Audit Officer of this office, presently working as Welfare Officer, will retire from the service of the Govt. of India with effect from the afternoon at 30th September 1984, His date of birth is 15th September 1926.

No. Admn.I|O.O. No. 235.—Consequent on his attaining attaining the age of superanuation, Sh. Ascharaj Lal, an offiniting Audit Officer of this office, will be retiring from the service of the Govt. of India with effect from the afternoom of 30th September, 1984. His date of birth is 15th September, 1926.

No. Admn.I/OO.No. 236.—The Director of Audit, Central Revenues, hereby appoints Sh. S. L. Gupta, a permanent Section Officer of this office to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 840-1200 with effect from the forenoon of 4th Sept. 1984 until further orders.

The 26th September 1984

No. Admn. I/OO No. 247.—The Director of Audit, Central Revenues hereby appoints Shri D. C. Jain an officiating Audit Officer of this office in a substantive capacity against a permanent post of Audit Officer in the time scale of Rs. 840-1200 with effect from 1-9-1984.

Sd. ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL AUDIT II: BIHAR

(LOCAL FUND AUDIT)

Ranchi, the 22nd September 1984

No. L.A. -Admn.I-EsttI-A.O.(Promo)-2636.—The Accountant General (Audit) II Bihar has been pleased to promote the following Asstt. Audit Officers of Local Audit Wing to officiate as an Audit Officer with effect from 17-9-84 (F.N.) until further orders.

1.Shri S. Mukherjce

- 2. Shri K. N. Pandey
- 3. Shri D. Bairagi
- 4. Shri N. S. Jha

D. MUKHERIEE Examiner of Local Accounts, Bihar

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) ORISSA

Bhubaneswar, the 14th September 1984

- E. O. No. 45.—The Accountant General (Audit) is pleased to appoint the following Assistant Audit Officers of this Office to officiate as Audit Officer in the Scale of Pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 from the dates noted against each in accordance with the provision of the I.A. & A. D. (Administrative Officers, Accounts Officers, Audit Officers) Recruitment Rules, 1964. Their promotion is on ad-hoc basis and subject to the final decision of the High Court Supreme Court on the cases subjudice in the Court and without prejudice to the claims of their seniors.
 - 1. Sri K. C. Patjoshi, 16-8-84 (F.N.)
 - 2. Md. Abdul Ahad, 16-8-84 (F.N.) --
 - 3. Sri S. S. Prakash Rao, 16-8-84 (F.N.)
 - 4. Sri Totaram Biswas, 29-8-84 (A.N.)

UTPAL BHATTACHARYA Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT SOUTH EASTERN RAILWAY

Calcutta-700043, the 17th September 1984

No. Admn.|33-2A|82|3141.—The following members of the Subordinate Railways Audit service (designated from August' 82 as Section Officers' Service) in the Office of the Director of Audit, South Eastern Railways. Garden Reach, Calcutta, have been appointed as A. Sisant Audit Officers (Gazetted-Group 'B') in the scale of Rs. 659-30-740-35-880-EB-40-1040|- from the forenooon of 1st March, 1984, until further orders.

SShri

- 1. Kalipada Dutta
- 2. Prasanta Kumar Mukherjee
- 3. Amalendu Guha Thakurta
- 4. Ardhendu Sekhar Majumdar
- 5. Bishnupada Bhattacharyya
- 6. Ashutosh Paul
- 7. Bhogwat Sharan Upadhyay
- 8. K. N. Mehrotra
- 9. Somo Nath Sarma
- 10. Mukul Chandra De
- 11. Pusarla Haranath
- 12. Indujyoti Poddar
- 13. Probodh Chandra Dalui
- 14. Ram Gopal Roy
- 15. Salil Kumar Dutta
- 16. (Smt.) Jyotsna Chakraborti
- 17. Birju Krishna Yaday

- 18. Ramjeet Ram
- 19. Tulsidas Chatterjee
- 20. Immamuddin Mohammed Yousust
- 21. Chinnaswami Sastri Chandra Sekharun
- 22. Kolapara Gopalan Thankappan Nair
- 23. Anadi Nath Chatterjee
- 24. Prasanta Kumar Basu
- 25. Susit Kumar Chakraborti
- · 26. Subodh Narayan Choudhusy
- 27. Bankim Chandra Tosh
- 28. Sunil Evarist Biswas
- 29. Birendia Nath Mukherice
- 30. Rupendra Kumar Basu
- 31. Ram Lakhan
- 32. Sanjit Kumar Roy
- 33. Pannalal Ghosh
- 34. Bimal Krishna Das
- 35. Anil Kumar Saha
- 36. Mrinal Kanti Sen
- 37. Kamal Kumar Chattopadhyav

M. L. ROY Director of Audit

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 19th September 1984

CORRIGENDUM

No. AN|I|1174|1|III.—In partial modification of this Department's notifications No. AN|I|1174|1|III dated the 19th January, 84 and 27th March, 84 regarding promotion of officers to the Junior Administrative Grade (Scale Rs. 1500-60-1800-190-2900) of the Indian Defence Accounts Service, under the 'Next Below Rule' in respect of Smt. Usha Grace Antony and Kum. Ganga Purkuti for a period of six months from 30th December, 83 and 14th February, 84 respectively, the President is pleased to extend the benefit of 'Next Below Rule' beyond that date and until further orders.

No. AN[I]1944[5]I.—Consequent on selection for the Indian Administrative Service, Shri Nikhilesh Jha, an officer of the Indian Defence Accounts Service, relinquished charge of his duties on 13th August, 84 (AN).

Shri Nikhilesh Iha has been permitted to reain a lien on his permanent appointment in the Indian Defence Accounts Service for a period of two years.

The 20th September 1984 CORRIGENDUM

No. AN-I|1150|1|IV.—Reference this Department's Notification No. AN-I|1150|1|IV dated 29-2-84 regarding appointment of individuals as Probationers in the Indian Defence Accounts Service on the basis of the results of the Civil Services (Main) Examination 1982 held by the Union Public Service Commission.

Against Sr. No. 1—Shri Savitur Prasad under the column "Date of appointment".

for "29-08-83 (FN)" Read "29-08-83 (AN)"

A. K. GHOSH

Additional Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE

ORDNANCE FACTORY BOARD

DGOF HORS. CIVIL SERVICE

Calcutta, the 11th September 1984

No. 17/84/A/E-1(NG)—The DGOS is pleased to promote the following individuals against existing vacancies, without effect on seniority, in grades and on dates shown against each:—

 Smt. Anjali Dasgupta, 	Offg. Assit.	From 17-8-84
Offg. Asstt.	Staff Officer	(F.N.) until
		further orders.
Shri Prlti Ranjan Dutta	Asstt. Staff	Do.
Offg. Asstt.,	Officer	
OEF Group HQrs.,	(Ad-hoc.)	
Kanpur.	OF. Board.	
Shri Tapan Kumar De	Asstt. Staff	Do.
Offg. Asstt.,	Officer	
OEF Group HQrs.,	(Ad-hoc)	
Kanpur.	O.F. Board.	

- 2. The above promotions shall abide by the result of the appeal filed in the Hon'ble High Court at Calcutta.
- 3. Smt. Anjali Dasgupta, at Sl. No. 1 assumed the higher duties as ASO w.e.f. 18-8-84 (FN) Shri Priti Ranjan Dutta at Sl. No. 2 assumed the higher duties as ASO w.e.f. 31-8-84 (FN) and Shri Tapan Kumar De at Sl. No. 3 assumed the higher duties as ASO w.e.f. 29-8-84 (FN).
- 4. Smt. Anjali Dasgupta will be on probation for two years w.e.f. 17-8-34.

D. R. IYER, DDG/PER.

for Director General, Ordnance Factories.

Calcutta, the 18th September 1984

No. 45|G|84.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri P. N. R. Roy Choudhury, Offg. Asstt. Director (Subst. and Permt. Foreman) retired from service with effect from 31st August, 1984 (A.N.)

V. K. MEHTA Director Estt.

MINISTRY OF COMMERCE

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 14th September 1984

No. A-32013|3|80-Admn.III.—The President is pleased to appoint with effect from the 10th September, 1984 and until further orders Shri Ram Z. Keote, as Director (General) in the Weavers' Service Centre, Bombay.

V. K. AGNIHOTRI Additional Development Commissioner For Handlooms

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OPFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 18th September 1984

No. 12(573) 68-A(G)-Vol.II.—The President is pleased to permit Shri K. K. Saran Agarwal, Dy. Director (O|C), SISI,

Jaipur to retire from Government Service on attaining the age of superannuation w.e.f. afternoon of 31-5-84.

The 19th September 1984

No. 12(588)|68-A(G) Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri Hari Das Ghosh, Asstt. Director (Gr. I) (L|F) E. C. Tangra, under SISI, Calcutta as Dy. Director (1|F) on ad-hoc basis in the office of DC (SSI) New Delhi w.c.f. the forenoon of 31-8-84 until further orders.

No. A-19018(145) | 72-A(G).—The President is pleased to permit Shri B. M. L. Tripathi, Asstt. Director (Gr. I) (EI), SISI Indore to retire from Government Service on attaining the age of superannuation w.c.f. afternoon of 31-7-84.

The 21st September 1984

No. A-12(439)|64-Admn.(G) Vol. II.—The President is pleased to appoint Shri T. N. Basu, Dy. Director (Met) RTC, New Delhi as Director (Gr. II) (Met) on ad-hoc basis at the same office w.e.f. the forenoon of 2-6-84 until further orders.

No. A-19018(690) 83-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri M. Venkatasubramanian as Asstt. Director (Gr. I) (IMT) at SISI, Ahmedabad w.e.f. the forenoon of 19-7-84 until further orders.

The 22nd September 1984

No. 12(116)[61-Admn.(G) Vol. III.—Consequent upon his deputation for appointment as Mechanical Engineer in Nepal under UNIDO, Shri S. Bandopadyay relinquished charge of the post of Director (Gr. II) (Mech.) at Regional Testing Centre, New Delhi on the afternoon of 2-6-84.

On completion of his tenure of deputation as Mechanical Engineer in Nepal under UNIDO from 3-6-84 (FN) to 12-8-1984 (AN) Shri S. Bandopadyay assumed charge of the post of Director (Gr. II) (Mech.) at Regional Testing Centre, New Delhi on the forenoon of 13th August 84.

The 25th September 1984

No. A-19018(401)79-A(G).—The President is pleased to appoint Shri D. Bandyonadhyay. Asstt. Director (Gr. I) (Met) SISI, Karnal on ad-hoc basis as Dy. Director (Met) at the same Institute w.c.f. the forenoon of 23-4-84 until further orders.

S. K. PURKAYASTHA Dy. Director (A)

MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF STEEL) IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 11th September 1984

No. EI-2(3)|75(.).—The undersigned hereby appoints Shri Ranadhir Kr. De. Superintendent, to officiate in the post of Assistant Iron and Steel Controller in this office with effect from 10-9-1984 (FN) on ad-hoc basis against leave vacancy until further orders.

D. K. GHOSH Iron & Steel Controller

(KHAN VIBITAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 18th September 1984

No. 6629B|A-19012(1-WH)|83|19A.—Mohd. Wasiul Haque is appointed by the Director General as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650l- per months in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the afternoon of the 12-7-1984, until further orders.

No. 6642B|A-19012(1-SU)|83|19A.—Shri Surinder Uppal is appointed by the Director General as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650|- per months in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 30-7-1984, until further orders

No. 6655B|A-19012(1-BK)|83|19A.—Shri Brijesh Kumar is appointed by the Director General as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650|- per months in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 30-7-84 until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel)

(DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 17th September 1984

CORRIGENDUM

No. A. 19012(188)|83-Estt.A.—In partial modification of notification issued under No. A. 19012 (188)|83-Estt. A. dated 26-3-84 the date of release in respect of Shri K. K. Sahu, Assistant Administrative Officer, from the Planning Department, Government of Uttar Pradesh may be read as 2-3-1984 (Afternoon) instead of 1-3-1984 (Afternoon) appearing in line No. 5 of the above said notification.

The 18th September 1984

No. A. 19012(190)|83-Estt. A. Vol.I.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri S. D. Rai, Permanent Senior Technical Assistant (Geology), Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Assistant Mining Geologist in this department in Group 'B' post w.e.f. the forenoon of 1-9-1984 until further orders.

P. P. WADHI
Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 15th September 1984

No. 1]17/84-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Sh. N. N. Jena, Senior Storekeeper, AIR, Cuttack to officiate as Administrative Officer, AIR, on ad-hoc basis, with effect from the 27th August, 1984 until further orders.

2. Sh. Jena assumed charge of the post at AIR, Bhuj on the same date.

MOHAN FRANCIS
Deputy Director Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 19th September 1984

No. A-12026[3]84-Admn.I.—Consequent upon his transfer from the post of Assistant Director (Statistics) in the Directorate General of Supplies & Disposals, Shri Adisubramanya, an officer of Grade IV of ISS, assumed charge of the post of Statistician at the NaNtional Tuberculosis Institute, Bangalore with effect from the forenoon of the 13th June, 1984.

P. N. THAKUR Deputy Director Administration (C&B)

MINISTRY OF AGRICULTURE

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION)

DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION, QUARANTINE AND STORAGE

Faridabad, the 18th September 1984

No. 7-11|84-Adm.I.—The Plant Protection Adviser to the Government of India has appointed Sh. R. P. Jolly, Locust Technical Officer of this Directorate, as an Assistant Entomologist at Plant Quarantine and Fumigation Station, Gede in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- with effect from the forenoon of 16th August, 1984 to 31-12-1984 (AN) on ad-hoc basis.

S. P. KUTAR Chief Administrative Officer

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF FOOD) DIRECTORATE OF SUGAR

New Delhi-110001, the 22nd September 1984

No. A. 32014|1|84-Estt.—Shri R. K. Mittal, Technical Assistant (Sugar Tech.) (Selection Grade) is appointed to officiate, on purely temporary and ad-hoc basis, in the post of Junior Technical Officer (Sugar Tech.), in the proviscale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, in this Directorate, with effect from the 10th August, 1984, for a period not exceeding six months.

V. LAKSHMI RATAN Chief Director

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 24th September 1984

No. AMD-16]4[84-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri O. Bharathan, a permanent Senior Stenographer, Atomic Minerals Division, to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division on an ad-hoc basis with effect from August 28, 1984 for a period of 2 months or till a substitute is posted by the Cadre Authority, whichever is earlier.

Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE

ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore the 11th, September 1984

No. 020/1(3)/34-Estt:—Director ISRO SATELLITE CENTRE is pleased to appoint the undermentioned persons to posts and with effect from the forenoon of the dates indicated against each, in the ISRO SATELLITE CENTRE, Bangalore of the Department of space, on a temporary basis and until further orders:

SI. No.	Name	Designation	Date
	B. S. Silesh		27-6-1984
	Umesh Chandra .		28-6-1984
	l R. Muralidharan .		29-6-1984
4. Shr	i S. Shankar Narayar	n Sci./Engr'SB'	2-7-1984
5. Shri	C.V. Ravishankar	Sci./Engr'SB'	1-8-1984

No. 020/1(3)/84-Estt.:—Director, ISRO SATELLITE CENTRE is pleased to accept the resignations from the services of following persons, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore, of the Department of Space with effect from the dates indicated against each:

Sl. No.	Na _i ne.	Designation	Date
1. Shri Par	Dhabaleswar Kun	nar . Sci/Engr-'SB'	21-8-1984
2. Sh	ri K. V. Nagesh	. Sci/Engr-'SB'	A/N 24-8-1984 A/N

H. S. RAMADAS Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the September 1984

No. A.32013|4|84-EW.—The Director General of, Civil Aviation is pleased to appoint Shri K. Kuppuswamy, Assistant Electrical and Mechanical Officer to the post of Electrical and Mechanical Officer on ad-hoc basis with effect from 2nd August, 1984 till his retirement i.e. 30-11-1984.

2. Shri Kuppuswamy is posted in the E & M Workshop, Madras Airport, Madras.

G. B. LAI. Assistant Dir. of Admn.

New Delhi, the 3rd July, 1984

No. A. 32014/5/82-EC (I):—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistant present working as Assistant Technical Officer on an ad-hoc basis to the grade of Assistant Technical Officer on regular basis with effect from the dates indicated against each and until further orders:—

S. No.	Name		 	Date of promotion
	S/Shri			
1.	G. M. Mathew			28-12-1983
2.	S. V. Subba Rao	_		28-10-1983
3.	K. A janeyalu			28-10-1983
4.	M. 'uranchandra Ra	.0		28-10-1983
5.	S. Krishnan			28-10-1983
6.	Mrinmoy Mallick		,	28-10-1983
7.				28-10-1983
8.	A. Srinivasan			28-10-1983
9.	C. K. De			28-10-1983
10.	V. Srinivasan			28-10-1983
11.	DN. Murt 19			28-10-1983
12.	P. V. Rao .	•		28-10-1983

The 1st September 1984

No. A.32013/11/83-EL.—The President is pleased appoint the following Officers who were working on an ad-hoc basis as Directors in A.R.A. Directorate in the same grade on regular basis w.e.f. 16th July, 1984.

- 1. Shri Prem Nath
- 2. Shri R. I. Singh
- 3. Shri S. H. Sontakke (SC).
- 4. Shri Corge Lakra (ST).

The 20th September 1984

No. A.19011|29|80-1:1.—On attaining the age of superannuation, Shri Chaman Lal. Director of Aeronautical Inspection in the office of the Director General of Civil Aviation retired from Government service on the afternoon of 31-8-1984.

O. P. AGGARWAL Assistant Director of Administration

New Delhi, the 5th September 1984

No. A.38013|1|84-EA.—Shri Amir Chand Senior Aerodrome Officer Office of the Regional Director Delhi retired from Government services on 31-7-84 on attaining the age of superannuation.

B. BHAUMIK Assistant Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 17th September 1984

No. 16|431|84-Ests-I.—The President, F.R.I. and College, Dehra Dun has been pleased to appoint Shri Prabhakar Nath Mishra to the post of Research Officer, Forest Soilcum-Vegotation Survey Scheme, Southern Region, S.F.R.C. and Research Centre, Coimbatore, in the Scale of Rs. 650-1200 with effect from 30-7-1984 (FN) in a temporary capacity until further orders.

The 19th September, 1984

No. 16[404]83-Estt.I.—Shri R. R. Yadav, Assistant Instructor, (on deputation from M.P. Forest Department) under the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, expired on 14-8-1984 at 7.00 A.M.

G. S. GROVER Registrar, I-orest Research Institute & Colleges

COLLECTORATI OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Bhubaneswar, the 21st September 1984

No. 7/84.—Shri Gurupada Ghose, Assistant Collector of Central Excise and Customs, Bhubareswar retired from Government Service on superannuation in the afternoon of 31st August, 1984.

C, SATAPATHY Deputy Collector (P&E) Central Excise & Customs Bhubaneswar

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Kaolin Products Private Limited

Cochin-682 011, the 17th September 1984

No. 1959 Liq 560(5) 9597 84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) 10f Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Kaolin Products Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

50-- 276GI|84

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter

of Kerala Beverages Private Limited

Cochin-682 011, the 17th September 1984

No. 3216[Liq[560(5)]9601]84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Kerala Beverages Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and in the matter of United Rubber Private Limited

Cochin-682 011, the 17th September 1984

No. 1695|Liq|560(3)|9599|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of United Rubber Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Sarvotham Kuries and Loans Private Limited

Cochin-682011, the 18th September 1984

No. 3399 Liq.560(3) |9694|84.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Sarvotham Kuries and Loans Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Manjaly Kwies and Agencies Private Limited

Cochin-682011, the 18th September 1984

No. 2721|Liq|560(3)|9697|84.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the delimited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Giovanola Binny Limited

Cochin-11, the 24th September 1984

No. 1929 Liq 1980.—By an order dated 15-12-1982 in C. P. No. 7 1979 of the High Court of Judicature at Ernakulam it has been ordered to wind up the Giovanola Binny Limited.

K. PANCHAPAKESAN
Registrar of Companies
Kerala

In the matter of Companies Act. 1956 and of Ms. Decent Finance & Chit Fund (P) Limited

Jullandar City, the 17th September 1984

No. G|Stat|560|2578|5296.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. Decent Finance & Chit Fund (P) Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of Componies Act, 1956 and of M/s, Shree Ganesh Parvail Chit Fund & Financiers (P) Limited

Jullundur City, the 17th September 1984

No. G|Stat|560|3141|6000.—Notice is hereby given pursuant in sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Shree Ganesh Parvati Chit

Fund & Financiers (P) Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of Ms. Mansa Agricultural & Marketing (P) Limited.

Jullundur City, the 17th September 1984

No. G|Stat|560|2717|5298.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M|s Mansa Agricultural & Marketing (P) Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

B. M. JAIN Registrar of Companies Punjab, H.P. & Chandigarh.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M|s. M. K. M. Bus Service Private Ltd.

Madras-600 006, the 17th September 1984

No. DN|4064|560|84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 () of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M|s. M. K. M. Bus Service Pvt.

Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sj- 1LLEGIBLE Asst. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 20th September 1984

No. F.48-Ad(AT)|1984.—Shri S. K. Biswas, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar an ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from the afternoon of 28th June, 1984 vide this office Notification No. F.48-Ad(AT)|1984, dated 9th July, 1984 is permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar for a further period of, 3 months with effect from 29th September, 1984 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. K. Biswas, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA President

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) 1. Smt. Sushila Devi Rohilla 2. Shri Vijay Rohilla

(Transferor)

(2) 1. Smt. Madhu Mchdiratta 2. Shri Gauray Mchdiratta Vendors.

(3) Person in occupation of the property

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th September 1984

Ref. No. G.I.R. No. M-197|Acq.—Whereas, 1, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Bungalow No. 4 situated at Bund Road, Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Allahabad on 24-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of \$5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow No. 4, Bund Road, Allahabad, with land measuing 7182 Sq. ft. including fixtures and fittings, registered on 24-1-1984 by the Registering Authority, Allahabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 11-9-84.

Seal:

FORM ITNS-

(1) Shri: Katari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Krishna Sahkari Awas Samiti Ltd., Varanasi Through its Secretary, Shri Suraj Prasad

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 11th September 1984

Ref. No. G.I.R. No. K-134 Acq. - Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[-

bearing No. Property situated at Village-Ranipur, Pargana-

Dehat Amanat, Varanasi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of the 1908) in the

Office of the Registering Officer at Varanasi, in January, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property situated at Village-Ranipur, Pargana-Dehat Amanat, Varanasi (as mentioned in Form 37G) registered in January, 1984 by the Registering Authority, Varanasi.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-9-84.

Seal:

FORM ITNS-

(1) Shri Sudhir Kumar.

(Transferor)

(2) Saket Grih Nirman Sahakari Samiti Ltd., Varanasi Through its Secretary, Shri Ambika Prasad Singh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW Lucknow, the 11th September 1984

Ref. No. G.I.R. No. 325 Acq.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Arazi No. 313 situated at Mauza-Tulsipur, Pargana-Dehat Amanat, Varanasi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Varanasi on 9-1-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, to respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person inferested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Araz. No. 313—land measuring 58.5 decimals situated at Mauza-Tulsipur, Pargana—Dehat Amanat, Varanasi, registered on 9-11-1984 by the Registering Authority, Varanasi.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 11-9-84.

Seal:

23970

FORM ITNS-

(1) Emaar International.

(Transferor)

(2) Budharmal Saraf.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 12th September 1984

Ref. No. C.A.92|84-85|SI.923|I.A.C.|Acq.R-I|Cal.-Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

bearing No. 33-A, situated at Chowringhee Road, Cal-71. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Officer at C.A. Calcutta on 7-1-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The ferms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The above apartment flat No. 10 on the 14th floor measuring about 1038 Sq. ft, of 'Chatterjee International Centre at premises No. 33-A, Chowringhee Road, Calcutta-71, registered before the Competent Authority, Cal. J.A.C. Acq.R-I, Cal, vide Sl. 92 Dated 7-1-1984.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-9-1984.

FORM ITNS-----

(1) M|s. Pari Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ranjit Sinha Roy & Sri Biswajit Sinha Roy. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAY, ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 12th September 1984

Ref. No. C.A.95|84-85|Sl.924|I.A.C. Acq.R-1|Cal.-Where-S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No. 7[1A, situated at Dr. U. N. Brahmachari Street, Flat 2A, 2nd Floor, Cal-17,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Competent Authority, IAC. Acq. R-I, Cal. on 25th January, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exxceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agred to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2A at second floor at premises No. 7/1A, Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta-17. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. 95 dated 25-1-1984.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-9-1984.

(1) M/s. Pari Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACI, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Biswajit Sinha Roy & Sri Biswajit Sinha Roy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th September 1984

Ref. No. C.A.96[84-85]SI.925[I.A.C.Acq.R-I]Cal.—Whereas, I. S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. 7|1A, situated at Dr. U. N. Brahmachari Street, Flat 2B, 2nd Floor, Cal-17.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Competent Authority, IAC, Acq. R-1, Cal on 25th January, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2B at second floor at premises No. 7|1A, Dr. U. N. Brahmachari Street, Calcutta-17. Registered before the Competent Authority, 1.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Sl. 86 dt. 25-1-1984.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-9-1984.

(1) M|s. Ruby (Park) Properties Pvt. Ltd.

(3) United Nation Dev. Programme.

(Transferor)

(2) Smt. Mohini Reavla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th September 1984

Ref. No. 7R-70|84|84-85|S1.928|I.A.C.|Acq.R-I|Cal.—Where-

S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and

bearing No. 75C, situated at Park Street, Calcutta-16, situated at Park Street, Calcutta-16,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Officer at R.A., Calcutta, on 7-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concentment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---51-276GJ[84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(Persons in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

All that Office space unit No. 5 on the 2nd floor of the multi-storeyed building—covered are 1634 Sq. ft. at 75C. Park Street, Calcutta-16. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-262 Dt. 7-1-1984.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-1s

Date: 10-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutto, the 10th September 1984

Ref. No. TR-73|84-85|\$1.929|I.A.C.|Acq.R-1|Cay.---Whereas, I.

as, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the bonder-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. 75C, situated at Park Street, Calcutta-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at R.A., Calcutta on 2-1-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trunsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Ruby (Park) Properties Pvt. Ltd.
- (2) 1. Rajendra Chandra Mehrotra & Pankaj Kumar Mehrotra

(Transferee)

(Transferor)

(3) Hindustan Paper Corporation Ltd.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The above Office Unit No. 3 on the 9th floor at 75C, Park Street, Cal-16-covered area-1127 Sq. ft. registered before the Registrar of Assurances, Cal, vide No. I-29P Dt. 2-1-1984.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 10-9-1984.

Scal;

(1) M|s. Ruby (Park) Properties Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Smt. Romilla Chopra.

(Transferee)

(3) Hindustan Paper Corpn. Ltd. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. CALCUTTA

Calcutta, the 11th September 1984

TR-74|84-85|S1.930|I.A.C.|Acq.R-1|Cal.—Where-Ref. No. as, I,

S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000[- and

bearing No. 75C, situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Cal. on 3-1-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The above office Space-Unit No. 1 on the 8th floor of the rulti-Storeyed building covered area-1138 Sq. ft. at 75C, Park Street. Cal-16. registered before the Registrar of Assurances, Cal- vide No. I-75, Dt. 3-1-1984.

> S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 11-9-1984.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTITE OMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 12th September 1984

Ref. No. TR-75|84-85|SI.931|1.A.C.|Acq.R-I|Cal.—Whereas, I, S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-bearing No. 75C, situated at Park Street, Calcutta-16.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta, on 3-1-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M|s. Ruby (Park) Properties Pvt. Ltd.
 - (Transferor)
- (2) India Engineering Services.

(Transferee)

(3) Chowgule Industries Pvt. Ltd. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Unit No. 2|3A, on 2nd floor at 75C, Park Street, Calcutta-16 covered area 427 Sq. ft. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta- vide Deed No. I-78 Dt. 3-1-1984.

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta 54, Rall Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 12th September 1984

Ref. No. TR-84|84-85|\$1,932,I,A,C,|Acq,R-1|Cal,---Whereas, 1.

S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

75C, situated at Park Street, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Cal. on 20-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ruby (Park) Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Padmanabha Mishra.

(Transferee)

(3) Bangaigao Refinery & Petro Chemicals Ltd.
(Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 4 on 4th door at 75C, Park Street, Calcutta-covered area-1406 Sq. It. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta-vide Deed No. I-756 date 20-1-84

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta.
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 12-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSION OF INCOME TAX

ΛCQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 12th October 1984

Rcf. No. TR-85|84-85|Sl. 933.—Whereas, I. S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe thathe immovable property having a fair market value exceedings

Rs. 25,000 and bearing

75C, situated at Park Street, Calcutta-16,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R.A., Cal. on 20-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sall Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Huby (Park) Properties Pvt. Ltd.
- (2) Smt. Jayashee Devi.

(Transferor)

(Transferee)

(3) Conveyor & Ropeway Services.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 5 on 6th floor-covered area 1634 Sq. ft. at 75C, Park Street, Calcutta-16. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-759 Dt. 20-1-1984.

S. K. CHAUDHURI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta,
54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16,

Date: 12-9-1984

en el complete de la completa del la completa de la completa del la completa de la completa del la completa de la completa de la completa del la completa de la completa del la com

(1) Ruby (Park) Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt Swadesh Obhioi

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Hindustan Japer Corpn.

(Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-F CALCUTTA.

Calcutta, the 12th September 1984

Ref. No. TR-86|84-85|S1.934|I.A.C.|Acq.R.I.|Cal.-Whereas, I S. K. CHAUDHURI,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing 75C, situated at Park Street, Calcutta-16.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R.A., Cal. on 20-1-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

All that Unit No. 4 on 8th floor at 75C, Park Street, Calcutta-16, covered area 1406 S.ft. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-943 P dated 20-1-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. CHAUDHURI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Calcutta. 54, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 15th September 1984

Ref. No. PNP|132|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Plot No. 37L measuring 28.11 sq. yds., in Batra Bazar, Situated at G.T. Road, Panipat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at Panipat in January, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in putsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The National Textile & General Company (Estate Dealer) clo Shri Pradcep Batra, Rlo 671, Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) Shri Buta Ram sjo Shri Dewan Chand Dua sjo Shri Munshi Ram cjo Bharat Wool Trading Co., (rlo 489, Ginah Road, Khaduthet, Baniyan Badi, Tamil Nadu (India). Plot No. 37-C. Batra Bazar, G.T. Road, Panipat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Plot No. 37-L measuring 28.11 sq. yds. in Batra Bazar, G.T. Road. Panipat and more fully described in the sale deed registered at No. 4785 dated 31-1-1984 with Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-9-1984

THE PLANT OF THE LAST COMPANY OF THE PARTY O FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(I) Smt. Bhagwan Devi Wdjo Shri Bhagwan Dass, House No. 66-R, New Colony. Gurgaon.

(Transferor)

(2) Smt. Naresh Kumari Wo Shri Subhash Chand, Ro House No. 66-R, New Colony, Gurgaon.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 11th September 1984

Ref. No. GRG[142]85-84.—Whereas, 1, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House, No. 66-R (area 500 sq. yds) signeted at New Colony, Gurgaon (and trone fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Newtonian Colons.

of the Registering Officer

at Gurgaon in Lanuary 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the suid instrument of the unifer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions yield herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Imbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property being House No. 66-R (area 500 sq. yds.) situated at New Colony, Gurgaon and more fully described in the sale deed registered at No. 4049 dated 4-1-1984 with S. R. Gurgaon.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-52-276GI|84

Date: 11-9-1984

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 10th September 1984

Ref. No. GRG|227|83-84.-- Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

House No. 176 15,

situated at Old Railway Road, Guigaon,

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gurgaon in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair carket value of the aforciaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:---

 Shri Bhagat Ram Madhok S|o Shri Ralia Ram, R|o H. No. 176|15.
 Old Rallway Road, Gurgaon.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Kumar S|o Shri Tola Ram Prop. Krishan Ply Store, Old Railway Road, Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 176|15 situated at Old Railway Road, Gurgaon and more fully described in the sale deed registered at No. 4323 dated 25-1-1984 with S. R. Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Rohtak

Date: 10-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 10th September 1984

Ref. No. GRG|228|83-84,-Whereas, 1, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

House No. 176 15,

sittlated at Old Railway Road, Guigaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Swaran Kumari D|o Sh. Bhagat Ram Madhok, C|o Shri Bhagat Ram Madhofl, Rio 176 15. Old Railway Road, Gurgaon.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Kumar So Shri Tola Ram, Prop. Krishan Ply Store, Old Railway Road, Gurgaon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said The terms and EXPLANATION : Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 176[15 situated at Old Railway Road, Gurgaon and more fully described in the sale deed registered at No. 4324 dated 25-1-1984 with S. R. Gurgaon.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 10th September 1984

Ref. No. GRG|153|84-85.--Whereas, I,

R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 176 15,

situated at Old Railway Road, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transfered

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the tail market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Bhagat Ram Madhok, Rlo 176 15. Old Railway Road, Gurgaon.

(Transferor)

(2) 1. Shri Tola Ram Slo Shri Chhinku Ram and 2. Smt. Kaushalya Devi Wo Shri Tola Ram Clo Krishan Ply Store, Old Railway Road, Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being House No. 176 15, situated at Old Railway Road, Gurgaon and more fully described in the sale deed registered at No. 210 dated 11-4-1984.

R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-9-1984

Sen1:

FORM ITNS----

(1) M/s. Apple Paper Mills Pvt. Ltd., Rewari.

(2) M|s. Punia Udyog, Delhi Road, Rewari. (Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 10th September 1984

Ref. No. RWR,33,83-84.-- Whereas. 1. R. K. ВИЛУАНА.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land 9 Kanal situated at Rewn

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 2690B of the Income-tax Act, 1961, in the office of Competent Authority at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Rewari in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason a believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. Or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeseil property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 9 kanals situated at Rewari and more fully mentioned in the sale deed registered at No 2641 dated 19-1-1984 with S. R. Rewari.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-9-1984

SenI :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE. ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 10th September 1984

Ref. No. BGR|216|83-84.-Whereas, I.

R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

Plot No. J-126, Sector 10, situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Ballabgarh in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

 (1) I. Shri R. L. Sandhi S|o Shri U. C. Sandhi;
 2. Dr. (Smt.) R. L. Sandhi Wo Dr. R. L. Sandhi;

R o C-26, Green Park Extn., New Delhi-26.

(2) Shri Sudhir Kumar Chopra Soo Shri Khushi Ram Chopra, H. No. 255, Sector No. 10, Housing Board Colony, Faridahad

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Plot No. J-126, Sector 10, Faridabad and more fully described in the sale deed registered at No. 2074 dated 27-1-1984 with S. R. Ballabgarh.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-9-1984

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE D.I.F. COLONY ROHTAK

Rohlak, the 10th Scolember 1984

Ref. No. DGR|266|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-mid bearing No.

Shop Flot No. 181, B-Type, situated at Nehru Park, N. I. T., Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ballabhgarh in January, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Tara Wanti
Wo Late Shri Bihari
Rlo B-4, House No. 6,
Vill. Saran,
Tehvil Bullabgerh.
D|Faridabad.

(Transferor)

(2) Sari Sachin Kumar Slo Shri Santosh Kumar, Rlo Mchalla Bassa Para, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Shop Plot No. 181, B-Type, Nehru Park, N.I.T., Faridabad and more fully described in the sale deed registered at No. 11763 dated 20-1-1984 with S. R. Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE D.L.F. COLONY

ROHTAK

Rohtak, the 10th September 1984

Ref. No. BGR|267|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Shop Plot No. 182, B-Type situated at Nehru Park, N.I.T., paridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Subhash Chander Sio Shri Pakir Chand, Rio F-36, Nehru Ground, New Township, Pandabad.

(Transferor)

(2) Shri Navin Kumar Slo Shri Santosh Kumar, Rlo Mohalla Bassa Para, Old Faridabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

CANADA IN COLOR - CONTINUE SANCE TO SEE SANCE SANCE OF SECURITION OF SEC

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop Plot No. 182, B-Type situated at Nehru Park, N.I.T., Feridahad and more fully described in the sale deed registered at No. 1176 dated 20-1-1984 with S. R. Ballabhgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10 9-1981

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th September 1984

Ref. No. HSR 131 83-84.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing

House No. 146-W, situated at Model Town, Hisar (and more fully described in the schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hisar in January, 1984 for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the 'ransfer; and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

53—276GI[84

(1) Smtfl Narayan Devi wo Shri Rattan Chand so Karam Chand, ro Model Town, Hisar.

(Transferor)

(1) Shri Rajesh Kumar Goyal and
 (1) Smt. Sushila Devi woo
 Late Shri Om Parkash,
 rown,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 146-W, situated at Model Town, Hisar and more fully mentioned in the sale deed registered at No. 3999 dated 5-1-1984 with S.R. Hisar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE. ROHTAK

Rohiak, the 10th September 1984

Ref. No. HSR 136 83-84.--Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000|- and bearing House, situated at Sirsa Road, Hisar, (and more fully described in the schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hisar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreel to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of ---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Bhagwan Singh so S. Gurbaksh Singh, H. No. 269, Model Town, Hisar.

(Transferor)

(2) S|s Balbir Singh s.o Chander Bhan; Pawan Kumar so Chander Bhan; Smt. Kanta Aggarwal woo Satnarayan; Rekha do Raghbir Singh and Neelam do Raghbir Singh, all co Ms. Ram Chander Chander Bhan, Wholesale Cloth Dealer, Moti Bazar Hisar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House, situated at Sirsa Road, Hisar and more fully described in the sale deed registered at No. 4124 dated 13-1-1984 with Sub-Registrar, Hisar.

R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-9-1984

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF NCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

ROHTAK

Rohtak, the 10th September 1984

Ref. No. HSR 139 83-84.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Shop No. 223 (West Part),

situated at New Anaj Mandi, Sirsa Road, Hisar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

(and more fully described in the schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hisar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;---

(1) M|s. Bhola Singh Gopal Singh, Hisar. through Shri Pritpal Singh s o Gopal Singh, ro Hisar.

(Transferor)

(2) Smt. Indrawati woo Shri Ram Bilas, rlo Village Badopal, Teh. Fatchabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from persons. the service of notice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein 45 are defined in Chapter XXA of the aid Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chanten.

THE SCHEDULE

Property being shop No. 223 (West Part), situated at New Anaj Mandi, Sirsa Road, Hisar and more fully mentioned in the sale deed registered at No. 4333 dated 27-1-1984 with S.R. Hisar.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY ROHTAK

Rohtak, the 10th September 1984

Ref. No. HSR 140 83-84.—Whereas I. R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovas the said Act) have reason to convert that the industrial and property having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing
Shop No. 223 (East part), New Anaj Mandi,, situated at Sirsa Road, Hissar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hissar on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mis. Bhola Singh Gopal Singh, Hissar c|o Shri Pritpal Singh, s|o Gopal Singh, Hissar.

(Transferor)

(2) Smt. Indrawati wo Shri Ram Bilas, rlo Village Badopal, Teh. Fatchabad. Distt. Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULB

Property being Shop No. 223 (East part), New Anaj Mandi, Sirsa Road, Hissar and more mentioned in the sale deed registered at No. 4381 dated 1-2-1984 with S.R.

R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY ROHTAK

Rohtak, the 11th September 1984

Re. No. BWN 18 83-84. Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 3 Kanal 9 Marlas,

situated at near Gujar ki Dhani, Behind M.C. Colony,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhiwani on January, 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :----

- (a) facilititating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

rlo Gujar ki Dhani,

slo Sola Ram. Rohtak. 600/3, D.L.F. Colony, Rameshwar Dass Jain, rlo Brahman Mandi, Rohtak.

(1) Shri Ganpat slo Sh. Thana Ram, (1)

Prem Pyana Goel, rjo
(2) (i) Smt. Shobha Goel wjo Bawari Gate, Bhiwani.

(Transferor)

(iii) Swesh Kumar slo Devki Nandan Mal, rlo Village Salwan,

Tehsil & Distt. Karnal.

(iv) Kanshi Ram Khurana sjo
Ranga Ram Khurana,

rlo E.T.O. Office, Bhiwani, (v) Smt. Shashi Bala wlo Kanshi Ram, r o Gali Gokal Chand Arya, Bhiwani.

(vi) Sajjan Kumar Agarwal s|o Kundan Lal, r|o Tosham (Bhiwani).
(vii) Jai Narain Sharma s|o Asha Ram, r|o Village Balkara.

Teh. Dadri, Distt. Bhiwani. (viii) Smt. Gian Devi woo Ram Chander, rio Patel Nagar, Bhiwani.

(ix) Sh. Naresh Kumar Jain slo Jyoti Parshad Jain, rlo Gali Gokal Chand Arya, Bhiwani.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 kanal 9 marlas, situated at Gujar ki Dhani, behind of M.C. Colony, Bhiwani and more fully described in the sale deed registered at No. 3081 dated 30-1-1984 with Sub-Registrar, Bhiwani.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-9-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY ROHTAK

Rohtak, the 12th September 1984

Ref. No. SPT/74/83-84.--Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

1|4th part of the Building consisting of 4 shops & Hall room, situated at Near Sikka Colony, Sonepat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Sonepat on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Kamesh Kumar soo Shri Khan Chand, so Shri Tula Ram, Haryana Agro Services, Ganaur, Dist. Sonepat.

(Transferor)

(2) S|Shri Kailash Kumar, Ashok Kumar and Jitender Kumur sons of Shri Khan Chand so Tula Ram, ro Ajanta Traders, Batra Market, Delhi Roadfi Sonepat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, chall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/4th part of Building consisting of 4 shops & Hall room, situated at near Sikka Colony, Sonepat and more fully mentioned in the sale deed registered at No. 4937 dated 16-1-1984 with S.R. Sonepat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 12-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY ROHTAK

Rohtak, the 11th September 1984

Ref. No. BDR|12|83-84.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot (2214 sq. yds.) No. 2384,

situated at Modern Industrial Estate, Phase-I, Urban Estate, Bahadurgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bahadurgorh on January, 1984

market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, un respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which bave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Shiv Seth slo Shri Ram Narayan Seth, Prop. Mis. Alankar Prints, Rohtak Road. Bahadurgarh.

(Transferor)

(2) Shri Rajeev Bhatia so Shri Tilak Raj Bhatia, rlo 39|35, Old Rajender Nagar, New Delhi-60.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period, expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Plot No. 2384, area 2214 sq. yds., situated at Modern Industrial Estate, Phase-I, Urban Estate, Bahadurgarh and more fully described in the sale deed registered at No. 3398 dated 12-1-1984 with S.R. Bahadurgarh.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-9-1984

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
D.L.F. COLONY
ROHTAK

Rohtak, the 11th September 1984

Ref. No. JDR 98 83-84.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under section 269B of the facome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000]-and bearing

Land 3 kanal 18 marles, situated at Gauri Shankar Link Road, Jagadhri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhri on January, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than allem per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. Raj Metol Co., Sadar Bazar, Delhi c|o Shri Raj Kumar s|o Chandgi Ram; Chandgi Ram s|o Desh Raj and Vijay Kumar s|o Chandgi Ram, partners, 1|o 39|18, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jasbir Singh s|o Sohan Lal Anand, c|o M|s. Anand Metal Works, Jagadhri.

(Transferee'

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein a. are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 kanal 18 marlas, situated at Jagadhri and more fully described in the sale deed registered at No. 5318 dated 9-1-1984 with S.R. Jagadhri.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge, Rohtak

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-9-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY ROHTAK

Rohtak, the 11th September 1984

Ref. No. JDR | 102 | 83-84. - Whereas J, R, K. BHAYANA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

Land 1 Bigha 31 Biswas,

situated at Village Mamida, Teh, Jagadhri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jagadhri on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

54-276GI|84

(1) Ms. Khazan Singh Shobha Ram, Timber Merchants, Yamunanagar clo Gopal Singh slo Khazan Singh; Pirthi Singh slo Amar Singh and Bhupinder Singh so Ram Charan Partap ro Yamunanagar (Jagadhri).

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar s|o Baldev Raj, r|o 1250, Yamuna Gali, Yamunanagar, Teh. Jagadhri, Distt. Ambala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of days from the serice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 1 Bigha 3½ Biswas, situated at Village Mamida, Tehsil Jagadhri and more fully mentioned in the sale deed registered at No. 5827 dated 12-1-1984.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLQNY ROHTAK

Rohtak, the 11th September 1984

Ref. No. JDR | 103 | 83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Land 1 Bigha 3½ Biswas,

situated at Village Mamida, Teh. Jagadhri (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jagadhri on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under rub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the solitowing persons, namely:—

(1) Mls. Khazan Singh Shobha Ram,
Timber Merchants, Yamunanagar,
clo Shri Gopal Singh slo Khazan Singh;
Pirthi Singh slo Amar Singh and
Bhupinder Singh slo Shri Ram Charan Partap,
rlo Yamunanagar (Jagadhr).

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Devi woo Shri Vijay Kumar, roo 1250, Yamuna Gali, Yamunanagar, Tehsil Jagadhri.

(Temsferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land 1 Bigha 3½ Biswas, situated at Mamida, Yamunanagar (Jagadhri) and more fully mentioned in the sale deed registered at No. 5828 dated 12-1-1984 with S.R. Jagadhri.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-9-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 11th September 1984

Ref. No. JDR 104 83-84,--Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing
Land 2 Bigha 7 Biswa, situated at Village Manida, Teh. Jagadhri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registring Officer at

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagadhri in January, 1984

for an apparent consideration which is less han the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) (i) M|s. Khazan Singh Shobha Ram,
 Timber Merchant, Yamunanagar
 through Shri Gopal Singh s|o Khazan Singh
 (ii) Pirthi Singh s|o
 Amar Singh,
 (iii) Bhupinder Singh s|o

Ram Charan Partap, rlo Yamunanagar (Jagadhri).

(Transferor)

(2) (i) Shri Shiv Dutt Chand Talwar so Bhagwan Dass Talwar, rlo Yamuna Gali, Yamunanagar.

(ii) Ravinder Kumar Talwar,
(iii) Harvesh Kumar,
(iv) Harish Chand & (v)
Baljit Kumar sons of
Shri Shiv Dutt Chand Talwar,
rlo Yamuna Gali, Yamunanagar (Jagadhri).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

TXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 Bigha 7 Biswas situated at Village Mamida, Jagadhri and more fully described in the sale deed registered at No. 5834 dated 13-1-1983 with S.R. Jagadhri.

> R. K. BHAYANA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Rohtak

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act' to the following persons, namely:— Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 11-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 11th September 1984

Ref. No. JDR 109 83-84.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Plot at village sasauli (area 1095 sq. yds.) situated at Yamunanagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagadhri in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Tejinder Singh s|o
 Devinder Singh,
 r|o Village Sasaull,
 Yamunanagar (Jagadhri).

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

(2) Smt. Kumkum Goel woo Shri Subhash Chander Goel, roo House No. 124, Yamuna Gali, Yamunanagar (Jagadhri).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the ss. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot (area 1095 sq. yds.), situated at village Sasauli (Jagadhri) and more fully described in the sale deed registered at No. 5991 dated 24-1-84 with S.R. Jagadhri.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-9-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 11th September 1984

Ref. No. KNL|93|83-84.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Shop in Anaj Mandi, situated at Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karnal in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Ajai Kumar
 Mahender Lal, Aggarwal,
 Kalka,
 Distt. Ambala.

(Transferor)

(2) S|Shri Mahenderpal, Jainarayan & Sat Narayan, sons of Shri Dhanpat Rai and Smt. Murti Devi w|o Shri Rajernder Kumar, r|o 15|583, Jatan Muhalla, Kumaran Kuan, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop situated in Nai Anaj Mandi, Karnal and morefully described in the sale deed registered at No. 5678 dated 20-1-1984 with S.R. Karnal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under aubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-9-1984

(1) M|s. C. L. Shirole, 1216|6, Deccan Gymkhana, Poona-411 004.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Shrikant Mahadeo Parkhi 320, Shaniwar peth, Poona-411 030.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE POONA-4

Poona-4, the 3rd September 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|CA5|835|84-85.—Whereas, SANTOSH DAITA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000—and bearing No.

Flat No. 2, 1120 Model Colony, Shivaji Nagar, Pune-16 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, ACQ Range, Pune on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 2 at 1120, Model Colony, Shivajinagar, Poona-411 016.

Area 66 sq. Mtrs.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC Acqn. Range, Pune under document No. 3273 83-84 in the month of February, 1983.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 21-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60|6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 3rd September 1984

No. IAC ACQ|CA-5|37EE|836|[84-85.—Whereas L SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 4, 2nd floor, 'Barsana', Apts., C.T.S. No. 134|4,

Plot No. 2, Bhamburda, Shivajinagar, Pune, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering officer at

IAC Acqn., Pune on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Metro Estate Corporation, 15 East Street, Punc-411 001.

(Transferor)

(2) Mrs. Bandana Adhikari, 48, Anand Park, Aundh, Punc-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd floor, 'BARSANA', Apts, C.T.S., No. 134[4, Plot No. 2, Bhamburda, Shivajinagar, Pune.

(Area 1037 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune under document No. 3072 83-84 in the month of Dec. 1983).

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax Acquisition Range, Poona-4

Date: 3-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN 60/6, ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 3rd September 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|837|84-85.—Whereas I, SANTOSH DATTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable, propertly having a fair market value exceeding Rs. 25.000l- and bearing No. Flat No. 310, 3rd floor, H. No. 416, East Street, Pune-411 001, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, ACQ Range, Pune on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M|s. Makwana Bros. & Co. 441, Somar peth, Punc-411 001.

(Transferor)

(2) Kantilal Achaldas Oswal, and Mrs. Ranjana K. Oswal, 419, R. S. Kedar Road, Pune-411 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 310, 3rd floor, Property H. No. 416 East Street, Pune-411 001

(Area 1026 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune under document No. 2698[83-84 in the month of November, 1983)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 3-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMMAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M|s. Mahavir Enterprises, Lal Godown, Vasai Road, Tal Vocai, Dist. Thane

(Transferor)

(2) Plastic & Peper Crafts,12A Sagar Vihar, 2nd floor,23 A.G. Khan Road, Worli, Bombay-18.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60[6, ERANDAVANE POONA-4

Poona-4, the 3rd September 1984

IAC ACQ|CA-5|37EE|838|84-85.—Whereas I, SANTOSH DATTA,

SANTOSH DATTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Indl. unit No. 21, 26, 27 ground floor, Paras Indl. Estate Plot No. 176, 177 S. No. 31, 34, 35, 36, 37, 56-C at Navghar Tal. Vasai, Dist. Thane, situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

the Registering Officer at IAC Acqn., Range, Pune on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said. Act
 in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sair Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 21, 26, 27 adm. sq. meters, on ground floor of Paras Industrial Estate, Plot No. 176, 177, S. No. 31, 34, 35, 36, 37 & 56-C at Navghar, Taluka Vasai, Dist. Thane...

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune under document No. 3739|83-84 in the month of December, 1983.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona-4

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-55--276GI|84

Date: 3-9-1984

(1) Metro Estate Corporation, 15, East Street, Pune-411 001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs, Usha V. Lokur,
Mr. Sanjay V. Lokur
701, 'Debonair',
153|B, Candell Road, Mahim.
Bombay-400 016.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60|6, ERANDAVANE POONA-4

Poona-4, the 3rd September 1984

Ref. No. IAC[ACQ[CA-5]37EE]84-85.—Whereas, 1, SANTOSII DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000], and bearing No.

Flat No. 3, BARSANA', C.S. No. 134/4, Plot No. 2, Bhamburda, Shivajinagar, Pune, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC Acqn. Range, Pune on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transferor;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (3) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 'BARSANA', C.S. No. 1344, Plot No. 2, Bhamburda, Shivajinagar, Pune.

(Area 1037 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune, under document No. 2961|83-84 in the month of December, 1983).

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona-4

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 3-9-1984

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN. 60/6, ERANDAVANE POONA-4

Poona-4, the 5th September 1984

No. IAC ACQ|CA-5|37EE|840|84-85.—Whereas L Ref. SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No.
Office No. 13, Atora Towers, 9 Moledina Road, situated at Pune-1,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

FAC Acqn. Range, Pune on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaio property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mis. Sharat Promoters, 2. East Street, Pune-1.

(Transferce)

(2) Shri Rajendra Agrawal, 567, Sachapir Street, Pune-1.

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazetle or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovvable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 13, Arora Towers, 9, Moledina Road, Punc-1. Area: 1,223, sq. ft,

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqu. Range, Pune under document No. 37EE [2759]83-84, in the month of January, 1984.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona-4

Date: 5-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE POONA-4

Poona-4, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|841|84-85.—Whereas I. SANTOSH DATTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 11, 3rd Floor, Neelkanth Apartment, 60, Rasta Peth, Pune-411011, situated at Pune-411011

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC Acqn. Range, Pune on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Makwana Construction Co., Devine Terrace, 911-914, Synagogue Street, Pune Camp.

(Transferor)

(2) Shri N. B. Rathod and Shri P. M. Rathod, 411, Somwar Peth, Pune-11.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the amse meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd Floor, Neelkanth Apartment, 60, Rasta Peth, Pune-411 011.

Area: 903 sq. ft. & 310 area terrace.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune under document No. 37EE 3639 83-84 in the month of January, 1984.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
respecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona-4

Date . 5-9-1984 Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

PRAPTIKAR SADAN, 60 6, ERANDAVANE POONA-4

Poona-4, the 5th September 1984

No. IAC ACQ|CA-5|37EE|842|84-85.—Whereas SANTOSH DATTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat No. 10 2nd Floor, Trupti Apartment, 247 1, Rasta

Peth, Punc-11

situated at Pune-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer
IAC Acqu. Range, Pune on January, 1984
as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 market value of the ntoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mls. Makwann Construction Co., Divine Terrace', 911|914. Synogogue Street, Pune-1.

(Transferor)

(2) Shri G. R. Makwana and Shri R. G. Makwana, Rajlaxmi Apartment, Flat No. 5, Navi Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 2nd Floor, 'Trupti Apartment', 247 1, Rasta Peth, Pune-411011.

Area: 1480 sq. ft.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune under document No. 37EE 3640 83-84, in the month of January, 1984.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona-4

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6, ERANDAVANE POONA-4

Poona-4, the 5th September 1984

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37EE]843]84-85.—Whereas I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. 14, 31d Floor. 'Trupti Apartment', 247|1, Rasta Peth, Pune-11, situated at Pune-11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which each to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 c); 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s, Makwana Construction Co., 'Divine Terrace', 911|914, Synagogue Street, Pune-1.

(Transferor)

(2) Shri Narayan Bhimji Rathod and Shri S. N. Rathod, 441, Somwar Peth, Pune-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 3rd Floor, 'Frupti Apartment', 247 1, Rasta Peth, Pune-11.

Arcs: 981 sq. ft.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune under document No. 37FE 3637 83-84, in the month of January, 1984.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona 4

Date: 5-9-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, $60^{\circ}6$ ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 5th September 1984

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37EE[84-85]844.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000;-

and bearing No. Flat No. 16, Building 'C', CTS No. 3 & 3 1, Naylor Road, situated at Punc-1

- situated at Punc-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq Range, Pune on Jan., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by we issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) M|s. Sharat Promoters, 2, East Street, Pune-1.

(Transferor)

(2) Shri P. M. Shahaney, 611, Nalini Co-operative Housing Society, Sholapur Road, Pune.

(Transfere:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (le) by any other person interested in the said immovative property, within 45 days from the date of pubit cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fla tNo. 16, Building 'C', CTS No. 3 & 3|1, Naylor Road, Pune-1. (Area: 1,000 Sq. Ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 37EE|2760|83-84, in the month of January, 1984),

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 5-9-1984.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60|6 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 5th September 1984

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37EE[84-85]845.--Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 305, 3rd Floor, H. No. 2416, General Thimayya Road, situated at Pune-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

ander the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acq. Range Pune on Jan., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to new tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. Makwana Bros. & Co., 441, Somwar Peth, Pune-11.

(Transferor) (2) S|Shri B. K. Oswal, C.K. Oswal and R. K. Oswal, 244, M. G. Road, Pune-1.

(Transfered

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in their Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 305, 3rd Floor, H. No. 2416, General Thimayya Road, Pune-1. Area: 11,511 Sq. Ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 37EE|2697|83-84, in the month of January, 1984.)

> SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following process page 187 and 187 a ing persons, namely :-

Date :5-9-1984.

FORM ITNS -----

(1) Shri R. D. Patel, 1176, Bhadrakali, Nasik.

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. M. Agrawal, and Shri M. M. Agrawal, 4576, Ganesh Wadi, Panchawati, Nasik.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60|6 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 1st September 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37 G|84-85|80|1-9-84.— Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land & Building C.S. No. 5816, M. No. 4576, Ganesh Wadi, Panchawati, Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed Lereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Pune on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and if the consideration for such transfer as agreed to between in parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said et., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—
56—276GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Aci, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building—City Survey No. 5816, M. No. 4576, Ganesh Wadi, Panchawati, Nasik. (Area: 130 Sq. metres.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub Reggistrar, Nasik, under document No. 211 in the month of January, 1984.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 1-9-1984.

(1) M|s. Chandan & Chandan, 110-B, Nana Peth, Pune-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. A. Sagar, C-2, Sundar Nagar, 308, Somwar Peth, Pune-11.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60/6 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 17th August 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|846.—Whereas, I, SANTOSH DATTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 202. Second Floor, Chandan Apartments, C.T.S. No. 110B, Nana Peth, situated at Pune-2

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in th office of the Registering Officer at

I.A.C. Acq. Range, Pune on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Second Floor, C.T.S. No. 110-B, Nana Peth, Pune-2. (Area: 562 Sq. Ft.; Balcony: 16 Ft.).

(Property as described in the sale of agreement registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2643 in the month of January, 1984.)

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 17-8-1984,

(1) Shri Pramod Manakchand Dugad Family Trust, Walweker Estate, Pune.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 4961)

(2) Mrs. Hirabai Vasantrao Paygude and others, Bibewadi, Pune.

(Transfer

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR SADAN, 60|6 ERANDAVANE, POONA-4

Poona-4, the 10th September 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|1182|July 84.--Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than difteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land at Hiss No. A. S. No. 732-B-2 House & Plot Nos. 1911 to 1923 (Total 13 plots.) situated at District Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at an apparent consideration, which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabsity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Survey No. 732 B-2, Hissa No. A-House and plot Nos, 1911 to 1923 (Total 13 plots) Havali Taluka, District Pune. (Area: 1534.50 sq. meters.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Havell-I under document No. 635 in the month of January, 1984.)

SANTOSH DATTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

ate: 10-9-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Herman .G. Vincent.

Shri Gajanand M. Kondkar & Others, Chandsar Road, Virar (East), Kondkar Wadi, District Thane.

(Transferor)

(Transferee:

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, PRAPTIKAR 60/6 ERANDAVANE, POONA-4 SADAN,

Poona-4, the 10th September 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|84-85.1181|10-9-84.---Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Survey No. 260A, 260B, 254, 260K, Village Milemore, Dist. Thane, 254A, Hissa No. 2, 3, 18, 6|3 (Part). situated at

Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sub Registrar, Vasai on January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 260A, 260B, 254, 260K, 254A, Hissa No. 2, 3, 18, 6|3 (Part), Village Nilemore, District Thane.

(Area: 33,487 Sq. Metres approximately.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai under document No. 67 in the month of January, 1984.

> SANTOSH DATTA Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri R. C. Mehra soo Shri Labh Chand Mehra, roo H. No. 71, Sector 9, Chandigarh.

(2) S. Gurinderpal Singh slo S. Gobinder Singh, Rlo H. No. 569, Sector 36, Chandigath.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th September 1984

Ref. No. CHD|142|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
Plot No. 1595 situated at Sector 33, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at at Chandigarh in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 1595, Sector 33, Chandigarh,

(The property as mentioned in the sale deed No. 1075 of January 1984 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-9-1984,

(Person in occupation of the property.)

FORM ITNS

(1) Shri H. S. Bala soo Gursharan Singh Bala, rlo H. No. 608 Sector 36-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Ravinder Kaur wo R. S. Sarkaria, rlo H. No. 608 Sector 36-B, Chandigarh,

(3) V. K. Construction Co., H. No. 608 Sector 36-B, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th September 1984

Ref. No. CHD[144]83-84.--Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. H. No. 608, situated at Sector 36-B, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 46 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 608, Sector 36-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1085 of January, 1984 of the Registering Authority Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-9-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING Ludhiana, the 12th September 1984

Ref. No. CHD|150|83-84.—Whereas, I, IOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Plot No. 2115 situated at Sector 35-C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer

at Chandigarh in January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Swinder Kumar, Chhabra, Shri Balbir Kumar Chhabra ss o Late Major Ram Lal Chhabra through their general attomey Dr. Devinder Kumarl Chhabra s o Late Maj. Ram Lal Chhabra, Dr. Devinder Kumar Chhabra r o 204, Rajinder Nagar, Lucknow, U.P.

(Transferor)

(2) S. Birinder Singh Chadha s|o S. Khem Singh Chadha r|o 78, Severn Crescent Langley Slough, UK through his attorney S. Balbir Singh Chadha, s|o Shri Khem Singh Chadha r|o 1135 Sector 21-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of potice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 2115 Sector 35-C. Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1127 of January. 1984 of Registering Authority, Chandigarh.)

THE SCHEDULE

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING Ludhiana, the 12th September 1984

Ref. No. CHD|149|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,009|- and bearing

Plot No. 666 situated at Sector 33, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri M. K. Jain so Shri Pitam Singh Jain, ro H. No. 27 Sector 9 Chandigarh, through his General lawful Attorney Shri Pitam Singh Jain so Late Sher Singh do 11. No. 27, Sector 9, Chandigarh.

 (Transferor)
- (2) Miss Rupinder Pal Kaur Sandhu, d|o S. Gobinder Singh r|o H. No. 569, Sector 36, Chandigarh.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used harein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 666 Sector 33, Chandigarh. (The property as mentioned in the sade deed No. 1116 of January 1984 of the registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 12-9-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE, EUDHIANA NERAL REVENUE BUILDING

Ludhiane, the 10th September 1984

Ret. No. CHD|158|83-84.-Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Plot No. 135 situated at Sector 35-A Chandigarh

kattai, District.

fund more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in February, 1964

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/es

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inconcetax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely — 57—276GI 84

- 11) Lt. Col., Kuldip Bhanot slo Shri B. N. Bhanot, rlo 3|1. Aranodaya Society Baroda (mronofi his general automey Col. B. D. Bhanot do Lau Shri B R. Bhanot, H. No. 2179, Sector 354., Chandigath. (Transferor)
- (2) Shri Sawaran Singh Shergill, s₁0 Shri Pritam Singh Shergill and Mrs. Jasbir Shergill, w₁0 Shri Sawaran Singh Shergill r₁0 H. No. 3442, Sector 35-D, Chandigarh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 135 Sector 35-A Chandigath.

The property as mentioned as sale deed No. 1155 of Feb., 1984 of Registering Authority Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th September 1984

Ref. No. CHD|154|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomee-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

and bearing No. Plot No. 1566 situated at Sector 34-D, Chandigarh (and more fully descirbed in the schedule annexed hereto) has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer

at Chandigarh in January 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of hander with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1) Wg. Cd., K. K. Mishra (Krishan Kumar Mishra) so Dr B. P. Mishra, E.N.T. Specialist, Command Hospital Air Force, Bangalore.

entropy and the second

(Transferor) (2) S. Dalmer Singh s'o S. Punjab Singh, Smt. Harinder Kaur wo S. Dalmer Singh, Shri Ajaypal Singh Sandhu s'o S. Dalmer Singh, Shri Vijaypal Singh Sandhu s'o S. Dalmer Singh r'o Sandhu house, opposite Defence Colony Meerut, (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL.

Plot No. 1566 Sector 34-D Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1140 of January 1984 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 12-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th September 1984

. Ref. No. CHD[163]83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Plot No. 3503, situated at Sector 32-D. Chandigmh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any increase arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceaument of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Razzesh Chandra Mehta, slo Shri Ram Sarup Mehta, rlo 193 Brahmin Mandi, Rohtak, Haryana. (Transferor)

24023

(2) Shri Devi Raj Thapar, slo Late Shri Amrit Shah Thapar and Smt. Prem Lata Thapar, wlo Shri Dev Raj Thapar rlo 335 Industrial Area, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in these Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3503, Sector 32-D Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1188 of February, 1984 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhlana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 12th September 1984

Ref. No. CHD|166|83-84|—Whereas, 1, IOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000j- and bearing No.

H. No. 3344 Sector 23-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Chandigarh in February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration, for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Yoginder Pal Nayar ro R-91, New Colony, Gurgaon (Haryana).

(Transferer)

(2) Shri Charanjit Singh, 1,0 H. No. 138, Sector 27-A, Chandigath. (Transferce).

(3) Shri Sharma, H. No. 3344 Sector 23-D, Chandigarh, (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the taid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3344 Sector 23-D, Chandigarli.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1201 of February 1984 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 13th September 1984

Ref. No. CHD 152 83-84.—Whereas, I, 10GINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot No. 1162 situated at Section 34-C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

t Chandigarh in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquiation of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Rita Aneja wd[o Lt. Col. Suresh Kumar Aneja gurdian of for sell and as mother and natural minor sons Master Vivek Aneja and Master Tarun Aneja sons of Late Lt. Col. Suresh Kumar Aneja and Mrs. Vidya Vati Aneja wo Shri Daulat Ram Aneja sons of Late Ltd. Col. Sures Kumar Aneja their General power of Attorney Shri Daulat Ram Aneja so Late Shri Bhagwan Dass Aneja, Rlo B- 3, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Gurdey Kaur Mann wlo Dr. S. B. S. Mann Dr. S. B. S. Mann slo S. Basant Singh, Rlo B-2|3, Rajouri Garden, Ne Delwhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1162 Sector 34-C Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1133 of January, 1984 of the Registering Authority Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13-9-198 Seal :

FORM No. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 13th September 1984

Ref. No LDH|218|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

l share H. No. B-19-1190/8 (Plot No. 35-B) situated at Udham Singh Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1: of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Subash Rani w|o Shri Ram Parsad through Smt. Sarla Devi w|o Shri Jagan Nath Mehali Gate Chhotti Gali, Phagwara,

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar soo Shri Bhagwan Dass, Roo 35-B Udham Singh Negar, Ludhiana.

(Transfer.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perio dof 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share H. No. B-19-1190|8 (plot No. 35-B) Udham Nagar Ludhlana

(The property as mentioned in the sale deed No. 11804 of January, 1984 of the Registering Authority, Ludhiana.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th September 1984

Ref. No. LDH|265|83-84.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Land 17 Kanals 0 Marla situated at Vill. Bhaura Teh. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Inder Mohan S|o Sh. Chuni Lal r|o 593 Model Town Ludhlana. (Transferor)
 - (I)Miller
- (2) Mls Dube Fabrics Private Limited Purana Bazar Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 17 kanal o Marla at Village Bhaura Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in sale deed No. 12782 of Jan. 1984 of the Registering Authority Ludhiana.)

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSEPCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana,the 14th September 1984

Ref. No. LDH|263|83-84| .--Whereas, I JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Land measuring 8 kanals 9 marlas situated at Village Bhaura, Teh. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evagion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name of the said Act, to the following persons, name of the said Act, to the following persons, name of the said Act, to the following persons.

(1) Smt, Kamia Puri Wio Sh, I. K. Puri Rlo 109-D. Defence Colony, New Defini

(Transicion)

(2) SShri Sunil Kumar, Manmohan Kumar sons of Shri Ved Parkash Rlo 8C, Udhan Singh Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 Kanals 8 Marlos at V. Bhaura Ten Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 12781 of 1/84 of the Registeing Authority, Ludhiana)

JOGINDER SINGII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-9-1984

FORM J.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 29th August 1984

Ref. No. ASR|84-85|93—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

One Property

situated at Race Course Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S. R. Amritsar on Jan. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid nexceeds the apparent consideratio rherefor by more than fifteen per cent of such apparent conderation and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of :—

- (a) (acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
58—276GI]84

- (1) Smt. Sheh Lata Wo Shri Brij Mohan, I Pawan Nagar, Kangra Colony, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Pritpal Singh Sokhey S|o Sh. Ajit Singh Sokhey, Vill: Zora. Teh: Tarn Taran, Distt. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of property situated at Race Course Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11814 dt. 9-1-84 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 29-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd September 1984

Ref. No. ASR [84-85]94—Whereas, I,

B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property

situated at Race Course Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Ampitsar in Jan. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri A. K. Bhatia So Ishar Dass Bhatia, 17-A, Race Course Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Pritpal Singh Sokhey Slo Sh. Ajit Singh Sokhey, Vill: Zora, Teh: Tarn Taran, Distt. Amritsar

(Transferte)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of property situated at Race Course Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11815 dt. 9-1-1984 of registering authority, Amritsar.

> B. S. DHILLON IRS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:-

Date: 29-8-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd September 1984

Ref. No. ASR|84-85|95—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. One property

situated at Guru Bazar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S. R. Amritsar on Jan 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes or the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Sh. Sat Pal Jain Slo Shri Tilak Raj Jain, Smt., Prom Lata Wlo Shri Siri Lal Jain, SlShri Satpal Jain, Reissh Chand Jain Sslo Shri Tilak Raj Jain, rlo Jammu.

(Transferor)

(2) Sh. Brij Lal Kapur & Sons.
Daya Nand Nagar, Lawrence Road,
Dharamarth Trust, Amritsar.

(Transferce)

(4) Any other.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A property situated in Guru Bazar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11660 dt. 5-1-84 of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amrilsar.

Date: 23-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th September 1984

Ref. No. ASR|84-85|96—Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to delieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. A Plot of Land situated at Rani-ka Bagh, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Jan 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Arun Kumar Singh Slo Sh. Saudagar Singh, Rlo Naraingarh, Chheharta, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Brij Mohan S|o Shri Kishand Chand, Gali Jhandi Wala, H. No. 3176, Nimak Mondi, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land situated at Rani-ka-Bagh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12235 dt. 20-1-84, of registering authority, Amritsar.

B. S. DHILLON)RS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, American.

Scal:

Date: 6-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th September 1984

Ref. No. ASR|84-85|97.—Whereas, I. B. S. DHILLON, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

A plot of land

situated at Rani-Ku-Bagh, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been (ransferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S. R. Ameitsar on Jan, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Arun Kumar Singh Slo Sh. Saudagar Singh, Rlo Naraingarh, Chheharta, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shii Ramesh Kumai Slo Shri Kishan Chand, Kucha Jhandiwala, H No. 3176, Nimak Mandi, Amritsar.
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any. other.
 (Person whom the undersigned knowns to be interested in the property)
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION 19—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot of land situated at Rani-ka-Bagh. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12403 dt. 25-1-84 of registering authority. Amritsar.

B. S. DHILLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 6-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th August 1984

Ref. No. ASR|84-85|98.--Whereas.--Whereas, I, B. S. DHILLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing

One property

situated Bazar Batti Hattan, Amritsar

instrument of transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Jan. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Jatender Kumar Jain So Sh. Lakhmi Chand Rio Delhi Cio Sakandar Lal, Bazar Batti Hattan, Amritsar.

(Transferors)

(2) Sh. Vipen Kumar So Shri Raja Ram, Tunda Talab, Amritsar.

(Transferces)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

Sh. Narinder Singh, Rs. 6]- p. m.
 Sh. Raja Ram, Rs. 15]- p. m.
 Sh. Puran Chand Rs. 4]- p. m.

(4) Any. other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|4th Share of property, situated at Zazar Basti Hattan. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11725 dated 6-1-84 of registering authority, Amritsar.

> B. S. DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 30th August 1984

Ref. No. ASR|84-85|99.--Whereas, 1, B. S. DHILLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-One property

situated at Bazar Batti Hattan, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at at S. R. Amritsar on Jan. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Jatender Kumar Jain So Sh. Lakhmi Chand, Rlo Delhi Clo Sakandar Lal, Baza: Batti Hattan, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Ravi Kumar Sio Shri Raja Ram, Tunda Talab. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overlenf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
 - 1. Sh. Narinder Singh, Rs. 6]- p. m.

 - Raja Ram, Rs. 15[- p. m.
 Sh. Puran Chand, Rs. 4]- p. m.

(4) Any. other.

(Person whom the undersigner knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|4th share of property, situated at Bazar Batti Hattan, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11726 dt. 6-1-84 of registering authority, Amritsar.

> B. S. DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-8-1984

Scal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 13th September 1984

Ref. No. ASR 84-85 100 -- Whereas, 1, B. S. DHILLON, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

One property

situated at Durgiana Abadi, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at

at S. R. Amritsar on Jan. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe, that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sant, Parmeshwari Devi Wo Sh. Mukand Lal Grover, Durgiano Abadi, Amilitsa L

(Transferor)

(2) Smt. Asha Rani wo Shei Ved Parkash, Shri Ved Prakash Shii Amar Nath, Kali Beli Ram, Katra Parja, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
 - 1. Shri Vijay Kumar, Rs. 601- p. m.
 - 2. Sh. Ram Ditta Halwai, 501- p. m.
 - 3. Sh. Kishan Chand, Rs. 38]- p. m.
 - 4. Sh. Puran, Chand, Rs. 90|- p. m.
- (4) Any. other.

(Person whom the undersigner knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of property situated at Durgiana Abadi, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12433 dt. 25-1-84 registering authority, Amritsar.

> B. S. DHILLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, Amritson

Date: 13-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, **AMRITSAR**

Amritsar, the 13th September 1984

Ref. No. ASR|84-85|101.—Whereas, 1, B. S. DHILLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. One property

situated at Durgiana Abadi, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the office

of Registering Officer at S. R. Amritsar in Jan. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair marketh value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect, of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-59--276GI 84

(1) Smt. Parmeshwari Devi Wlo Sh. Mukand Lal Grover, Durgiana Abadi, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Rajesh Verma So Shri Ved Parkash, Gali Beli Ram, Katra Parja, Amritsar..

(Transferee)

- '(3) As at S. No. 3 overleaf & tenants the following. (Person in occupation of the property)
 - 1. Shri Vijay Kumar, Rs. 60|- p.m.
 - 2. Shri Ram Ditta Halwai, Rs. 50 p. m.
 - 3. Shri Sh. Kishan Chand, Rs. 38|- p. m.
 - 4. Sh. Puran Chand, Rs. 90 p. m.
- (4) Any. other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any o fthe aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice o nthe respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

TXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of property situated at Durgiana Abadi, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12431 dt. 25-1-84 of registering authority, Amritsar.

> B. S. DHILLON, IRS Competent Authoric Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsa:

Date: 13-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5639.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

situated at Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Muktsar in January, 1984 for an apparent consideration

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer 4.1th the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jaspal Singh Slo Hari Singh self and Mukhtiar-khas of Kartar Kaur widow and Sat Pal Singh Bhopinder Singh Mohinder Singh and Satpartap Singh Sslo Hari Singh Rlo Muktsar, Bhatinda Road.

(Transferor)

(2) Shri Chanan Singh Slo Sant Singh Clo Punjab Engineering Works, Bhatinda Road, Mukhtsar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the understand knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1 Kl. 3 Mls. situated at Muktsar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3148 of dated January 84 of the Registering Authority, Muktsar,

J. L. GIRDHAR

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5607 & 5608,--Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the 'Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jalandhar on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, of the following trsons, namely:—

 Shri Ashok Kumar Nahar S|o Pritam Chand, R|o Ali Mohalla, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Indermohan Kaur (Renu) Wo Kamal jit Signh Ro 26, Shaheed Udham Singh Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Persons and property as mentioned in the Registered Sale deed No. 6034 and 6062 of Jan. 84 of Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-9-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5609.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

and bearing NO.

situated at Jalandhar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908 in the office of the registering officer
at Jalandhar on January, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Manmohan Kalra Slo Partool Chand Kalra, Rlo WG-319, Islam Ganj, Jalandhar.

(Transferor

(2) Shrimati Shakti Bala Wo Kishan Kishore Sehgal, Ro 53, Uhdam Singh Nagar, Jalandhar.

(Transferee

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to interested in the propert

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this not in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whice ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova property, within 45 days from the date of the plication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as gi in that Chapter.

THE SCHEDULE

Persons and property as mentioned in the Registration deed No. 6050 of January, 84 of the Registering Authoral Jalandhar.

J. L. GIRD
Competent Author
Inspecting Assistant Commissioner of Income
Acquisition Range, Jal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person: namely:—

Date: 10-9-1984

(1) Shri Satnam Singh Slo' Raghubir Singh, Vill. Panchata. Teh. Phagwara.

(2) Shrimati Asha Duggal Wo Naresh Kumar,

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5610.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imm. vable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jalandhar in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Slo Ram Murti Duggal, Hadiabad, Phagwara. Chander Bala Wlo Jagdish Kumar Sio Ram Murti Duggal, Hadiabad. Phagwara.

(Transferees)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined a Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Persons and property as mentioned in the Registered Sale deed No. 6361 of January 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-9-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 10th September 1984

Ref. No. A.P. No. 5611.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mutate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Jasbir Singh Slo Shri Raghubir Singh, V & PO, Panchata, Teh: Phagwara.

(Transferor)

(2) Shrimati Radha Rani Wo Shri Ram Nurti Duggal, So Shri Ram Lal Duggal, Hadlabad; Shrimati Suraj Kanta Wo Shri Madan Gopal Duggal So Shri Ram Murti Duggal, Hadiabad, Phagwara.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understgned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the sain of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed no. 6362 of January, 84 of the Registering authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 10-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5612.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'naid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. as per schedule situated at Phagwara Sharki (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Surinder Kaur Wo Shri Lember Singh, Ro Jagpalpur Through: Shri Sucha Singh Slo Shri Sarwan Singh of Kultham Mukhtiare-am.

(Transferor)

(2) Shri Kewal Singh Slo Shri Bakhshish Singh, Rlo Jagpalpur, Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) As other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorpable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed no. 2308 of January, \$4 of the Registering authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalaudhar, the 11th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5613.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Phagwara Sharki (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Phagwara in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Sersion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Surinder Kaur Wlo Shri Lember Singh, Rlo Jagpalpur Through: Shri Sucha Singh Slo Shri Sarwan Singh of Kultham Mukhtiare-am.

(Transferor)

(2) Shri Kewal Singh Slo Shri Bakhshish Singh, Rlo Jagpalpur, Tch. Phagwara.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

Z 800Ve.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed no. 2440 of February, 84 of the Registering authority. Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5614.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Julandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

Jalandhar in January, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have roason to said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following петтопа, namely:-

Seal •

60-276GI|84

(1) Shri Maharaja Sukhjit Singh Sahib Bahadur So Maharaja Paramjit Singh Sahib Bahadur, Rlo Kapurthala, Through: G. Att. Pritpal Singh. (Transferor)

(2) Shrimati Beant Kaur Wo Shri Gurinder Kaur Do Shri Parminder Singh So Shri Tara Singh and Shri Kartar Singh So Shri Inder Singh, Vill. Aour, Distt. Jalandhar,

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed no. 6172 of January, 84 of the Registering authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 11-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5615.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No, as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jalan-ihar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proporty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds ethe apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Mohan Singh Lali Slo Shri Pakhar Singh, Rlo Nangal Shama, Now Parkash Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Singh Manhas Slo Shri Duman Singh Manhas, Rlo V. & P.O. Padiana, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed no. 6168 of January, 84 of the Registering authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-9-84

24047

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5616.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[-and bearing No.

as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Regiestring Officer at

Jalandhar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Mohan Singh Lali Slo Shri Pakhar Singh, Rlo Nangal Shama, Now Parkash Nagar, Jalandhar.

(Transferer)

(2) Shrimati Joginder Kaur Wo Shri Baldev Singh Minshas, Ro Padiana Distt. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed no. 6183 of January, 84 of the Registering authority, Jalandhar,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-9-84

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5617.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No. as per schedule situated at Jalandhar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Jalandhar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following prisons, namely:—

 Dr. Mohan Singh Lally Slo Shri Pakhar Singh Lally v. Nangal Shama, Now Parkash Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

 Shri Jagjit Singh Slo Shri Baldev Singh Minhas, V. & P.O., Padiana, Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed no. 6233 of January, 84 of the Registering authority, Jalandhar

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-to
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5618.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Jalandhar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely to

(1) Shri Naranjan Singh Slo Shri Chanda Singh, Rlo Mohalla: Bagh Baharian, Kapurthala Road, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Tehal Singh Slo Shri Bhola Singh, Mohalla Bagh Baharlan, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hervin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed no. 6049 of January, 84 of the Registering authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-9-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CUMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5619.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

 Shri Naranjan Singh S|o Shri Chanda Singh, R|o Mohalla: Bagh Baharian, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Swaran Kaur Wo Shri Tehal Singh, Moh. Bagh Baharian, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed no. 6100 of January, 84 of the Registering authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 12-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5620.-Whereas, L. J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

No. as per schedule situated at Bathinda (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhatinda in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Harnek Singh So Shri Hazara Singh, Vill. Virk Kalan, Bathinda.

(Transferor)

(2) Shri Hakam Singh and Shrì Prithi Singh Sslo Shri Harnek Singh, Vill. Banda Teh: Moga, Distt. Faridkot.

(3) As per S. No. 2 above.

(Transferee)

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale Deed No. 4241 of January, 84 of the Registering authority, Rathinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-9-84

Seal '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1984

Ref. No. A. P. No. \$621.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. as per schedule situated at Bathinda

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under registering Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bathinda in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the *ak? Act. to the following persons, namely:—

 Shri Hazara Singh So Shri Ram Singh, Vill. Virk Kalan, Bathinda.

(Transferor)

(2) Shri Hakam Singh and Shri Prithi Singh Ss|o Shri Harnek Singh, Vill, Bandan 'Ich: Moga, Distt. Faridkot.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed no. 4242 of January, 84 of the Registering authority, Bathinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-9-84

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAM ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5622.—Whereas, J. J. J. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. as per schedule situated at Bathinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been treadcreed under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhotinda in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been taily stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

61---276GI]84

 Shri Mangal Singh Slo Shri Gurcharan Singh, Vill. SIVIAN near NFL, Bathinda.

(Trapsfenor)

(2) Shri Lakha Singh and Shri Piara Singh Ss\o Shri Jallour Singh, Kothe KAMAKE, Sivian Road, Opp. NFL, Bathinda.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the gublication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 4330 of January, 84 of the Registering authority, Bathinda

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-9-84

Shri Kartar Singh and Shri Chanda Singh Selo Shri Deviditta, Vill. Mehta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrl Pritam Singh S|o Shri Chanda Singh, Vill. Mchta.

(Transferee) (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5623.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
as per schedule situated at Bhatinda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at

Bathinda in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arlsing from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 4357 of January, 84 of the Registering authority, Bathinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-9-84

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5624.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bathinda in January, 1984

For an apperent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (89 at 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Jang Singh S|o Shri Udei Singh, Vill. Kotshamir.

(Transferor)

(2) Shri Jugral Singh, Shri Sukhmander Singh Sso Shri Gurdev Singh, Shri Gurjant Singh Slo Shri Gurcharan Singh, Vill. Kotshumir.

(3) As per S. No. 2 above.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed no. 3987 of January, 84 of the Registering authority, Bathinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting esistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5625.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No. No. as per schedule situated at Bathinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in January 1984

In apparent consideration hich is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

 Shri Bhajan Singh, Shri Ajaib Singh Sslo Shri Mohna Singh, Vill. Kishanpura Kuti, Teh. & Distt. Bathinda.

(Transferor)

(2) Shri Uttam Singh,
Shri Jallour Singh,
Shri Bhoora Singh
Ss|o Shri Nikka Singh,
Vill. Kishanpura Kuti.,
Tehi & Distt. Bathinda.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed no 4011 of January, 84 of the Registering authority, Bathinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice and sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be ollowing persons, namely:—

Date: 13-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5626.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. as per schedule situated at Bathinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of he Registering Officer at

Bathinda in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 'I have tensor to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by infine than fifteen per cent of such apparent consideration of the property and that the consideration consideration of the property and that the consideration consideration can be such apparent. ensideration and that the consideration for such transleas agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assers which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Harmel Singh So Shri Roor Singh, Yill, & P.O. Sivian near NFL, Bathinda.

(Transferor)

(2) Shri Roop Singh S|o Kehar Singh, Vill. Kothe Kameke Opp. NFL, Bathinda.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

· (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date ct the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and may the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale decd No. 4077 of January, 84 of the Registering authority. Bathinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-9-84

FORM ITMS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5627.-Whereas, I.

J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Buthinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Bathinda in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian lucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Shamsher Singh So Shri Inder Singh, Vill. Jassipurewali, Tch. & Distt. Bathinda.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh, Shri Mandev Singh, Shri Sadhu Singh, Shri Hazoor Singh, Shri Sandoor Singh, Shri Gamdoor Singh Sslo Shri Gurbachan Singh, Shri Kirpal Singh So Ghuman Singh Shrimati Harbans Kaur Dlo Shri Kirpal Singh, Vill. Jassipurewali, Teh. & Distt. Bathinda.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed no, 4099 of January, 84 of the Registering authority, Bathinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-9-84

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5628.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bathinda

Bathinda in January, 1984

(and more fully described in the schedule anunexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office

of the Registering officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) taciltating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or onght to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

(1) Shri Gurcharan Singh So Shri Kahn Singh, Bathinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Mukhtiar Kaur Wlo Shri Ajaib Singh, Bathinda.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed no. 4123 of January, 84 of the Registering authority. Bathinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby nitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-9-84

FORM I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5629.—Whereas, I, J., L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Bathinda

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Bathinda in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belie is that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Gurdip Singh
 Sho Shri Kehar Singh,
 Vill. Bhatiwala,
 Teh. Anoopgarh,
 Distt. Sriganganagar
 Via Rai Singh Nayar (Rajasthan).

(Transferor)

(2) Shri Karnail Singh Pucca walla, Ex. MLA Slo Shri Harchand Singh, Opp. Debwali Transport Coy office Dabwali Road, Bathinda.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, withchever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed no. 4173 of January, 84 of the Registering authority. Bathinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-9-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5630.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Bathinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bathinda in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--62-276GI|84

(1) Shri Gamdoor Singh. Shri Binder Singh, Shri Angrej Singh, Shri Gurchet Singh. Shri Baldev Singh Sslo Shri Jallour Singh, Clo Gurunanak Cold Storage, Biblwala Chowk, Bathinda.

(Transferor)

(2) Shri Vasdev Sin Vasuev
Sio Shri Balmukand;
Shri Mohinder Singh
Sio Shri Isher Singh,
Cio S. R. Bathinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE *CHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 4192 of January, 84 of the Registering authority, Bathinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5631 —Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

No. as per schedule situated at Dhogri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jalandhar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsections (1) of Sevetion 269D of the said Act of the following persons, namely:—

 Shri Jiwan Singh Slo Shri Joga Singh, Rlo V. Kalra Tehsil Jalandhar Mukhtiar-am of Surrinder Singh Slo Shri Charan Singh and Shri Amarjit Singh Slo Smt. Harbans Kaur Rlo V. Dhogri Tehsil Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Sohan Singh Slo Bhagat Singh Rl o V. Dhogri, Tehsil Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No, 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and 27 Kls. 1 Ml. situated in V. Dhogri and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6340 of January, 84 of the registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-9-84

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5632.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

transfer with the object of :--

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Dhogri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer.

1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimati Surrinder Kaur, Smt. Devinder Kaur, Smt. Balwinder Kaur Ds|o Shri Harbans Kaur, R|o V. Dhogri Teh. Jalandhar through Mukhtiar-am Sohan Singh.

(Transferor)

(2) Shrimati Gurdial Kaur Wlo Shri Sohan Singh, Rlo V. Dhogrl Tehsil Jalandhar,

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 40 Kls. 11|2 Mls. situated in V. Dhogri and persons as mentioned in the registered sale deed No. 6238 of January. 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5633.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jalandhar in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harmandir Singh Slo Shri Gian Singh, Rlo 224-R, Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Sarita Kumari Wo Shri Surinder Kumar, Ro 216 Model Town, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable projectly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1|2 Kothi No. 224-R, Model Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5960 of January, 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 13-9-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th September 1984

Ref. No. A. P. No. 5634.—Whereas, J. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Julandhar in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shrimati Rajbans Kaur Wlo Gurmeet Singh Slo Naginder Singh, Rlo Kot Kapura through Sudersban Lai and Bhim S. Mukhtiar-am.

(Transferor)

(2) Shrimati Kamlesh Devi wlo Shri Ram Sarup and Shri Bhag Devi Wlo Shri Dev Parkash, Rlo Kot Kapura, Dist. Faridkot.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property M-14 (K14) Maraba No. 216 Qilla No. 2 (1-00) situated in Kot Kapura and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4267 of January, 84 of the Registering Authority, Faridkot,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 13-9-84

(1) Shri K. Satyanarayana Reddy S|o B. Kuntlu Reddy, Jigani Village, Anekal Taluk.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereif are defined in Chapter XXA of the said

in that Chapter.

Act, shall have the same meaning as given

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M|s. Manjog Builders, No. 76, K. H. Road, Bangalore-27.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 6th September 1984

C.R. No. 62|42316|83-84|ACQ|B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Sy. No. 155 situated at Jigani Village, Jigani, Hobli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anekal with the competent authority under Section 269AB, in his office at under document No. 1617|33-84 on 13-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent considerations and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1617[83-84 Dated 13-1-84) All that property bearing No. Sy. No. 155 situated at Jigani Village, Jigani, Hobil.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560002, the 4th September 1984

C.R. No. 62|42312|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, C.R. No. 62/42312/85-84/ACQ/B.—wnereas, 1,
R. BHARDWAI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

4(b), New No. 3, situated at 11th Main, R.M.V. Extension,

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office with the competent authority under Section 269AB, in his

office at Gandhinagar on 2-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid and the same and the sa said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Lt. Col. C. H. Rama Naik, Military Hospital, Khadakyasla, Poona.

(Transferee)

(2) Shri C. Ligory, No. 22|1, 11th Main Road, Vasanthanagar, Bangalore-52.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3068|83-84 Dated 2-1-84) Property bearing No. 4(b), New No. 3, situated at Raj-mahal Vilas Extension, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-9-1984

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
BANGALORF-560001

Bangalore-560001, the 3rd September 1984

C.R. No. 62|42369|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing

No. 9 & 10 situated at Arcot Scinivasachar Street, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar with the competent authority under Section 269AB, in the office at under document No. 60/83-84 on 23-1-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Hastimal Slo Saremal, Arcot Srinivspachar Street, Bangalore,

Transferee(s)

 Smt. Kamala Devi Wlo Deepchand, Arcot Srinivasachar Street, Bangalore.

Transferor(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 60|83-84

Dated 23-1-84)

All that property bearing No. 9 & 10, situated at Arcot Srinivasachar Street, Bangalore City.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri N. Sathyamurthy and Shri S. Venkatesh Vikram, 30, Commercial Street, Bangalore.

Transferor(8)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. K. Radhabai & others, 549, Garutman Park, Bangalore.

Transferee(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560002, the 4th September 1984

C.R. No. 62|42322|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inninovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 30, situated at Commercial Street, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivaji Nagar with the competent authority under Section 269AB, in his office at under document No. 192|83-84 dt. on 27-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovsble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 192|84-85 Dated 27-1-84)
Property bearing No. 30 Commercial Street, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons. namely:—63—276GI|84

Date: 4-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 6th September 1984.

C.R. No. 62|42317|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner Income tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing
Survey Nos. 142[1, 156 and 158
situated at Jigani Village, Jagani, Hobli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anekal under Document No. 1618 Dt. 13-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. K. Viswanatha Reddy So B. Kunthu Reddy, Jigani Village, Anekal Taluk,

(Transferor)

(2) M/s. Man-Jog Builders, No. 76, K. H. Road, Bangalore-560027.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1618|83-84 Dated 13-1-1984)
Property Survey No. 142|1—6 Guntas, Survey No. 156—3 Acres 14 Guntas, Survey No. 158—2 Acres 19 Guntas of Jigani Village, Jigani, Hobil.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 31st August 1984

C.R. No. 62|42370|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. S. 572 & 573 (92) situated at O.T.C. Road, Chickpet, Bangalore

Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 25-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any images arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Secvition 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Sh. A. K. Rakheja & No. 1389, 28th Main 'A' Cross, IX Block East, Jayanagar, Bangalore-69.

(Transferor)

(2) Smt. A. K. Rakheja & Shri N. K. Rakheja No. 32-4, 14th Main, III Block, Rajajinagar, Bangalore-10 Co Mr. Shanmukhiah & Mr. Pandurang, Sharda Market, C.T. Street, Bangalore-2.

(Fransferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3218|83-84 : Dated 25-1-84)

Property bearing No. 572 & 573, situated at O.T.C. Road, Chickpet, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Bangaloro

Date ::31-8-1984

(1) Shri V. S. Baluram, 93|7, South End Road, Bangalore-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Manjula Murthy and Shri K. R. Krishna Murthy, No. 10|01, II Cross, Chikkanna Gardens, Bangalore-18.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 31st August 1984

C.R. No. 62|42295|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|bearing 669 12 (669), situated at Banastankari I Stage, Bangalore Basavanagudi on 6-1-1984 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at with the competent Authority under Section 269AB, in his office at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever periód expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3815|83-84 Dated 6-1-84) Property bearing No. 669 12 (669), situated at Banashankari I Stage, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following dersons, namely :--

Date: 31-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore, the 5th September 1984

C.R. No. 62|42396|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

12|2 situated at Bachammal Road, Eraser Town, Bangalore Shivajinagar with the competent Authority under Section 269AB, in his office at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Office at under Document No. 2772 83-84 on 20-1-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby laitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mrs. Sharda,
 Nandidurg Road Extension,
 Bangalore.

Transferor(s)

(2) Mr. Ravi Raju, 37|7 Meenu Avenue Road, Bangalore.

Transferco(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2772 83-84 Dated 20-1-84)
Vacant site No. 12 2 Bachammal Road, Fraser Town,
Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Bangalore.

Date ::31-8-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560002, the 4th September 1984

No. 62|42825|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing Old No. 155 (New No. 11) situated at Arcot Srinivasachar' Street, 17th Division, Bangalore City (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar under Document No. 77,83-84 on 23-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by grown than affects are consideration. therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

"Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following ing persons, namely :-

(1) Shri Hastimal So Saramal Arcot Srinivasachar Street, Bangalore City.

(2) Shri Dinethkimar D. Jan So Sri Deep Charid Arcot Srinivasachar Street, Bangalore City.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 77|83-84 Dated 23-1-84)
All that property bearing No. old No. 155, New No. 11
situated at Arcot Sreenivasachar Street, 17th Division, Bangalore City.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-9-1984 Seal:

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 17th August 1984

C.R. No. 62|42368|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|, and bearing.

463(E) situated at Rajmahal Vikas Extension, Bangalore (and more fully described in the Schedule anexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registerating Officer at Gandhinagar under Document No. 3376|83-84 on 19-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said (astrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tramsferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) I. Vasanthi Rajashekar Wo Late H. A. Rajashekar 2. Ashwin R. Pallegar and

3. Sanjay R. Pallegar,
No. 3, Rep. by
Guardian Vasarthi Rajashekar (Mother)
"Sumukha" Mirza Road, Nazar Road,
Mysore-10.

Transferor(s)

(2) Mrs. Sumathi Guruprasad
Do Late Sr Rr P Shivanni,
Ro Belur Estate Belur P.O.
Somavarpet Taluk, North Coorg Dist.
Bangalote.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3376|83-84 Dated 19-1-1984)
All the part and parcel of the land site bearing Municipal
No. 463 (E) in Rajmahal Vilas Extension, Hangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 17-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 31st August 1984

C.R. No. 62|42412|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

30|1, situated at Cross Road of Grant Road, Bangalore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 9-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason at believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sad Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. V. Seethamma & another, No. 30, Grant Road, Bangalore.

Transferor(s)

(2) M|s. Farah Builders (P) Ltd., & Others, No. 83, M. G. Road, Bangalore.

Transferor(s)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- 'b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2896|83-84 Dated 9-2-84)
Property bearing No. 30|1, situated at Cross Road of
Grant Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date ::31-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd September 1984

C.R. 62|795|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot No. 1706 situated at Nagasettikop, Mehaboobnagar near Adarsh Nagar, Hubli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Hubli under Document No. 2642|83-84 on 16-1-1984 for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—64—276GI|84

 Shri Pratap S|o Laddubai Thakkar Through P. A. Holder Sri Chotelal s|o Sri Laddubai Thakkar, Deshpandenagar, Hubli.

Transferor(s)

(2) Smt. Jaswanthi who Gangadas Goradia, Jaichamarajnagar, Rajnagar, Annigeri Building, Hubli.

Transferec(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2642|83-84 Dated 16-1-84)
All that property bearing No. 1706 situated at Nagarshettikop Mehaboobnagar near Adarshnagar, Hubli.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 3-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. M. B. Sharadamma wo Sri M. Basappa (late) No. 59, VIII-F Main III Block, Jayanagar, Bangalore-II.

(Transferor)

(2) M|s. Hasthi Builders (P) Ltd. represented by Managing Director Sri Hasthimal Jain, No. B-8, I floor, Unity Bldgs, J. C. Road, Bangalore

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 12th August 1984

Ref. No. C.R. No. 62|41348|83-84|Acq|B|.—Whereas, I, I R. BHARADWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing.

No. Old No. 513, New No. 1094 situated at O.T.C. Road, Ulsoorpet, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Gandhinagar under document No. 3019 83-84 on 31-1-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3019|83-84 dated 31-1-84.) All that property bearing old No. 513 New No. 1094 situated at O.T.C., Road, Ulsoorpet Bangalore.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-9-84

Scal:

(1) Shri S. D. Mulherkar 2. Smt. Sheela Sharad Mulherkar 3. Sri Sashi Sharad Mulherkar. 4. Sri Shirish Sharad Mulherkar. No. 427, III Block, Koramangala layout, B'lore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. Philip Raju 2. Mrs. Molly Raju Philip, No. 138, Indira Nagar, Blore-38.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGAOORE-560 001

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bangalore, the 15th September 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Reference No. C.R. No. 62|42318|83-84|ACQ|B,--Whereas, I R, BHARADWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 427, situated at III Cross, 16 Main, Koramangala Layout III Block, B'lore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at B'lore South Tq. on 11-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Dability of the transferor to pay tax under the seld Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Registered Document No. 6890|83-84 dated 11-1-1984 Property bearing No. 427, situated at 11 Cross, 16 th Main, Koramangala Layout, III Block, Bangalore-34.

R. BHARADWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-9-1984

(1) Sri Albert Alexander Masilamani, 4, West Range, P.S. Banya Pukui, Calcutta, PIN.700 017.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Arvind Philip Masilamani, No. 7, II Cross St., Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 15th September 1984

Ref. No. 120|Jan.84|R.II.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Egmore Village, R. S. No. 74 and 75

situated at Egmore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Madras South (Doc. No. 38 84)

in January 1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereing as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building:—At Egmore Village—R.S. No. 74 and 75. 2 grounds Madras South. Doc. No. 38/84.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras

Date: 15-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 24th August 1984

Ref. No. 2|Jan|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000; and bearing

Door No. 29, Errababu Chetty St. Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

K. M. Abdul Khader,
 K. M. Badrudeen, Sons of S. M. Kutbudeen
 & Mrs. Najma, Wife of K. M. Abdul Khader,
 Moore St., Madras-1.

(Transferor)

(2) M|s. Ramant Exports (P) Ltd., 17|18, Errabalu Chetty St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires tater;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 29, Errabalu Chetty St., Ground Floor and 1st Floor and 2|3 Undivided share.

Document No. 57|84.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Date: 24-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Medras-600 006, the 24th August 1984

Ref. No. 3|Jan|84.—Whereas, I PREMA MALNII VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. 29, Errablu Chetty St., Madras-1 situated at Madras—Document No. 58|84 (and more fully described in the schedule sunexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR.1 Madras North—Document No. 58|84 on Jan '84

on Jan '84
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957):

(1) Mr. K. M. Abdul Khadir & 2. K. M. Badruddeen, Sons of S. M. K. Kuthupudeen and Mrs. Najma, wife of K. A. Abdul Khadir, 69, Moore St., Madras-1.

(Transferor)

4(2) M|s. Krislar Diesel Engines P. Ltd., 55, New Avadi Road, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: No. 29, Errabalu Chetty St., Madras-1, Document No. 58|84.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 24-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 24th August 1984

Ref. No. 9|JAN|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have ceason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 38 (old 67|68) Erusuppa Maistry Street, Madras-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sowcarpet—Document No. 34|84 on Jan '84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ramchand Gianchand Mahtani & Ramesh Ramchand Mahtani Flat No. 66, Anand Building, Casa Major Road, Madras-8.

(Transferor)

(2) Arif S. Zinna, 14, East St., Kilpauk Garden Colony, Madras-10. Salim S. Zinna, 21, Outer Circular Road, Kilpauk Garden Colony, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expirer later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the taid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: No. 38, (old 67|68) Erusappa Maistry St., Madras-3. Document No. 34|84.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras

Date: 24-8-84

FORM I'INS-

(1) Shri G. S. Sachdev, 29, Kasturi Ranga Iyengar Road, Madrus-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. M. K. Balasubramaniam, C-22, Anna Nagar, Madras.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

whichever period expires later;

Gazette.

Madras-600 006, the 24th August 1984

Ref. No. 20|Jan|84.--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No. Plot No. 1199, Anna Nagar situated at Madras (and proper [41]), described in the Schedule appared bereto.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Annanagar Doc. No. 63/84 on Jan 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemore

said exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

in that Chapter.

Act, shall have the same meaning as given

(b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land Plot No. 1199, Anna Nagar, Madras Doc. No. 63|84. 84.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

Daet: 24-8-84 on JAN '84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras, the 19th August 1984

Ref. No. 22|Jan|84.-Whereas, I. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Plot No. 2702, Naduvakkarai Village situated at T. S. No. 86, Block No. 9B (Document No. 116/84)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Anna Nagar (Document No. 116/84) on Jan 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-65 -276GI|84

(1) S. Viswanathan,

Slo Swamy Nayakar, 45, Mosque Garden, Zones Road,

(Transferor)

Saidapet, Madras-15.

(2) S. Thirapathy, 55, 5th St., Nethaji Nagar, Tondiarpet, Madras-81.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant house Site: Plot No. 2702, Naduvakkarai Village, T.S. No. 86, Block No. 9B, Amanagar. Document No. 116|84.

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006.

Date 19-8-1984

Seal '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri K. K. Parthasarathy, 39, 'B' Block, A. A. Nagar, Madras 102.

(Transferor)

(2) Juliet Asokaraja, Wo N. A. Karseem, 25, Rathinasabapathy Road, Madras-21.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras, the 1st September 1984

Ref. No. 23[1[84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. 54, Door No. 39, B Block, situated at Arignar Anna Negar, Madras-102. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer

at S.R. Anna Nagar (Document No. 117/83) on Jan 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(D) recilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pecsons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: No. 39, 'B' Block, Anna Nagar, Madras-102. Document No. 117/84.

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006.

Date: 1-9-1984. Seal !

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri M. Simon Jacob, Plot No. 3946, S. 65, Anna Nagar, Madras.

(Transferor)

 Mrs. M. K. Kala, No. 3, Shanmugha Mudali St., Royapettah, Madras.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 21st August 1984

Ref. No. 25|Jan|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 3946 65, Anna Nagar, situated at Madras-40. (and more fully described in the Schedule annexted hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Anna Nagar (140 84) on Jan 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limit limit of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Plot No. 3946|S. 65, Anna Nagar, Madras-40.

Doc. No. 140|84

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006,

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons. namely:—

Date: 21-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st September 1984

Ref. No. 30/1/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Plot No. 432, Anna Nagar, Madras situated at Madras
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer
at S.R. Anna Nagar (Document No. 271 84) on Jan., 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. G. Narayanesamy, Plot No. 577, Anna Nagar, Madras-40. (Transferor)

(2) Santhi Devi, E-51-A, Annanagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as

are defined in Chapter XXA of the said

Act, and shall have the same meaning as

given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land: Plot No. 432, Anna Nagar, Madras-40 Document No. 271[84.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 1-9-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INGOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th September 1984

Rcf. No. 32|JAN|84.--Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

165|880 undivided share in the land in Casa Major Road. Madras-10 R.S. No. 479|6 Egnore, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Periamet (Doc. No. 6|84) on Jan 1984

has been transferred in the Office of the Registering Officer at S.R. Periamet (Doc. No. 6|84) on Jan., 1984.

for an apparent consideration which is less than the Yair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Shahama Real Estates, 112, Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) Shri Sayced A. Rasheed and S. Abdul Rasheed. 201, Casa Mejor Road, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building: 165|880 undivided share in the land in Casa Major Street, Egnore, Madras. (Doc. No. 6|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 13-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1984

Ref. No. 42/JAN/84.---Whereas, I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

T.S. 2804 Ward 3 Corporation Ward 57, situated at Madures (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at J.S.R. I|Madurai (Document No. 280|84) and 282|84 on Jan., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri A. K. Subraman, 20, Pookkara Lane, South Veli St., Madurai.

(Transferor)

 Smt. M. Amirtha Velli, No. 8, Ananda Bairavi Pillai Lanc, Anuppanadi, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persone, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: T.S. No. 2804, South Veli St., Pookkara Lane, Mel Saragam, Door No. 20, Madurai, (Document No. 280|84 and 282|84).,

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 10-9-1984.

Scal:

FORM ITNS----

(1) Shri Senkodan, Slo Chinnappa Gounder, Anunar Koil St., Namakkal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ponnuswamy, So Chinna Gounder, 48, Main Road Kottai, Namakkal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th September 1984

Ref. No. 44|JAN|84.--Whereas, I. PREMA MALÍNI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Survey No. 109|6 at Namakkal situated at Namakkal and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office at J.S.R. Namakkal (Document No. 75/84 and 87/84) of the Registering Officer at J.S.R. Namakkal (Document No. 1908). 75]84 and 87]84) on Jan 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given if that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Survey No. 109/6, Namakkal Village (Document Nos. 75 and 87[84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followout a isons, namely :---

Seal:

Date: 11-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-T.AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1984

Ref. No. 47|JAN|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

T.S. No. 3|3, Ward 'N' B-Block No. 38 situated at Ammapet Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at S.R. Salem East (Doc. No. 151[84) on Jan., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Venkattan, S|o Shri Perumal Naicker, Ammapet, Salem.

(Transferor)

(2) Shri Muniyappan, 23 Tiagi Natesa Mudal St., No. 3, Ammapet, Salem-3.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land: T.S. No. 3|3 Ward 'N' Block No. 38 Ammapet, Salem. Document No. 151|84.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1 Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th August 1984

Ref. No. 50|JAN|84.—Whereas, I, PRFMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 3, Karkona Sivanar Chetty St., situated at Salem rand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at S.R. Tadagapatty (Document No. 179|84 on Jan., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

66—276 GI|84

 C. Rangaswamy, Slo K. R. V. T. Sendraya Chettiar, No. 3|Door No. 37, Kargana Sivanar St., Salem Town (Guhai).

(Transferor)

(2) Shri S. R. Rajagopala Chettiar, Ganga Sarees, 26, Pullikkuthi Main Road, Salem Town.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: No. 3, Karkana Sivenar Chetty St., Old D.S. No. 1008 Ward H. Block 35 D.S. No. 62, 63. (Document No. 179/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 18-8-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th September 1984

Rcf. No. 51|JAN|84.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Plot No. \hat{C} . 124, Tirunagar, situated at Tirupparankundram. Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Tirupparankundram (Doc. No. 50|84) on Jan., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. C. Avudaithaiammal, 45, Big Sar St., Tirupparankundram.

(Transferor)

(2) Shri A. Alagariswamy, 127, Shelley Avenue, Manor Park, London-E, 12.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Biulding: Plot No. C-124, Thirunagar, Tirupparamkundram. (Doc. No. 50/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Madras-600 006

Date: 4-9-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th September 1984

Ref. No. 52|Jan|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Door No. 4[45A, SC No. 92 situated at Maniyanoor Village, Namakkal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Nallur (Document No. 28|84) on Jan 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri K. Ramaswamy, Slo Kalianna Gounder and others Ulaga Palayam, Maniyanoor Village, Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Shri Uruma Gounder & Others S|o Sengoda Gounder Maniyanoor Village, Kandam Palayam Namallal Taluk, Şalem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : 4|45-A, S. C. No. 92, Namakkal R. D. Nallur Sub Division. S. ϵ 65.4

(Document No. 28|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Date: 4-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th September 1984

Ref. No. 53|Jan|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land etc. at Veppatti Palakkadu situated at Village, Aathur Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Gangavalli (Document No. 55|84) on JAN 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sala Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Shri Athiyappan,
 S|o Paramasiva Gounder,
 Kattukkottai, Aathur Taluk Manjini (P.O.)
 Salem Dist.
- (2) Shri M. Thangavel, So Muthuswamy Gouder, Veppatti Palakkaadu Kattukkottai, Aathur Taluk, Salem.

(Transferec)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: No. 64, S. No. 67/2 S. No. 65, Land at Veppatti Palakkadu Village, Aathur Taluk, Salem Dist. (Document No. 55/84).

PREMA MALINI VASAN
Acquisition Range-I
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Date: 4-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th September 1984

Ref. No. 63 JAN 84.—Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Land and building situated at Door No. 38, T. S. No. 2026[2A New Survey No. 77]1, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. t Selem (Document No. 62[84) on Jan 1984 for an apparent consideration which is less than the fair product value of the officer in apparent consideration apparent which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ()1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri R. Rangamannar,
 Sjo N. P. Rajamanickkam Chettiar,
 Dr. Subbarayan Road, Sale-1.

(Transferor)

(2) S. Natesan Chettiar and others, S|o Sivarama Chettiar,3-A. Venkatrama Naicker St., Sevvappettai, Salem Town

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (2) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30' days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 38, T. S. No. 2026 2A, New Survey No. 77 1, Salem.

(Document No. 62[84).

PREMA MALINI VASAN
Acquisition Range-I
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Date: 4-9-1984

FORM ITNS .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th September 1984

Ref. No. 64|JAN|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000; and bearing No.

Land at Killiyur Village, Yercad Taluk situated at Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I. (Salem (Document No. 74/84) on January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Smt. M. Muthra Devi W|o M. V. Prasath, 76, New Fare Lands, Salem-4.

(2) Shri Prabhuvel
S|o Singaravel,
2, Poovathudayar Street,
Ammapet, Salem-3.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : Killiyur Village, Yercad Taluk, Salem Dist.

PREMA MALINI VASAN Acquisition Range-I, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-9-1984

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S at. M. Mutha Devi Wo M. V. Prasath, 76, Fare Lands, Salem-4.

(2) Shri V. Subramani Slo Valivel Udayar, 2, Poovathudayar Street, Ammapet, Salem-3. (Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th September 1984

Ref. No. 65|JAN|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land at Killiyur Village, Yercad Taluk situated at Salem (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.L.|Salem (Document No. 75|84) on January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazerte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land: at S. No. 14 K and 14 4, Killiyur Village Yercad, Solem

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th September 1984

Ref. No. 66 JAN 84. Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

S. No. 14|6 and 14|7 and 14|1B situated at Kiliyur Village, Yercad, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I. Salem (Document No. 74/84) on January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. M. Muthra Devi Wio M. V. Prasath, 76, New Fare Lands, Salem-4.

(Transferor)

- (2) Shri V. Arunachalam Slo Vidivel Udayar,
- 38, Poovathudayar Street, Ammapet, Salem-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter ANA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: S. No. 14/6, 14/7, 14/1B, Killiyur Village, Yercad. Salem.

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600006

Date: 4-9-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th September 1984

Ref. No. 67|JAN|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing Land at Killiyur Village, S. No. 14|3, 14|1A, 14|2, situated at Salem

at Salem (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I. Salem (Document No. 74/84) on January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liftern percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
67—276 GI[84]

(1) Srnt. M. Muthura Devi Wo M. V Prasath, 76, Killiyur Lands Salem 4.

(Transferor)

 Smt. S. Bagyam Dlo V. Singara Vel.
 Poovathudayar Street, Ammapet, Salem-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: S. No. 14/3, 14/1A, 14/2 Killiyur, Yercad, Salem.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Madras-600006

Date: 4-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. M. Muthura Devi Wo M. V. Prasath, 76, New Fair Lands, Salem-4.

(Transferor)

 Thiru V. Singaravel S|o Vadivel Udayar,
 Poovathudayar Street,
 Ammapet, Salem-3.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE-III
AGGARWAL BHAWAN NEAR BROADWAY HOTEL
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th September 1984

Ref. No. 68|JAN|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority, under Section 269D of the Inconse-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 14|18, 41|4, Killiyur Village, Salem (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I. Salem (Document No. 78|84) on Jan. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly atsted in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land: at No. 14|1B, 41|4, Killiyur Village, Yercad, Salem.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

PREMA MAI,INI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-9-1984

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

GFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600006

Madras-600006, the 24th August 1984

Ref. No. 70|JAN|84.—Whereas. I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Vacant Lands bearing S. No. 266/2 etc. at Malekottai Village (and more fully described in the Schedule annxed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

S.R. Thirumanglam, Madurai Dist. (Document No. 11₁84) on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faculitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri D. Singaravel and Shri D. Manohar Raj Sons of M. Dhanasekara Pandian, 21-A, Kamala Second Street, China Chokki Kulam, Madurai.

(Transferor)

(2) Director P. T. Krishnamoorthy Slo Shri Thirumal Nadar, No. 11, Venkalakkadai St., Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPTANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land: Survey No. 266|2 etc. Melakottai Village.
(Document No. 11|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-f.
Madras-690006

Date: 24-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th September 1984

Ref. No. 71 JAN 84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Survey No. 67/3 etc. Periyakulam Village situated at Sendamangalam S.R. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Sendamangalam (Document No. 92|84) on Jan. 1984 an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trainfee with objects of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby entitute proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

and the state of the second control of the control of the second of the (1) Smt. Vasantha W.o Shri Sundaram, Grandhipuram, Namakkal Taluk, Sendamangalam.

Transferor(s)

(2) Sri Murugan Sio Varadharaj Naidu, Gandhipuram Kottai, Sendamangalam.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any c1 the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Wet Lands: Survey No. 67/3 etc. Periyakulam Village Scuthamangalam.

(Document No. 92|84)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-J, Madras-600006

Trate: 4-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE SECTION TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th September 1984

Ref. No. 72|JAN|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Survey No. 1679,4085 Uand and building situated at Agastheeswaram Toluk, Vadeeswaram Village, Meenakshipuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

JSR. I Nagersoil (Document No. Item No. 16) on Jan. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesoid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1827 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of foresaid atoperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said, Act, to the following persons namely:—

 Shri Anantha Narayanan & Shri A. Krishna Iyer
 No. 19, Visveswaram Big, Street, Nagersoil Post.

Transferor(s)

(2) Smt. Lalitha Bai, Meenakshipuram, Nagersoil Post.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Survey No. 1679|4085, Meenakshipuram, Vadeeswaram Village, Agastteswaram Taluk, Nagersoil post.

(Item No. 16)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Date: 4-9-1984

FORM ITNS (1) Smt. Mary Ammal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th September 1984

Ref. No. 76 JAN 84.—Whereas, 1, PRIMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. S. No. 381 1, Narayammatipuram Village No. 249, 250 buildings situated at Naranammalpuram (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. If I irunelvely (Document 156 84) on Jan. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, J hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mary Ammal Who P. James Ochan, 272-C, Narayana Nagar, Sankar Nagar.

(Transferor)

(2) A. Sithrai Sjo Alagappa Thevar, Narimedu, 44, P.T. Rajan Road, Madurai.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: S. No. 381|1, Narayanammal Puram Village.

(Document No. 156|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Unite: 4-9-1984

and the company of the control of th

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Saroja Chi, 14, Pandiya Velalar, 2nd Lane, Madurai.

(Transferor)

(2) Smt. Meyammai Achi, H.I.G. 38, A. A. Nagar, Madurai.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th September 1984

Ref. No. 78|JAN|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

heins the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 58, H.I.G. A.A. Nagar, Sathamangalam, situated at Madurai and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Tallakulam (Document No. 20/84) on Jan. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: No. 38, A. A. Nagar, H.I.G. Sathamangalam Village. Madurai North Taluk. Madurai.

(Document No. 20[84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Date : 4-9-1984

Scal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madrus-600006, the 10th September 1984

Ref. No. 80|JAN|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 173 1B Tallakulam Village, Madurai situated at Madurai
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
S.R. Tallakulam (85 84) on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- Shri M. A. Subbuswami, Trustee, No. 9, Tamii Sangam Road, Madurai.
- (2) Shri S. Muthu Slo Sevan, 37, North Veli St., Madurai.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Re Survey No. 173/1B, Tallakulam, Madurai North Taluk, Madurai. (Document No. 85/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Madras-600006

Date: 10-9-1984 Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 4th September 1984

Ref. No. 81|JAN|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land in Sirumalai Village situated at Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. II|Dindigul (Document No. 26|84 and 25|84) on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
68—276 G1|84

 Shri R. Dhanashkodi, S|o Rengaswamy Nadar, Door No. 17, Angara Naidu Street, Madurai Town.

(Transferor)

(2) Shri K. K. Kurunthachalam, S|o Kuppuswamy, No. 2-F, Udumalai Road, Tharapuram, Periyar Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the late of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Potta No. 648 Survey No. 8571|1-E. Sirumalai Village, Dindigul.
(Document No. 26|84 and 25|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authory
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date: 4-9-1984

FORM ITNS—

(1) Madurai Coats Limited, Jew Jail Road, Madurai-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) National Council of Young Men's Christian Associations of India, Bharat Yuyak Bhavan, 1, Jai Singh Road, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 13th September 1984

Ref. No. 82|Jan|84.-Whereas, I PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter refer to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 347, Beach Road, 7th Ward, Tuticorin

situated at Tuticorin (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Tuticorin (Doc. No. 36/84) on Jan 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agree dto between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: North Beach Road, Part of No. 247, T.S. No. 540|1 Part Ward No. Block No. 5 (Document No. 36|84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madra

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-9-84

FORM ITNS----

 Shri Perumal and Others, Malla Samuthrem Keel Mugam Tiruchengodu, Salem.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri K. Arumugam & others, Malla Samuthram Keel Mugam Village, Tiruchengodu, Salem.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CUMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 4th September 1984

Ref. No. 83|Jan|84.—Whereas, I PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Lands at Keelmugam Village, Malla

situated at Samuthram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at

S.R. Malla Samudram (Document No. 9/84) on Jan '84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (u) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Lands: At Survey No. 305[8; 305]10; 305[4; Keel Mugam Village, Mtdia Samudram Salem (Doc. No. 9]84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-ta:
Acquisition Range-I, Madra

Now, therefore in putsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4 9-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 4th September 1984

Ref. No. 84]Jan|84.—Whereas, I PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land and Building in Ward

transfer with the object of :-

Madurai 3, Block No. 12, T.S. 772 1, T.S. 774, 772 2, 774 213

situated at Dist. Modurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I., Palani (Doc. No. 79|84) on Jan '84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri T. C. Ramakrishnan, Slo P. T. Sinnaswamy, Lakshmipuram, Palani, Madurai Dist.

(Transferor)

(2) Shri J. Prema Sekaran and others, Big Bazaar St., Palani Town, Madurai Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Ward No. 3, Block No. 12 T.S. 772[1, T.S. 774; 772[2; 774]2B Madura Dist. (Document No. 79[84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tex
Acquisition Range-I, Madras

Date: 4-9-84

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Periyammal, D|o Lakshmanan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. M. Kalimuthammal, D|o Kuruswamy Konar Meesal Taluk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 24th August 1984

Ref. No. 85|Jan|84.-Whereas, I PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

No Land and Building No. 19, 2nd St., situated at Sivakangai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

nas been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. PARAMAKKUDI (Doc. No. 133/84) on Jan '84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearant consideration therefor by more than of the property of said exceeds the apparent consideration interest by more than infiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: No. 19, Second St., Sivakangai Ramanad Dist. (Doc. No. 133 84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 24-8-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Harita Bearings (P) Ltd., 106, IV St., Abhiramapuram, Madras-18. (Transferor)

(2) Indian Motorcycles (P) Ltd., Jayalakshmi Estate, 5th Floor, 8, Haddows Road, Madras-6

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 18th August 1984

Ref. No. 86|Jun|84.-Whereas, I PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a ten are bearing No.

No. Motham Agraharam Village,
situated at Mukundapalli Panchayat, Hosur, Dharamapuri
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

office of the Registering Officer at Dist. at S.R. Hosur (Document No. 73 84) on Jan' 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry Lands: Survey No. 48/2 etc. Motham Agraharam Village, Mukundapalli Panchayat, Hosur Panchayat Union, Hosur Taluk, Dharamapuri Dist. (Document No. 73/84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 18-8-84

PART III-SBC. 11

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri N. S. Baskaran, Slo. NPSN Sankaralinga Nadar, 220, Chinnakkadai St., Mudurai.

(Transferor)

(2) The National Paper Caps Factory, Sivakasi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madrus-600 006, the 4th September 84

Ref. No. 89|JAN|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land in Sivakasi Village situated at Survey No. 365, 366, 367 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer S.K. SIVAKASI (Document No. 31|84) on JAN' 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective регволя, whichever period expires later;
 - (b) by any of the aforesaid persons within a period able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Survey No. 365, 366 and 367 in Sivakasi (Document No. 31|84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 4-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madrus-600 006, the 4th September 84

Ref. No. 97|JAN|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 359|2A, Courtalam Township, situated at Tenkasi S.R.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer J.S.R.II Madras Noth (Document No. 7/84) on Jan 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Rani Meyyammai Achi of Chettinad, Chettinad House, Rajah Annamali, Trust Puram, Madras-28

(Transferor)

(2) Indo French Laboratories P. Ltd., 19, III Main Road, Ramnagar, Nanganallur Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land: R.S. No. 359 1A and 359 2A, Measuring about 1.12 acres in Courtalam Township, Tenkasi Sub. Registration Dist.

(Dcoument No. 7|84)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Madras-600 006

Date: 4-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 4th September 84

Ref. No. 54|JAN|84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. Survey No. 2120|Old Door No. 7|1495 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S.R. Dindigul-12|84 on JAN 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which exact to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) and said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—69—276GI84

(1) R. Sivaraman, So. Rathinaswany Nadar, Thenkarai, Periyakulam.

(Transferor)

(2) Smt. R. Ruckmani and others,
 Wo. Ramakrishnan,
 255|11, L.F. Road, Kambam,
 Uthampalayam Taluk, Madural Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands Thevathanappatti Village Survey No. 2120-Dry lands Acre 1 and 18 cents-Old door No. 7|1495 New Door No. 73 Ward-12. Document No. 12|84

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 4-9-1984

 Shri Tirath Ram Kapur & Son (HUF) clo. T. R. Kapur & Co., 754, Chabiganj, Kashmere Gate, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. N. Agarwal & Son (HUF), 603, Asha Deep Apartments, 9, Hailey Road, New Delhl.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|1-84|520.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 603, Asha Deep Aptts, Hailey Road, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4. Halley Road, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 414A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|1-84|521.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. C-30, Pushpanjli, Brijwasan, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer IAC Acq. Range-I, on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Ansal Properties & Industries, (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Smt. Renu Puri wo Sh. Satinder Puri, 2-C-30, in Pushpanjali at Bijwasan Village, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used netein ... are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Farm No. C-30 in Pushpanjali, at Village Bijwasan, New Delhi.

> SUDHIK CHARDRY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-T New Delhi

Date: 30-9-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ms. Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115-Ansal Bhawan, 16-Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Manoj Kumar Beri 3-Oriole Crescent, Singapore-1128.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

whichever period expires later:

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|1-84|522.-Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

17, Tolstoy Marg, 410, Tolstoy House,

situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at IAC Acq. Range-I, I. T. Act on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immov-

able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 410 in the proposed building Tolstory House at 17, Tolstoy Marg, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|1-84|523.--Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 715, Tolstoy House, 17 Tolstoy Marg,

situated at New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexxed hereto) has been transferred under the I. T. Act.

1961 in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I, on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the see Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sam Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M|s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115-Ansal Bhawan, 16-Kasturba Gandhi Marg. New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jatinder Lal Sachar, Sh. Arun Sachar, Mrs. Raj Sachar and Mrs. Achla Sachar, 34 72, Punijabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 715 in Proposed Building Tolstoy House at 17 Tolstoy Marg, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 4-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd September 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|1-84|524.-Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No.

386, Pratap Bldg. N-Block, Con. Place situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer

at IAC Acq. Range-I on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M|s. H. C. Mehta & Co. 5-N 24 N. I. T. Faridabad.

(Transferee)

(2) Mis. Competent Builders 181-Competent House, F-14, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 386, Partap Building 'N' Block, Connaught Circus, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 3-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Kailash Nath & Assoicates, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1984

Ref. No. IAC Acq. I 37EE 1-84 525.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 314, Arunachal, 19-B. K. Road, situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I on January 1984 for an apparent consideration which is less than the foir

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Nikiya Exports (P) Ltd., 9-Golf Links, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 314 measuring 500 sq. ft. app. on the 3rd floor in the multistoreyed Commercial building Arunachal, 19, Barakhamba Road, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 6-9-1984

Scal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 1st September 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|1-84|531.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing

Plot No. 71, Block 'M' Greater Kallash II

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the I.T. Act. 1961 in the office of the Registerning

Officer

Officer at IAC Acq. Range-I, on January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instru ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bhushan Kumar Uppal So Late Sh. Mulkh Raj Uppal, C-88, Panchsheel Enclave, New Delhi-17.

(Transferor)

(2) M|s. Pravasi Enterprises Ltd. 285, Satya Mansion, A-1, A-2, Ranjit Nagar, New Delhi-110008.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First Floor and Barsati situated at Pot No. 71, Block 'M' Greater Kailash-II, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 1-9-1984

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. NEW DELHI

New Delhi, the 30th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|1-84|535.--Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No.

C-29, Pushpanjali, Vill. Bijwasan,

situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I on January 1984

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---70 <u>–276GI|84</u>

(1) Mis. Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115-Ansal Bhawan, 16-Kasturba Gandhi Marg. New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Bawa Vikram Singh B-223 B, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Farm No. C.29 in Pushpanjali at Bijwasan Village, New Oelhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 30-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd September 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|1-84|538,---Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

184. Vilaya building 17,B. K. Road

situated at New Delhi.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred under the I.T.I Act 1961 in the office of the Regis ering officer

at IAC Acq. Range-I. on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

MIS. Gujral Estates Pvt. Ltd. 17-Barakhamba Road. New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mrs. Aject Kaur So Late Dr. Raiinder Singh, B-116, Niti Bagh, New Delhi-110049,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are Jefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 184 on the Lower Ground Floor in 'VIJAYA' building, 17 Barakhamba Road, New Delhi-110001.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. New Delhi

Dae: 3-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th August 1984 Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|1-84|543.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. 602 in proposed bldg. 22 K. G. Marg situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the I.T. Act, 1961
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1AC Acq. Range-I on January 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Master Kartike Bharat Ram & Miss Deeksha Bharat Ram, Master Ashish Bharat Ram, u.s. Mr. Arun Bharat Ram, R.o. 25 Sardar Patel Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Jagdip Singh,
Mrs. Kanti Singh,
Master Vippan Singh &
Km. Shivani Singh,
A-32, New Friends Colony,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Commercial Flat No. 602 in proposed building at 22 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authorty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I.
> Aggarwal House, 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 30-8-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Kalawati Devi 23, Hanuman Road, New Delhi.

Asha Rani, (Transferor)

(2) Smt. Asha Rani, 16]17, Shakti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, AGGARW ALHOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st August 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|1-84|548.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

House No. 23, Hanuman Road situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I. T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range-I on January 1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 23, Hanuman Road, New Delhi, built on land measuring 4062.50 sq. ft.—451|40 sq. yds. Approximately.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, . NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1984

Ref. No. AC Acq. I 37EE 1-84 551.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. No. 508. Tolstoy House, At 17 Tolstoy Marg situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1. T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at

of the registering officer at IAC Acq. Range-I on January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115-Ansal Bhawan, 16-Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sat Parkash Verma, Mrs. Nirmal Verma, A-365, Defence Colony, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 508 in the Proposed building Tolstoy House, at 17 Tolstoy Marg, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|1-84|553.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

No. 412 A, Tolstoy House, 17 Tolstoy Marg situated at

New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the I. T. Act 1961 in the Office

of the registering Officer at

IAC Acq. Range-1 on January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957.(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afformation of the afformation (1) of Section 269D of the said Act, to the following parents of the said Act, to the said Act, to the said Act, to the said Act, to the following parents of the said Act, to t ing persons, namely:-

(I) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115—Ansal Bhawan, 16--Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Hariganga Alloys & Steel Ltd., 19-Rujindra Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 412A in proposed building Tolstoy House at 17 Tolstoy Marg, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House, 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 5-9-1984 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1984

Ref. No. IAC|Acq,I|37EE|1-84-554,-Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 1602-A, Chiranjiv Tawer, 43, N. Place situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the I. T. Act. 1961 in the office of the Registering Officer

at IAC Acq. Range-I on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mis. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115-Ansal Bhawan, 16-Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M(s. J. Mitra & Bros. (P) Ltd., 21-Double Storey Market, New Rajinders Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1602-A in Chiranjiv Tower at 43 Nehru Place, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House. 4 14A Asaf Ali Rond, New Delhi

Date: 4-9-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 ÓF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1984

Ref. No. IAC Acq. 1 37EE 1-84 555.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

bring the Competent Authority under Section 269B of the sucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing
No. Shop No. GF I, 95 Nehru Place situated at New Delhi
IAC|Acq. Range-I on January 1984
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office

nas been transfered under the 1. 1. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi on January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than forces and exceeds the apparent consideration end that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating, the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Sh. Jagdish Sood & Smt. Raj Rani Sood, H. 21, N. D. S. F-1, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Rajinder Kumar Gupta & Mukesh Gupta, Slo Sh. Ram Gopal Gupta, A-176, Defence Colony, New Dolhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. G.F. 1 on G.F. in Bldg. No. 95, Nehru Place, New Delhi having in area of 493 sf.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 4-9-1984

(1) M|s. Gujral Estates (P) Ltd., 17—Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Master Nitin Mohan, Ulg of Mr. Jitendra Mohan (Father and (N|Q), 12, Lucknow Road, Delhi,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

AGGARWAL HOUSE,

4|14A, ASAF ALI ROAD,

NEW DFLHI

New Delhi, the 10th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|1-84|556.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. 94, I.GF, 'Vijaya' 17-B. K. Road situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transfered under the 1. T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at

IAC Acq. Range-I on January 1984

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1947 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 94 on the Lower Ground Floor in 'VIJAYA' building at 17 Barakhamba Road, New Delhi-110001.

SUDHIR CHANDRA
Competent Author:
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Aggarwal House,
4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 10-9-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—71—276 GI|84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4]14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st August 1984

Ref. No. IAClAcq.I|37FF|1-84|557.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000!- and bearing No.

No. Flat No. 1006, 22, Kasturba Gandhi Marg situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transfered under the 1. T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at

IAC Acq. Range I on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under, the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, Therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subaction (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Miss Aparoa Gupta Harmiz Villa, 8-A, Commercial Road, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri B. L. Saboo & Sons (HUF), Govind Mansion Opp. LIC Building, Asansol, West Bengal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1006 in Building at 22, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi. (Proposed)

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inconne-tax
Acquisition Range-I.
Aggarwal House.
4/14A Assaf Ali Road, New Delhi

Date: 31-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|37EE|1-84|562.-Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No. No. Plat N-1 (Part), F-14, Connaught Circus situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the I. T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at

IAC Acq. Range-I on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and l have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) British Motor Car Co. (1934) Limited, Pratap Building 'N' Block, Connaught Circus, New Delhi-1.

(Transferer)

(2) Competent Builders. Competent House, F-14, Connaught Place, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: --- The terms and expressions unsed herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. N-1 (Part) Connaught Place, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House, 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the eard Act to the following persons, runely :--

Date: 30-8-1984

FORM LT.N.S.-

(1) Miss Poonam Chopra, J-11, Green Park, New Delhi-110016.

(2) Miss Kavita Chopra and Priya Chopra, J-11, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st Septpember 1984

Ref. No. IAC Acq. 1 37EE 1-83 563.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property Having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No.

1 3rd share in Flat Nov. 404 & 405, Con. Place situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 Registeration Act. 1908 (16 of 1908)

in the office of the registering officer at IAC Acq. Range-I, on January, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fairmarket value of the property as afore exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, andor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in Flat Nos. 404 & 405, Competent House, F-14. Cannaught Place, New Delhi-110001.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 1-9-1984. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI
New Delhi, the 4th September 1984
1 '\$82104M—'\$95(\$8-1[HHZE]I 'BOV[DVI 'ON 'JON' SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 509, Tolstoy House, 17, Tolstoy Marg. situated at New

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at IAC Acq. Range-I on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mis Ansal Properties (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sushma Sawheny, Mr. Gulshan Sawhney,
 Clo Shri J. P. Sawhney (Advocate),
 263, Karoson "Shani Villa" Bareilly, (U.P.)
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 509 on the Proposed building Tolstoy House, at 17-Tolstoy Marg, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House,
414A Asaf Ali Pond, New Delhi

Date: 4-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th August 1984

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|1-84|566.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Commercial Flat, 414, 22-Kasturba Gandhi Marg, situated

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act 1961 in the the office of the registering officer at IAC|Acq. Range-I on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income prising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Master Hemant Bharat Ram & Master Sumant Bharat Ram us Shri Vinay Bharat Ram, 25, Sardar Patel Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Tarlok Abrol, Shri Balram Abrol, Shri Yudhvir Abrol and Miss Sangeeta Abrol, all rlo Bharat Corporation, G. T. Road, Batala, Punjab.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Commercial Flat No. 414 in proposed building at 22 Kasturba Gundhi Marg, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House,
4/14A Asnf Ali Road, New Delhi

Date: 30-8-1964.

FORM ITNS -- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1984

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|1-84|567.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. third floor bldg. Arunachal, 19 B. K. Road, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the office of the registering officer at IAC|Acq. Range-I on January, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

 Mis. Kailash Nath and Associates, 1006, Kanchejunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi.

CFransfero.

(2) Smt. Harsh Sachdev, Smt. Neeru Sachdev and Smt Kita Rani, 9801, Nawab Gunj, Delhi-110006. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat admeasuring 500 sq ft. on the third floor in proposed multistoreyed building Arunachal at 19, Barakhamba Road, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Accurwal House, 4/14A Asaf Ali Rond, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6.9-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|1-84|571,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. 1002, 13-Tolstoy Marg situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the office of the Registering Officer at 1AC|Acq. Range-J on January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the 'said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M|s. Bakshi Vikram Vikas Construction Co., (P) Ltd., 13, Tolstoy Marg. New Delhi.
 - (Transferor
- (2) Master Amit Rattan (Minor), R-717, New Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Booking of Office Flat No. 1002, measuring 397 sq. ft. in the proposed multistoreyed building at 13, Tolstoy Marg, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AGGAEWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1984

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|1-84|573.—Wherers, J.

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 25 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable the 'said Act') have reason to believe that the immovable are the 'said Act') have reason to believe that the immovable are the 'said Act') have reason to believe that the immovable are the said Act'. property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/and bearing

No. 745-C, New Friends Colony, situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the J.T. Act 1961 in the office of the registering officer

at IAC Acq. Range-I on Januaryy, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforenaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such master as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the followpersons, pamely 72 -276 GI|84

(1) Mr. Suraj Balaram Sethi, American View, Comer Park, B. Desai Road, Bombay.

(Transfero

24141

(2) Mrs. Ringa Walia wo Mr. Daljit Wallia. B-21, Mayfair Gardens, New Delhi-110016. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 528 sq. yards or 400 sq. mts. of thereabout alongwith building constructed thereon bearing No. 745-C in residential Colony, known as 'New Friends Colony' New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
> Acquisition Range-I, Aggarwal House,
> 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Dafe: 12-9-1984.

FORM ITNS----

(1) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115-Ansal Bhawan, 16-K. G. Marg. New Delhi.

NOTICE UNDER SILITION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Chandan Narain Modwel, Shri Rajat Modwel and Miss Yamini Modwel, 21. Gautam Palli, Lucknow.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th September 1984

Ref. No. FAC|Acq.I|37FE|1-84|576.—Whereas, I, SUDFIIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No. 1007, 15-Tolstoy Marg situated at New Delhi (and more fully described in, the schedule annexed hereto) has been transferred under the LT. Act 1961 in the office of the registering officer

for an apparant consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

at IAC Acq Range-I on January, 1984

(a) tachtating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immnovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1007 in the proposed building at 15. Tolstoy Marg, New Delhi.

SUDHER CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 5-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1984

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|1-84|577.—Whereas, J. SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 710, at 17-Tolstoy Marg situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC|Acq. Range-I on January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as accessed to between the parties has not been truly stand in the

agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

 Mis. Ansal Proporties, & Industrial (P) Ltd., 115-Ansal Bhawan, 16-Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Shaida Rani and Col. B. R. Singn, A-9|32, Vasant Vihar, New Delhi.

('Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforegaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 170, in Tolstoy House at 17- Tolstoy Marg, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 414A Asaf Ali Raad, New Delhi

Date: 6-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th August 1984

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|1-84|578.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 406, 22, Kasturba Gandhi Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at IAC Acq. Range-I, on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) International Commenter Ltd., 4/8, Asaf Ali Road, New Delhi-110002,

(Transfer.

(2) M|s. Swaraj Mogha (P) Ltd., Regd. Office, Y-42, Hauz Khas, New Delhi-110016.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406 in 22-Kasturba Gandhi Marg. New Delhi-110001.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Agrarwal House, 4|14A Assf Ali Road, New Delhi

Date: 30-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1984

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|1-84|589,—Whereas. I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 722 B, at 89 Nehru Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961

in the office of the Registering Officer

at IAC|Acq. Range-I on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings or the acquisition of the aforesakl property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Narinder Jit Singh, Miss Tara Chatwal, Mrs. Ravinder Kaur and Manpreet Singh Clo York Hotels, Connaught Place, New Delhi-110001.
- (2) Smt. Kaushalya Devi, Smt. Indubala, Master Lalit Kumar (minor) Ganicshi Lal Building, Roshan Mahal, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this posice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 722-B, (500 sq. ft. covered area) in Bldg. No. 89, on 7th Floor, Nehru Place, New Delhi-110019.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House,
4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 4-9-1984.

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1934

Ref. No. 1AC|Acq. 1|37EE|1-8|4597.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1511, 45, Nehru Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the office of the registering officer at

at IAC Acq. Range-I on January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excerds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Subhash Bathla (HUF), r|o E-23, Panchsheela Park, New Delhi (Transferor)

(2) Shri Devraj Kathuria, Mrs. Shanta Kathuria and Shri Rajeen Kathuria, rlo C-91, Panchsheela Encalve, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1511, of 721 sq. ft. covered area in Bldg. No. 43, on 15th Floor, Nehru Place, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House,
4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 4-9-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMESTAX

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th August 1984

Ref. No. IAC/Acq. 1/37EE/1-84/597-A.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hercinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property brying a fair market value exceeding Rs. 25 000/-and bearing No.
No. 5/D, Atma Ram House, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the I. T. Act 1961 in the office of the registering officer at

IAC!Acq. Range-I on January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of causafer with the object of:—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which bave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

 M|s, Rauk India Pvt. Ltd., Admathshree House, Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

 MIS. Pearl Apartment (P) Ltd. 704. Rohit House, 3 Tolstoy Marg. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 D. Atma Ram House Building Plot No. 1, Tolstoy Marg. New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House,
4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, unusually:

Date: 30-8-1984.

FORM ITNS----

NATIONAL LANGUAGE ELECTRICATE SUMMERS OF THE TRANSPORT OF THE SUMMERS OF THE SUMERS OF THE SUMMERS OF THE SUMMERS OF THE SUMMERS OF THE SUMERS OF THE SUMERS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4!14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st August 1984

Ref. No. IAC|Acq. I[37EE|1-84|592,-Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 208, in 51-52, Nehru Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 in the office of the registering officer at at IAC Acq. Range-I, on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

- (1) Ms. Gedore Tools (India) (P) Ltd. Gedore House, 51-52, Nehru Place, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Rekha Rani dlo Om Parkesh and Master Vikram so Shri Dhirendra Abby ro 9A 142 W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 208 measuring 320 sq. feet, in 51-52, Nehru Place, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Augarwal House, 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 31-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 31st August 1984

Ref. No. IAt |Acq.I|37EE|1-84|593.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing

Flat No. 402., in 51-52, Nehru Placle s, ituated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 in the office of the registering officer at

IAC Acq. Range-I, on January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

73-276 GI|84

(1) Mis. Gedore Tools (India) (P) Ltd., Gedore House, 51-52, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Brig G. S. Sawhney slo S. Sant Singh Sawhney and Mrs. Mohinder Sawhney wlo Brig. G. S. Sawhney, C-227, Defence Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402 measuring 400 sq. feet, in IV floor 51-52, Nehru Place, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 31-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAN ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1984

Ref. No IAC/Acq I[37EE]1-84|596.—Whereas, I, SUDHIP CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.*25,000|- and bearing No.

Flat No. 210, 51-52 Nehru Place, situated at NewDelhi. 1 and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at New Delhi on January, 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Mls. Gedore Tools (India) (P) Ltd., Gedore House, 51-52, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Rame woo Ramesh Khubani, rlo A-1/71, Panchsheel Enclave, New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are deflued in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 210 measuring 230 sq. ft. in 51-52, Nehru Place, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House,
4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12 2-1984

 Mr Pramod Kumar Jain, 3501, Kutub Road, Delhi.

Now Delhi-110003.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4/14A.
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|37EE|1-84|532,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. C-5, Pushpanjili Farms, Bijwasan situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at IAC/Acq. Range-I on January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Mis. Ann Mukarjee & Mr. Valmik Mujdkar,

24, Sunder Nagar now at A-6 Gulmohar Park.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any othr person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Farm No. C-5, Pushpanjili Farms, Bijwasan, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggatwal House, 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 30-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1984

Ref. No. IAC|Acq. I|37EE|1-84|547.—Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable in the competence of the competence property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 204 27-68, Nehru Place, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the office

of the Registering Officer

at IAC Acq. Range-I on January, 1984 for an apparent (consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stayed in the said instrument of transfer with the chieft of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Prabhjit Kaur woo Gurjit Singh & Smt. Gurwant Kau woo Tirlok Singh, J 11 49, Rajouri Garden, New Delhi Co Dr. Trilok Singh Bholi Bazar, Bhatinda

(Transferor)

(2) M|s. Dawer International, 102|27, Saraswati House, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 67-68, Nehru Place, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-9-1984.

FORM ITNS----

(1) Mrs. Rukmani Bai Talwar, B-72, Defence Colony, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1, Mr. Jagdish Raj Pathela, 6|22, East Patel Nagar, New Delhi.
 - 2. Mrs. Ram Piary Pathela. 6[22. East Patel Nagar, New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|1-84|339.—Whereas. I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 12|29, situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on January. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act, shall have the same in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property No. 12|29, East Patel Nagar, New Delhi Mg. 200 Sq. Yds.

THE SCHEDULE

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Aggarwal House,
414A Asaf Ali Road, New Delhi

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-9-1984.

(1) Mr. S. P. Aggarwal slo Shri Panna Lal, B.A. Eleven-E, DDA Flats, Municka, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) T. M. Apartments Pvt. Ltd. Adnath Shree House Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|1-84|338.—Whereas, I. Shri R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. G-7F and 6-12A, 3-4 situated at Azadpur Complex.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or svasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tax Acta 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from he date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G-7-E and G-12A on ground floor, in A-4[1, Azadpur Complex, Delhi,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggat wal House,
> 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 17-9-1984. Seal:

FURM ITNS----

 Mrs. Amarjeet Kaur and Mrs. Kuldip Kaur, 228, Chand Nagar, P.O. Tilak Nagar, Delhi.

(2) T. M. Apartments (P) Ltd.,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ACT, 1961 (43 OF 1961)

Addinathshree House, Opp. Super Bazar, Con. Circus, New Delhi.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 4|14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq. Π |37EE|1-84|337.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to 1 ellers that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

403, A-4|1, situated at Azadpur Complex, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the folloting persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No 403, A-4|1, Azadpur Complex, Delhi Mg. 433 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 17--9-1984

ີາal :

(1) Shri Baljit Singh Chadha, J-3]136, Rajouri Garden, Delhi.

(Transferor)

(2) T. M. Apartments (P) Ltd., Adinathshree House Opp, Super Bazar, Con, Circus, New Dolhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 4|14-A, ΛSAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|37EE|1-84|335.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have acount to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. 201, A-4|1, situated at Azadpur Complex, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi

on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilit of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 201, A-411, Azadpur Complex, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Aggarwal House,
4 14 A Assf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons remely:—

Date: 17-9-1984

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-11,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC Acq.II SR-1 Jan. 84 894.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

Leing the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 2388-98 and 2399-2484,

situated at Ward No. VII Behind G. B. Road, Farash Khana, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

74-276 BI 84

(1) Smt. Laxmi Bai, Wio Late Sh. Jassu Ram Kumar, R|9351, Multani Dhanda Pahar Ganj, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Banarsi Dass So Sh. Gopal Dass, Rlo A-16, Gujranwala Town, Town-23.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as we defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|3rd share in property No. 2388-98 and 2399-2484, Ward No. VIII, Behind G. B. Road, Delhi Mg. 452 Sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Incme-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC[Acq.H]SR-1]1-84|895.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. 4K|6288

situated at Kohlapur Road, Kamla Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Chander Wati Devi, Wlo Late Shri Krishan Gopal, 4K|6288, Kohlapur Road, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sugan Singh Slo Sh. Kanshi Ram, 5494-A, Chandrewal, Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

 4 K|6288, Kohlapur Road, Kamla Nagar, Delhi Mg. 37 $\frac{1}{2}$ Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-9 1984

FORM LT.N.S.—

(1) Sh. Avocsh Kumar So Late Sh. Krishan Gopal, 4K 6288, Kohlapur Road, Kamla Nagar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II.

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|1-84|896.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. MPL No. 4K 6288,

situated at Kohlapur Road, Kamla Nagar, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Sh. Vijender Singh Slo Sh. Kanshi Ram Rlo 5495 A, New Delhi Chandrawal, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereta as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4K|6200, Kohlapur Road, Kamla Nagar, Delhi Mg. 371 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 17-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC Acq.II SR-1 1-84 899. -- Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 4269.

situated at Goli Chhanga Quan, Gali Shahtara, Ajmeri Gate, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :---

(1) Smt. Manisha Wo Sh. Moti Lal, 4215, Gali Shahtara, Aimeri Gate, Delhi.

(Transferee)

(2) Smt. Kusum Lata Wo Sh. Ram Kishan, 4262, Gali Shahtara, Aimeri Gate, Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 5269, Gali Chhanga Quan, Gali Shahtara, Aimeri Gate, Delhi. Mg. 77.75 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-9-1984

Sear :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-I₁1-84|983.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and 'bearing No. 2220-29 New Nos. 2121 and 2122, situated at Bahadurgarh Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Ausafur Rehman Slo Late Sh. Sukhdev Vihar, Mathura Road, N. Delhi.

 Smt. Asita Begum Wo Sh. Zainul Abideen Khan, Do Late Shri Jamilul Rehman, 2237, Naya Mohalla, Gali Kasimjan, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Arun Kumar Gupta, H. U. F. through Sh. Arun Kumar Gupta Sio 3h. Shyam Sunder Gupta, F-69, Kamla Nagar, Delhi-7.

(Transferec,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in property No. 2126-29 and New Nos. 2111 and 2122, Bahadurgarh Road, Delhi Mg. 338 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 17-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.Il|SR-1|1-84|984.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 2121 and 2122.

situated at Bahadurgarh Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 1. Mohd. Ahmed Slo Late Sh. Sheikh Zamilur Rehman, Rlo 181, Sukhdev Vihar Mathura Road, N. Delhi.
 2. Asiya Jamil Dlo Late Sh. Sheihk Rehman Rlo 2237, Naya Mohalla, Gali Kasim Jaan,

(Transferor)

(2) Sh. Arun Kumar Gupta, H. U. F. through Sh. Arun Kumar Gupta S|o Sh. Shyam Sunder Gupta, E-69, Kamla Nagar, Delhi.

Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|4th share in double storey building at 2226-29, New Nos. 2111 and 2122, Bahadurgarh Road, Delhi M. G. 338 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 17-9-1984

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|1-84|985.—Whereas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incone-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 2121 and 2122,

situated at Bahadurgarh Road, Delhi (and more fully described in the schedule

annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferred with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any raoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Dr. Mohd, Igbal Jamil

 Atiya Rehman son and daguhter of late Shin Sheikh Jaindur Rehman, K,o 2237. Naya Mohalla, Gali Kasim Jaan, Delhi.

(Transferor

(2) Sh. Arun Kumar Gupta, H. U. F., through Sh. Arun Kumar Gupta as Karta, H. U. F., Slo Sh. Shyam Sunder Gupta, Rlo, E-69, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|4th share in double storey building bearing No. 2226-29 (old No.) New Nos. 2121 and 2122, Bahadurgarh Road, Delhi. M. G. 330 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Renge-II. New Delhi

Date: 17-9-1984

FORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-II|1-84|986.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 25,000]- and bearing

No. 2121 and 2122,

situated at Bahadurgarh Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) I. Sht. Rashida Khatoon Wd|o Sheikh Jamilur Rehman, R|o 2237, Naya Mohaila, Gali Kasim Jaan,
 - Delhi. 2. Smt. Swaleha Bebum Dio Late Sheikh Jamilur Rehman Wio Shri Rehman Elahi, Rio 2234, Gali Naya Mohalla Kasim Jaan, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Arun Kumar Gupta, H. U. F., through Sh. Arun Kumar Gupta as Karta, H. U. F., Slo Sh. Shyam Sunder Gupta, Rlo, E-69, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 4th share in double storey building Old No. 2226-29 and New No. 2121 and 2122 Bahndurgarh Road, Delhi. Mg. 330 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 17-9-1984

at on January 1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELIII

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC[Acq.II[SR-1]1-84]988.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000;—and bearing No.

Plot No. 479, Block-C. situated at Abadi, Majlis Park Colony, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

75 — 276GI 184

(1) Smt. Beant Kaur
Wo S. Harnam Singh 283,
Gupta Colony,
Delhi.
through GPA Smt. Champa Rani
Wo Sh. Muni Lal Mahajan.
F-29, DESU Colony,
Gurmandi Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Muui Lal Mahajan Slo Shri Lachman Dass, 29 F. DESU Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as alway in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 479 Block-C, Village Baola Out of Khasara No. 262|258|217|4. Abadi Majils Park Colony. Mg. 111 Sq. Vds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. New Delhi

Date: 17-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING. I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. JAC Acq.II SR-1,1-84 913.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. No. 1737, Ward No. VI,

situated at Chhatta Haji Ibrahim, Haveli Hissamuddin Hai-

der, Ballimaran Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi

on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Mls. Mohd. Yunus & Co. Ballimaran. Delhi through its partners Mohd. Yunus Slo Late Mohd. Umar Khun 1289, Haveli Hissamuddin Haider, Balimaran,

(Transferor)

(2) Ishwar Prusad So Shiv Charan Dass 1928. Gali Chabuk Sawaran Bazar, Lai Kuan, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expres later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI ANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property No. 1737 on ground floor and full portion of first floor at ward No. IV, Chhatta Hazi Ibrahim, Haveli Hissamuddin Haider Ballimaran, Delhi Mg. 118 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said *ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the followrest persons, namely :---

Date: 17-9-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1). NEW DELHI

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. IAC|Acq.II|SR-1|1-84|916.—Whereas, 1. R. P. RAJESH.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 29|88,

situated at West Patel Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi has been transferred under the Registration Act 1908 on January, 1984

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---
 - (a) facilitating the reduction or evanious of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ned/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Santosh Kumari, Dilip Kumar and Miss Anita R|o 29|87, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(1) Shri Jiwan Kumar Verma, 2380, Shadipur, Mandirwali Galiv, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 29 88, West Patel Nagar, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. New Delhi

Date: 17-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELIH

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. JAC|Acq.II|SR-J|1-84|917.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 849, singuisted at Guli Gondowali, Haveli Azam Khan, Bazar Chitali Coher, Delhi 6

Chitali Qabar, Delhi-6. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) 1. Abdul Gaffar,

Mohd. Zikaria,
 Mohd. Idrais

4. Mst. Amtul Hafeez sons and daughters of late Abdul Latif alias Mohd. Latif Hussain 2236, Gali Chamre Wali, Bazar Chitli Qabar, Delhi-6. Jama Masjid, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Mohd. Yasin Son of Nooruddin Mohd, Tufail and Md. Khald sons of Mohd, Yasin Khan, all, 849 Gali Gondowali, Haveli Ayam, Bazar Chitli Qabar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, iwthin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House No. 849, Gali Gondowali, Haveli Azam Khan, Bazar Chitli Qabar, Jama Masjid, Delhi-6, Mg. 109.7 sq. vds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 17-9-1984

FORM I.T.N.S.— -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq,11|SR-1|1-84|921,—Whereas, 1. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 41.

situated at Haijan Colony Sawan Park, Delhi

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Prodyot Kumar Sanyal Slo Shri Prafulla Kumar Samyal Rlo 5706, Gali No. 81 Radharapura, Karol Bagh, New Delhi-5, and Iyotsna Bagichi Wlo Shri K. C. Bagchi Dlo Sh. Prafulla Kumar Sanyal, T-23/8, Mukma Ghat, Patna.

(Transferor)

(2) Sh. Vijay Singh Slo Hargyan Singh Kanhya Singh Slo Naryan Singh Mohinder Singh and Ramesh Singh Slo Hargyan Singh 390, Wazirpur, Delhi..

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective: persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on plot No. 41 Harijan Colony, Sawan Park, Delhi Mg, 200 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incme-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC Acq. II SR-1 1-84 922. - Whereas, 1,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 5828, Ward No. XIII situated at Gali Matka Wali Saraj, Hafiz Sons, Sadar Bazar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Miraj in January at New Delhi on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sai dAct, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Khando Bai Wdlo Lok Nath

2. Ishwar Dutt Slo Lok Nath both Rlo 161, Vasdev Nagarf Andha Mughal Delhi

3. Dharam Chand So Lok Nath

4. Parveen Kumar and

5. Raj Kumar Slo Puran Chand 6. Smt. Shanti Delhi Wdlo Puran Chand

7. Smt. Kamlesh Rani

8. Miss Savita both Do Sh. Puran Chand and Others. others, 1 A 35, Ph. I, Ashok Vihar Delhi. (Transferor)

(2) 1. Sh. Ganga Ram Slo Pokhar Dass. 1598, Mohalla Madarsa Mir Jumla, Lal Kuan,

Delhi, 2. Tansukh Dass Slo Jindha Ram, 1-A|35, C. DDA Flats, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sociec in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5820, Ward No. XIII, Gali Matke Wali, Sarai, Hafiz Banns, Sadar, Delhi No. 12-97 Sq. Mts.

R. P. RAJESH Competent Authority enspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-9-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11, NEW DELH1

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|1-84|923.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing - No. 952.

situated at Gali Tota Mana, Tilak Nagar, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi

on January 1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceeds the apparent consideration therefor by more than lifeur per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under anisection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Smt. Tayaba Khatoon, Wo Sh. Jamil Shamim Mohd. Hussain, Mohd. Jahid So Mohd. Jamil, 1049, Mohalla Kishan Ganj. Tellwara, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. A. B. C. Dye and Chemicals Vakaya Gai Talyan, Tilak Bazar, Delhi C/o Sh. Sunil Kumar Khutana, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 952, Gali Tota Mana, Tilak Bazar, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA -

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, 4(14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC Acq.H|SR-1+1-34+924.--- Whereas, I,

R. P. RAJESH; being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable in the said Act') is the reason to be a second to be a property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. 2349

situated at Basti Punjabian, Subzi Mandi, Delhi-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Satwant Kaur Wo Late Shri Ravol Singh Rlo 2349, Basti Punjabian, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Damyanti Devi Wo Sh. Bipen Behari Sharma, 4420, Gali Lotan Wali, Pahari Dhiraj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2349 at Basti Punjabian, Subzi Mandi, Delhi-6. Mg. 176 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House, 4 14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 17-9-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. NEW DELHI

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|1-84|927.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot No. C-190,

situated at C-Block, Mansrover Garden, New Delhi-15. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

76-276GI|84

 Sh. Joginder Lal Marwah Slo Shri Ganpat Rai Marwah, A-2|290, Janak puri, New Delhi-15.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kulwant Singh Mehta and 2. Sh. Mohinder Singh Mehta and Sons, of Sh. Gurdeep Singh Mehta Ro F-159, Sudershan Park, New Delhi-15.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. C-190, C-Block of Mansrover Garden, New Delhi-15, Mg. 220 Sy. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC Acq.II SR-1 1-84 931 .-- Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

MPL No. 2256, Ward No. X, situated at Gali Dukotan, Turkman Gate, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a' facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Abdul Hakim S|o Hazi Bundu Khan, 886. Gali Azam Khan, Chitli Qabar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Mustakim So Abdul Kayam 1291 Gali Sharif Wali, Kala Mahal, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Double Storey Bldg. No. MPL No. 2256, Ward No. X, Gali Dakotan, Turkman Gate, Delhi MG. 66-7 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC||Acq. Π |SR-1|1-84|933.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 7901, Ward No. XV,

situated at Ram Nagar, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at New Delhi on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair fifteen per cent of such apparent consideration and that the believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Bharat Singh So Sukh Lal Rlo B-2|257, Paschim Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Food Corporation of India Workers Union 58, Diamond Harbour Road, Calcutta-23 through its Joint Secretary Shri Ghashyam Jena

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

24 storeyed building bearing No. 7901, measuring 132 sq. yds, situated in Ward No, XV, in the abadi of Ram Nagar Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|1-84|935.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No.

Prop. No. 20]48

situated at Shakti Nagar, Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and|or
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now; therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Naresh Kumar Jain So Rajendra Kumar Jain Ro 1865, Tri Nagar, Delhi-35.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Shankar Lal Aggarwal, Kailash Kumar Aggarwal S|o Sh. Babu Lal Aggarwal R|o 20|48, Shakti Nagar, Roshanara Ext., Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 20|48, Shakti Nagar, Delhi Mg. 280 Sq. Vds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|1-84|936.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. 2788,

situated at Gali Lal Haweli, Arva Samai Bazar, Sita Ram,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Regstration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Radhey Mohan Gupta So Late Murari Lal Gupta, 17. Reahman Bldg., Bulbuli, Khana Site, Sita Ram Bazar, Dehli

(Transferor)

 (2) Smt. Sarla Devi Wo Veer Singh Ro 605, Gali Kumarhan, Mohalla Gani Meer Khan, Dehli.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2788, Gali Lal Haweli, Arya Samaj Bazar Sita Ram, Delhi Mg. 561 Sq. Yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-9-1984

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|1-84|940.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing

No. J-122,

situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt, Vidya Watl Wlo Sh, Ram Nath Verma, J-122-A, Rajouri Garden, New Delhì.

(Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur, Wo S. Harbans Singh, H-12, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. J-122. Rajouri Garden, New Delhi Village Bassai, Darapur, Delhi Mg. 94-35 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

Ahmedabad-380 009, the 17th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|1-84|941.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 3424.

situated at Gali Murghan alias Gali Bajrang Bali, B|Sita Ram, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

at on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument, of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Kailash Chandra Sharma Pleader son of Late Sh. Ram Chandra Sharma 153, Lal Kurti. Agra Cantt now B 10 13. Krishna Nagar, Delhi personally and specially attorney of his real brother Sh. Shyam Sunder So Late Sh. Ram Chandra Sharma (Transferor)

(2) 1. Sh. Babu Ram

Slo Sh. Ishwari Pershad.

2. Sh. Satish Chand 3. Sh. Pardeep Kumar

4. Sh. Sunil Kumar So Sh. Babu Ram 5. Master Sandeep Kumar minor, under the natural guardianship of his father Sh. Babu Ram 3424, Gali Murghan, Bajrang Bali B|Sita Ram Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|4th share in property No. 3424 Gali Murghan alias Gali Bajrang Bali, B|Sita Ram, Delhi Mg. 83 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-9-1984

(1) Sh. Rajinder Mohan, Slo Ladli Mohan 2118, Masjid Khazoor, Delbi.

(2) 1. Sh. Chhedi Lal

Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC $[Acq.\Pi]SR-1]1-84[943.$ —Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. No. 2114 to 2117 to 2124 to 2126, situated at Masjid Khazoor Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the regis-

tering officer at on January 1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in rest.ect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 249°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Slo Sh. Jai Ram
2. Smt. Panna Devi
Wlo Sh. Chhedi Lal
3. Sh. Laxmi Narain
4. Shri Om Parkash
5. Shri Vinod Kumar
all sons of Sh. Chhedi Lal,
all resident of 2119,
Masjid Khazoor,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in property No. 2114 to 2117 to 2124 to 2126, situated at Masjid Khazoor, Delhi 26th Sq. Yds. out of MG. 186 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-9-1984

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELIHI

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|1-84|944.—Whereas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 2114 to 2117 to 2124 to 2126

situated at Masiid Khazoor, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-77-276 GI 84

(1) Shri Jawahar Lel Slo Shri Ladli Mohan, 2113, Masjid Khazoor, Delbi.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Chhedi Lal So Sh. Jai Ram 2. Smt. Panna Devi

Wo Sh. Chhedi Ram,

3. Sh. Laxmi Narain

 Sh. Om Parkash
 Shri Vinod Kumar all sons of Sh. Chhedi Lal, 2119. Masjid Khazoor, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|4th share in property No. 2114 to 2117 to 2124 to 2126 situated at Masjid Khazoor, Delhi. Mg. 26/1/2 sq. yds. out of 186 sy. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

SIONER OF INCOME-TAX,

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. JAC|Acq.II|SR-1|1|84|957.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the nucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Plot No. 2 Road No. 33, Punjabi Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at January 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of 'his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Lila Wati Goel Wo Shri Nand Gopal Goel, House No. 18, Road No. 65, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Giani Jagilt Singh So Shri Sohan Singh, T-65, New Rohtak Road New Delhi at present 4/78, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing plot No. 2. Road No. 33, situated at Punjabi Bagh, New Delhi. Mg. 370 Sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Aggarwal House,
4 14A Asaf All Road, New Delhi.

Date: 17-9-1984.

Markett Livery Charter and Large

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|1-84|961.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. H-11.

situated at Bali Nagar, Village Bassai, Darapur, Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at January 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Surjit Kaur Wd/o Surinder Pal Singh, and natural Guardian of minors three children namely Jagd p, Ritu Wallia Singh and Harpreet Singh 48/3, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prithvi Raj Nagpal, S|o Shrl Veer Bhan C|o M|s. Dhamija & Sons, E-1, Ball Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|5th share in property No. H-11, Bali Nagar, New Delhi Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 17-9-1984.

- (1) Smt. Indre Devi Girdhar Wlo Shri Hari Chand Girdhar, BM 86, Shalimar West, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Maya Devi Wo Shrl Subhash Jain ro 1366 Faiz Ganj, Bahadurgarh Road, Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ΛΙΙ ROAD, NEW DELHL

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. JAC|Acq.II|SR-1|1-84|965.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. 366 Faiz Ganj,

situated at Bahadur Garh Road, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at

at January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than attent per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(%) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1366, Faiz Ganj, Bahadur Garh Road, Delhi M.G. 69 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 17-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI. New Delhi, the 10th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|1-84|968.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000- and bearing No.

situated at Najafgarh Road, Industrial Area Scheme, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at January 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons namely :-

(1) Shri Radhey Shyam Chiranji Lal Goenka, Director and General attorney of Ms. National Chemicals Industries Ltd. 26, Shivaji Marg, New Delhi. (Transferor)

(2) Achri Acharya Arun Dev of Sh. Prahlad Parwal, 1 Doctor Lane, Gole Market, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. 26 bearing Property No. 26|15, Najafgarh Road, Industrial Area Scheme, New Delhi Mg. 53.66 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 17-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|1-84|970.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

and bearing MPL No. 4461-4462 and 4463, 4464-4465,

situated at Pahri Dhiraj, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer January 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hem Chand Jain, Deep Chand Jain, both sons of Giran Chand Jain in Suresh Chand Jain sons of Ram Chand Jain both sons of Prem Chand Jain, 4828, Main Road, Bahri Dhiraj, Delhi.
- (Transferor)
 (2) Shri Jain Swatamber, 4530, Pahri Dhiraj, Delhi through Sh. Mitter Sain s|o Shri Madhu Mal Jain, its secretary.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4|10th share in 3½ shops on the ground floor No. 4461-4462 and 4463 leaing to first floor 4464 1|2 of shop No. 4465, Ward No. XIII, Pahri Dhiraj, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Aggarwal House.
4 14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 17-9-1984.

- (1) Shri Satya Pal son of Shri Hari Ram, Paschim Marg, Vasant Vihar, New Delhi Rlo 42. (Transferor)
- (2) Smt. Tribani Devi wo Shri Sat Narain, rlo 42-A, Kamla Nagar, Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Transfere,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4 14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|1-84|974.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), nave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. XIII 6057 (New) and XIII 6555, (Old) situated at Sadar Bazar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

January 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the rair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inchan Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the ald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. XIII 6057 (New) & XIII 6555 (old) Sadar Bazar, Delhi Mg. 701 Sq. Yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 17-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|1-84|978.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. XIII[6234[35,

situated at Gali Pakki, Bara Hindu Rao, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer January 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagan Nath s|o Shri Jodha Ram r|o XIII|6234-35, Gali Pakki Wali, Bara Hindu Rao, Delhi. (Transferor)

(2) Shri Sandeep Kumar Goel soo Shri Om Prakash Goel, 2980, Faiz Ganj, Bahadurgarh Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. XIII 6234-35 (new) Gali Pakki Bara Hindu Rao, Delhi Mg.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Aggarwal House,
4 14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 17-9-1984.

PART III—SEC. 1]

FORM ITNS-

(1) Shri Jagan Nath s|o Shri Jodha R|o XIII|6234-35 Gali Pakki walli, Bara Hindu Rao, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Rakesh Kumar Goel s|o Shri Om Parkash Goel, R|o 2980, Fiaz Ganj, Bahadurgarh Road, Delhi.

(Transfered)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|1-84|979.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. XIII|6234-35, (new),

situated at Gali Pakki Wali, Bara Hindu Rao, Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer January 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in rangest of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—78—276 GU84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. XIII|6234-35, (New) at Gali Pakki wali, Bara Hindu Rao, Delhi Mg. 85-5 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delbi.

Date: 17-9-1984.

(1) Smt. Shahida Begum, 2722, Teliwara, Delhi. (Transferor)

(2) Shri Rafiq Ahmed R|o 2722, Teliwara, Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|1-84|981.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

XIII|2722,

situated at Teliwara, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

January 1984,

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, i shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. XIII|2722, Teliwara, Delhi

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range-II, Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 17-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4]14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|1-84|983.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. 265 to 277 (old Nos. 329 to 332) situated at Raja Market Opp. Narain Market, Sadar Bazar, Ward No. XIV, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi

January 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been stuly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Urmila Rani Jain woo Shri Naresh Chand Jain, Shri Arvind Kumar Jain nd Shri Anil Kumar Jain Both sons of Shri Naresh Kumar Jain, ro 6, Pusa Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Neelam Jain wo Shri Satinder Kumar Jain, Shri Sudhir Kumer Jain, son of Shri Prem Chand Jain R o 4171, Gali Ahiran, Pharl Dhiraj, Delhi-110006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|2 undivided 31 storeyed building with land underneath measuring about 350 sq. yds. bearing property No. 265 to 277 (old Nos. 329 to 332), situated at Raja Market, Opp. Narain Market, Sedar Bazar, Ward No. XIV, Delhi-110006.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road. New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 17-9-1984.

FORM I.T.N.S.----

(1) Smt. Chando Devi woo late Shri Mithan Lal, Row WB-145, Shakarpur, Delhi.

(Transferor)

Durga Devi w|o Shri Radhey Sham, 1093, New Post Office Road, Gandhi Nagar, Delhi, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|1-84|984.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the said Act), have reason to believe that the immov-property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

situated at Gali Sushila Kali, Masjid, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (conf. 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi

January 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesuid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facintating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a parion of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3091, Gali Sushila Kali Masjid, Delhi-6, Mg. 124 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-II, Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 17-9-1984.

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.H|SR-1|1-84|988.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3476,

situated at Kali Kartar Singh Aryapura, Subzi Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi January 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said justicement of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mithlesh Devi Dio Babu Lal wife of Shri Nanak Chand, Village Bilari, Distt. Muradabad (U.P.)

(Transferor)

(2) Shri Ved Parkash Verma alo Shri Chandu Lal 3478-80, Gali Kartar Singh Aryapura, Subzl Mandi, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazesia.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3476, Gali Kartar Singh, Aryapura. Subzi Mandi, Delhi. Mg. 125 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-II, Aggarwal House,
4 14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 17-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4|14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.II|SR-1|4-84|114.--Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Plot No. N-184.

situated at Kirti Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi April, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Baldev Singh, Apar Singh sons of Shri Nanak Singh through their constituted attorney Shri P. N. Khanna soo Shri Gopal Khanna C-49, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. Shiv Lok Apartments India Pvt. Ltd.
 410, New Delhi House,
 27 Barakhamba Road,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. N-184, Kirti Nagar, New Delhi Mg. 666.66 Sq. Yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range-II, Aggarwal House,
4 14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 17-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE NEW DELHI.

New Delhi, the 29th August 1984

Ref. No. IAC Acq.I SE-III 1-84 1528.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. K-II|46-A, Lajpat Nagar, situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

New Delhi on January 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely-:--

(1) Shri Kanaya Lal Aand s|o (Late) Shri Anand Hira Singh, 10|161. Lodhi Coloney, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Kundan Lal Sawhney sjo (Late) Shri Bhola Ram, J-II[15, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

K-II|46A, Lajpat Nagar, New Delhi, measuring 100 sq

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar, Acquisition Range-I. Delhi New Delhi.

Date: 29-8-1984.

A-10, Anand Niketan,

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor) (2) Shri Harjit Singh Duggal and Mrs. Jagdlp Kaur,

(1) Shri Subhash C. Kapoor,

New Delhi.

both ro E-219, Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI.

New Delhi, the 29th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|1-84|1535.-Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. B-41, Kailash Colony, situated at New Delhi,

(and morefully description in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Rgistration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at . New Delhi on January, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in tht Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-41, partially built House in Kailash Colony measuring 515.27 sq. yds.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 29-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4/14A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 29th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|1-84|1536.—Whereas, I, BUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referrit to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding (s. 25,000|1 and bearing

No. C-146. Defence Colony, situated at New Delhi, and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of it New Delhi on January 1984)

- an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, us respect of any income arising from the unnafer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section [1] of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
79—276 GI|84

(1) Lt. Col. J. S. Bakshi (Retd) 155, the Mall, Ambala Cantt. (Haryana).

(Transferor)

(2) Smt. Shyama Bhatia 2|14, Safdarjang Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressings used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

C-146, Defence Colony, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi,

Date: 29-8-84.

Seal, :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shii Banarsi Lal Bahl, So Late Panna Lal Bahl, 1/0 J-154, Saket, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Brij Mohan Lal Mathur, Slo late Ram Behari Lal Mathur Smt. Shobbha Mathurn, rio Brij Mohan Mathur,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HÖUSE, 4[14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR.IΠ|1-84|1537.--Whereas, I,

SUDHIR CHANDRA, being the Coupetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. B-11, Nizamuddin East situated at New Delhi. (and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Octhi on January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-11, Nizamuddin East, New Delhi measuring 200 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-I Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 29th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|1-84|1547.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable ocoperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

M-74, Greater Kailash-II situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subing persons, namely:—

- (1) Gurvinder Singh Khurana & Devinder Singh Khurana, r|o E|21-A, East of Kailash, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Sambal Investments Private Limited, 5, Ansari Road, Darya Ganj, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acsahall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. M-74, Greater Kailash-II, New Delhi, Area 247 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi.

Date: 29-8-84.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1984

Ref. No. IAC Acq. I|SR-III|1-84|1548.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing S-18, Greater Kailash-II, situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Roshan Lal Kapoor Slo Mela, Ram Kapoor, rlo Y-79, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ajay Kapur Soo Sham Lal Kapoor roo A6, Ring Road, N.D.E.E.I. New Delhi.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Age, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-18, measuring 300 sq yds, Greater Kailash-II, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi,

Date: 11-9-1984,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 29th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|1-84|1549.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the competent authority under Section 269D of the income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

A-11{11, Vasant Vihar, situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on January, 1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Narindei Kumar S|o C. L. Kumar and Pavan Khurana S|o Dr. P. L. Khurana 15, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Lalita Shukla S|o Dr. M. D. Shukla, r|o Fl at No. 13, Sea Belle Napean Sen Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as, given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. A-11 11, measuring 600 sq. yds. Vasant Vihar, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi|New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29-8-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 29th August 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|1-84|1558,—Whereas, I, SUDHJR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing No.

as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.
No. F-30 to 41, Connaught Place situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at New Delhi on January 1984 for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property, and I have

at New Delhi on January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1136th share in F-30 to 41, Connaught Place, New Delhi known as S-14, Connaguht Place, New Delhi.

THE SCHEDULE

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Delhi!New Delhi.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bimla Devi, Rakesh Aggarwal, Umesh Aggarwal, 10|4763, Qeputy Gunj, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. Competent Builders, 101, Competent House, F-14, Middle Circle, Connaught Place, New Delhi.

(Transferce)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date: 29-8-84.

(1) Shri R. N. Ganju Slo Sh. N. J. Ganju, 7/1. Old Survey Road, Dehradun,

(Transferor)

(2) Arora O. P. Associates, 48, Community Centre, Vasant Vihar. New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE AGGARWAI HOUSE, 4¹14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|1-84|1575.—Whereas, I, SUDIIIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. G-8, Connaught, Circus, situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acculsition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dute of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Property No. G-8, measuring 3424 sq. ft. Connaught Circus, New Delhi,

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-cux
Acquisition Range-I
Madras-600 006.

Date: 11-9-1984

NO TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

-- #- .____

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
AGGARWAI, HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1984

Ref. No. 1AC|Acq.I|SR-III|1-84|1579.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred uncer the Registeration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at New Delhi on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Radhey Shyam Bansiwal Slo Sh. Schan Lal and his sons rlo 6|64, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Orient Constructions, 1204, Rohit House, 3 Tolstoy Marg, New Delhi through its proprietor Dinesh Kumar. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 17 bighas and 18 biswas, Rect. No. 54 killa No. 4 (4-16), 7(4-10), Rect. No. 27 Kila No. 16 min (3-16), 17|1(2-6), 24|2 (2-8) with tube well, fitting, fixtures, situated in village Bijwasan, Tchsil Mehrauli, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Acquisition Range-I Dolhi New Dolhi,

Date: 12-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HQUSE, 4|14A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|1-84|1609.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 104. Savitri Cinema Complex, situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on January 1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

80-276GI|84

- (1) Dr. Kalyan Singh Slo Harnam Singh for self and general attorney of Harbans Singh, Inder Singh Gurdershan Singh sslo Harnam Singh, S-490.
 (A), G.K.-I, New Delhi.
- (2) Sh. Gurpreet Singh Nug (Minor)
 So Amrik Singh Nag, ro D-4, Westend Colony,
 New Delhi through father Amrik Singh Nug.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office flat No. 104 (F.F.), measuring 487.9 sq. ft. Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi,

Date: 12-9-1984.

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4114A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1984

Ref. No. lAC|Acq.I|SR-III|1-84|1610,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a fair market value exceeding and bearing.

No. S-521, Greater Kailash-II, situated at New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 6freen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Hemkunt Steel & Wire, (P) Ltd. 810-Meghdoot, 94-Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s, Girija Industrial Promotion Ltd. 14 B, Fzra Street, 9th Floor Calcutta-J.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-521, measuring 455.67 s. mt, Greater Kallash-II New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Pange-I Delhi New Delhi.

Date: 12-9-1984.

SexI

the same of the sa

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 29th September 1984

Ref. No. IAC Acq.1|SR-III|1-84|1611.—Whereas, I.

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

F-13, Kailash Colony, situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Trishla Devi Jain D-1A, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Karan K. Luthra and Smt. Neena Luthra, 1B-50, Lajpat Nagar New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the same property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double Storey House bearing No. F-13, Kailash Colony, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I DelkilNew Delhi.

Date: 29-8-1984.

 Sh. Inder Son Sarma E-296, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Rattan Chand Kamra through attorney Sh. Shashi Varma so K. D. Verma ro Sarojni Nagar Post Master Residence, New Delhi.

(Transferce

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1984

Ref. No. IAC Acq.I[SR-III]1-84]1615.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

E-296, Greater Kailash-I, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

E-296, Greater Kailash-I, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dăre: 12-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1984

Ref. No. IAC Acq. I SR-III 1-84 1616.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing

No. C-50, Nizamuddin East, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agraed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Lachman Dass Sharma, slo Sh.
 Bell Ram, Presently rlo A-16, Reddy Puri, Krishna
 Nagar, New Delhi.

 (Transferor)
- (2) Sh. Sushil Ahmad & Shakil Ahmad slo Z Mia Zaifer, rlo B-18, Nizamuddin West, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. C-50, Nizamuddin East, New Delhi, measuring 200 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1984

Rof. No. IAC|Acq.1|1-84|SR-111|1652.—Whereas, 1,

Ref. No. IAC/Acq.I/1-84|SR-III/1652.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Shop B Aliganj, situated at New Delhi

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi on January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1987);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Harbans Lal & Avtar Singh K-12, A, Lajpat Nagar-II, New Delhi. (Transferor)

(2) Mls. Manohar Singh & Co. through Manohar Singh Shop B Aliganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop B Aliganj, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House 4|14, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 12-9-1984

Seal s

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AGGARWAL HOUSE, 4114A, ASAF ALF ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|SR-III|1-84|1679.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the intermovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

No. 3 Property No. 12 Siri Fort Road situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred udner the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(1) Dharam Singh as transferee of M/s. Dharam Singh Family Trust, A-2/140, Safdarjung Enclave, New Delhi,

(Transferor)

Smt. Annapurna Mitra & Mr. Chinmoy Mitra r|o Flat 13|C. Saptaparni, 58|1, Ballygunge, Circular Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein has are delned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

F. Floor, front flat, No. 3, Property No. 12, Sirl Fort Road, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-1 New Delhl

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namety :-

Date: 12-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
AGGARWAL HOUSE, 4|14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|1-84|1608.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing

No. HS-28, Kallash Colony, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 21908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27.of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) P. G. Chatterjee so A. G. . Chatterjee ro Flat No. 13-B, Pocket 11A., LIG Flat, Kalkaji, New Delhi. (Transferor)

(2) M/s. Lavish Apartments (P)
Ltd., C-323, Defence Colony, New Delhi through
its Director Shri Vinod Jhunjhunwala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. HS-28, measuring 200 sq. vds. Kailash Colony, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, New Delhi

Date: 18-8-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5040. Whereas, I, V. K. BARANWAL,

neing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land Kh. No. 12 & 13 situated at Village Pidgaon, Teh. Harda Dist. Hoshangabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred.

under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Harda on January, 1934

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely :--

81-276GI 84

(1) 1. Shri Badri Slo Devraj, 2. Smt. Nathibai Wlo Devraj, Rlo Harda Khurd,

Dist. Hoshangabad.

Dist, Hoshangabad.

(Transferor)

(2) Shri Digvijay Woollen Mills Ltd. Regd. Office: Aerodrome Road, Jamnagar. Guirat. Br. Office: A 14, Housing Board Colony, Harda,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

l and Kh. No. 12 & 13 is situated at Village Pidgaon, Jeh. Harda, Dist. Hosangabad. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,
> 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 28-8-1984

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 5041.—Whereas, I.

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. House No. 34|817|1 situated at Gwalior Talkies, Phalke

Ki Got, Lashkar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gwalior on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen persecut of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely:--

(1) Shri Gopaldas So Shri Shankerlal Goyal, Ro Dal Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Kailash Chandra So Nehrulal Agrawal, Ro Ghorpade Ka Pada, Doulatganj, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 34|817|1, Gwalior Talkies is situated at Phalke Ki Got, Lashkar, Gwalior.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date : 28-8-1984

Seal •

_ , _ & _ -- -- -- -- -- -- -- --

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5042.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House No. 34|817|1 situated at Gwallor Talkies, Phalke Ki Got, Lashkar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Gwalior on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of Pny income arising from the transfer; andlor:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferée for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—-

Shri Harvilas
 Gopaldas Goyal,
 Ro Dal Bazar, Lashkar,
 Gwalior.

(Transferor)

(2) Smt. Sushiladevi Wo Kailashchand Agrawal, Ro Ghorpade Ka Pada, Doulatganj, Lashkar, Gwalior.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 34|817|1, Gwalior Talkies is situated at Phalke Ki Ghot, Lashkar, Gwalior. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhopal

Date: 28-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5043.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

v. R. DARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

No. House No. 34|817|1 situated at Gwalior Talkies, Phalke ki Gor Lashker

Ki Got, Lashkar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Gwalior on January 1984 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Satishchand So Gopaldas Goyal, Ro Dal Bazar, Lashkar. Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Dineshchand Slo Kailashchand Agrawal, Rlo Ghorpade Ka Pada, Doulatganj, Leshkar, Gwalior.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 34|817|1. Gwalior Talkies is situated at Phalke Ki Got, Lashkar, Gwalior, This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotti Building, T. T. Nagar,

Date: 28-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5044.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. No. Bungalow No. E-2|70 situated at Arcra Colony, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed herety), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registrating officer at

Bhopal on January 1984

for an epparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property 20 aforegaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely :-

(1) 1. Smt. K. V. Ayyar
Wd o Shri M. S. Vishwanath Khud,
Mukh. Aam Thro'
2. Shri V. V. Ayyar
So Shri M. S. Vishwanath,
4. Shri V. S. Ayyar
So Sri M. S. Vishwanath,
4. Smt. Geeta Ayyar
Do Shri M. S. Vishwanath,
5. Ku. Jai Laxmi Ayyar,
Ro E-2/70, Arera Colony,
Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Gupta Wo Shri S. R. Gupta, Char Imli, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow No. E-2|70 is situated at Arera Colony, Bhopal.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tex Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar,

Date: 28-8-1984

FORM I.T.N.S. ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Diwakar Verma
 Bhanwarilal,
 R|o 82|119, Tulsi Nagar,
 Bhopal,

Transferor(s)

(2) Smt. Mayadevi Wlo Narmada Prasad Rai, Rlo Vill. Babai, Sali Chouka Road, Dist. Narsinghpur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5045.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot No. 319 & Single Storeyed Building thereon situated at Goutam Nagar, Near Over bridge, Bhopal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhopal on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the (fability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official General.

EXPLANATION:—The terms and expressions used usrein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 319 & single storeyed building thereon is situated at Goutam Nagar, near Over bridge, Bhopal.

V. K. BARANWAL Competent Authority Instructing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

r subfollow- Date : 28-8-1984 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5046.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 2698 or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Plot & Shed built thereon situated at Nishatpurn.

Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Bhopal on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

(1) M|s. Laxmi Industries, Bhopal

Thro' Partners Kishanchand So Bherumal.

2. Bherumal So Tolaram, Ro Sindhi Colony. Bhonal.

(Transferor)

(2) 1. Ved Prakash Grower

2. Raviprakash

3. Rajesh

Slo Ishwardas Grower,

 Ishardas Grower guardian A. P. Son Rakesh & Naresh. R|o 105, Idgah Hills, Ram Nagar Colony, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot & Shed built thereon is situated at vill. Nishatpura, Bhopal.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 28-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 5047.—Whereas, I. V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe.

that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot No. 147, Zone No. 1, Scheme No. 13 situated at Major Shopping Centre, Habibganj, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhopal on January 1984

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Moolchand Gupta So Kanhaiyalal Gupta, R|o 5, Ravishankar Nagar; Bhopal 1464, Bhopal.

(Transferor)

(2) 1. Nanakchand Malik Slo Shri Ramlal Malik, 2. Smt. Parameshwari Devi

Wlo Ramlal, Patel Nagar, Hamidia Road, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 147, Zone No. 1, Scheme No. 13 is situated at major shopping Centre, Habibganj, Bhopal,

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Deta : 28-8-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

, Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5048.—Whereas, I. V. K. BARANWAI., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value extending Branch 2600. property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. House on Plot No. 353, E-4, Capital Project situated at Habibganj, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhopal on January 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 82---276GIJ84

(1) Shri Sardar Fyara Singh Slo Shri Sardar Utham Singh. Rlo Arem Colony, Bhonal.

(Transferor)

(2) Smt. Sunder Devi Wo Hiralal, Rlo House No. 91, Jawahar Marg, Shaiapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned to

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said memovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed building on plot No. 353 is situated at E-4, Capital Project, Habibgani, Bhopal,

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bhopal

Date: 28-8-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5049.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. Plot Kh. No. 142 (Part thereof) situated at Professors' Colony, Bhopal (Balganga) (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhopal on January 1984

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Sharbano Wio Late Mustaffa Hassan Qutbi, Rio Professors' Colony, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Tala Ishwar Prakash Slo Shri Tala Jhunmulal Shrivastava, Rlo Ghati Bhadbhunja Sahar, Bhonal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Kh. No. 142 (Part of) is situated at Professors' colony, Bhopal.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Daje: 28-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5050.—Whereas, I. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Plot Kh. No. 1426 (Part of) situated at Professors Colony, Balganga, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhopal on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Musmmat Sharbano Kuthbi Wlo Late Musthafa Hassan Kuthbi, Rlo Professors' Colony, Bhopal.

pai. (Transferor)

(2) Smt. Lallideví Wlo Munnalalji, Rlo Barkhedi, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot, Khasro No. 1426 (Part of) is situated at Professor's Colony, Bhopal.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bhopal

Date: 28-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITON RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5051.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land Kh. No. 442, 443[5]2 situated at Village Gavadia-kala, Dist. Bhopal

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhopol on January 1984

reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer at oneed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, an purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Lakhanlal
 Slo Shri Hari Prasad,
 Rlo Bavadiakala,
 Dist Bhoral.

(Transferor)

(2) Sangrila Grah Nirman Samti Lad., Bhopal, Thro' President Shri P. D. Choudhary S₁o Shri J. D. Choudhary, R₁o E-6|122, Arera Colony, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and Kh. No. 443/5/2 is situated at Vill. Bayadiakala Dist. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-6 duly verified by the transferice.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Bhopal

Date : 28-8-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC(Acqn, Bpl(5052,---Whereas, I,

V. R. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hercinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000; and bearing Plot No. 71, Zone No. 1 situated at Mahaiana Pratap Nagar, Major Shopping Centre, Habibganj, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed scieto), has been transferred under the Positional Act. (200 has been transferred, under the Registration Act. 1908 (16 of 1,08) in the office of the Registering Officer at Bhopal in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Smt. Snehlata Joshi Wo late B. B. Joshi, Rlo 102|6, 1464 Qrs., T.T. Nagar, Bhopal-Hall Mukam E-112, Arora Colony. Bhopul.

(Transferor)

(2) Shii Shrayan Kumai Sewani Slo Shri Kanhaiyalal Sewani, Rlo 122, Sindhi Colony, Bhogal.

(Transferer)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lator;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- 1 (PLYCHION :—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 71, Zone No. 1 is situated at Maharana Pratap Nagar, Major Shopping Centre, Habibgani, Bhoppal.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 28-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1): OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No IAC|Acqn|Bpl|5053.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

House bearing Municipal No. 40/940 situated at

Patankar Bazar, Lashkar, Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-taid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1)Smt. Ramkali Jain
Wlo Tarachand Jain,
2. Smt. Nirmala Kumari Jain
Wlo Vijay Kumar Jain,
Rlo Danaoli, Lashkar.

(Transferor)

(2) Dr. Bhupondra Kant S|o Shri Harbanslal, R|o Patankar Bazar, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 40|940 is situated at Patan-kar Bazar, Lashkar, Gwalfor.

V. K. BARANWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotti Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 28-8-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 5054,--Whereas, I,

Ref. No. IAC Acqn Bpi 3034.—whereas, 1, V. K. BARANWAI., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

On House No. 18|832 and a part of House No. 18|821 situated at Station Road, Raipur

has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of quasier with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nud/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shii Alok Mishra, Smt, Mamta Mishra, Smt. Alka Dixit, R|o Rana Palace, 5, Civil Lines, Sagar (M.P.).

(Transferor)

(2) SiShri Nirmal, Jeevan, Gopichand So Lalchand Kewlam, Ro Gole Bazar,
Raippur (M.P.)
Co Glaxi Enterprises,
Old Bus Stand,
Raipur (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The House No. 18|832 and Part of House No. 18|821 situated at Station Road, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Napar, Bhopul

Date: 28-8-1984

Scel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5055.-Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market Rs. 25,000]- and bearing House No. 18|832 and 18|821 situated at Station Ward, Raipur market value (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Raipur in January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exeeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of

parties has been transfer with the object of :-

> (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

> (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-fax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of thi snotice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Shri Alok Mishra 2. Smt. Mamta Mishra ! Smt. Alka Dikshii R|o Rana Palace, 5 Civil Lines, Rainur.

('fransferor)

(2) 1. Shri Nirmal, 2. Shri Jivan, 3. Shri Gopichand Rio Gola Bazar Ward, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- .b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 18|832 & 18|821 is situated at Station Road, Raipur. This is the immusable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the Transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range
> 4th Floor, Ganyotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 28-8-1984 Scal :

FORM ITNS (1) Shri Outubbudin slo Ibrahim Bhai a

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

PHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No IAC[Avqn[Bpl]5056.—Whereas, I, ·V. K. BARANWΛL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing Open plot Halka No. 110 Kh. No. 202 situated at Sanichari Padavu, Bilaspur (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred, under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the corties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of a

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1955 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under sub-arction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-83—276GI84

(1) Shri Qutubbudin s|o Ibrahim Bhai self & Through General Power of Attorney Sakina Bai W|o Hassimbhai R|o Mata Thal, Jabalpupr 2. Safia Bai W|o Ibrahim Bhai R|o Khapargani, Bilaspur.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Agrawal Sio Shri Jagmohandas Agrawal, Rio Vidya Upnagar, Bilaspur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said movable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot Halka No. 110, Kh. No. 202, P.H. No. 6|1 is situated at Sanichari Padavu, Bilaspur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gaugotti Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 28-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAI, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5057.—Whereas, 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Part of Plot No. 6|4 situated at Sanichari Padayu, Bilaspur

tand more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bilaspur on January, 1984

Bilaspur on January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Efteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Qutubbuddin slo Ibrahim Bhai self & Through General Power of Attorney Sakina Bai Wlo Hassimbhai Rlo Mata Thal, Jabalpur 2. Safia Bai Wlo Ibrahim Bhai Rlo Khanpargani, Bilaspur.

(Transferor)

(2) Shri Ramawatar Agrawal Soo Shri Jagmohandas Agrawal, Roo Vidya Upnagar, Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No .6|4 (Part thereof), Kh. No. 245 is situated at Sanichari Padavu, Bilaspur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T, Nagar, Bhopal

Date: 28-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5058.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable in the immov property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No .6/1 (Part thereof) situated at Sanichari Padayu, Bilaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bilaspur on January, 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Qutubbuddin s|o lbrahim Bhai—Self & Through General Power of Attorney Sakina Bai W|o Hassimbhai R|o Mata Thal, Jabalpur 2. Safia Bai W|o Ibrahim Bhai Rlo Khapargani, Bilaspur.

(Transferor)

(2) Shri Ram Awatar Agrawal Slo Shri Jagmohandas Agrawal, Rlo Vidya Upnagar, Bilaspur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorphism able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 6|1, Kh. No. 202 is situated at Sanichari Padavu, Bilaspur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice unas. Subsituated at Sanichari Padav, Bilaspur persons, namely :---

Date: 28-8-1994

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5059.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Plot No .6 1 (Part thereof) situated at Sanichari Padavu, Bilaspur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-taz Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Qutubbuddin s|o Ibrahim Bhai self & Through General Power of Attorney Sakina Bai Wo Hassimbhai, Ro Mata Thal, Jabalpur Safia Bai Wo Ibrahim Bhai Rlo Khapargani, Bilaspur.

(Transferor)

(2) Shri Ram Awatar Agrawal So Jagmohandas Agrawal, Ro Vidya Upnagar, Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6 1, (Part thereof) Kh. No. 202 is situated Sanichari Padavu, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rauge 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 28-8-1984

Seal .

(Transferor)

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Harjas Ram Mudnani Slo Kishandas Mudnani, Rlo 1254, Right Town, Jabalpur.

1267, Right Town,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTITON RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|5060.—Whereas, i, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the fincome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing House No. 8267 to 8270

situated at Right Town Ward, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer a Jabaspar in January, 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have teasen to believe that the tan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922). or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the raid property may be made in writing to the undersigned:—

(1) Shri Narayan Ramchandra Phadnis Slo Shri Ramchandra Neelkant Phadnis,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

happanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8267 to 8270 is situated at Right Town, Jubalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Boilding
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-8-1984

PORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 '43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5061.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Plot No. 173, House No. 1298 1, 1298 2 & 1298 5 situated at Madan Mahal, Health Camp, Napier Town, New Right Town, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur in January, 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ved Swarup Gupta Slo Late Shanti Swarup Gupta Rlo 1298, Right Town, Jabalpur.

(Transferor)

1. Dr. J. K. Tandon,
 2. Smt. Lata Tandon,
 3. Smt. Anand Pyari Tandon,
 All ro 173, Napier Town,
 Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 173, House No. 1298[1, 1298[2, 1298]5 is situated at Napier Town, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floo1, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 28-8-1984

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|5062.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Land Kh. No. 531 situated at Village Ghata, Dist. Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jabalpur in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcanid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforebelieve that the lam maker value of the property as and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Prem Chand So Ramkrishna Lal, R o 238, Gada Phatak. Jabalpur.

(Transferor)

(2) Army Personnel Re-settlement Grih Nirman Sah-kari Samiti Ltd. Katanga, Jabalpur Through President Shri R. K. Trivedi, Secretary & Secretary Shri R. P. Bajpai, Jabalnur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 531 1, N.B. 599, P.H. No. 28 is situated at Village Ghata Dist. Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 28-8 1984

Senl.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIÓN RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC[Acqn[Bpl]5063.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land Kh. No. 532 I situated at Village Ghata, Dist. Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jabalpur in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dhaniram S|o Sukhulal, R|o Ganj, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Armp Personnel Re-settlement Griha Nirman Sahkari Samiti Ltd., Maryadit, Jabalpur Through President Shri R. K. Trivedi Slo Shri B. S. Trivedi & Secretary Shri R. P. Bajpai, Slo Shri A. V. Bajpai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDJLE

Land Kh. No. 532|1 N.B. No. 599, P.H. No. 22 is situated Vitiago Obeta Dist. Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date : 28-8-1984

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5064.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000- and hearing

Rs. 25,000|- and bearing Land Kh. No. 531|1 situated at Village Ghata, Dist. Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer a Jabalpur in January, 1984

Earket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market-value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—84—276GI|84

(1) Shri Premchand So Shri Ramkrishna Lal Ro 238, Gada Phatak, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Army Personnel Re-settlement Griha Nirman Sahkari Samiti Ltd., Maryadit, Jabapur Through President Major R. K. Trivedi, & Sceretary Shri R. P. Bajpai, Jabalpur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 531 1, N.B. 599, P.H. No. 28 is situated at Village Ghata Dist. Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 28-8-1984

NOTICE UNDER SECTIOIN 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5065.—Whereas, I, V. K. BARANWÂL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Land Kh. No. 531|1 situated at Village Chart Bid Xi.

situated at Village Ghata, Dist Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at labalpur on January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of :---

- (2) fucilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the manufer, and/or
- (b) facilitating the conceolment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely---

(1) Shri Premchand So Ramkrishna Lal Rlo 238, Gada Phatak, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Army Personnel Re-settlement Grih Nirman Sahakari Samiti Maryadit, Jabalpur Through President Major R. K. Trivedi and Secretary, R. P. Bajpai, Jabalpur Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 531 1, N.B. 599, P.H. No. 28, is situated at Village Ghata, Dist. Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-O duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 28-8-1984

Soal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Rcf. No. IAC|Acqn|Bpl|5066.—Whereas I, V. K. BARANWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000- and bearing

No. House No. 411(Part thereof) situated at South Civil Lines Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at fabalpur on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Padma Binani Family Trust Estate Raja Gokuldas Palace Hanumantal Jabalpur Thro' Trustee—Chandra Mohan So. late Shri Manmohan Das Trustee.

(Transferor)

(2) M|s. Bhasin Builders P|o Gurvinder Singh S|o. S. Gurmukh Singh Bhasin R|o 635, Napier Town, Jahalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, with the period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and exoressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 411 (Part thereof) is situated at South Civil Lines, Jabakpur.

V. K. BARANWAI.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date: 28-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|5067,--Whereas, L. V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land Kh. No. 133/2, Naya Kh. No. 169 situated at Vill. Udaipur, Teh. Niwas, Dist. Mandla

(and morefully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Niwas, Distt. Mandla (Niwas) on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

 Mr. Jagdishchandra Mehrotra Slo. Mr. K. P. Mehrotra, Clo. Trimurti Talkies, Ufjain (Power of attorney with his wife Mrs. Damyanti Mehrotra, 1224, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Kailash Auto Builders (P) Ltd., Commercial Automobiles Bldg., Napier Town.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immore able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 133/2 (New Kh. No. 169, Halka No. 1 is situated at Udaipur, Teh. Niwas, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form number 37-G duly verified by the transferee.

v. k. baranwal, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition, Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-8-1984.

FORM ITNS----

THE RESERVE OF THE PROPERTY OF

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl|5068.—Whereas, I. V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing

Land Kh. No. 1883, 1884, situated at Vill. Kheda, Teh. Jawad, Dist. Mandsaur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jawad on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Udailal S|o Shrl Dhokalji, R|o Vill. Kheda Rathore, Teh Jawad, Dist. Mandsaur.

(Transferor)

(2) The Gwalior Rayon Silk Manufacturing (Wvg) Co. Ltd., Birlagram, Nagda Thro' Sbri C. P. Jaju Slo Shri Ram Narain Jaju Vice-President, The Gwalior Rayon Silk Mfg, (Wvg) Co. Ltd., Birlagram, Nagda, Present address: Bungalow No. 38, Neemuch Cantt. Dist. Mandsaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a geried 6' 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 1883, 1884 is situated at Vill. Kheda Rathore, Teh. Jawad. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date: 28-8-1984.

FORM I'INS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

79. С. <u>С. С. В. Де</u>рими, Станический в туппу порудующе им. Станич<u>ующих стуга</u>

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5069.—Whereas, I., I, V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269b of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that to immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Land bearing Survey No. 1885 situated at Vill. Kheda, Ten Jawad, Dist. Mandsaur (and more fully described in the Schedule appeared beautic)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jawad in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been unity stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any anoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Khachur Slo Shri Raghunathii Guiar, Rio Kheda Rathore Parghana, Jawad (M.P.).

(Transferor)

(2) The Gwalior Rayon Silk Manufacturing (Wvg) Ltd., Birlagram, Nagda Thro' Shri C. P. Jaju Slo Shri Ram Narain Jaju, Vice-President, The Gwalior Rayon Silk Mfg. |Wvg | Co. Ltd., Birla Gram, Nagda, Procent address: Property No. 28 Narayota Present address: Bungalow No. 38, Neemuch Cantt Mandsaur.

(Transferce

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 1885 is situated at Vill, Kheda Rathore Parghana, Jawad, Dist. Mandsaur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-8-1984.

 Siri Dhanraj Kanhaiyalal Maheshwari, Owner Shri Kanhaiyalal
 Slo Shri Dhanraj Maheshwari,
 Rlo 418, Katju Nagar,
 Ratlam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PRODUCTION OF THE PRODUCT OF THE ARCHITECTURE AND PRODUCT AND ARCHITECTURE ARCHITEC

(2) Smt. Pushpawati
 Wlo Shri Govindram Agarwal,
 Rlo House No. 42. Marton-Ka-Was,
 Ratlam

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5070.—Whereas, I, V. K. BARANWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Honse No. 42, Maraton-ka Was, Ratlam situated at Ratlam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (15 of 19908) in the office of the Registering Officer at Patlam in January 1984

Ratlam in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of tensors.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of one income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

House No. 42 is situated at Maraton-Ka-Was, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-8-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

So Shri Dhanrajji Maheshwari, Prop. Dhanraj Kanhaiyalalji Maheshwari, 418, Katju Nagar, Ratlam.

(1) Shri Kanhaiyalal

(Transferor)

 Shri Govindram Slo Shri Laxminarainji Agrawal Bajaj, 110, Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5071.—Whereas, I, V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House bearing Municipal number 42 (Part thereof) situated

Mohalla Marhato, Ratlam

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ratlam in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. whall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 42 is situated at Mohalla Marhato, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rhopal

Date: 28-8-1984.

(1) Shri Hindu Singh Slo Shri Pannalal Vaidya. Sardar Patel Marg, Dewas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anukool Grah Nirman Sahkari Sanstha Maryadit. Dewas Thro' President Shri Dinesh Kumar Nigam, 1380, Bank Note Press, Downs.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

IAC|Acqn|Bpl|5072.-Whereas, I, V. K Rew No. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value the immovable property having exceeding Rs. 25,000|- and bearing land bearing Survey No. 682 situated at Vill. Mendki, Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dewas in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land bearing Survey No. 682 is situated at village Mendki. Dewas. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

THE SCHEDULE

V. K. BARANWAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:---85---276G1184

Date: 28-8-1984.

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5073,—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land bearing Survey No. 707/2 situated at Mendki (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Hindu Singh S|o Shri Pannalalji Vaidya, R|o Sardar Patel Marg, Dewas.

(Transferor)

(2) Anukool Nagar Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, Dewas Through President Shri Dinesh Kumar Nigam, R|o 1388, Bank Note Press, Dewas

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 707|2 is situated at Vill. Mendki. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range
Bhopal

Date : 28-8-84

FORM I.T.N.S .-

Shri Prakash
 Sho Shri Saligram,
 R|o Vill. Pipliya Kunwar,
 Teh. Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M|s. Snehnagar Grah Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, Thro' President Shri Arjundas S|o Shri Jeth anand Chawla, 114-A, Snehnagar, Indore (M.P.).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5074.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Open undeveloped land at Kh. No. 23 1 situated at Vill. Pipliya Kumar, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bitween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kb. No. 32|1 is situated at Vill. Pipliya Kumar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferre.

V. K. BARANWAL
Conspected Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range

Bhöpal

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Weight-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-8-84

(1) Shri Sugnamal So Shri Manghamal, R o 59, Telephone Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Devwanti Pande Wlo Shri Jainarain Pande, Rlo 679, Chhoti Omti, Jabalpur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

IAC|Acqn|Bpl|5075.—Whereas, I, V. K. Ref. No. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

House No. 59, situated at Telephone Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sold instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 59 is situated at Telephone Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> **v. k. bara**nwal Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bhopel

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sold Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-8-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5076.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

Plot No. 318, Saket Nagar, Indore situated at Saket Nagar, Indore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the office of the registering officer at ladore in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Harishchandra
 S|o Shri Hardayal Virmani,
 3|3, Delhi Vikas Pradhikaran,
 Flat Hojkhas,
 New Delhi-110 016.

المعالمية المعارض المساملية المعارض الم

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Arora Wo Shri Chimanlal Arora, House No. 94, Jawahar Marg, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 318 is situated at Saket Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bhopal

Date : 28-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

IAC|Acqn|Bpl|5077.--Whereas, I, V. K. No. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 44, Greater Tirrupathi Colony situated at Greater

Tirrupathi Colony, Indore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shriniwas Slo Shri Gopalkrishna Kamath, Rlo 10/2, Ushagani, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Sureshchandia S|o Shri Mohanlal Kakani, R|o Vill. Luni Ratlam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions ued herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 44 is situated at Tirrupathi Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bhopal

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :-

Date: 28-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5078.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

and bearing
Plot No. 44 situated at Greater Tirupati Colony, Indore.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Indore in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-cax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shriniwas Kamath S|o Shri Gopalkrishna Kamath, 10|2, Ushaganj, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Kumar Mohanlal Kakani Vill. Luni, Dist. Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improve able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 44 is situated at Greater Tirupathi Colony, Indore This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bhopal

Date: 28-8-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5079.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and

bearing No. House No. 21 situated at Ada Bazar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vijay Singh S|o Ganga Singh Chouhan R|o 21, Ada Bazar Indore

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Bai W \mid o Girdhari Singh Chouhan, R \mid o 21, Ada Bazar, Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 21 is situated at Ada Bazar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhep.

Date: 28-8-1984.

Scal

(1) Shri Vijay Singh So Ganga Singh Chouhan Rio 21, Ada Bazar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961) (2) Shri Girdhari Singh. Slo Shri Vijay Singh Chouhan, Rlo 21, Ada Bazar, Indore

(Transferee

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqu[Bpl|5080.—Wherem, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. House No. 21 situated at Ada Bazar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on January, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saki Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
86—276GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 21 is situated at Ada Bazar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhop.

Date: 28-8-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANCE COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5081.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

single Storeyed building on plot No. 440 situated at

Kalany Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering
Officer at Indore on January, 1984.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the full standard of the said Act, to the said Act, persons, namely ---

(1) Radhadevi Wo Shri Ramniwasji Somani, Rlo 27, South Yashwant Ganj, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Indorilal S|o Shri Pannalalji Jain, R|o 9, Prajapat Pura, Indore Presently at 166, New Sindhi Colony, Indore (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storeyed building on plot No. 440 is situated at Kalany Nagar, Indore,

This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANW, 🛂 Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 28-8-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 5082.—Whereas, I, V. K. BARANWAI., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred 10 as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No Free-hold land bearing Survey No. 18, situated at Vill. Goyla Khurd, Saver Road, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ujjain on January, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Balmukund So Shri Jagannathii. R|o Malipura, Ujjain

(Transferor)

(2) M/s Bharat Housing Co-op. Society Ltd. Regd. Office: Gandhi Bhavan, Nai Sadak, Thro' Shri C. B. Gupta, President. Ujjain

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Free-hold land bearing Survey No. 18 is situated at Village Goyla Khurd, Saver Road, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 28-8-1984.

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Rcqn|Bpl|5083.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 25,000- and exceeding

bearing No Free-hold land bearing Survey No. 18, situated at Vill. Goyla Khurd, Saver Road, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on January, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Sh. Balmukund Sio Shri Jagannathii Mali Rlo Malipura, Ujjain Vill. Goila Khurd, Teh. & Dist. Ujjain Thro' General Power of attorney Tarachand Slo Mangilal Mali, Malipura, Ujjain. (Transferor)
- (2) M|s Bharat Housing Co-op. Society Ltd., Office: Gandhi Bhavan, Nai Sadak, Ujjain Thro' President Shri Chandrabhan Gupta S|o Biharilalji Gupta, R|o Ujjain. (Transferce)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notico in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold land bearing Survey No. 18 is situated at Village Golla-Khurd, Saver Read, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 28-8-1984. Seal:

FORM ITNS-

The second state of the second

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5084,---Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No.

Free-hold land bearing Survey No. 18, situated at Vill. Goyla Khurd, Saver Road, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering

Officer at Ujjain on January, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Balmukund S|o Jagannathji Mali R|o Malipura, Ujjain Vill. Goila Khurd, Teh. & Dist. Ujjain Thro' General Power of attorney Tarachand S|o Mangilal Mali, Malipura, Ujjain.
 (Transferor)
- (2) M|s Bharat Housing Co-op. Society Ltd., Regd. Office: Gandhi Bhavan, Nai Sadak, Ujjain Thro' Shri C. B. Gupta, President. S|o Biharilalji Gupta, R|o Ujjain.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold land bearing Survey No. 18 is situated at Villge Goyla Khurd, Saver Road, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, 8h p

Date: 28-8-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5085.-Whereas, 1,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immosphole property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No Free-hold land bearing Survey No. 18, situated at Vill. Goila Khurd, Pargana, Ujjain

Vill. Goila Khurd, Pargana, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(by facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or when ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); . (1) M|s. Bharat Housing Co-op. Society Ltd, Ujjain Thro' President Shri Chandra Bhan Gupta So Shri Biharilalji Gupta, Ro Ujjain.

(Transferor)

(2) M/s. Vikiant Karmachaari Grih Nirman Sanstha Regd. Office: Daba Road, Ujjain Sahkari Thro' President Shri Kamalkant Dwivedi, Ro Ujjain.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold land bearing Survey No. 18 is situated at Village Goila Khurd Pargana, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verifled by the transferce.

> V. K. BARANW 33 Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhogul

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-8-1984.

Seal

FORM LINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5086.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and

bearing No Free-hold land bearing Survey No. 18, s toated at Vill. Goila Khurd, Pargana, Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ujjain on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Mis. Bharat Housing Co.-op. Society Maryadit, Ujjain. Thro' President Shii Chandra Bhan Gupta So Shri Bibarilalji Gupta, Ro Ujjain. (Transferor)
- (2) M|s. Vikrant Karmachari Griha Nirman Sahkari Sanstha Regd. Office: Daba Road, Ujjain Thro' President Shri Kamalkant Dwivedi Ro Ujjain (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days fromthe service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Free-hold land bearing Survey No. 18 is situated at Village Goila Khurd Pargana, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAI Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 28-8-1984.

Scar

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5087.—Whereas, I. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. Free-hold land bearing Survey No. 18, situated at Goila Khurd Pargana, Ujjain

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred, under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Ujjain on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-ald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Bharat Housing Co-op. Society Ltd, Ujjain Thro' President Shri Chandra Bhan Gupta So Shri Biharilalji Gupta, Ro Ujjain.

(Transferor)

(2) MS Vikrant Karmachari Grih Nirman Sahkari Sanstha Regd. Office: Daba Road, Ujjain Thro' President Shri Kamalkant Dwivedi R.o Ujiain (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Free-hold land bearing Survey No. 18 is situated at Village Goila Khurd Pargana, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 28-8-1984.

· Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, RHOPAL, M. P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5088.--Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and

ks. 25,000]- and bearing No Free-hold land bearing Survey No. 18, situated at Vill. Goyla Khurd, Saver Road, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Ujjain on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 if 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

87—276 GI|84 (1) Shri Balmakund S|o Shri Jagannathji Mali Mali R|o Malipura, Ujjain Thro' General Power of Attorney Shri Tarachand S|o Mangllalji R|o Malipura, Ujjain, (Transferor)

(2) Mls Bharat Housing Co-op, Society Ltd., Regd. Office: Gandhi Bhavan, Nai Sadak, Thro Shri C. B. Gupta, President Rlo Ujjain. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold land bearing Survey No. 18 is situated at Villge Goyal Khurd, Saver Road, Ujjain, This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopul

Date: 28-8-1984.

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUINION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5089—Whereas, I, V.K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Land bearing survey No. 18

situated at Vill. Goyala Khurd, Pargana, Ujjain

and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on January, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following paragraphs namely:—

- (1) Bharat Housing Co.-op. Society Maryadit, Ujjain Thro' President Shri Chandra Bhan Gupta Slo Biharilalji. Gupta, Rlo Ujjain.

 (Transferor)
- (2) Vikrant Karmchari Grih Nirman Shakri Sansth Regd. Office Daba Road, Ujjain Thro' President Sh. Kamalkant Dwivedi Ro Ujjain.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold land bearing Survey No. 18 is situated at village Goyala Khurd, Pargana, Dist. Ujjain. This is the immovable property which has been described in from No: 37-G duly verified by the Transferee.

V.K. BARANWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Bhopal, M.P.

Date: 28-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, L. M.P.

Bhot

8th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5090--Whereas, I, V.K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House

situated at Nanak Marg, Dhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhar on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which sught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Manormabai Wd|o Rajaram Nadkar
 - Surechandra
 Prafulkar

 - 4. Sudhir Kumar
 - 5. Sou. Kumud
 - 6. Sou. Shaila 7. Ajay Kumar S|o Rajaram

Dhar.

(Transferor)

(2) Smt. Sou. Sushilabai W|o Shankarlalji Jain Rlo Mahatma Gandhi Marg, Dhar.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid p. rsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The House is situated at Nanak Marg, Dhar. This is the immovable property which has been described in form No. 37—G duly verified by the transferee.

> V.K. BARANWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal, M.P.

Date: 28-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5091—Whereas, I, V.K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Single storcyed building on plot No. 40 (Part there of) situated at Mechanic Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Grewal Electric Works Through Sri Guruvachan Singh Slo Malkiyat Singh, Rlo 16, Radio Colony, Indore.

(Transferor)

Sri Harmendra Singh, 2. Charanjeet Singh
 Ajit Singh, 4. Sukhvinder Singh
 Slo Shri Sardar Gyansinghji
 No. 2 (Minor) Through Guardian Sardar Gyansingh & S. No. 3 Thro General Power of attorney Sardar Gyansingh Slo Shri Bhagatsinghji
 Rlo 11, Adarsh Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed building on plot No. 40 is situated at Mechanic Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in from No. 37-G duly verified by the transferee.

V.K. BARANWAL, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bhopal, M.P.

Date: 28-8-1984

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5092—Whereas, I, V.K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 90-R, Scheme No. 44 of Indore Development

Authority—House Built thereon and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Indore in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely:---

(1) Rameshchand Slo Nandiramji Thro' General Power of attorney Vijay Kumar So Shri Hariremji Shadija, Ro 42, Jayrampur Colony, Indore.

(Transferor)

24265

(2) Shri Hargundas So Namomalji Haryani Ro 36 Mahavir Marg. Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on Plot No. 90-R (Scheme No. 44, Indore Vikas Pradhikaran) is situated at Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G fully verified by the transferee.

V.K. BARANWAL. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal, M.P.

Date: 28-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5093—Whereas, I, V.K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House built on Plot No. 547 situated at Vishnupuri Annexe Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S|o Jadavchand Ghadiwal, R|o 226, Sanghi Street, Main Road, Mahow. (Transferor)

(2) Shri Ramkishore Slo Prayag Rajpal, Gentral Bank of India, Gokulpur (M.P.).

(1) Shri Anokhilal

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on Plot No. 547 is situated at Vishnupurl colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V.K. BARANWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal, M.P.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5094—Whereas, I, V.K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Single storeyed bldg., on plot No. 236-R situated at Khatiwala Tank Scheme No. 44, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Indore in January, 1984 for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have

reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Santosh Singh S|o Shri Mela Singhji Hore R|o 134, Imli Bazar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt Sushila Devi Kapoor Wo Shri Brijmohanji Kapoor, Ro 122, Transport Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed bldg. built on plot No. 136-R is situated at Khatiwala Scheme No. 44, Indore. This is the immoval property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V.K. BARANWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal, M.P.

Date: 28-8-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 28th August 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5095—Whereas, I, V.K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

House, bearing Municipal No. 6:561 (New No. 65)

University Marg, Ujjan situated at Ujjain

(and more fully described in the scheme annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908)

In the Office of the registering officer at

at Ujjain in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Jaimala Ingle
 Wd|o Jaisinghraoji Ingle
 R|o House No. 65, University Road, (Dewas Road), Ujjain.
 (Transferor)

(2) 1. Shri Manoharlal 2. Suraj Parkash Slo Kashiramji,

Rio 16, Mojmarg, Freeganj, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 65 (New Number) is situated at University Road (Dewas Ioad) Ujjain. This is the immovable property which has been described in from No. 37-G duly verified by the transferee.

V.K. BARANWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal, M.P.

Date : 28-8-1984

(1) Shri Ram Prasad S|o Darbari Sahu etc. Khamtarai, Teh, Raipur.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ramjibhai Soo. Ishwarlal Patel, Roo Phaphadih, Rampur, Teh., Dist. Raipur.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5096.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Land bearing Land bearing Kh. No. 88|1, 2, 3, 4, & 5 situated at Khamtarai, Teh. Rampur, Raipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur in January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer swith the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 88|1, 2, 3, 4 & 5 situated at Phaphadih, Teh. Raipur, Dist. Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL,
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bhopal

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 5-9-1984

Seal:

88-276 GI|84

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5097.--Whereas, I, V. K.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. Land Kh. No. 88 1, 2, 3, 4, & 5 situated at Khamtarai,

Teh. Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raipur on January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair Jmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Shri Ram Prasad So Darbari Sahu etc. R o Khamtarai. Teh. Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Govind Bhai So. Ramji Bhai Patel, Rlo Khamtarai, Teh. Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 88|1, 2, 3, 4, & 5 situated at Khamtaral,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Bhopal

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-9-1984

Teh. Raipur, Dist. Raipur.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ram Prasad So Darbari Sahu Khamtarai, Teh, Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Janbai Wo. Ramji Bhal, Phaphadih, Raipur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5098.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing
Land, bearing Kh. No. 88|1, 2, 3, 4 & 5 situated at Vill.
Khamtarai, Raipur Teh., Dist. Raipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Raipur in January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 88 1, 2, 3, 4 & 5 situated at Vill. Khamtarai, Tch. Raipur, Dist. Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V, K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bhopal

Date: 5-9-1984

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri D. P. Ruppal, 130 C-3 B-sector, Barkheda, Bhonal

(2) Shrimati Asha Jain, E-7|24, Char Imli, Bhopal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhogal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5099.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 10-C, Zone II, Major Shopping Centre. Habibgani

Bhooal

situated at Habibgani, Bhopal fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 101C, Zone-II is situated at Major shopping Centre, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the trans-

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5100.-Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Plot No. 58

situated at Maharana Pratap Nagar, Major Shopping Centre, Habibganj Bhopal

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of the property are cent of such consideration. than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Tarik Hussain Khan So Mushtaq Hussain Khan, Near Jehangiriya School, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri P. L. Goswami So L. V. Goswami, 96, Kasturba Nagar, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 58 is situated in Maharana Pratap Nagar, Majat Shopping Centre, Habibganj, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor Gangotri Building T. T. Nagar. Bhopal

Date 5-9-1984 Seal:

(1) Ram Prasad Slo Darbari Sahu & others Rlo Khamtarai, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Lakhamsi Bhai So Ramji Bhai Patel, Rlo Fafadih. Raipur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acq.Bpl|5101|1-84|318.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Land bearing Kh. No. 88[1,2,3,4, & 5 situated at Khamtarai, Teh. Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur In January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 88|1, 2, 3, 4 & 5 is situated at Khamtarai, Teh. Raipur, Dist. Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor Gangotri Building T. T. Nagar,

Date: 5-9-1984

(1) Shri Ramrattan Soo Gangadas Nathani, Ro Sadar Bazar, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Swarupchand So Maniklal, Rlo Choubey Coloney, Raipur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC Acqn|Bpl|5102.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Land bearing Kh. No. 72|2 & 171|2(P.H.No.61) situated at Vill. Amleshar, Bhilai, Dist. Durg,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Durg in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 72/2 & 171/2 P.H. No. 61 situated at Amleshwar, Bhilai, Teh. & Dist. Durg. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor Gangotri Building, T. T. Nagar Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 5-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Kusum Bai Wo Rajkumar, Ro Sadar Bazar, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Swarupchand So Maniklal, Rlo Choucey Colony, Raipur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE. BHOPAL M. P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref No. JAC Acqn Bpl 5103.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0001and bearing No.

Land bearing Kh. No. 100 (P.H. No. 61) situated at Vill. Amleshar, Bhilai, Dist. Durg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Durg in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- ,b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 100 (P.H. No. 61) is situated at Vill. Amleshwar, Bhilai, Dist. Durg. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-9-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref No. IAC Acqn Bpl 5104.—Whereas, I, v. k. baranwal,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Undeveloped land at Survey No. 11, 12 1 and 12 3,

situated at Dosigaon, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Ratlam in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following 89—276 GI/84

(1) Kachru So Amra Mali, R|o Dosigaon, Ratlam.

(Transferor)

(2) Ratlam Fertilisers Ltd.. Ratlam Regd. Office 305-312 Deepali Bldg., 3rd floor, 92, Nehru Place, New Delhi. H.O.: 96, Garden Reach Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undeveloped land at Survey No. 11, 12|1 and 12|3 is situated at Dosigaon, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce..

> V. K. BARANWAL Competent Author-Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-9-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref No. IAC|Acqn|Bpl|5105.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing Survey No. 12|1, & 12|3 situated at Rosigaon, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ratlam in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Nandram So Motiji Suthar, Rlo Dosigaon, Ratlam.

(Transferor)

(2) Ratlam Fertilisers Ltd., Ratlam Regd. Office 305-312 Deepali Bldg., 3rd floor 92, Nehru Place, New Delhi. H.O.: 96, Garden Reach Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undeveloped land bearing Survey No. 12|1 & 12|3 situated at Dosigaon, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-9-1984

Seal .

FORM TINS

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref [No. IAC]Acqn|Bpl|5106,---Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. M. H. No. 379, Ward No. Katju Nagar Colony,

situated at Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering officer at Ratlam in January 1984

for an apparent consideration which is less than market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Govindlal Sio Shri Joharmalji Agarwal Ro 379, Katju Nagar, Ratlam.
- (Transferor) (2) Haji Saiffuddin So Shri Haji Fida Hussain Mithaiwala, Ro Mohalla Chandni Chowk, Bohra Bakhal. Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M. H. No. 379, Ward No. 5 is situated at Katju Nagar Colony, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-9-1984

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5107,—Whereas, 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 2

situated at Prince Yashwant Road, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in January 1984

for an apparen; consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons. namely:—

(1) Rukhmanibai Pushpasheelrao Ponde, Ro South Tukuoganj, Indore (MP).

Transferor) (2) Nandkishore Kundanlal Pardeshi 2287 Maharashtra Samaj Bhayan Road, Mhow. Vinod Kumar So Harishchandji Bundela, R|o 3364, Mukeri Mohalla, Mhow. 3. Sureshkumar S|o Jiyalal Kanojiya Ro Lala Ram Nagar, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person-whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hous No. 2 is situated at Prince Yeshwant Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-9-1984

FURM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5108.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

Authority under Section 269B of being the Competent the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

House bearing Municipal No. 2 situated at Prince Yeshwant Road, Indore and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Indore in Januars 1984

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Rukhmanibai Pushpa Sheel Rao Ponde R|o South Tukoganj, Indore.

(Transferor)

(2) Chintaman Soo Shri Nanuramji Solanki 2. Smt. Lalabai Wo Shri Chintamani Solanki, Ro 323, Jawahar Marg. Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person-whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2 is situated at Prince Yeshwant Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S|Shri J. Sachanand Bhatia, 2. Meghraj Bhatia Ratankumar Bhatia 4. Maheshkumar Bhatia, R/o 60, Radha Nagar, Indore

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Hashim So Shri Mohd. Hussain Rlo 20, Champa Bagh, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5109.—Whereas, l, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imshovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

M. H. No. 10, Plot No. 4 (Part of Sridevi Apartments) situated at M. G. Road. Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating hte reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M. H. No. 10, Plot No. 4 (Part of Sridevi Apartments) is situated at M. G. Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 4th Floor Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following nersons, namely :-

Date: 5-9-1984

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sachanand Bhatia, 2. Meghraj Bhatia Ratankumar Bhatia, 4. Maheshkumar Bhatia, R|o Radha Nagar, Indoic.

(2) Shri Ashok Ingle S|o Govindrao Ingle, 161, Tilokpath, Indore

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5110.—Whereas, I, V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. House No. 10 on plot No. 4 situated at M.G. Road,

Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nathely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

House No. 10 on Plot No. 4 is situated at M. G. Road, Indore. This is the immovable property which has been described in the form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal

Date : 5-9-1984

FORM ITNS----

(1) M|s Ashawadi Transport Corporation Indore Thro, Prop. Shri Kanhaiyalal Bade Slo Shri Naguramji Bade, Rlo 25-26, Roopram Nagar, Indore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A.B.C. India 1.td., 226, Transport Nagar, Indore. Thro' Manager, Shri Shyamlal Gupta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5111.--Whereas, I, V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Structure and land at Plot No. 225 situated at Transport Nagar, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Structure and land at Plot No. 225 is situated at Transport Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified by the trans-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Bullding
T.T. Nagar, Bhopal

Naw, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5112.—Whereas, I, V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

M. H. No. 14, Gas House Road, Indore situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of eyasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
90—276 GI|84

- (1) Shri Sardar Virendra Singh Bolia, Sjo Narayan Rao Bolia, Rio 9, Manik Bagh Road, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Shilinbai Wd|o Abdulbhai Khambati,
 R|o 100, Gandhi Nagar, Indore.
 2. Mohd. Khambati S|o Abdulla Bhai Khambati,
 R|o 100, Gandhi Nagar, Indore.
 (Transferee)

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days f from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M. H. No. 14 is situated at Gas house Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 5-9-1984

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-I'AX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Sardar Virendra Singh Bolin Slo Narayan Rao Bolia, Rlo 9, Manik Bagh Road, Indore

(Transferor)
(2) Shri Kamalkishore Naneria & Prafulchand Naneria,
Soo Shri Lakshmichand Naneria,
14 (Old) Gas House Road, Indore.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th September 1984

Rel. No. IAC|Acqn|Bpl|5113.—Whereas, I, V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. I and situated at 14, Gas House Road Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tag Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under susceion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M.H. No. 14 is situated at Gas House Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopul

Date : 5-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5114.—Whereas, 1, V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (incremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. M.H. No. 14 situated at Gas House Road, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Laxmi Chand Nanekia So Sita Ram Nanekia, 10, Neelkanth Colony, Indore.

(Transferor)

Shri Shirin Bai wdo Abdulla Bhai Khambati
 Sri Mohd, Khambati So Abdullah Bhai Khambati, Ro 100, Gandhi Nagar, Indore.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M.H.No. 14 is situated at Gas House Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Anil Kumar (Minor) Slo Girdharilal, Rlo 11|2, Goutampura, Indore.

(Transferor)

(2) Shui Sanjay Kumar (Minor) S|o Shri Dhannalalji Goyal, R|o 49, Janki Nagar, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5115.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

House at Plot No. 925-A, Scheme No. 44 situated at Ishatiwala Tank, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Indore in January, 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days in the service of notice on the respective persons whichever period expires later; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House at plot No. 925-A. Scheme No. 44 is situated at Khatiwala Tank, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1984.

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5116.-Whereas, I, V. K. BARANWAL

being the competent authority under Section 263B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing House at Plot No. 925-A, Scheme No. 44 situated at

Khatiwala Tank, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: und/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Anil Kumar (Minor) S|o Girdharilal, R|o 11|2, Goutampura, Indore

(Transferor)

(2) Shri Pradcepkumar S|o Shri Banwarilalji Goval (Minor) Thro' Guardian Dhannalal S|o Hiralalji Goyal R|o 49, Janki Nagar, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at plot No. 925-A. Scheme No. 44 is situated at Khatiwala Tank, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-9-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONFR OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1984

kef. No. IAC|Acqn|Bpl|5117.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House at Plot No. 925-A, Scheme No. 44 situated at Ethatiwala Tank, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the older of the registering officer at Indore in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforescid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen her cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Shri Anil Kumar (Minor) Slo Girdharilal, Rlo 11/2, Goutampura, Indore.
- (Transferor)
 (2) Siri Sunilkumar Slo Shri Dhannalalji Goyal (Minor)
 Thro' Father Shri Dhannalal Slo Shri Hiralalji
 Goyal, Rlo 49, Janki Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at plot No. 925-A, Scheme No. 44 is situated at Khatiwala Tank, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-9-1984.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|5118.—Whereas, I. V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Property at plot No. 158, I.D.A. Scheme No. 44, situated at

Khatiwala Tank, Indore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sint. Santoshkumari Wio Shri Mahendra Kumarii Badjatya, R|o 96, Vaidya Khvaliram Dwivedi Marg, Indore

(2) Delux Apartment Co-op, Housing Society. 7, Nasio Road, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXΛ of the said the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Prot No. 158, 1 D.A. Scheme No. 44 is situated a Khatiwala fank, Indore. This is the immovable property which has been acceribed in form No. 37-G duly verified, by the transferce.

> V. K. BARANWAI Gompetent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gancotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-9-1984,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Unevarchand Slo Bakhtawarmal,

may be made in writing to the undersigned :-

Bhanwarlal Urfa Bhanwarsingh,
 Jawaharlal,

 Jawanariai,
 Viay Singh Urfa Vijay Kumar.
 Ajit Singh Urfa Ajay Kumar.
 R|o 46, Anoop Nagar, Indore
 Smt. Mankunwarbai Wd|o late Sri Bukhtawarlal Sand, Rlo Old Palasia, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Jamboorao So Shri Tukaram Gurav. Rio sancli, Maharashtra.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1984

Rei. No. IAC|Acqn|Bpl|5119.—Whereas. I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing M.H. No. 21-22, Chota Sarafa, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1903) in the office of the registering officer at Indore on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immo-able property within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

M. House No. 21-22 (Part thereof) is situated at Chota Saraia, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Bullding T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-9-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 +13 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/5120.-Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

M.H. No. 21 (New No. 22) situated at Chhota Sarafa, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269L of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

91-276 GI!84

- (1) 1. Ghevarchand Slo Bakhtawarmal. Blimwarlas Urfa Bhanwarsingh,
 - Jawanarlai, Vijay Singh
 - Singh Urfa Vijay Kumar, 5. Ant Singh Urfa Ajav Kumar, R o 46. Anoop Nagar, Indore
 - Smt. Mankunwarbai Wdo late Sri Bakhtawarlal Sand, Rlo Old Palasia, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Mukundrao Slo Anandrao Patil, No Sarara Bazar Amrawati, Maharashtra

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

M. H. No _1 (New No 22) Part thereof is situated at Chotta Sarafa, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gazgotti Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-9-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpi|5121.—Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

House bearing Municipal No. 2 situated at Mahatma Gandhi Marg, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the Office of the undersigned at Indore on January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Dansila Lady Kanchanbai Trust.

 2, Mahatma Gendhi Marg, Indore
 Thro' Truster Shri Raja Bahadursinghji Kadiwal.

 (Transferor)
- (2) Kum Pinkee Do Shri Darshanlalji Dabar, Rio 73, Kanchan Bag, Indore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the gaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 2 is situated at Mahatma Gandhi Marg, indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-9-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5122.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House bearing Municipal No. 2 situated at M. G. Road,

Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer

at Indore on January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration hterefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

- (1) Smt. Sou. Dansila Lady Kanchan Bai Trust, Mahatma Gandhi Marg, Indore Trustee Shri Raja Bahadursinghji Kasliwal Thre' (Transferor)
- (2) Shri Sushil Dabar Soo Shri Darshanlalji Dabar, Ro Subhash Marg, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 2, is situated at Mahatma Gandhi Marg, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 5-9-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BHOPAL, M.P.

Bhonal, the 5th September 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|5123,-Whereas, I,

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|5123.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. House bearing Municipal No. 2 situated at M. G. Road, Indore

Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on January 1984
Indore on January 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. Il of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namey : --

(1) Smt. Sou. Dansila Lady Kanchan Bai Trust, 3, Mahatma Gandhi Marg, Indore Thro Trustee Shri Raja Bahadursinghji Kasliwal (Transferor)

(2) Smt. Kiran Kalra Wo Shri Chandra Bhusham Kalra, Ro Kartar Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Mun. No. 2 is situated at Mahatma Gandhi Marg. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 5-9-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5124.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding is. 25,000|- and bearing Fiat No. 13 in Structure at plot No. 1 situated at Bargal Colony, Indoor

Colony, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Indore on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Smt. Lilabai Wd|o Shrl Hanumantrao Bargal. 2. Shri Jaswantrao S|o Sh. Hanumantrao Bargal

3. Sri Yeshwantrao Slo Shri Hanumantrao Bargal

4. Sri Basantrao Slo Sh. Hanumantrao Bargal.
Thro' General Power of attorney Shri Pradeep Kumar So Shii Yeshwantrao Bargal, Ro 2, Bargal Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Smt, Jyotsna Devi Wlo Shri Balwantraoji Gandhi, Rlo 2011, North Raj Mohalla, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 cays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fiat No. 13 in Structure at Plot No. 1, is situated at Bargal Colony. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARNWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 5-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5125.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding No. Open land & structure at Municipal No. 102|2 situated at Annapurna Road, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reasen to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Indore on January 1984

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incorrectax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Anil Kumar Singhi S|o Sri Sushil Kumar Singhi 2. Sushil Kumar Singhi S|o Shri Satish Kumar Singh, 89, Ravindra Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Sant Nirankari Mandal, Delhi.
Thro' Shri Sewasingh Slo Shri Wadhava Singh,
Rlo 89, Janta Colony, Subhash Marg, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovemble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land & structure at Municipal No. 102/2 is situated at Annapurna Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 5-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. B. K. Builders, 90|4, Mahatma Gandhi Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Sanatkumar S|o Shri Inderchandraji Rlo Shamgarh (MP).

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5126.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

Ganga Apar'ments (Flat No. 3) on Plot No. 73

situated at Rajmahal Colony, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at Indore on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said proferry may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the samt meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 (Ganga Apartments) on plot No. 73 is situated at Rajmahal Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 5-9-1984 Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Prem Kumar, I.P. Anand Nagar, Khandwa (MP).

| Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bp1|5127.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovproperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing Land at Mauza Khandwa settlement No. 390 situated at Anand Nagar Colony, Khandwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitati r evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of thaforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:---

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) U.P. & M.P. Radhasoami Satsang Association, Dayal Bagh, Agra (UP).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Mauza Khandwa settlement No. 390 is situated at Anand Nagar Colony, Khandwa. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly regisered by the transferee.

> V. K. BARANWAL Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotti Building
> 7. Nagar, Bhopal.

Date: 5-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5128.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL.
being the competent authority under Section 269B of the the 'said Act') have reason to believe that the House on Plot No. 21-R situated at

Khatiwala Tank, Indore.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the taforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

92-276 GI 84

(1) M/s. Mansukhani Constructions, 20, Hatipala Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kishore Kumai Slo Lakhichandji Sayata Rlo 38. Sneblataganj, Street, No. 1, Indore.

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 21-R is situated at Khatiwala Tank, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V, K, BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 5-9-1984

24302

[PART III—SEC.

FORM ITNS----

- (1) Smt. Ushadevi Kabra Wo Shri Shamboolalji Kabia, 6, Bombay Bazar, Indore.
- (2) Smt. Kamlabai Wo Shri Motisinghji Ro 11/2, Ramganj (Ginsi), Indore.

(Transferee

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5129.—Whereas, I, V. K. BARANWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have renson to believe that the improvable proporty beginning of the second to be the secon movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing House No. 17|1, Manik Chowk, Indore situated at Manik Chowk, Indore. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto)

has been transferred in the office of the registering officer at Indors on January 1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair Market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcresaid property by the issue of this notice under subsection 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period o
 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 da from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 17|1 (New No. 25) is situated at Manik Chow Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARNAWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 5-9-1984

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5130.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

House bearing No. 17|1 (New No. 25) situated at Manik Chowk, Indore.

and more fully described in the schedule annexed hereto). as been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 908) in the office of the Registering Officer at ndore in January 1984

for an appearnt Consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the exparent consideration therefor by nore than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to betteen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said at, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shambulal S \mid o Shri Mohanlalji Kabra R \mid o 6, Bombay Bazar, Indore.

(Transfero)

(2) Shri Hari Singh Soo Shri Moti Singh Roo 11/2, Ramganj (Ginsi), Indore.

(Transference)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the one immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 17|1, (New No. 25), is situated at Manik Chowk, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 5-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5131.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 18 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Plot No. 157 & House thereon situated at

E-3 157, Arera Colony, Bhopal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Bhopal in Jan. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Acr, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Sh. Kamalkumar Bhandari So Shri Poonamchandj Bhandari F-3|157, Arera Colony, Bhopal.
- (Transferor) (2) Shri Pravin Kishore Gupta So Kailash Kishore Gupta R|o E-5|45, Bungalow, T. T. Nagar, Bhopal.

(Transferee,

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 157 & House built thereon is situated at E-3115' Arera Colony, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWA Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Ran
> 4th Floor, Gangotri Buildin
> T. T. Nagar, Bhope

Date: 5-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl[5132.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

I and & Building on Kh. No. 163 situated at

Teh. Hamlapur, Dist. Betul (MP)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Betul in Jan., 1984

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- th) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said beauthor or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Art to the following persons, namely: --

- ' (1) Shri Gancshram So Chotelal Prajapati, Alo Hamlapur Tehsil, Dist. Betul.
 - (Transferee) (2) Sh. Vishwambarnath Slo Chandrasekhar Dubey, Ro Teh, Hamlapur, Dist, Betul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as re defined in Chapter XXA of the said Art hall have the same meaning as given in that iaple:

THE SCHEDULE

Land (Part of Kh. No. 163) and the building thereon is situated at Teh. Hamlapur, Dist. Betul (MP). This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Flor, Gangotri Building
> T. T. Nagar. Bhopal

Date: 5-9-1984

FORM TINS --- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 55 At T. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING A ROOT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5133.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

House No. 41 on plot No. 40 of Jabalpur Pradhikaran Scheme No. 11 situated at Kamla Nehru Nagar,

Hinotiya, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur in Jan. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Ac to the following persons, namely:-

- (1) Sh. Kirti Kumar Tiwati Slo Premnarain Tiwari Rlo U. Co. Bank, Jawaharganj, Jabalpur, (Transferor)
- (2) Smt. Jawnibai Sahu Wo Shri Gauri Shankar Sahu, Rio 261 6, Damoh Road & Smt Nisha Sahu Wo C. P. Sahu, Asstt. Surgeon, Rio P.S.C. Barela, Jabalpur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be ceade in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House No. 41 on plot No. 40 of Jabalpur Pradhikaran Scheme No. 11 is situated at Kamla Nagar, Hinotiya, Jabalpur. This is the imovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-9-1984

FORM ITNS ----

NOTE E UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th September 1984

Ref. No. IAC] Δ cqn[Bpl]5134.—Whereas, 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000] and bearing

House No. 22/881 situated at Prem Nagar—Vikas Nagar, Hind Colony, Gwalior.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior in Jan., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per that of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been trailed stated in the said increment of transfer with the object of the said increment.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Pandit Ramkrishna Dubey Slo Pandit Narayan tas Dubey, Rio Cinsi Nala No. 1, Sare Building, Lashkar, Cawlior.

(Transferor)

(2) Sh. Ommed Singh 2. Ravindra Singh alias
Endn Palsingh 3 Pritamsingh
R o Vill. Virkhedi ehT., Gohed, Dist. Bhind M.P.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 22|881 is situated at Prem Nagar—Vikas Nagar, Hind Colony, Gwalior, This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 5-9-1984

FORM ITNS----

(1) Shei Rojmal Slo Nihalehand Jain, Rlo Gali No. I, sawahar Marg, Nagda (M.P.)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

CASE NATION FOR METAL CONTRACTOR AND PARTY AND PARTY. THE DESIGNATION OF BANK OF THE PARTY OF TH

(2) Smt, Sitabai Wo Rameshwar Mahajan Porwal, Rlo Allote, Dist, Ratlam (M.P.) (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P. Bhopal, the 13th September 1984

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5135,-Whereas, 1,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/and bearing No.

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

House No. 47 situated at Jawahar Marg, Nagda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

Khachraud in January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the foir market value of the property as aforesaid exceeds—the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

fransfer with the object of :-

of the Registering Officer at

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabitity of the transferor to pay tax under the said Act, in eyest of any success many from the pansfer. and or;

THE SCHEDULE

House No. 47 is situated at Jawahar Marg, Nagda (M.P.). This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1982 '27 of 1957);

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-9-1984 Seal 🐪

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th September 1984

Ref. No. JAC|Acqn|Bpl|5136,-Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Plot No. 2 16 and House No. 15 246. 247, 248 (Part of) situated at Hospital Ward, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ra'pur on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax ander the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the afores it property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following prons. namely:—93—276GI|84

(1) Smt. Sushila Bai Wd|o K. G. Sapre & Others, Hospital Ward, Rainur.

(Transferor)

(2) Shri Tej Prakash Slo Shri Roopnarayan Agrawal, Civil Lines. Raipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever neriod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2|16 and House No. 15|246, 247, 248 (Part thereof) situated at Hospital Ward, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

OF INCOME-TAX

Bhopal, the 23rd September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5137.-Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000], and bearing No.

Plot No. 2|16 and House No. 15|246, 247, 248 (Part of) situated at Hospital Ward, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Raipur on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1922 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Smt, Sushila Bai Wdlo K. G. Sapre & Others, Hospital Ward, Raipur.

(2) Shri Govind Naravan Slo Shri Roop Narayan Agrawal, Civil Lines, Raipur.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2|16 and House No. 15|246, 247, 248 (Part thereof) situated at Hospital Ward, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th September 1984

Ref. No. IAC Acqn. [Bpl] 5138.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 25,000 and bearing No. Plot No. 2 16 (Part of) & Part of House No. 15 246, 247,248 situated at Maudhapara, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Raipur on January 1984

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following (1) Smt. Sushila Bai Wdo K. G. Sapre & Others, Hospital Ward, Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmal Kaur Wo Sardar Preetam Singh Sangral, Katora Talab, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2|16 and House No. 15|246, 247, 248 situated at Maudhapara, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferoc.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-9-1984

FORM No. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5139.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot and building

situated at Maudhapara, Raipur

(and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Raipur on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sushila Bai Wd|o K. G. Sapre & Others, Hospital Ward, Raipur

(Transferor)

(2) Sardar Prectamsingh Slo Sardar Jeet Singh Sangral, Katora Talab, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and House bearing No. 15|246, 247 and 248 (Part of) situated at Maudhapara, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-9-1984

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th September 1984

Ref. No. IAC|Acqqn|Bpl|5140.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/exceeding Rs. 25,000|- and bearing
House No. 23|765, 23|769 (Part thereof) situated at
Baijnathpara, Teh. Bhilai, Dist. Raipur (M.P.)
(and more tuny described in the schedule anunexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Raipur in January, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

(1) Shri Laxmichand Slo Doulatram Sindhi, R]o Baijnathpara, Raipur.

(Transferor)

(2) Snri Chandri Bai W|o Bhanwarlalji Kakariya, R|o Jain Mandir Marg, Bhilai Teh., Dist. Durg (MP).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

House No. 23/765 & 23/769 situated at Baijnathpara, Teh. Bhilai, Dist. Durg (MP). This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferec.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby nitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5141.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No. Plot No. 3|2 (Part of) situated at Civil Lines, Raipur (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur in January 1984 for an apparent consideration high is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice runder sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be ollowing persons, namely :---

 1. Lekhrajsingh alias Rajpratap Singh
 2. Dev Vrat Singh
 Slo Thakur Bhanupratap Singh Rlo Civil Lines, Ralpur (MP).

(Transferor)

(2) Smt. Padma Bajai Wo Ashok Kumar Bajaj, Ro Naya-para, Raipur. Raiour.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3|2 situated at Civil Lines, Raipur (MP).

V. K. BARANWAL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Bullding
T. T. Nagar, Bhopal

Dato: 13-9-1984

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 13th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bp1|5142.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Plot No. 3/2 situated at Civil Lines, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Raipur in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometary Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Lekhraj Singh alias Rajpratap Singh
 Dev Vrat Singh Pisran
 Shri Bhanupratap Singh, Rlo Civil Lines, Raipur.

(Transferor)

(2) Smt. Mohini Devi Wo Laxmichand Bajaj, Nayapara, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 3|2 (Part of) situated at Civil Lines, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhora!

Date: 13-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 13th September 1984

Ref. No. IAC[Acqn]Bpl]5143.—Whereas, I, V. K. BARANWAI.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Nozul Plot Block No. 19, Plot No. 3|2 (Part of) situated at Civil Lines, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Lekhraj Singh alias Rejpratap Singh
 Dev Vrat Singh Pisran S|o Shri Bhanupratap Singh, R|o Civil Lines, Raipur.

(Transferor)

Smt. Saraswati Bajaj
 W|o Jeevan Kumar Bajaj
 R|o Nayapura, Rajpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3|2 (Part thereof) situated at Civil Lines, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range.
4th From, Gangotri Building
T. Nagar, Bhopal

Date: 13-9-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Lekhraj Singh alias Rujpratan Singh
 Dev Vrat Singh Pisran Slo Shri Bhanupratan Singh, Rlo Civil Lines, Raipur,

(Transferor)

(2) Smt, Nanda Bajaj Wło Devendra Bajaj, Civil Lines, Raipur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 13th September 1984

Rcf. No. IAC|Acqn|Bpl|5144.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Plot No. 3/2 (Part thereof) situated at Civil Lines,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at

Raipur in January 1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Nazul Plot block No. 19, Plot No. 3/2 (Part of) is situated at Civil Lines, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bho val

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-9-1984

Scal:

94---276GI|84

LORM ITNS----

(1) Shri Sinir Kumar Bose, Rainur.

(Transferor)

(2) Shri Allauddin Farishta & 3 others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 13th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5145.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. Land & building situated at 2|2, Shailendra Nagar, Raipur

Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur in January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of: of mansfer with the subject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income wrising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :--

Objectious, it any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officical Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Building is situated at 2/2, Shailendra Nagar, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar. Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Kishore Kumar, Hariram Pisran, Indermal. Bazarhatola, Satna.

(Transferor)

(2) Shri Deepak Kumar (Minor) So Ramchand, Satna (Ratraj Nugar).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 13th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5146.--Whertas, 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. House No. (part thereof) situated at Deloura Tikuratola Ward No. 23, Satna

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Satna in January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

House No. 268 (Part thereof) is situated at Deloura Tikuratola Ward has been described in from No. 37-G duly property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-9-1984

FORM LT.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE. BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 13th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5147.-Whereas, !, V. K.BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

House No. 268 (part thereof) situated at Deloura Tikuratola Ward No. 23, Satna

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Satna in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belie e that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Kishore Kumar, Hariram Pisran, Indermal. Bazarhatola, Satna.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Kumar, Minor So Vishan amas, Rlo Raghuraj Nagar, Satna.

('Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 268 (Part thereof) is situated at Deloura Tikurtaola Ward No. 23, Satna. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Phopal

Date: 13-9-1984

Part III-Sec. II

FORM ITNS-

(1) Shri Kishore Kumar, Hariram Pisran, Indermal, Bazarhatola. Satna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manishkumar, Minor Slo Haridas. Rlo Raghuraj Nagar, Satna.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 13th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5148.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

House No. 268 (part thereof) situated at Deloura

Tikuratola Ward No. 23, Satna
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at Satna in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion or the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 268 (Part thereof) is situated at Deloura Tikurtaola Ward No. 23, Satna. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range.
>
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 13th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5149.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe thathe immovable property having a fair market value exceedings Rs. 25,000 and bearing

No. House No. 268 (part threof) situated at Deloura Tikurutola Ward No. 23, Satna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Satna in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesuid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kishore Kumar, Hariram Pisran, Indermal, Bazarhatola, Satna,

(Transferor)

(2) Shri Gourav Kumar, Minor S|o Haridas, Main Bazar, Satna.

(Transferte)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 268 (Part thereot) is situated at Deloura Tikuratola Ward No. 23, Satna, This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Rauge, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-9-1984

(1) Shri Shaligram Neema, Advocate Attorney for Shri Gyanchand, So Pt. Ramnath Kalia of Kapurthala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bejnath Bijpuria, Slo Shri Kanchhedilal Bijpuria, Sarafa, Jabalpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 13rd September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5150.—Whereas, I,

V. K. BARANWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and

No. Part of House No. 431 12-D situated at Madan Mahal Ward, Jabalour

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur in January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 431|12-D (Part thereof) is situated at Madan Mahal Ward, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range.
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformaid property by the issue of this notice under subsect 7 (1) of Section 269D of the said Act, to the following ns, namely :--

Date: 13-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M P,

Bhopal, the 13rd September 1984

Ref. No. IAC Acqn. Bpl 5151 .- Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovement of the second of t able property having a fair market value exceeding Rs 25,000- and bearing No. Part of House No. 431/12-D situated at Madan Mahal

Ward, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jubalpur on January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Shaligram Neema, Advocate Attorney for Shri Gyanchand, Slo Pt. Ramnath Kalia of Kapurthala.

(Trans

(2) Shri Ravishanker, Vinod Kumar & Kanhiyalal Brijpuria, Slo of Shri Bejnath Brijpuria, Sarafa, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this actice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 431/12-D (Part thereof) is situated at Madan Mahal Ward, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range.
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-9-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ashok Kumar, Subhashchand, Shamshakh, Slo Vishwambar Dev, Rlo Raipur.

(Transferor)

 Grih Nirman Sahkari Samiti, Bhilai, Charonda Teh. Dist. Durg.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 13rd September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5152.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 58 situated at Teh. & Dist. Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908' (16 of 1908) in the office

of the Registering officer at Durg on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the gaid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

95-276GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

House number 58 is situated at Charonda, Teh. & Dist. Durg. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotro Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 13rd September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5153.-Whereas, I,

V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Mouza Gondadih, Teh. Janjgir, Dist.

Bilaspur (MP)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transfered

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Janigir on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Dhuna Bai Wlo Shri Tiharu, Rlo Sonsari P.H. No. 28, R.N.M. Akaltara, Teh. Janigir. Dist. Bilaspur (MP).

(Transferor)

(2) Raymond Cement Works, Gopal Nagar, Prop. Raymond Woollen Mills Ltd., J. K. Building, Narottam Morarji Marg, Belard Estate, Bombay-400038, (Maharashtra).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Mouza Gondadih, Teh. Janigir, Dist. ilaspur (M P). This is the immovable property which Bilaspur (M P). has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range.
> 4th Floor, Gangotro Building,
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-9-1984 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 13rd September 1984

Ref. No. IAC[Acqn|Bpl|5154.—Whereas, I, V, K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Mouza Gondadih, Teh. Janjgir, Dist. Bilaspur (MP)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at January 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ramayan,
 Lati,
 Ramratan Pisran Kholbahrax,
 Kochnin Bechha Kholbahra
 On behalf of the parties'
 Executors Shri Ramayan Suryavanshi,
 Agriculturist,
 Ro Sonsari, Teh, Janjgir,
 Dist. Bilaspur (MP).

(Transferor)

(2) Raymond Cement Works, Gopal Nagar, Prop. Raymond Woollen Mills Ltd., J. K. Building, Narottam Morarji Marg, Belard Estate, Bombay-400038, (Maharashtra).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Mouza Gondadih, Teh. Janjgir, Dist. Bllaspur (M P). This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotro Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 13rd September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5155.—Whereag, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Land situated at Mouza Gondadih, Teh. Janjgir, Dist. Bilaspur (MP)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering officer at Janigir on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Shri Sadharam
 S|o Shri Shivlal Suryavanshi,
 R|o Sonsari, Teh. Janjgir,
 Dist. Bilaspur (MP).

(Transferor)

(2) Raymond Cement Works, Gopal Nagar, Prop. Raymond Woollen Mills Ltd. J. K. Building, Narottam Morarji Marg, Belard Estate, Bombay-400038, (Maharashtra).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any othr person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Mouza Gondadih, Teh. Janjgir, Dist. Bilaspur (M P). This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotro Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th September 1984

Ref. No. IAC Acqu Bui 5156.—Whereas, I, V. K. BΛRANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Land Kh. No. 263|3, 264, 265|3, Mouza Tahhad, shurted at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the puries has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :----

(1) Shri D. P. Punj, Shri R. C. Punj, Smt. Krishna Punj & Smt. Santosh Punj, R|o Sadar Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Rajwant Uppal Wo S. A. S. Uppal, 256, Denning Road, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Kb. No. 263|3, 264, 265|3 situated at Mouza Tilhari, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 14-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Dharamprakash Punj, Ro Sadar Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Km. Simirita, 256, Denning Road, Jabalpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5157.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Land bearing Kh. No. 294|1 situated at Tilahari, Jabal-DUL

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jabalpur on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 294 1 is situated at Tilahari, Dist. Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37?-G duly verified by the transferee.

(b) ficilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. BARANWAL Competent Authority Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhoral

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-9-1984

scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th September 1984

Ref. No. IAC[Acqn[Bpl]5158.—Whereas, J, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at 242|2, Tilahari, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jabalpur on January 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rajeshwarchand Punj, Rlo Sadar Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Singh Uppal, R|o 256, Denning Road, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land is situated at 242|2, Tilaharl, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37?-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 14-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5159.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatier referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. H. No. 1413-C-3 & Plot bearing Kh. No. 106, 114 at Mouza Maheshpur situated at Maheshpur, Jabalpur (and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on January 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurucharan Singh Slo Shri Ishwar Singh Chabra, Rlo 1412, Prem Nagar, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Rampyari W|o Shri Harisingh Chabra, R|o 1236, Premnagar, Madan Mahal, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said îmmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1413-C-3 & Plot bearing Kh. No. 106, 104 situated at Mauzo Maheshpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhayal

Date: 14-9-1984

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

COMBINED MEDICAL SERVICES EXAMINATION,

New Delhi, the 13th October 1984

No. F.14|3|84-E.I(B).—A combined examination for recruitment to the Services & posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission on 7th April, 1985 at Agartala, Ahmedabad, Aizawal, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Ralpur, Shilong, Simla, Srinagar, Tirupati, Trivandrum, Udaipur and Visha-khapatnam.

THE CENTRES AND THE DATE OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT, CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINAION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION [See para 19(ii) below].

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary. Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 7th March, 1985 will not e entertained under any circumstances.

- 2. The posts|services to which recruitment is to be made and the approximate number of vacancies to be filled are iven below:—
 - (i) Assistant Divisional Medical Officer in the Railways
 - (ii) Junior Scale posts in Ordnance and Ordnance Equipment Factories Health Service—***
 - (iii) Junior Scale Posts in Central Health Service-100*
 - (iv) Medical Officers in the Municipal Corporation of Delhi—approx. 50*

The number of vacancies is liable to alteration.

- **Vacancies not yet intimated by Government.
- *Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.
- 3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services Posts mentioned in para 2 above. Candidates will be required to indicate preferences for services posts at the appropriate time.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service|post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Para 5 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the services|posts for which he applies.

- 4. ELIGIBILITY CONDITIONS:
- (a) Nationality
 - A candidate must be either :---
 - (i) a citizen of India, or

- (ii) a subject of Nepal, or
- (iii) a subject of Bhutan, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formely Tanganyika and Zanzibar) Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (ii), (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

(b) Age Limit.—Age below 30 years as on 1st January, 1985.

The upper age limit is relaxable, as follows:-

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person, from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide renatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Isanka and has migrated to India on or after 1st November. 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October. 1964;
- (vi) ue to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenva, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganvika and Zanzibar) or is a renatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) un to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a hone fide renetriate of Indian origin and has migrated from Kenya. Usanda and the United Republic of Tanzania (formerly Tangangika and Zanzibar) or is a renetriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June. 1963;
- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe

and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

- (x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area; and released as a consequence thereof:
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed urca, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a hona fide repatriat of Indian origin (Indian passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xiv) up to a maximum of five years in the case of exservicemen and Commissioned Officers including ECOs SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January. 1985 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1985) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment.
- (xv) up to a maximum of ten years in the case of exservicemen and Commissioned Officers including ECOs| SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1985 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1985) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment: who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.
- (xvi) up to maximum of three years if a candidate is a hona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973;
- (xvii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMIT PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognized by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificate. These certificates are required to be submitted only after the declaration of the result of the written part of the examination.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation|Secondary Examination Certificate in this part of the instruction includes the alternative certificate mentioned above.

- NOTE 1:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY
 THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN
 THE MATRICULATION SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE AS ON THE DATE OF
 SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE
 ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND
 NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS
 CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.
- NOTF 2:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT
 ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN
 CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN
 THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR
 THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN
 EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE
 ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT ANY
 OTHER EXAMINATION OF THE COMMISSION.

(c) Educational Qualification

For admission to the examination a candidate should have passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination.

Note 1.—A candidate who has appeared or has yet to appear at the final M.B.B.S Examination may also apply-Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination along with the detailed application which will be required to be submitted to the Commission to the candidates who qualify on the result of the written pof the examination (cf. Note below para 6).

Note 2.—A candidate who has yet to complete the compulsory rotating internship is educationally eligible for admission to the examination but on selection he will be approximately only after he has completed the compulsory rotating internship.

5 FEE.

A candidate seeking admission to the Examination must pay to the Commission a fee of Rs. 28.00 (Runees twenty eight) [Rs. 7.00 (Runees Seven) in the case of SC and ST candidates]. Payment must be made through crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary. Union Public Service Commission at the State Bank of India. Main Branch. New Delhi or through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary. Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office. Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the Office of India's High Commissioner, Ambassador to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

Note (i) Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Note (ii) If any candidate, who took the "Combined Medical Services Examination 1985" wishes to apply for admission to 1985 examination he must submit his application so to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of

appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1984 examination, his candidature for the 1985 examination will be cancelled on request, provided his request for cancellation of his candidature and refund of is received in the Commission's Office within 30 days the date of publication of the final result of the 1984 imination in the Employment News.

W TO APPLY

A candidate seeking admission to the Examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Diolpur House, New Dellin-110 011, through the application form published in newspapers dated 13th October 1984 or in Appendix II to the Commission's Notice as published in the employment news dated the 13th October 1367. Incandidates may utilise in original the form published in the newspapers or in "Employment News", filling up the handwriting with ball-point pen. They columns in their own handwriting with ball-point pen. They may also use the application form neatly type-written on white paper (foolscap size) i indouble space and typed on only one side of the paper. There is no objection of candidates using

i Application Form and Attendance sheet, if available, of private agencies, as long as the format is exactly the same as published in new papers of in Appendix II to the Commission's Notice, as published in the Employment News dated the 13th October, 1984. Candidates should note that ations filled in on the format used for the previous ations will not be considered. The envelope contains application should be superscribed in bold letters as

"APPLICATION FOR COMBINED MEDICAL SER-VICE EXAMINATION 1985."

- (a) A candidates must send the following documents with his application :---
 - (i) Crossed Bank Draft Indian Postal Orders Indian Massion Receipt for the prescribed fee.
 - (ii) Attendance Sheet (Appendix 11 to the Commission's Notice as published in the Employment News dated the 13th October, 1984 or in newspapers dated the 13th October, 1984) duly filled in on foolscap size paper.
 - (iii) Two idential copies of recent passport size 5cmX7cm approx), photograph of the candidate-one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
 - (iv) One scir-activessed post-card.
 - (v) Two self-addressed unstamped envelopes 11.5 cm×27.5 cms. size.
- (b) Candidates should note that Candidates should note that only International form of Indian numerals is to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidates should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries. only International interpreting such entries.
- (c) All candidates, whether already in Government Service, in Government owned industrial under-Service, in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged embloyees other than casual or daily rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have to submit an undertaking that they have informed in writing

their Head of Office Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their application shall be rejected candidates. ture shall be cancelled.

APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY THE PRESCRIBED FEE OR INCOMPLETE OR DEFECTIVE APPLICATIONS SHALL BE SUMMARILY REJECTED. NO REPRESENTATION OR CORRESPONDENCE REGARDING SUCH REJECTION SHALL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES. NOTE: APPLICATION

CANDIDATES ARE NOT REQUIRED TO SUBMIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS CANDIDATES ARE NOT REQUIRED TO SUBMIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ANY CERTIFICATES IN SUPPORT OF THIER CLAIMS REGARDING AGE, EDUCATIONAL QUALIFICATIONS. SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES ETC. THEY SHOULD THEREFORE ENSURE THAT THEY FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION. THEIR ADMISSION TO THE EXAMINATION. THEIR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL ALSO THEREFORE BE PURELY PROVISIONAL IF ON VERIFICATION AT ANY LATER DATE IT IS FOUND THAT THEY DO NO FULFIL ALL THE ELIGIBLITY CONDITIONS, THEIR CANDIDATURE WILL BE CANCELLED. CANDIDATES ARE REQUESTED TO KEEP READY THE ATTESTED COPIES OF THE FOLLOWING DOCUMENTS FOR SUBMISSION TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WHICH IS LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF JULY, 1985.

- 1. CERTIFICATE OF AGE
- 2. CERTIFICATE OF EDUCATIONAL QUALI-FICATION.
- 3. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM TO BELONG TO SCHEDULFD CASTE/SCHEDULE-ED TRIBE, WHERE APPLICABLE.
- 4. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM FOR AGE CONCESSION, WHERE APPLICABLE.

IMMEDIATELY AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION SUCCESSFUL CANDIDATES WILL BE SENT A FORM BY THE COMMISSION REQUIRING ADDITIONAL NFORMATION TO BE FURNISHED. THE ATTESTED COPIES OF THE ABOVE MENTIONED CERTIFICATES WILL HAVE TO BE SENT TO THE COMMISSION AT THAT TIME, ORIGINALS WILL HAVE TO BE PRODUCED AT THE TIME OF INTERVIEW. IF ANY OF THEIR CLAIMS FOUND TO BE INCORRECT THEY MAY RENDER THEMSELVES LIABLE TO DISCIPLINARY ACTION BY THE COMMISSION IN TERMS OF PARA 7 BELOW.

- 7. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of-
 - (i) obtaining support for his candidature by any means,
 - (ii) impersonating, or
 - (iii) procuring impersonation by person, or
 - (iv) submitting fabricated documents 10 documents. which have been tampered with, or
 - (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
 - (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or

- (vii) using unfair means during the examination, or
- (vii) Writing irrelevant matter, including obscene languaage or pornographic matter in the script(s), or
- i(ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the Staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination, or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may in addition to rendering himself liable to criminal processuation be liable:—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period---
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

8. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS

The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 26th November 1984 (10th December 1984 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya Arunachal Pradesh, Mizoram. Manipur. Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangl Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to the 26th November, 1984 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur. Nagaland, Tripura Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and candidates residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to the 26th November 1984.

Note: (i)—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

Note: (ii)—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

NO APPLICATION RECEIVED AFTER THE PRESCRIBED DATE WILL BE CONSIDERED.

- 9. SCHEME OF EXAMINATION: The examination
- (A) Written Examination—The candidates will examination in the following two papers each of two hours duration containing objective type questions covering the following subjects and each carrying a maximum of 200 marks. The questions in both the papers will be so designed as to give the following weightage to different subjects:—

Paper I (Code No. 1) Weightage

- (i) General Medicine including Cardialogy, Neurology, Dermatology and Psychiatry, 60%
- (ii) Surgery including E.N.T., Opthalmology. Traumatology and Orthopaedics.

Paper II (Code No. 2)

- (i) Paediatrics
- (ii) Gynaecology and Obstetrics
- (iii) Preventive, Social and Community Medicine
- (B) Personality test of candidates, who quality in the written examination 200 marks

NOTE I:—The "Candidates' Information Manual" containing details pertaining to objective type Test including sample questions will be supplied to candidates alongwith the Admission Certificate.

NOTE II:—Candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

10. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Cases of Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the yacancies reserved for them.

The interview for Personality Test will be intended to serve as a supplement to the written examination for testing the General Knowledge and ability of the candidates in the fields of their academic study and also in the nature of a personality test to assess the candidates intellectual curiosity, critical powers of assimilation balance of judgment and alertness of mind, ability for social cohesion, integrity of character, initiative and capability for leadership.

11. After the interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the written examination and the personality test with 66 2|3% and 33 1|3% weightage respectively and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard to the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services

irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

- 12. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided the Commission in their discretion and the Commission not enter into correspondence with them regarding the
 - 33. Subject to other provisions contained in this Notice, assful candidates will be considered for appointment on the pasis of the order of merit assigned to them by the Commission, and the preferences expressed by them for various posts.
- 14. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having regard to his character and antecedent is suitable in all respects or appointment to the service. The appointment will be further subject to the candidate satisfying the appointing authority of having satisfactorily completed the compulsory rotating from another.
- 15. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the applies. The of his duties as an officer of the Service. A candiexamin ho after such physical examination as Government or ing the pointing authority, as the case may be, may prescribe is not to satisfy these requirements, will not be appointed. All candidates who are declared qualified for the Personality Test will be physically examined by the medical board set up by the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health).

16. No person:

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (1) (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person

shall be eligible for appointment to service

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 17. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.
- 18. The Commission have discretion to fix qualifying marks for the examination.
- 19. CORRESPONDENCE WITH THE COMMISSION. The 'Commission will not enter into any correspondence with the candidates about their candidature except in the following cases:
 - (i) Every application including late one received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of application. The fact that the Application registration No. has been issued to the candidate does not, ipso facto, means that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
 - (ii) Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result of the application will be communicated. But if a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of

the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

(iii) No candidate will be admitted to the Examination unless he holds a certificate of admission to the Examination.

The mere fact that a certificate of admission to the Examination has been issued to a candidate will not imply that his candidature has been finally cleared by the Commission, or that the entries made by the candidate in his application for the Examination have been accepted by the Commission as true and correct. Candidates may note that the Commission takes up the verification of eligibility conditions of a candidate; with reference to original documents, only after the candidate has qualified for interview for Personality Test on the result of the written Examination. Unless candidature is formally confirmed by the Commission, it continues to be provisional.

The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the Examination shall be final.

Candidates should note that the name, in the Admission Certificate, in some cases, may be abbreviated due to technical reasons.

(iv) A candidate must see that communications sent to him at the address stated in this application are directed, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity. Although the Commission make every effort to take account of such changes, they cannot accept any responsibility in the matter.

IMPORTANT: ALL COMMUNICATIONS TO THE COMMISSION SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:

- 1. NAME OF THE EXAMINATION.
- 2. APPLICATION REGISTRATION NO. (ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO. ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- 3. NAME OF CANDIDATE IN FULL AND IN BLOCK LETTERS.
- POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN THE APPLI-CATION.

N.B. (1):—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO

N.B. (II):—IF A LETTER|COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

- 20. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 21. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examinations". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

This Publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, T Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-11001, (ii) Sale Counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of

India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manual is also obtainable from the agents for the Government of India publications of various mofussil Towns

22. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix I.

M. BALAKRISHNAN Dy. Secretary

APPENDIX 1

Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given below:

- I. Assistant Divisional Medical Officer in the Railways:
- (a) The post is temporary and in Group A. The scale of the post is Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1250-EB-50-1600 (Revised Scale) plus restricted non-practicing allowance as per orders in force from time to time. The rates at present
 - 1—5 Stages—Rs. 150/-PM. 6—16 Stages—Rs. 200/-P.M. 11—15 Stages—Rs. 250/-P.M.

16th stage onwards Rs. 300/-P.M.

The candidate will be bound to observe the orders which the Ministry of Railways or any Higher Authority may issue from time to time, restricting or prohibiting private practice by him. The candidates in Government service will be given initial pay in the above mentioned scale according to rules; others will be given the minimum of the pay scale mentioned

- (b) A candidate will be appointed on probation for a period of two years which may be extended by the Government if considered necessary. On satisfactory completion of the probationary period, he will continue in a temporary capacity.
- (c) The appointment can be terminated by one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in a temporary capacity. The Government reserve the right to give one month's pay in lieu of
- (d) A candidate will have to undergo training as prescribed by the Ministry of Railways and pass all the Departmental Examinations.
- (e) A candidate will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.
- (f) A candidate will be eligible for leave in accordance with the leave rules as in force from time to time and applicable to officers of his status.
- (g) A candidate will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.
- (a) A candidate will be required to pass a Hindi iest within two years of his appointment.
- (i) Under the rules every person appointed to the above post shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person-

 (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date to such appointment;

- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of 45 years.
- (j) Reckoning Service—The papens who are recruited under these rules to posts to which the conditions prescribed in Rule 2423-A (C.S.R. 404-B) of the Indian Railway Establishment Code are applicable, shall eligibe to the benefit of the provisions contained in that Tale.
- (k) A candidate will be governed in respect of the matters specifically referred to above as well as other matters by the provisions of the Indian Railway Establishment Code and the extant orders as amended/issued from time to time.
- (1) In the first instance a candidate will be posted to the Railway Health Units/Dispensaries at wayside Stations, A.D.M.Os. are also liable to transfer to any Railway.
- (m) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to higher grades
 - (i) Assistant Divisional Medical Officers with five years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Divisional Medical Officers (Senior Scale) of Rs. 1100—1800 plus restricted non-practicing allowance of Rs. 300 p.m. from 1st to 9 stages and Rs. 350 per month from 10th Stage onwards.
 - (ii) Divisional Medical Officers Senior Medical Officers with five years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Medical Superintendents in the scale of Rs. 1500—2000|- plus non-practicing allowance of Rs. 500|- per month.
 - (iii) Depending upon the number of years of service in grade of Rs. 1500—2000|- as prescribed from time to time. Medical Superintendents become eligible for promotion to the posts of Addl. Chief Medical Officers in the scale of Rs. 2250—2500|- with a non-Practicing allowance of Rs. 500|- p.m.
 - (iv) Addl. Chief Medical Officers with 2 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Chief Medical Officers in the scale of Rs. 2500—2750|- plus non-practicing allowance of Rs. 500|- per month.
 - (n) Duties and Responsibilities.

Assistant Divisional Medical Officers:

- (i) He will attend the indoor wards and out patient department daily and as required.
- (ii) He will carry out physical examination of candidates and of employees in service in accordance with the regulations in force.
- (iii) He will look after family planning, public health and sanitation in his jurisdiction.
- (iv) He will carry out examination of vendors.
- (v) He will be responsible for discipline and proper discharge of duties of the Hospital Staff:
- (vi) He will carry out duties assigned to his speciality, if any, and will prepare returns and indents connected with his speciality.
- (vii) He will maintain and upkeep all equipments, in his charge.
- NOTE (1): When an ADMO is posted at the Headquarters of a division under the charge of a Divisional Medical Officer, he will assist the Divisional Medical Officer in all his duties, but may be specially assigned with certain duties and responsibilities.
- Note (2): ADMOs will also be required to perform such other duties as may be assigned to them from time to time.

PART II

II. Posts of Ordnance
Mindstry of

al Officer in the Ordnance and ctories Health Service under the

(a) The post made permanent, 40—900—EB—40 allowance (NPA) The rates at presgry in Group A but likely to be urse. The scale of pay is Rs. 700—150—1300 plus non-practicing orders in force from time to time.

1-5_stages . 6-10_stages "11__stage_onward] Rs. 200|- per month Rs. 200|- per month

Rs. 250]- per month

(b) The candidate all be on probation for a period of 2 years from the date appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. On satisfactory completion of the probation period he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.

- (c) The candidate can be posted anywhere in India in any one of the Ordnance Factory Hospitals or Dispensaries.
 - (d) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.
- (e) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Government reserves the right to give one month's pay in lieu of notice.
- (f) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to the higher grades—
 - (i) SENIOR SCALE—SENIOR MEDICAL OFFICER! ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICES

Officers who have put in at least 5 years service in the iunior scal- will become eligible to senior scale—Senior Medical Officer Assistant Director of Health Services. The scale of pay is Rs. 1100—50—1600 plus NPA—

1—3 stages 4—5 stages 6—7 stages 8—9 stages

10-77 state

Rs. 250|- per month Rs. 300|- per month

Rs. 350|- per month

Rs. 400|- per month Rs. 450|- per month

(ii) SUPER-TIME GR. II—PRINCIPAL MEDICAL OFFICER DEPUTY DIRECTOR OF HEALTH SERVICES

Officers who have not in 5 years of regular service in the senior scale (Senior Medical Officer|Assistant Director of Health Services) can be considered for promotion to Supertime Gr. II—Principal Medical Officer|Deputy Director of Health Services. The scale of pay is Rs. 1500—60—1800—100—2000 plus Rs. 600|- N.P.A.

(iii) SUPER-TIME GR. I—DIRECTOR OF HEALTH SERVICES

Principal Medical Officers and Denuty Director of Health Services, on completion of 6 years of service in the grade will be eligible for appointment of Super-time Gr J—Director of Health Services with the nav scale of Rs. 2250—125|2—2500 per month plus Rs. 600|- NPA.

- (g) Nature of duties—(1) ASSISTANT MEDICAL OFFICERS:
 - (i) They will attend to indoor patients in wards|departments of hospitals and out patients in dispensaries|out patients departments daily and as required.
 - (ii) They will carry out medical examination of employees and candidates for employment in accordance with the regulations in force.
 - (iii) They will maintain and upkeep all Equipment in their charge.

- (iv) They will look after the Family Wolfare, Public Health and Industrial Health of employees in their jurisdiction.
- (v) They will be responsible for training, discipline and proper discharge of duties of the hospital and dispensary staff.
- (vi) They will perform such other duties as are allotted to them by the Medical Office-in-Charge as per rules.

(2) GDO GR, I—ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICES AND SENIOR MEDICAL OFFICER:

- (a) ADHS posted at the Hqrs. will assist the DHS DDHS in the discharge of their duties on all medical matters as directed by them.
- (b) He will assist the DHS|DDHS in the day to day work of the Medical Section as the Section Officer.
- (c) He will perform such other duties as may be assigned to him by the DHS DDHS from time to time.
- (d) He will assist the DHS in dealing with all question relating to Medical Stores & equipments.
- (e) SMO—SMOs will be Incharge of any factory hespetal with less than 75 beds and Medical Estt. there.
- (f) As M.O. Incharge they will be advisors to the GM of Fys on all medical matters and make commendations as considered necessary.
- (g) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (h) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt. orders or delegated to him by the DHS.

(3) SUPER-TIME GRADE II—DY. DIRECTOR OF HEALTH SERVICES & PRINCIPAL MEDICAL OFFICER:

- (a) DDHS posted at the Hqrs. will assist the DHS in the discharge of the latter's duties in matters as directed by him.
- (b) He will not as DHS under orders of DGOF in the latter's absence on leave, tour etc.
- (c) PMO—PMO will be M.O. Incharge of any Factory hospital with 75 beds or above and the Medical Esta. there.
- (d) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys on all medical matters and make recommendations as considered necessary.
- (e) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (f) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt. orders or delegated to him by the DHS.

(4) SUPER-TIME GRADE-I—DIRECTOR OF HEALTH SERVICES:

- (a) Medical Adviser to DGOF on all Medical and health matters. Controlling authority of the Medical Establishment in DGOF Organisation on all Professional and Technical matters. He will exercise the administrative powers as delegated to him by the DGOF.
- (b) He will work out the plans for Implementation of the reports recommendations accepted by Govt.
- (c) As the Controlling authority he will distribute the personnel according to the requirement of Factories.
- (d) He will normally represent the DGOF on the UPSC.

- (e) He will normally once a year make or cause to be made inspection of all factories and report to the DGOF on the working of Medical installation there on all matters connected with Medical Estis.
- (f) He will initiate ACR's of DDHS and ADHS and will review the reports of all PMOs, SMOs and AMOs.

III. Junior Scale posts in the Central Heath Service:

- (a) The posts are temporary but likely to continue indefinitely. Candidates will be appointed to Junior Group 'A' scale and they will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. They will be confirmed in Junior Scale (Rs. 700—1300) in their turn after the satisfactory completion of probation subject to availability of permanent posts.
- (b) The candidates can be posted anywhere in India in any dispensary or hospital under any organisation participating in the Central Health Service viz. C.G.H.S. operating at Delhi, Bangalore, Bombay, Meerut etc., Coal mines Mica Mines Mobur Welfare Organisations, Assam Rifes, Arunachal Prach, Lakshadweep, Andaman and Nicobar Islands, P&T artment etc. Private practice of any kind whatsoever ining lab. and consultants Practice is prohibited.
 - (c) The following are the rates of pay admissible:-

Junior p A Scale (Medical Officer)

Scale 700-40-900-EB-40-1100-50-1300|-.

N.P.A.

1st to 5 stages Rs. 150 per month 6 to 10 stages Rs. 200 per month 11th stage onwards Rs. 250 per month

Medical Officers in the General Duty Cadre who have put in at least 5 years regular service in the grade will become eligible for promotion to Senior Scale.

Senior Scale (Senior Medical Officer)

Scale: Rs. 1100-50-1600|-,

N.P.A.

1 to 3 stages	Rs. 250 per month
4 to 5 stages	Rs. 300 per month
6 to 7 stages	Rs. 350 per month
8 to 9 stages	Rs. 400 per month
10 to 11 stages	Rs. 450 per month

Senior Medical Officers in the General Duty Cadre with 5 years regular service in the grade will be eligible for appointment as Chief Medical Officer.

Chief Medical Officer

Scale: Rs. 1500-60-1800-100-

Chief Medical Officer who has scale and has stagnated for not less appointment in the grade will be a Chief Medical Officer (Selection Grade)



Chlef Medical Officer (Selection Gri

Ccale: Rs. 2000-125|2-2230 Plus 1

Officers holding post in the grade of hief Medical of selection grade with 7 years regular stoce in the selection be eligible for promotion to Supertim Grade (Levis, 1)

Supertime Grade (Level-II)

Scale : Rs. 2250-125 2-2500 Plus NPA, Ba. 600 per

Officers in the Supertime Grade (Level-II) in General Sub-cadre with 2 years regular service in the grade will eligible for promotion to Supertime Grade (Level-I).

Supertime Grade (Level-I)

Scale: Rs. 2500-125|2-2750 Plus NPA Rs. 600 per month.

IV. Medical Officer in the Municipal Corporation of Delha;

(i) The post is temporary in category 'A' but likely to permanent in due course. The scale of pay is Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300|- plus restricted non-practicing allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rates at present are:

1—5 stage Rs. 150 per month 6—10 stage Rs. 200 per month

11 stage and onwards

Rs. 250 per month

- (ii) The candidates will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of competent authority. On satisfactory completion of the probation period, he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.
- (iii) The candidates can be posted anywhere within the jurisdict on of the Municipal Corporation of Delhi in any one of the Hospitals Discensaries M&CW and Family Welfare Centres Primary Health Centres etc. etc.
 - (iv) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.
- (v) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Municipal Corporation of Delhi reserves the right to pay one month's pay in lieu of notice.

Prospects of promotion including pay scales and allowncaes attached to the higher grades shall be according to the provisions of the Recruitment Regulations.